बी एच ई एल
BHEL

वार्षिक रिपोर्ट 2009-2010

प्रगति को गति . . . जीवन को ज्योति
भारत के हर घर से जुड़ा

विज़न

पणधारी मूल्यवृद्धि के लिए प्रतिबद्ध विश्वस्तरीय
इंजीनियरी उपक्रम

मिशन

ऊर्जा, उद्योग, परिवहन, आधारभूत एवं अन्य संभावित क्षेत्रों में
गुणवत्तापूर्ण उत्पादों, प्रणालियों और सेवाओं द्वारा
समग्र व्यापारिक समाधान प्रदान करने वाला
भारतीय बहुराष्ट्रीय इंजीनियरी उपक्रम बनना

मूल्य

श्रेष्ठ बनने की उमंग तथा परिवर्तन के प्रति उत्साह
सभी मामलों में सत्यनिष्ठा और निष्पक्षता
व्यक्ति की प्रतिष्ठा और क्षमता का सम्मान
प्रतिबद्धताओं का कड़ाई से पालन
अनुक्रिया की गति सुनिश्चित करना
शिक्षा, रचनात्मकता एवं टीम कार्य को प्रोत्साहन देना।
कम्पनी के प्रति निष्ठा एवं आत्मगौरव

fo"k; lwph

1. शेयरधारकों को पत्र 2
2. निदेशक मंडल 3
3. प्रबंध समिति 4
4. कारपोरेट कार्यात्मक संरचना 6
5. कारपोरेट रूपरेखा 8
6. वर्ष एक नजर में 16
7. पुरस्कार 19
8. निदेशकों की रिपोर्ट 20
   – प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण 25
   – निदेशकों का संक्षिप्त परिचय 56
   – कारपोरेट अभिशासन 60
   – ऊर्जा का संरक्षण 87
   – धारा 217(2क) के अनुसार सूचना 89
   – कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 212 के अनुसरण में विवरण 90
   – लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट 91
   – भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां 96
9. वार्षिक लेखे (स्टैण्डएलोन) 97
   – महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां 99
   – नकद प्रवाह विवरण और अनुसूचियों के साथ लेखा परीक्षित लेखे 103
10. सहायक कंपनी 143
   – निदेशकों की रिपोर्ट 145
   – प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण 149
   – कारपोरेट अभिशासन 154
   – कारपोरेट अभिशासन पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट 156
   – लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट 157
   – भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट 161
   – महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां 162
   – नकद प्रवाह विवरण और अनुसूचियों के साथ लेखापरीक्षित लेखे 166
11. समेकित वित्तीय विवरण 187
   – समेकित वित्तीय विवरण पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट 189
   – महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां 191
   – नकद प्रवाह विवरण और अनुसूचियों के साथ लेखापरीक्षित लेखे 195
12. पणधारकों के लिए अतिरिक्त सूचना 221
   – दस वर्षों का सार 223
   – अमरीका जीएएपी के अधीन निवल आय 225
   – आर्थिक मूल्य वर्धन (ईवीए) 227
   – मूल्य वर्धन विवरण 228
   – वार्षिक योजना की तुलना में कार्यनिष्पादन 229
   – राजकोष को अंशदान 229
   – उत्पाद रूपरेखा 230
   – भारत में बीएचईएल 237
   – बीएचईएल की अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति 238
13. सूचना 240

शेयरधारकों को पत्र

fi; 'k;j/kkjdk]

मुझे यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि वर्ष 2009–10 में बीएचईएल ने उत्कृष्ट परिणामों के साथ एक और सफल वर्ष पूरा किया है। आपकी कंपनी ने विद्युत और अन्य अवसंरचना क्षेत्रों से हो रही निरंतर मांगों की पूर्ति की है और सुदृढ़ प्रतिस्पर्धी स्थिति और बेहतर निष्पादन से एक बार फिर रिकार्ड कुल कारोबार और लाभ प्राप्त करने में समर्थ हुई हैं। सुदृढ़ घरेलू मांग द्वारा चालित भारतीय अर्थव्यवस्था के आमूल–चूल परिवर्तन में वैश्विक वृहद आर्थिक दशाओं का सुधार परिलक्षित हुआ।

मैं आपको वित्तीय वर्ष 2009–10 के परिणामों के माध्यम से कंपनी के कार्यनिष्पादन की संक्षेप में जानकारी देना चाहूँगा।

o"k 2009&10 d nkjku dk;fu"iknu

बीएचईएल ने पिछले पांच वर्षों में अपने कुल कारोबार में तिगुनी और निवल लाभ में चार गुना वृद्धि की है। वर्ष 2009–10 में शीर्ष रेखा में कुल कारोबार 34,154 करोड़ रूपए तक पहुंचते हुए 22% की वृद्धि हुई। कर पश्चात लाभ 6,591 करोड़ रूपए था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 36% की वृद्धि है तथा निवल लाभ बढ़कर 4,311 करोड़ रूपए हो गया जो पिछले वर्ष की तुलना में 37% की वृद्धि दर्शाता है। इस दौरान कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गई और उनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- यूटीलिटी खंड में कंपनी ने वर्ष 2009–10 में निजी क्षेत्र से अब तक का अधिकतम आर्डर प्राप्त किया। वर्ष के दौरान बीएचईएल द्वारा प्राप्त विद्युत संयत्र उपस्कर के लिए 16,489 मेगावाट के कुल आर्डर में से निजी विद्युत संगठनों से ही प्राप्त आर्डर का हिस्सा 14,689 मेगावाट था जो विद्युत क्षेत्र में दर्ज कुल ऑर्डरों का लगभग 89% है।
- ग्राहक पर वर्धित ध्यान देने और नए व्यवसाय क्षेत्रों में प्रवेश के लिए वर्धित प्रयासों के परिणामस्वरूप, उद्योग क्षेत्र में ऑर्डर की बुकिंग ने पिछले वर्ष की तुलना में अब तक का अधिकतम 40% की वृद्धि दर्ज की। वर्ष 2009–10 में बीएचईएल द्वारा 59,037 करोड़ रूपए की कुल आर्डर बुकिंग में से इसके उद्योग व्यवसाय खंड में 14,366 करोड़ रूपए का आर्डर अंतर्प्रवाह जारी रहा।
- जेपी समूह को 3x660 मेगावाट बारा प्रयागराज पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड के लिए निजी क्षेत्र से पहला सुपरक्रिटिकल ऑर्डर प्राप्त किया गया।
- कंपनी ने प्रत्येक कार्यदिवस एक पेटेंट/कॉपीराइट दाखिल करते हुए कुल 263 पेटेंट और कॉपीराइट दाखिल करने सहित वर्ष में अपनी बौद्धिक पूंजी में 27% की वृद्धि दर्ज की।
- बीएचईएल ने अनुसंधान और विकास पर 829 करोड़ रूपए का निवेश किया जो पिछले वर्ष की तुलना में 20% अधिक है। कुल कारोबार के 2.43% के व्यय से बीएचईएल भारत में अपने किस्म के उद्योग में अनुसंधान और विकास पर अधिकतम व्यय करने वाली कंपनी है।
- आर्थिक मूल्यवर्धन (ईवीए) 2670 करोड़ रूपए तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष में 2008 करोड़ रूपए की तुलना में 33% की वृद्धि है।
- प्रति शेयर अर्जन (ईपीएस) पिछले वर्ष के 64.11 रूपए की तुलना में बढ़कर 88.06 रुपए हो गया।
- वर्ष के लिए 110% के अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त निदेशक मंडल द्वारा 123% के अंतिम लाभांश की सिफारिश की गई है, जिससे यह वर्ष के लिए कुल 233% हो गया है।
- कंपनी ने अपने कर्मचारियों के साथ एक दस–वर्षीय वेतन करार सफलतापूर्वक संपन्न किया।

अब, मैं इस बात पर ध्यान केंद्रित करना चाहूंगा कि हम बीएचईएल को सुदृढ़ करने के लिए कैसे योजना बनाते हैं और अपने बाजार नेतृत्वशीलता का विस्तार करने के लिए अपनी कार्यनीति का कैसे निष्पादन करते हैं।

fodkl vkj ujrRo d fy, dk;lph

आपकी कंपनी अत्यधिक अवसरों परंतु बड़ी चुनौतियों के समय से भी गुजर रही है। वर्ष 2003–09 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में औसतन 8.5% की वृद्धि और 7% से अधिक ऊर्जा की मांग से भारतीय विद्युत क्षेत्र अभी भी क्रमशः 16% और 27% की शीर्ष कमी तथा पारेषण एवं वितरण हानियों से बाधित है। हमारी अर्थव्यवस्था को 8% से अधिक उच्च वृद्धि दर बनाए रखने में समर्थ बनाने के लिए इस विशाल विद्युत मांग–आपूर्ति के अंतर को कम करना अनिवार्य है।

इस परिप्रेक्ष्य में, हमने श्रेष्ठ शेयरधारक महत्व सृजित करते हुए विभिन्न कार्यनीतिक पहलों का निष्पादन जारी रखकर अवसरों और चुनौतियों का प्रत्युत्तर दिया है। कंपनी ने मार्च, 2010 के अंत में प्रतिवर्ष 15,000 मेगावाट के विद्युत उपस्करों की सुपुर्दगी की क्षमता स्थापित की है और मार्च 2012 तक प्रतिवर्ष 20,000 मेगावाट का और विस्तार करने का कार्य जारी है। 11वीं योजनावधि के दौरान उच्चतर रेटिंग के न्यूक्लियर सेट, 765 केवी ट्रांसफॉर्मर तथा 1200 केवी के लिए अन्य संबद्ध पारेषण और वितरण उपस्करों के शुभारंभ के साथ मौजूदा उत्पादों की क्षमता वृद्धि के लिए 5,500 करोड़ रूपए के पूंजीगत निवेश की संकल्पना की जा रही है।

आपकी कंपनी न्यूक्लियर विद्युत, पारेषण, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा में उभरते हुए विकास के अवसरों को शीघ्रतापूर्वक हासिल करने के लिए सभी आवश्यक कार्यनीतिक पहलें कर रही है। क्योंकि इनका भविष्य में वृद्धि के साधन होना प्रत्याशित हैं। बीएचईएल सुपरक्रिटिकल क्षेत्र में उपस्करों की बिक्री बढ़ाने और प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण निविष्टियों तथा उपस्करों का स्रोत खोजने के लिए संयुक्त उपक्रमों द्वारा कार्यनीतिक सहयोग करता रहेगा।

अंतर्राष्ट्रीय पदचिन्ह का विस्तार करने के लिए बीएचईएल मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तथा नए बाजारों में भी अवसरों की खोज करने के लिए अपनी उपस्थिति का समेकन करेगा। ध्यान केंद्रण ईपीसी के अवसरों, ईपीसी दक्षता के वर्धन और तद्नुसार संगठन को आगे बढ़ाने पर होगा।

इसके अतिरिक्त, प्रचालनात्मक क्षमता सुधारने के लिए आपकी कंपनी सक्रियतापूर्वक एसएपी/ईआरपी तथा लागत के अनुसार डिजाइन (डीटीसी), अवलंबित विनिर्माण और क्रय तथा आपूर्ति प्रबंधन (पीएसएम) जैसी अन्य क्षमता निर्माण पहलों का कार्यान्वयन कर रही है।

आपकी कंपनी अनुसंधान और विकास प्रयासों में निवेश में और वृद्धि करने तथा संगठन की इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी प्रकृति को सुदृढ़ करने का विचार रखती है। अपने क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अनुरूप हमने वर्ष 2007–10 की अवधि के दौरान लगभग 12,000 कर्मचारियों की भी वृद्धि की है।

बीएचईएल सतत् आधार पर नवीकरणीय ऊर्जा आधारित उत्पादों के विकास और संवर्धन द्वारा पर्यावरणीय हितों में योगदान देता रहा है। आपकी कंपनी सुपरक्रिटिकल, आइजीसीसी, सौर विद्युत आदि जैसी निम्न कार्बन मार्ग प्रौद्योगिकियों पर अपना ध्यान केंद्रण बढ़ा रही है और यह अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल विद्युत संयंत्रों पर राष्ट्रीय प्रयासों में एक सक्रिय भागीदार है।

बीएचईएल अपने निगम सामाजिक उत्तरदायित्व नीति के भाग के रूप में प्रचालन के अपने क्षेत्रों के समीप स्थित विभिन्न गांवों में सामाजिक–आर्थिक और सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के लिए अपने उत्तरदायित्व हेतु प्रतिबद्ध है।

fu"d"k

मैं निदेशक मंडल में अपने सहयोगी निदेशकों और प्रबंध समिति के सदस्यों के प्रति उनके समर्थन के लिए अत्यंत आभारी हूँ। मैं बीएचईएल के प्रत्येक शेयरधारक को विशेष धन्यवाद देना चाहूँगा, जिनकी आस्था और विश्वास हमारे सभी प्रयासों में प्रेरणादायक शक्ति रही है। मैं भारत और विदेश में अपने सभी ग्राहकों और व्यावसायिक सहयोगियों को उनकी संपूर्ण निष्ठा और हमारे उत्पादों तथा सेवाओं के अटल संरक्षण के लिए धन्यवाद देता हूँ। भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय, विशेषकर भारी उद्योग विभाग हमारे सभी प्रयासों में बहुमूल्य मार्ग निर्देशन और समर्थन प्रदान करते हैं। अंततः बीएचईएल के 46,000 से अधिक कर्मचारियों को भी धन्यवाद देता हूँ, जो इन सफलताओं में भागीदार हैं। मैं कंपनी के लिए उनकी उच्च स्तर की प्रतिबद्धता और इस अवधि में उनके उल्लेखनीय कार्यनिष्पादन के लिए अत्यधिक गर्व महसूस करता हूँ तथा आगे बढ़कर यहाँ तक कि अत्यधिक सफलताएं प्रदान करने की उनके सामर्थ्य में भी मुझे पूर्ण विश्वास है।

सफलता के सभी तत्वों, समर्पित लोगों, इंजीनियरी और प्रौद्योगिकीय उत्कृष्टता तथा सही व्यावसायिक कार्यनीतियां मौजूद रहने से आपकी कंपनी विकासशील उद्योग की मांग पूरा करने और सतत् परिणाम देने के लिए भलीभांति तैयार हैं, जिसके लिए आपकी कंपनी जानी जाती है।

मैं आने वाले वर्षों में कंपनी के विकास की गति जारी रखते हुए आपके अटल समर्थन की आशा करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

नई दिल्ली
12 अगस्त, 2010

¼ch- i zlkn jko½
अध्यक्ष एंव प्रबंध निदेशक

fun'kd eMy fnukd 31-07-2010 dh ;FkkfLFkfr

ch- iz lkn jko
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Jh lkjHk pUn
निदेशक

Jh jktho cly
निदेशक

Jh ,l jfo
निदेशक

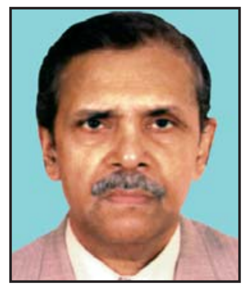
Jh v'kkd dekj cl
निदेशक

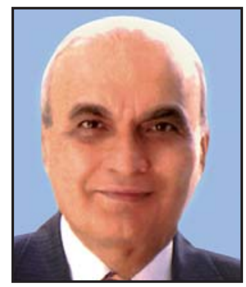
Jh ,e , iBku
निदेशक

Jherh jok u;j
निदेशक

Jh oh-dh- t ;jFk
निदेशक

Jh vfuy lpno
निदेशक

Jh vry ljk;k
निदेशक

Jh vk-ih- HkVkuh
निदेशक

Jh vkb-ih- flg
कंपनी सचिव

çcU/k lfefr

fnukad 28-07-2010 dh ;FkkfLFkfr

सर्व / श्री

[kMs gq, (बाएं से दाएं) – आर.के. श्रीवास्तव, एन खंडेलवाल, टी.एन. वीरराघवन, बी. शंकर, पी.के. बाजपेयी, जैनेन्द्र कुमार, सुबोध गुप्ता, जितेन्द्र कुमार, पी.के. अग्रवाल, आर. कृष्णन, पी.के. उप्पल, डब्ल्यू.वी.के. कृष्ण शंकर, एस. गोपालकृष्णन

cBs gq, nwljh iafDr esa (बाएं से दाएं) – एम. राजीव कुमार, आर.के. वांचू, यू.के. दास, डी. अशोक, डॉ. एच.एस. जैन, रंजन साही, जी.एस. बिन्द्रा, ए. चंद्रबाबू, प्रभात कुमार, ए.वी. कृष्णन, एम.के. दुबे

cBs gq, igyh iafDr esa (बाएं से दाएं) – ए. औरंगाबादकर, डी.के. मोदी, ओ.पी. भूटानी, अतुल सराया, बी. प्रसाद राव, अनिल सचदेव, पी.आर. श्रीराम, जी. गणपतिरमन, वी. पांधी

बी. प्रसाद राव	– अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
	– विलयन और अधिग्रहण
	– कारपोरेट वित्त
	– कराधान
	– वित्तीय सेवाएं
	– आंतरिक लेखा परीक्षा
	– औद्योगिक प्रणालियां और उत्पाद निम्नलिखित सहित व्यवसाय
	– कैप्टिव विद्युत संयंत्र व्यवसाय
	– पारेषण व्यवसाय
	– परिवहन व्यवसाय
	– रक्षा व्यवसाय
	– नवीकरण योग्य ऊर्जा
	– क्षेत्रीय प्रचालन
अनिल सचदेव	– मानव संसाधन
	– कारपोरेट संचार
	– कारपोरेट सूचना प्रौद्योगिकी
	– कारपोरेट स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण
	– मानव संसाधन विकास संस्थान
	– कारपोरेट उत्पादकता
अतुल सराया	– विद्युत व्यवसाय
	– पावर सेक्टर क्षेत्र – उत्तर, पूर्व, दक्षिण और पश्चिम
	– स्पेयर्स एवं सर्विसेज बिजनेस
	– परियोजना/प्रणाली इंजीनियरी प्रबंध
	– परियोजना प्रबंध
ओ.पी. भूटानी	– कारपोरेट इंजीनियरी और उत्पाद विकास
	– कारपोरेट अनुसंधान एवं विकास
	– कारपोरेट विनिर्माण प्रौद्योगिकी और निवेश आयोजना
	– कारपोरेट अनुवीक्षण
	– कारपोरेट सामग्री प्रबंध
	– प्रौद्योगिकी लाइसेंसीकरण तथा संयुक्त उपक्रम
	– केन्द्रीय स्टाम्पिंग यूनिट
	– फैब्रिकेशन संयंत्र
	– उन्नत अनुसंधान परियोजनाएं
आर.के. श्रीवास्तव	– क्षेत्रीय परिचालन
	– संघटक फ्रेब्रिकेशन संयंत्र
	– केन्द्रीय विपणन समूह
डी.के. मोदी	– हेवी इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट प्लांट
	– प्रदूषण नियंत्रण अनुसंधान संस्थान
पी.आर. श्रीराम	– पावर सेक्टर–दक्षिण क्षेत्र
ए. औरंगाबादकर	– पावर सेक्टर–पश्चिम क्षेत्र
पी. गणपतिरमन	– इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन
	– इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिवीजन
	– इंडस्ट्रियल सिस्टम ग्रुप
वी. पांधी	– परिवहन व्यवसाय
	– औद्योगिक उत्पाद – मैकेनिकल
	– औद्योगिक उत्पाद – इलेक्ट्रिकल
एम.के. दुबे	– हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट
	– इलेक्ट्रिकल मशीन मरम्मत प्लांट
ए.वी. कृष्णन	– हाई प्रेशर बॉयलर प्लांट
	– सीमलेस स्टील ट्यूब प्लांट
	– इंडस्ट्रियल वाल्व प्लांट
	– पाइपिंग सेंटर
	– वेल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट
प्रभात कुमार	– ट्रांसफॉर्मर प्लांट
ए. चंद्रबाबू	– बॉयलर ऑग्जिलियरी प्लांट
जी.एस. बिन्द्रा	– परियोजना इंजीनियरी प्रबंधन
रंजन साही	– कारपोरेट विनिर्माण प्रौद्योगिकी एवं निवेश नियोजना
	– कारपोरेट मानीटरिंग
	– कारपोरेट सामग्री प्रबंधन
डॉ. एच.एस. जैन	– कारपोरेट अनुसंधान और विकास
एस. गोपालकृष्णन	– विद्युत क्षेत्र विपणन–थर्मल और गैस
यू.के. दास	– अतिरिक्त पुर्जा और सेवा व्यवसाय
आर.के. वांचू	– परियोजना इंजीनियरी और प्रणालियां
एम राजीव कुमार	– पावर सेक्टर–पूर्वी क्षेत्र
पी.के. उप्पल	– अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन
आर. कृष्णन	– हैवी पावर इक्विपमेंट प्लांट
पी.के. अग्रवाल	– पावर सेक्टर विपणन–न्यूक्लियर और हाइड्रो
जितेन्द्र कुमार	– पावर सेक्टर–उत्तरी क्षेत्र
डी. अशोक	– सिरामिक व्यवसाय
सुबोध गुप्ता	– कैप्टिव विद्युत संयंत्र व्यवसाय
	– उद्योग क्षेत्र – परियोजना प्रबंधन
	– रक्षा व्यवसाय
जैनेन्द्र कुमार	– पावर सेक्टर–परियोजना प्रबंधन
पी.के. बाजपेयी	– वित्तीय सेवाएं–केन्द्रीय कार्यालय
बी. शंकर	– मानव संसाधन और कारपोरेट संचार
टी.एन. वीरराघवन	– पारेषण व्यवसाय
डब्ल्यू.वी.के. कृष्णशंकर	– कारपोरेट योजना और विकास
	– सदस्य–सचिव, प्रबंध समिति

LFkk;h vkef=r

एन. खंडेलवाल	– सेंट्रल फाउन्ड्री फोर्ज प्लांट

कॉर्पोरेट कार्यात्मक संरचना
(22.06.2010 की यथास्थिति)

निदेशक मंडल

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कार्यकारी निदेशकों की समिति

कॉर्पोरेट कार्य

निदेशक वित्त
- कारपोरेट वित्त
- बजट तथा बजट नियंत्रण
- लागत प्रबंधन
- बैंकिंग एवं बीमा
- राजकोष प्रबंध
- वित्तीय परियोजना
- लेखा एवं लेखापरीक्षा
- प्रत्यक्ष कराधान
- अप्रत्यक्ष कराधान
- विदेशी मुद्रा प्रबंधन
- वित्तीय आयोजना एवं नीतियां
- आंतरिक लेखा परीक्षा
- संयुक्त उपक्रम –वित्त

निदेशक, मानव संसाधन
- मानव संसाधन
- कारपोरेट संचार
- कारपोरेट सूचना प्रौद्योगिकी
- कारपोरेट स्वास्थ्, सुरक्षा और पर्यावरण
- मानव संसाधन विकास संस्थान
- कारपोरेट उत्पादकता समूह
- चिकित्सा सेवाएं
- सुरक्षा

निदेशक, इंजीनियरिंग, आर एंड डी
- कॉर्पोरेट उत्पादन प्रौद्योगिकी तथा निवेश आयोजना'
- कॉर्पोरेट मानीटरिंग
- कॉर्पोरेट मैटिरियल प्रबंधन
- कॉर्पोरेट इंजीनियरी तथा उत्पाद विकास
- उन्नत अनुसंधान परियोजनाएं
- तकनीकी लाइसेंसिंग तथा संयुक्त उपक्रम
- कॉर्पोरेट आर एंड डी, हैदराबाद
- सेरामिक प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर
- एएसएससीपी, गुड़गांव
- केन्द्रीयकृत स्टैम्पिंग यूनिट
- निर्माण संयंत्र

मुख्य सतर्कता अधिकारी
- सतर्कता

कारपोरेट आयोजना तथा विकास
- कार्यनीतिक आयोजना
- निवेशक संपर्क
- प्रबंधन समिति सचिवालय
- सरकार के साथ समझौता ज्ञापन
- संसदीय मामले
- रूपांतरण कार्यक्रम कार्यालय
- कार्यात्मक निदेशक समिति सचिवालय

केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी
- विलयन और अधिग्रहण
- संपर्क निकटता समूह
- केन्द्रीय लोक सूचना कार्यालय

कॉर्पोरेट गुणवत्ता
- नई गुणवत्ता पहल
- संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंध
- गुणवत्ता प्रमाणन

कंपनी सचिव तथा विधिक मामले
- कंपनी विधि और विधिक मामले
- सचिवालय सहयोग
- आम वार्षिक बैठक

व्यवसाय क्षेत्र

निदेशक पावर

निदेशक औद्योगिक प्रणाली एवं उत्पाद

अंतर्राष्ट्रीय परिचालन

#इस समय अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को रिपोर्ट करते हैं
'उद्योग क्षेत्र व्यवसाय के लिए निदेशक (आईएसएंडपी) को मैट्रिक्स रिपोर्टिंग
*परिचालन यूनिटें

प्रबन्ध समिति

- पावर सेक्टर – विपणन
- पावर सेक्टर – क्षेत्र (उत्तरी क्षेत्र, पूर्वी क्षेत्र, पश्चिमी क्षेत्र, दक्षिणी क्षेत्र)
- परियोजना/प्रणाली इंजीनियरी प्रबंध
- परियोजना प्रबंधन
- तकनीकी सेवाएं
- अतिरिक्त पुर्जे और सेवा व्यवसाय समूह$
- हेवी इक्विपमेंट रिपेयर प्लांट, वाराणसी
- मानव संसाधन

#

- कैप्टिव विद्युत संयंत्र व्यवसाय
- औद्योगिक उत्पाद व्यवसाय (विद्युत एवं यांत्रिक)
- पारेषण तथा वितरण व्यवसाय
- परिवहन व्यवसाय
- रक्षा व्यवसाय
- एनसीईएस के लिए केन्द्रीय विपणन समूह
- सेरामिक व्यवसाय यूनिट, बंगलौर
  - इलेक्ट्रो पोर्सिलेंस डिवीजन, बंगलौर*
  - इंसुलेटर प्लांट, जगदीशपुर*
- कंपोनेंट फेब्रिकेशन संयंत्र, रुद्रपुर*
- क्षेत्रीय परिचालन डिवीजन
- परियोजना प्रबंधन तथा ग्राहक प्रतिक्रिया
- परियोजना इंजीनियरी और प्रणाली डिवीजन

- विदेशी व्यवसाय

प्रचालन

- हेवी इलेक्ट्रिकल संयंत्र, भोपाल
- सेंटर फॉर इलेक्ट्रिक ट्रांसपोर्टेशन, भोपाल
- ईएमआरपी, मुंबई

- ट्रांसफार्मर संयंत्र, झांसी

- हेवी इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट प्लांट, हरिद्वार
- प्रदूषण नियंत्रण अनुसंधान संस्थान, हरिद्वार

- केन्द्रीय फाउंड्री फोर्ज प्लांट, हरिद्वार

- हेवी पावर इक्विपमेंट प्लांट, हैदराबाद

- इंडस्ट्रियल वाल्व प्लांट, गोइंदवाल

- हाई प्रेशर बॉयलर प्लांट, त्रिची
- सीमलेस स्टील ट्यूब प्लांट, त्रिची
- वेल्डिंग अनुसंधान संस्थान, त्रिची

- पाइपिंग सेंटर, चेन्नई

- बॉयलर ऑग्जिलियरी प्लांट, रानीपेट

- इलेक्ट्रानिक्स डिवीजन, बंगलौर
- इलेक्ट्रानिक्स सिस्टम डिवीजन, बंगलौर
- इंडस्ट्रियल सिस्टम ग्रुप, बंगलौर

dkjiksjsV :ijs[kk

आज बीएचईएल ऊर्जा सम्बद्ध/अवसंरचना क्षेत्र में भारत में सबसे बड़ा इंजीनियरी और विनिर्माण उद्यम है। चार दशकों से अधिक पूर्व अपने प्रारंभ से ही बीएचईएल का भारत में 1971–72 से लगातार एक लाभ अर्जक स्वदेशी भारी विद्युतीय उपस्कर उद्योग में बढ़िया रिकार्ड रहा है। बीएचईएल औद्योगिक क्षेत्र में और रेलवे चुनिंदा उत्पाद खण्डों में अपनी मज़बूत पहचान बनाने के साथ ही पावर प्लांट उपकरणों का बड़ा आपूर्तिकर्त्ता बनकर घरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराकर लगातार विनिर्माण आर्डर प्राप्त कर रहा है। कम्पनी ने 15,000 मे.वा. प्रतिवर्ष सुपुर्दगी की क्षमता हासिल कर ली है और 2012 तक इसे 20,000 मे.वा. प्रति वर्ष पहुचने हेतु क्षमता विस्तार कार्यक्रम प्रगति पर है। इस समय देश में उत्पादित कुल विद्युत का 74 प्रतिशत बीएचईएल सेटों के माध्यम से होते हैं।

बीएचईएल भारतीय अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों अर्थात विद्युत उत्पादन और ट्रांसमिशन, उद्योग, परिवहन, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा आदि की मांग की पूर्ति करता है। बीएचईएल के 14 विनिर्माण प्रभागों, 4 विद्युत क्षेत्र क्षेत्रीय केन्द्रो, 8 सेवा केन्द्रो, 15 क्षेत्रीय कार्यालयों, एक सहायक कंपनी, संयुक्त उपक्रमों तथा संपूर्ण भारत एवं विदेश में फैले बड़ी संख्या में परियोजना कार्यस्थलों का व्यापक नेटवर्क कंपनी को अपने ग्राहकों की तत्काल सेवा करने और उन्हें उपयुक्त उत्पाद, प्रणालियां और सेवाएं कुशलतापूर्वक और प्रतिस्पर्धी मूल्य पर प्रदान करने में समर्थ बनाता है।

बीएचईएल ने क्वालिटी सिस्टम में आई एस ओ–9000 के अनुसार अपनी मज़बूत जड़ें बना ली हैं। कम्पनी ने व्यवसाय श्रेष्ठता हेतु सी आई आई ई एफ क्यू मॉडल अपनाकर पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन (टी क्यू एम) में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। 2009–10 के दौरान प्राप्त छः सीआईआई–एग्जिम प्रशंसा पत्रों के साथ, बीएचईएल देश की सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र की कम्पनियों के बीच सर्वोच्च स्थान पर है। लगातार विकास की ओर अग्रसर बीएचईएल की उत्कृष्ट कार्य निष्पादन की मान्यता स्वरूप, बीएचईएल हैदराबाद यूनिट को सीआईआई–आईटीसी पुरस्कार 2009 प्रदान किया गया। लक्षद्वीप को हराभरा बनाने के लिए बीएचईएल के योगदान हेतु 'इंडिया पावर जूरी अवार्ड 2009' प्रदान किया गया।

लगातार चौथे वर्ष बीएचईएल के कार्यनिष्पादन को प्रतिष्ठित प्रकाशन 'फोर्ब्स एशिया' द्वारा मान्यता दी गई जिसने बीएचईएल को सर्वोच्च दीर्घावधि लाभप्रद व बिक्री एवं अर्जन वृद्धि के साथ कम से कम 5 बिलियन अमरीकी डालर राजस्व अथवा बाजार पूंजी के साथ 'बेस्ट आफ एशिया–पेसेफिक पब्लिसिटी ट्रेडेड कम्पनीज' की चौथी वार्षिक 'फेबुलस 50' सूची में शामिल किया है। बीएचईएल ही ऐसी भारतीय कम्पनी है जिसे बूज एण्ड कम्पनी की 'दि ग्लोबल इनोवेशन 1000' की 1000 सार्वजनिक–व्यापारिक कम्पनियों की सूची में 590 रैंक में रखा गया है, ये विश्व में अनुसंधान एवं विकास में सबसे बड़े स्पेंडर हैं। बीएचईएल तथा इसकी छः इकाइयों में वर्ष 2009 के लिऐ उत्कृष्ठ लागत प्रबंधन हेतु आईसीडब्ल्यूपी अवार्ड प्रदान किये गये। अधिकांश सार्वजनिक तथा निजी दोनों क्षेत्रों की कम्पनियां हैं। उल्लेखनीय है कि बीएचईएल ने लगातार उन्नीसवें वर्ष के लिए ईईपीसी का सर्वोच्च निर्यात पुरस्कार जीता। बीएचईएल एकमात्र भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है जिसे अग्रणी बिजनेस डेली द्वारा वर्ष के लिए सितारा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम के रूप में मान्यता दी गई है।

fo|qr mRiknu

बीएचईएल विद्युत उत्पादन के लिए ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए थर्मल, न्यूक्लियर, गैस तथा हाइड्रो आधारित उपयोगिता विद्युत क्षेत्रों हेतु उत्पादों तथा प्रणालियों की व्यापक रेंज का उत्पादन करती है। बीएचईएल एक द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले यूटीलिटी पावर जनरेटिंग सेट 91481 मेगावाट तक पहुँच गई है और समग्र स्थापित क्षमता के लगभग दो तिहाई और भारत में विद्युत उत्पादन की क्षमता में लगभग तीन चौथाई योगदान प्रदान करते हैं। बीएचईएल 660/800 मेगावाट के सुपरक्रिटिकल सेटों सहित 800 मेगावाट रेटिंग तक के स्टीम टर्बाइनों, जेनरेटरों, बॉयलरों तथा मैचिंग ऑग्जीलियरी सप्लाई करती है। बीएचईएल

झज्जर में 3 x 500 मेगावाट इंदिरा गांधी एसटीपीपी में 500 मेगावाट टीजी सेट के इरेक्शन का कार्य होते हुए

के पास 1000 मेगावाट यूनिट साइज तक पहुँचने की सुविधा है। बीएचईएल की स्टीम टर्बाइनें उच्च कार्यक्षमता को प्राप्त करने के अनुसार डिजाइन की गई हैं। भारत में राख की उच्च मात्रा वाले उपलब्ध कोयले के सक्षम उपयोग के लिए बीएचईएल ताप संयंत्रों के लिए परिचालक द्रवीकृत अस्तर दहन (सीएफबीसी) बॉयलरों की आपूर्ति करता है। बीएचईएल एकमात्र भारतीय कंपनी है जो ओपन तथा कंबाइंड साइकल परिचालनों के लिए 289 मेगावाट (आईएसओ) रेटिंग तक के बड़े आकार के गैस आधारित पावर प्लांट उपकरण, उन्नत श्रेणी की गैस टर्बाइन का उत्पादन करने में समर्थ है। बीएचईएल द्वारा हाइड्रो सेट की इंजीनियरी भी की जाती है और इनका विनिर्माण किया जाता है। इसकी उत्पादन रेंज में फ्रांसिस, पेल्टन तथा कैप्लन टाइप टर्बाइन, पम्प टर्बाइन, बल्ब टर्बाइन, मिनी माइक्रो हाइड्रो टर्बाइन तथा विभिन्न हेड डिस्चार्ज कम्बीनेशन के लिए इनके अनुरूप जेनरेटर शामिल हैं।

कंपनी नवीकरण, आधुनिकीकरण तथा विभिन्न पावर प्लांट उपकरणों की रेटिंग बढ़ाने के जरिये प्लांट कार्यनिष्पादन सुधार में विशेषज्ञता को साबित किया है। साथ ही इसे संयंत्रों की अवशिष्ट अवधि आकलन, स्वास्थ्य निदान तथा जीवन विस्तार की जानकारी में भी विशेषज्ञता प्राप्त है। कम्पनी विद्युत संयंत्रों के स्पेयर्स की सप्लाई नीवकरण तथा आधुनिकीकरण तथा ओवरहॉलिंग व रखरखाव सहित पोस्ट वारंटी सेवाओं हेतु सिंगल विंडो सुविधा भी प्रदान करती है।

वर्ष के दौरान बीएचईएल निर्मित पावर जनरेटिंग सैटों ने अब तक सर्वाधिक 490 बिलियन यूनिट इलैक्ट्रिसिटी का उत्पादन किया जो देश में कुल विद्युत उत्पादन का 75% था। राष्ट्रीय औसत क्षमता पैरामीटरों को सतत रूप से प्राप्त करते हुए बीएचईएल निर्मित थर्मल सेटों ने एक प्रभावपरक आपरेटिंग उपलब्धता (ओ ए) 87.5% हासिल किया; प्लांट लोड फैक्टर (पी एल एफ) 78.5% राष्ट्रीय औसत से अधिक था। बीएचईएल 200–500 मेगावाट थर्मल सेटों का निर्माण करता है जो देश की थर्मल जनरेटिंग क्षमता की रीढ़ हैं और पीएलएफ तथा ओए 82.2% तथा 90% रहा। उल्लेखनीय है कि ये सेट गत तीन वर्षों से निरंतर 90% से अधिक की उपलब्धता हासिल करते रहे हैं। विशेष रूप से 72 सेटों को 90% से अधिक पीएलएफ प्राप्त हुआ और 133 थर्मल सेटों ने 90% से अधिक परिचालनात्मक उपलब्धता हासिल की।

विद्युत मंत्रालय के वर्ष 2008–09 के सर्वोत्कृष्ट उत्पादकता पुरस्कार प्राप्त 8 थर्मल पावर स्टेशनों में से लगभग 7 स्टेशन बीएचईएल द्वारा विनिर्मित और सप्लाई किये गये जनरेटिंग उपकरण से सज्जित हैं जो बीएचईएल के उपकरण की गुणवत्ता और विश्वसनीयता की पुष्टि करते हैं। बीएचईएल विश्व की कुछ कम्पनियों में से एक है जो एकीकृत गैसीफिकेशन कम्बाइन्ड सायकिल (आईजीसीसी) तकनालॉजी के विकास में लगी है जो स्वच्छ तकनालॉजी को बढ़ावा देगी।

बीएचईएल साधारण कंट्रोल सिस्टम से लेकर सिंगल पुश बटन ऑटोमेशन रेंज वाले पावर स्टेशनों के लिए व्यापक रूप से विविध प्रकार के कंट्रोल उपकरण और समाधान प्रस्तुत करते हैं। कम्पनी को टर्नकी/ईपीसी आधार पर विद्युत परियोजना के निष्पादन हेतु संपूर्ण पावर स्टेशनों के लिस कम्प्राइजिंग बॉयलर टर्बाइन तथा बैंलेस आफ प्लांट (बी ओ पी) की सप्लाई हेतु विशेषता प्राप्त है।

m|¨x

बीएचईएल विभिन्न उद्योगों जैसे मेटलॉर्जिकल, खनन, सीमेंट, पेपर, उर्वरक, रिफाइनरियों तथा पेट्रो केमिकल्स आदि की मांग को पूरा करने के लिए पावर उपयोगिताओं के अलावा विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रानिक तथा मैकेनिकल उपकरण आदि की

बीएचईएल द्वारा स्थापित 4 x 250 मेगावाट ओ. पी. जिंदल सुपर ताप विद्युत संयंत्र, रायगढ़

गंधार में संयुक्त चक्र सह–उत्पादन विद्युत संयंत्र

प्रमुख निर्माता है। बीएचईएल ने बड़ी संख्या में सह–उत्पादन कैप्टिव विद्युत संयंत्रों, सेंट्रीफ्यूगल कम्प्रेसरों, ड्राइव टर्बाइनों, इंडस्ट्रियल बॉयलरों तथा ऑग्जीलियरीज, वेस्ट हीट रिकवरी बॉयलरों, गैस टर्बाइनों, पम्पों, हीट एक्सचेंजरों, इलेक्ट्रिकल मशीनों, वाल्वों, हेवी कास्टिंग्स एवं फोर्जिंग्स, इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रिसिपेटरों, आईडी/एफडी फैन, सीमलेस पाइपों आदि सहित सिस्टम तथा व्यक्तिगत उत्पाद विभिन्न उद्योगों को सप्लाई किए हैं। बीएचईएल विभिन्न विद्युत संयंत्रों और उद्योगों के लिए कंट्रोल और इंस्ट्रुमेंटेशन प्रणालियों, विशेषकर वितरित डिजीटल कंट्रोल प्रणालियों के मुख्य आपूर्तिकर्ता के रूप में भी उभरा है। बीएचईएल विश्व की प्रमुख कंपनियों में से एक है जिसे गैस टर्बाइनों में नाफ्था जलाने में विशेषज्ञता हासिल है। जगदीशपुर में एक नई विनिर्माण सुविधा सेन्ट्रलाइज्ड स्टाम्पिंग यूनिट (सीएसयू) ने जनरेटरों और इलैक्ट्रिकल मोटरों हेतु व्यवसाय और बाजार की बढ़ी मांग की वजह से विद्युतीय मशीनों के एक महत्वपूर्ण भाग स्टाम्पिंग की बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए कार्य करना शुरू कर दिया है।

ifjogu

परिवहन क्षेत्र में बीएचईएल की अन्तर्ग्रस्तता तेजी से बढ़ी है। आज भारतीय रेल विश्व के विशाल रेलवे नेटवर्कों में से एक है जो बीएचईएल द्वारा निर्मित कर्षण उपकरणों से युक्त है। परिवहन क्षेत्र में बीएचईएल की भागीदारी में तेजी से वृद्धि हुई है। भारतीय रेलवे की अधिकतर रेलगाड़ियां चाहे वह बिजली अथवा डीजल चालित हों, बीएचईएल के कर्षण प्रोपल्शन सिस्टम तथा कंट्रोल से युक्त हैं। इसकी उत्पाद रेंज में ट्रेक्शन मोटरें, ट्रेक्शन जेनरेटर/आल्टरनेटर्स, ट्रांसफार्मर्स, सब स्टेशन उपकरण, वैक्यूम सर्किट ब्रेकर, लोकोमोटिव बोगी, समूदिंग रिएक्टर, एक्साइटर्स, कनवर्टर, इनवर्टर, चोपर्स तथा संबद्ध कंट्रोल उपकरण, जैसे मास्टर कंट्रोलर्स, चोपर कंट्रोलर्स, ब्रेक तथा डोर उपकरण, इलेक्ट्रानिक कंट्रोल एवं सॉफ्टवेयर आधारित कंट्रोल, रोलिंग स्टॉक तथा अन्य परिवहन अनुप्रयोग शामिल हैं।

बीएचईएल ने भारतीय रेलवे के लिए बड़ी संख्या में 3900 एचपी इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव तथा 4700 एचपी एसी/डीसी लोकोमोटिव निर्मित एवं सप्लाई किए हैं। साथ ही, इसने सीमेंट, स्टील तथा उर्वरक प्लांटों, थर्मल पावर स्टेशनों, कोलफील्डों, बंदरगाहों तथा अन्य मध्यम एवं विशाल उद्योग और शहरी परिवहन परियोजनाओं के लिए 350 एचपी से लेकर 2600 एचपी तक के डीजल लोकोमोटिव रेंज भी निर्मित एवं सप्लाई की है। डीजल मल्टीपल यूनिटों, कोलकाता में अंडरग्राउंड मेट्रो रेल सिस्टम, मुबई, कोलकाता, चेन्नई और दिल्ली में इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (ईएमयू) सेवाओं का परिचालन बीएचईएल द्वारा निर्मित ड्राइव और कंट्रोल पर हो रहा है।

बीएचईएल ने ए सी ट्राइब्स के लिए आई जी बी टी आधारित प्रोपल्सन प्रणाली हेतु ऊर्जा दक्ष तकनालॉजी सफलता पूर्वक विकसित और स्थापित करके परिवहन क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इससे बीएचईएल 25 केवी एसीईएमयू तथा 1600 एचपीएसी–एसी डेमू हेतु आईजीबीटी आधारित नई परियोजनाओं के बाजार में प्रवेश करेगा।

बीएचईएल ने भारतीय रेलवे से 150 इलैक्ट्रिक लोकोमोटिब्स हेतु 990 करोड़ रूपये का एकल – सबसे बड़ा आर्डर प्राप्त किया है। (कारपोरेट प्रोफाइल का भाग नहीं हो सकता है) बीएचईएल ने भारतीय रेलवे के लिए ट्रेक रखरखाव मशीनों और कोच निर्माण के क्षेत्र को भी विविधीकृत किया है और रोलिंग स्टॉक की रिट्रोफिटिंग तथा ओवरहालिंग भी करता है।

uohdj.kh; ÅtkZ

बीएचईएल ने ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ–साथ तेजी

सेल–आईएसपी बर्नपुर के लिए 700 अ.श. (एसपीपी) डीजल–इलेक्ट्रिक शटिंग लोकोमोटिव

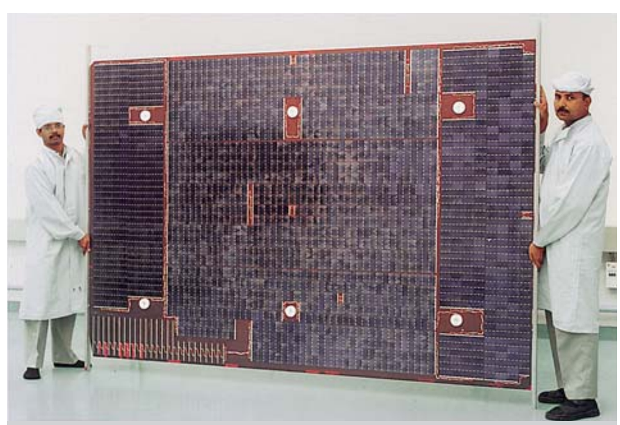

ईडीएन, बंगलौर में विनिर्मित स्पेस ग्रेड सौर पैनल

से समाप्त हो रहे फॉसिल आधारित ऊर्जा स्रोतों से निर्भरता कम करने के लिए गैर–परंपरागत ऊर्जा के महत्वपूर्ण क्षेत्र में त्वरित प्रयास किए हैं। निर्मित एवं सप्लाई किए गए नवीरकरणीय ऊर्जा उत्पाद तथा प्रणाली रेंज में समूचे भारत में घरेलू तथा औद्योगिक उपयोग एवं विंड इलेक्ट्रिक जेनरेटरों के लिए विभिन्न सोलर वाटर हीटिंग सिस्टम, सोलर फोटो बोल्टेक (एसपीवी) सिस्टम शामिल हैं। इसके अलावा, बीएचईएल इसरो द्वारा प्रक्षेपित उपग्रहों के लिए स्पेस ग्रेड सोलर पैनल तथा स्पेस क्वालिटी बैटरियां भी निर्मित करती है। बीएचईएल डिस्ट्रीब्यूटिज पावर जेनरेशन के लिए लघु हाइड्रो पावर प्लांट (25 मेगावाट स्टेशन क्षमता तक) भी सप्लाई कर रही है।

r;y v©j x$l

बीएचईएल को भारतीय सेवा स्थितियों के अनुरूप विभिन्न प्रकार की तटीय रिग के डिजाइन, निर्माण और सेवा में विशेषज्ञता हासिल है। इसकी उपकरण रेंज में तटीय डीप ड्रिलिंग रिग, सुपर डीप ड्रिलिंग रिग, हेली रिग, वर्क ओवर रिग, मोबाइल रिग तथा मैचिंग ड्रा वर्क्स एवं हॉइस्टिंग उपकरण सहित डेजर्ट रिग शामिल हैं। बीएचईएल के पास तटीय ड्रिलिंग 9000 मीटर तक मोबाइल रिंग्स 3000 मीटर तक और 6100 मीटर गहरे कुओं के लिए परंपरागत विनिर्माण की क्षमता है। कम्पनी तटीय अनुप्रयोग हेतु पर्यावरण के अनुकूल तकनालॉजी आधारित ऑयल रिंग्स के विनिर्माण की प्रक्रिया में है।

बीएचईएल तटीय ड्रिलिंग रिंग उपस्कर यथा ड्रा वर्क्स, रोटरी टेबल, ट्रेवलिंग ब्लॉक, स्विवेल, मास्ट और उप संरचना मड सिस्टम्स तथा रिग इलेक्ट्रिक्स की आपूर्ति ओएनजीसी तथा आयल इंडिया लिमिटेड को कर रही है। तटीय एवं अपतटीय उपयोग के लिए 10,000 पीएसआई तक वेल हेड्स और क्रिसमस ट्री वाल्व की आपूर्ति ओएनजीसी, आयल इंडिया लिमिटेड तथा निजी ड्रिलिंग कंपनियों को की जा रही है। बीएचईएल ने अपतटीय प्रयोग के लिए ओएनजीसी को केसिंग प्रणाली, मडलाइन सस्पेंशन प्रणाली और ब्लॉक वाल्व की भी आपूर्ति की है। बीएचईएल ने गेल इंडिया लिमिटेड को गैस कम्प्रेसर स्टेशन हेतु जीटी चालित सेंट्रीफ्यूगल कम्प्रेसर पैके की आपूर्ति की है।

Vªkal fe'ku

बीएचईएल इस समय भारत में ट्रांसमिशन प्रणालियों तथा उत्पादों की व्यापक रेंज के साथ विद्युत ट्रांसमिशन के क्षेत्र में कार्यरत है। बीएचईएल द्वारा निर्मित उत्पादों में पावर ट्रांसफार्मर, इंस्ट्रुमेंट ट्रांसफार्मर, ड्राई टाइप ट्रांसफार्मर, शंट रिएक्टर्स, वैक्यूम तथा एसएफ 6 स्विचगीयर, गैस इंसुलेटिड स्विचगीयर्स, सेरामिक इंसुलेटर्स आदि शामिल हैं। साथ ही इसकी उत्पाद रेंज में प्रमुख महत्वपूर्ण हार्डवेयर अर्थात कैपेसिटर बैंक्स, सर्विकट ब्रेकर्स, कंट्रोल एवं प्रोटेक्शन उपकरण तथा थाईरिस्टर वाल्व भी शामिल हैं।

बीएचईएल ने देश में निर्मित पहले 36 केवी और 145 केवी गैस इंसुलेटिड सब स्टेशन (जीआईएस) का निर्माण कर इसे चालू किया है। ±800 केवी एचवीडीसी अनुप्रयोग के लिए देश में पहली बार 320केएन 420 के एन रेटिंग के एचवीडीसी डिस्क इंसुलेटर्स विकसित किये हैं और इनका व्यवसायीकरण किया है।

765 के वी ट्रांसमिशन प्रणालियों में उभर रहे अवसरों का लाभ उठाने के उद्देश्य से, बीएचईएल ने अल्ट्रा हाई वोल्टेज (यूएचवी) सबस्टेशन अनुप्रयोजन हेतु विश्वसनीय तथा कम्पैक्ट गैस इंसूलेटेड करंट ट्रांसफार्मर (सी टी) विकसित किया है तथा 1200 के.वी. ट्रांसमिशन सबस्टेशन के लिए ट्रांसफार्मर तथा सीवीटी डिजायन किया है जो बिना टेस्ट स्टेशन आफ पावर ग्रिड क्षेत्र परीक्षण के उपयुक्त है। हाईग्रिड डायरेक्ट करंट (एचवीडीसी) प्रणालियां लम्बी दूरी के लिए बल्क पावर के किफायती परेषण हेतु सप्लाई की गई हैं।

बीएचईएल ने भारत तथा पारस्परिक रूप में सहमत अन्य देशों में परेषण और वितरण (टी एण्ड डी) व्यवसाय की समस्या को हल करने के लिए एक संयुक्त उद्यम कम्पनी स्थापित करने की संभावना का पता लगाने हेतु तोशीबा कारपोरेशन जापान के साथ एक समझौता ज्ञापन किया है जो अन्य उत्पादों व प्रणालियों के अलावा 765 केवी ट्रांसफार्मरों तथा रिएक्टरों और गैस इन्सूलेटेड स्विचगियर (जीआईएस) सहित एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज अल्टरनेटिंग करन्ट (ईएचवीएसी) तथा हाईवोल्टेज अल्टरनेटिंग करंट (यूएचवीएसी) रेंज परियोजनाएं चलाएंगी।

भोपाल में बीएचईएल के अल्ट्रा हाई वोल्टेज लेबोरेटरी में परीक्षणाधीन विद्युत ट्रांसफॉर्मर

कंपनी फिक्स्ड सीरीज कम्पनसेशन/कंट्रोल्ड शंट रिएक्टर स्कीमों के व्यवहार्यता/प्रणाली अध्ययनों, निष्पादन तथा इन्हें चालू करने की पूर्ण परियोजना जिम्मेदारी स्वीकार करती है। बीएचईएल के पास पावर सिस्टम अध्ययनों, व्यवहार्यता अध्ययनों, आदि से संबंधित डिजाइन तथा अनुप्रयोग के लिए विभिन्न पद स्थितियों वाली एक विशेषज्ञ टीम है।

vrjk"Vh; 0;olk;

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं से निष्प्रभाव रहते हुए बीएचईएल ने सम्पूर्ण विश्व में 70 से अधिक देशों में अपनी पहचान बनाए रखी है और नए बाजार खण्डों की ओर अपने कदम बढ़ाए है। इनमें बीएचईएल उत्पादों के लगभग सभी रेंज तथा थर्मल हाइड्रो व गैस–आधारित टर्नकी विद्युत परियोजनाओं, सब–स्टेशन परियोजनाओं, पुनर्वास परियोजनाओं को शामिल करते हुए सेवाएं तथा ट्रांसफार्मर, कम्प्रेसरों, वाल्वों, तेल क्षेत्र उपकरण इलैक्ट्रानिक प्रेसीपिर्टरों, फोटोवोलेटिक उपकरण, इन्सूलेटरों, हीट एक्सचेजों, स्विच गियरों, कास्टिंग्स व फोर्जिंग्स को भी शामिल किया गया है।

टर्नकी आधार पर बीएचईएल द्वारा अफगानिस्तान में स्थापित 220 केवी चिमटाल सब–स्टेशन

कम्पनी प्रौद्योगिकीय जटिलता, गुणवत्ता और अन्य आवश्यकताओं के अनुरूप अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों की मांग को पूरा करने में सफल रही है। बीएचईएल ने फास्ट ट्रैक आधार पर परियोजनाएं लेने की अपनी दक्षता सिद्ध की है। ओमान, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, यूएई, नेपाल, फ्रांस, श्रीलंका, कजाकिस्तान, इराक और लीबिया को स्पेयर्स तथा बिक्री पश्चात् सेवाओं हेतु विशेष ध्यान केन्द्रित किया गया। कम्पनी के पास विभिन्न क्षेत्रों जैसे कैप्टिव विद्युत, युटिलिटी विद्युत, विद्युत उत्पादन अथवा तेल क्षेत्र की विविध जरूरतों को सफलतापूर्वक पूरा करने की क्षमता है। स्वयं टर्नकी परियोजनाएं निष्पादित करने के अलावा, बीएचईएल के पास अन्य अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनियों के साथ बड़ी परियोजनाओं के लिए परस्पर कार्य करने और सहायता करने की अपेक्षित लोचनीयत भी है और इसने मूधनस्क उत्पादों का विनिर्माण तथा आपूर्ति करके अनुकूलता भी प्रदर्शित की है।

कम्पनी ने समुद्रपारीय व्यवसाय में और अधिक वृद्धि के लिए कई नीतिगत व्यवसायों के लिए प्रयास किया है। नियमित ईपीसी सेवा प्रदाता के रूप में लक्षित निर्यात बाजार में नीतिगत गठबंधन स्थापित किए हैं। हाइड्रो पावर प्लांट के लिए अब तक सबसे बड़ा आर्डर पुंतसंगछू हाइड्रो इलैक्ट्रिक प्रोजेक्ट अथारिटी, भूटान से 1200 मेगावाट (6X200 मेगावाट) पुंतसंगछू–I हाइड्रो पावर प्लांट के आर्डर को प्राप्त करके एक बड़ी सफलता हासिल की है। मिस्र, वियतनाम, सीरिया तथा दक्षिण अफ्रीका में अन्तर्राष्ट्रीय प्रर्दश्नी में भाग लेकर अंतर्राष्ट्रीय छवि प्रदर्शित करते हुए श्रेष्ठ प्रदर्शक भी जीता है।

i k|kfxdh mUu;u] vuqlàkku rFkk fodkl

बीएचईएल के उत्पाद तथा प्रणालियां तकनालॉजी गहन है और अनुसंधान और विकास/तकनालॉजी विकास एक सर्व–समावेशी इंजीनियरी उद्यम होने के इसके प्रयास भी रणनीतिक महत्व

भूटान में 1020 मेगावाट की ताला जल विद्युत परियोजना

रखते हैं। वर्ष के दौरान, बीएचईएल ने अनुसंधान तथा विकास प्रयासों पर 788 करोड़ रुपये निवेश किये हैं जो कम्पनी के मूल कारोबार का 2.3 प्रतिशत है। ग्राहकों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए कम्पनी ने लगातार इन–हाउस प्रयासों के साथ विश्व के अग्रणी इंजीनियरी संगठनों में से नई प्रौद्योगिकीय प्राप्त करके समकालीन स्तर के अपने उत्पादों को उन्नत बनाया है। कम्पनी की आई पी आर पूंजी प्रतिदिन 1 पेटेन्ट/कापीराइट फाइल होने से वर्ष में 27 प्रतिशत बढ़ गई है जिससे 300 से 1100 हो गई।

हैदराबाद में कारपोरेट अनुसंधान और विकास प्रभाग बीएचईएल के उत्पाद रेंज के लिए महत्व के कई क्षेत्रों में उसके अनुसंधान प्रयासों

का नेतृत्व करता है। प्रत्येक विनिर्माण प्रभाग में अनुसंधान और उत्पाद विकास केन्द्र पूरक भूमिका निभाता है। सिमुलेटर, कप्यूटेशनल फ्ल्युड डॉयना मिक्स, स्थायी चुबंकीय मशीन और सरफेस इंजीनियरी के लिए उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किए गए हैं। शृंखला में पांचवे के रूप में बीएचईएल ने इंटेलिजेंट मशीनों और रोबोटिक्स (सीओई–आईएमएआर) के लिए उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किया है। कम्प्रेसरों और पम्पों के लिए उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किए जा रहे हैं। हैदराबाद में नैनो तकनालॉजी हेतु एक केन्द्र स्थापित करने हेतु कार्य हो रहा है।

कॉर्पोरेट आरएंडडी डिवीजन के अलावा, बीएचईएल में चार विशिष्ट संस्थान यथा, त्रिची स्थित वेल्डिंग अनुसंधान संस्थान, बंगलौर स्थित सिरामिक अनुसंधान संस्थान, भोपाल स्थित सेंटर फॉर इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन और हाइड्रो प्रयोगशाला तथा हरिद्वार में पर्यावरण नियंत्रण अनुसंधान संस्थान है।

बीएचईएल ने कई अत्याधुनिक उत्पाद यथा ट्रांसफार्मर आयल में दक्षता बढ़ाने हेतु नैले फ्लूड, टिपकल फ्यूल सेल मॉड्यूल हेतु कैटालिक कमस्टर कम्बाइन्ड सायकिल पावर प्लांट के अनुकूल डिजायन किए। 260 मेगावाट के स्टीम टर्बाइन, निम्नस्तर के एम ओ एक्स के साथ 800/1000 मे.वा. यूनिटों हेतु उच्च क्षमता वाले पल्वटाइजर, कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांटों से एन ओ एक्स की कमी हेतु बाईपास ओवर फायर एयर (बीओएफए) प्रणाली, उच्च दक्षता की फ्रैन्सिस तथा पेल्टन हाइड्रो टर्बाइन्स, न्यू एल पी टर्बाइन वैरियन्ट विकसित किए हैं। जो पुराने रसियन (एफएमडब्ल्यू) 210 एम डब्ल्यू थर्मल सेटों, भारतीय सेना हेतु भंडारण और मालसूची प्रबंधन प्रणाली के लिए ऑटोमेटिक स्टोरेज तथा रिहाइवल प्रणाली (ए एस आर एस) फ्लेक्सिबल एसी ट्रांसमिशन प्रणाली (एफएसीटीएस), 1000 मेगावाट पावर प्लांट हेतु डीरेटर, 250 मेगावाट से अधिक की क्षमता के हाइड्रो जनरेटर हेतु पीटीएफई आधारित थ्रस्ट पैड, 6000 एचपी लाकोमोटिव के लिए 3–चरण आधारित प्रोपल्सन प्रणाली आधारित आईजीबीटी, नैनो सामग्री के साथ 400 केवी थंग राड कम्पोजिट इंसूलेटर, 320 के एन/420 के एन प्रोसेलेन इंसूलेटरए 800 के.वी. होलो इंसूलेटर पावर प्लांटों के लिए डायग्नोस्टिक्स तथा आप्टीमाइजेशन (पीएडीओ) पैकेज, 91 टन बीएचईएल – 280 बाउल मिल, रेलवे अनुप्रयोजन हेतु कन्ट्रोलर के साथ 25 कि.वा. व 4.5 कि.वा. कम्पैक्ट पीएम एल्टरनेटर्स आदि विकसित किए हैं। पावर ग्रिड के लिए भारत की प्रथम +800 केवी एचबीडीसी ट्रांसमिशन लाइन हेतु व्यावसायिक रूप में विकसित 420 के एन एन्टीलॉग डिस्क इंसूलेटरर्स कम्पनी की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में एक है।

पूर्ण समाधान प्रदाता के रूप में अपनी स्थिति को सुदृढ़ करते हुए बीएचईएल ने विद्युत संयंत्र और संबद्ध अनुप्रयोजनों के लिए उत्कृष्ट नियंत्रणों की पेशकश करने हेतु एक उन्नत नियंत्रण प्रौद्योगिकी तथा उपस्कर विकसित किया है। बीएचईएल ने वेस्टर्न माउन्टेन विद्युत परियोजना लीबिया में एक अनुरक्षण नियंत्रक (एकीकृत परिसम्पति प्रबंधन और निर्माण समर्थन प्रणाली) विकसित तथा सफलतापूर्वक चालू किया है। विश्व में अपने किस्म का प्रथम हाई–बोल्टेज ट्रांसमिशन प्रणाली की विद्युत अन्तरण क्षमता में सुधार लाने हेतु 80 एमवीएआर नियंत्रित शंट रियेक्टर (सीएसआर) को विकसित करने के साथ बीएचईएल ट्रांसमिशन व्यवसाय क्षेत्र में देशी तकनालॉजी प्रदाता के रूप में उभरा है। 700 मे.वा. न्यूक्लियर स्टीम जनरेटर तथा हाइड्रोलिक डिजायन 800 मे.वा. बी.एफ.पी. पर

कारपोरेट अनुसंधान एवं विकास में आंतरिक रूप से विकसित, 145 केवी गैस–इंसूलेटिड सब–स्टेशन

मल्टीफेज फ्लो विश्लेषण हेतु क्षमता विकसित कर ली है।

ekuo lalk/ku fodkl laLFkku

नोएडा स्थित मानव संसाधन विकास संस्थान (एचआरडीआई) हैदराबाद स्थित उन्नत तकनीकी शिक्षा केन्द्र (एटीईसी) और विभिन्न यूनिटों में मानव संसाधन विकास केन्द्रों के साथ बीएचईएल के ज्ञान और सीख अवसंरचना का आधारस्तंभ हैं। विभिन्न संगठनात्मक विकास प्रयासों के माध्यम से ये केन्द्र सुनिश्चित करते हैं कि संगठन के प्रमुख संसाधन मानव पूंजी तीव्र परिवर्तनशील वातावरण द्वारा सृजित की जा रही गतिशील चुनौतियो का सामना करने के लिए सदैव तत्परता की दशा में रहती है। संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति में एक सक्रिय भागीदार बनने के लिए मानव

संसाधन विकास के कार्यकलापों को कार्यनीतिक स्तर तक ले जाने का उनका सतत प्रयास होता है।

"कर्मचारियों की पूर्ण क्षमता को निखारने के लिए समर्थक वातावरण सृजित करने" के मानव संसाधन विकास मिशन वाक्य द्वारा निर्देशित एचआरडीसी और एटीईसी के साथ एचआरडीआई क्रमबद्ध कार्यनीतिक दीर्घावधिक प्रशिक्षण प्रक्रिया और व्यापक संगठनात्मक अनुसंधान के आधार पर कई अल्पकालिक आवश्यकता आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से मानव संसाधन को उनकी क्षमता उभारने और निखारने में संपर्क बनाता है। एचआडीआई कंपनी में मानव संसाधन विकास संबंधी पहलों का नेतृत्व कर रहा है और दक्षता, प्रतिबद्धता तथा संस्कृति निर्माण पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है।

कुछ मुख्य कार्यक्रम, कायनीतिक आवश्यकता आमनीय कार्यक्रम क्षमता आमनीय कार्यक्रम और कार्यात्मक कार्यक्रम जैसे उन्नत प्रबंध कार्यक्रम, सामान्य प्रबंध कार्यक्रम, कार्यनीतिक प्रबंध कार्यक्रम, वरिष्ठ प्रबंध कार्यक्रम, मध्य प्रबंधक कार्यक्रम और युवा प्रबंधक कार्यक्रम हैं।

इसके अलावा, एचआरडीआई कारपोरेट मानव संसाधन और यूनिटों/प्रभागों में एचआरडीसी को संव्यवसायिक सहायता प्रदान करता है। एचआरडीआई अन्य संस्थानों से भी चुने हुए ढंग से परामर्श कार्य स्वीकार करता है।

LokLF;] lqj{kk v®j i;kZoj.k çcU/k

बीएचईएल सभी पणधारियों को सुरक्षित और स्वास्थ्यप्रद कार्य वातावरण प्रदान करते हुए अपने सभी कार्यकलापों. उत्पादों और सेवाओं के क्षेत्र में पर्यावरण अनुकूल कंपनी होने के लिए प्रतिबद्ध है। वास्तव में यह पहलू कंपनी के व्यावसायिक कार्यनिष्पादन का अभिन्न अंग बन गया है। पर्यावरण सुधार परियोजनाओं (ईआईपी) के लिए बीएचईएल और इसके प्रशासनिक मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। बीएचईएल संयंत्रों तथा टाउनशिप पर कुछ प्रमुख ईआईपी में वृक्षारोपण अभियान, वर्षा जल संचयन संयंत्र, कार्यकुशल प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल कर ऊर्जा तथा संरक्षण परियोजनाएं, शोर के स्तर में कमी, फ्यूम्स एक्ट्रेशन प्रणाली में रसायन भंडारण तथा हैंडलिंग प्रणालियों में सुधार, संसाधन संरक्षण संयंत्रों (लुब्रिकेंट्स/मेटल्स/कूलेंट्स), गैर–परंपरागत ऊर्जा संसाधनों आदि का उपयोग आदि शामिल है।

महत्वपूर्ण रूप से बीएचईएल ने अधिक ध्यान केन्द्रित करने के तरीके से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करने के लिए स्वच्छ विकास कार्यतंत्र (सीडीएम) परियोजनाओं पर भी पहल की है और इस क्षेत्र में कीर्तिमान प्राप्त करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। ग्राहकों के साथ इन हाउस कार्यान्वयन और संयुक्त क्लेम परियोजनाओं, दोनों के लिए सीडीएम गतिविधि परियोजनाओं की व्यापक संदर्भ सूची तैयार की गई है। सीडीएम प्रत्येक यूनिट के लिए एक नियोजित गतिविधि है और कार्बन क्रेडिट बजट गतिविधि का भाग है।

बीएचईएल जवाहर लाल नेहरू नेशनल सोलर मिशन के लिए अपने योगदान के रूप में, केपीसीएल कर्नाटक हेतु टर्नकी आधार पर 2 मेगावाट तथा 1 मेगावाट के दो पारिस्थतिकी – अनुकूल ग्रिड–इन्टरऐक्टिव सोलर फोटोवोल्टिक (एसपीवी) विद्युत संयंत्रों की स्थापना की प्रक्रिया में हैं। हरित ऊर्जा पहल के अनुरूप, 100–140 मे.वा. अनुप्रयोजन हेतु एक अधिक कुशल एकल सिलन्डर नाम–रिहीटस्टीम टरबाइन प्रोसेस संयंत्रों से वेस्ट हीट को दूर करने के हेतु विकसित किया गया है। बीएचईएल द्वारा अब तक निर्मित यह सबसे बड़ा एकल सीलिन्डर स्टीम टर्बाइन है।

कंपनी की सभी उत्पादन यूनिटों/क्षेत्रों ने पर्यावरण प्रबंधन के लिए इंटरनेशनल स्टैंडर्ड अर्थात आईएसओ–14001 प्रमाणन तथा व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन प्रणालियों के लिए ओएचएसएएस–18001 प्रमाणन प्राप्त कर लिया है।

d,i¨jsV lkekftd mŸkjnkf;Ro

बीएचईएल ने एस सीएसआर स्कीम तैयार की है जिसका मिशन है– "प्रतिबद्ध कॉर्पोरेट नागरिक बनो और अपना हर कदम कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के लिए उठाओ"।

अपने कारपोरेट सामाजिक दायित्व के (सीएसआर) के रूप में, बीएचईएल देश में फैले अपने विनिर्माण संयंत्रों और परियोजना स्थलों के निकट स्थित गांवों और समुदायों में रहन–सहन दशाओं तथा स्वच्छता में सुधार लाने तथा शिक्षा को संवर्धित हेतु सामाजिक–आर्थिक तथा सामुदायिक विकास कार्यक्रम चलाता है। आठ क्षेत्रों में स्व–रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक विकास, शिक्षा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा चिकित्सा सहायता, अनाथालय एवं वृद्धाश्रमों, अवसंरचना विकास तथा आपदा/विपदा प्रबंधन में विशेष बल दिया जा रहा है।

सामाजिक प्रतिबद्धता के भाग के रूप में, कम्पनी में 3626 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया; विभिन्न व्यावसायिक संस्थानों के 7011 छात्रों/प्रशिक्षार्थियों ने व्यावसायिक प्रशिक्षण लिए; लगभग 6,000 निवासियों वाले 56 गांवों को गोद लिया गया। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पीड़ित लोगों तक सहायता पहुँचाने में बीएचईएल भरसक मदद किया है। इसके अलावा बीएचईएल उन एनजीओज/ट्रस्टों/समाज कल्याण समितियों को

वित्तीय सहायता प्रदान करता है जो पूरे देश में सामाजिक क्रियाकलापों में लगे हैं।

l;Dr jk"V d Xykcy dkEiDV dk;Øe e Òkxhnkjh

कंपनी संयुक्त राष्ट्र के ग्लोबल कंपैक्ट कार्यक्रम के प्रति पूरी तरह वचनबद्ध है। इसने संयुक्त राष्ट्र के ग्लोबल कंपैक्ट कार्यक्रम इसके 10 सिद्धांतों में शामिल मुख्य मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई है। साथ ही कंपनी, मानव अधिकारों, श्रम मापदंडों, पर्यावरण तथा एंटी करप्शन पर कंपनी के प्रभाव क्षेत्र के भीतर अग्रिम अंतर्राष्ट्रीय समझौता सिद्धांतों की इच्छुक है। विश्व के विशाल अंतर्राष्ट्रीय कारपोरेट नागरिक प्रयास के रूप में अंतर्राष्ट्रीय समझौता पहल तथा अत्यंत संबंधित प्रस्ताव है जो व्यवसाय तथा बाजारों के सामाजिक दायित्व का प्रदर्शन एवं निर्माण करता है। बीएचईएल ने इसे अपनी कार्यनीति, संस्कृति और रोजमर्रा के परिचालनों का हिस्सा बना लिया है। इस कार्यक्रम के भाग के रूप में, बीएचईएल भारत में अंतर्राष्ट्रीय समझौता समिति की गतिविधियों में निरंतर प्रमुख भूमिका निभा रही है। यह संबद्ध स्तरीय एजेंसी के रूप में कार्य करते हुए दर्शाती है कि भारतीय कारपोरेट निकाय तथा संस्थान/संगठन संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक समझौता कार्यक्रमों के प्रति वचनबद्ध हैं।

कंपनी सार्वजनिक रूप से अपने कर्मचारियों तथा अन्य सहयोगियों का समर्थन करती है और अपनी वार्षिक रिपोर्ट, प्रेस कांफ्रेंस तथा अन्य सार्वजनिक दस्तावेजों के माध्यम से ग्लोबल कंपेक्ट कार्यक्रम में नियमित रूप से अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करती है।

श्रीनगर, उत्तराखण्ड में बीएचईएल द्वारा आयोजित निःशुल्क नेत्र जांच शिविर

बीएचईएल और उसके कर्मचारियों द्वारा अंशदान किया गया 2.5 करोड़ रुपए का चेक, बाढ़–पीड़ितों के पुनर्वास के लिए केंद्रीय भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री द्वारा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री को सौंपा गया

o"k ,d utj e

(रु. करोड़ में)

	2009-10	2008-09	ifjor!u (%)
बकाया आर्डर	144300	117000	23.33
प्राप्त आर्डर	59037	59678	-1.07
कुल कारोबार	34154	28033	21.83
मूल्य वर्धन	13171	9894	33.12
कर्मचारी (संख्या)	46274	45666	1.33
कर पूर्व लाभ	6591	4849	35.92
कर पश्चात लाभ	4311	3138	37.38
लाभांश	1141	832	37.14
कॉर्पोरेट लाभांश कर	191	142	36.17
प्रतिधारित अर्जन	2979	2164	37.62
कुल परिसंपत्तियां	46960	39581	18.64
निवल मूल्य	15917	12939	23.02
कुल उधार	128	149	-14.09
ऋण : इक्विटी	0.01	0.01	-
प्रति शेयर (रुपयों में) :			
- निवल मूल्य	325.16	264.32	23.02
- अर्जन	88.06	64.11	37.36
आर्थिक मूल्य वर्धन	2670	2008	32.97

कुल कारोबार (करोड़ रुपए में)

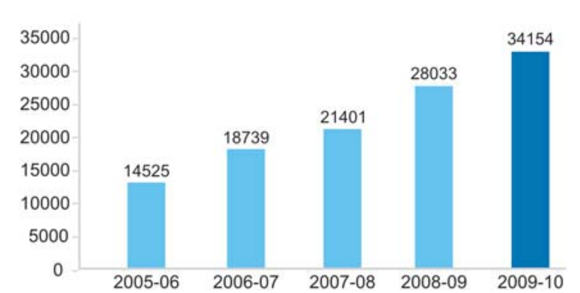

कर–पूर्व लाभ / कर–पश्चात लाभ (करोड़ रुपए में)

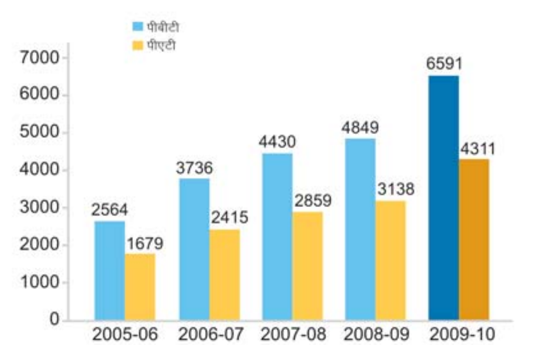

वित्तीय चार्ट

प्राप्त आर्डर (करोड़ रुपए में)

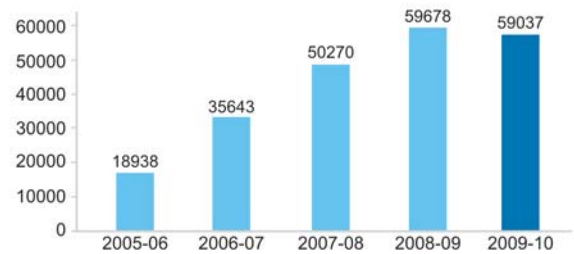

प्रति शेयर निवल मूल्य (रुपए में)

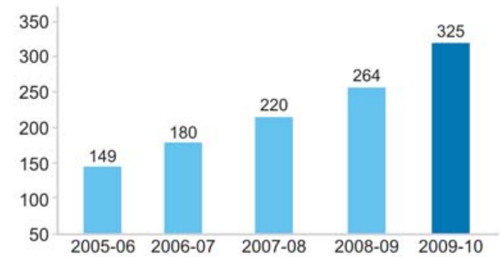

2007–08 में बोनस शेयर 1:1 के अनुपात में जारी किए गए, आंकड़े (चार्ट) तुलना के लिए बढ़ी हुई शेयर पूंजी के आधार पर तैयार की गई है।

लाभांश अनुपात

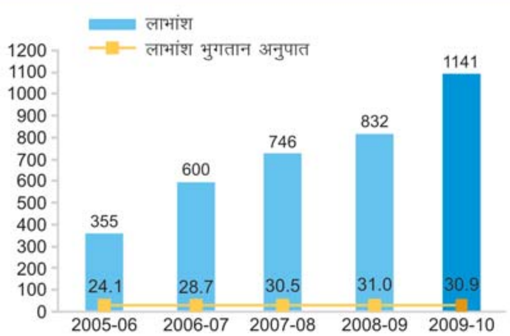

प्रति शेयर अर्जन (रुपए में)

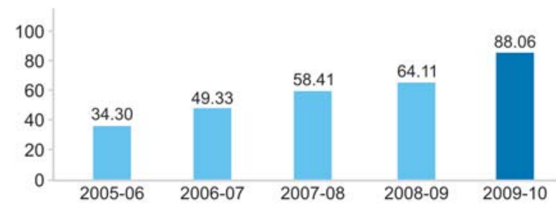

2007–08 में बोनस शेयर 1:1 के अनुपात में जारी किए गए, आंकड़े (चार्ट) तुलना के लिए बढ़ी हुई शेयर पूंजी के आधार पर तैयार की गई है।

मानव शक्ति (संख्या में)

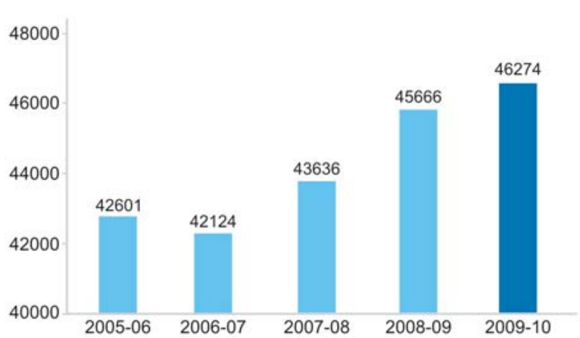

प्रति कर्मचारी कुल कारोबार (करोड़ रुपए में)

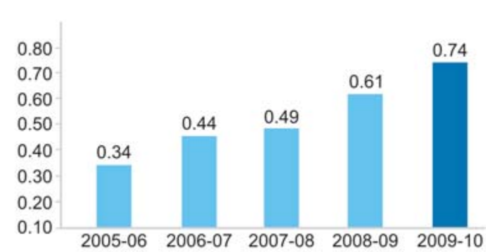

foÙkh; pkVZ

खण्ड–वार राजस्व और परिणाम

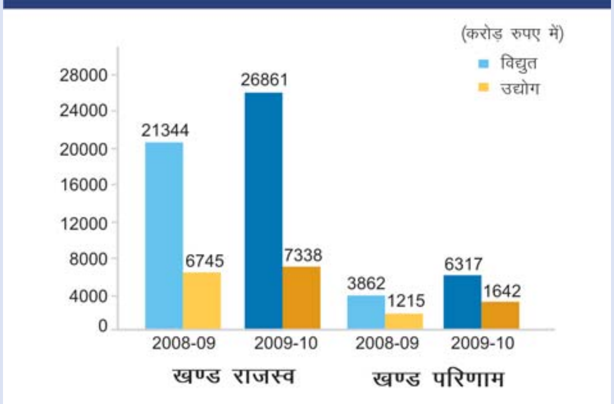

समेकित वित्तीय विवरण कर–पूर्व लाभ/कर–पश्चात लाभ

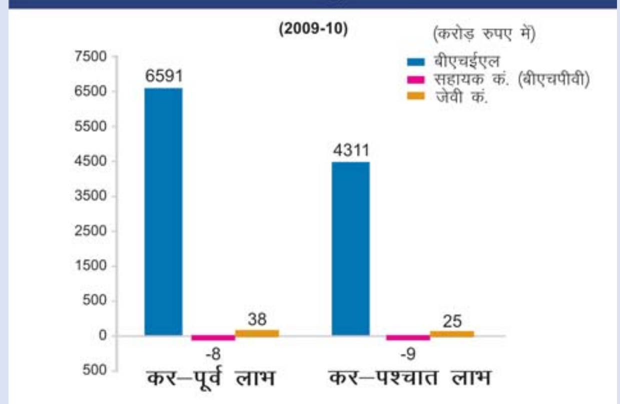

31 मार्च, 2010 को बकाया क्षेत्र–वार आर्डर बुक

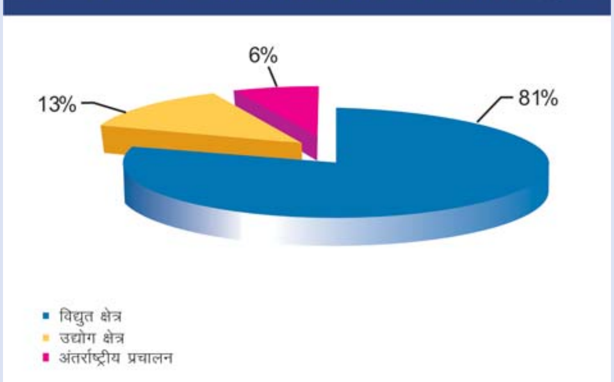

क्षेत्र–वार ऑर्डर बुक 2009–10

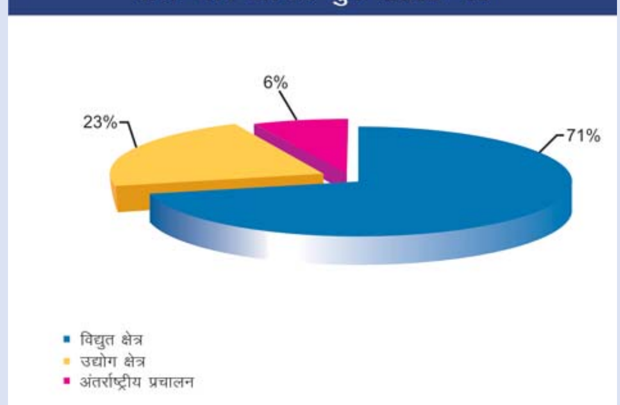

iqjLdkj

'बाजार पूंजीकरण में अधिकतम वृद्धि दर' के लिए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बीएचईएल भारत के प्रधानमंत्री से 'स्कोप' समझौता ज्ञापन उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त करते हुए

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बीएचईएल केंद्रीय गृह मंत्री से ''इंडिया प्राइड गोल्ड अवार्ड'' प्राप्त करते हुए

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बीएचईएल केंद्रीय गृह मंत्री से ''बिजनेस स्टैंडर्ड स्टार पीएसयू ऑफ दि ईयर अवार्ड'' प्राप्त करते हुए

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बी.एच.ई.एल. लगातार पांचवें वर्ष, केन्द्रीय कारपोरेट कार्य राज्य मंत्री से लागत मूल्य प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए ''आईसीडब्ल्यूएआई राष्ट्रीय पुरस्कार'' प्राप्त करते हुए

fun'kd¨a dh fji¨VZ

सदस्यगण,

दिनांक 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के व्यवसाय और परिचालन पर 46वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए हम अत्यंत प्रसन्न हैं।

foÙkh; fu"iknu

	foÙkh; o"kZ	
(रुपये करोड़ में)	**2009-10**	**2008-09**
¼d½ dqy dkjkckj	**34154**	**28033**
¼[k½ eqY;gkl] C;kt ,oa dj iwoZ ykHk	7083	5214
(ग) घटाएं–मूल्यह्रास	458	334
(घ) घटाएं–ब्याज और वित्त प्रभार	34	31
¼³½ dj iwoZ ykHk	6591	4849
(च) घटाएं: कर के लिए प्रावधान (आस्थगित कर तथा सीमांत लाभ कर सहित)	2280	1711
¼N½ dj i'pkr ykHk	4311	3138
(ज) जोडें:/(घटाएं) सांविधिक विनियोजन	1	1
¼>½ dj i'pkr ykHk	4312	3139
(ञ) जोड़ें विगत वर्ष से अग्रेनीत शेष	595	430
¼V½ fofu;kstu dsfy, miyC/k 'ks"k	4907	3569
(1) लाभांश (अंतरिम लाभांश सहित)	1141	832
(2) कारपोरेट लाभांश कर (अंतरिम लाभांश में शामिल)	191	142
(3) सामान्य प्रारक्षित निधि में अंतरित राशि	3000	2000
¼B½ ykHk&gkfu [kkrs esa 'ks"k jkf'k] ftls vxzsuhr fd;k tkuk gS	575	595
(ड) प्रति शेयर अर्जन (रुपये)	88.06	64.11
(ढ) प्रति शेयर एनएवी (रुपये)	325.16	264.32
(ण) आर्थिक मूल्यवर्धन (रुपये करोड़ में)	2670	2008

egRoiw.kZ foÙkh; miyfC/k;ka

वर्ष के दौरान कुल कारोबार 21.83 प्रतिशत बढ़कर पिछले वर्ष के 28033 करोड़ रुपये की तुलना में 34154 करोड़ रुपये हो गया। (उत्पाद शुल्क का निवल) कारोबार 25.37 प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2008–09 में 26212 करोड़ रुपये के मुकाबले 2009–10 में 32862 करोड़ रुपये हो गया। कर पूर्व लाभ वर्ष 2009–10 में 6591 करोड़ रुपये था जबकि वर्ष 2008–09 में यह 4849 करोड़ रुपये था। गत वर्ष की तुलना में 35.92 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कर पश्चात लाभ 4311 करोड़ रुपये है जबकि वर्ष 2008–09 के दौरान यह 3138 करोड़ रुपये था। गत वर्ष की तुलना में 37.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 2008–09 तथा 2009–10 में निष्पादन के अन्तर्गत ए एस7(आर) संविदाओं के लिए संविदा राजस्व और अनुमानित संविदा लागत में परिवर्तन कारोबार पर परिणामी प्रभाव के साथ क्रमशः (+) 0.62 प्रतिशत तथा (–) 2.43 प्रतिशत है।

गत वर्ष की तुलना में कुल कारोबार में दोगुनी वृद्धि से वास्तविक लागत में बचत से वर्ष के दौरान बेहतर वित्तीय निष्पादन हुआ है। कर्मचारी के वेतन संशोधन निपटान को वर्ष के दौरान अंतिम रूप दिया गया है। 01.01.2007 से 31.03.2009 तक देय बकाया 2087.51 करोड़ रूपये की राशि (31.03.2009 तक निवल 798.59 करोड़ रूपये तदर्थ तथा 50 प्रतिशत महंगाई भत्ते के अपेक्षित प्रभाव की गणना) लाभ तथा हानि लेखा में प्रभारित किया गया है और 31.03.2009 तक उपलब्ध ब्याज–हानि लेखा तथा 1749.34 करोड़ रुपये के प्रावधान लाभ–हानि लेखा में आहरित किया जाता है।

कम्पनी का निवल मूल्य 12939 करोड़ रुपये से बढ़कर 15917 करोड़ रुपये हो गया, इस प्रकार इसमें 23.02 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। प्रति शेयर निवल परिसम्पत्ति मूल्य (एनएवी) 2008–09 में 264.32 से बढ़कर 2009–10 में 325.16 करोड़ रुपये हो गया है।

ykHkka'k

निदेशक मंडल ने वर्ष 2009–10 के लिए 123 प्रतिशत (12.30 रुपये प्रति शेयर) अर्थात 602.11 करोड़ रुपये के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। वर्ष 2009–10 के लिए 489.92 करोड़ रुपये की शेयर पूंजी पर 110 प्रतिशत (11 रुपये प्रति शेयर) अर्थात 5307.47 करोड़ रुपये का अंतरिम लाभांश अदा किया जा चुका है। अतः वर्ष 2009–10 के लिए लाभांश का कुल भुगतान पिछले वर्ष में अदा गिए गए 832 करोड़ रुपये की तुलना में 1141 करोड़

केन्द्रीय भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री बीएचईएल के अंतिम लाभांश का चेक, केन्द्रीय वित्त मंत्री को सौंपते हुए

रुपये (लाभांश कर रहित) था।

प्रस्तावित अंतिम लाभांश पर कारपोरेट लाभांश कर के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अंतरिम लाभांश पर 91 करोड़ रुपये का कॉर्पोरेट लाभांश कर पहले से ही अदा किया जा चुका है।

iklr vkMj

वर्ष के दौरान 59037 करोड़ रुपये मूल्य के आर्डर प्राप्त हुए जबकि वर्ष वर्ष 2008–09 में 59678 करोड़ रुपये के आर्डर प्राप्त हुए थे। क्षेत्र–वार बुक किए गए आर्डर नियुक्तियाँ हैं:

(रुपये करोड़ में)	2009-10	2008-09
पावर सेक्टर	41982	47167
उद्योग क्षेत्र*	13484	9245
अंतर्राष्ट्रीय परिचालन	3571	3266
बुक किए गए कुल आर्डर	59037	59678
वर्ष के अंत में शेष आर्डर बुक	144300	117000

* अंतः क्षेत्रीय आर्डर को घटाकर

le>krk Kkiu dh y{;k dh rjyuk e ch,pb,y dk ntk fuèkkj.k

वर्ष 2008–09 के लिए बीएचईएल के कार्यनिष्पादन को भारत सरकार के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार अच्छा का दर्जा दिया गया है। बीएचईएल की समझौता ज्ञापन का मिश्रित अंक 2.69 प्रदान किया गया है। दो प्रमुख पहलुओं जिनसे 2008–09 के दौरान के निष्पादन प्रभावित हुए है बैठे वेतन संशोधन हेतु प्रावधान में बढ़ोत्तरी तथा कम्पनी द्वारा खरीदी गई इनपुट सामग्री की लागत में वृद्धि। तथापि 2008–09 के अलावा बीएचईएल के 2001–02 और उसके बाद प्रत्येक वर्ष उत्कृष्ट का दर्जा दिया गया था वर्ष 2009–10 के लिए एमओयू रेटिंग के भारत सरकार द्वारा अंतिम रूप दिया जा रहा है। तथापि, कम्पनी का स्वंय का सकलन वित्तीय वर्ष 2009–10 के लिए कम्पनी के निष्पादन के उत्कष्ट रूप में रखता है।

çcèku ppk vkj fo'yšk.k

प्रबंध चर्चा और विश्लेषण पर एक रिपोर्ट अनुबंध 1 में दी गई है।

fun'kd eMy

fu;fDr

श्री बी. प्रसाद राव तत्कालीन निदेशक (आईएस एण्ड पी) बीएचईएल को आदेश से 1(4)/2008–पीई XI द्वारा 01.10.2009 से अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक बीएचईएल के रूप में नियुक्त किया गया। डीएचआई के आदेशों के अनुसरण में श्री बी. प्रसाद राव 01.10.2009 से निदेशक (आईएस एण्ड पी) के पद का तथा 10.06.2010 से निदेशक (वित्त) का पद नियमित पदधारी के आने तक संभाले हुए हैं। श्री बी. प्रसाद राव 01.10.2009 के पास 23.12.2009 की अवधि के लिए निदेशक (ई,आर एण्ड डी), बीएचईएल का पदभार भी रहा।

श्री अतुल सराया को 01.10.2009 से निदेशक (विद्युत), बीएचईएल के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण करने हेतु अपर निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

श्री वी.के. जयरथ को 12.11.2009 से अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

श्री शेखर दत्त को 27.11.2009 से अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

श्री ओ.पी. भूटानी को 24.12.2009 से निदेशक (ईआर एण्ड डी) के कर्यालय का कार्यभार ग्रहण करने हेतु अपर निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है रहा।

अन्तर्नियमावली के अनुच्छेद 67 (IV) के अनुसार सर्वश्री अतुल सराया वी.के. जयरथ तथा ओपी भूटानी कम्पनी की 46वीं वार्षिक आम बैठक तक अपने निदेशक पद पर बने रहेंगे और बैठक में निदेशकों के रूप में निदेशक की नियुक्ति हेतु पात्र हैं।

21

lok lekfIr

श्री के. रविकुमार को 16.05.2005 से निदेशक (विद्युत) के पद पर नियुक्त किया गया था और 01.03.2008 से अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक के पद का अतिरिक्त कार्यभार संभाले हुए थे। अपना कार्यकाल पूर्णहोने पर, उन्होंने 30.09.2009 से निदेशक (विद्युत) कार्यालय और अध्यक्ष–सह प्रबंध निदेशक का पद भार छोड़ दिया। श्री सी.एस वर्मा, निदेशक वित्त ने अध्यक्ष, सेल के रूप में अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप निदेशक (वित्त) पद भार छोड़ दिया है उन्हें 10.06.2010 से बीएचईएल की सेवाओं से मुक्त कर दिया गया।

श्री शेखर दत्त को 27.11.2009 को अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था उन्होंने अब त्यागपत्र दे दिया है और 23.04.2010 के कम्पनी के निदेशक नहीं हैं।

निदेशक मंडल ने श्री के. रविकुमार, श्री सी.एस. वर्मा तथा श्री शेखर दत्त को उनके कार्यकाल के दौरान की गई महत्वपूर्ण सेवाओं तथा दिए गए सलाह मार्ग निर्दशन की प्रशंसा को अपने रिकार्ड में रखा है।

इसके अलावा कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 255 व 256 तथा कम्पनी की अन्तर्नियमावली के अनुच्छेद 67(i) के अनुसार में सर्वश्री एस. रवि, ए.के. बसु तथा एम.ए. पठान वार्षिक आम बैठक पर चक्रानुक्रम में सेवानिवृत होंगे और पात्र होने पर स्वंय की पुनर्नियुक्ति हेतु पेशकश करेंगे।

सूचीकरण करार के खंड 49 IV (G) (i) के अनुपालन में, नियुक्त और पुनः नियुक्ति के लिए प्रस्तावित निदेशकों का संक्षिप्त विवरण,

विशिष्ट कार्यात्मक क्षेत्रों में उनकी विशेषज्ञता की प्रकृति और उन कंपनियों, जिनमें वे निदेशक और निदेशक मंडल की समितियों में सदस्य रहे हैं, के नाम निदेशकों की रिर्पोट का भाग होकर अनुबंध–2 में दिए गए हैं।

jktHkk"kk dk;kZUo;u

कम्पनी ने भारत सरकार की नीतियों के अनुसार राजभाषा कार्यान्वयन पर जोर देना जारी रखा। वर्ष के दौरान किए गए क्रियाकलाप निम्नानुसार हैं

- कारपोरेट कार्यालय सहित सभी युनिटों/प्रभागों में निर्धारित संख्या में हिंदी कार्यशालाएं। हिंदी कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन किए गए।
- कारपोरेट कार्यालय सहित सभी युनिटों/प्रभागों ने 14.9.2009 को हिंदी दिवस के रूप में मनाया और सिंतबर, 2009 में हिंदी सप्ताह/पखवाड़ा माह के दौरान विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की।
- कम्पनी के 04 कर्मचारियों को हिंदी पुस्तक लेखन पुरस्कार योजना के अन्तर्गत हिंदी मं पुस्तकें लेखन पुरस्कार योजना के अन्तर्गत हिंदी में पुस्तकें लिखने हेतु नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।
- कम्पनी में कार्यरत राजभाषा अधिकारियों और अनुवादको के लिए माह अक्टूबर 2009 में एक पांच दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था
- राजभाषा क्रियान्वयन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श करने हेतु उदयपुर, राजस्थान में माह जनवरी, 2010 में अखिल बीएचईएल समन्वयक बैठक आयोजित की गई थी।
- कर्मचारियों के बीच हिंदी के प्रति रूचि पैदा करने के उद्देश्य से कारपोरेट कार्यालय सहित सभी यूनिटों/प्रभागों ने वर्ष के दौरान हिंदी पुस्तकों की खरीद पर अपेक्षित व्यय की।

श्री उपेन्द्र कुमार, भा.प्र. से (सेवा निवृत्त) और हिंदी विद्वान की अध्यक्षता में दिनांक 1 अक्तूबर, 2009 को आयोजित हिंदी पुरस्कार वितरण समारोह। निदेशक (मा.सं.), भूतपूर्व का.नि. (सीईपीडी, एआरपी, टीएल और जेवी) तथा का.नि. (मा.सं. और सीसी) भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

- कम्पनी की सभी युनिटों और कुछ प्रभागों ने वार्षिक हिंदी मैगजीन प्रकाशित की तथा कारपोरेट कार्यालय ने वर्ष के दौरान हिंदी अपनी त्रैमासिक मैगजीन अरूणिमा के 04 अंक प्रकाशित किए।
- संसदीय राजभाषा समिति ने वर्ष के दौरान हमारे वाराणसी त्रिची ईपीसी यूनिटों का निरीक्षण किया तथा सरकार की राजभाषा नीति के क्षेत्र में किए जा रहे क्रियान्वयन की समीक्षा की और सरकारी कार्य में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए हमारे कुछ आश्वासन लिए।
- पावर सेक्टर–ईआर ने कोलकाता में अवस्थित सार्वजनिक क्षेत्र में राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्रों में उत्कृष्ट निष्पादन हेतु राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय, भारत सरकार से तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतिस्पर्धाओं में निगमित कार्यालय सहित प्रमुख युनिटों के कार्यालयों द्वारा अनेक पुरस्कार प्राप्त किए गए।
- निगमित राजभाषा कर्यान्वयन समूह द्वारा 12 बीएचईएल यूनिटों/प्रभागों का निरीक्षण किया गया।
- सभी समारोह अर्थात गणतन्त्र दिवस, स्वतन्त्रता दिवस, अन्तर्राष्टीय महिला दिवस कारपोरेट कार्यालय तथा क्षेत्र क में स्थित कम्पनी की प्रमुख यूनिटों में हिंदी में आयोजित किए गए।

la;qDr jk"Vª dk oSf'od le>kSrk ea Òkxhnkjh

बीएचईएल संयुक्त राष्ट्र वैश्विक समझौता कार्यक्रम तथा मानवाधिकार, श्रम मानक, पर्यावरण और भ्रष्टाचार रोध पर इसके दस सिद्धांतों में शामिल मुख्य मूल्यों के सेट के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है।

कंपनी एक उत्तरदायी कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में वैश्विक समझौता के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का आशय रखती है। बीएचईएल ने शीर्षस्थ भारतीय संगठनों द्वारा गठित एक शीर्ष स्तरीय नोडल एजेंसी वैश्विक समझौता सोसायटी (जीसीएन) के माध्यम से अन्य भारतीय संगठनों में वैश्विक समझौता के सिद्धांतों के संवर्धन में अग्रणी भूमिका निभाई है। सचिव, वैश्विक समझौता सोसायटी बीएचईएल के नामिती होने के कारण बीएचईएल सोसायटी के सभी कार्यकलापों में अग्रणी बना हुआ है। वर्ष के उल्लेखनीय कार्यकलापों में राष्ट्रीय कन्वैशन एशिया प्रशांत क्षेत्रीय कान्क्लेव का आयोजन तथा भारतीय संदर्भ में मामला अध्ययनों/संगठात्मक अनुभवों के आदान–प्रदान, वैश्विक कम्पैक्ट निद्दानों के समाधान करना आदि आयोजना शामिल हैं।

वैश्विक समझौता कार्यक्रम के समर्थन में बीएचईएल के योगदान और प्रगति पर उल्लेखनीय संप्रेषण के मान्यतास्वरूप संयुक्त राष्ट्र

वैश्विक समझौता ने बीएचईएल को 'उल्लेखनीय सीओपी' में रखा है।

बीएचईएल अपने सभी पणधारियों को सुरक्षित और स्वास्थ्यप्रद कार्य वातावरण प्रदान करने के अतिरिक्त, अपने सभी कार्यकलापों, उत्पादों और सेवाओं में एक पर्यावरण अनुकूल कंपनी है और इसने संयुक्त राष्ट्र वैश्विक समझौता कार्यक्रम को कंपनी की कार्यनीति, संस्कृति और दिन–प्रदिन के परिचालनों का हिस्सा बनाया है।

lrdZrk

बीएचईएल के सतर्कता संगठन का प्रमुख मुख्य सतर्कता अधिकारी है। बीएचईएल की प्रत्येक इकाई क्षेत्र में वरिष्ठ सतर्कता कार्यपालक के नेतृत्वाधीन एक सतर्कता ढांचा है, जो मुख्य सतर्कता अधिकारी को रिपोर्ट करते हैं।

पूर्ववर्ती वर्षों की तरह, 2009–10 के दौरान बीएचईएल सतर्कता के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एक निवारक सतर्कता थी। कम्पनी की नीतियों, नियमों और प्रतिक्रियाओं की गलत व्याख्या अथवा अपर्याप्त सजगकता से बहुधा खामियों/अनियमितताओं को बढ़ावा मिलता है। संगठन के कर्मचारियों के बीच इस जागरूकता का सृजन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करके किया जाता है। वर्ष 2009–10 के दौरान बीएचीईएल की विभिन्न यूनिटों, क्षेत्रों तथा कार्यालयों में ऐसे 76 कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। प्रमुखों ने प्रणालियों के और कारगर तथा पारदर्शी बनाने के उद्देश्य में प्रणाली अध्ययन किए थे। कुछ ऐसे प्रमुख क्षेत्र जहां प्रबंधन को सुझाव/सिफारिशें प्राप्त हुई थी, नियमानुसार हैः

- गुणवत्ता बिल (बीओक्यू) विवरणों, तैयारी तथा आकलन आधारों पर विशेष ध्यान केन्द्रित करते हुए सिविल तथा ढांचागत कार्यों हेतु आकलन को तैयार करना
- वेंडर पंजीकरण प्रक्रिया (एसईएआरपी, 2010)
- खरीदनीति
- एक समान लोडिंग/निविदाओं में मूल्यांकन मानदंड
- व्याख्या करने वालों के साथ बीएचईएल भविष्य निधि फन्डों को रखना
- विदेशी सिद्धान्तों वाले भारतीय एजेन्टों के साथ डीलिंग हेतु दिशा निर्देश

कम्पनी के परिचालनों के विभिन्न क्षेत्रों में पारदर्शिता विशेषकर जिनका सामना ग्राहकों और सलाहकारों से होता है, होने से पदधारियों से इसका भरोसा बढ़ेगा और सर्तकता उद्देश्य प्राप्त होंगे। इसमें से सफलता पूर्वक क्रियान्वित किए गए कुछ उपायों में शामिल हैः

- निविदा सूचनाएं वेबसाइट पर डाली जाती हैं।
- खरीदआर्डर कार्य संविदाएं, बेंडर पंजीकरण से संबंधित प्रक्रिया और फार्म भी वेबसाईट पर डाले जाते हैं।

lqj{kk

कम्पनी का सुरक्षा तंत्र पर्याप्त है और प्रत्येक संयत्र/युनिट को सुरक्षा प्रदान करने के लिए पूरी तरह तैयार है। हांलाकि कम्पनी के अधिकांश संयत्रो की सुरक्षा सीआईएसएफ द्वारा की जाती है फिर भी कम्पनी की अपनी सुरक्षा व्यवस्था है। अन्य संयंत्रों में कारपोरेट कार्यालयों तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में सुरक्षा व्यवस्था की देखरेख पुनर्वास महानिदेशालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित मैसर्स ईएटीएस अथवा एक्स सर्विसमेन कारपोरेशन जैसी निजी एजेंसियों द्वारा की जाती है।

कम्प्यूटरों की सुरक्षा हेतु पर्याप्त उपाय किए गए हैं। इलैक्ट्रानिक विभाग, भारत सरकार (एसआरएसी) ने की हमारे साफ्टवेयर सुरक्षा तंत्र का निरिक्षण कराया है और दुर्लभ सुझाव क्रियान्वित किए गए हैं।

बहे संयंत्रों की सुरक्षा लेखा परीक्षा अधिकारिक रूप में असूचना ब्यूरो द्वारा की जाती है और उनके द्वारा इंगित किए जाने पर अतिरिक्त उपेक्षाएँ संबंधित यूनिटों द्वारा तत्काल पूरी की जाती है। सुरक्षा की समीक्षा समय–समय पर आंतरिक रूप में भी की जाती है।

प्रबंधन, सुरक्षा स्टॉफ तथा कम्पनी के कर्मचारियों को कम्पनी की सुरक्षा जरूरतों से सचेत किया जाता है।

fujarjrk

निरंतरता कम्पनी की रणनीति का एक अभिन्न भाग है। बीएचईएल अपने सभी क्रियाकलाप क्षेत्रों, उत्पादों और सेवाओं में पर्यावरण अनुकूल वातावरण बनाने, सुरक्षित तथा स्वस्थ कामकाजी माहौल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। वास्तव में, यह पहलू कम्पनी के व्यवसाय निष्पादन का एक अभिन्न अंग बन गया है। बीएचईएल ने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए स्वच्छ विकास तंत्र परियोजना संबंधी पहल की है इस दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने हेतु गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं।

कम्पनी की कार्यनीति के अनुरूप बीएचईएल ईएस तमाम पर्यावरणीय सुधार परियोजनाएं तथा सामुदायिक विकास कार्यक्रम चलाता है। बीएचईएल संयंत्रों तथा टाउनशिप में निष्पादित कुछ प्रमुख ईआईसी कारगार जल और ऊर्जा प्रबंधन शोरस्तर में कमी, सामाजिक भंडारण तथा हैंडलिंग में सुधार शामिल हैं।

कारपोरेट सामाजिक दायित्व संबंधी बीएचईएल स्कीम पिछले वर्षों में विकसित की गई हो और सर्वोच्च प्रबंधन द्वारा इसे एक नीतिगत विवरण के रूप में पृष्ठांकित किया गया है इस सिद्धांत पर कि बीएचईएल एक प्रतिबद्ध कारपोरेट नागरिक है और इसका कारपोरेट सामाजिक दायित्व केवल व्यवसाय और कारपोरेट सामाजिक दायित्व के बीच सहक्रिया बनाना ही नहीं है बल्कि व्यवसाय रणनीति का एक अभिन्न भाग बनाना है।

स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण पर व्यापक परिचालन हेतु एक पत्रिका भी प्रकाशित की जाती है।

fun'kdk dk nkf;Ro fooj.k

कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 217 (2कक) के अनुसरण में एतद्द्वारा यर पुष्टि की जाती है कि :

(i) 31 मार्च, 2010 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक रिपोर्ट तैयार करते समय सामग्री प्रेषण के संबंध में समुचित व्याख्या के साथ –साथ लागू लेखाकरण मानकों' का अनुपालन किया गया है।

(ii) निदेशकों ने ऐसी लेखाकरण नीतियां तैयार की हैं और उन्हें निरंतर लागू किया है तथा ऐसे निर्णय और अनुमान किए हैं जो कि इतने तर्कसंगत और उपयुक्त हैं कि वित्तीय वर्ष 2009–10 के अंत में कंपनी के कारोबार की स्थिति तथा इस अवधि के दौरान कंपनी के लाभ–हानि का सही और उचित दृश्य प्रस्तुत कर सकें।

(iii) निदेशकों ने कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा और जालसाजी तथा अन्य अनियमितताओं से बचाव के लिए कंपनी अधिनियम, 1956 के उपबंधों के अनुसार लेखा का समुचित रिकार्ड रखे जाने पर उपयुक्त एवं पर्याप्त ध्यान दिया।

(iv) निदेशकों ने 'गोइंग कंसर्न' आधार पर 31 मार्च, 2010 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखा तैयार किया है।

dkjikjV vfHk'kklu

सूचीकरण करार के खंड 49 की अपेक्षा अनुसार निम्नलिखित के साथ कॉरपोरेट अभिशासन की विस्तृत रिपोर्ट अनुबंध 3 में दी गई है।

(i) सीईओ/सीएफओ प्रमाणपत्र (खंड 49 (ट) के अनुसार), और

(ii) कंपनी के लेखापरीक्षकों से प्रमाणपत्र (खंड 49 (VII) के अनुसार

vU; lpuk,

ऊर्जा के संरक्षण, प्रौद्योगिकी आमेलन, विदेशी मुद्रा अर्जन तथा व्यय से संबंधित कंपनी (निदेशक मंडल की रिपोर्ट में ब्यौरों का प्रकटन) नियम, 1998 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217(1) (ड) के उपबंधों के अनुसार सूचना अनुबंध–4 में दी गई है।

कर्मचारियों के ब्यौरे नियम, 1975 के साथ पठित कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 217 (2क) के अधीन विहित सीमाओं से अधिक पारिश्रमिक प्राप्त करने वाले अनुबंध–5 पर दिए गए हैं।

कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 212 के अनुपालनार्थ सहायक कंपनी का विवरण अनुबंध–6 में दिया गया है।

ys[kkijh{kd

आपकी कंपनी के लेखापरीक्षकों की नियुक्ति भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा की जाती है। वर्ष 2009–10 के लिए नियुक्त लेखापरीक्षकों के नाम वार्षिक रिपोर्ट के अलग से मुद्रित है।

हमें यह सूचित करते हुए प्रसन्नता है कि लेखापरीक्षक रिपोर्ट में कोई अर्हता नहीं है और वर्ष 2009–10 के लिए कम्पनी में वार्षिक लेखों पर भारत के नियंत्रक और लेखापरीक्षक की कोई टिप्पणी नहीं है। रिपोर्ट अनुबंध–7 पर दी गई है।

vkHkkj

निदेशक मंडल कंपनी के भारत और विदेश में महत्वपूर्ण ग्राहकों के प्रति संगठन में उनके द्वारा व्यक्त विश्वास और प्रदान किए गए सहयोग के लिए हार्दिक सराहना करता है और भविष्य में आपस में सहयोगपूर्ण संबंधों को बनाए रखने की आशा करता है।

निदेशक मंडल कंपनी के परिचालन और विकास संबंधी योजनाओं में भारत सरकारके विभिन्न मंत्रालयों, विशेषकर भारी उद्योग विभाग से प्राप्त सहयोग और मार्गदर्शन के लिए भी कृतज्ञतापूर्वक आभार व्यक्त करता है। निदेशकगण भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, लेखापरीक्षा बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्यों, सांविधिक लेखापरीक्षकों, शाखा लेखापरीक्षकों और लागत लेखापरीक्षकों का भी हार्दिक धन्यवाद देते हैं। कंपनी सभी प्रौद्योगिकी सहयोगियों और आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त निरंतर सहयोग और वित्तीय संस्थाओं तथा बैंकरों द्वारा प्रदान किए गए समर्थन के लिए आभार व्यक्त करती है। निदेशक मंडल बीएचईएल परिवार के सभी सदस्यों के प्रति भी अपना आभार व्यक्त करना चाहता है, जिनके उत्साह, समर्पण और सहयोग से उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन संभव हो सका।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के

fun'kd eMy d fy, rFkk mudh vj l

ch- iklkn jko

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 23 जुलाई, 2010

çcèku ppkZ vkSj fo'ys"k.k

¼d½ foÙkh; ifjpkyu

dEiuh dk foÙkh; dk;Zfu"iknu dk fo'ys"k.k

¼1½ foÙkh; ifj.kke

rqyui=

1- 'ks;j iwath

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
प्राधिकृत शेयर पूंजी	2000	2000
जारी अभिदत्त और चुकता शेयर पूंजी	490	490

वर्ष 2009–10 के दौरान शेयर पूंजी में कोई परिर्वतन नहीं हुआ

2- çkjf{kr fuf/k vkSj vf/k'ks"k

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
पूंजीगत प्रारक्षित निधि	3	3
विदेशी परियोजना प्रारक्षित निधि	-	1
सामान्य प्रारक्षित निधि	14850	11850
लाभ और हानि खाते	575	595
	15428	**12449**

प्रारक्षित निधि और अधिशेष लाभांश वितरण पश्चात लाभ जोड़ने के बाद वर्ष 2009–10 में 2979 करोड़ रुपये बढ़ गया।

3- _.k fuf/k;k

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
प्रतिभूत ऋण	-	-
आरक्षित ऋण	128	149

अरक्षित ऋण पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां दर्शाता है।

ऋण इक्विटी अनुपात

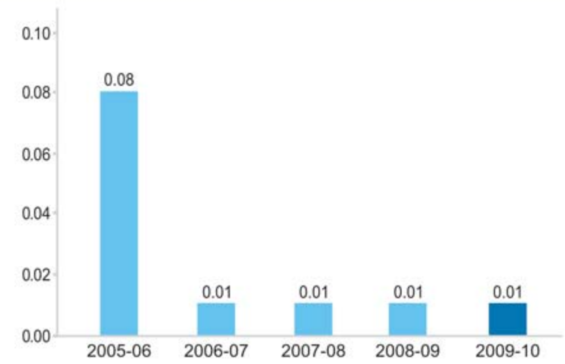

4. LFkk;h ifjlaifÙk;k

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
सकल ब्लॉक	6580	5224
घटाएं– मूल्यह्रास/परिशोधन	4151	3713
घटाएं– पट्टा समायोजन लेखा	14	41
निवल ब्लॉक	2415	1470
चालू पूंजीगत कार्य	1530	1157

वर्ष के दौरान विभिन्न उत्पादन यूनिटों तथा परियोजना स्थलों पर सुविधाओं की स्थापना और इन्हें चालू करने पर किए गए पूंजीगत व्यय के कारण सकल ब्लॉक और चालू पूंजीगत निर्माण कार्य मे क्रमशः 1356 करोड़ रुपये और 373 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई।

5- _.k fuf/k;k

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
दीर्घावधि व्यापार निवेश	80	52

मुख्य रूप से संयुक्त उपक्रम कंपनियों में 28 करोड़ रुपये के इक्विटी के कारण दीर्घावधि भागीदारी व्यापार निवेश में वृद्धि हुई है

6- vkLFkfxr dj vkfLr;k ¼fuoy½

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
आस्थगित कर आस्तियां (निवल)	1527	1840

31.3.2010 की यथा स्थिति अस्थायी अनुमानित में परिवर्तन के कम आस्थगित कर आस्तियों में 313 करोड़ रुपये कमी हुई है।

7- eky lwph

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
मालसूची	9235	7837

परिचालनों की मात्रा में वृद्धि के अनुरूप मालसूची पिछले वर्ष की तुलना में 1398 करोड़ रुपये बढ़ गई। कुल कारोबार के दिनों के रूप में यह वर्ष 2008–09 में 99 दिनों से बढ़कर वर्ष 2009–10 में 102 दिन हो गई।

8- fofoèk nunkj

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
विविध देनदार (सकल)	20689	15976

संपूर्ण रूप से देनदारों में मुख्यतः कारोबार में वृद्धि के कारण 4713 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। कुल कारोबार के दिन के रूप में यह वर्ष 2008–09 में 208 दिनों से बढ़कर 2009–10 में 221 दिन हो गई। देनदारों में वृद्धि ग्राहकों द्वारा निधि आबंटन में विलम्बन अस्थगित ऋण में वृद्धि आदि की वजह से है।

9- udn vkj cSad 'ks"k

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
नकद और बैंक शेष	9790	10315

नकद और नकद समतुल्य वर्ष 2008–09 में 10315 करोड़ रुपये से घटाकर वर्ष 2009–10 में 9790 करोड़ रुपये हो गए मुख्यतः मजदूरी संशोधन के भुगतान की वजह से हुआ।

10- _.k vkj vfxze rFkk vU; pkyw ifjlaifÙk;k

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
ऋण तथा अग्रिम	2814	2424
अन्य चालू परिसंपत्तियां	407	350

परिचालन के स्तर में वृद्धि के अनुरूप और अग्रिमों 390 करोड़ रुपये की वृद्धि हो गई है। अन्य चालू परिसंपत्तियां बैंक जमाओं और निवेशों पर उपार्जित ब्याज प्रदर्शित करती हैं।

कुल कारोबार के दिनों की संख्या में मालसूची/देनदार

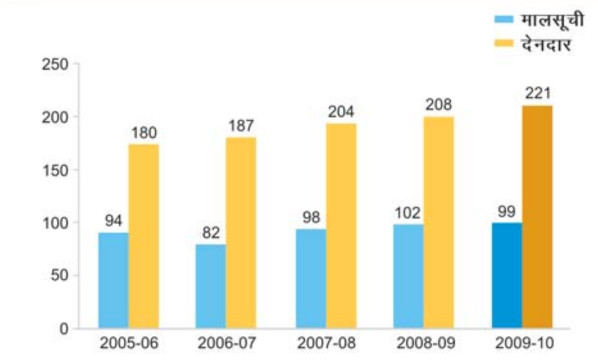

11- pkyw ns;rk,a vkj çkoèkku

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
चालू देयताएं	28024	23357
प्रावधान	4418	4976
	32442	28333

चालू देयताओं में वृद्धि मुख्यतः ग्राहकों से अग्रिमों में 2755 करोड़ रुपये तथा विविध लेनदारों और देयताओं में 1828 करोड़ रुपये की वृद्धि के कारण है। प्रावधान में कमी मुख्य रूप से मजदूरी संशोधन के लिए प्रावधान और मजदूरी संशोधन के लिए सृजित प्रावधान के परिणामी अहरण करने के कारण है।

ykHk&gkfu [kkrk

12- dqy dkjksckj

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
सकल कुल कारोबार	34154	28033
घटाएं– उत्पाद कर तथा सेवा कर	1292	1821
	32862	**26212**

वर्ष के दौरान कुल कारोबार में 25.37 प्रतिशत वृद्धि हुई। कंपनी के कुल राजस्व में पावर खंड और उद्योग खंड ने क्रमशः 77 प्रतिशत और 23 प्रतिशत का योगदान दिया।

13- vU; vk;

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
अन्य परिचालन आय	493	514
अन्य आय	347	213
ब्याज आय	808	770
	1648	**1497**

अन्य आय में वृद्धि मुख्यतः विनियम अन्तर प्रप्ति के कारण है।

14- lkexh dh [kir] LFkkiuk vkj bthfu;jh O;;

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
सामग्री की खपत, स्थापना और इंजीनियरी व्यय	20672	17620

सामग्री की खपत, स्थापना और इंजीनियरी व्यय 3052 करोड़ रुपये अथवा 17.32 प्रतिशत में वृद्धि मुख्यतः कारोबार/परिचालनों की मात्रा में वृद्धि के कारण हुई जो बढ़कर 21.83% हो गई। शुद्ध कारोबार के प्रतिशत के रूप में यह वर्ष 2008–09 में 67.22% से घटकर वर्ष 2009–10 में 62.91% है।

15- deipkfj;k dk ikfjJfed vkj ykHk

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
कर्मचारियों का पारिश्रमिक तथा लाभ	6449	2984
वापस लिया गया प्रावधान	1749	-
निवल कर्मचारी पारिश्रमिक और लाभ	4700	2984

मजदूरी संशोधन निपटान के परिणाम स्वरूप बकाये को तत्संबंधी अहरण एवं मजदूरी हेतु प्रावधान के साथ वास्तविक शीर्ष में बुक कर दिया गया।

16- fofuek.k] ç'kklu] fcØh vkj forj.k d vU; O;;

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
विनिर्माण, प्रशासन, बिक्री और वितरण के अन्य व्यय	2155	1836

कंपनी के परिचालन स्तर में वृद्धि के कारण वर्ष 2008–09 की तुलना में उत्पादन, प्रशासन, बिक्री और वितरण के अन्य व्ययों में 319 करोड़ रुपये अथवा 17.37 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

17- çkoèkku

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
प्रावधान (निवल)	-934	1281

प्रावधानों (निवल) में कमी 01.01.2007 से देय मजदूरी संशोधन निपटान हेतु प्रावधान आहरण के कारण है क्योंकि इसे 2009–10 में निपटाया गया और 2009–10 के दौरान पूर्ववर्ती वर्ष में प्रावधान वापस ले लिए गए

18- C;kt rFkk vU; mèkkj yu dh ykxr

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
ब्याज और अन्य उधार लेने की लागत	34	31

ब्याज लागत पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों पर पट्टा किराये को ब्याज संघटक दर्शाता है।

19- eY;gkl

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
मूल्यह्रास	458	334

मूल्यह्रास में 124 करोड़ रुपये की वृद्धि चालू क्षमता वृद्धि स्कीम के भाग के रूप में परिसंपत्तियों को चालू करने पर सकल ब्लॉक में वृद्धि के कारण है।

20- djkèkku dk çkoèkku

(आंकडे करोड रुपये में)

	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
आय कर – चालू	2006	2250
– पिछले वर्ष	(-) 34	(-) 78
आस्थगित कर	313	(-) 502
अनुंषगी कर लाभ – चालू	-	40
– पिछले वर्ष	(-) 5	1
	2280	**1711**

वर्ष में लाभ में वृद्धि के अनुरूप कराधान के प्रवधान में वृद्धि हुई

21- dj i'pkr ykHk

	(आंकडे करोड रुपये में)	
	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
कर उपरांत लाभ	4311	3138

वर्ष के लिए निवल लाभ में 1173 करोड़ रुपये अथवा 37.38 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

22- ykHkka'k

कंपनी ने वर्ष 2009–10 के दौरान 490 करोड़ रुपये की शेयर पूंजी पर 90 प्रतिशत (11 रुपये प्रति शेयर) अर्थात 538 करोड़ रुपये का अंतरिम लाभांश अदा किया है। निदेशक मंडल ने प्रतिशत (12.30 रुपये प्रति शेयर) अर्थात 602 करोड़ रुपये के अंतिम लाभांश की भी सिफारिश की है।

वर्ष 2009–10 के लिए लाभांश का कुल भुगतान पिछले वर्ष में 832 करोड़ रुपये की तुलना में 1141 करोड़ रुपये (लाभांश कर रहित) है।

प्रस्तावित अंतिम लाभांश पर कॉर्पोरेट लाभांश कर के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अंतरिम लाभांश पर 91 करोड़ रुपये का कॉर्पोरेट लाभांश कर अदा किया जा चुका है।

23- lkekU; çkjf{kr fuf/k esa varj.k

गत वर्ष में 2000 करोड़ रुपये की तुलना में वर्ष 2009–10 के लिए 3000 करोड़ रुपये की राशि सामान्य प्रारक्षित निधि में अंतरित कर दी गई है।

¼I½ lgk;d daiuh dh foÙkh; iztkfr{kk

कंपनी ने 100 प्रतिशत सहायक कंपनी के रूप में दिनांक 10.05.2008 से भारत हेवी प्लेट एंड वेसल्स लिमिटेड (बीएचपीवी) का अधिग्रहण कर लिया है। बीएचईएल पर्याप्त प्रबंधकीय और वित्तीय सहायता से कम्पनी के पुर्नजीवत करने की प्रक्रिया में हैं।

बीएचपीवी की वित्तीय स्थिति निम्नलिखित है–

(आंकडे करोड रुपये में)

विवरण	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
इक्विटी में बीएचईएल का निवेश	1 रुपये पर	1 रुपये पर
शेयरों को जारी करने के लि अग्रिम	34.00	34.00
कुल कारोबार	104.31	84.39
कर उपरांत लाभ	(-) 8.60	96.35 #
निवल मूल्य	(-) 238.54	(-) 229.95

ऋण पर माफ किए गए 230.08 करोड़ के ब्याज सहित

(III) la;qDr miØe daifu;ksa dh foÙkh; iztkfr{kk

d½ ch,pbZ,y&thbZ xSl Vckbu lfoZlst çkboV fyfeVsM ¼chththVh,l½

बीजीजीटीएस, बीएचईएल तथा जीई, यूएसए के बीच एक संयुक्त उपक्रम है। इसका गठन जीई द्वारा डिजाइन की गई गैस टर्बाइनों की मरम्मत और सर्विस के लिए किया गया है। कंपनी वित्तीय स्थिति निम्नलिखित है–

(राशि करोड़ रुपये में)

विवरण	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
बीएचईएल का इक्विटी में निवेश	2.38	2.38
कुल कारोबार	434.54	427.29
कर उपरांत लाभ	50.42	44.31
निवल मूल्य	70.58	55.76

[k½ ,uVhihlh&ch,pbZ,y ikoj çkstsDV~l çkboV fyfeVsM ¼,uchihihih,y½

विद्युत क्षेत्र में ईपीसी कार्यों के निष्पादन के लिए 28 अप्रैल, 2008 को बीएचईएल तथा एनटीपीसी के बीच संयुक्त उपक्रम शुरू किया गया। इसकी वित्तीय स्थिति निम्नलिखित है–

(राशि करोड़ रुपये में)

विवरण	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
बीएचईएल का इक्विटी में निवेश	25.00	0.05
कुल कारोबार	2.30	-
कर उपरांत लाभ	(-) 0.76	(-) 2.35

x½ mMuxqMh ikoj dkiksZjs'ku fyfeVsM

उडनगुडी में 1600 मेगावाट (2x800 मेगावाट) सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट निर्मित, प्रापण एवं परिचालन के लिए बीएचईएल तथा टीएनईबी में दिनांक 26 दिसंबर, 2008 को एक संयुक्त उपक्रम शुरू किया गया है। यह निगम तमिलनाडु में उडनगुडी, तूतीकोरिन जिले में 2x800 मेगावाट क्षमता का एक थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने की प्रक्रिया में ही कम्पनी ने अपेक्षित पर विकास कार्य जारी है।

(राशि करोड़ रुपये में)

विवरण	वित्तीय वर्ष 2009-10	वित्तीय वर्ष 2008-09
बीएचईएल का इक्विटी में निवेश	5.00	5.00
निवल ब्लॉक	0.37	-
गति में पूंजी कार्य	4.55	0.39

?k½ cjkd ikoj çkbosV fyfeVsM

बीएचईएल तथा पीटीसी के बीच दिनांक 1 सितंबर, 2008 को संयुक्त उपक्रम शुरू किया गया। बीएचईएल ने इक्विटी भागीदारी के लिए 5 लाख रुपये का योगदान किया है। वर्ष के दौरान कोई बड़ी गतिविधि नहीं हुई।

³-½ ikoj lykV ijQkesl bEçoesV fyfeVsM

बीएचईएल तथा सीमेन्स के बीच संयुक्त उपक्रम अभी परिसमापन अधीन है।

p½ jk;pj ikoj dkiksjs'ku fyfeVsM

बीएचईएल के बनाने, अपनाने और परिचालित करने के आधार पर कर्नाटक में सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने के हेतु कर्नाटक पावर कारपोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल) के साथ एक संयुक्त उद्यम कम्पनी प्रवर्तित किया है। इस संयुक्त उद्यम को ''रायचुर पावर कारपोरेशन लिमिटेड बीएचईएल इक्विटी भागीदारी हेतु 5 करोड़ रुपये का अंशदान किया है। वर्ष के दौरान कोई बड़ी गतिविधि नहीं हुई। संयुक्त उद्यम पावर प्लांट स्थापित करने की प्रक्रियाा भी है।

N½ nknk èkuhokys [kk.Mok ikoj fyfeVsM

बीएचईएल ने बनाने अपनाने और परिचालित करने के आधार पर खाण्डवा, मध्यप्रदेश में 2x800 मेगावाट सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने हेतु मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कम्पनी लिमिटेड (एमपीपीजीसीएल) के साथ एक संयुक्त उद्यम प्रवर्तित किया है। यह संयुक्त उद्यम ''दादा धुनीवाले खाण्डवा पावर लिमिटेड'' के नाम 25 फरवरी, 2010 को निगमित किया गया था। बीएचईएल के शेयरों के निर्गम हेतु अग्रिम जमा के रूप में 2.50 करोड़ रुपये निवेश किए है। वर्ष के दौरार कोई बड़ी गतिविधि नहीं हुई।

(IV) lefdr foÙkh; fooj.k ¼lh,Q,l½

समेकित वित्तीय विवरण लेखांकन मानदंड (एएस–21) – ''समेकित वित्तीय विवरण'' तथा लेखांकन मानदंड (एएस–27) – ''संयुक्त उपक्रमों में ब्याज की वित्तीय रिपोर्टिंग''।

उक्त लेखांकन मानदंड के अनुसार इंट्रा ग्रुप लेन–देन को समाप्त करने के बाद वित्तीय कार्यनिष्पादन के परिणामों का संक्षिप्त ब्यौरा निम्नलिखित है –

	2009-10				2008-09			
	बीएचईएल	सहायक कं.	संयुक्त उद्यम में बीएचईएल का शेयर	कुल (सीएफएस)	बीएचईएल	सहायक कं.	संयुक्त उद्यम में बीएचईएल का शेयर	कुल (सीएफएस)
लाभ व हानि खाता								
कुल कारोबार	34154	82	218	34454	28033	72	214	28319
कर पूर्व लाभ	6591	-8	38	6621	4849	-44	33	4838
कर पश्चात लाभ	4311	-9	25	4327	3138	-44	21	3115

विद्युत क्षेत्र

बीएचईएल द्वारा स्थापित ट्रॉम्बे टीपीएस विस्तार (250 मेगावाट) – शीघ्र पूर्णता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता

[k- 0;olk; [k.M dk dk;fu"iknu fo|r {k=

विद्युत क्षेत्र ने मुख्य उपस्कर के 16,489 मेगावाट (उत्पादन उपस्कर का 15,080 मेगावाट और 1408.5 मेगावाट पम्प और मोटर सेट) की आपूर्ति और संस्थापन तथा साथ ही सेवाओं और अतिरिक्त पुर्जों की आपूर्ति के लिए 41,982 करोड़ रुपये मूल्य का ऑर्डर बुक किया।

वर्ष के दौरान मुख्य उपलब्धियाँ:

- निजी क्षेत्र के ग्राहकों ने बीएचईएल में अपना विश्वास व्यक्त किया और वर्ष के दौरान अब तक का अधिकतम मुख्य उपस्कर के कुल 14,689 मेगावाट (कुल ऑर्डर का 89%) का ऑर्डर प्रदान किया।
- प्रयागराज पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड (जेपी समूह) से बारा (3x660 मेगावाट) के लिए निजी क्षेत्र से पहला सुपर–क्रिटिकल का ऑर्डर।
- हाइड्रो सेटों (पम्प और मोटर सहित) के लिए वर्ष के दौरान अब तक का उच्च ऑर्डर प्राप्त किया गया – 1,739 मेगावाट।

बीएचईएल द्वारा चालू किया गया 490 मेगावाट टीजी सेट (यूनिट–5) एनसीटीपीपी चरण–II, दादरी

- नासिक (5x270 मेगावाट) और अमरावती (5x270 मेगावाट) परियोजनाओं के लिए एक ग्राहक, एलेना पावर एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (ईपीआईएल – इंडिया बुल्स समूह) से 270 मेगावाट के 10 सेटों के लिए ऑर्डर प्राप्त।
- आरएपीपी (1x70 मेगावाट) के लिए एनपीसीआईएल से दुबारा ऑर्डर – स्टीम जेनरेटर।
- हाल ही में प्रारंभ नए रेटिंग के सेट का सफलतापूर्वक विपणन किया। वर्ष 2009–10 में बुक किए गए ऑर्डर:
  - 270 मेगावाट – 18 सेट (अब तक 22 सेट)
  - 525 मेगावाट – 4 सेट (अब तक 6 सेट)
  - 600 मेगावाट – 6 सेट (अब तक 15 सेट)

- नए ग्राहकों की वृद्धि:
  - कोरबा वेस्ट पावर कंपनी लिमिटेड
  - आइडियल एनर्जी पावर लिमिटेड
  - जिंदल इंडिया थर्मल पावर लिमिटेड
  - अभिजीत इन्फ्रा लिमिटेड (अभिजीत समूह)
  - आधुनिक पावर एंड नेचुरल रिर्सोसेज लिमिटेड
  - हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी
  - मोनेट पावर कंपनी लिमिटेड
  - मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड
  - पिपावव एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (वीडियोकॉन समूह)
  - एलेना पावर इंडिया लिमिटेड (इंडियाबुल्स समूह)
  - प्रयागराज पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड (जेपी समूह)
  - झाबुआ पावर लिमिटेड
  - सुराना पावर लिमिटेड
  - दुर्गापुर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड
  - हिंदुजा नेशनल पावर कारपोरेशन लिमिटेड

झारखंड में मातृश्री उषा जायसवाल मेगा विद्युत संयंत्र में 2x2270 मेगावाट फेज–I और 2x270 मेगावाट फेज–II थर्मल सेटों को संस्थापित करने के लिए बीएचईएल और मैसर्स अभिजीत इन्फ्रा लिमिटेड (मैसर्स एआईएनएल) के बीच संविदा पर हस्ताक्षर किया जाना

वर्ष के दौरान ली गई कार्यनीतिक पहलों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- लातूर में 1500–1600 मेगावाट क्षमता के संयंत्र की स्थापना के लिए महाजेनको के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।
- खंडवा में 2x800 मेगावाट सुपर ताप विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए एमपीपीजीसीएल के साथ निगमित संयुक्त उपक्रम कंपनी।

वर्ष के दौरान निम्नलिखित बड़े ऑर्डर प्राप्त किए गए:

dk;yk ¼14590 exkokV½

सख्त अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली के विरूद्ध ऑर्डर प्राप्त

- मोनेट पावर कंपनी लिमिटेड (एमपीसीएल) से 2x525 मेगावाट मालीब्राह्मणी, आंगुल।

- जिंदल इंडिया थर्मल पावर लिमिटेड (जेआईटीपीएल) से 2x600 मेगावाट देरांग, आंगुल।
- एनटीपीसी – तमिलनाडु एनर्जी कंपनी लिमिटेड (एनटीईसीएल) – एनटीपीसी और टीएनईबी की संयुक्त उपक्रम कंपनी से 1x500 मेगावाट वल्लूर #3 – फेज–II। फेज–I के 500 मेगावाट के लिए दो यूनिटें बीएचईएल द्वारा निष्पादनाधीन हैं।
- पिपावव एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (पीईपीएल – वीडियोकॉन समूह) से 2x600 मेगावाट पिपावव टीपीपी।
- अभिजीत इन्फ्रा लिमिटेड (एआईएनएल – अभिजीत समूह) से चित्रपुर में 4x270 मेगावाट मातृश्री उषा जायसवाल एमपीपी (फेज–I और फेज–II)।
- भावनगर एनर्जी कंपनी लिमिटेड (बीईसीएल) से 2x250 मेगावाट भावनगर टीपीपी।
- झाबुआ पावर लिमिटेड (जेपीएल) से 1x600 मेगावाट सिउनी #1।
- सुराना पावर लिमिटेड से 2x210 मेगावाट रायचूड़ टीपीएस।
- हिंदुजा नेशनल पावर कारपोरेशन लिमिटेड (एचएनपीसीएल) से 2x520 मेगावाट विजाग।

बातचीत के आधार पर प्राप्त ऑर्डरः

- कोरबा वेस्ट पावर कंपनी लिमिटेड (केडब्ल्यूपीसीएल) से 1x600 मेगावाट अवंता भांदर टीपीपी।
- आइडियल एनर्जी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (आईईपीएल) से 2x270 मेगावाट बेला टीपीपी #1 और 2.
- आधुनिक पावर एंड नेचुरल रिर्सोसेज (एपीएनआरएल) से 2x270 मेगावाट आधुनिक पावर #1 और 2.
- प्रयागराज पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड (पीजीसीएल – जेपी समूह) से सुपरक्रिटिकल पैरामीटर सहित 3x660 मेगावाट बारा #1, 2 और 3. निजी क्षेत्र से पहले सुपरक्रिटिकल का ऑर्डर।
- एलेना पावर एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (ईपीआईएल – इंडिया बुल्स समूह) से 5x270 मेगावाट नासिक और 5x270 मेगावाट अमरावती। एक ग्राहक से 270 मेगावाट के 10 सेट के लिए ऑर्डर।
- कांटी बिजली उत्पादन लिमिटेड (एनटीपीसी – बीएसईबी का सं.उ.) से 2x195 मेगावाट मुजफ्फरपुर टीपीपी चरण-II.
- दुर्गापुर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (डीपीएल) से 1x250 मेगावाट दुर्गापुर #8.

x l ¼160 exkokV½

- राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) से 160 मेगावाट रामगढ़ चरण-III सीसीपीपी का बातचीत के आधार पर ऑर्डर प्राप्त हुआ।

U;fDy;j

- न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) से 1x700 मेगावाट आरएपीपी के लिए स्टीम जेनरेटर का ऑर्डर सीमित निविदा के माध्यम से प्राप्त।

gkbMk ¼1409 exkokV i.i&ekVj lV lfgr 1739 exkokV½

सख्त अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली के विरूद्ध प्राप्त ऑर्डरः

- हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी (एचसीसी) से 3x110 मेगावाट किशनगंगा एचईपी।

सीमित निविदा के माध्यम से प्राप्त ऑर्डरः

- मेघा ईएंडआईएल से 5x121.5 मेगावाट प्रानहिता एलआईएस पैकेज 8.
- मेघा ईएंडआईएल से 3x99 मेगावाट प्रानहिता एलआईएस पैकेज 10.
- मेघा ईएंडआईएल से 4x96 मेगावाट प्रानहिता एलआईएस पैकेज 11.

बातचीत के आधार पर प्राप्त ऑर्डरः

- पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड (पीईएल) से 2x60 मेगावाट प्रानहिता एलआईएल पैकेज 23.

foØ;kijkUr lok ¼,l,,l½

अतिरिक्त पुर्जों के लिए 1632 करोड़ रुपए, सेवाओं के लिए 233 करोड़ रुपए और नवीकरण एवं आधुनिकीकरण उपस्करों की आपूर्ति के लिए 6 करोड़ रुपए मूल्य के ऑर्डर प्राप्त किए गए।

deh'kfux

बीएचईएल ने देश के भीतर और विदेश में वर्ष के दौरान कुल 5578 मेगावाट के 44 सेटों की कमीशनिंग की। विद्युत क्षेत्र ने देश के भीतर और विदेश में वर्ष के दौरान कुल 5152 मेगावाट के 30 सेटों की कमीशनिंग की। उसमें कुल 4725 मेगावाट के बीएचईएल के 20 यूटीलिटी सेट तथा 427 मेगावाट के औद्योगिक सेट शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, बीएचईएल के एमयू ने 84 मेगावाट (विदेश) के 2 यूटीलिटी सेटों और देश में 342 मेगावाट के 12 औद्योगिक सेटों की कमीशनिंग की।

वर्ष के दौरान कमीशनिंग किए गए थर्मल यूटीलिटी सेट थे – आंध्रप्रदेश में विजयवाड़ा–7(500 मेगावाट), बिहार में कहलगांव–7 (500 मेगावाट), छत्तीसगढ़ में भिलाई–2(250 मेगावाट), गुजरात में कच्छ लिग्नाइट 4(75 मेगावाट), झारखंड में चंद्रपुरा 7 और 8 (2x250 मेगावाट), महाराष्ट्र में पारस–2(250 मेगावाट) और न्यू परली–2(250 मेगावाट), राजस्थान में छाबरा–1(250 मेगावाट), गिराल–2(125 मेगावाट), कोटा–7(195 मेगावाट) और सूरतगढ़–6

बीएचईएल द्वारा स्थापित की जा रही झज्जर में 3x500 मेगावाट इंदिरा गांधी एसटीपीपी

(250 मेगावाट), उत्तरप्रदेश में दादरी–5(490 मेगावाट), पश्चिम बंगाल में बंकरेश्वर–5(210 मेगावाट) और बजबज–3(250 मेगावाट)।

बीएचईएल ने वर्ष के दौरान विदेशी गैस सेटों की अधिकतम संख्या में कमीशनिंग की। ये थेः सिद्धिरगंज(126 मेगावाट), सुलयमानिया 1,2,3 और 4 (4x126 मेगावाट) और अल–घैल 1 और 2 (2x42) मेगावाट।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, बीएचईएल ने आरएपीपी 5 और 6 (2x220 मेगावाट) के दो गैर–बीएचईएल न्यूक्लियर सेट की भी कमीशनिंग की।

ch,pbi,y ;MfyVh lVk dk dk;l fu"iknu

बीएचईएल के कोयला आधारित सेटों ने 78.4% का संयंत्र भार अनुपात (पीएलएफ) प्राप्त किया जो 77.53% के राष्ट्रीय औसत की अपेक्षा 0.87% अधिक है।

- वर्ष के दौरान, बीएचईएल द्वारा आपूरित 195/200/210/250/500 मेगावाट कोयला–आधारित सेट, जो देश के विद्युत उत्पादन की रीढ़ का निर्माण करते हैं, से होने वाला उत्पादन 82.1% के पीएलएफ तथा 90.1% ओए सहित 395018 मिलियन तक पहुंच गया।
- देश में कोयला सेटों द्वारा उत्पादित कुल विद्युत ऊर्जा के 74.0% का योगदान इन सेटों द्वारा किया गया था।
- बीएचईएल के उपस्करों से सज्जित सत्रह स्टेशनों ने 90% से अधिक पीएलएफ प्राप्त किया, यथा दहानु (102.2), दादरी (99.3), कोरबा एसटीपीएस (97.7), ऊंचाहार (97.5), सिम्हाद्रि (97.3), विंध्याचल (96.7), साबरमती (95.9), रामागुण्डम

बीएचईएल के विद्युत उत्पादक उपस्करों से सज्जित सात टीपीएस में से एक, विंध्यायल एसटीपीएस ने विद्युत मंत्रालय से 'प्रशंसनीय उत्पादकता पुरस्कार' प्राप्त किया

(93.9), सीपत (93.3), रामगढ़ जेएसपीएल (93.1), भटिंडा (एलएम) (93.0), सीईएससी (92.9), सिंगरौली (92.9), टाण्डा (92.0), तालचर (91.2), रोपड़ (91.1), रिहंद (91.0)।

- बीएचईएल द्वारा आपूरित 191 कोयला–आधारित सेटों ने 70% से अधिक का पीएलएफ प्राप्त किया। इनमें से 72 सेटों ने 90% से अधिक और 71 सेटों ने 80%–90% के बीच पीएलएफ प्राप्त किया।
- बीएचईएल के कोयला सेटों ने 87.0% की प्रचालन उपलब्धता दर्ज की।
- बीएचईएल के 136 थर्मल सेटों ने 90% से अधिक अथवा उसके बराबर प्रचालन उपलब्धता प्राप्त की।
- बीएचईएल द्वारा आपूरित 171 कोयला–आधारित सेटों ने वर्ष के दौरान 90 दिनों से अधिक के लिए अबाधित प्रचालन दर्ज किया, जिनमें सेः
- 67 सेटों ने 90 दिनों से अधिक के लिए निरंतर रूप से दोबारा चालन किया।
- 29 सेटों ने निरंतर रूप से 200 दिनों से अधिक चालन किया।

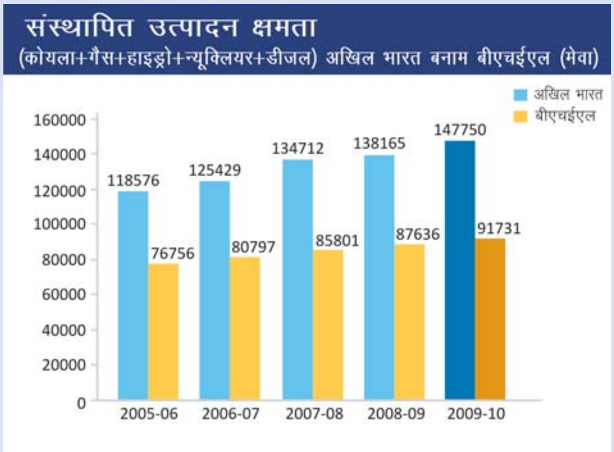

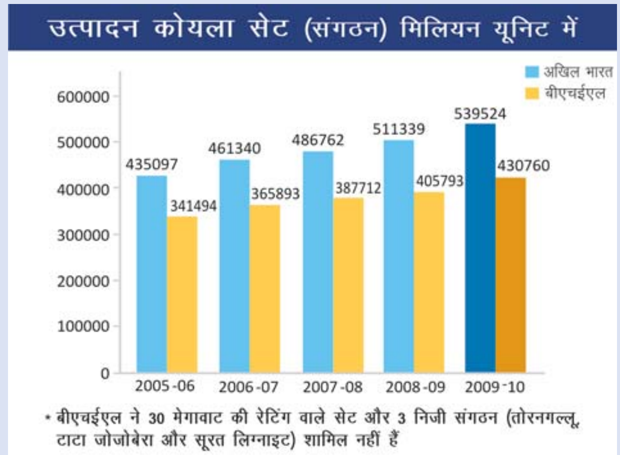

सिम्हाद्रि एसटीपीएस (1000 मेगावाट) – प्रशंसनीय कार्य निष्पादन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता

बीएचईएल ने अबाधित विद्युत आपूर्ति सुविधाजनक बनाने और विद्युत संयंत्रों को अच्छी चालन दशा में रखने के लिए लक्षित सक्षम ग्राहक सेवा प्रदान करने का अपना प्रयास जारी रखा। वर्ष के दौरान विद्युत क्षेत्र ने 96 थर्मल सेटों की पूर्ण मरम्मत की।

उद्योग क्षेत्र

नाल्को कैप्टिव विद्युत संयंत्र का 2x120 मेगावाट (यूनिट 9 और 10), इसके साथ बीएचईएल ने एक ही स्थान में 120 मेगावाट प्रत्येक की 10 यूनिटें निष्पादित की हैं।

m|kx {k=

उद्योग क्षेत्र में बीएचईएल ने कैप्टिव पावर, रेल परिवहन, विद्युत ट्रांसमिशन, तेल एवं गैस तथा अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में 14,366 करोड़ रुपये मूल्य के रिकार्ड आर्डर प्राप्त किए। साथ ही वर्ष में पहली बार की गई उपलब्धियों के साथ पिछले वर्ष की तुलना में 40% की वृद्धि देखी गई।

वर्ष के दौरान प्राप्त मुख्य आर्डर/अन्य व्यावसायिक विशेषताएं– उद्योग खंडवार निम्नलिखित हैं–

dfIVo fo|r l;=

- एलएसटीके आधार पर पारादीप, उड़ीसा में आईओसीएल रिफाइनरी के लिए कंबाइंड साइकिल को–जेनरेशन प्लांट हेतु उद्योग क्षेत्र में अब तक प्राप्त उच्चतम मूल्य का आर्डर।
- बड़े दुबारा प्राप्त आर्डरः सम्बलपुर, उड़ीसा परियोजना के लिए हिंडाल्को – 6x150 मेगावाट बीटीजी (बॉयलर–टर्बाइन–जेनरेटर) पैकेज और चेन्नई रिफाइनरी के लिए सीपीसीएल–20 मेगावाट को–जनरेशन प्लांट।
- आंगुल, उड़ीसा परियोजना के लिए जेएसपीएल से सबसे बड़े आकार के बीएफबीसी बॉयलर (2x180 टीपीएच) का आर्डर।
- तूतीकोरिन, तमिलनाडु परियोजना के लिए स्टर्लाइट इंडस्ट्रीज से 2x80 मेगावाट बीटीजी (बॉयलर–टर्बाइन–जेनरेटर) पैकेज के लिए बड़ा आर्डर।
- एलएसटीके आधार पर लेपेटकाटा, असम के लिए बीसीपीएल से 53 मेगावाट सीसीपीपी के लिए आर्डर।
- विभिन्न किस्म के एसटीजी (स्टीम–टर्बाइन–जेनरेटर) के आर्डर यथा 80 मेगावाट–मोनेट इस्पात एंड एनर्जी लिमिटेड, छत्तीसगढ़, 2x50 मेगावाट–फेकोर पावर, उड़ीसा, 2x60 मेगावाट–जयप्रकाश एसोसिएट्स, सीमेंट प्लांट, सीधी, मध्यप्रदेश, 2x43 मेगावाट–एक्शन इस्पात एंड पावर लिमिटेड, उड़ीसा, 1x24 मेगावाट–श्री श्याम इस्पात (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड।

j;y ifjogu

- भारतीय रेलवे से 150 अदद इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव (25 केवी एसी, टाइप डब्ल्यूएजी 7) के लिए परिवहन क्षेत्र में अभी तक प्राप्त उच्चतम मूल्य का आर्डर।

इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव (25 केवी एसी टाइप डब्ल्यूएजी 7)

- परीछा टीपीपी, उत्तरप्रदेश के लिए यूपीआरयूवीएनएल से डीजल शंटिंग लोकोमोटिव (2 अदद 1400 एचपी) के अतिरिक्त भारतीय रेलवे से इलेक्ट्रिक्स और ट्रैक्शन मोटरों के लिए कई आर्डर।

bl [kM e vU; 0;kolkf;d fof'k"Vrkvk e fuEufyf[kr 'kkfey g

- डांकुनी में इलेक्ट्रिक लोकोसंघटक के लिए फैक्टरी की स्थापना हेतु निविदा में भाग लेने के लिए मैसर्स एस्टॉम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया जाना।
- मढ़ौरा में डीजल लोकोफैक्टरी की स्थापना के लिए निविदा में भाग लेने हेतु मैसर्स जीई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया जाना।
- एसीईएमयू के लिए आईजीबीटी आधारित डीजल 3–फेज एसी प्रॉपल्शन प्रणाली का विकास।

vk|kfxd mRikn ¼by;fDVd y½

- विद्युत संयंत्र अनुप्रयोग के अतिरिक्त, पम्प्स और कंप्रेसर्स के अन्य विनिर्माताओं से एचटी मोटर्स के लिए अब तक का अधिकतम आर्डर।

vk|kfxd mRikn ¼edfud y½

- विभिन्न रिफाइनरियों अर्थात एमआरपीएल, एचपीसीएल, बीसीपीएल और आईओसीएल से कई किस्म के गैस कंप्रेसरों के लिए आर्डर।
- बीसीपीएल से जीटी चालित रिच गैस कंप्रेसर के लिए एक प्रतिष्ठित आर्डर।

j{kk 0;olk;

- नौसेना अनुप्रयोग के लिए एनएसटीएल, विशाखापत्तनम से 200 केडब्ल्यू उच्च तापक्रम सुपर कंडक्टिंग मोटर के लिए विकास आर्डर। इसे देश में पहली बार विकसित किया जा रहा है।
- नौसेना अनुप्रयोग के लिए स्थायी चुम्बक आधारित 50 केडब्ल्यू, 440हर्ट्ज फ्रिक्वेंसी कन्वर्टर की आपूर्ति के लिए पहला आर्डर। यह प्रौद्योगिकी देश में केवल बीएचईएल द्वारा ही विकसित की जा रही है।

bl [kM e vU; 0;kolkf;d fof'k"Vrkvk e fuEufyf[kr 'kfey g

- 12 मेगावाट की दर्जा निर्धारित शक्ति सहित भारतीय नौसेना पोतों के प्रणोदन के लिए सागर शक्ति इंजन नामक समुद्री गैस टर्बाइन के श्रृंखलाबद्ध उत्पादन के लिए बीएचईएल को नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है।

ikj"k.k i.kkfy;k & lc LV'ku@fLop;kM

- बाजार में बड़े संगठनों के साथ सख्त प्रतिस्पर्धा की तुलना में एमएसईटीसीएल से कोराडी–II और चंद्रपुरा–II के लिए दो उच्च मूल्य वाले 400/220 केवी सब–स्टेशन पैकेज के लिए आर्डर।
- कोठागुडम टीपीएस में संस्थापित किए जाने वाले एपीजेनको से फेज शिफ्टिंग ट्रांसफार्मर, जो 220 केवी लाइनों से 400 केवी लाइनों तक विद्युत का विपणन समर्थ बनाएगा, के लिए पहला आर्डर।

bl [kM e: vU; 0;kolkf;d fof'k"Vrkvk e: fuEufyf[kr 'kkfey g:

- भारत और अन्य पारस्परिक सहमत्य देशों में पारेषण और वितरण व्यवसाय पर ध्यान देने के लिए संयुक्त उपक्रम कंपनी स्थापित करने हेतु तोशिबा कारपोरेशन, जापान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया जाना।
- आंतरिक रूप से विकसित प्रौद्योगिकी के आधार पर 80 एमवीएआर नियंत्रित शंट रिएक्टर एमएसईटीसीएल की 400 केवी कराड–लोनीखंड लाइन पर बीएचईएल द्वारा चालू किया गया। यह देश में अपने किस्म की पहली वाणिज्यिक परियोजना है।
- अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली के विरूद्ध ±800केवी एचवीडीसी पारेषण लाइन के लिए पावरग्रिड से 420 केएन एंटी–फॉग डिस्क इंसुलेटरों के लिए प्रतिष्ठित आर्डर। यह 420 केएन रेटिंग तथा ±800 केवी एचवीडीसी अनुप्रयोग के लिए भी देश में अब तक का पहला आर्डर है। बीएचईएल इन इंसुलेटरों के विनिर्माण की दक्षता रखने वाला देश में एकमात्र विनिर्माता है।

bl [kM e: vU; 0;kolkf;d fof'k"Vrkvk e: fuEufyf[kr 'kkfey g:

- बीएचईएल ने 125 एमवीएआर, 400 केवी शंट रिएक्टर का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है – देश में 125 एमवीएआर, 400 केवी रिएक्टर का विनिर्माण, परीक्षण और आपूर्ति करने वाला एकमात्र आपूर्तिकर्ता।

पारेषण और वितरण व्यवसाय के लिए संयुक्त उपक्रम कंपनी स्थापित करने के लिए अ. एवं प्र.नि., बीएचईएल और कारपोरेट कार्यपालक उपाध्यक्ष, तोशिवा कारपोरेशन समझौता ज्ञापन दस्तावेजों का आदान–प्रदान करते हुए

सेवा एचईपी में 132 केवी स्विचयार्ड

ikj"k.k mRikn

- बोंगाईगांव परियोजना के लिए एनटीपीसी से कुल 2355 एमवीए के 13 ट्रांसफॉर्मरों के लिए आर्डर। यह किसी परियोजना के लिए वर्ष के दौरान एनटीपीसी द्वारा निर्णीत ट्रांसफॉर्मरों के लिए सबसे बड़ा आर्डर था।
- पावरग्रिड से 500 एमवीए, 400 केवी ऑटो ट्रांसफॉर्मरों (कुल आठ ट्रांसफॉर्मर) के लिए तीन लगातार आर्डर। यह 3 फेज 400 केवी ट्रांसफॉर्मर के लिए देश में सबसे बड़ी रेटिंग है।

uohu vkj uohdj.k ;kX; Åtk

- रायचूड़ में केपीसीएल के लिए 2 मेगावाट और 1 मेगावाट का दो एसपीवी विद्युत संयंत्र–मेगावाट आकार ग्रिड संयोजित एसपीवी विद्युत संयंत्र के लिए बीएचईएल द्वारा प्राप्त अबतक का पहला आर्डर।

ईडीएन, बंगलौर में एसपीवी मॉड्यूल के विनिर्माण के लिए स्थापित नई सुविधा–क्षमता 3 मेगावाट से बढ़ाकर 8 मेगावाट की गई

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय

अल–घैल, रस–अल–खैमा में बीएचईएल द्वारा स्थापित 2x42 मेगावाट जीटीजी– सं.अ.अ. में बीएचईएल द्वारा अब तक का पहला विद्युत संयंत्र

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय में, अनवरत वैश्विक मंदी की प्रवृत्ति और विश्व ऊर्जा बाजार में अभी तक ऋणात्मक वृद्धि होने के बावजूद बीएचईएल ने वर्ष के दौरान 3571 करोड़ रुपए का वास्तविक निर्यात आर्डर प्राप्त किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.4% की वृद्धि है।

वर्ष में मौजूदा बाजारों और उत्पाद क्षेत्रों में कंपनी की उपस्थिति दृढ़तापूर्वक स्थापित करने के अतिरिक्त, नए बाजारों और नए उत्पाद क्षेत्रों में सफल प्रवेश से वैश्वीकरण की ओर महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया।

वर्ष के दौरान कई प्रतिष्ठित विदेशी आर्डर निष्पादित किए गए, जिससे बीएचईएल का विदेशों में और विस्तार हुआ।

वर्ष 2009-10 के दौरान मुख्य उपलब्धियां:

प्राप्त महत्वपूर्ण निर्यात आर्डरों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- पुनातसंगछु हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट अथॉरिटी, भूटान से 1200 मेगावाट (6x200 मेगावाट) पुनातसंगछु–I जल विद्युत संयंत्र के लिए आर्डर प्राप्त किया। यह कंपनी के जल विद्युत व्यवसाय खंड में सबसे बड़ा आर्डर है। बीएचईएल ने पहले भूटान में तीन जल विद्युत परियोजनाएं यथा, 336 मेगावाट चूखा, 60 मेगावाट कुरीचू और 1,020 मेगावाट ताला का सफलतापूर्वक निष्पादन किया। इन परियोजनाओं का हिस्सा आज भूटान में कुल विद्युत उत्पादन क्षमता का लगभग 95% है, जो बीएचईएल की सुदृढ़ उपस्थिति और स्वीकार्यता का प्रमाण है।

पीटी–इंडोभारत रेयॉन, इंडोनेशिया का 1x15 मेगावाट एसटीजी और 120 टीपीएच सीएफबीसी बॉयलर वाला कैप्टिव विद्युत संयंत्र

- बीएचईएल ने पेट्रोलियम डेवलेपमेंट अथॉरिटी (पीडीओ) के साथ 126 मेगावाट रेटिंग के गैस टर्बाइन जेनरेटर पैकेज के लिए छः–वर्षीय मूल्य करार (दर संविदा) के भाग के रूप में पीडीओ से अमाल (2x126 मेगावाट) और कुअर्न आलम–III (1x126 मेगावाट) के लिए आर्डर प्राप्त किया। यह दर संविदा और तीन वर्षों के विस्तार के प्रावधान सहित छः वर्षों की अवधि के लिए वैद्य है। इन आर्डरों से, बीएचईएल के पास केवल ओमान में ही 16 गैस टर्बाइन सेटों की अद्वितीय उपलब्धि होगी।

नए देशों में प्रवेश:

- बेलारुस : बेलारुस में 126 मेगावाट (एफआर 9ई गैस टर्बाइन आधारित) ग्रोडनो–II को–जनरेशन परियोजना के लिए बेलारुस से अब तक पहला आर्डर प्राप्त। यह एचआरएसजी तथा साथ ही को–जेनरेशन अनुप्रयोग के लिए गैस टर्बाइन की आपूर्ति के लिए पहला विदेशी आर्डर भी है।
- कांगो प्रजातांत्रिक गणराज्य : 64 मेगावाट काटेंडे (कानानंगा) जल विद्युत संयंत्र परियोजना के लिए कांगो प्र.ग. से पहला आर्डर।
- पब्लिक पावर कारपोरेशन, ग्रीस से 400 केवी श्रेणी शंट रिएक्टरों (3 अदद, 30 एमवीएआर और 1 अदद 50 एमवीएआर रिएक्टर) के लिए अब तक का पहला निर्यात आर्डर प्राप्त किया। यह कुल 3000 एमवीए के पारेषण उपस्कर के लिए ग्रीस से वर्ष 1995 से प्राप्त लगातार 21वां आर्डर है।

39

बंगलादेश में बीएचईएल द्वारा चालू किया गया 2x126 मेगावाट सिद्धिरगंज पीकिंग विद्युत संयंत्र

- पावर इंजीनियर्स, यूके से ईराक में नसीरिया विद्युत संयंत्र के लिए 42 मेगावाट (एफआर6वी) गैस टर्बाइन जेनरेटर सेट की आपूर्ति के लिए आर्डर प्राप्त किया।
- अन्य उल्लेखनीय प्राप्त आर्डरों में नाइजीरिया से फील्ड डिस्चार्ज सर्किट ब्रेकर, ओमान से वेलहेड्स और न्यू केलेडोनिया से बॉयलर ढांचे के लिए अब तक का पहला विदेशी आर्डर शामिल है।
- बिक्री–पश्चात सेवा पर निरंतर ध्यान केंद्रण के कारण ओमान, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, सं.अ.अ., नेपाल, फ्रांस, श्रीलंका, कजाकिस्तान, ईराक और लीबिया से अतिरिक्त पुर्जों और सेवाओं का आर्डर प्राप्त हुआ।

fu"ikfnr fons'kh vkMZjksa esa fuEufyf[kr 'kkfey gSa

- समुद्रपारीय चार देशों में कुल 729 मेगावाट के 8 सेटों की कमीशनिंग – किसी एक वर्ष में अब तक का अधिकतम।
- सिधिरगंज शीर्ष विद्युत संयंत्र, बांग्लादेश : 2x126 मेगावाट (एफआर9ई) की गैस टर्बाइन आधारित विद्युत संयंत्र की पहली यूनिट का उद्घाटन बांग्लादेश के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किया गया। बीएचईएल ने भी पहली बार इस परियोजना में संबद्ध गैस शोधन स्किड के साथ बीएचईएल निर्मित 3 अदद ईंधन गैस बूस्टर कंप्रेसरों की आपूर्ति, संस्थापन और कमीशनिंग की है।
- सुलेमानिया गैस आधारित विद्युत परियोजना, ईराक : 126 मेगावाट (एफआर9ई) गैस टर्बाइन जेनरेटर की 4 यूनिटों की सफलतापूर्वक कमीशनिंग की गई।
- सं.अ.अ. में बीएचईएल द्वारा अब तक का पहला विद्युत संयंत्र: अल घैल विद्युत संयंत्र, रास–अल–खैमा इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (राकिया) के लिए 2x42 मेगावाट (एफआर6बी) गैस टर्बाइन जेनरेटर सेटों की सफलतापूर्वक कमीशनिंग की गई।
- पहला पर्यावरण अनुकूल सर्कुलेटिंग फ्लूडाइज्ड बेड (सीएफबीसी) बॉयलर विदेश में कमीशन किया गया : पीटीआईबीआर, इंडोनेशिया के लिए 120 टीपीएच सीएफबीसी के साथ 15 मेगावाट कोयला–प्रदत्त वलित कैप्टिव विद्युत संयंत्र।
- यूरोप में अब तक के पहले कंप्रेसर की कमीशनिंग की गई : यूरोपीय बाजार में प्रवेश करते हुए, बीएचईएल ने जीवीएन फ्रांस के लिए कार्बन डाईऑक्साइड (CO_2) कंप्रेसर की आपूर्ति और कमीशनिंग की।
- अफगानिस्तान की कठिन कार्यकरण दशाओं की चुनौतियों को दूर करने के लिए ग्राहक के प्रति वचनबद्धता का उच्चतम स्तर प्रदर्शित करते हुए, बीएचईएल ने 230 केवी काबुल सब–स्टेशन की सफलतापूर्वक कमीशनिंग की।
- इथोपिया के ग्रामीण विद्युतीकरण के लिए विश्व बैंक की प्रतिष्ठित परियोजना के अधीन इथोपिया में 132 केवी कोटोबी सब–स्टेशन भी वर्ष के दौरान आवेशित किया गया।
- इसके अतिरिक्त, बीएचईएल ने एशियाई विकास बैंक द्वारा निधिपोषित बांग्लादेश में 230 केवी बाघावाड़ी सब–स्टेशन की भी कमीशनिंग की।
- दलील पेट्रोलियम, ओमान के साथ मई, 2006 में की गई दर संविदा के अधीन वर्ष के दौरान दलील पेट्रोलियम, ओमान को 24 वेलहेडों की आपूर्ति की गई। अभी तक, इस दर संविदा के अधीन ओमान को 120 वेलहेडों की आपूर्ति की गई है।

बीएचईएल द्वारा पूर्ण किया गया 4x26 मेगावाट का सुलेमानिया गैस पावर संयंत्र, इराक

पूंजी निवेश

बीएचईएल, हैदराबाद में सीएनसी लेथ

बीएचईएल, हरिद्वार में सीएनसी, 5–एक्सिस, 3 स्पिंडल मशीन

बीएचईएल, हैदराबाद में सीएनसी गैन्ट्री मिलिंग एवं ड्रिलिंग मशीन

बीएचईएल, त्रिचुरापल्ली में 20 टॉर्च एमआईजी/एमएजी वैल्डिंग के साथ पैनल वैल्डिंग स्टेशन

x iwath fuos'k

- **o"kZ 2009&2010 ds nkSjku iwath fuos'k**

  बीएचईएल ने विनिर्माण यूनिटों और विद्युत परियोजना कार्यस्थलों में विनिर्माण क्षमता की वृद्धि और सुविधाओं के आधुनिकीकरण के लिए वर्ष 2008–2009 में 1082 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश की तुलना में 58 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए वर्ष 2009–10 के दौरान 1713 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश किया।

- **iqjkuh lqfo/kkvksa dk iqu%fuekZ.k**

  मौजुदा पुरानी सुविधाओं की अवधि, विश्वसनीयता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए 51 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश के माध्यम से उनके पुनःनिर्माण तथा रिट्रोफिटिंग पर ध्यान केन्द्रित किया गया।

अपने क्षमता विस्तार कार्यक्रम के भाग के रूप में कंपनी द्वारा स्थापित बीएचईएल, तिरूचिरापल्ली में उच्च दाव बॉयलर संयंत्र–II

- **{kerk o/kZu igy**

  बीएचईएल राष्ट्र के विद्युत विकास कार्यक्रम के लिए प्रतिबद्ध रहा है और समकालीन प्रौद्योगिकी, अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाओं और भविष्य में पूर्वानुमानित देश के विद्युत की आवश्यकता पूरी करने के लिए कुशल तकनीकी मानव शक्ति द्वारा भविष्य के लिए स्तंभ को सज्जित करके भारतीय विद्युत क्षेत्र के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुनःपुष्टि की है। कंपनी ने प्रतिवर्ष 15,000 मेगावाट के विद्युत उपस्कर की सुपुर्दगी की दक्षता स्थापित की है और इसके प्रतिवर्ष 20,000 मेगावाट तक वर्धन के लिए कार्य चल रहा है और यह मार्च, 2012 तक पूरा किया जाना योजनाबद्ध है।

?k la;qDr miØe

i) ch,pbZ,y thbZ xSl VckZbu lfoZlst ikbosV fyfeVsM ¼chthth,l½&

जीई द्वारा डिजाइन की गई गैस टर्बाइनों की मरम्मत और सर्विसिंग के लिए बीएचईएल और जीई, यूएस द्वारा संयुक्त उपक्रम के रूप में संवर्धित बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज लिमिटेड (बीजीजीटीएस) ने अपने परिचालन के बारह पूर्ण वित्तीय वर्ष पूरे कर लिए हैं।

बीजीजीटीएस ने वर्ष 2009–10 के दौरान 50 करोड़ रुपये के कर उपरांत लाभ के साथ 434 करोड़ रुपये का कुल कारोबार किया। वर्ष के दौरान बीजीजीटीएस द्वारा विदेशों से निर्यात आर्डरों सहित 386 करोड़ रुपये के आर्डर प्राप्त किए गए। बीजीजीटीएस ने इंडियनऑयल कारपोरेशन, राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड, गुजरात राज्य विद्युत निगम लिमिटेड, एस्सार पावर लिमिटेड, रिलाएंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, इंद्रप्रस्थ पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड, रूरल पावर कारपोरेशन लिमिटेड, बांग्लादेश आदि जैसे विभिन्न ग्राहकों को सफलतापूर्वक गैस टर्बाइन सर्विसिंग पूरी करने के साथ–साथ कुल–पुर्जे सप्लाई किए हैं। बीजीजीटीएस ने 48 करोड़ रुपये के निर्यात आर्डर भी पूरे किए हैं। वर्ष 2009–10 के लिए बीजीजीटीएस ने लगातार सुधरा हुआ रिकार्ड कार्यनिष्पादन दर्शाते हुए 640 प्रतिशत लाभांश की घोषणा की।

ii) ikoj lykV ijQkeZl bUiwoesV fyfeVsM ¼ihihvkbZ,y½&

पुराने जीवाश्म ईंधन चालित पावर प्लांटों के कार्यनिष्पादन में सुधार के लिए बीएचईएल ने सीमेंस, जर्मनी के साथ संयुक्त उपक्रम कंपनी पावर प्लांट परफार्मेंस इन्प्रूवमेंट लिमिटेड (पीपीआईएल) को संवर्धित किया गया है।

पीपीआईएल बकाया मामलों के समाधान तथा लंबित अनुबंधों के रुके हुए भुगतान की प्राप्ति के लिए प्रक्रियारत है। चूंकि, कंपनी की पर्याप्त व्यवसाय व्यवहार्यता दिखाई नहीं देती, इसलिए दोनों प्रवर्तक साझेदार पारस्परिक रूप से धीरे–धीरे कंपनी को बंद करने पर सहमत हो गए हैं।

iii) ,uVhihlh] ch,pbZ,y ikoj izkstsDV~l fyfeVsM ¼,uchihih,y½ &

बीएचईएल ने भारत और विदेश में विद्युत संयंत्रों और अन्य अवसंरचना परियोजनाओं के लिए ईपीसी संविदा पूरी करने के लिए संयुक्त उपक्रम कंपनी "एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड" को संवर्धित किया है। संयुक्त उपक्रम कंपनी विद्युत संयंत्रों और अन्य अवसंरचना परियोजनाओं, जो प्रवर्तक कंपनियों के किसी चालू सहयोग करार के अधीन किसी सीमाबद्धता अथवा प्रतिबंध के अंतर्गत नहीं है, के लिए उपस्करों का विनिर्माण और आपूर्ति भी कर सकती है। संयुक्त उपक्रम कंपनी एनटीपीसी तथा बीएचईएल द्वारा समान रूप से 10 लाख रुपये की प्रारंभिक अधिकृत तथा प्रदत्त पूंजी के साथ 28 अप्रैल, 2008 को निगमित की गई थी। इसके अलावा, बोर्ड ने बीएचईएल के अंशदान को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 100 करोड़ रुपये करने का भी निर्णय लिया जिसे आवश्यकताओं पर निर्भर करते हुए किस्तों में किया जाएगा। बीएचईएल और एनटीपीसी प्रत्येक द्वारा 25 करोड़ रुपये का अभिदान करते हुए चुकता पूंजी 50 करोड़ रुपये है।

iv) cjkd ikoj izkboV fyfeVsM &

बीएचईएल ने सिल्चर, असम में सीएफबीसी आधारित 2x125 मेगावाट के विद्युत संयंत्र की स्थापना के लिए पीटीसी इंडिया लिमिटेड के साथ संयुक्त उपक्रम कंपनी संवर्धित की है। संयुक्त उपक्रम कंपनी 1 सितंबर, 2008 को बराक पावर प्राइवेट लिमिटेड के नाम से स्थापित की गई। इसके लिए बीएचईएल तथा पीटीसी द्वारा समान रूप से 10 लाख रुपये की अधिकृत तथा प्रदत्त पूंजी प्रदान की गई है। इसके अलावा, दोनों प्रर्वतक अपने प्रत्येक का अंशदान 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 100 लाख रुपये करने के लिए भी सहमत हो गए हैं। इस समय, बीएचईएल और पीटीसी इंडिया लिमिटेड प्रत्येक द्वारा 5 लाख रुपये के अभिदान सहित चुकता इक्विटी पूंजी 10 लाख रुपये है।

v) mMuxqMh ikoj dkjiksjs'ku fyfeVsM &

बीएचईएल ने उडनगुडी, तूतीकोरिन, तमिलनाडु में बनाने, अपनाने और परिचालित करने के आधार पर 2x800 मेगावाट सुपरक्रिटीकल थर्मल पावर प्लांट की स्थापना के लिए तमिलनाडु इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड के साथ संयुक्त उपक्रम कंपनी संवर्धित की है। संयुक्त उपक्रम कंपनी 26 दिसंबर, 2008 को 'उडनगुडी पावर कारपोरेशन लिमिटेड' के नाम से निगमित की गई थी। संयुक्त उपक्रम में प्रारंभिक अधिकृत और प्रदत्त इक्विटी 10 करोड़ रुपये है जिसमें टीएनईबी और बीएचईएल ने समान रूप से अभिदान किया है। इक्विटी संरचना को बाद में वित्तीय संस्थान/बैंकों आदि को लाने के लिए कम किया जाएगा ताकि टीएनईबी और बीएचईएल समान रूप से 26 प्रतिशत की इक्विटी रख सकें। राज्य सरकार ने परियोजना के लिए संयुक्त उपक्रम कंपनी को भूमि आवंटित कर दी है। संयुक्त उपक्रम कंपनी भी कोयला लिंकेज, पर्यावरण और वन मंत्रालय की स्वीकृति प्राप्त करने की प्रक्रिया में है और बीएचईएल को मुख्य संयंत्र उपस्कर के आर्डर को अंतिम रूप दे रही है।

43

vi) jk;pwj ikoj dkjiksjs'ku fyfeVsM &

बीएचईएल ने येरामारुस, रायचूर, कर्नाटक में 2x800 मेगावाट सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट तथा एदलापुर, रायचूर, कर्नाटक में 1x800 मेगावाट सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट को बनाने, अपनाने और परिचालित करने के आधार पर स्थापित करने के लिए कर्नाटक पावर कारपोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल) के साथ संयुक्त उपक्रम कंपनी संवर्धित की है। केपीसीएल के साथ संयुक्त उपक्रम करार पर 12 जनवरी, 2009 को हस्ताक्षर किया गया था और सं.उ.कं. को 15 अप्रैल, 2009 को 'रायचूर पावर कारपोरेशन लिमिटेड' के नाम से निगमित किया गया था। संयुक्त उपक्रम में प्रारंभिक अधिकृत तथा प्रदत्त इक्विटी 10 करोड़ रुपये है। इसमें केपीसीएल और बीएचईएल द्वारा समान रूप से अभिदान किया गया है। इक्विटी संरचना को बाद में वित्तीय संस्थान/बैंकों आदि को लाने के लिए कम किया जाएगा ताकि टीएनईबी और बीएचईएल समान रूप से 26 प्रतिशत की इक्विटी रख सके। संयुक्त उपक्रम कंपनी ने 2x800 मेगावाट की येरामारुस विद्युत परियोजना के लिए पर्यावरण और वन मंत्रालय की स्वीकृति प्राप्त कर ली है और 2x800 मेगावाट की येरामारुस परियोजना के लिए मुख्य संयंत्र उपस्कर की आपूर्ति और इएंडसी हेतु बीएचईएल को आर्डर दे दिया गया है जिसका मूल्य 6300 करोड़ रुपये है। 1x800 मेगावाट की एदलापुर परियोजना के लिए आर्डर को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

vii) nknk /kuhokys [kaMok ikoj fyfeVsM

बीएचईएल ने बनाने, अपनाने और परिचालित करने के आधार पर खंडवा, मध्यप्रदेश में 2x800 मेगावाट के सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत संयंत्र की स्थापना के लिए मध्यप्रदेश पावर जेनरेटिंग कंपनी लिमिटेड

(एमपीपीजीसीएल) के साथ एक संयुक्त उपक्रम कंपनी संवर्धित की है। एमपीपीजीसीएल के साथ संयुक्त उपक्रम करार पर दिनांक 28 जनवरी, 2010 को हस्ताक्षर किया गया था और संयुक्त उपक्रम कंपनी "दादा धूनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड" के नाम से दिनांक 25 फरवरी, 2010 को निगमित की गई थी। संयुक्त उपक्रम कंपनी की प्रारंभिक प्राधिकृत और चुकता इक्विटी 5 करोड़ रुपये है, जिसमें एमपीपीजीसीएल और बीएचईएल का बराबर अभिदान होगा। इक्विटी संरचना को बाद में वित्तीय संस्थानों/बैंकों आदि को लाने के लिए कम किया जाएगा ताकि एमपीपीजीसीएल और बीएचईएल समान रूप से 26% की इक्विटी रख सकें।

3½ vuqla/kku vkSj fodkl rFkk izkS|ksfxdh; miyfC/k;k

बीएचईएल के उत्पाद और प्रणालियां प्रकृति में अत्यधिक प्रौद्योगिकी गहन हैं और कंपनी के लिए अनुसंधान और विकास तथा प्रौद्योगिकी विकास कार्यनीतिक महत्व रखता है।

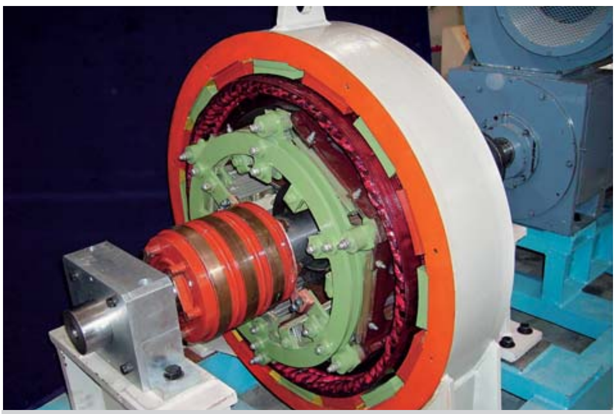

100 के डब्ल्यू स्थायी मैग्नेट एक्साइटर

मुख्य रूप से तीन मानदंडों के आधार पर प्रगति पर नजर रखी जा रही है। ये मानदंड हैं– नए उत्पादों, मौजूदा उत्पादों की विविध किस्मों में सुधार, नई टेक्नोलॉजियों/प्रक्रियाओं की स्थापना में सुधार, अथवा अत्याधुनिक सुविधाओं की स्थापना के लिए अनुसंधान एवं विकास प्रयासों पर व्यय। इससे आंतरिक स्तर पर उत्पादों तथा प्रणालियों का विकास होगा और बौद्धिक पूंजी में वृद्धि होगी जिसका उपयोग कंपनी के व्यवसाय (प्रस्तुत पेटेंट और कापीराइट की संख्या में वृद्धि) में किया जा सकेगा।

इन सभी तीनों मानदंडों ने पिछले वर्ष की तुलना में पर्याप्त वृद्धि दर्शाई है। वर्ष 2009–10 के दौरान वास्तविक आरएंडडी व्यय पर 20.2 प्रतिशत वृद्धि के साथ 829.27 करोड़ रुपये खर्च किए गए। आंतरिक स्तर पर विकसित किए गए उत्पादों और प्रणालियों द्वारा 20.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6723.12 करोड़ रुपये खर्च किए गए। बीएचईएल द्वारा प्रस्तुत कुल 1126 पेटेंट और कापीराइट के कुल आंकड़ों में 29.7 प्रतिशत आईपीआर की वृद्धि दर्ज की गई है।

वर्ष के दौरान कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियां निम्नलिखित हैं–

- देश में सुपरक्रिटिकल विद्युत संयंत्रों के उभरते हुए बाजार पर ध्यान देने के लिए बीएचईएल ने आंतरिक विशेषज्ञता से सफलतापूर्वक 660 मेगावाट स्टीम टर्बाइन के लिए कंडेन्सर की डिजाइन विकसित की है। यह विकास उच्चतर भार आदि के साथ एकल कंडेन्सर सहित परस्पर जुड़े बड़े आकार के एलपी टर्बाइन के संबंध में डिजाइन की नई चुनौतियों पर ध्यान देता है, जिससे सिंगल शेल डिजाइन, ठोस समर्थित और लगभग 18 मीटर की ट्यूब लंबाई वाले कंडेन्सर का निर्माण हुआ है। नई डिजाइन सुडौलता, इष्टमीकरण पर ध्यान केंद्रण सहित दाब गिरावट परिकलनों आदि पर पुनर्विचार करते हुए अत्याधुनिक डिजाइन और विश्लेषणात्मक उपकरणों का प्रयोग करते हुए तैयार की गई थी। आंतरिक रूप से विकसित डिजाइन 2x660 मेगावाट की बाढ़ परियोजना के अतिरिक्त, अन्य सुपरक्रिटिकल संयंत्रों को भी प्रदान की जाएगी।

1 एमवीए, 3–फेज, 33/6.6 केवी एचटीएससी ट्रांसफॉर्मर

- इंजीनियरी प्रौद्योगिकियों पर बल जारी रखते हुए बीएचईएल ने द्रव नाइट्रोजन का प्रयोग करते हुए 77° पर सुपरकंडक्टिंग दशा के साथ "1.0 एमवीए, तीन–फेज, 33/6.6 केवी उच्च तापक्रम सुपरकंडक्टिंग (एचटीएससी) विद्युत ट्रांसफॉर्मर" विकसित, विनिर्मित और परीक्षण किया है। तेल संपूरित ट्रांसफॉर्मर की तुलना में एचटीएससी ट्रांसफॉर्मर उच्च क्षमता, छोटे आकार/वजन/आयतन, विसवाहन क्षति या उपयोगी अवधि की हानि के बिना क्षमता अतिभार के दुगुने को सहन करने के सामर्थ्य, निम्न प्रतिबाधा, बेहतर वोल्टता विनियमन दक्षता, प्रशीतन तेल के समापन, जिससे तेल प्रज्जवलन की संभावना और संबद्ध पर्यावरणीय खतरे समाप्त होते हैं तथा साथ ही प्रति यूनिट मात्रा अधिक विद्युत प्रदान करने के सामर्थ्य वाला होता है। यह ट्रांसफॉर्मर एक मौजूदा सब–स्टेशन में क्षेत्र परीक्षण के लिए लगाया जा रहा है।
- बीएचईएल ने 5x800 मेगावाट वाली मुंद्रा परियोजना, जो एक अल्ट्रा मेगा विद्युत परियोजना है, के लिए उच्चतम रेटिंग के 310 एमवीए एक फेज जेनरेटर ट्रांसफॉर्मर सफलतापूर्वक

विकसित किया है। यह परीक्षणाधीन उच्चतम रेटिंग का एकल फेज जेनरेटर ट्रांसफार्मर है और यह परियोजना के लिए 16 अदद, 310 एमवीए जीटी का एक भाग है। नव–विकसित इस जीटी में विद्युत हानि आदि से संबंधित बेहतर कार्यनिष्पादन क्षमता हैं, जिससे बीएचईएल की प्रतिस्पर्धी स्थिति में वृद्धि हुई है। यह विकास स्थापित हो रही अल्ट्रा मेगा विद्युत परियोजनाओं की आवश्यकता पूरी करने के लिए 400 केवी श्रेणी में ऐसे उच्च रेटिंग वाले जीटी की आपूर्ति करे में बीएचईल की दक्षता प्रदर्शित करता है।

- रेगिस्तानी अनुप्रयोग के लिए 200–400 मेगावाट की आउटपुट सीमा में हाई बैक प्रेशर वाली टर्बाइनों की आवश्यकता पूरी करने के लिए बीएचईएल ने 2X3.2 वर्ग मीटर के निकासी क्षेत्रफल सहित और संपूर्ण स्टेज के आर–पार उच्च दाब की गिरावट रोकने के लिए नए किस्म की ब्लेडिंग के साथ 0.17 एटीए से 0.34 एटीए बैक प्रेशर के लिए उपर्युक्त एक नया एलपी मॉड्यूल विकसित किया है। इस आंतरिक रूप से विकसित डिजाइन का प्रयोग सीरिया में 2X200 मेगावाट वाली तिशरीन परियोजना में किया गया है और इसे तत्पश्चात् समान अनुप्रयोग में परियोजनाओं को प्रदान किया जाएगा। इस आर्डर से बीएचईएल समान अनुप्रयोग के स्टीम टर्बाइनों के लिए विदेशी बाजार में प्रवेश करेगा।
- ″600 मेगावाट के लिए एक नए प्राइमरी एयर फैन परिवर्ती″ की डिजाइन विकसित की। इस विकास में प्राइमरी एयर फैन का परिवर्ती (पीएएफ 20/10.6–2), 4 मेगावाट के विद्युत द्वारा ऊर्जाचालित 225 घन मीटर/सेकेंड की कुल क्षमता शामिल है। नई डिजाइन में मैसर्स टर्बो लुफ्त टेक्निक (टीएलटी) एक्सियल फैन डिजाइन की संकल्पना पर आधारित उच्चतर हब–टिप अनुपात है। ऐसे किस्म के फैन को आज तक मैसर्स टीएलटी, जर्मनी से बाहरी स्रोत द्वारा प्राप्त किया जाता है। इस फैन का प्रयोग नार्थ चेन्नै परियोजना के लिए पीए फैन अनुप्रयोग के लिए किया जाएगा और इसका चयन जिंदल और श्री सिंघाजी परियोजनाओं के लिए अन्य 600 मेगावाट बॉयलरों के लिए भी किया गया है।
- 765 केवी पारेषण प्रणाली की उभरती हुई आवश्यकताओं पर ध्यान देने के लिए बीएचईएल ने 765 केवी अति उच्च वोल्टता (यूएचवी) पारेषण सब–स्टेशनों के लिए करेंट ट्रांसफर (सीटी) डिजाइन विकसित की है। यह नई डिजाइन 765 केवी श्रेणी वाली पारेषण प्रणाली के लिए यथावश्यक सुरक्षित, विश्वसनीय और सुगठित डिजाइन प्रदान करने के लिए पारम्परिक तेल विसंवाहन और पोर्सलीन विसंवाहक की बजाय गैसीय (एसएफ6) विसंवाहन तथा हल्के वजन के एफआरपी–सिलिकॉन मिश्रित विसंवाहकों पर आधारित है।
- उद्योग क्षेत्र की उभरती हुई मांग को पूरा करने के लिए बीएचईएल ने आईडी फैन अनुप्रयोग के लिए 1.8 मेगावाट इंडक्शन मोटर ड्राइव हेतु आईजीबीटी–आधारित त्रि–स्तरीय डायोड क्लैम्प इन्वर्टर की डिजाइन तैयार और विकसित की है। इस विकास से बीएचईएल गैस बूस्टर, बॉयलर फीड पम्प, आईडी फैन, पीए फैन और अपकेंद्रिक पम्प जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए 1 मेगावाट से 4 मेगावाट तक की रेटिंग के आईजीबीटी प्रौद्योगिी आधारित मध्यम वोल्टता ड्राइव, जिन्हें अब तक केवल बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ही प्रदान किया जा रहा था, से बड़ी मात्रा वाले व्यवसाय पर ध्यान दे सकता है।
- ग्राहकों को अपनी सेवाएं और प्रदाय निरंतर रूप से सुधारने के लिए बीएचईएल ने स्टीम जेनरेटर, टर्बाइन, संयंत्र शेष उपकरण, एचएमआई के साथ ″स्काडा″ के लिए अत्याधुनिक मेट्सो डीएनए डीसीएस प्लेटफार्म पर संपूर्ण नियंत्रण प्रणाली विकसित की है। इस विकास से बीएचईएल ने आंतरिक विशेषज्ञता का प्रयोग करते हुए डीसीएस की एक नई शृंखला के साथ विद्युत संयंत्र स्वचालन की सफलतापूर्वक इंजीनियरी, विनिर्माण और परीक्षण करने की दक्षता प्रदर्शित की है।
- आधुनिक विद्युत संयंत्र के प्रचालन में आवश्यक उच्चतर कुशलता और दक्षता की आवश्यकता पर ध्यान देने के लिए बीएचईएल ने खापरखेड़ा और भुसावल में 500 मेगावाट सेटों के लिए डीसीएस के साथ प्रशिक्षण सिमुलेटर विकसित और आपूरित किया है। प्रशिक्षण सिमुलेटर का सर्वर वास्तविक समय गतिय प्रक्रिया पैरामीटर सृजित करने में दक्ष वास्तविक संयंत्र मॉड्यूल से भरा हुआ है क्योंकि वे प्रचालनरत विद्युत संयंत्र में मौजूद हैं। सिमुलेटर में ऑपरेटर वर्क–स्टेशन, स्टेशन मॉडल सर्वर और चार मुख्य सॉफ्टवेयर यथा, गतिय मॉडल सर्वर (डीएमएस) सॉफ्टवेयर, इंस्ट्रक्टर स्टेशन (आईएस) सॉफ्टवेयर, आपरेटर/मानव मशीन अंतरापृष्ठ (एचएमआई) सॉफ्टवेयर और वास्तविक डाटा कन्फिगुरेशन सॉफ्टवेयर के साथ डाटा प्रोसेसिंग यूनिट शामिल होता है। कई ग्राहक विकासशील विद्युत उद्योग में इस सुविधा के लिए विकल्प दे सकते हैं।
- बीएचईएल ने ″जल विद्युत संयंत्रों के लिए प्रचालन इष्टमीकरण और समय अनुसूचन पैकेज″ विकसित और आपूरित किया है, जिसका प्रयोग प्रचालन समय–अनुसूचन और संयंत्रों के इष्टमीकरण के लिए निर्णय समर्थन प्रणाली (डीएसएस) के रूप में किया जा सकता है। सॉफ्टवेयर जलाशय, जल संवाहन प्रणाली के अंकगणितीय मॉडल का प्रयोग करता है और उपलब्धता–आधारित टैरिफ प्रणाली के अधीन आजकल के जल विद्युत प्रणाली प्रचालक द्वारा सामना की जा रही प्रचालनात्मक भ्रांतियों का इष्टतम और सर्वोत्तम उचित समाधान प्रदान करता है। सॉफ्टवेयर के प्रयोग से दैनिक ऊर्जा उत्पादन और राजस्व में महत्वपूर्ण सुधार हो सकता है। यह उत्पाद बीएचईएल को जल विद्युत संयंत्रों के लिए उन्नत सॉफ्टवेयर

पैकेज, जो हमारी डीसीएस प्रणाली से एकीकृत हैं, के आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करने में आगे चलकर बहुत सहायक होगा।

- 1600 एचपी एसी ईएमयू और डीईएमयू अनुप्रयोग के लिए निम्न वोल्टता उच्च धारा, 1500 वोल्ट डीसी लिंक आईजीबीटी आधारित :3 फेज ड्राइव प्रणाली हेतु 297 केडब्ल्यू, 3 फेज विकसित और किस्म परीक्षण किया। इस ट्रैक्शन मोटर के विकास से, बीएचईएल अब 25 केवी/1600 एसी ईएमयू तथा एसी–डीसी डीईएमयू के लिए आईजीबीटी आधारित नई परियोजनाओं के बाजार की पूर्ति करने की स्थिति में है।
- पहली बार हाइड्रो टर्बाइन के गति नियंत्रण के लिए डिजीटल नियंत्रक विकसित किया गया है और उसकी आपूर्ति 3x5 मेगावाट इंदिरासागर लेफ्ट बैंक केनाल एचईपी के लिए एनवीडीए को की गई है। इस उपस्कर की पहली यूनिट के लिए सफलतापूर्वक कमीशनिंग की गई है। इसमें एचएमआई के साथ पीएलसी नियंत्रण प्रणाली है, यह स्काडा के साथ संप्रेषण करने में दक्ष है तथा प्रारंभ/बंद करने की सुविधा के साथ नियंत्रक पैरामीटरों की डिजीटल मीटरिंग आदि है। डिजीटल नियंत्रक में प्रचालन में लचीलापन, निर्धारित मान का स्थायित्व, मशीन का अच्छा नियंत्रण और तीव्र प्रत्युत्तर अवधि होगी।
- बीएचईएल ने श्रृंखला में छठा "मशीन गतिकी के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई एमडीएफ)" स्थापित किया है। सीओई गतिय विश्लेषण और घूर्णन मशीनों आदि के ऑनलाइन अनुवीक्षण सहित घूर्णात्मक गतिकी के विशिष्ट क्षेत्र में अनुसंधान और विकास कार्य करने में अग्रणी के रूप में बीएचईएल की प्रमुख स्थिति में और वृद्धि करेगा और मुख्यतः स्टीम टर्बाइन, आईडी और एफडी फैन, स्विच गियर और ओएलटीसी कार्यतंत्र विश्लेषण, डीजल लोकोमोटिव, ध्वनि स्रोत की पहचान करने की अपेक्षा वाले उत्पाद, ध्वनि शक्ति अनुमान, ध्वनि मानचित्रण अध्ययन आदि जैसे उत्पादों में योगदान करेगा।

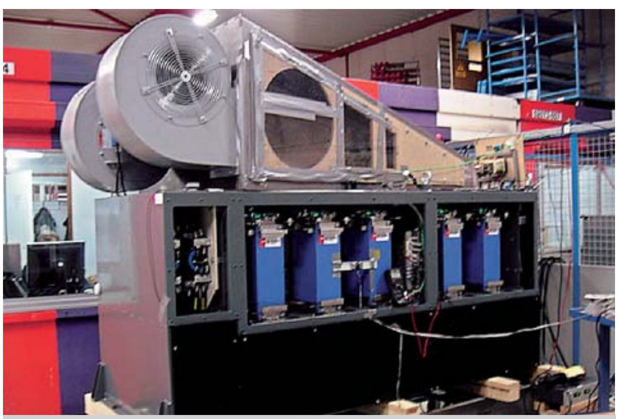

भारतीय रेलवे के ईएमयू के लिए इंसुलेटेड गेट बाईपोलर ट्रांजिस्टर (आईजीबीटी) आधारित 3–फेज वाला एसी ट्रैक्शन

- 156 मिमी आकार वाले मल्टी–क्रिस्टेलाइन सिलिकॉन सोलर सेल का प्रयोग करते हुए 200 वाट के फोटोवोल्टिक (पीवी) मॉड्यूल की डिजाइन तैयार की और प्रदर्शित किया। वर्तमान 125 मिमी की तुलना में 156 मिमी आकार के सोलर सेल के पीवी मॉड्यूल के प्रयोग से उत्पादन में लगभग 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, यह लागत प्रतिस्पर्धी उत्पाद प्रति किलोवाट अपेक्षित मॉड्यूल की संख्या घटाते हुए मेगावाट आकार के पीवी विद्युत संयंत्रों के लिए भी उपयुक्त है और इस प्रकार प्रणाली की विश्वसनीयता में वृद्धि करता है।
- 125 मेगावाट तक के स्टीम विद्युत संयंत्रों में प्रयोग के लिए डि–एरेटिंग कंडेन्सरों की नई डिजाइन विकसित की। डि–एरेटिंग कंडेन्सर पारम्परिक डि–एरेटर के प्रयोग को समाप्त कर सकते हैं और इस प्रकार संयंत्र की अधिक सुगठित तथा कम्बाइंड साइकिल अनुप्रयोग में उष्मा दर में सुधार के अतिरिक्त लागत–प्रभावी बना सकते हैं। बीएचईएल भावी परियोजनाओं के लिए ऐसे डि–एरेटिंग कंडेन्सर प्रदान करेगा।

p½ ekuo lalk/ku izca/ku

1½ vkS|ksfxd laca/k

वर्ष के दौरान भागीदारिता की संस्कृति पर बल देना जारी रहा और कंपनी की विभिन्न यूनिटों और सेवा प्रभागों में औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण रहे।

बिजनेस टूडे द्वारा कार्य करने के लिए सर्वोत्तम कंपनियों में से एक के रूप में बीएचईएल का चयन

शीर्ष–स्तरीय द्विपक्षीय मंच नामतः "बीएचईएल की संयुक्त समिति" की वर्ष के दौरान 10 बैठकें हुईं। संयुक्त समिति में वर्ष के दौरान चर्चा का प्राथमिक ध्यान वेतन संबंधी बातचीत पर था, जो दिनांक 30 दिसंबर, 2009 को करार ज्ञापन के हस्ताक्षर करने से सफलतापूर्वक समाप्त हुआ। कार्यपालकों और पर्यवेक्षकों के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठकें हुईं जिनमें कार्य और हित संबद्ध मुद्दों पर चर्चा हुई। वेतन संशोधन के बकाए का कर्मचारियों के सभी वर्गों को भुगतान किया गया।

इसके अतिरिक्त, कार्यपालकों और पर्यवेक्षकों के लिए वेतन संशोधन पर राष्ट्रपति के निर्देश दिनांक 30 अप्रैल, 2009 को प्राप्त हुए थे।

"संगठनात्मक उत्कृष्टता की ओर अग्रसर – पर्यवेक्षकों की भूमिका" पर एक दो–दिवसीय कार्यशाला भी आयोजित की गई थी। पर्यवेक्षक संघ के सदस्यों की कंपनी द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों और इन चुनौतियों को दूर करने के लिए पर्यवेक्षकों की भूमिका के बारे सुग्राही बनाया गया। इस कार्यशाला का ध्यानकेंद्रण चुनौतियों और ग्राहकों को की गई प्रतिबद्धताएं पूरी करने के लिए कार्यनीतियां तैयार करने पर था। सदस्यों से अभूतपूर्व प्रत्युत्तर प्राप्त हुआ। पर्यवेक्षकों और प्रबंधन को शामिल करते हुए विभिन्न विषयों पर कार्य करने के लिए सिंडीकेट समूह गठित किए गए। कार्यशाला के दौरान उनके द्वारा दिए गए सुझावों को विभिन्न स्तरों पर भागीदारी करने तथा साथ ही कार्यान्वयन के लिए बीएचईएल की सभी यूनिटों/प्रभागों में परिचालित किया गया।

बंगलौर, पुरी और गोवा में आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं के दौरान विभिन्न सिंडीकेट समूहों द्वारा दिए गए सुझावों/सिफारिशों को संकलित करते हुए एक पुस्तिका का दिनांक 3 अगस्त, 2009 को हुई जेसीएम की बैठक में विमोचन किया गया। इन कार्यशालाओं का विषयः (1) संगठनात्मक प्रभावोत्पादकता बढ़ाना, (2) उत्कृष्टता के लिए रूपरेखा, (3) कर्मचारियों की प्रभावोत्पादकता बढ़ाना और व्यावसायिक चुनौतियों से निपटना था। ये सुझाव भागीदारिता मंचों के सुदृढ़ीकरण, संयंत्र स्तर की संयुक्त समिति में चर्चा का प्रसार, बहु–कुशलता, पुनःतैनाती, महत्वपूर्ण मशीनों का प्रभावी उपयोग, मानव और मशीन के उत्पादक समय का वर्धन, अस्वीकृति और पुनःकार्य में कमी, मशीनों का अनुरक्षण, तीन पाली में कार्य करने, कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ाने, कंपनी संबंधी सूचना का प्रसार, कार्यस्थल में लागत कटौती के उपायों तथा बर्बादी पर नियंत्रण, गुणवत्ता सुधारने और कर्मचारियों में गुणवत्ता संबंधी जागरुकता लाने, चक समय में कमी और यूनिटों से क्रमिक आपूर्तियों आदि से संबंधित थे।

यूनिट स्तर मुद्दों को संबद्ध यूनिट स्तर पर ऐसी ही कार्यशालाएं आयोजित की गई थीं, जिनमें सभी तीन संवर्गों से प्रतिभागियों ने भाग लिया। लागत की कमी, उत्पादन लक्ष्यों की पूर्ति, क्रमिक सुपुर्दगी और सामग्रियों की गुणवत्ता पर दिए गए सुझाव ध्यान देने वाले क्षेत्र थे। कार्यशाला में सभी संवर्गों की भागीदारी का यूनिटों के कार्यकरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा था।

कंपनी की विभिन्न यूनिटों में वर्ष के दौरान संयंत्र परिषदों की 46 बैठकें और शॉप परिषदों की 236 बैठकें आयोजित की गई।

2½ ch,pbZ,y] ;fuVksa rFkk deZpkfj;ksa }kjk thrs x, iqjLdkj

- iz/kkuea=h Je iqjLdkj 2007 (श्रम मंत्रालय द्वारा 15.08.2009 को घोषित)

प्रधानमंत्री श्रम पुरस्कार निजी तथा केन्द्र एवं राज्य सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय कार्यनिष्पादन, अन्वेषणकारी क्षमताओं, उत्पादकता में उल्लेखनीय योगदान, असाधारण प्रतिभा प्रदर्शन एवं प्रखर बौद्धिकता का परिचय देने वाले कर्मचारियों को प्रदान किया जाता है। हरिद्वार यूनिट से एक कर्मचारी द्वारा 1 श्रम भूषण पुरस्कार; हरिद्वार यूनिट से दो कर्मचारियों द्वारा 2 श्रम वीर पुरस्कार; हरिद्वार यूनिट से एक कर्मचारी द्वारा 1 श्रम श्री पुरस्कार, ईपीडी –बंगलौर यूनिट से 4 कर्मचारियों द्वारा 1 श्रम देवी पुरस्कार जीता गया।

- jk"Vªh; lqj{kk iqjLdkj 2007 (श्रम मंत्रालय द्वारा घोषित)

राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार औद्योगिक उपक्रम (फैक्ट्र अधिनियम, 1986 के अधीन शामिल) की ओर से अच्छे सुरक्षा निष्पादन और दुर्घटना निवारण कार्यक्रम में प्रबंधन और कामगारों दोनों की दिलचस्पी बढ़ाने और बनाए रखने के मान्यता स्वरूप दिया जाता है। राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार के लिए रानीपेट यूनिट को उप विजेता घोषित किया गया।

- ÅtkZ izca/ku esa mRÑ"Vrk ds fy, 10ok jk"Vªh; iqjLdkj 2009 (भारतीय उद्योग परिसंघ)

ऊर्जा प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार हैदराबाद यूनिट को प्रदान किया गया। यूनिट पिछले तीन वर्षों से लगातार यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार जीत रही है।

3½ ekuo lalk/ku fodkl

वर्ष 2009–10 में कुल 44307 कर्मचारियों को प्रति कर्मचारी 18.98 प्रशिक्षण श्रम दिवस के अनुसार विभिन्न किस्म के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल किया गया। कर्मचारियों के अतिरिक्त, 3626 एक्ट एप्रेंटिसों को प्रति एप्रेंटिस 330 प्रशिक्षण श्रम दिवस देते हुए विभिन्न यूनिटों में प्रशिक्षित किया गया था।

बीएचईएल में ग्राहक प्रशिक्षण एक नियमित कार्यकलाप रहा है और वर्ष के दौरान 61548 श्रम दिवस देते हुए 1231 ग्राहकों को प्रशिक्षित किया गया था। सामाजिक प्रतिबद्धता के प्रति

सजग होकर विभिन्न व्यावसायिक संस्थानों से 7011 व्यावसायिक प्रशिक्षणार्थियों को भी प्रशिक्षित किया गया था।

प्रशिक्षण प्रणाली युक्तिसंगत बनाई गई है और निम्नलिखित क्षेत्रों में दक्षता वृद्धि के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं:

– तकनीकी/कार्यात्मक, प्रबंधकीय और व्यवहार/नेतृत्वशीलता

व्यावसायिक कार्यनीतियों की ओर मा.स.वि. को उन्मुख करना प्रमुख चिंता रही है।

वर्ष 2009–10 के दौरान एचआरडीआई ने 422 दिनों तक विस्तारित 88 कार्यक्रम संचालित किए। कुल 8193 प्रशिक्षण श्रम दिवस देते हुए कुल 1762 प्रतिभागियों को शामिल किया गया है। संचालित कार्यक्रमों की किस्में निम्नानुसार हैं:

- मुख्य कार्यक्रम
  - वरिष्ठ उप–महाप्रबंधकों और अपर महाप्रबंधकों के लिए कार्यनीतिक प्रबंध
  - वरिष्ठ प्रबंधकों और उप–महाप्रबंधकों के लिए सामान्य प्रबंधन
  - उप–प्रबंधकों और प्रबंधकों के लिए युवा प्रबंधक
  - वरिष्ठ कार्यपालकों के लिए आत्म–प्रारंभण कार्यक्रम
- प्रबंधकीय, व्यवहार और नेतृत्वशीलता–दक्षता–आधारित कार्यक्रम
- कार्यात्मक दक्षता आधारित कार्यक्रम
- विस्तार कार्यक्रम
- कार्यनीतिक आवश्यकता–आधारित कार्यक्रम
- अन्य कार्यक्रम

सभी स्तर के कार्यपालकों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से नेतृत्वशीलता विकास किया जाता है।

- कनिष्ठ स्तर के कार्यपालकों के लिए–
  - कार्यपालक विकास कार्यक्रम (2–सप्ताह)
  - आत्म प्रारंभण कार्यक्रम (2–सप्ताह)
  - युवा प्रबंधक कार्यक्रम (2–सप्ताह)
- मध्यम स्तर के कार्यपालकों के लिए
  - सामान्य प्रबंधक कार्यक्रम (2–सप्ताह)
  - मध्यम प्रबंधक कार्यक्रम (2–सप्ताह)
- वरिष्ठ स्तर के कार्यपालकों के लिए
  - कार्यनीतिक प्रबंध कार्यक्रम (2–सप्ताह)

इसके अतिरिक्त, एचआरडीआई द्वारा ध्यानकेंद्रित अल्पावधिक कार्यक्रम भी संचालित किए गए हैं। इनमें से कुछ निम्नानुसार हैं।

- कार्यनीतिक चिंतन
- दल कार्य और परस्पर–वैयक्तिक संबंध
- रचनात्मक समस्या समाधान
- कैसे प्रभावित करें
- संप्रेषण कुशलता
- संगठनात्मक विकास
- उत्तरदायित्व की भावना का वर्धन
- मूल्य प्रयोगशाला
- नेतृत्वशीलता उत्कृष्टता
- प्रशंसात्मक जांच
- उत्कृष्टता प्रयोगशालाएं आदि

ekuo lalk/ku fodkl ie[kk dh cBd

वर्ष के दौरान मानव संसाधन विकास प्रमुखों की दो बैठकें एचईआरपी–वाराणसी और एचआरडीआई नोएडा में एचआरडीसी तथा एचआरडीआई में भावी मानव संसाधन विकास कार्यकलापों के लिए दुविधाकरण, समन्वय और आयोजना के लिए संचालित की गई थी।

ek-l-fo- ij iHkkokRikndrk c<kuk & i"BHkfe tkudkjh lo{k.k@,pvkjMhvkbZ }kjk fo'k"k v/;;u

मा.स.वि. के विभिन्न पहलुओं पर कर्मचारियों की अवधारणा ज्ञात करने के लिए निम्नलिखित सर्वेक्षण किए गए थे:

(i) izj.kk nku ij i"BHkfe lo{k.k

इस सर्वेक्षण ने प्रेरणा देने, प्रेरणादाताओं और प्रेरणापापकों द्वारा प्राप्त लाभों और सामना की जा रही समस्याएं प्रकट कीं। सुधार के लिए उपयुक्त उपाय किए गए हैं।

(ii) ,pvkjMhvkbZ Nfo lo{k.k

इसे संगठन–व्यापक किया गया था और सर्वेक्षण से पता चला कि लोग एचआरडीआई द्वारा निभाई जा रही भूमिका की अत्यधिक सराहना कर रहे हैं। इसने विशेषकर अवसंरचना जैसे कुछ क्षेत्रों में सुधार भी इंगित किया।

(iii) o"kZ dk nkjku ,pvkjMhvkbZ esa vk;kftr dk;Øek dh i"BHkfe lc/kh tkudkjh

- वर्ष 2009–10 के लिए कार्यक्रम पृष्ठभूमि जानकारी (प्रतिक्रिया मूल्यांकन) के विश्लेषण पर रिपोर्ट

  एचआरडीआई द्वारा संचालित 59 कार्यक्रमों के प्रतिभागियों की पृष्ठभूमि जानकारी के आंकड़े सॉफ्टवेयर–पर्सीज में प्रविष्ट किए गए थे। समग्र पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी निम्नानुसार रही है:

  कार्यक्रम प्रभावोत्पादकता पृष्ठभूमि जानकारी – 86.4%

  कार्यक्रम पश्चात पृष्ठभूमि जानकारी – 84.3%

- **dk;Øe i'pkr i"BHkwfe tkudkjh**

  प्रतियोगिता के 3–6 महीने के भीतर 166 प्रत्युत्तरों के साथ 35 कार्यक्रमों का मूल्यांकन किया गया था।

  वैयक्तिक और सरकारी कार्य जीवन में उपयोग में लाई गई सीख की सीमा – 79.6%.

(iv) cspekfdZx izf'k{k.k volajpuk ij v/;;u

एचआरडीआई में अवसंरचना सुविधाओं को बेंचमार्क करने के लिए सात संस्थानों के साथ एक बेंचमार्किंग अध्ययन किया गया था। अध्ययन ने एचआरडीआई में अवसंरचना सुविधाएं विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

(v) dk;Zikyd izf'k{kqvksa dk izf'k{k.k dk;Øe dh iHkkoksRikndrk

- बीएचईएल यूनिटों में ईटी के एक वर्षीय प्रशिक्षण की समग्र पृष्ठभूमि जानकारी उत्कृष्ट पाई गई – 81.5%.
- ईटी की पृष्ठभूमि जानकारी (बीएचईएल की यूनिटों में 291 ईटी की नमूना संख्या) पर बुनियादी मानव प्रक्रिया प्रयोगशाला मॉड्यूल तैयार किया गया था। पृष्ठभूमि जानकारी संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण किया गया था और इसे बहुत उपयोगी पाया गया था – 77.4%.

izj.kk nsus ij cy

वर्ष 2008–09 से प्रत्येक ईटी के लिए प्रेरणा लेने को अनिवार्य बनाया गया है और वर्ष 2009–10 के दौरान 475 प्रेरकदाताओं को वर्ष में एचआरडीआई और यूनिटों में आयोजित 15 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया था। प्रभावोत्पादकता सुनिश्चित करने तथा आवश्यक जानकारी देने के लिए पिछले बैच के प्रेरणादाताओं और प्रेरणाप्रापकों हेतु 4 अदद समीक्षा कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं।

,pvkjMhvkbZ esa volajpuk lqfo/kkvksa dk mUu;u

छात्रावास के कमरों में बेहतर सुविधाओं के लिए 2x24 टीआर एसी प्रणाली संस्थापित की गई है। इसने प्रतिभागियों के संतुष्टि स्तर में काफी सुधार किया है।

bathfu;j@dk;Zikyd izf'k{k.kkFkhZ iwoZ'k izf'k{k.k

ईटी को बीएचईएल में दक्षता 2007 नियम पुस्तिका के अनुसार एक–वर्षीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया था और उसके बाद बीएचईएल में सफल आमेलन किया गया था। प्रशिक्षण के भाग के रूप में प्रत्येक ईटी के लिए कार्य पर प्रशिक्षण (249 दिनों की अवधि) संचालित किया गया है।

वर्ष के दौरान 1760 ईटी (4 बैच) को सफलतापूर्वक आमेलित किया गया था। मार्च, 2010 में अतिरिक्त रूप से 600 ईटी ने भी कार्यग्रहण किया और उनका प्रशिक्षण सुगमतपूर्वक चल रहा है। अद्वितीय वैयक्तिक विकास मॉड्यूल, बुनियादी मानव प्रक्रिया प्रयोगशाला ईटी प्रशिक्षण की मुख्य विशिष्टता है।

vU;

iqjLdkj

- भोपाल ने एटीआई, श्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एप्रेंटिसों की क्षेत्रीय प्रतियोगिता में सर्वोत्तम प्रतिष्ठान का पुरस्कार प्राप्त किया।
- रानीपेट के टर्नर ट्रेड एप्रेंटिस ने डीजीईटी/श्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कुशलता प्रतियोगिता में "सर्वोत्तम एप्रेंटिस पुरस्कार" जीता।
- त्रिची – दो एक्ट एप्रेंटिस आरडीएटी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कुशलता प्रतियोगिता में विजेता हुए और दो उप–विजेता हुए। दो एक्ट एप्रेंटिसों को क्षेत्रीय कुशलता प्रतियोगिता में विजेता के रूप में घोषित किया गया।
- भोपाल – समूह श्रेणी 'ख' के अधीन एचआरडीसी को वर्ष 2009–10 के लिए हिंदी कार्य मूल्यांकन समिति द्वारा राजभाषा चल शील्ड के अधीन द्वितीय पुरस्कार दिया गया।

izdk'ku

- श्री पार्थ सारथी, म.प्र., एचआरडीआई द्वारा लिखित एक पुस्तक "मानव संसाधन विकसित करने के लिए प्रभावोत्पादकता प्रेरण" प्रकाशित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, एचआरडीआई, एचआरडीसी, हैदराबाद में तीन कार्यपालकों द्वारा लिखित प्रतिष्ठित "फेइफर वार्षिक : प्रशिक्षण" में तीन लेख प्रकाशित किए गए। ये कार्यपालक हैं: श्री पार्थ सारथी, म.प्र., एचआरडीआई, सुश्री रेखा भारद्वाज, अ.म.प्र., एचआरडीआई और श्री अमिताभ झा, प्रबंधक, एचआरडीसी, आरसी पुरम, हैदराबाद।

eksukxzkQ

एचआरडीआई द्वारा चार मोनोग्राफ प्रकाशित किए गए :

- संप्रेषण कुशलता
- उपलब्धि प्रेरणा
- आत्म
- पृष्ठभूमि जानकारी – देना और प्राप्त करना

4½ ekuo'kfDr la[;k

दिनांक 31.03.2010 की यथास्थिति कंपनी की मानवशक्ति संख्या 46274 थी।

5½ jk"Vªifr ds funs'kksa ls lacaf/kr lwpuk

कंपनी राष्ट्रपति के निर्देशों और भारत सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के संबंध में समय–समय पर जारी दिशानिर्देशों का अक्षरशः अनुपालन कर रही है। वर्ष के दौरान अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा पिछड़े वर्गों के सामाजिक–आर्थिक विकास पर केन्द्रित विभिन्न समुदाय विकास गतिविधियों का बीएचईएल यूनिटों के भीतर और इसके आसपास के विभिन्न स्थानों जहां बीएचईएल कारपोरेट सामाजिक दायित्व स्कीम के अंतर्गत कंपनी विद्यमान हैं, में आयोजन किया गया।

vuqlfpr tkfr;k@vuqlfpr tutkfr;k@vU; fiNMs oxZ ds deZpkfj;ksa dk izfrfuf/kRo

कर्मचारियों की कुल संख्या में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व दिनांक 01 जनवरी, 2010 को क्रमशः 19.00 प्रतिशत, 5.07 प्रतिशत तथा 16.51 प्रतिशत था।

तथापि वर्ष के दौरान (31.12.2009 की स्थिति के अनुसार) सीधी भर्ती में आरक्षण अनुसूचित जाति के लिए 19.64 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के लिए 6.05 प्रतिशत तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 26.97 प्रतिशत था। इसमें ऐसे व्यक्ति शामिल नहीं हैं जिन्होंने ऑफर जारी कर दिए गए थे लेकिन उन्होंने 31.12.2009 के बाद कार्यग्रहण किया। इस मामले में विशेषकर अनुसूचित जनजाति श्रेणी में अपेक्षित प्रतिशत आरक्षण का ध्यान रखा गया था।

दिनांक 01 जनवरी, 2010 की स्थिति के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व और पिछले कैलेंडर वर्ष के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या दर्शाते हुए संशोधित निर्धारित प्रपत्र में सरकार को प्रस्तुत वार्षिक विवरण vuqca/k&d में दिया गया है।

01 tuojh] 2010 dh fLFkfr ds vuqlkj 'kkjhfjd :i ls fodykax deZpkfj;ksa dh la[;k

दिनांक 01.01.2010 की स्थिति के अनुसार कंपनी में इस समय कुल 784 शारीरिक विकलांग कर्मचारी हैं। 01.01.2010 की स्थिति के अनुसार कंपनी के शारीरिक रूप से विकलांग कर्मचारियों की समूहवार संख्या vuqca/k&[k में दी गई है।

N lwpuk dk vf/kdkj vf/kfu;e] 2005

- बीएचईएल सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 को अक्षरशः लागू करने में अग्रणी है। आरटीआई के भाग के रूप में अपीलीय प्राधिकरण के साथ कंपनी स्तर पर एक मुख्य लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) तथा एक केन्द्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ) और प्रत्येक प्रशासनिक यूनिट के लिए 14 मुख्य लोक सूचना अधिकारी कार्यरत हैं।
- बीएचईएल की वेबसाइट के माध्यम से अधिनियम की धारा 4(1) (ख) के अनुरूप पूर्वक्रियात्मक प्रकटन किए गए थे। सूचना मांगने वाले आवेदकों की सुविधा के लिए बीएचईएल की वेबसाइट पर आरटीआई वेब पेज पर उचित दिशानिर्देश दिए गए हैं। अधिनियम की अनिवार्य अपेक्षाओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक यूनिटों और संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।
- वर्ष 2009–10 के दौरान सूचना मांगते हुए 670 आवेदन प्राप्त हुए थे। बीएचईएल में प्राप्त सभी आवेदनों और पहली अपील का अधिनियम के उपबंधों के अनुरूप निर्दिष्ट समय–सीमा के भीतर निपटारा कर दिया गया है।
- बीएचईएल ने सितम्बर, 2009 में सूचना का अधिकार पर "स्कोप" द्वारा आयोजित कार्यशाला में भी अग्रणी भूमिका निभाई।

t vkarfjd fu;a=.k iz.kkyh

- कंपनी की प्रमुख विनिर्माण यूनिटों तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में आंतरिक लेखापरीक्षा प्रकोष्ठ स्थापित हैं जो निदेशक (वित्त)/बोर्ड स्तरीय लेखापरीक्षा समिति द्वारा अनुमोदित वार्षिक लेखापरीक्षा कार्यक्रम के अनुसार लेखापरीक्षा करता है। आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग विभिन्न नीतियों तथा प्रक्रियाओं की नियमित लेखापरीक्षा प्रणाली पुनरीक्षा और अनुपालन की देखरेख के जरिये आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की पर्याप्तता और प्रभाव की जांच करता है। आंतरिक लेखापरीक्षा के कामकाज और आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता की पुनरीक्षा बोर्ड स्तरीय लेखापरीक्षा समितियों द्वारा सहयोग प्रदान किया जाता है।
- कंपनी ने प्रमुख जोखिम क्षेत्रों में पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण उपाय लागू किए हैं। यह उपाय सभी महत्वपूर्ण कार्यकलापों यथा बजट, क्रय, सामग्री, भंडार, निर्माण कार्य, वित्त, कार्मिक आदि को शामिल करते हुए प्रबंधन द्वारा जारी विभिन्न संहिताओं, नियम पुस्तिकाओं और कार्यविधियों के रूप में हैं। इन संहिताओं, नियम पुस्तिकाओं और कार्यविधियों को समय–समय पर अद्यतन किया जाता है और उनका सख्ती से अनुपालन किया जाता है, जिनकी जांच आंतरिक लेखापरीक्षा द्वारा की जाती है।

> foy;u vkSj vf/kxzg.k

बीएचईएल ने निरवयव (इनआर्गेनिक) विकास के लिए अभिगत क्षेत्रों में विलयन और अधिग्रहण से संबद्ध अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं को युक्तिसंगत बनाने के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं। बीएचईएल प्रौद्योगिकी तक पहुंच, वैश्विक बाजारों तक पहुंच, वैश्विक आपूर्ति स्रोतों की प्राप्ति करने, संबद्ध और नए व्यावसायिक क्षेत्रों में विविधीकरण करने जैसे अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए अधिग्रहण अवसरों पर कार्रवाई करने का आशय रखता है। बीएचईएल नवीकरणीय ऊर्जा और परिवहन तथा पारेषण जैसे अन्य संभावित क्षेत्रों में यूरोप और सं.रा.अ. में अधिग्रहण अवसरों पर सक्रियता पूर्वक कार्रवाई कर रहा है। बीएचईएल ने अपने विलयन और अधिग्रहण प्रयासों में कंपनी की सहायता करने के लिए विलयन और अधिग्रहण हेतु विभिन्न सलाहकारों की भी सूची बनाई है।

´ volj vkSj [krjs

fo'o

वर्ष 2007 में प्रारंभ हुई और वर्ष 2009 तक जारी रही वैश्विक आर्थिक मंदी का वैश्विक ऊर्जा बाजार पर अप्रत्याशित प्रभाव पड़ा था। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा आउटलुक (आईईओ) 2010 के अनुसार विश्व की कुल विपणित ऊर्जा खपत आर्थिक कार्यकलापों में

संकुचन के कारण वर्ष 2008 में 1.2 प्रतिशत और वर्ष 2009 में अनुमानित 2.2 प्रतिशत घट गई। विश्व भर में देशों ने वित्तीय संकट के परिणामस्वरूप आर्थिक मंदी के खतरे के प्रति एक अभूतपूर्व पैमाने पर तत्काल और समन्वित राजकोषीय तथा मौद्रिक प्रोत्साहनजनक पैकेज से प्रत्युत्तर दिया। सुधार की परिणामी गति अभी तक असमान रही है, जिसमें भारत और चीन सबसे आगे हैं तथा यूरोपीय संघ के सदस्य देश पीछे हैं।

वर्ल्ड एनर्जी आऊटलुक, 2009 वर्ष 2007 से 2030 तक ऊर्जा क मांग 40 प्रतिशत अथवा प्रतिवर्ष औसतन 1.5 प्रतिशत बढ़ने का पूर्वानुमान करता है। विद्युत उत्पादन सहित प्रारंभिक ऊर्जा की कुल खपत वर्ष 2007 से 2030 तक प्रतिवर्ष 0.5 प्रतिशत से बढ़ना प्रत्याशित है। सबसे अधिक वृद्धि वाणिज्यिक क्षेत्र में होना प्रत्याशित है, जहां सेवा उद्योग मांग की वृद्धि में आगे बने रहेंगे और उसके बाद रिहाइशी क्षेत्र तथा औद्योगिक क्षेत्र रहेंगे।

जीवाश्म ईंधन संपूर्ण विश्व में प्राथमिक ऊर्जा के प्रमुख स्रोत बने रहेंगे, जिनका वर्ष 2007 और 2030 के बीच ऊर्जा के प्रयोग में समग्र वृद्धि का तिहाई से अधिक हिस्सा होगा। वैश्विक रूप से वर्ष 2030 तक चीन से लगभग 28 प्रतिशत प्राप्त होते हुए 4800 जीडब्ल्यू विद्युत उत्पादन क्षमता वृद्धि होना प्रत्याशित है।

वर्ष 2030 तक विश्व की प्राथमिक ऊर्जा मांग में वृद्धि का मात्र आधे से अधिक चीन और भारत का हिस्सा होगा। वैश्विक कोयले की खपत में वृद्धि का लगभग 85 प्रतिशत चीन और भारत में विद्युत क्षेत्र से होता है। फिर भी ओईसीडी यूरोप को छोड़कर सभी मुख्य क्षेत्रों में न्यूक्लियर उत्पादन सापेक्ष रूप से बढ़ता है। यह प्रत्याशा है कि आधुनिक नवीकरणीय प्रौद्योगिकियों में तीव्रतापूर्वक विकास होगा, जो गैस से आगे निकलते हुए वर्ष 2010 के शीघ्र पश्चात कोयले के बाद दूसरा सबसे बड़ा स्रोत हो जाएगा। विद्युत से कुल उत्पादन में गैर–हाइड्रो नवीकरणीय ऊर्जा का हिस्सा वर्ष 2006 में 1 प्रतिशत से वर्ष 2030 में बढ़कर 4 प्रतिशत होना संभावित है।

भावी वैश्विक प्राथमिक ऊर्जा की मांग बढ़ती हुई जनसंख्या की बढ़ती हुई आवश्यकताओं, आर्थिक विकास की समग्र दर और ऊर्जा की उपलब्धता और वहनीयता; ऊर्जा–ईंधन मिश्रण तथा तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं द्वारा प्रयुक्त वर्तमान और भावी ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की क्षमता द्वारा चालित होगी। प्रौद्योगिकी, जनसंख्या वृद्धि और ऊर्जा में नवीकरणीय स्रोतों की भूमिका भावी ऊर्जा विकास मार्ग को प्रभावित करने में मुख्य कारक होंगे। बढ़ते हुए वैश्विक तापक्रम द्वारा हुए जलवायु परिवर्तन का हमारे द्वारा उत्पादित किए, ढुलाई किए और प्रयुक्त ऊर्जा के तरीके पर अत्यधिक प्रभाग होगा।

उपलब्धता, अभिगम्यता, स्वीकार्यता और जिम्मेवारी की चुनौती से उबरते हुए ऊर्जा क्षेत्र निकट भविष्य में नीतिगत अभिनव परिवर्तन और प्रौद्योगिकीय परिवर्तन देखेगा।

Hkkjr

भारत में, आर्थिक सुधार, जो वर्ष 2009–10 की लगभग दूसरी तिमाही में प्रारंभ हुआ, ने तब से सतत सुधार दर्शाया है। औद्योगिक सुधार अधिक व्यापक आधार वाला हो गया है और बढ़ती हुई देशी और विदेशी मांग के समर्थन पर इसके द्वारा दृढ़ पकड़ बताया जाना प्रत्याशित है। लगभग एक वर्ष के लिए निरंतर गिरावट के बाद अक्तूबर/नवंबर, 2009 से निर्यातों और आयातों का विस्तार हुआ है। बैंकों तथा गैर–बैंक स्रोतों दोनों से वाणिज्यिक क्षेत्र को संसाधनों का प्रवाह बढ़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक तथा साथ ही अन्यों द्वारा किए गए सर्वेक्षणों से पता चलता है कि व्यावसायिक आशावाद सुधरा है। सामान्य मानसून तथा उद्योग और सेवा क्षेत्रों के सतत अच्छे कार्यनिष्पादन के पूर्वानुमान के अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 2010–11 के लिए उर्ध्वमुखी आधार सहित 8.0 प्रतिशत के वास्तविक स.घ.उ. (जीडीपी) की वृद्धि पूर्वानुमानित की है।

तथापि, मुद्रास्फीर्ति के मोर्चे पर हो रही गतिविधियां चिंताजनक हैं। हेडलाइन थोक बिक्री मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) मुद्रास्फीर्ति अक्तूबर, 2009 में 1.5 प्रतिशत से मार्च, 2010 तक बढ़कर 9.9 प्रतिशत हो गई।

वर्ष 2010–11 में मानसून की संभावना, कच्चे तेल के मूल्यों में उतार–चढ़ाव और मांग पक्ष का निर्मित होने वाला संभावित दबाव कुछ अनिश्चितताएं हैं, जो विकास के परिदृश्य को ढक सकता है। इसके अतिरिक्त, राजकोषीय प्रोत्साहनों और विकास समर्थक मौद्रिक नीति को धीरे–धीरे वापस लिए जाने के प्रारंभिक संकेत हैं, जब तक सावधानीपूर्वक चिन्हांकित नहीं किए जाते, इसका भी विकास प्रक्रिया के लिए अधोमुखी जोखिम हो सकता है।

fo|qr {ks=

विद्युत क्षेत्र का त्वरित विकास भारतीय अर्थव्यवस्था के समग्र विकास और वृद्धि के लिए एक अनिवार्यता है। वर्ष 2005–10 के दौरान 8.5 प्रतिशत की औसत स.घ.उ. (जीडीपी) की और 7 प्रतिशत से अधिक ऊर्जा संबंधी मांग की वृद्धि से देश ने लगभग 12 प्रतिशत के शीर्ष घाटे और ऊर्जा की 11 प्रतिशत की कमी का सामना किया। लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि से अर्थव्यवस्था के 8 प्रतिशत से अधिक उच्च विकास मार्ग को दुबारा प्राप्त करने से यह अनिवार्य है कि विद्युत की अत्यधिक मांग–आपूर्ति को कम किया जाए। वास्तव में, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के 17वें इलेक्ट्रिक पावर सर्वे के अनुसार ऊर्जा की मांग वर्तमान स्तर से वर्ष 2017 तक 64 प्रतिशत और वर्ष 2022 तक 126 प्रतिशत बढ़ना पूर्वानुमानित है।

इस क्षेत्र के महत्व को पूर्णतः मानते हुए पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार कानूनी तथा विनियामक मोर्चे तथा साथ ही व्यावसायिक वातावरण के मोर्चे पर विद्युत क्षेत्र के तीव्र विकास के लिए अभूतपूर्व पहलें करती रही है। विद्युत अधिनियम, 2003, राष्ट्रीय विद्युत नीति, राष्ट्रीय टैरिफ नति, मेगा विद्युत नीति आदि ने एक समर्थकारी और निवेशक–अनुकूल नीतिगत वातावरण सृजित किए हैं। उत्पादन, पारेषण और वितरण खंड में सूक्ष्म–स्तरीय पहलों के साथ शीर्ष स्तर पर ये सभी पहलें बड़े पैमाने पर निजी और विदेशी निवेशों तथा प्रत्येक खंड में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ एक सक्षम और तीव्रता–पूर्वक विकासशील विद्युत क्षेत्र निर्मित करने के लिए सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करती हैं।

इसके परिणामस्वरूप, आज विद्युत क्षेत्र सभी हितधारकों, परियोजना, प्रवर्त्तकों, ईपीसी संविदाकारों, प्रौद्योगिकी और उपस्कर प्रदायकों तथा पारेषण और वितरण कंपनियों के लिए विकास के अवसर

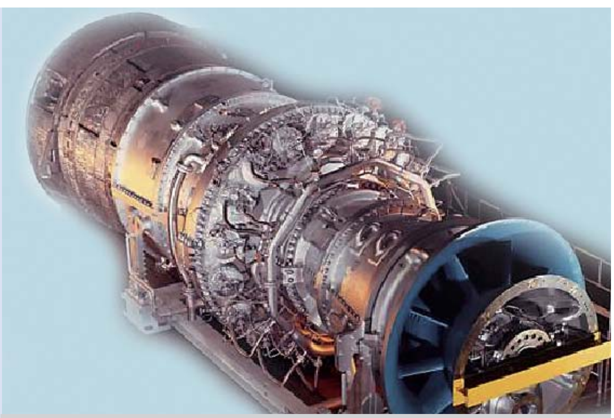

बीएचईएल का एफआर–9 एफए+ई आधुनिक–टर्बाइन–विद्युत उत्पादन के लिए एक कुशल एवं पर्यावरण हितैषी समाधान

प्रदान करते हुए सभी मोर्चों पर अत्यधिक सुदृढ़ता और कार्रवाई देख रहा है। कुछ निजी संगठनों के साथ बीएचईएल मांग के समतुल्य उपस्कर विनिर्माण क्षमताओं से विद्युत संयंत्र निर्माण कर रहा है। परंतु इसके साथ ही बीओपी (बैलेंस ऑफ प्लांट) आपूर्तिकर्त्ताओं से सुदृढ़ता की और समतुल्य पहलों की कमी परियोजना निष्पादनों में मुख्य बाधा बन गई है।

संपूर्ण विद्युत महत्व श्रृंखला में विभिन्न संगठनों द्वारा क्षमता और दक्षता निर्माण प्रयासों में तुल्यकालिकता की कमी, अवसंरचना की कमी; कुशलता की कमी; पर्याप्त ईंधन और मुख्य सामग्रियों की अनुपलब्धता और कुछ हद तक देशी विनिर्माताओं के लिए समान अवसरों की कमी क्षेत्र के विकास में सबसे बड़ी बाधाएं हैं।

सुपर क्रिटिकल पैरामीटरों के साथ उच्चतर रेटिंग के थर्मल सेट, अति उच्च वोल्टता पारेषण प्रणालिया, उन्नत श्रेणी गैस टर्बाइन तथा उच्चतर रेटिंग के न्यूक्लियर विद्युत संयंत्र XIवीं योजना और उसके बाद प्रारंभ किए जाने के लिए योजनाबद्ध हैं। भविष्य में क्षमता सृजन उच्चतर सीमा वाले उपस्करों के उन्नयन, तीव्रतर क्षमता वर्धन और बेहतर परियोजना निष्पादन के साथ अल्प सुपुर्दगी चक्र अवधि की मांग करेगा।

m|kx {k=

मंदी की अनष्टिता द्वारा चालित अत्यधिक अनिश्चितता और उतार–चढ़ाव देखने के बाद स.घ.उ. (जीडीपी) में देश की वृद्धि आंशिक रूप से आधारिक प्रभाव परंतु बड़े पैमाने पर व्यवसाय और उपभोक्ता के विश्वास की वापसी द्वारा 7.2 प्रतिशत के अग्रिम अनुमानों को पार करते हुए वर्ष 2009–10 के दौरान 7.4 प्रतिशत पर अनुमानित है।

औद्योगिक उत्पादन, जो वर्ष 2007–08 में चक्रीय मंदी और अंतर्राष्ट्रीय पष्य वस्तु मूल्य में आघातों और उसके बाद वैश्विक मंदी से प्रभावित हुआ था, में वर्ष 2009–10 में काफी सुधार हुआ। उद्योगों

बीएचईएल, भोपाल में यूएचवीटी ब्लॉक में विनिर्मित 765 केवी ट्रांसफार्मर

का प्रयोग–आधारित वर्गीकरण दर्शाता है कि सितंबर, 2009 से पूंजीगत सामग्रियों ने दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की है, जिसमें कई अद्योप्रवाही उद्योगों में विकास की गति को सहायता देना प्रत्याशित हैं। केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (सीएसओ) द्वारा जारी अनुमानों के अनुसार औद्योगिक उपादन के सूचकांक ने वर्ष 2008–09 में 2.8% से वर्ष 2009–10 में 10.4% की वृद्धि दर दर्ज की है, जो तिगुने से अधिक है पूंजीगत सामग्रियों ने पिछले वर्ष में 7.3% की तुलना में 19.2% की वृद्धि दर्ज की।

सीएमआईई के अनुसार, राजकोषीय वर्ष 2010–11 में औद्योगिक उत्पादन में वर्ष 2009–10 के दौरान दर्ज 10.4% की वृद्धि की तुलना में और 9.2% की वृद्धि प्रत्याशित है। यह वृद्धि मोटे तौर पर बुनियादी निविष्टियों की उपलब्धता में सुधार और विशाल क्षमता वृद्धि द्वारा चालित होना प्रत्याशित है। खपत और निवेश में तेजी उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और पूंजीगत सामग्रियों के उत्पादन में उच्चतर वृद्धि में योगदान देगी।

V Hkfo"; dh fy, rS;kjh

- बीएचईएल अपनी कार्यनीतिक योजना के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2010 तक 10–11 बिलियन डालर की कुल कारोबार वाली कंपनी के मार्ग पर है। वर्ष 2017 तक 1,75,000 मेगावाट से अधिक की विद्युत उत्पादन क्षमता वृद्धि के देश के लक्ष्य से एकीकरण के लिए XIवीं योजना के लिए बीएचईएल के 55% हिस्से सहित ऑर्डर दिए जा चुके हैं। यह प्रत्याशा है कि निजी क्षेत्र की परियोजनाओं का हिस्सा और सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत परियोजनाओं का हिस्सा XIIवीं और XIIIवीं योजनावधियों में बहुत अधिक होगा।

- कंपनी ने "क्षमता और दक्षता" वर्धन की कार्यनीति अपनाई है और तदनुसार 15,000 मेगावाट प्रतिवर्ष सुपुर्द करने की दक्षता प्राप्त की गई है। इसके अतिरिक्त, मार्च, 2012 तक 20,000 मेगावाट तक का विस्तार चल रहा है। यह सुनिश्चित करते हुए कि निवेश सामाजिक, सुयोजनाबद्ध और आरोष्य है कंपनी छोटी विद्युत क्षेत्र में उभरते हुए अवसरों का उपयोग करने के लिए तैयार हो रही है।

कारपोरेट आर एंड डी में आंतरिक रूप से विकसित किया गया 765 केवी गैस–इन्सुलेटेड करैंट ट्रांसफार्मर का प्रोटोटाइप

- XIवीं योजनावधि के दौरान उच्चतर रेटिंग वाले न्यूक्लियर सेट, 765 केवी ट्रांसफॉर्मर तथा अन्य संबद्ध पारेषण और वितरण उपस्करों प्रारंभ करने के साथ मौजूदा उत्पादों के क्षमता वर्धन के लिए 5500 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश की संकल्पना की गई हैं। प्रतिवर्ष 45,000 एमवीए के लिए ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण क्षमता भी स्थापित है।

- संतुलित विकास बनाए रखने के लिए बीएचईएल ने परिवहन और पारेषण क्षेत्रों पर अपना ध्यान केंद्रण बढ़ाया है। लंबी दूरी तक थोक विद्युत परेषित करने की देश की आवश्यकता पर विचार करते हुए बीएचईएल ट्रांसफॉर्मर और सीवीटी जैसे 1200 केवी उत्पादों का विकास कार्य जारी रखेगा।

- निरवयव (इनआर्गेनिक) विकास के माध्यम से विविधीकरण न्यूक्लियर विद्युत, पारेषण, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उभरते हुए अवसरों को ग्रहण करने की मांग करता है। इसके साथ, बीएचईएल सुपरक्रिटिकल ताप परियोजनाओं में उपस्करों की बिक्री बढ़ाने और प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण निविष्टियों और उपस्करों का स्रोत खोजने के लिए संयुक्त उपक्रमों द्वारा कार्यनीतिक सहयोग पर कार्रवाई करना जारी रखेगा।

- मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में समेकन तथा नए बाजारों में अवसरों की खोज करने पर ध्यानकेंद्रण बीएचईएल के लिए उसके अंतर्राष्ट्रीय प्रवेश का विस्तार करने के चालक होंगे। निर्यात बाजारों में विनिर्माण और सेवा की उपस्थिति की भौगोलिक विविधीकरण के लिए खोज की जाएगी।

कंबाइन्ड साइकिल पावर जनरेशन के साथ आईजीसीसी कंबाइंड कोल गैसीफिकेशन–अति कार्यकुशल एवं पर्यावरण हितैषी क्लीन कोल टैक्नॉलोजी

- समय चक्र में कमी प्राप्त करने के लिए बीएचईएल तकनीकी, वाणिज्यिक और मानवशक्ति क्षेत्रों को शामिल करते हुए कंपनी–व्यापक एसएपी/ईआरपी कार्यान्वित कर रही है। इसके अतिरिक्त, परियोजना इंजीनियरी और परियोजना प्रबंध जैसे मुख्य कार्यों पर ध्यानकेंद्रण सहित उपयुक्त संगठनात्मक संरचना स्थापित की जानी योजनाबद्ध है। उत्पाद लागत प्रतिस्पर्धात्मकता अग्रणी की स्थिति बनाए रखने के लिए एक पूर्वाश्यकता है। लागत के अनुसार डिजाइन (डीटीसी), लीन मैनुफैक्चरिंग और खरीद एवं आपूर्ति प्रबंध (पीएसएम) जैसी दक्षता–निर्माण पहलों पर कार्रवाई जारी रहेगी।

- जलवायु परिवर्तन की पृष्ठभूमि में अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल, आईजीसीसी, सौर विद्युत आदि जैसी निम्न कार्बन मार्ग वाली प्रौद्योगिकियों पर बीएचईएल का वर्धित ध्यानकेंद्रण होगा। बीएचईएल प्रस्तावित राष्ट्रीय स्वच्छ कोयला (कार्बन) प्रौद्योगिकी

मिशन के अधीन उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल विद्युत संयंत्र के "विकास और प्रयोग" में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

- मानवशक्ति के वर्धन और सुदृढ़ीकरण के लिए वर्ष 2012 तक 18,000–20,000 लोगों को प्रवेश देना योजनाबद्ध है। वर्ष 2007–10 के दौरान लगभग 12,000 व्यक्तियों की भर्ती की गई है।
- विकास के एजेंडा के साथ संबद्ध संगठन की इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी प्रकृति का वर्धन अभिनव परिवर्तन और अनुसंधान एवं विकास पर वर्धित ध्यानकेंद्रण से किया जाएगा। बीएचईएल अनुसंधान और विकास पर होने वाले व्यय को वर्ष 2011–12 तक कम से कम 900 करोड़ रुपये तक बढ़ाने की योजना रखता है। संघटकों और उप–प्रणालियों का अधिक मानकीकरण, जो लागत–प्रतिस्पर्धात्मकता तथा तीव्रतर सुपुर्दगी चालित करेगा, पर कार्रवाई की जा रही है।
- बीएचईएल आठ बल देने वाले क्षेत्रों को शामिल करते हुए अपने निगम सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) नीति पर अग्रसर रहना जारी रखेगा। तदनुसार, कंपनी देश भर में फैले अपने विनिर्माण संयंत्रों और परियोजना कार्यस्थलों के समीप स्थित विभिन्न गांवों में सामाजिक–आर्थिक और सामुदायिक विकास कार्यक्रम के प्रति अपना उत्तरदायित्व बढ़ाएगी।
- पर्यावरण के लिए अपनी चिंता के अनुरूप बीएचईएल सतत् आधार पर नवीकरणीय ऊर्जा आधारित उत्पादों को विकसित करने और उनके संवर्धन के लिए राष्ट्रीय प्रयास में अपना योगदान देता रहा है। जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन को अपने योगदान के रूप में बीएचईएल कर्नाटक में केपीसीएल के लिए टर्नकी आधार पर 2 मेगावाट और 1 मेगावाट के दो पारिस्थितिकी–अनुकूल ग्रिड–परस्पर क्रिया सौर फोटोवोल्टिक (एसपीवी) विद्युत संयंत्र स्थापित कर रहा है।

B tkf[ke vkj fpUrk,a

वर्ष 2010–11 के लिए आर्थिक विकास के सांकेतिक पूर्वानुमान पुनःआश्वस्त करने वाले प्रतीत होते हैं परंतु हमें विकास के मुख्य अधोगामी जोखिमों को पहचानने की आवश्यकता है।

वैश्विक सुधार बनाए रखने की संभावना सुदृढ़ रूप से निजी मांग के पुररुद्धार पर निर्भर है, जो मुख्य रूप से देशी मांग द्वारा चालित होना प्रत्याशित है, वहीं एक धीमा तथा अनिश्चित वैश्विक वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अगर वैश्विक सुधार में गति आती है तो पष्य वस्तु और ऊर्जा के मूल्य और सख्त हो सकते हैं, जिससे मुद्रस्फीर्तिकारी दबाबों में और वृद्धि हो सकती है।

भारतीय विद्युत क्षेत्र में व्यापक विद्युत क्षमता वृद्धियां योजनाबद्ध हैं, जो देश में विद्युत संयंत्र उपस्कर का उत्पादन और सुपुर्दगी तथा साथ ही उत्पादित विद्युत की निकासी के लिए समतुल्य दक्षताओं की मांग करती है। इसके साथ ही, कई परियोजना समीक्षाओं में महत्वपूर्ण निविष्टि के लिए लंबी सुपुर्दगी चक्र भी उभरता है। बढ़ती हुई मांग के कारण हर जगह सुपुर्दगी का दबाब है। इस परिप्रेक्ष्य में संयंत्र शेष (बीओपी) क्षेत्रों में अतिरिक्त दक्षता विकसित करना और अधिक आवश्यक हो जाता है। जब प्रत्येक परियोजना की तैयारी की जाती है, निविदा दी जाती है और नए सिरे से ऑर्डर दिया जाता है तब संबद्ध व्यावसायिक जोखिम विक्रेताओं द्वारा आक्रामक निवेश निर्णयों से बचाव कर रहे हैं, जिससे कोयला और राख प्रहस्तन प्रणालियों, वातानुकूलन और संवातन प्रणालियों; प्रशीतन टावरों, निर्माण उपस्करों; सिविल निर्माण कार्यों और सेवाओं आदि जैसे संयंत्र शेष (बीओपी) में दक्षताओं का और संकुचन होता है।

ऐसे समय जब कोयला आवंटन सुपरक्रिटिकल परियोजनाओं के लिए अधिमान्य किया जा रहा है, प्रौद्योगिकी अग्रणी नई प्रौद्योगिकियों की भागीदारी करने के इच्छुक नहीं हैं और अपनी शर्तों पर दबाब डाल रहे हैं/क्षेत्रों पर लाइसेंसीकरण में प्रतिबंध लगा रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, विद्युत की बढ़ती हुई मांग पर विचार करते हुए कई देशी कंपनियों ने देश में विनिर्माण स्थल स्थापित करने के लिए चीन, जापान, यूरोप आदि से अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ करार करने का अपना आशय घोषित किया हैं यह दीर्घावधि में बीएचईएल के लिए प्रतिस्पर्धा की तीव्रता बढ़ा सकता है।

बीएचईएल द्वारा प्रचालित अधिकांश व्यावसायिक क्षेत्रों में विकास की संभावनाएं राष्ट्रीय स्तर पर नीतिगत निर्णयों तथा विद्यमान व्यावसायिक प्रवृत्तियों पर भी निर्भर करती हैं।

कृते और निदेशक मंडल की ओर से
Hkkjr gSoh bysfDVªdYl fyfeVsM

ch- izlkn jko
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 23 जुलाई, 2010

vuqcU/k&d

Ijdkjh m|e dk uke % Hkkjr goh byfDVdYl fyfeVM] ub fnYyh

fnukd 01-01-2010 dk vuqlfpr tkfr;k] vuqlfpr tutkfr;k rFkk vU; fiNM oxk dk ifrfuf/kRo rFkk fiNy dyMj o"k 2009 d nkjku dh xb fu;fDr;k dh l[;k n'kku okyk okf"kd fooj.k

	vtk@vttk@v-fi-o- dk ifrfuf/kRo ¼fnukd 01-01-2010 dh ;FkkfLFkfr½				dyMj o"k d nkjku dh xb fu;fDr;k dh l-									
					lh/kh Hkrh }kjk				inkUufr }kjk**			vU; fof/k;k }kjk		
leg	deZpkfj;k dh dqy l-	vtk	vttk	vfio	dqy	vtk	vttk	vfio	dqy	vtk	vttk	dqy	vt	vttk
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
समूह क	12718	1890	685	1707	549	105	31	178						
समूह ख	11821	1929	292	596	37	4	6	0						
समूह ग	19203	4558	1265	4829	1776	340	106	459						
समूह घ सफाईकर्मी को छोड़कर	1213	319	46	317	0	0	0	0						
समूह घ सफाईकर्मी	180	170	1	3	0	0	0	0						
dqy	**45135**	**8866**	**2289**	**7452**	**2362**	**449**	**143**	**637**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

** बीएचईएल में पदोन्नति द्वारा प्रवेश स्तर पर कोई नियुक्ति नहीं होती है।

vuqcU/k&[k

fodykx O;fDr;k dk ifrfuf/kRo

leg	deZpkfj;k dh l[;k ¼ifrfuf/kRo½				lh/kh Hkrh ¼dyMj o"k 2009 d nkjku½							inkUufr						
					vkjf{kr fjfDr;k dh l-			Hkjh xb fjfDr;k dh l- ¼fu;fDr½				vkjf{kr fjfDr;k dh l-			Hkjh xb fjfDr;k dh l- ¼fu;fDr½			
	dqy	oh,p	,p,p	vk,p	oh,p	,p,p	vk,p	dqy	oh,p	,p,p	vk,p	oh,p	,p,p	vk,p	dqy	oh,p	,p,p	vk,p
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19
leg d	12718	1	11	134	0	1	4	549	0	1	7							
leg [k	11821	11	13	116	0	0	0	37	0	0	0							
leg x	19203	35	26	423	12	12	15	1776	2	3	58**							
leg ?k	1393	1	3	10	0	0	0	0	0	0	0							
dqy	**45135**	**48**	**53**	**683**	**12**	**13**	**19**	**2362**	**2**	**4**	**65**							

ukV% (i) वीएच का अभिप्रायः दृष्टि विकलांग है (इसके अंतर्गत नेत्रहीन अथवा अल्प दृष्टि वाले लोग आते हैं)

(ii) एचएच का अभिप्रायः श्रवण विकलांग है (इसके अंतर्गत बहरे व्यक्ति आते हैं)

(iii) ओएच का अभिप्रायः अस्थि विकलांग है (इसके अंतर्गत लोकोमीटर अथवा प्रमस्तिष्क आघात से पीड़ित व्यक्ति आते हैं)

* समूह ख से क तथा समूह क में पदोन्नति के लिए कोई आरक्षण नहीं है। बीएचईएल में समूह–ग और घ में कैरियर आधारित पदोन्नति का अनुसरण किया जात है, इसलिए ग्रेड मे निर्धारित पात्रता अवधि पूरी कर लेने पर सभी कर्मचारियों को उनके संतोषजनक कार्यनिष्पादन, व्यवहार के आधार पर अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नत किया जाता है।

** समूह ग में काफी संख्या में पीडब्ल्यूडी ने कार्यभार ग्रहण किया। इनमें कुछ ऐसे व्यक्ति भी शामिल थे जिनकी भती प्रक्रिया 2008 में शुरू की गई थी लेकिन उन्होंने वर्ष 2009 में कार्यभार ग्रहण किया।

सूचीकरण करार (खंड, 49 IV (छ) (i)] के अनुसार नियुक्ति और पुनः नियुक्ति के लिए प्रस्तावित निदेशकों का संक्षिप्त विवरण

v'kkfyd ljdkjh funs'kd

Jh , l- jfo

श्री एस. रवि की आयु 50 वर्ष है और वे इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स ऑफ इंडिया के फेलो सदस्य हैं तथा वे वाणिज्य में स्नातकोत्तर डिग्री धारक हैं।

उनके अनुभव में बैंकों, वित्तीय संस्थाओं, परिसंपत्ति प्रबंध कंपनी, मर्चेंट बैंकिंग में शामिल कंपनी और प्राथमिक डीलर के रूप में प्रचालनरत कंपनी के निदेशक मंडल पर कई पद धारित करना शामिल है।

रवि राजन एण्ड कंपनी के प्रवर्त्तक और प्रबंध निदेशक के रूप में वे फर्म के लेखापरीक्षा तथा लेखाकरण कार्यकलायों को संपूर्ण सीमाक्षेत्र का पर्यवेक्षण करते हैं और व्यावसायिक मूल्यांकन ब्रांड मूल्यांकन, विलयन और अधिग्रहण, पुनर्वास, पुनर्निर्माण तथा आमूल–चूल परिवर्तन कार्यनीतियों को शामिल करते हुए विशिष्ट क्षेत्रों में वित्तीय और प्रबंध परामर्श प्रदान करते हैं।

उन्हें बैंकिग क्षेत्र का समृद्ध अनुभव हैं, जिसमें यूको बैंक के निदेशक (भारत सरकार द्वारा नियुक्त) के रूप में कार्यकाल शामिल है। वर्ष 2000–02 के दौरान देना बैंक के शेयरधारक निदेशक के रूप में वे लेखापरीक्षा समिति, परिसंपति–देयता और जोखिम प्रबंध समिति तथा एनपीए के अनुवीक्षण के लिए निदेशक मंडल की समिति के सदस्य थे। वे निदेशक मंडल की वित्तीय समीक्षा समिति के अध्यक्ष भी थे। उन्होंने कारपोरेशन बैंक के निदेशक मंडल में भी कार्य किया है और उसकी लेखापरीक्षा समिति के अध्यक्ष थे। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में उनके अनुभव में आईएफसीआई, कैनबैंक फंड और प्रिंसिपल ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मंडल में निदेशक के रूप में कार्य करना भी शामिल है। वे पंजाब एंड सिंध बैंक की तकनीकी विशेषज्ञ समिति तथा सरकारी प्रतिभूति विधेयक, 2004 के ढांचे के भीतर प्रारूप सरकारी प्रतिभूति विनियन की तैयारी के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा गठित कार्य समूह के भी सदस्य थे। इस समय, वे यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के निदेशक मंडल में निदेशक हैं।

इस समय, श्री एस. रवि महर्षि हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड के निदेशक मंडल पर अंशकालिक अध्यक्ष और आईडीबीआई होमफाइनेंस लिमिटेड, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, मैसर्स रवि राजन एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, एस. रवि फाइनेंशियल मैंनेजमेंट सर्विसज प्राइवेट लिमिटेड, आईडीबीआई कैपिटल मार्किट सर्विसेज लिमिटेड, महीन्द्रा युगीन स्टील कंपनी लिमिटेड, यूटीआई ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मंडल में निदेशक हैं। वे मैंनजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एमडीआई) के न्यासी बोर्ड के भी सदस्य हैं।

वे एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, आईडीबीआई कैपिटल मार्केट सर्विसेज लिमिटेड और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की लेखापरीक्षा समिति के अध्यक्ष हैं तथा आईडीबीआई होम फाइनेंस लिमिटेड, यूटीआई ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड की लेखापरीक्षा समिति के सदस्य हैं। वे महीन्द्रा युगीन स्टील लिमिटेड (मस्को) की निवेशक शिकायत समिति के भी सदस्य हैं।

श्री एस. रवि के पास बीएचईएल का कोई शेयर नहीं है।

Jh v'kksd dqekj clq

Jh v'kksd dqekj clq की आयु 68 वर्ष है। इन्होंने दिनांक 22 जून, 2009 से बीएचईएल में अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक का कार्यभार ग्रहण किया था। श्री बसु 1965 बैच के आईएएस अधिकारी (सेवानिवृत्त) हैं तथा ये अर्थशास्त्र में ऑनर्स स्नातक हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार में इन्होने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया, जैसे कलकत्ता नगर निगम में आयुक्त, शिक्षा सचिव, श्रम सचिव तथा प्रधान सचिव, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति में कार्य किया। 1983 से 1987 तक श्री बसु राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी के पद पर भी रहे।

श्री बसु ने भारत सरकार के विभिन्न पदों पर कार्य किया है। 1976–77 के दौरान ये गृह मंत्रालय में उप सचिव थे। इन्होने 1977 से 1980 के दौरान केन्द्रीय शिक्षा, समाज कल्याण एवं संस्कृति मंत्री के विशेष सहायक के रूप में भी कार्य किया। 1996–97 के दौरान ये गृह मंत्रालय के विशेष सचिव के पद पर भी रहे।

श्री बसु उद्योग तथा आधारभूत ढांचा क्षेत्रों से लम्बे समय तक जुड़े रहे हैं। ये 1988 से 1993 तक इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार में विकास आयुक्त, आयरन एवं स्टील और फिर इसके बाद संयुक्त सचिव के पद पर भी रहें। ये इस क्षेत्र के नियंत्रण और विनियमन समाप्त करने में भी सक्रिय थे। 1995–96 के दौरान योजना आयोग में अपर सचिव एवं सलाहकार (उद्योग तथा खनिज) के रूप में भी कार्य किया। इन्होनें भारत सरकार की लगभग 200 आर्थिक एवं आधारभूत उपयोगिताओं में प्लान एवं परियोजना से संबंधित कार्य किया। अगस्त, 1997 से मई 2000 के बीच वे इस्पात

एवं खान मंत्रालय, भारत सरकार में सचिव के पद पर भी रहे। उन्होने स्टील अथारिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड जैसे किसी भारतीय लोक उद्यम के व्यवसाय एवं वित्तीय पुनर्गठन के विशाल कार्य का भी नेतृत्व किया।

श्री बसु ने जून, 2000 से 31 मार्च, 2002 तक विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार में सचिव के रूप में कार्य किया। इस अवधि के दौरान विद्युत अधिनियम बनाने सहित भारतीय विद्युत क्षेत्र में सुधार एवं पुनर्गठन के विभिन्न महत्वपूर्ण प्रयासों का भी नेतृत्व किया।

अप्रैल, 2002 से मार्च, 2007 तक केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग के अध्यक्ष के पद पर कार्य करते हुए श्री बसु ने इसका विनियमन करते हुए समूचे देश में इसे विश्वसनीय, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सौहार्दपूर्ण छवि प्रदान की। इस दौरान श्री बासु इंडियन रेगुलेटर्स फोरम के अध्यक्ष पद पर भी रहे।

2005–06 के दौरान श्री बसु को निर्विरोध रूप से साउथ एशिया फोरम आफ इंफ्रास्ट्रक्चर रेगुलेशन (एसएएफआईआर) के अध्यक्ष हेतु चुना गया।

इस समय श्री बसु पश्चिम बंगाल राज्य योजना बोर्ड में अंशकालिक आधार पर सदस्य (उद्योग एवं आधारभूत संरचना) हैं। साथ ही, श्री बसु वीसा कॉमट्रेड लिमिटेड, टाटा मेटालिंक्स लिमिटेड, उषा मार्टिन लिमिटेड, एन्ड्रयू यूल कंपनी लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू बंगाल स्टील लिमिटेड, टिनप्लेट कंपनी आफ इंडिया लिमिटेड, वीजा पावर लिमिटेड, पश्चिम बंगाल विद्युत विकास निगम लिमिटेड, टाटा पावर कंपनी लिमिटेड तथा कार्टर इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड में निदेशक मंडल के निदेशक पद पर भी कार्यरत हैं।

श्री बसु निम्नलिखित समितियों में भी पदाधिकारी है :–

1. अध्यक्ष, लेखापरीक्षा समिति/एन्ड्रयू यूल एंड कंपनी लिमिटेड
2. सदस्य, लेखापरीक्षा समिति/पश्चिम बंगाल विद्युत विकास निगम लिमिटेड
3. सदस्य, लेखापरीक्षा समिति/वीजा पावर लिमिटेड
4. सदस्य लेखापरीक्षा समिति/टिनालेट कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड
5. सदस्य शेयरधारक शिकायत समिति/टिन प्लेट कंपनी आफ इंडिया लिमिटेड
6. सदस्य शेयरधारक शिकायत समिति/टाटा मेटालिंक्स लिमिटेड

श्री बसु के पास बीएचईएल का कोई शेयर नहीं है।

Jh ,e , iBku

Jh ,e , iBku की आयु 68 वर्ष है। इन्होंने 22 जून, 2009 को बीएचईएल में अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक का कार्यभार ग्रहण किया।

श्री एम ए पठान कैम्ब्रिज, मैसाचुसेट्स यूएसए से पेट्रोलियम मैनेजमेंट में विशेषज्ञता सहित ऑनर्स स्नातक हैं। इन्हें तेल उद्योग में लगभग चार दशक का व्यापक अनुभव है। इन्होने कई प्रतिष्ठित पुरस्कार भी प्राप्त किए। भारतीय पेट्रोलियम उद्योग के मुख्य आधारस्तंभ के रूप में श्री पठान फरवरी, 1997 से मार्च, 2002 तक भारत के विशाल वाणिज्यिक संस्थान–इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष भी रहे। 1994 से ये इस संस्थान के निदेशक मंडल में भी रहे हैं। अपने विगत कार्यकाल में श्री पठान आईबीपी, इंडियन ऑयल टैंकिंग लिमिटेड, इंडो मोबिल लिमिटेड, पेट्रोलियम फेडरेशन आफ इंडिया (पेट्रोफेड) में अध्यक्ष तथा आईओबीएल, मुंबई, वर्ल्ड एलपी गैस एसोसिशन में निदेशक, टाटा आदि में ग्रुप रेजीडेंट निदेशक के पद पर भी कार्यरत रहे। इन्हें साउथ एंड साउथ–ईस्ट एशिया, ग्लोबल यूनियन वेंचर्स लिमिटेड का क्षेत्रीय निदेशक नियुक्त किया गया। श्री पठान को टाटा टेलीसर्विसेज लिमिटेड में चीफ मेंटर (उद्यम व्यवसाय) नियुक्त किया गया है और वे आईओटी इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड के कार्यनीतिक सलाहकार भी हैं।

इस समय श्री पठान टाटा पेट्रोडाइन लिमिटेड, इंडियन आयल टैंकिंग इंजीनियरिंग तथा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के बोर्ड में अध्यक्ष तथा टाटा मैकग्रा हिल एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड तथा नागार्जुन आयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बोर्ड में निदेशक भी हैं। वे टाटा पेट्रोडाइन लिमिटेड की लेखापरीक्षा समिति के सदस्य हैं।

श्री पठान का बीएचईएल में कोई शेयर नहीं है।

Jh oh- d- t;jFk

51 वर्षीय 1982 बैच को भा.प्र.से. के अधिकारी Jh oh-d- t;jFk को दिनांक 12 नवम्बर, 2009 को बीएचईएल के निदेशक मंडल में अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक के रूप में शामिल किया गया। वे लोक प्रशासन में कला स्नातक तथा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से विधि स्नातक हैं। वे यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर, यूके से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर डिग्रीधारक भी हैं। पर्यावरण और विकास में अग्रणी के रूप में रॉकफेलर फाउन्डेशन (सं.रा.अ.) द्वारा चयन किया गया था। फाउन्डेशन ने ''लीड'' कार्यक्रम के अधीन उन्हें ''फलो'' की उपाधि दी है।

श्री जयरथ को लोक प्रशासन, ग्रामीण विकास, निर्धनता उन्मूलन, अवसंरचना, वित्त उद्योग, शहरी विकास, पर्यावरणीय प्रबंध तथा निजी क्षेत्र के अनुभव के साथ संपर्क रखते हुए भारत सरकार और महाराष्ट्र राज्य सरकार में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए 25 वर्षो से अधिक का अनुभव है। उन्होंने प्रधान सचिव (उद्योग) महाराष्ट्र सरकार के रूप में फरवरी, 2005 से मार्च 2008 तक कार्य किया और मेगा परियोजना नीति औद्योगिक, अवसंरचना और निवेश नीति, 2006, महाराष्ट्र विशेष आर्थिक क्षेत्र विधेयक तैयार

करने और सूचना प्रौद्योगिकी नीति में आवश्यकता आधारित संशोधन करने के सहायक और प्रेरक रहे थे। वे सक्रियतापूर्वक निजी क्षेत्र में विद्युत उत्पादन तथा साथ ही मौजूदा एक विद्युत उत्पादन कंपनी, मुम्बई शहरी परिवहन परियोजना, मुम्बई द्रुत परिवहन प्रणाली, टोल सड़क तथा ट्रांस हार्बर लिंक तथा नवी मुम्बई और पुणे में प्रस्तावित 2 ग्रीनफील्ड अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तनों के क्षमता विस्तार से भी संबद्ध रहे।

उन्होंने महाराष्ट्र राज्य औद्योगिक और निवेश निगम, महानगर गैस लिमिटेड, मैंगनीज ओर इंडिया लिमिटेड, यूनाइटेड वेस्टर्न बैंक, सांगली बैंक लिमिटेड, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी), महाराष्ट्र विमानपत्तन विकास कंपनी और महाराष्ट्र मेरीटाइम बोर्ड के निदेशक मंडल के पदेन निदेशक के रूप में कार्य किया। ''सिकॉम'' के प्रबंध निदेशक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने 150 व्यावसायिकों के दल का नेतृत्व किया और बडे पुनर्गठन कार्य का शुभारंभ किया, जिससे कंपनी कार्यनिष्पादन में आमूल–चूल परिवर्तन हुआ।

श्री जयरथ ने मार्च, 2008 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली और इस समय वे टाटा मोटर्स और अवंत पावर एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशक है। वे अवंत पावर एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की शेयरधारक शिकायत समिति के अध्यक्ष और लेखापरीक्षा समिति के सदस्य हैं।

श्री जयरथ का बीएचईएल में कोई शेयर नहीं है।

dk;Zdkjh funs'kd

Jh vrqy lj;k

56 वर्षीय Jh vrqy lj;k को दिनांक 1 अक्टूबर, 2009 से निदेशक (विद्युत) के रूप में शामिल किया गया है। वे तारकोर्ट बटलर टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट, कानपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरी में स्नातक है और उनके पास व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा हैं। श्री सराया ने वर्ष 1976 में इंजीनियर प्रशिक्षणार्थी के रूप में बीएचईएल हरिद्वार में कार्यभार ग्रहण किया और उन्हें बीएचईएल में 33 वर्षों से अधिक का विविध और समृद्व व्यावसायिक अनुभव है।

बीएचईएल के हेवी इलेक्ट्रिकल्स इक्विपमेंट प्लांट, हरिद्वार में विनिर्माण और वाणिज्यिक प्रचालन के क्षेत्र में विभिन्न पदों पर कार्य करने के बाद उन्होंने बीएचईएल के नई दिल्ली स्थित पावर सेक्टर–विपणन प्रभाग में महाप्रबंधक के रूप में कार्य प्रभार ग्रहण किया। तत्पश्चात, वे कंपनी के पावर सेक्टर पूर्वी क्षेत्र निर्माण प्रभाग, कोलकाता में महाप्रबंधक (प्रभारी) बने। कार्यकारी निदेशक के रूप में अपनी पदोन्नति पर उन्होंने पावर सेक्टर विपणन और पावर सेक्टर–पूर्वी क्षेत्र का समवर्ती प्रभार धारित किया। कुछ अवधि के लिए उन्होंने पावर सेक्टर–उत्तरी क्षेत्र का प्रभार भी धारित किया।

महाप्रबंधक (विपणन) के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान श्री सराया ने अन्य विनिर्माताओं से प्रतिस्पर्धा को समाप्त करने के उद्देश्य से 270 मेगावाट, 525 मेगावाट और 600 मेगावाट के नए रेटिंग वाले थर्मल सेटों के शुभारंभ द्वारा बीएचईएल की विपणन तीक्षणता का नेतृत्व किया। उनकी अद्भूत और प्रगाढ़ विपणन कुशलता से कंपनी ने दो वर्ष की अवधि 2008–10 के दौरान ऐसे समय जब वह अत्यधिक प्रतिस्पर्धी वातावरण में प्रचालनरत थी, कुल 89,150 करोड़ रुपए अथवा 33,500 मेगावाट के लिए विद्युत क्षेत्र से ऑर्डर प्राप्त किया। उहोंने वर्ष 2009–10 के दौरान निजी क्षेत्र से ऑडरों का बड़ा हिस्सा प्राप्त कराने में अग्रणी भूमिका निभाई।

पावर सेक्टर–पूर्वी क्षेत्र और उत्तरी क्षेत्र दोनों के प्रभारी कार्यकारी निदेशक के रूप में वे देश के ग्यारहवीं योजना क्षमता वृद्दि कार्यक्रम के भाग के रूप में बड़ी संख्या में चल रही ईपीसी और बीटीजी विद्युत परियोजनाओं से निष्पादन में कई अभिनव सुधारों की शुरूआत करने के उत्तरदायी थे। इनमें प्रतिष्ठित राष्ट्रमंडल खेल परियोजना शामिल है। उन्होंने परियोजनाओं की सामयिक पूर्णता के लिए सहक्रियात्मक प्रबंधन समर्थ बनाने हेतु परियोजनाओं की संपूर्ण आयोजना और समीक्षा की भी शुरूआत की। इस एकीकृत दृष्टिकोण से सुधरा हुआ समन्तय/संप्रेषण प्राप्त हुआ जिससे परियोजनाओं की सुपूर्दगी में सुधार हुआ। समानान्तर रूप से, हेवी लिफ्ट क्रेन, टीएंडपी, आईएमटीई आदि के वर्धन द्वारा निष्पादन सीआईआई–एक्ज़िम बैंक द्वारा व्यावसायिक उत्कृष्टता की ओर यात्रा पर ''महत्वपूर्ण उपलब्धि'' के लिए दक्षता का सुदृढीकरण हुआ है। पावर सेक्टर–पूर्वी क्षेत्र प्रतिष्ठित सीआईआई एक्जिम बैंक पुरस्कार–2009 प्रशंसा प्रमाणपत्र भी प्राप्त किया।

उन्होंने सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत संयंत्रों और उच्च क्षमता वाले गैस –आधारित संयंत्रों के क्षेत्र में कंपनी के लिए प्रौद्योगिकी करार करने में तथा साथ ही उपस्कर की ब्रिकीर बढ़ाने के आशय से सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत परियोजनाओं के लिए राज्य उत्पादन कंपनियों के साथ संयुक्त उपक्रम व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

श्री सराया के नेतृत्वाधीन बीएचईएल ने वर्ष 2009–10 में बाढ़ प्रभावित श्रीसेलम जल विद्युत स्टेशन के पुनर्वास और पुनः कमीशनिंग का कार्य हाथ में लिया और उसे पूरा किया। सभी 7 यूनिटें जो जल में पूर्णतः डूब गई थी, को सफलतापूर्वक पुनः बहाल किया गया और रिकार्ड समय में प्रचालित किया गया। श्री सराया ने सभी पावर सेक्टर क्षेत्रों के लिए कतिपय साझा संविदा विनिर्दिष्टियों के मानकीकरण, यौक्तिकीकरण तथा विकास के सवर्धन हेतु उपाय भी प्रारंभ किए। इसके अतिरिक्त वे त्वरित विद्युत इंजीनियर विकास

कार्यक्रम और सुपरक्रिटिकल प्रौद्योगिकी तथा कार्यस्थल इंजीनियरों के लिए सिविल निर्माण पर कार्यक्रमों जैसे विभिन्न विकासात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से त्वरित कुशलता विकास की पहल का चालन कर रहे हैं। वह देशी उद्योग के लिए समान अवसर प्रदान करने के समर्थक विभिन्न मंचों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

इस समय श्री अतुल सराया एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट लिमिटेड, उडन्नगुडी पावर कारपोरेशन लिमिटेड, रायचूड़ पावर कारपोरेशन लिमिटेड और दादा धूनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड के निदेशक मंडल में निदेशक हैं।

श्री अतुल सराया के पास बीएचईएल में 200 शेयर हैं।

Jh vk- ih- HkVkuh

57 वर्षीय Jh vk- ih- HkVkuh को दिनांक 24 दिसम्बर, 2009 से निदेशक (इंजी. आरएंडडी) के रूप में शामिल किया गया था। वे दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से मैकेनिकल इंजीनियरी के स्नातक और दिल्ली विश्वविद्यालय से एमबीए हैं। उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूके से प्रबंधन में प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है।

वर्ष 1976 में इंजीनियर प्रशिक्षणार्थी के रूप में बीएचईएल में कार्यभार ग्रहण करने के बाद श्री भूटानी का विपणन और व्यवसाय विकास, परियोजना निष्पादन, निर्माण प्रबंध, उत्पाद डिजाइन और इंजीनियरी, प्रचालन तथा आयोजन और कार्यनीतिक प्रबंध सहित व्यापक कार्यों में विस्तारित 34 वर्षों से अधिक का ख्याति प्राप्त जीवनवृत्त रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन प्रभाग में विभिन्न पदों, विशेषकर वर्ष 2007 से व्यवसाय सेक्टर के प्रमुख के रूप में उन्होंने सभी छः महादेशों में सत्तर से अधिक देशों में समुद्रपारीय संदर्भ सहित विश्व के मानचित्र पर रखने और पिछले दशक के दौरान समुद्रपारीय व्यवसाय में लगभग बीस–गुनी वृद्धि करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। इस अवधि के दौरान कार्यनीतिक करारों द्वारा सामना सुपुर्दगी उन्मुखीकरण और ध्यानकेन्द्रित दृष्टिकोण के साथ बड़ी परियोजनाओं के निष्पादन पर मुख्य बल का, जो कई नए बाजारों में बीएचईएल की उपस्थिति स्थापित करने में सहायक रहा है। उन्होंने बीएचईएल को एक वैश्विक संगठन में परिवर्तित करने में बीएचईएल की वैश्विक ''कार्यनीतिक योजना, 2012'' का भी नेतृत्व किया। उससे पूर्व उन्होंने परियोजना प्रबंधक के रूप में बीएचईएल के ओमान प्रचालन प्रमुख के रूप में कार्य किया। ओमान में प्रतिष्ठित विद्युत परियोजनाओं के परियोजना प्रबंधक के रूप में उन्होंने ग्राहकों से कंपनी के लिए प्रशंसा प्राप्त की जिससे दुबारा ऑडरों की प्राप्ति हुई और ओमान कंपनी के लिए मुख्य बाजार के रूप में स्थापित हुआ।

बीएचईएल के उद्योग क्षेत्र के परिवहन और रक्षा व्यवसाय के प्रमुख के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान श्री भूटानी ने चल स्टॉक के लिए तीन फेज में इलेक्ट्रिक्स में प्रौद्योगिकी की कमी पूरा करने और भारतीय रेलवे के लिए अनुरक्षण वाहनों तथा रक्षा क्षेत्र के लिए नए उत्पादों में विविधीकरण के लिए कार्य प्रारंभ किया और कार्यनीतिक उपायों को सुविधाजनक बनाया।

इंजीनियरी और अनुसंधान एवं विकास कार्य में श्री भूटानी ने बीएचईएल के प्रत्येक उत्पादों को देश में अग्रणी स्थिति बनाए रखने में समर्थ बनाने के लिए चुनौतीपूर्ण और समयबद्ध मध्यावधिक तथा दीर्घावधिक प्रौद्योगिकीय लक्ष्य निर्धारित किए हैं और इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आवश्यक संसाधन प्रदान किए है। उनकी इस दृढ़ धारणा से कि ऊर्जा क्षेत्र को समाज की पर्यावरणीय चिंताओं के प्रति संवेदी होना चाहिए, उन्होंने अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल, एकीकृत गैसीकरण संयुक्त चक्र और नवीकरणीय ऊर्जाओं जैसी स्वच्छ प्रोद्योगिकियों के विकास और प्रयोग तथा संपूर्ण एफटी सभी उत्पादों में ऊर्जा क्षमता के सुधार पर सुदृढ़ बल दिया है।

इंजीनियरी और अनुसंधान एवं विकास कार्य के अतिरिक्त, निदेशक (इंडी, आरएंडडी) के रूप में उनपर कारपोरेट अनुवीक्षण, पूंजी निवेश आयोजना और सामग्री प्रबंध कार्यो का भी उत्तरदायित्व है। बीएचईएल के उदयासन विकास से ये प्रत्येक क्षेत्र अत्यधिक चुनौतियां प्रस्तुत करते हैं जिनके लिए मूलतः सोच–विचार और कार्याकरण के नए तरीके अपेक्षित है। अपने समृद्ध और विविध अनुभव से और उत्कृष्टता के प्रति एक अथक प्रतिबद्धता से, श्री भूटानी अद्वितीय रूप से आवश्यक नेतृत्व प्रदान करने की स्थिति में है। निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण करने से लेकर अब तक वे विद्युत उपस्कर के विनिर्माण के नए प्रवेशकर्ताओं स्थापित संगठनों द्वारा सामना की जा रही प्रतिस्पर्धा को दूर करने के लिए कंपनी के दक्षता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करते रहे हैं। इससे 1713 करोड़ रुपए का अधिकतम पूंजी–व्यय (पिछले वर्ष की तुलना में 58% की वृद्धि) हुई हैं। उनके मुख्य ध्यान केन्द्रण के मुख्य क्षेत्रों में से एक मार्च, 2012 की समय अनुसूची के अनुसार कंपनी की क्षमता वृद्धि 20,000 मेगावाट तक पूर्णता सुनिश्चित करना है।

श्री भूटानी ने भारत सरकार की ऊर्जा सुरक्षा समिति, सीआईआई की व्यापार समिति, कई कार्य दलों तथा अन्तः सरकारी संयुक्त आयोगों, उच्च शक्ति प्राप्त सरकारी शिष्ट मंडलों और भारत के व्यापारिक निकायों सहित कई मंचों में बीएचईएल का प्रतिनिधित्व किया है और परियोजना निर्यातों की वृद्धि के लिए राष्ट्रीय स्तर के नीतिगत परिवर्तनों के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य किया है।

श्री भूटानी उडन्नगुडी पावर कारपोरेशन लिमिटेड के अंशकालिक निदेशक हैं।

श्री भूटानी का बीएचईएल में कोई शेयर नहीं है।

कारपोरेट अभिशासन

1- dkjiksjsV vfHk'kklu ij gekjh fopkj/kkjk

बीएचईएल ने कारपोरेट अभिशासन का एक सुदृढ़ ढांचा विकसित किया है जो अभिशासन की गुणवत्ता, पारदर्शिता, प्रकटन, हितधारकों के महत्व के निरंतर विस्तार और कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति वचनबद्धता के दर्शाता है। बीएचईएल शेयरधारकों, ग्राहकों, कर्मचारियों, आपूर्तिकर्ताओं और संपूर्ण समाज सहित अपने हितधारकों (स्टेकहोल्डरों) के महत्व पर सतत रूप से ध्यान केन्द्रित करते हुए कारपोरेटे अभिशासन के विनियामक ढांचे और बुनियादी अपेक्षाओं से बहुत अधिक आगे जाने का प्रयास करता है। कंपनी के सभी, विशेषकर अल्पसंख्यक शेयरधारकों को पारदर्शिता, प्रकटन और औचित्य सुनिश्चित करने के लिए ढांचा विकसित किया है।

बीएचईएल की कल्पनादृष्टि हितधारकों के महत्व में वृद्धि के लिए प्रतिबद्ध एक विश्वस्तरीय इंजीनियरी उद्यम बनना है तथा इसका लक्ष्य "ऊर्जा, उद्योग, परिवहन, अवसंरचना और अन्य संभावित क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण उत्पादों, प्रणालियों और सेवाओं के माध्यम से संपूर्ण व्यावसायिक समाधान प्रदान करने वाला एक भारतीय बहुराष्ट्रीय इंजीनियरी उद्यम बनना है।"

बीएचईएल की कॉर्पोरेट अभिशासन नीति पारदर्शिता, पूर्ण प्रकटन, स्वतंत्र मानीटरिंग और सभी के लिए औचित्य के चार स्तंभों पर आश्रित है। इसे सुदृढ़ करने के लिए, बीएचईएल ने "सत्यनिष्ठा करार" अपनाने के लिए ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। हमारी कारपोरेट संरचना व्यावसायिक कार्यविधियों और प्रकटन पद्धतियों ने हमारी कारपोरेट अभिशासन नीति के साथ सुदृढ़ साम्यता प्राप्त कर ली है, जिससे लक्ष्यों तथा व्यावसायकि नैतिकता के उच्च स्तर की प्राप्ति हुई है। बीएचईएल की कारपोरेट अभिशासन नीति निम्नलिखित सिद्धांतों पर आधारित है:

i) निदेशक मंडल की स्वतंत्रता और परिवर्तनीयता

ii) सभी कार्मिकों को सत्यनिष्ठा और नैतिक व्यवहार

iii) सभी हितधारकों–ग्राहकों, कर्मचारियों, शेयरधारकों , आपूर्तिकर्ताओं और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की पहचान

iv) प्रकटन और पारदर्शिता का उच्च स्तर

v) सभी क्षेत्रों जिसमें कंपनी प्रचालन करती है, में कानूनों का पूर्ण अनुपालन।

vi) लोगों और पर्यावरण के लिए सहानुभूति के साथ उपरोक्त लक्ष्यों की प्राप्ति।

कंपनी का विश्वास है कि कारपोरेट अभिशासन की कार्यविधियों तथा आचार संहिता का अनुपालन करते हुए व्यवसाय करना हमारे प्रत्येक प्रधान मूल्य का प्रतिपादन करता है, जो हमें अपने शेयरध ारकों को दीर्घावधि प्रतिफल प्रदान करने मे समर्थ बनाता है, हमारे ग्राहकों को अनुकूल परिणाम तथा हमारे कर्मचारियों को अच्छे अवसर प्रदान करता है और आपूर्तिकर्ताओं को समाज की प्रगति और समृद्धि करने में भागीदार बनाता है।

2- fun'kd eMy

i. lajpuk vkj fun'kdk dh Js.kh

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 617 के अनुसरण में बीएचईएल एक सरकारी कंपनी है। क्योंकि कंपनी की कुल प्रदत्त शेयर पूंजी का 67.72% भारत के राष्ट्रपति द्वारा धारित है।

निदेशक मंडल में बोर्ड की स्वतंत्रता बनाए रखने और प्रबंधन के निदेशक मंडल के कार्यों और नियंत्रण को अलग करने के लिए अ. एवं प्र.नि. सहित कार्यात्मक निदेशकों के प्रतिनिधित्व में कार्यपालकों और सरकारी नामितियों द्वारा प्रतिनिधित्व में गैर–कार्यपालक निदेशकों और स्वतंत्र निदेशकों का उपयुक्त संयोजन है। चूंकि अध्यक्ष कार्यकारी निदेशक हैं इसलिए स्वतंत्र निदेशकों की संख्या निदेशक मंडल की संख्या की आधी है।

निदेशक मंडल की संरचना निम्नानुसार है–

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	1
पूर्णकालिक कार्यकारी (कार्यात्मक) निदेशक	5
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले अंशकालिक सरकारी निदेशक (सरकार के नामिती)	2
अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक	8
dqy	**16**

दिनांक 31.03.2010 की यथास्थिति कंपनी के निदेशक मंडल में निदेशक (आईएसएंडपी) के एक पद की और स्वतंत्र निदेशकों की दो रिक्तियां मौजूद हैं। भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 1 अक्टूबर, 2009 से बीएचईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री बी.पी. राव को निदेशक (आईएसएंडपी) के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। इन रिक्तियों को भरने का मामला भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के विचाराधीन है।

ii. 2009&10 d nkjku fun'kd eMy dh cBdk vkj fiNyh vke okf"kd cBd e çR;d fun'kd dh mifLFkfr

fun'kd dk uke lo@Jh	fun'kd eMy dh cBdk dh l[;k		fiNyh vke okf"kd cBd **17.09.2009)**
	vk;kftr	Hkkx fy;k	
dk;dkjh fun'kd			
ch- ilkn jko अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (दिनांक 01.10.2009 से) और निदेशक (आईएसएंडपी)	11	11	हाँ
d- jfo dekj निदेशक (पावर) और अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार (दिनांक 30.09.2009 तक)	8	8	हाँ
lh-, l- oek निदेशक (वित्त)	11	11	हाँ
vfuy lpno निदेशक (मा.सं.)	11	11	हाँ
vry ljk;k* fun'kd ¼ikoj½ fnukd 01-10-2009 l½	3	3	—
vk-ih- HkVkuh* निदेशक (ई, आर एंड डी) (दिनांक 24.12.2009 से)	1	1	—
v'kdkfyd ljdkjh fun'kd&ljdkjh ukferh			
Mk- ljjthr fe=k* अपर सचिव, भारी उद्योग विभाग (दिनांक 14.07.2009 तक)	5	5	—
Mk- lru cgfj;k* अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (दिनांक 20.07.2009 तक)	5	4	—
ljHk pæk अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (दिनांक 20.07.2009 से)	6	5	हाँ
jktho cly संयुक्त सचिव – भारी उद्योग विभाग (दिनांक 14.07.2009 से)	6	6	नही
v'kdkfyd xj&ljdkjh fun'kd			
eèkdj* (दिनांक 04.07.2009 तक)	5	4	—
,l- jfo	11	10	हाँ
,e-,- iBku (दिनांक 22.06.2009 से)	7	7	हाँ
v'kkd dekj cl (दिनांक 22.06.2009 से)	7	6	हाँ
Jherh jok u,;j (दिनांक 22.06.2009 से)	7	7	हाँ
oh-d- t;jFk* (दिनांक 12.11.2009 से)	2	1	—
'k[kj nÙkk* (दिनांक 27.11.2009 से)	2	2	—

* ;g n'kkrk g fd lcfèkr 0;fDr fiNyh vke okf"kd cBd dh rkjh[k dk ch,pbZ,y d fun'kd ugh gA

iii. vU; fun'kd eMy vFkok fun'kd eMy lfefr;k] ftue fnukd 31-03-2010 dk ch,pb,y d fun'kd lnL; vFkok vè;{k g

fun'kd dk uke lo'Jh	vU; diifu;k e fun'kd in dk C;kjk	lfefr dh lnL;rk vkj lfefr dh vè;{krk dk C;kjk
बी. प्रसाद राव अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	1. भारत हेवी प्लेटस एंड वेसेल्स लिमिटेड (बीएचईएल की शत–प्रतिशत सहायक कंपनी) 2. इलेक्ट्रिकल कंस्ट्रक्शन कंपनी (ईसीसीओ) त्रिपोली, लीबिया (सदस्य साधारण सभा)	-शून्य-
सी एस वर्मा निदेशक (वित्त)	1. उड़नगुडी पावर कारपोरेशन लिमिटेड 2. रायचूड पावर कारपोरेशन लिमिटेड 3. दादा धूनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड	y[kkijh{kk lfefr % उडनगुडी पावर कारपोरेशन लिमिटेड (अध्यक्ष)
अनिल सचदेव निदेशक (मा.सं.)	रायचूड पावर कारपोरेशन लिमिटेड	-शून्य-
अतुल सराया निदेशक (पावर)	1. एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट प्राईवेट लि. 2. उडनगुडी पावर कारपोरेशन लिमिटेड 3. रायचूड पावर कारपोरेशन लिमिटेड 4. दादा धूनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड	-शून्य-
ओ.पी. भूटानी निदेशक (इंजी., आर एंड डी)	उडनगुडी पावर कारपोरेशन लिमिटेड	-शून्य-
सौरभ चंद्रा अंशकालिक सरकारी निदेशक	1. एचएमटी लिमिटेड 2. हेवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड (एचईसी)	-शून्य-
एस. रवि	1. एस. रवि फाइनेंशियल मैंनजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड 2. आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स सार्विसेज लि. 3. महिन्द्र उगीन स्टील लिमिटेड 4. एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड 5. आईडीबीआई होमफाइनेंस 6. यूटीआई ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड 7. रवि राजन एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड 8. महर्षि हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड 9. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	y[kk ijh{kk lfefr % 1. आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स सर्विसेज लिमिटेड (अध्यक्ष) 2. एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड (अध्यक्ष) 3. आईडीबीआई होम फाइनेंस लिमिटेड (सदस्य) 4. यूटीआई ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट (सदस्य) 5. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (अध्यक्ष) 'k;jèkkjd@fuo'kd f'kdk;r lfefr महिन्द्रा उगीन स्टील लिमिटेड (सदस्य)

अशोक कुमार बसु	1. टाटा मेटालिक्स लिमिटेड 2. उषा मार्टिन लिमिटेड 3. वीजा कॉमट्रेड लिमिटेड 4. एन्ड्रयू यूल एण्ड कंपनी लिमिटेड 5. वीजा पावर लिमिटेड 6. टिनप्लेट कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड 7. टाटा पावर कंपनी लिमिटेड 8. वेस्ट बंगाल पावर डेवलेपमेंट कारपोरेशन लि. 9. जेएसडब्ल्यू बंगाल स्टील लिमिटेड 10. कार्टर इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड	y[kkijh{kk lfefr 1. एन्ड्रयू यूल एंड कंपनी लिमिटेड (अध्यक्ष) 2. टिनप्लेट कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सदस्य) 3. वीजा पावर लिमिटेड (सदस्य) 4. वेस्ट बंगाल पावर डेवलेपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (सदस्य) 'k;jèkkjd@fuos'kd f'kdk;r lfefr 1. टाटा मेटालिक्स लिमिटेड (सदस्य) 2. टिनप्लेट कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सदस्य)
एम.ए. पठान	1. टाटा पेड्रोडाइन लिमिटेड 2. इंडियन ऑयल टैकिंगे इंजीनियरिंग एंड प्रोजेक्टस लिमिटेड 3. टाटा मेकग्रा हिल एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड 4. कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड 5. नागर्जुन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड	y[kkijh{kk lfefr टाटा पेड्रोडाइन लिमिटेड (सदस्य)
श्रीमती रेवा नय्यर	एसेलसोशल वेल्फेयर फाउन्डेशन	-शून्य-
वी.के. जयरथ	1. टाटा मोटर्स लिमिटेड 2. अवंत पावर एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड	y[kkijh{kk lfefr अवंत पावर एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (सदस्य) 'k;jèkkjd@fuos'kd f'kdk;r lfefr अवंत पावर एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (अध्यक्ष)
शेखर दत्ता	1. वॉकहार्ड लिमिटेड 2. वेसुवियस इंडिया लिमिटेड 3. त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड	y[kkijh{kk lfefr 1. वॉक हार्ड लिमिटेड (अध्यक्ष) 2. वेसुवियस इंडिया लिमिटेड (सदस्य) 'k;jèkkjd@fuos'kd f'kdk;r lfefr 1. वॉक हार्ड लिमिटेड (अध्यक्ष) 2. वेसुवियस इंडिया लिमिटेड (सदस्य)

कंपनी का कोई निदेशक साथ ही साथ पंद्रह (15) कंपनियों से अधिक में निदेशक का पद धारित नही करता।

कंपनी का कोई निदेशक दस (10) से अधिक समितियों का सदस्य अथवा सभी कंपनियों जिसमें सह निदेशक है, में पांच (5) समितियों से अधिक में अध्यक्ष नहीं है।

iv. fun'kd eMy dh vk;kftr cBdk dh la[;k vkj rkjh[k

निदेशक मंडल की बैठकें सामान्यतः कंपनी के नई दिल्ली स्थित पंजीकृत कार्यालय में आयोजित की जाती हैं और उन्हें बहुत पहले निर्धारित किया जाता है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के परामर्श से कंपनी सचिव प्रत्येक निदेशक को लिखित में प्रत्येक बैठक का नोटिस भेजता है। निदेशक मंडल की कार्यसूची पहले से ही निदेशकों को परिचालित की जाती है।

निदेशक मंडल के सदस्यों की कंपनी की सभी सूचनाओं तक पहुंच होती है और वे चर्चा के लिए कार्यसूची में किसी विषय को शामिल करने की सिफारिश के लिए स्वतंत्र होते हैं। आवश्यकता होने पर चर्चा की जा रही मदों से संबंधित अतिरिक्त जानकारी प्रदान करने और/अथवा निदेशक मंडल प्रस्तुतिकरण करने के लिए निदेशक मंडल की बैठकों में भाग लेने हेतु वरिष्ठ प्रबंधन को आमंत्रित किया जाता है। निदेशक मंडल तिमाही परिणामों और कार्यसूची पर अन्य मदों की समीक्षा करने के लिए तिमाही में कम से कम एक बार अपनी बैठक करता है। आवश्यकता होने पर अतिरिक्त बैठकें आयोजित की जाती है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निदेशक मंडल ने निम्नलिखित तारीखों को ग्यारह बैठक की :

(i)	2 अप्रैल, 2009	(ii)	23 अप्रैल, 2009
(iii)	8 और 9 मई, 2009	(iv)	27 मई, 2009
(v)	30 जून, 2009	(vi)	22 जुलाई, 2009
(vii)	18 अगस्त, 2009	(viii)	16 सितम्बर, 2009
(ix)	23 अक्तूबर, 2009	(x)	17 दिसम्बर, 2009
(xi)	21 जनवरी, 2010		

किसी दो बैठकों के बीच अधिकतम समयातंराल चार कैलेंडर महीनों से अधिक नही था।

v. fun'kd eMy dk mÙkjnkf;Ro

निदेशक मंडल के अधिधेश का उद्देश्य कंपनी का कार्यनीतिक दिशा पर निगरानी रखना, कारपोरेट कार्यनिष्पादन की समीक्षा और मॉनीटरिंग करना, नियामक अनुपालन सुनिश्चित करना और शेयरधारकों के हित की रक्षा करना है।

vi. Lora= fun'kdk dh Hkfedk

निदेशक मंडल और समिति की बैठकों में विचार–विमर्श में स्वतंत्र निदेशक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इंजीनियरी, वित्त, प्रबंधन विधि और सरकारी नीति के क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता कंपनी को प्रदान करते हैं।

निदेशक मंडल ने स्वतंत्र निदेशकों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देते हुए लेखापरीक्षा समिति, शेयरधारक/निवेशक शिकायत समिति, भोयर अंतरण समिति, पारिश्रमिक समिति, परियोजना समीक्षा समिति, विलय और अधिग्रहण समिति, पीआरपी पर पारिश्रमिक समिति तथा मानव संसाधन नीतिगत समिति आदि जैसी विभिन्न समितियां स्थापित की हैं।

सूचीकरण करार के खंड 49 के अनुसार लेखापरीक्षा समिति और शेयरधारक/निवेशक शिकायत समिति और पारिश्रमिक समिति की अध्यक्षता स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है और उक्त समिति के कार्य परिभाशित विचारार्थ विषय के भीतर हैं। समिति की बैठकों का कार्यवृत्त परिचालित किया जाता है और निदेशक मंडल की बैठकों में उन पर चर्चा की जाती है।

vii. fun'kd eMy dk le{k çLrqr lwpuk :

निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत सूचना सामान्यतः बीएचईएल के निदेशक मंडल को कार्यसूची कागजातों के भाग के रूप में प्रस्तुत की जाती है अथवा बोर्ड की बैठक के दौरान पेश/प्रस्तुत की जाती है:

- वार्षिक प्रचालन योजनाएं तथा बजट एवं कोई अद्यतन सूचना
- पूंजी बजट एवं कोई अद्यतन सूचना
- कंपनी तथा इसके कार्यात्मक प्रभागों अथवा व्यवसाय खंडों के तिमाही परिणाम
- लखापरीक्षा समिति तथा निदेशक मंडल की अन्य समितियों की बैठकों का कार्यवृत्त
- गैर–सूचीबद्ध सहायक कंपनी अर्थात भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड (बीएचपीवी) के निदेशक मंडल की बैठकों का कार्यवृत्त
- बीएचपीवी (गैर सूचीबद्ध सहायक कंपनी) द्वारा किए गए सभी महत्वपूर्ण लेन–देनों और व्यवस्थाओं का विवरण
- बोर्ड स्तर से ठीक नीचे के वरिष्ठ अधिकारियों की भर्ती एवं पारिश्रमिक संबंधी सूचना
- निदेशक मंडल के अनुमोदनार्थ अपेक्षित किसी संयुक्त उद्यम अथवा अनुसंधान एवं विकास परियोजना अथवा तकनीकी सहयोग करार का विवरण
- महत्वपूर्ण श्रम समस्याएं तथाउनके प्रस्तावित समाधान। वेतन समझौते पर हस्ताक्षर, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना का कार्यान्वयन आदि जैसी मानव संसाधन/औद्योगिक संबंध मोर्चे पर कोई महत्वपूर्ण घटना।
- महत्वपूर्ण प्रकृति के निवेशों, सहायक कंपनियों, परिसंपत्तियों की बिक्री, जो कि व्यवसाय की सामान्य क्रिया में नहीं है।

- सभी लंबित मामलों पर की गई कार्रवाई।
- निदेशकों द्वारा उनकी निदेशक पदधारिता तथा उनकी रुचि की अन्य कंपनियों में से उनके द्वारा हासिल समिति पदों के बारे मे सूचना
- विभिन्न कानूनों के अनुपालन संबंधी तिमाही रिपोर्ट
- प्रमुख कानूनी विवादों से संबंधित सूचना
- मध्यस्थता मामलों की स्थिति
- अधिशेष निधियों का अल्पकालिक निवेश
- कोई संविदा (संविदाएं) जिनमें निदेशक (निदेशकों) की रुचि मानी जाती है।
- शेयरधारकों की शिकायतों संबंधी त्रैमासिक स्थिति
- विद्युत तथा उद्योग क्षेत्रों एवं अंतर्राष्ट्रीय कार्य प्रभाग में त्रैमासिक आधार पर सूचना/स्थिति
- महत्वपूर्ण पूंजी निवेश प्रस्ताव
- महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियों और पद्धतियों में परिवर्तन और उसके कारण
- विभिन्न इकाइयों/कार्यों के निष्पादन संबंधी, विस्तृत विवरण
- अचसूचना तथा अनुमोदन के लिए निदेशक मंडल को प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेक्षित अन्य कोई सूचना

viii. u, funs'kdksa dk p;u

बीएचईएल के अतर्नियमावली के अनुसार भारत के राष्ट्रपति भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय के माध्यम से अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, कार्यात्मक निदेशकों और बीएचईएल के बोर्ड में अंशकालिक सरकारी निदेशक नियुक्त करते हैं और बीएचईएल के निदेशक मंडल में अंशकालिक और गैर–सरकारी (स्वतंत्र निदेशकों) को भी नामित करते हैं।

स्वतंत्र निदेशकों का चयन भारी उद्योग विभाग द्वारा लोक उद्यम की खोज समिति, जो प्रबंधन, वित्त, इंजीनियरी प्रशासन और उद्योग में व्यापाक अनुभव रखने वाले प्रख्यात व्यक्तियों की सूची रखता है, के परामर्श से किया जाता है।

ix. lnL;rk vofèk vkSj lsokfuo`fÙk uhfr

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा कार्यात्मक निदेशकों की नियुक्ति ऐसी भार्तों, पारिश्रमिक और कार्यकाल पर होती है जिसे राष्ट्रपति समय–समय पर निर्धारित करे।

दो अंशकालिक निदेशक अर्थात भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय के अपर सचिव/संयुक्त सचिव तथा वाणिज्य मंत्रालय के अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार बीएचईएल के निदेशक मंडल में भारत सरकार द्वारा नामित किए जाते हैं। वे भारत सरकार के विवेक पर बीएचईएल के निदेशक मंडल में बने रहते हैं।

अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशकों के कार्यकाल का निर्णय भारी उद्योग विभाग द्वारा किया जाता है। सामान्यतः स्वतंत्र निदेशक की नियुक्ति तीन वर्षों की अवधि के लिए की जाती है। ऐसे सभी नियुक्त व्यक्ति बीएचईएल के अंतर्नियमावली के उपबंधों के अनुसार चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त होने के योग्य होते हैं।

x. vkpkj lafgrk

बीएचईएल के आचरण के उच्च मानक निर्धारित करने के सतत प्रयास के भाग के रूप में निदे ाक मंडल के सभी सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंध कार्मिकों के लिए एक 'व्यावसायिक आचरण और नैतिकता की संहिता' निर्धारित की गई है।

संहिता में निम्नलिखित बातें भाामिल हैं–

- सामान्य नैतिक अनिवार्यताएं,
- विशिष्ट व्यावसायिक उत्तरदायित्व, और
- निदेशक मंडल के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधक कार्मिकों के लिए अतिरिक्त कर्तव्य/अनिवार्यताएं

उक्त संहिता की प्रति कंपनी की वेबसाइट www.bhel.com पर उपलब्ध कराई गई है। उक्त संहिता में सुधार करने के लिए अतिरिक्त सुझावों/विचारों को हर्षपूर्वक आमंत्रित किया जाता है।

xi. lhbZvks@lh,Qvks çek.khdj.k

सूचीकरण करार के खंड 49(v) के अनुसरण में सीईओ/सीएफओ प्रमाणीकरण संलग्न हैं।

3. ys[kkijh{kk lfefr

i. fopkjkFkZ fo"k;¨ dk laf{kIr fooj.k%

निदेशक मंडल द्वारा निर्दिष्ट लेखापरीक्षा समिति के विचारार्थ विषय सूचीकरण करार के सं ोधित खंड 49 तथा साथ ही कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 292 क की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। ये निम्नानुसार हैं–

1. कंपनी कि वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया को देखना और यह सुनिश्चित करने के लिए कि वित्तीय विवरण सही, पर्याप्त तथा विश्वसनीय हैं, इसकी वित्तीय सूचना प्रस्तुत करना।
2. निदेशक मंडल को सांविधिक लेखापरीक्षकों की नियुक्ति, पुनः नियुक्ति और अगर अपेक्षित हो, उनके प्रतिस्थापन अथवा उन्हें हटाने तथा लेखापरीक्षा शुल्क के नियतन की सिफारिश करना।

3. सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा प्रदान की गई किसी अन्य सेवाओं के लिए सांविधिक लेखापरीक्षकों को भुगतान का अनुमोदन।

4. निम्नलिखित तके विशेष संदर्भ में निदेशक मंडल के अनुमोदनार्थ वार्षिक वित्तीय विवरण प्रस्तुत करने के पूर्व प्रबंधन के साथ समीक्षा करनाः

   क. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217 के खंड (2कक) के अनुसार निदेशक मंडल की रिपोर्ट में शामिल किए जाने के लिए निदेशकों के उत्तरदायित्व विवरण में भाामिल किए जाने हेतु अपेक्षित मामले।

   ख. लेखाकरण नीतियों और पद्धतियों में परिवर्तन, अगर कोई हो और उसके लिए कारण

   ग. प्रबंधन के निर्णय के आधार पर अनुमानों वाली मुख्य लेखाकरण प्रविष्टियां

   घ. लेखापरीक्षा निष्कर्षों के उत्पन्न वित्तीय विवरण में किए गए महत्वपूर्ण समायोजन

   ड. वित्तीय विवरण से संबंधित सूचीकरण और अन्य कानूनी अपेक्षाओं का अनुपालन

   च. किसी संबद्ध पक्ष के साथ लेन–देन के संबंध में जानकारी प्रस्तुत करना

   छ. प्रारूप लेखापरीक्षा रिपोर्ट में अर्हताएं

5. प्रबंधन के साथ निदेशक मंडल के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करने के पूर्व तिमाही वित्तीय विवरण की समीक्षा करना

6. (i) प्रबंधन के साथ सांविधिक आंतरिक लेखापरीक्षकों के निष्पादन, आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की पर्याप्तता की समीक्षा करना।

   (ii) आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों का अनुपालन सुनिश्चित करना।

7. आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग की संरचना, कर्मचारियों की संख्या और विभाग का नेतृत्व करने वाले अधिकारियों की वरिष्ठता रिपोर्टिंग संरचना कवरेज और आंतरिक लेखापरीक्षा की बारंबारता सहित आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य करने की पर्याप्तता अगर कोई हो, की समीक्षा करना।

8. किसी महत्वपूर्ण निष्कर्ष और उस पर अनुवर्ती कार्रवाई के लिए आंतरिक लेखापरीक्षकों के साथ विचार–विमर्श।

9. आंतरिक लेखापरीक्षा द्वारा ऐसे विषयों की आंतरिक जांच, जिनमें धोखाधड़ी अथवा अनियमितता या वास्तविक रूप से आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की विफलता का संदेह हो, उनके निष्कर्षों की समीक्षा करना और बोर्ड को इस विषय में जानकारी देना।

10. (i) आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों के बारे में आवधिक रूप से सांविधिक लेखापरीक्षकों/आंतरिक लेखा–परीक्षकों के साथ विचार–विमर्श।

    (ii) लेखापरीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व लेखापरीक्षकों के स्वरूप और कार्यक्षेत्र के बारे में सांविधिक लेखापरीक्षकों के साथ विचार–विमर्श करना तथा साथ ही लेखापरीक्षकों के अवलोकनों सहित चिंता के किसी सत्र को सुनिश्चित करने के लिए लेखापरीक्षा पश्चात विचार–विमर्श करना।

11. जमाकर्ताओं, डिबेंचरधारकों, शेयरधारकों और भुगतान (घोषित लाभांश का भुगतान नहीं करने के मामले में) और ऋणदाताओं को भुगतान में पर्याप्त चूक करने के कारणों पर गौर करना।

12. व्हिसल ब्लोअर कार्यतंत्र, अगर मौजूद हो, तो उसकी कार्यशीलता की समीक्षा करना।

13. आंतरिक लेखापरीक्षा/बोर्ड और अथवा भारत सरकार द्वारा बीएलएसी में उल्लिखित लेखापरीक्षा पैरा की समीक्षा करना और उसमें उल्लिखित मुद्दों पर अपना सुझाव/मार्गदर्शन/टिप्पणियां प्रस्तुत करना।

14. लेखापरीक्षा समिति के विचारार्थ विषयों के अनुसार यथाउल्लिखित, कोई अन्य कार्य करना।

स्पष्टीकरण (i): "संबद्ध पक्ष लेन–देन" का वही अर्थ होगा, जो इंस्टीट्यूट चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखाकरण मानक 18 "द्वि पक्ष लेन–देन" में विहित है।

स्पष्टीकरण (ii): अगर कंपनी ने कंपनी अधिनियम के उपबंध के अनुसरण "कई लेखापरीक्षा" समिति गठित की है तो उक्त लेखापरीक्षा समिति की बोर्ड में यथाविहित अतिरिक्त कार्य/विशेषताएं होंगी।

ii. lfefr dh lajpuk] lnL;ksa vkj v/;{k dk uke vkj mifLFkfr

जैसा कि सूचीकरण करार में अधिदेशित है, लेखापरीक्षा समिति में अधिकांशतः स्वतंत्र निदेशक शामिल होते हैं। सदस्य निदेशकों में वाणिज्य, वित्त, प्रशासन और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय दोनों अधिशासन की पृष्ठभूमि वाले ख्यातिप्राप्त व्यावसायिक शामिल होते हैं।

लेखापरीक्षा समिति का पिछला गठन 22 जुलाई, 2009 को हुआ था और इस समय इसमें निम्नलिखित निदेशक शामिल हैं–

funs'kd dk uke	in	bud dk;dky esa vk;ksftr cBd	Hkkx yh xbZ cBdks dh la[;k
, l- jfo (अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक)	अध्यक्ष	7	7
,e-,- iBku (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	सदस्य	5	5
Jherh jok u,;j (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	सदस्य	4	4
Mk- lru cgfj;k (अंशकालिक सरकारी निदेशक) (दिनांक 20.07.2009 तक)	सदस्य	2	1
e/kdj (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक) (दिनांक 04.07.2009 तक)	सदस्य	2	2

कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है। निदेशक (वित्त) कॉर्पोरेट आंतरिक लेखापरीक्षा प्रमुख और सांविधिक लेखापरीक्षक आमंत्रित सदस्य के रूप में बैठक में भाग लेते हैं।

iii. o"kZ 2009&10 ds nkSjku ys[kkijh{kk lfefr dh cSBdsa

लेखापरीक्षा समिति की बैठक वर्ष 2009–10 में 2 अप्रैल, 2009, 27 मई, 2009, 22 जुलाई, 2009, 10 अगस्त, 2009, 23 अक्तूबर, 2009, 17 दिसम्बर, 2009 और 21 जनवरी, 2010 को कुल सात बार हुई।

4- ikfjJfed lfefr

i. ikfjJfed uhfr

सरकारी क्षेत्र का उपक्रम होने के कारण बीएचईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक / कार्यात्मक निदेशकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक के नियतन का निर्णय भारत सरकार द्वारा किया जाता है जबकि अंशकालिक और गैर–कार्यपालक निदेशकों को निदेशक मंडल अथवा उसकी समितियों की बैठकों में भाग लेने के लिए बैठक फीस को छोड़कर कोई पारिश्रमिक अदा नहीं किया जाता। इसके अतिरिक्त, भारत के राष्ट्रपति द्वारा यथा अनुमोदित अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/निदेशकों की नियुक्ति की शर्तें बीएचईएल के नियमानुसार पट्टा आवास, उत्पादकता संबद्ध प्रोत्साहन, आदि जैसी परिलब्धियों और लाभों की व्यवस्था करती है। इसलिए सूचीकरण करार के खंड 49 के अनुरूप निदेशक मंडल ने दिनांक 7 दिसंबर, 2005 को निम्नलिखित विचारार्थ विषय सहित एक पारिश्रमिक समिति का गठन किया था।

ii. fopkjkFkZ fo"k;

क) पेंशन अधिकारों और कोई प्रतिपूर्ति भुगतान जो भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियत नहीं किया जाता है, सहित पूर्णकालिक निदेशक के लिए विशिष्ट पारिश्रमिक पैकेज परिलब्धियों पर कंपनी की नीति पर गौर करना।

ख) पूर्णकालिक निदेशकों के लिए कतिपय परिलब्धियों को अनुमोदित करना, जो निदेशक मंडल की शक्तियों के भीतर हों। मुख्य समूहों, जैसे प्रोत्साहन/लाभ, बोनस, स्टॉक विकल्प, पेंशन आदि के अधीन सारांश दिए गए प्रत्येक निदेशक के पारिश्रमिक पैकेज के अवयवों की समीक्षा की।

ग) अनुपलब्धियों और लाभों तथा अन्य संबद्ध मामले पर नीतियों को अंतिम रूप देना, जो भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियत नहीं किए जाते परंतु निदेशक मंडल की शक्तियों के भीतर हैं।

घ) कार्यनिष्पादन मानदंडों पर आधारित नियत संघटक और कार्यनिष्पादन संबद्ध प्रोत्साहन का अनुमोदन।

ङ) गैर–कार्यपालक निदेशकों को भुगतान करने के मानदंड को अंतिम रूप देना।

च) स्वतंत्र निदेशकों, निदेशक मंडल/शेयरधारकों सहित गैर–कार्यपालक निदेशकों को फीस/प्रतिपूर्ति/स्टॉक विकल्प, अगर कोई हो, का भुगतान/प्रदान करने की सिफारिश करना।

छ) पारिश्रमिक समिति के विचारार्थ विषयों से संबद्ध अन्य कोई कार्य करना।

iii. lijpuk] lnL;k vkj v/;{k dk uke rFkk mifLFkfr

पारिश्रमिक समिति का पिछली बार दिनांक 30 जून, 2009 को पुनर्गठन किया गया था। पारिश्रमिक समिति में सदस्यों और अध्यक्ष के नाम का ब्यौरा निम्नानुसार है:

funs'kd dk uke lo@Jh	in	bud dk;dky e vk;kftr cBdk dh l[;k	Hkkx yh xbZ cBdk dh l[;k
v'kkd dekj cl (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	अध्यक्ष	1	1
,l- jfo (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	सदस्य	1	–
Jherh jok u¸;j (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	सदस्य	1	1
निदेशक (वित्त)	सदस्य	1	1
निदेशक (मा.सं.)	सदस्य	1	1

कंपनी के कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

iv. o"k d nkjku cBd

वर्ष 2009–10 में पारिश्रमिक समिति की दिनांक 20 जनवरी, 2010 को एक बैठक हुई थी।

v. o"k 2009&10 d nkjku dk;kRed funs'kdk d ikfjJfed dk C;kjk uhp fn;k x;k g&

¼#i;k e½

Øe funs'kd dk uke lo@Jh	osru	ykHk	cdk;k ;fn dkbl gk	dk;fu"iknu lc) iksRlkgu	dqy	lsok lfonk@ ukfVl vof/k foPNsnu 'kYd
1. d- jfo dqekj	1942607*	602546	1197681	133200	3876034	दिनांक 30.09.2009 को कार्यभार मुक्त
2. ch- iz lkn jko	1090369	1091177	1017459	133200	3332205	—
3. lh-, l- oek	987242	1014843	1001288	133200	3136573	चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त होने योग्य
4. vfuy lpno	1075747	922173	837461	133200	2968581	चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त होने योग्य
5. vrqy ljk;k	947608	836852	1047706	115456	2947622	चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त होने योग्य
6. vk-ih- HkVkuh	947736	1014642	764931	122100	2849409	चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त होने योग्य

* इसमें सेवानिवृत्ति पर अवकाश नकदीकरण शामिल है।

vi. o"k 2009&10 d nkjku Lora= funs'kdk dk fd, x, Hkqxrkuk dk C;kjk uhp fn;k x;k g&

¼#i;k e½

Lora= funs'kdk dk uke lo@Jh	cBd Qhl		dqy
	funs'kd eMy dh cBd	lfefr dh cBd	
e/kdj	40,000/-	30,000/-	70,000/-
, l- jfo	1,10,000/-	1,00,000/-	2,10,000/-
v'kksd dqekj cl	70,000/-	45,000/-	1,15,000/-
,e-,- iBku	80,000/-	85,000/-	1,65,000/-
Jherh jsok u¸;j	80,000/-	90,000/-	1,70,000/-
'k[kj nÙkk	30,000/-	0	30,000/-
oh-d- t;jFk	20,000/-	0	20,000/-

स्वतंत्र निदेशक उनके द्वारा भाग ली गई निदेशक मंडल/समिति की प्रत्येक बैठक 10,000/– रुपये की दर पर बैठक फीस के हकदार थे। तथापि, निदेशक मंडल ने दिनांक 21 जनवरी, 2010 को हुई अपनी 422वीं बैठक में बैठक फीस को निदेशक मंडल की प्रति बैठक बढ़ाकर 20,000/– रुपये और निदेशक मंडल स्तर की समिति की प्रति बैठक 15,000/– रुपये करने का अनुमोदन प्रदान किया।

vii. funs'kdk }kjk /kkfjr bfDoVh 'k;j

यहां नीचे वर्णित को छोड़कर कोई भी निदेशक बीएचईएल में कोई इक्विटी शेयर धारित नहीं करता है (दिनांक 31 मार्च, 2010 को)

funs'kd dk uke	/kkfjr 'k;jk dh l[;k
Jh ch- iz lkn jko	400
Jh vrqy ljk;k	200

वर्ष 2009–10 के दौरान कंपनी ने कोई स्टॉक ऑप्शन जारी नहीं किया है।

5. 'k;j/kkjd lfefr

5.1 'k;j vrj.k lfefr

निदेशक मंडल ने दिनांक 25 मार्च, 1992 को एक शेयर अंतरण समिति गठित की थी, जिसमें कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (पावर) और निदेशक (वित्त) शामिल थे।

शेयर अंतरण समिति डीमैट मोड के अधीन लाभार्थी की स्थिति का ध्यान रखने के अतिरिक्त सभी शेयर संबद्ध मुद्दों, शेयरों के अंतरण/प्रेषण, वास्तविक मोड में शेयर प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति जारी करने आदि पर विचार कर अनुमोदित करती है।

o"k 2009&10 d nkjku cBd

शेयर अंतरण समिति की वर्ष के दौरान 20 बार बैठक हुई। शेयर अंतरण समिति की बैठकों का कार्यवृत्त आवधिक रूप से निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है।

5.2 'k;j/kkjd@fuo'kd f'kdk;r lfefr

शेयरधारक/निवेशक शिकायत समिति का गठन विशेष रूप से शेयरों के अंतरण, तुलन–पत्र, लाभांश की अप्राप्ति जैसी शेयरधारकों/निवेशकों की शिकायतों और शेयरधारकों की अन्य संगत शिकायतों से संबद्ध मामलों पर गौर करने के लिए दिनांक 26 जुलाई, 2001 को किया गया था।

समिति में निम्नलिखित निदेशक शामिल हैं:

fun'kd dk uke lo@Jh	in	bud dk;dky d nkjku gbZ cBdk dh l[;k	Hkkx yh xbZ cBdk dh l[;k
e/kdj (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक) (दिनांक 04.07.2009 तक)	अध्यक्ष	1	1
Jherh jok u¸;j (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	अध्यक्षा (दिनांक 22.07.2009 से)	3	3
निदेशक (वित्त)	सदस्य	4	4
निदेशक (मा.सं.)	सदस्य	4	4

कंपनी सचिव स्टॉक एक्सचेंज के साथ सूचीकरण करार के खण्ड 47 के अनुसार अनुपालन अधिकारी हैं।

o"k 2009&10 d nkjku cBd

समिति ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान दिनांक 19 जून, 2009, 10 अगस्त, 2009, 23 अक्तूबर, 2009 तथा 20 जनवरी, 2010 को चार बैठकें आयोजित कीं।

'k;j/kkjdk l ikIr f'kdk;rk dh l[;k

कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्राइवेट लिमिटेड (आरटीए) द्वारा "सेबी" को जैसा सूचित किया गया है, समीक्षाधीन वर्ष के दौरान शेयरधारकों की 679 शिकायतें प्राप्त हुई थीं और दिनांक 31 मार्च, 2010 तक सभी शिकायतों का निपटारा कर दिया गया था। रिपोर्ट की अवधि के अंत में कोई शिकायत लंबित नहीं थी।

6. ekuo lalk/ku lfefr

निदेशक मंडल ने विशेषकर निम्नलिखित मामलों पर गौर करने के लिए दिनांक 31 मई, 2006 को मानव संसाधन समिति का गठन किया।

क. कार्यपालकों के पुरस्कार/प्रोत्साहन तथा पदोन्नति के संबंध में मौजूदा नीतियों की समीक्षा करना।

ख. बीएचईएल को परिवर्तित/उभरते हुए वातावरण के लिए तैयार करने हेतु दीर्घावधि और अल्पकालिक नीतियां सुझाना।

lajpuk] lnL;k vkj v/;{k dk uke

दिनांक 22.07.2009 को यथा पुनर्गठित मानव संसाधन समिति के सदस्यों और अध्यक्ष के नाम निम्नानुसार हैं:

funs'kd dk uke lo@Jh	in
Jherh jsok uk;j (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	अध्यक्षा
jktho cly संयुक्त सचिव – भा.उ.वि. और निदेशक, बीएचईएल	सदस्य
,e-,- iBku (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	सदस्य
निदेशक (वित्त)	सदस्य
निदेशक (मा.सं.)	सदस्य

कंपनी के कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

cSBd vkSj mifLFkfr

वर्ष के दौरान मानव संसाधन समिति की कोई बैठक नहीं हुई।

7- vkesyu ,oa vf/kxzg.k lfefr

निदेशक मंडल ने विशेषकर निम्नलिखित मामलों को देखने के लिए दिनांक 25 जनवरी, 2007 को आमेलन एवं अधिप्राप्ति समिति का गठन किया।

क. आमेलन, अधिग्रहण और नवरत्न पीएसयू के लिए भारत सरकार द्वारा प्रदत्त शक्तियों के संदर्भ में अधिकार प्राप्ति से संबंधित प्रस्तावों की व्यवहार्यता की जांच करना तथा निदेशक मंडल को आवश्यक सिफारिश करना।

ख. बीएचईएल और बैठकों एवं उपस्थिति अवसरों के बीच उचित सहक्रियात्मक एवं कार्यनीतिक निरीक्षण करना और विभिन्न उपयुक्त कार्यों से संबधित सिफारिशों पर निर्णय लेना।

ग. लक्ष्य, निविदा कार्यनीति, टर्मशीट, वित्तीय पद्धति के मूल्यांकन पर विचार करना और शेयर होल्डर तथा शेयर खरीद करार आदि जैसे आवश्यक जटिल दस्तावेजों के संबंध में सिफारिशों को अंतिम रूप देना।

घ. आमेलन एवं अधिग्रहण पश्चात प्रबंधन पुनःसंरचना के मुद्दों, मूल कंपनी के संबंधों तथा अन्य संबद्ध मुद्दों पर मार्गदर्शन प्रदान करना।

l jpuk] lnL;k d uke rFkk v/;{k

आमेलन एवं अधिग्रहण समिति के सदस्यों और अध्यक्ष के नामों का ब्यौरा नीचे दिया गया है–

fun'kd dk uke lo@Jh	in	mud dk;dky d nkjku vk;kftr cBdk dh l[;k	Hkkx yh xb cBdk dh l[;k
jktho cly संयुक्त सचिव – भा.उ.वि. और निदेशक – बीएचईएल	अध्यक्ष	2	2
d- jfo dekj अ. एवं प्र.नि. और निदेशक (पावर) (दिनांक 30.09.2009 तक)	सदस्य	1	0
, l- jfo (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	सदस्य	2	2
निदेशक (आईएस एंड पी)	सदस्य	2	2
निदेशक (वित्त)	सदस्य	2	2
निदेशक (पावर) दिनांक 01.10.2009 से	सदस्य	1	1
निदेशक (इंजी, आरएंडडी) दिनांक 24.12.2009 से	सदस्य	1	1

cBd vkj mifLFkfr

समिति ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 10 अगस्त, 2009 और 12 जनवरी, 2010 को दो बार अपनी बैठकें आयोजित कीं। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का ब्यौरा ऊपर तालिका में दिया गया है।

8- ifj;ktuk leh{kk lfefr

निदेशक मंडल ने निम्नलिखित विचारार्थ विषयों के साथ 25 जनवरी, 2007 को परियोजना समीक्षा समिति का गठन किया है–

क. परियोजना समीक्षा समिति की वर्ष में कम से कम 4 बैठकें होंगी।

ख. बैठक हेतु कोरम तीन सदस्यों का होगा।

ग. परियोजना समीक्षा समिति तिमाही आधार पर 100 करोड़ रुपये और उससे अधिक की परियोजना लागत वाली परियोजनाओं की स्थिति, प्राप्त/अप्राप्त ऑर्डरों, ऊर्जा एवं उद्योग क्षेत्र तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन प्रभाग के संबंध में प्रमुख उपभोक्ता शिकायतों की समीक्षा करेगी।

घ. परियोजना समीक्षा समिति उन कार्यपालकों को समिति की बैठक में आमंत्रित कर सकती है, जिनकी उपस्थिति को वह बैठक में उचित समझे।

ङ परियोजना समीक्षा समिति, जब कभी आवश्यक समझे, पावर सेक्टर, उद्योग क्षेत्र और अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन के संबंध में परियोजना हेतु एवं अन्य संबंधित मुद्दों पर भी निदेशक मंडल को आवश्यक सिफारिश करेगी।

l jpuk rFkk lnL;k vkj v/;{k dk uke

परियोजना समीक्षा समिति के सदस्यों और अध्यक्ष के नामों का ब्यौरा नीचे दिया गया है–

fun'kd dk uke lo@Jh	in	mud dk;dky d nkjku vk;kftr cBdk dh l[;k	Hkkx yh xbl cBdk dh l[;k
,e-,- iBku (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	अध्यक्ष	3	3
v'kkd dekj cl (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	सदस्य	3	3
d- jfo dekj अ. एवं प्र.नि. और निदेशक (पावर) (दिनांक 30.09.2009 तक)	सदस्य	1	1
निदेशक (आईएसएंडपी)	सदस्य	3	2
निदेशक (पावर) दिनांक 01.10.2009 से)	सदस्य	2	2

बीएचईएल के निदेशक मंडल पर भारी उद्योग विभाग के संयुक्त सचिव/अपर सचिव स्थायी आमंत्रिती होंगे और बीएचईएल के अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन प्रमुख को जब भी अपेक्षित हो, आमंत्रित किया जाएगा। कंपनी के कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करेंगे।

cBd vkj mifLFkfr

समिति ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान तीन बार 18 अगस्त, 2009, 22 अक्तूबर, 2009 तथा 24 फरवरी, 2010 को बैठक की। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का ब्यौरा संयुक्त तालिका में दिया गया है।

9- dk;fu"iknu lc) ork ij ikfjJfed lfefr

दिनांक 26.11.2008 के कार्यालय ज्ञापन सं. 2(70)/08–डीपीई (डब्ल्यूसी) द्वारा जारी लोक उद्यम विभाग के दिशानिर्देशों के अनुरूप निदेशक मंडल ने कार्यपालकों और गैर–यूनियन वाले पर्यवेक्षकों में बोनस/परिवर्ती वेतन तथा उसके वितरण की नीति पर निर्णय लेने के लिए दिनांक 23 अप्रैल, 2009 को कार्यनिष्पादन संबद्ध वेतन पर पारिश्रमिक समिति गठित किया।

cBd] mifLFkfr] l jpuk] lnL;k vkj v/;{k dk uke

समिति ने वर्ष के दौरान दिनांक 7 जनवरी, 2010 को एक बार बैठक की। कार्यनिष्पादन संबद्ध वेतन पर पारिश्रमिक समिति के सदस्यों, अध्यक्ष के नाम तथा प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का ब्यौरा निम्नानुसार है:

fun'kd dk uke lo@Jh	in	bud dk;dky d nkjku gb cBdk dh l[;k	Hkkx yh xbl cBdk dh l[;k
Jherh jok u;j (अंशकालीक गैर–सरकारी निदेशक)	अध्यक्षा	1	1
, l- jfo (अंशकालीक गैर–सरकारी निदेशक)	सदस्य	1	1
निदेशक (वित्त)	सदस्य	1	1
निदेशक (मा.सं.)	सदस्य	1	1

10. vke cBd

i. fiNyh rhu okf"kd vke cBdk dk LFkku vkj le;

o"k	voLFkku	rkjh[k	le;
foÙkh; o"k 2006&07 ¼43oh okf"kd vke cBd½	फिक्की आडीटोरियम बाराखंबा रोड तानसेन मार्ग नई दिल्ली–110 001	17 सितम्बर, 2007	10.00 बजे पूर्वाह्न
foÙkh; o"k 2007&08 ¼44oh okf"kd vke cBd½	–तदैव–	17 सितम्बर, 2008	10.00 बजे पूर्वाह्न
foÙkh; o"k 2008&09 ¼45oh okf"kd vke cBd½	–तदैव–	17 सितम्बर, 2009	10.00 बजे पूर्वाह्न

ii. fiNyh rhu okf"kd vke cBdk@dk;ikyd vke cBdk e ikfjr fo'k"k ldYik dk C;kjk

कंपनी ने दिनांक 30.04.2007 को हुई कार्यपालक आम बैठक में विशेष संकल्प पारित किए: एक "कंपनी की प्राधिकृत शेयर पूंजी" से संबद्ध अनुच्छेद 4–क में परिवर्तन के लिए और दूसरा "प्रारक्षित तिथि के पूंजीकरण" से संबद्ध नए अनुच्छेद 86क को कंपनी की अंतर्नियमावली में प्रविष्ट करने के लिए।

iii. Mkd eri=

पिछले वर्ष कोई विशेष संकल्प डाक मतपत्र के माध्यम से पारित नहीं किया गया। वर्ष के दौरान डाक मतपत्र के माध्यम से ऐसा कोई संकल्प प्रस्ताव नहीं है।

11. idVhdj.k

i. lc) i{k d lkFk okLrfod :i l egRoi.k yu&nu dk idVhdj.k] ftl d fy, diuh d fgr d fo#) gku dh lHkkouk gkA

कंपनी ने वास्तविक रूप से महत्वपूर्ण संबद्ध पक्ष के साथ कोई लेन–देन नहीं किया है, जिनका कंपनी के हित के विरुद्ध होने की संभावना हो। फिर भी द्वि–पक्षों के साथ लेन–देनों को वार्षिक रिपोर्ट में लेखे की अनुसूची 19 की टिप्पणी सं. 20 में प्रकट किया गया है।

ii. fiNy rhu o"kk d nkjku ith ckt kj d lc/k e diuh ij yxk, x, xj&vuikyu@nM vkj vkykpuk

पिछले तीन वर्षों में कंपनी पर न तो कोई दंड लगाया गया है अथवा न तो आलोचना की गई और न ही ऐसी कोई गैर अनुपालन की घटना हुई है। कंपनी कानूनों के अनुपालन और अनुरूपता के संबंध में उच्चतम मानक निर्धारित किए हैं ओर संविधि द्वारा निर्दिष्ट समयसीमा के पूर्व सभी अनुपालन किए जाते हैं।

iii. f0gfly Cykvj uhfr

बीएचईएल ने कर्मचारियों के लिए अभी तक व्हिसिल ब्लोअर नीति स्थापित नहीं की है। फिर भी, किसी भी कार्मिक को लेखापरीक्षा समिति तक पहुंच को नहीं नकारा गया है।

iv. bl [kM dh vfuok;l vi{kkvk d vuikyu vkj xj&vfuok;l vi{kkvk dk viuku dk C;kjk

सूचीकरण करार के खंड 49 में यथादर्शित सभी अनिवार्य आवश्यकताओं का कंपनी द्वारा अनुपालन किया गया है। इसका ब्यौरा इस रिपोर्ट में उपयुक्त स्थानों में दिया गया है।

खंड 49 में आगे वर्णन है कि गैर–अनिवार्य अपेक्षाओं को हमारे विवेकानुसार कार्यान्वित किया जाए। कंपनी निवेशकों के पारिश्रमिक के विशिष्ट पहलुओं को अनुमोदित करने के लिए एक पारिश्रमिक समिति गठित कर चुकी है। अन्य गैर–अनिवार्य अपेक्षाओं का इस कंपनी द्वारा आवश्यकता आधार पर धीरे–धीरे अनुपालन किया जाएगा।

v. tkf[ke izca/ku

जोखिम मूल्यांकन और इसे कम करने की प्रक्रिया के ढांचे की निदेशक मंडल द्वारा समीक्षा की गई है, जिसमें परामर्शदाता की नियुक्ति का सुझाव दिया गया है। परामर्शदाता की नियुक्ति कर दी गई है और उनके द्वारा 12 महीनों में परियोजना पूरी करना प्रत्याशित है।

vi. dkjiksjsV vfHk'kklu ij ys[kkijh{kd dk izek.ki=

कारपोरेट अभिशासन पर लेखापरीक्षक का प्रमाणपत्र संलग्न है।

12. foÙkh; vkSj vU; lwpuk dk lEizs"k.k

खंड 41 के अधीन अपेक्षानुसार कंपनी निदेशक मंडल की उस बैठक जिसमें अलेखापरीक्षित/लेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम विचारार्थ होते हैं, के लिए स्टॉक एक्सचेंज को कम से कम 7 दिन पूर्व नोटिस जारी करती है। इसके अतिरिक्त, उक्त परिणाम को तत्काल रिकार्ड पर रखने/अनुमोदित करने के बाद स्टॉक एक्सचेंज को सूचित किए जाते हैं। ये वित्तीय परिणाम सामान्यतः इकॉनामिक टाइम्स और इंडियन एक्सप्रेस (अंग्रेजी) तथा नवभारत टाइम्स और जनसत्ता (हिन्दी) में प्रकाशित किए जाते हैं और उक्त बैठक की समाप्ति के 48 घंटे के भीतर कंपनी की वेबसाइट www.bhel.com पर भी प्रदर्शित किए जाते हैं।

दिनांक 31.03.2010 तक उक्त सूचना "सेबी" एडिफार (इलेक्ट्रॉनिक डाटा इन्फॉरमेशन फाइलिंग एंड रिट्रीवल) वेबसाइट "www.sebiedifar.nic.in" पर और दिनांक 01.04.2010 से सीएफडीएस (कारपोरेट फाइलिंग एंड डिस्सेमिनेशन सिस्टम) वेबसाइट "www.corpfiling.co.in", जहां वे किसी व्यक्ति द्वारा मुक्त रूप से पहुंच योग्य हैं, पर भी दर्ज की जाती है।

बड़े ऑर्डरों की प्राप्ति तथा साथ ही निवेशकों की आवधिक बैठकों में निवेशकों और विश्लेषकों को किए गए प्रस्तुतिकरणों जैसे महत्वपूर्ण अवसरों सहित आधिकारिक समाचार विज्ञप्तियां कंपनी की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित की जाती हैं।

13. 'ks;j/kkjd ds fy, lkekU; lwpuk

i.	okf"kZd vke cSBd ¼rkjh[k] le; vkSj LFkku½		
	rkjh[k@le; 17 सितंबर, 2010 प्रातः 10.00 बजे		LFkku फिक्की ऑडिटोरियम बाराखंबा रोड, (तानसेन मार्ग), नई दिल्ली–110 001.
ii.	foÙk o"kZ	&	1 अप्रैल, 2009 से 31 मार्च, 2010
iii.	[kkrk cUnh dh rkjh[k	&	3 सितंबर, 2010 से 17 सितंबर, 2010 (दोनों दिन मिलाकर)
iv.	ykHkka'k Hkqxrku dh rkjh[k	&	दिनांक 16 अक्तूबर, 2010 को अथवा इससे पूर्व

v. ykHkka'k dk C;kjk

लाभांश भुगतान के संबंध में बीएचईएल ^fLFkjrk ,oa of)* नीति अपनाता रहा है। विगत 10 वर्षों के दौरान बीएचईएल द्वारा भुगतान किए गए लाभांश और 31.03.2010 तक दावा न की गई लाभांश राशि का सारांश निम्नलिखित है–

o"kZ	ykHkka'k dh nj	'k;jk dh l-	Hkxrku fd, x, ykHkka'k dh dqy jkf'k ¼#-½	okf"kd vke cBd dh rkjh[k] ftlea ykHkka'k dh ?kk"k.kk dh xbZ	31-03-2010 dk vnkokÑr ykHkka'k ¼#i;½	vkbZbZihQ ea vrj.k dh fy, iLrkfor rkjh[k
2000-2001	30 प्रतिशत	244760000	734280000	28.09.2001	निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में पहले से अंतरित	
2001-2002	40 प्रतिशत	244760000	979040000	30.09.2002	निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में पहले से अंतरित	
2002-2003	40 प्रतिशत	244760000	979040000	30.09.2003	471732	28.10.2010
2003-2004 ¼varfje½	30 प्रतिशत	244760000	734280000	01.03.2004*	273165	29.03.2011
2003-2004 ¼vfre½	30 प्रतिशत	244760000	734280000	28.09.2004	219693	26.10.2011
2004-2005 ¼varfje½	35 प्रतिशत	244760000	856660000	10.12.2004*	270210	07.01.2012
2004-2005 ¼vfre½	45 प्रतिशत	244760000	1101420000	29.09.2005	339317	27.10.2012
2005- 2006 ¼varfje½	40 प्रतिशत	244760000	979040000	07.12.2005*	270156	04.01.2013
2005- 2006 ¼fo'ks"k varfje½	85 प्रतिशत	244760000	2080460000	07.03.2006*	526932	04.04.2013
2005-2006 ¼vfre½	20 प्रतिशत	244760000	489520000	15.09.2006	162988	13.10.2013
2006-2007 ¼varfje½	125 प्रतिशत	244760000	3059500000	25.01.2007*	881004	22.02.2014
2006-2007 ¼vfre½	60 प्रतिशत	489520000	2937120000	17.09.2007	1039488	15.10.2014
2007-2008 ¼varfje½	90 प्रतिशत	489520000	4405680000	25.01.2008*	1712727	22.02.2015
2007-2008 ¼vfre½	62.5 प्रतिशत	489520000	3059500000	17.09.2008	1803696	15.10.2015
2008-2009 ¼varfje½	90 प्रतिशत	489520000	4405680000	29.01.2009*	2584791	26.02.2016
2008-2009 ¼vfre½	80 प्रतिशत	489520000	3916160000	17.09.2009	1708728	15.10.2016
2009-2010 ¼varfje½	110 प्रतिशत	489520000	5384720000	21.01.2010*	3831663	18.02.2017

*निदेशक मंडल की बैठक की वह तारीख, जिसमें अंतरिम लाभांश घोषित किया गया।

vi LVkWd ,Dlpstksa esa lwphdj.k vkSj LVkWd dksM

बीएचईएल के शेयर निम्नलिखित स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध है, जिसके लिए वर्ष 2009–10 हेतु सूचीकरण फीस का भुगतान किया गया है।

	LVkWd ,Dlpsat dk uke	LVkWd dksM
1-	बम्बई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड फिरोज जिजीभाय, दलाल स्ट्रीट मुंबई – 400 001	500103
2-	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज आफ इंडिया लिमिटेड "एक्सचेंज प्लाजा" सी–1, ब्लॉक–जी, बांद्रा कुर्ला काम्प्लेक्स, बांद्रा (ईस्ट), मुंबई – 400 051	बीएचईएल

vii. bfDoVh 'ks;jksa dks lwph ls gVkuk

बीएचईएल ने दिनांक 3 नवंबर, 2004 को कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज एसोसिएशन लिमिटेड के पास आवश्यक आवेदन दाखिल किया था। कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज एसोसिएशन लिमिटेड से सूची से हटाने का अनुमोदन अभी तक प्रतीक्षित है। तथापि, बीएचईएल ने न तो वर्ष 2009–10 के लिए सूचीकरण फीस का भुगतान किया है और न ही यह सूचीकरण करार के अनुसार दिनांक 1 अप्रैल, 2005 से कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज को भेजे जाने के लिए अपेक्षित कोई विवरणी/रिपोर्ट/दस्तावेज आदि दाखिल कर रहा है।

viii. ch,lbl lpdkd] ch,lb] ih,l;w lpdkd vkj ,l,Mih lh,u,Dl fu¶Vh lpdkd tSls ogn vk/kkj okys lpdkdk dh rqyuk esa cktkj eY; vkdMk vkj fu"iknu fuEukuqlkj g&

ch,pbZ,y cuke ch,lbZ lsalsDl lpdkd

बीएसई सेंसेक्स की तुलना में cEcbZ LVkd ,Dlpst ¼ch,lb½ में दिनांक 31 मार्च, 2010 को समाप्त पिछले वित्तीय वर्ष में प्रत्येक माह के दौरान बीएचईएल के उच्च और निम्न बाजार शेयर मूल्य, व्यापार में किए गए शेयरों की संख्या और निवल कुल कारोबार का सारांश निम्नानुसार है–

eghuk	ch,pbZ,y esa ch,lbZ dk 'k;j eY; ¼#½		ch,lbZ lsalsDl ¼#½		dkjkckj fd, x, 'k;jka dh la[;k	fuoy dkjkckj ¼#i;s yk[k esa½
	mPp	fuEu	mPp	fuEu		
vizSy&09	1,709.00	1,450.20	11,492.10	9,546.29	57,47,127	90425.14
ebZ&09	2,334.00	1,572.30	14,930.54	11,621.30	50,58,116	95909.16
tw u&09	2,385.50	2,008.00	15,600.30	14,016.95	41,07,612	89881.60
tqykbZ&09	2,405.00	1,940.00	15,732.81	13,219.99	44,99,184	97278.64
vxLr&09	2,368.00	2,106.00	16,002.46	14,684.45	28,72,252	64905.53
flrEcj&09	2,334.00	2,180.00	17,142.52	15,356.72	26,15,956	59009.69
vDrwcj&09	2,550.00	2,184.90	17,493.17	15,805.20	26,69,151	64416.40
uoEcj&09	2,300.30	2,105.00	17,290.48	15,330.56	21,58,387	48222.12
fnlEcj&09	2,427.00	2,190.00	17,530.94	16,577.78	27,00,857	61898.74
tuojh&10	2,454.00	2,240.00	17,790.33	15,982.08	20,20,797	47848.06
Qjojh&10	2,435.00	2,271.40	16,669.25	15,651.99	13,57,271	32068.75
ekpZ&10	2,474.00	2,323.00	17,793.01	16,438.45	17,78,426	42772.09

स्रोत: www.bseindia.com

2009–10 के दौरान बीएचईएल के शेयर मूल्य (उच्च) की तुलना में बीएसई सूचकांक (उच्च) का निष्पादन

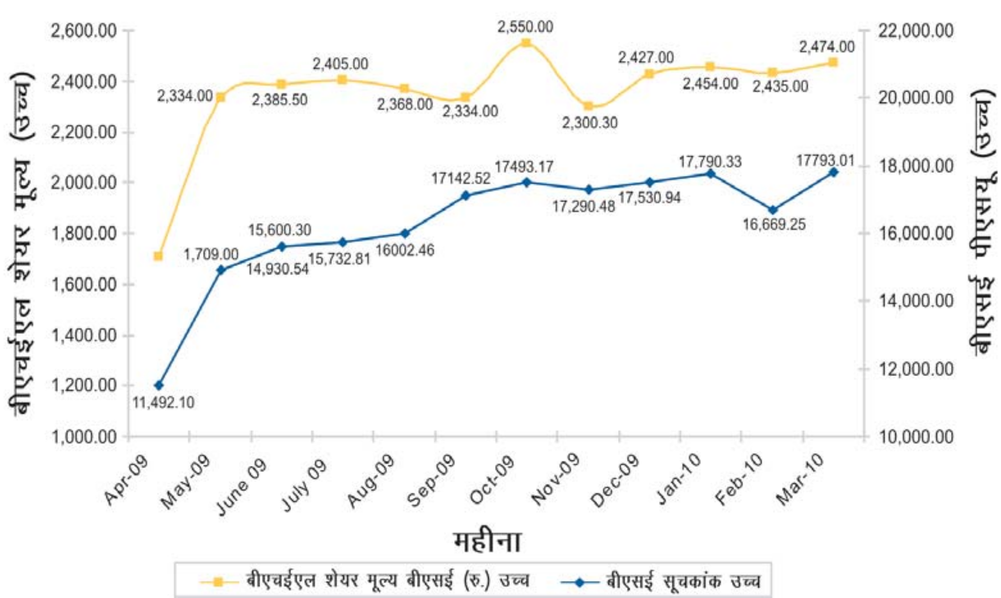

ch,pbZ,y dh rqyuk esa ch,lbZ ih,l;w lwpdkad

दिनांक 31 मार्च, 2010 को समाप्त पिछले वित्तीय वर्ष में प्रत्येक माह के दौरान बीएसई सूचकांक की तुलना में cEcbZ LVkd ,DlpsUt fyfeVsM ¼ch,lbZ½ पर बीएचईएल के उच्च और निम्न बाजार शेयर मूल्य का सारांश निम्नानुसार है–

eghuk	ch,lbZ esa ch,pbZ,y 'ks;j ewY; ¼#-½		ch,lbZ ih,l;w lwpdkad	
	mPp	fuEu	mPp	fuEu
vizSy&09	1,709.00	1,450.20	6,197.21	5,156.76
ebZ&09	2,334.00	1,572.30	8,534.38	5,897.97
twu&09	2,385.50	2,008.00	8,877.59	7,558.64
tqykbZ&09	2,405.00	1,940.00	8,443.78	7,250.95
vxLr&09	2,368.00	2,106.00	8,596.84	7,937.23
flrEcj&09	2,334.00	2,180.00	8,928.11	8,208.81
vDrwcj&09	2,550.00	2,184.90	9,324.66	8,375.05
uoEcj&09	2,300.30	2,105.00	9,371.37	8,150.29
fnlEcj&09	2,427.00	2,190.00	9,562.18	9,050.29
tuojh&10	2,454.00	2,240.00	10,287.24	9,217.76
Qjojh&10	2,435.00	2,271.40	9,685.36	9,088.70
ekpZ&10	2,474.00	2,323.00	9,438.78	8,899.42

स्रोतः www.bseindia.com

2009–10 के दौरान बीएचईएल के शेयर मूल्य (उच्च) की तुलना में बीएसई पीएसयू सूचकांक (उच्च) का निष्पादन

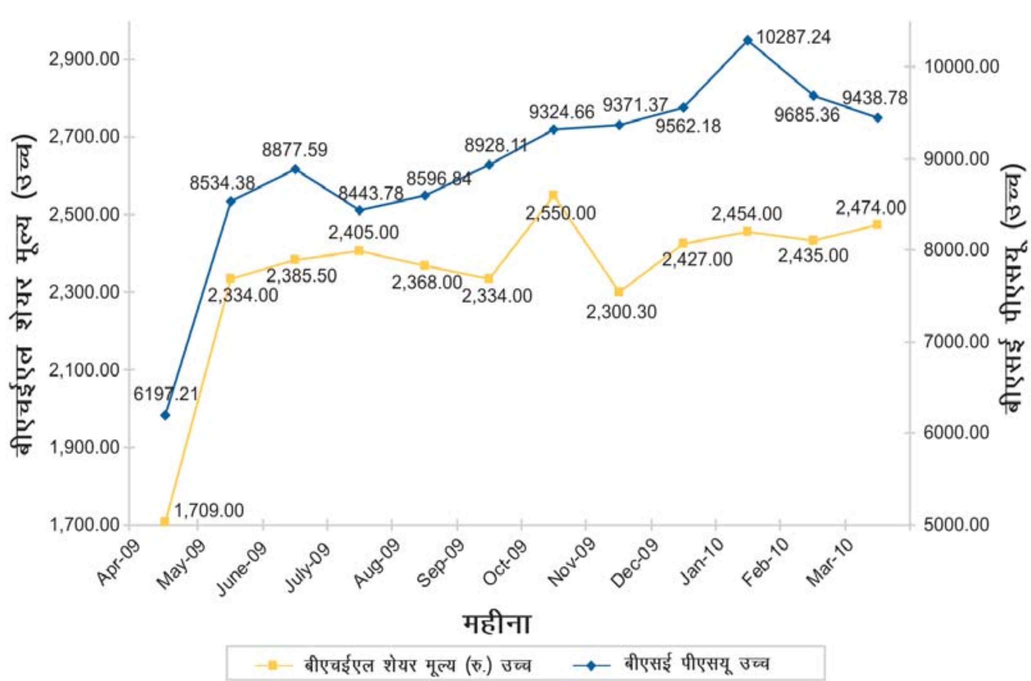

ch,pbZ,y cuke ,l,.Mih lh,u,DI fuÝVh

दिनांक 31 मार्च, 2010 को समाप्त पिछले वित्तीय वर्ष में प्रत्येक माह के दौरान एसएंडपी सीएनएक्स निफ्टी की तुलना में दि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) पर बीएचईएल के शेयर के बाजार मूल्य का उच्च और निम्न, व्यापार किए गए शेयर और निवल कुल कारोबार का सारांश निम्नानुसार है–

eghuk	ch,pbZ,y 'k;j eY; & jk-l-l- e (#-)		,u,lbZ fuÝVh		dkjkckj fd, x, 'k;jksa dh l[;k	fuoy dkjkckj (#i;s yk[k esa)
	mPp	fuEu	mPp	fuEu		
vizSy&09	1,699.00	1447.00	3,517.25	2,965.70	27947479	440227.27
ebZ&09	2,400.00	1570.10	4,509.40	3,478.70	28678540	550987.04
twu&09	2,388.00	2,001.00	4,693.20	4,143.25	24340656	529228.16
tqykbZ&09	2,296.00	1922.70	4,669.75	3,918.75	20484384	442603.11
vxLr&09	2,368.00	2,105.00	4,743.75	4,353.45	14740860	332775.26
flrEcj&09	2,339.00	2,176.25	5,087.60	4,576.60	16387745	369985.25
vDrwcj&09	2,550.00	2,182.55	5,181.95	4,687.50	15871840	380520.14
uoEcj&09	2,305.00	2,103.05	5,138.00	4,538.50	15211410	340194.82
fnlEcj&09	2,429.85	2,188.00	5,221.85	4,943.95	17282219	395723.70
tuojh&09	2,455.00	2,236.40	5,310.85	4,766.00	12365946	292954.17
Qjojh&09	2,435.00	2,270.10	4,992.00	4,675.40	9586994	226585.56
ekpZ&09	2,474.50	2,324.00	5,329.55	4,935.35	12182979	292184.76

स्रोत: www.nseindia.com

2009–10 में बीएचईएल शेयर मूल्य (उच्च) का एस एंड पीं सीएनएक्स निफ्टी (उच्च) की तुलना में निष्पादन

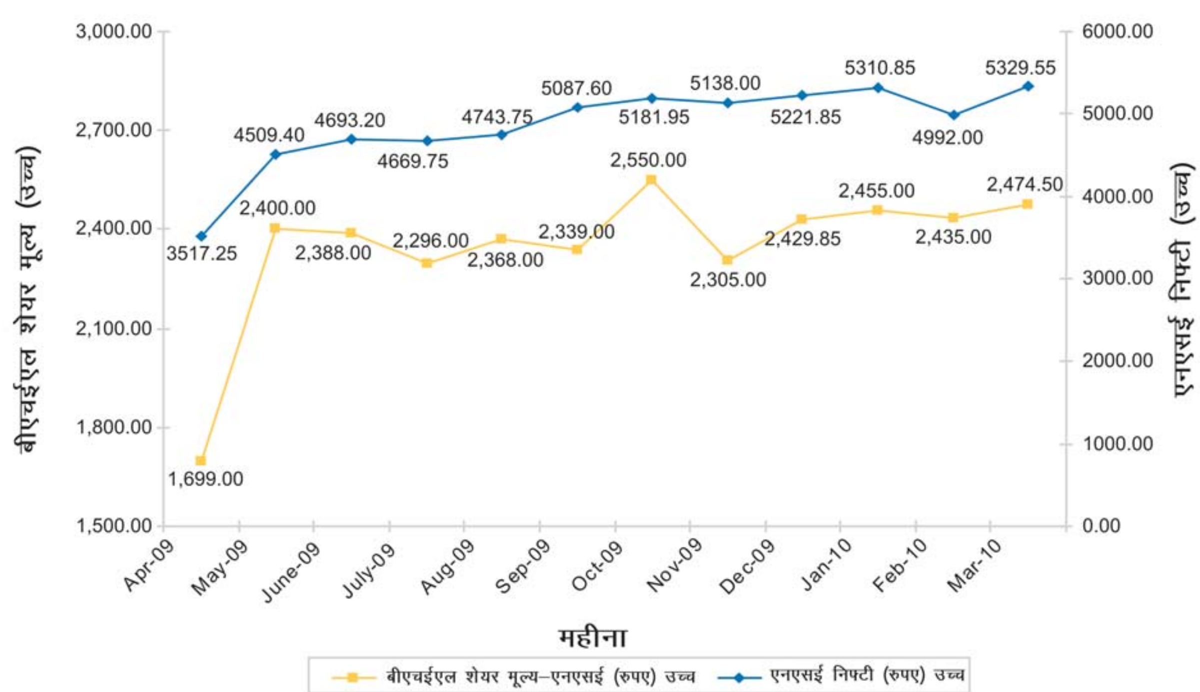

ix. vkrfjd 0;kikj ij uhfr

बीएचईएल का प्रयास है कि अप्रकाशित मूल्य संवेदी सूचना की गोपनीयता को बनाए रखा जाए ताकि इस प्रकार की सूचना के दुरुपयोग की रोकथाम की जा सके। इस प्रयोजन के लिए तथा सेबी (आंतरिक व्यापार निषेध) विनियमन, 1992 के अनुसार कंपनी ने 26 अगस्त, 2002 को ''आंतरिक व्यापार की रोकथाम के लिए आचार संहिता'' को अपनाया था।

नवंबर, 2008 को जारी सेबी (आंतरिक व्यापार निषेध) (संशोधन) विनियमन, 2008 के अनुपालनार्थ बीएचईएल ने अपनी ''आंतरिक व्यापार की रोकथाम के लिए आचार संहिता'' को संशोधित किया था। बीएचईएल की संशोधित ''आंतरिक व्यापार की रोकथाम के लिए आचार संहिता'' 29 जनवरी, 2009 को लागू की गई थी। इस संहिता का उद्देश्य अंतरंगों (निदेशक, पदनामित कर्मचारी और अन्य संबद्ध व्यक्ति) को विनिर्दिष्ट सीमाओं से बाहर कंपनी के शेयरों क्रय–विक्रय से रोकना है तथा संहिता में दी गई परिभाषा के अनुसार उनसे समय–समय पर संबंधित सूचना को प्रकट करना अपेक्षित है। निदेशक मंडल ने निदेशक (वित्त) को संहिता के अंतर्गत अनुपालन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

x. jftLVªkj vkj 'k;j vrj.k ,tV ¼vkjVh,½

eSl tS dkohZ dEI;wVj'ks;j çkboV fyfeVsM

fnYyh dk irk	gSnjkckn irk
यूनिट ½ ch,pbZ,y	यूनिट : ch,pbZ,y
105–108, अरूणाचल बिल्डिंग,	17–24, विट्ठल राव नगर, माधापुर,
19, बाराखंबा रोड,	हैदराबाद–500 081
नई दिल्ली–110 001	फोन : 040–44655000
फोन : 011–23324401	फैक्स : 040–44655024
43681700/01/02/21	ई–मेलः madhusudhan@karvy.com
फैक्स : 011–23730743	mailmanager@karvy.com
ई–मेलः ksbldelhi@karvy.com	

शेयरधारकों की सेवा के लिए आरटीए का निष्पादन संतोषजनक रहा है। निवेशकों की सभी शिकायतों का तत्काल निराकरण किया गया है

xi. 'k;j vrj.k i)fr

प्रत्यक्ष खंड के अधीन संपूर्ण शेयर अंतरण संबंधी कार्यकलाप यथा दस्तावेजों की प्राप्ति/प्रॉक्स, उनका सत्यापन और अंतरण इस प्रकार कार्वी कम्प्यूटर शेयर प्रा. लिमिटेड द्वारा किए जाते हैं। शेयर अंतरण प्रणाली के अंतरिती से अंतरण विलेख के साथ शेयरों की प्राप्ति, उसका सत्यापन, अंतरण समित द्वारा उसके अनुमोदन और सूचीकरण करार के अनुसार, निर्धारित समय के भीतर अंतरितियों को अंतरित प्रमाणपत्र भेजने जैसे कार्यकलाप शामिल हैं।

xii. 'k;j/kkfjrk dk forj.k

¼d½ 31 ekpZ 2010 dks /kkfjrk ds vkdkj ds vuqlkj 'k;jksa dk forj.k

èkkfjrk bfDoVh 'k;jksa dh la-	'k;j èkkjdksa dh la[;k	'k;j èkkjdksa dk çfr'kr	'k;jksa dh la[;k	'k;jèkkfjrk dk çfr'kr
1 – 500	207185	98.56	6877471	1.41
501 – 1000	1283	0.61	971617	0.20
1001 – 2000	559	0.26	834819	0.17
2001 – 3000	157	0.07	396382	0.08
3001 – 4000	86	0.04	306205	0.06
4001 – 5000	68	0.03	310598	0.06
5001 – 10000	159	0.07	1194894	0. 24
10001 एवं ऊपर	707	0.33	478628014	97.78
dqy ½	**210204**	**100.00%**	**489520000**	**100.00%**

¼[k½ 31 ekp] 2010 dk vulkj 'k;jèkkfjrk dk Lo:i

J.kh	2010		2009	
	er l- ¼çfr'kr½	èkkfjrk 'k;jka dh l-	er l- ¼çfr'kr½	èkkfjrk 'k;jka dh l-
çorpdka dh èkkfjrk				
Hkkjrh; çorpd				
- भारत के राष्ट्रपति	67.72	331510000	67.72	331510000
- भारत के राष्ट्रपति के नामिती	0.00	400	0.00	400
dqy çorpd èkkfjrk	**67.72**	**331510400**	**67.72**	**331510400**
xSj&çorpd fuos'kd				
संस्थागत निवेशक				
म्युचुअल फंड तथा यूटाआई	6.84	33484614	5.14	25168090
बैंक, वित्तीय संस्थान, बीमा कंपनियां	4.21	20618943	4.01	19619712
विदेशी संस्थागत निवेशक	15.21	74435163	17.03	83379194
vU;				
निवेशक तथा संबंधी	0.00	600	0.00	400
निजी कॉर्पोरेट निकाय	4.13	20204090	3.86	18875727
भारतीय जनता	1.68	8250713	1.97	9604223
विदेशी नागरिक	0.00	0	0.00	1250
एनआरआई/ओबीसी	0.11	526431	0.12	609975
ट्रस्ट	0.02	88785	0.00	13657
ट्रांजिट में शेयर (एनएसडीएल/सीडीएसएल)	0.08	400261	0.15	737372
dqy xSj&çorpd èkkfjrk	**32.28**	**158009600**	**32.28**	**158009600**
dqy tksM	**100.00**	**489520000**	**100.00**	**489520000**

दिनांक 31 मार्च, 2010 को शेयरधारिता पैटर्न

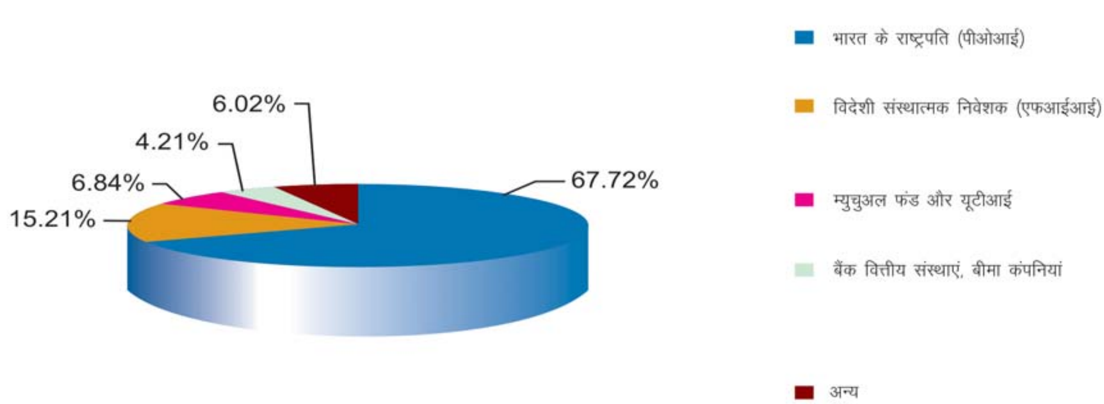

¼x½ mu 'ks;jèkkjdksa dh lwph tks fnukad 31 ekpZ] 2010 dks dEiuh ds 'ks;jksa dk 1 çfr'kr ls vfèkd èkkfjr djrs gSaA

J.kh rFkk 'ks;jèkkjdksa ds uke	2010		2009	
	er ls- ¼çfr'kr½	èkkfjr 'ks;jksa dh la-	er ls- ¼çfr'kr½	èkkfjr 'ks;jksa dh la-
çorZd				
1. भारत के राष्ट्रपति	67.72	331510400	67.72	331510400
xSj&çorZd				
1. भारतीय जीवन बीमा निगम	3.22	15744760	5.02	24566152
2. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ	1.75	8581568	1.64	8046925
3. भारतीय जीवन बीमागत मनीप्लस	1.15	5635508	Nil	Nil

xiii. 'ks;jksa vkSj udnh fufèk dk vewrZdj.k

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) के निर्देशों के अनुसार सभी श्रेणियों के निवेशकों द्वारा, बीएचईएल के शेयरों का अमूर्त (डीमैट) रूप में व्यापार दिनांक 3 अप्रैल, 1999 से अनिवार्य कर दिया गया है। बीएचईएल ने देश के दोनों निक्षेपागारों अर्थात नेशनल सिक्योरिटीज डिपाजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) और सेंट्रल डिपाजिटरी सिक्योरिटीज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) के साथ अपनी प्रतिभूतियों के डीमैट रूप में प्रवेश के लिए करार निष्पादित किया है। दिनांक 31 मार्च, 2009 को बीएचईएल की कुल इक्विटी शेयर पूंजी 32.19 प्रतिशत को शेयरधारकों ने अमूर्त करा लिया है और एनएसडीएल/सीडीएसएल के नाम से धारित है। कंपनी को आबंटित अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभूति पहचान संख्या (आईएसआईएन) आईएनई 257,01018 है।

दिनांक 31 मार्च, 2010 को निक्षेपागारों द्वारा धारित शेयर

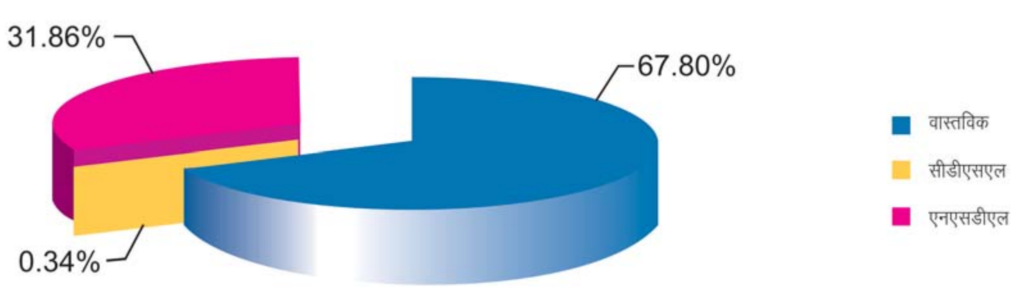

xiv. 0;; thMhvkj@,Khvkj@okjaV vFkok vU; dkbZ ifjorZu dh rkjh[k vkj bfDoVh ij lEHkkfor çHkkoA

शून्य

xv. lykaV LFky

ch,pbZ,y mRiknu ;wfuVs	बंगलौर	1. इलेक्ट्रानिक्स डिवीजन
		2. इलेक्ट्रानिक्स सिस्टम डिवीजन
		3. इलेक्ट्रो पोर्सलीन डिवीजन
	भोपाल	4. हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट
	गोइंडवाल	5. इंडस्ट्रियल वाल्व्स प्लांट
	हरिद्वार	6. हेवी इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट प्लांट
		7. सेंट्रल फाउंडरी फोर्ड प्लांट
	हैदराबाद	8. हेवी पावर इक्विपमेट प्लांट
	जगदीशपुर	9. इंसुलेटर प्लांट
		10. सेन्ट्रल स्टैम्पिंग यूनिट
	झांसी	11. ट्रांसफार्मर प्लांट
	रूद्रपुर	12. कम्पोनेंट फैब्रीकेशन प्लांट
	रानीपेट	13. बॉयलर ऑग्लीलियरीज प्लांट
	त्रिचिरापल्ली	14. हाई प्रेशर बॉयलर प्लांट
		15. सीमलेस स्टील ट्यूब प्लांट
ch,pbZ,y fjis;j ;wfuVs	मुम्बई	1. इलेक्ट्रिकल मशीन रिपेयर प्लांट
	वाराणसी	2. हेवी इक्विपमेंट रिपेयर प्लांट
ch,pbZ,y lgk;d daiuh	विशाखापट्टनम	1. भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड

xvi. i=kpkj dk fy, irk

शेयरधारक शेयरों के अंतरण/अमूर्तकरण, शेयरों पर लाभांश भुगतान, लाभांश वारंटी को पुनःवैधीकरण और कंपनी के शेयरों से संबंधित अन्य पूछताछ के लिए शेयरधारक अपने पत्र निम्नांकित में से किसी को भी प्रेषित कर सकते हैं –

श्री आई.पी. सिंह
कम्पनी सचिव
बीएचईएल
रजि. कार्यालय– बीएचईएल हाउस, सीरीफोर्ट
नई दिल्ली–110 049

फोन : 011–66337501
फैक्स : 011–66337533
ई–मेल : inder@bhel.in

अथवा

dkohZ dEI;wVj'kS;j çkboV fyfeVsM

यूनिट : ch,pbZ,y

fnYyh % 105–108, अरूणाचल बिल्डिंग, 19, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली–110 001
फोन : 011–23324401, 43681700/01/02/21
फैक्स : 011–23730743
ई–मेल : ksbldelhi@karvy.com

gSnjkckn % 17–24, विट्ठलराव नगर, माधापुर, हैदराबाद–500 081
फोन : 040–44655000
फैक्स : 040–44655024
ई–मेल : madhusudhan@karvy.com
mailmanager@karvy.com

uksV% इलेक्ट्रानिक मोड में शेयरधारित करने वाले शेयरधारकों को सभी पत्राचार अपने संबंधित निक्षेपागार के साथ करना चाहिए।

Äks"k.kk% स्टॉक एक्सचेंज के साथ सूचीकरण करार के खंड 49(घ) के अनुसरण में एतदद्वारा यह घोषणा की जाती है कि निदेशक मंडल के सभी सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने 'वित्तीय वर्ष 2009–10 के लिए बीएचईएल की व्यवसाय' आचरण और नैतिकता की संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।

कृते निदेशक मंडल की ओर से
Hkkjr gsoh bySfDVªdYl fyfeVsM

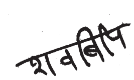

ch- iz lkn jko
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 23.07.2010

e[; dk;Zikyd vf/kdkjh vkj lh,Qvk çek.khdj.k

सेवा में,

निदेशक मंडल,
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
नई दिल्ली

(क) हमने दिनांक 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के वित्तीय विवरण और नकद प्रवाह विवरण की समीक्षा की है और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार–

(i) इन विवरणों में वास्तविक रूप से कोई असत्य विवरण नहीं है अथवा किसी वास्तविक तथ्य को नहीं हटाया गया है या ऐसा कोई विवरण निहित नहीं, जो भ्रामक हो।

(ii) ये विवरण एक साथ कंपनी के कार्य का सही और उचित दृश्य प्रस्तुत करते हैं और ये मौजूदा लेखाकरण मानक, लागू कानून और विनियमों के अनुपालन में हैं।

(ख) हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार वर्ष 2009–10 के दौरान कंपनी द्वारा ऐसा कोई लेन–देन नहीं किया गया है जो धोखाधड़ीपूर्ण, गैर–कानूनी अथवा कंपनी की आचरण संहिता के उल्लंघन में हो।

(ग) हम आंतरिक नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए उत्तरदायित्व स्वीकार करते हैं कि हमने कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन किया है और हमने लेखापरीक्षकों और लेखापरीक्षा समिति को ऐसे आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन अथवा प्रचालन में कमियां,अगर कोई हों, जिससे हम अवगत हैं और इन कमियों को सुधारने के लिए किए गए उपायों तथा किए जाने के लिए प्रस्तावित उपायों को बताया है।

(घ) हमने लेखापरीक्षकों और लेखापरीक्षा समिति को निम्नलिखित दर्शाया है–

(i) वर्ष 2009–10 के दौरान आंतरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण परिवर्तन

(ii) वर्ष 2009–10 के दौरान लेखाकरण नीतियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन और उन्हें वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में दर्शाया गया है, और

(iii) धोखाधड़ी के महत्वपूर्ण उदाहरण, जिनसे हम अवगत हैं और कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका रखने वाले प्रबंधन अथवा किसी कर्मचारी की उनमें भागीदारी।

हस्ता./–

¼lh-,l- oekZ½
निदेशक (वित्त)

¼ch- izlkn jko½
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 26.05.2010

dkiksjsV vfHk'kklu ij ys[kkijh{kdk dk çek.ki=

सदस्य,
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
'बीएचईएल हाउस', सीरी फोर्ट
नई दिल्ली

महोदय,

हमने स्टॉक एक्सचेंज के साथ उक्त कंपनी के सूचीकरण करार के खंड 49 में यथानिर्दिष्ट दिनांक 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड द्वारा कॉर्पोरेट अभिशासन की शर्तों के अनुपालन की जांच कर ली है।

कॉर्पोरेट अभिशासन की शर्तों का अनुपालन करना प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारी जांच कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाई गई कार्यविधि और उसके कार्यान्वयन तक सीमित थी। यह न तो लेखापरीक्षा है और न ही कंपनी के वित्तीय विवरणों के संबंध में राय की अभिव्यक्ति।

हमारी राय में सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार निम्नलिखित के अधीन हम उल्लेख करते हैं कि:

सूचीकरण करार का खंड 49.1 (क) यह अपेक्षा करता है कि कंपनी के निदेशक मंडल के कम से कम पचास प्रतिशत स्वतंत्र गैर–कार्यपालक निदेशक होने चाहिए। कंपनी ने कॉर्पोरेट अभिषासन की शर्तों के अधीन यथानिर्धारित निदेशक मंडल की संरचना की शर्तों का अनुपालन किया है। तथापि, स्वतंत्र निदेशकों के कार्यकाल की समाप्ति अथवा निदेशक मंडल से त्यागपत्र देने के कारण आकस्मिक निर्धन रिक्ति की वजह से कंपनी वर्ष के दौरान शर्त पूरा करने में असमर्थ है। तदनुसार कंपनी में वर्ष के दौरान उसके निदेशक मंडल में कार्यपालक और स्वतंत्र गैर–कार्यात्मक निदेशकों का इष्टतम संयोजन नहीं है।

हम प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने ऊपर उल्लिखित सूचीकरण करार में यथानिर्दिष्ट कॉर्पोरेट अभिशासन की शर्तों का पालन किया है।

हम यह भी उल्लेख करते हैं कि यह अनुपालन न तो कंपनी की भविष्यकालीन व्यवहार्यता का और न ही कंपनी के कार्यों को संचालित करने में प्रबंधन की कुशलता अथवा प्रभावशीलता का आश्वासन है।

कृते और उसकी ओर से
(एम एल सूरी एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट

नवीन बंसल

¼uohu caly½
साझेदार
सदस्यता सं. 91922

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 23.07.2010

ÅtkZ lja{k.k

बीएचईएल में ऊर्जा प्रबन्धन एक महत्वपूर्ण थ्रस्ट क्षेत्र है। सकल कारोबार उत्पाद शुल्क के निवल के प्रतिशत लागत के रूप में ऊर्जा लागत पिछले 1.23% की तुलना में वित्तीय वर्ष 2008–09 में 0.99% थी। बीएचईएल निम्नलिखित के माध्यम से ऊर्जा प्रबन्धन पर ध्यान केन्द्रित करता है:

क. ऊर्जा जागरूकता कार्यालय, कारखाना, साइट तथा टाउनशिप में जागरूकता कार्यक्रम चलाना।

ख. ऊर्जा संरक्षण : रिसाव की रोकथाम करने वैकालीक ईंधन का उपयोग करने आदि के द्वारा ऊर्जा संरक्षण हेतु थ्रस्ट क्षेत्रों की पहचान करना।

ग. ऊर्जा दक्षता : मौजूदा प्रणालियों में सुधार करके संगठन के ऊर्जा उपयोग और लागत पर संकलन, विश्लेषण और रिपोर्ट प्रणाली की शुरूआत करना।

घ. नवीकरण ऊर्जा संसाधनों का उपयोग।

वित्तीय वर्ष के दौरान निम्नलिखित मुख्य क्रियाकलाप निष्पादित किए गए :

1) भारत में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह मनाया जाता है। संपूर्ण कम्पनी में (14–21 दिसम्बर 2009) यह सप्ताह मनाया गया और ऊर्जा संरक्षण पर जागरूकता सृजन हेतु विभिन्न क्रियाकलाप आयोजित किए गए।

2) ऊर्जा प्रबन्धन पर नोडल अधिकारियों की बैठक 21 दिसम्बर, 2009 को कार्पोरेट कार्यालय में हुई। नोडल अधिकारियों की गई नई पहलों और अनुसरण की जा रही सर्वोत्तम प्रयासो पर अपने विचारों का आदान–प्रदान किया। इस समूह ने एलईडी के उपयोग का पता लगाने के लिए प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित ''एलईडी एक्सपो'' का दौरा भी किया।

3) बीएचईएल ने डीएचआई द्वारा आयोजित सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों हेतु ऊर्जा दक्षता पर एकदिवसीय सेमिनार में दो मामला अध्ययन ऊर्जा संरक्षण तथा बॉयलर आदि – भाव प्रणालियां – प्रस्तुत किए।

çkS|ksfxdh vkesyu rFkk vuqla/kku ,oa fodkl

vuqla/kku ,oa fodkl

1.	विशिष्ट क्षेत्र जिनमें कंपनी ने अनुसंधान एवं विकास कार्य किया	}	निदेशकों की रिपोर्ट में ''अनुसंधान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी'' के अंतर्गत दिया गया है।
2.	उपर्युक्त अनुसंधान एवं विकास के परिणामस्वरूप प्राप्त किए गए लाभ	}	

3. भविष्य की कार्ययोजना

अनुसंधान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी पर बल दिए जाने वाले प्रमुख क्षेत्र निम्न प्रकार हैं–

- सुपरक्रिटिकल पैरामीटरों का प्रयोग करते हुए अत्यधिक सक्षम पारंपरिक ताप विद्युत संयंत्र
- अल्ट्रा–सुपरक्रिटिकल पैरामीटरों का प्रयोग करते हुए अत्यधिक सक्षम पारम्परिक विद्युत संयंत्र
- ताप विद्युत संयंत्र एवं औद्योगिक उपयोग हेतु एडवांस कंट्रोल एंड इंस्ट्रूमेंटेशन प्लेटफॉर्म
- थर्मल तथा हाइड्रो पावर प्लांट अनुप्रयोग हेतु परफॉर्मेंस एनलाइसिस, डॉयग्नोस्टिक्स एंड ऑप्टिमाइजेशन (पीएडीओ) प्रणालियां
- भारतीय कोयले की विशेषताओं का पता लगाने के लिए कोयला अनुसंधान
- इंटीग्रेटिड गैसीफिकेशन कम्बाइंड साइकल (आईजीसीसी) पावर प्लांट्स
- अंडरग्राउंड कोल गैसिफिकेशन, क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) प्रोजेक्ट्स आदि के उत्सर्जन में कमी के लिए ग्रीन टेक्नोलॉजी
- पल्वराइजर्स
- कम्प्रेशर्स
- उच्च कार्यकुशल बॉयलर फीड पम्प
- एटम्सफीयरिक एंड सर्कुलेटिंग फ्लूडाइज्ड बेड कंल्युशन (सीएफबीसी) बॉयलर्स
- उच्च कार्यकुशलता तथा लम्बी आयु वाले हाइड्रो पावर प्लांट
- एचवीडीसी ट्रांसमिशन सिस्टम, 765केवी, 1200केवी ट्रांसमिशन सिस्टम
- फ्लेक्सीबल ए सी ट्रांसमीशन सिस्टम्स तथा अन्य उपकरण जैसे थाइरिस्टर कंट्रोल्ड सीरीज कम्पनसेशन, फेज शिफ्टिंग ट्रांसफार्मर, स्टेटिक सिंक्रोनाइज्ड कम्पनसेटर (स्टेटकॉम), कंट्रोल्ड शंट रिएक्टर आदि

- आईजीबीटी – ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर में आधारित अनुप्रयोग
- गैस इंसुलेटिड स्विचगीयर
- इंडस्ट्रियल स्टीम टर्बाइन
- कार्यकुशल, विश्वसनीय एवं लाग प्रभावी ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम जैसे डीजल इलेक्ट्रिक लोको के लिए थ्री फेज ए सी ड्राइव सिस्टम
- सोलर, विंड आदि जैसी गैर–परंपरागत ऊर्जा प्रणालियां
- सिमुलेटर्स
- एडवांस्ट फेब्रिकेटर्स टेक्नोलॉजी
- सरफेस कोटिंग्स including ceramic applications
- कंपन तथा शोर में कमी
- अवशेष आयु मूल्यांकन अध्ययन
- साइकल टाइम तथा घटाने के लिए नई टेक्नोलॉजियों का उपयोग
- विशिष्ट इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग
- ज्ञान प्रबंधन
- इंटेलीजेंट मशीनें तथा रोबोटिक्स
- नैनो टेक्टनोलॉजी अनुप्रयोग
- हाइड्रोजन एनर्जी तथा फ्युल सैल्स

vuqla/kku ,oa fodkl ij O;;

dqy	....	829.27 करोड़ रुपये
क) आवर्ती	....	791.50 करोड़ रुपये
ख) पूंजीगत	....	37.77 करोड़ रुपये
कुल कारोबार के प्रतिशत के रूप में व्यय	....	2.43 %

çkS|ksfxdh vkesyu ,oa O;;

पिछले पांच वर्षों के दौरान आयातित प्रौद्योगिक की विवरण :

çkS|ksfxdh	vk;kr o"kZ	vkesyu fLFkfr
वन्स थ्रू बॉयलर	2005	प्रौद्योगिकी आमेलन प्रगति पर है।
उच्चतर रेटिंग वाले ताप विद्युत संयंत्रों के लिए पम्प	2007	प्रौद्योगिकी आमेलन प्रगति पर है।
लार्ज साइज फोर्जिंग्स	2010	2010–11 की दूसरी तिमाही तक प्रौद्योगिकी अंतरण प्रारंभीकरण

fons'kh eqæk vtZu vkSj O;;

क) निर्यात सूचना से संबद्ध गतिविधियां निदेशकों की रिपोर्ट में ''अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय'' के अंतर्गत दी गई है।

ख) प्रयुक्त और अर्जित कुल विदेशी मुद्रा :

	2009&10	2008&09
(i) प्रयुक्त विदेशी मुद्रा	7587	6043
(ii) अर्जित विदेशी मुद्रा	8263	5025

कृते निदेशक मंडल की ओर से
Hkkjr gSoh byfDVªdYl fyfeVsM

ch- izlkn jko
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 23 जुलाई, 2010

fun'kdk dh fjikVZ gr vuqcU/k

dEiuh ¼deZpkfj;ks dk fooj.k½ fu;ekoyh] 1975 ds lkFk ifBr dEiuh vf/kfu;e] 1956 dh /kkjk 217 ¼2d½ ds vuqlkj lwpuk rFkk 31 ekpZ] 2010 dks lekIr o"kZ ds fy, funs'kdks dh fjikVZ ds Hkkx ds :i esa layXuA

Øe la-	deZpkjh dk uke	in@Hkwfedk	'kSf{kd ;ksX;rk	vk;q ¼o"kZ½	vuqHko ¼o"kZ½	dk;ZxzgC.k dh rkjh[k	dqy ifjlEifÙk;ka	iwoZ fu;kstu rFkk inuke
1	पी. के. अग्रवाल	जीएम	बीई, पीजीडीएम एमबीए	59	35	13.07.1975	41,60,962.00	N. A.
2	आर.सी. महाजन	एजीएम	बी. एससी– मैके. इंजी.	58	34	18.01.1976	25,28,307.00	N. A.
3	चमन लाल	डीजीएम	बी. एससी– मैके. इंजी.	57	30	29.10.1979	27,04,098.00	N. A.
4	वेंकटेश्वर के	फायरमैन ग्रेड–III	आईटीआई	44	14	28.10.1995	31,96,442.00	N. A.

fVIi.kh %
1. परिलब्धियों में मूल वेतन, मंहगाई भत्ता, म.कि.भ. पट्टा आवास, भविष्य निधि अंशदान, भत्ते, छुट्टी चिकित्सा प्रतिपूर्ति/व्यय सहित अन्य लाभ आदि शामिल है।
2. इसमें सेवानिवृत्ति के सभी किए जाने वाले भुगतान जैसे ग्रेच्युटी, छुट्टी नकदीकरण और पूर्ववर्ती वर्ग के वेतन संशोधन बकायों के भुगतान शामिल नहीं है।

कृते निदेशक मंडल की ओर से
Hkkjr gSoh bysfDVªdYl fyfeVsM

ch- izlkn jko
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 23.07.2010

fun'kdk dh fjikV gsrq vuqcUèk&6

diuh vfèkfu;e] 1956 ds [kaM 212 ds vuqikyukFkZ lgk;d diuh ls lacfèkr fooj.k

	lgk;d diuh dk uke	Hkkjr gsoh IysV ,.M oslYl fyfeVsM
1	सहायक कंपनी समाप्ति का वित्तीय वर्ष	31 मार्च, 2010
2	सहायक कंपनी बनने की तारीख	10 मई, 2008
3	31 मार्च, 2010 की यथा स्थिति कम्पनी द्वारा धारिता सहायक कम्पनी का शेयर	
	क) संख्या तथा अंकित मूल्य	10 रुपये प्रत्येक के पूर्ण प्रदत्त 337978 इक्विटी शेयर
	ख) धारिता की मात्रा	100 प्रतिशत
4	धारिता कंपनी की सदस्य होने ते नाते सहायक कंपनी की कुल लाभ/हानि की राशि	(रु. करोड़ में)
	क) धारिता कंपनी के खातों से संबंधित नहीं	
	i) 31 मार्च, 2010 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए	(–) 8.60
	ii) सहायक कंपनी के पिछले वित्तीय वर्ष तक	(–) 44.00
	ख) धारिता कंपनी के खातों से संबंधित	
	i) 31 मार्च, 2010 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए	शून्य
	ii) धारिता कंपनी की सहायक कंपनी बनने की तारीख से सहायक कंपनी के पिछले वित्तीय वर्ष के लिए	शून्य

ukV% भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने दिनांक 10.05.2008 से भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड को भारत सरकार, भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय, भारी उद्योग विभाग के दिनांक 7 मई, 2008 के पत्र सं. एफ नं. 1(II/2004-PE(IV) के अंतर्गत निर्धारित शर्तों के अनुसार 100 प्रतिशत सहायक कंपनी के रूप में अधिगृहित किया था। तदनुसार, प्रकटन 10.05.2008 के बाद से तैयार किए गए हैं।

कृते निदेशक मंडल की ओर से
Hkkjr gsoh bysfDVªdYl fyfeVsM

ch- izlkn jko
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 23.07.2010

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में, सदस्यगण, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

हमने भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली ने दिनांक 31 मार्च, 2010 के संलग्न तुलनपत्र और उसी तारीख को समाप्त वर्ष के संलग्न लाभ और हानि लेखा तथा नकद प्रवाह विवरण की लेखापरीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण कंपनी के प्रबंधन के उत्तरदायित्व हैं। हमारा उत्तरदायित्व अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरण पर मत व्यक्त करना है।

हमने सामान्य रूप में भारत में स्वीकार्य लेखा परीक्षण मानदंडों के अनुसार ही अपनी लेखा परीक्षा की है। उन मानकों में अपेक्षा होती है कि हम उस बारे में समुचित आश्वासन पाने हेतु योजना बनाए और लेखा परीक्षा निष्पादित कर कि क्या वित्तीय विवरण मूर्त गलतबयानी से मुक्त है। एक लेखा परीक्षा में परीक्षण आधार पर वित्तीय विवरणों में व मुद्राराशियों और उनके प्रकटन के समर्थन में सक्ष्य जांच शामिल होती है। एक लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों तथा प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत महत्वपूर्ण प्राक्कलनों का आकलन करने के साथ–साथ समग्र वित्तीय विवरण प्ररस्तुतीकरण का मूल्यांकन करना भी शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारी लेखा–परीक्षा हमारी राय हेतु एक समुचित आधार मुहैया कराती है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 227 के उपबंधो अनुसार हम सूचित करते है कि:

I. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 227 की उप धारा (4क) के अधीन केन्द्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखापरीक्षक रिपोर्ट) आदेश, 2003 द्वारा यथा अपेक्षित और कंपनी की बुक और रिकार्ड की ऐसी जांच के आधार पर हमने उपयुक्त माना और तदनुसार हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार हम अनुबंध में उक्त आदेश के पैराग्राफ 4 और 3 में निर्दिष्ट मामलों पर एक विवरणी संलग्न करते हैं।

II. ऊपर पैराग्राफ 1 में उल्लिखित अनुबंध में हमारी टिप्पणियों के अतिरिक्त हम रिपोर्ट करते हैं कि–

(क) हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास में हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक थे।

(ख) जहां तक उन बहियों की हमारी जांच से प्रतीत होता है, हमारी राय मे कंपनी ने विधि द्वारा यथापेक्षित उचित लेखा बहियां रखी हैं और हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजनार्थ पर्याप्त उचित विवरणियां हमारे द्वारा देखी नहीं गई शाखाओं से प्राप्त हो गई हैं।

(ग) शाखा लेखापरीक्षक की रिपोर्ट हमें प्रस्तुत कर दी गई है और उस पर हमारी रिपोर्ट तैयार करते समय उपयुक्त रूप से कार्रवाई की गई है।

(घ) इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलनपत्र, लाभ और हानि लेखा तथा नकद प्रवाह विवरण लेखा बहियों और शाखाओं से प्राप्त लेखापरीक्षित विवरणियों से मेल खाते हैं।

(ङ) हमारी राय में इस उत्तर में उल्लिखित तुलनपत्र, लाभ और हानि लेखा तथा नकद प्रवाह विवरण कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 211 की उप धारा (3 ग) में उल्लिखित लेखाकरण मानकों के अनुरूप हैं।

(च) भारत सरकार के कंपनी कार्य विभाग द्वारा जारी की गई दिनांक 21.10.2003 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 829(अ) के संदर्भ में, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 275 (1) (छ) के उपबंध कंपनी पर लागू नहीं हैं।

(छ) हमारी राय और हमारी सर्वोत्तम जानकारी में तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार अनुसूची–19 में लेखाकरण नीतियों और व्याख्यात्मक टिप्पणियों के साथ पठित उक्त लेखे कंपनी अधिनियम, 1956 द्वारा यथापेक्षित सूचना इस प्रकार अपेक्षित तरीके से प्रदान करते हैं और भारत में साधारणतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुरूप उचित और सही चित्र प्रस्तुत करते हैं।

(i) दिनांक 31 मार्च, 2010 को कंपनी के कार्यों की स्थिति, तुलन पत्र के मामले में और

(ii) उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि के लेखे के मामले में, और

(iii) उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए रोकड़ प्रवाह के रोकड़ प्रवाह विवरण के मामले में।

कृते गांधी मिनोचा एण्ड कं.
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन 000458 एन
हस्ता./–
(भूपिंदर सिंह)
सदस्यता नं. 092867

कृते एम एल पुरी एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन 002312 एन
नवीन बंसल
(नवीन बंसल)
सदस्यता नं. 091922

दिनांक : 26 मई, 2010
स्थान : नई दिल्ली

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुबंध

(हमारी समसंख्यक दिनांक की रिपोर्ट के पैरा–1 में उल्लिखित)

i) (क) कंपनी ने सामान्यतः मात्रात्मक विवरण और अपनी स्थायी परिसंपत्तियों की स्थिति सहित पूर्ण विवरण दर्शाते हुए उचित रिकार्ड रखा है।

(ख) हमें सूचित किया जाता है कि प्रबंधन ने सामान्य तौर पर अपने वास्तवित सत्यापन के चरणबद्ध कार्यक्रम के अनुसार स्थाई परिसंपत्तियों के एक मात्र वास्तवितक सत्यापन करना है, जो कम्पनी के अकार और व्यवसाय स्वरूप के दृष्टिगत समुचित समझा जाता है और वर्ष के दौरान कराए गए सत्यापन में कोई मूर्त विंसगति नही देखी गई। वास्तविक सत्यापन के बिना भारतीय रेलवे में पट्टे पर दिए 65 लोकोमोटिव के संबंध में इन लोकोमोटिव के वास्तविक अधिकार की पुष्टि करते हुए एक प्रमाण पत्र भारतीय रेलवे पट्टा करार के अनुसार प्राप्त किया गया है।

(ग) कंपनी ने नियत परिसंपत्तियों के अधिकांश हिस्से का निपटान नहीं किया है, जिससे कि इसकी गोइंग कंसर्न की संकल्पना प्रभावित हो।

ii) (क) हमें जैसा स्पश्ट किया गया है, कुछ यूनिटों मे चालू कार्य के भंडार और तैयार माल, जहां ऐसी यूनिटों के उत्पादन योजना विभाग का नरीक्षभण तथा उत्पादन रिपोर्टों के संदर्भ में इनका वर्ष के अंत में सत्यापन किया जाता है, को छोड़कर वर्ष के दौरान नियमित अंतरालों पर स्थायी मालसूची कार्यक्रम के अधीन प्रबंधन द्वारा मालसूची का प्रत्यक्ष सत्यापन किया गया है। संविदाकारों/फैब्रिकेटरों और अन्य पक्षों के पास पड़े हुए स्टाक के संबंध में केवल कुछ मामलो में पुष्टियां प्राप्त हुई थीं। उपयुक्त के अधीन, हमारी राय में सत्यापन की बारंबारता उचित है।

(ख) हमारी राय में प्रबंधन द्वारा मालसूची के वास्तविक सत्यापन के लिए अपनाई गई कार्यविधि कंपनी के आकार और उसके व्यवसाय की प्रकृति के संबंध में सामान्यतः उचित और पर्याप्त है।

(ग) मालसूची के अभिलेखों की हमारी जांच के आधार पर हमारी राय है कि कंपनी ने सामान्यतः मालसूची का समुचित रिकार्ड रखा हुआ है और मालसूची के सत्यापन में कंपनी के आकार और कार्य की प्रकृति के संदर्भ में दर्शाई गई विसंगतियां महत्वपूर्ण नहीं थीं तथा इन्हें कंपनी की लेखा बही में समुचित स्थान दिया गया है।

iii) (क) हमें दी गई सूचना के अनुसार कंपनी ने कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 301 के अधीन रखे गए रजिस्टर में शामिल कंपनियों, फर्मों अथवा किसी अन्य पक्षों को रक्षित अथवा आरक्षित ऋण नहीं दिया है। तदनुसार चालू वर्ष के लिए कंपनी (लेखापरीक्षक रिपोर्ट) आदेश, 2003 के पैरा 4 के खंड (iii) (ख) से (iii) (घ) कंपनी पर लागू नहीं है।

(ख) हमें दी गई सूचना के अनुसार कम्पनी ने कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 के अंतर्गत रखे गए रजिस्टर में शामिल कम्पनियों अथवा आरक्षित ऋण नही लिया है। तदानुसार चालू वर्ष के लिए कम्पनी (लेखा परीक्षा रिपोर्ट), आदेश 2003 के खण्ड (iii) (च) से (iii) (छ) कम्पनी पर लागू नही है।

iv) हमारी राय में और हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी के आकार और इसके व्यवसाय के अनुरूप माल की खरीद और अन्य परिसंपत्तियों तथा सामग्रियों की बिक्री के लिए पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण कार्यविधि है। इसके अलावा, कंपनी की बहियों एवं रिकार्डों की जांच के आधार पर तथा हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त आंतरिक नियंत्रण क्रियाविधि में किसी बड़ी कमी के संकेत न तो हमें मिलें हैं और न ही किसी से जानकारी प्राप्त हुई है। लेखापरीक्षा के दौरान हमने ऐसा नहीं पाया कि आंतरिक नियंत्रण की किसी बड़ी कमी मे सुधार न किया जा रहा हो।

v) हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरण के आधार पर हमारी राय में वर्ष के दौरान अधिनियम की धारा 301 में किसी संविदा और प्रबंधन का उल्लेख नहीं है। कंपनी ने कोई ऐसा लेन–देन नहीं किया है, जिसे रजिस्टर में दर्ज किए जाने की आवश्यकता है। तदानुसार कंपनी (लेखा परीक्षक रिपोर्ट) आदेश 2003 के पैराग्राफ 4 के खंड – (v) चालू वर्ष के लिए लागू नहीं हैं।

vi) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने अधिनियम की धारा 58 क और 58कक अथवा अन्य संगत प्रावधान और उसके अधीन बनाए कंपनी (जमा राशि की स्वीकृति) नियम, 1975 के अनुसरण के वर्ष के दौरान जनता से कोई जमाराशि स्वीकार नहीं की है।

vii) हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरण के अनुसार हमारी राय में कंपनी की आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली व्यापक तौर पर कंपनी के आकार और उसके व्यवसाय की प्रकृति के अनुरूप है।

viii) हमने, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 209(I) (घ) के अधीन केन्द्र सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार विद्युत मोटरों, सीमलेस इस्पात ट्यूबों, इलेक्ट्रिक जेनरेटर, पावर ट्रांसफार्मर, विद्युत चालित पम्पों, विंडमील्स के द्वारा विद्युत उत्पादन, कंट्रोल इंस्ट्रुमेंटेश्न और ऑटोमेशन उपस्कर के विनिर्माण क लिए लेखा बही और रिकार्ड की विस्तृत समीक्षा की है और हमारे विचार से प्रथम दृष्टया निर्धारित लेखा और रिकार्ड तैयार किए गए हैं और उन्हें रखा गया है। हमने इस लेखे और रिकार्डों की विषयवस्तु की जांच नहीं की है।

ix) (क) हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार और प्रस्तुत की गई तथा हमारे द्वारा जांची गई बहियों और रिकार्ड के अनुसार, हमारी राय में, कंपनी सामान्यतः नियमित रूप से भविष्य निधि, निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, धन कर, सेवा कर, उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क, उपकर और उपयुक्त प्राधिकारियों पर यथा लागू कोई अन्य वास्तविक सांविधिक देयताएं सहित अविवादित सांविधिक देयतों जमा कर रही है। भुगतान की तारीख से के 6 महीने से अधिक माह की अवधि हेतु 31 मार्च, 2010 को भविष्य निधि, निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, धनकर, सेवा कर, उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क, उपकर और अन्य. सांविधिक देयता बकाया राशि विवादित नहीं थी।

(ख) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार जिस बिक्री कर, आयकर, उत्पाद शुल्क, सेवा कर, सीमा शुल्क और उपकर को विवाद के कारण जमा नहीं किया है, वह निम्न प्रकार हैः

क्रम सं.	संविधि का नाम	देयताओं की प्रकृति	राशि (रुपये करोड़ में)	मंच, जिसके समक्ष विवाद लंबित हैं
1.	केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, कार्य अनुबंध कर अधिनियम, पट्टा कर, प्रवेश कर अधिनियम तथा विभिन्न राज्यों के बिक्री कर अधिनियम	बिक्री कर प्रवेश कर तथा कार्य अनुबंध कर	86.63	अपीलीय उपायुक्त/ संयुक्त उपायुक्त/ आयुक्त
			144.69	अपीलीय अधिकरण
			45.44	उच्च न्यायालय/
			0.04	उच्चतम न्यायालय
2	आयकर अधिनियम, 1961	आय कर	0.01	आयुक्त अपील
			26.5	अपीलीय अधिकरण
			2.23	उच्च न्यायालय
3	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क	29.50	मूल्यांकन अधिकारी
			142.10	मूल्यांकन अधिकारी
			18.86	उच्चतम न्यायालय
4	वित्त अधिनियम, 1994 के अधीन सेवा कर	सेवा कर	0.08	मूल्यांकन अधिकारी
			2.63	आयुक्त अपील
			102.8	आपीलीय अधिकरण
5	सीमाशुल्क अधिनियम, 1962	सीमा शुल्क	0.15	आयुक्त अपीलीय
		कुल	**601.66**	

x) कंपनी को 31 मार्च, 2010 तक कोई संचित हानि नहीं थी और इसने उस तारीख को समाप्त वित्तीय वर्ष या उसके तत्काल बाद के वित्तीय वर्ष में कोई नकद हानि नहीं उठाई है।

xi) हमारे द्वारा जांच की गई कंपनी के रिकार्डों और हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने वित्तीय संस्थानों, बैंकों अथवा डिबेंचरधारकों को बकाए की वापसी अदायगी में कोई चूक नहीं की है।

xii) कंपनी ने शेयरों, डिबेंचरी तथ अन्य प्रतिभूतियों को गिरवी रखकर कोई ऋण या अग्रिम नहीं दिया है।

xiii) कंपनी पर चिट फंड या निधि/परस्पर लाभ निधि/ सोसायटी के लिए लागू कोई विशिष्ट सांविधिक प्रावधान लागू नहीं है।

xiv) हमारी राय में कंपनी शेयरों, प्रतिभूतियों, डिबेंचरों और अन्य निवेशों में व्यवसाय अथवा व्यापार नहीं कर रही है। तदनुसार, कंपनी (लेखापरीक्षक रिपोर्ट) आदेश 2003 के खंड–4 (xiv) के उपबंध कंपनी पर लागू नहीं हैं।

xv) हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी तथा स्पष्टीकरण के असार कंपनी ने वर्ष के दौरान बैंकों अथवा वित्तीय संस्थाओं से अन्य लोगों द्वारा लिए गए ऋणों के लिए कोई गारंटी नहीं दी है।

xvi) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई सावधि ऋण नहीं लिया है।

xvii) हमें दी गई जानकारी तथा स्पष्टीकरण और कंपनी के तुलन पत्र की समग्र जांच के अनुसार, हम रिपोर्ट देते हैं कि अल्पावधि आधार पर ली गई निधि का दीर्घावधि निवेश हेत उपयोग नहीं किया गया है।

xviii) वर्ष के दौरान कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 के अधीन रख रजिस्टर में भाामिल पार्टियों और कंपनियों को शेयरों का अधिमान्य आबंटन नहीं किया है।

xix) हमारी राय में वर्ष के दौरान कंपनी न कोई डिबेंचर जारी नहीं किया है।

xx) वर्ष के दौरान कंपनी ने पब्लिक इश्यु से कोई धन अर्जित नही किया है।

xxi) कंपनी कि बहियों और रिकार्डों की जांच की अवधि में जो कि सामान्यतः भारत में अपनाई जा रही लेखापरीक्षा प्रणालियों तथा हमें प्रदान की गई जानकारी एवं स्पष्टीकरण के अनुसार है वर्ष के दौरान कंपनी पर अथवा कंपनी द्वारा किसी प्रकार की धोखाधड़ी का मामला सामने नहीं आया और न ही इसके बारे मे सूचित किया गया।

	कृते गांधी मिनोचा एण्ड कं.	**कृते एम एल पुरी एंड कंपनी**
	चार्टर्ड एकाउंटेंट	चार्टर्ड एकाउंटेंट
	एफआरएन 000458 एन	एफआरएन 002312 एन
	हस्ता./–	नवीन बंसल
	(भूपिंदर सिंह)	**(नवीन बंसल)**
दिनांक : 26 मई, 2010	सदस्यता नं. 092867	सदस्यता नं. 091922
स्थान : नई दिल्ली		

गोपनीय

स./No. आ.ले.प.दल./भेल/ अकाउंट्स/21-11/2009-1038

कार्यालय
प्रधान निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा
एवं पदेन सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड-III,
नई दिल्ली

सत्यमेव जयते

OFFICE OF THE
PRINCIPAL DIRECTOR OF COMMERCIAL AUDIT
& EX-OFFICIO MEMBER, AUDIT BOARD-III,
NEW DELHI

दिनांक/Dated : 16.07.2010

सेवा में,

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड,
नई दिल्ली।

विषय: कंपनी अधिनियम की धारा 619(4) के अधीन भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के वर्ष 2009-10 के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां।

महोदय,

मैं भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली, के वर्ष 2009-10 की समाप्ति हेतू कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 619(4) के अधीन लेखों पर भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ अग्रेषित करता हूँ।

2. कृपया इस पत्र की संलग्नकों सहित प्राप्ति की पावती भेजी जाए।

भवदीय,

एम.के. बिस्वास

संलग्नः यथोपरि।

(एम के बिश्वास)
प्रधान निदेशक

छठा एवं सातवाँ तल, सी.ए.जी. बिल्डिंग (एनेक्सी), 10, बहादुरशाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली - 110002
6th & 7th floor, C.A.G. Building (Annexe), 10, Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi – 110 002
Ph. 23239227; Fax: 23239211 e-mail: mabnewdelhi3@cag.gov.in

दिनांक 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के लेखे पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 (4) के अधीन भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां

कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे के अनुसार दिनांक 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली का वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(2) के अधीन भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त सांविधिक लेखापरीक्षक लेखापरीक्षा और उनके व्यावसायिक निकाय इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स आफ इंडिया द्वारा निर्धारित आश्वासन मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखापरीक्षा के आधार पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 227 के अधीन इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के उत्तरदायी हैं। इसे उनकी दिनांक 26 मई, 2010 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट द्वारा किया गया बताया जाता है।

मैंने भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की ओर से कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(3)(ख) के अधीन दिनांक 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के वित्तीय विवरण की पूरक लेखापरीक्षा की है। यह पूरक लेखापरीक्षा सांविधिक लेखापरीक्षकों के कार्यकरण कागजातों तक पहुंच के बिना स्वतंत्र रूप से की गई है और यह प्राथमिक रूप से सांविधिक लेखापरीक्षकों और कंपनी के कार्मिकों की पूछताछ तथा कुछ लेखाकरण रिकार्ड की चयनात्मक जांच तक सीमित होती है। मेरी लेखापरीक्षा के आधार पर मेरी जानकारी में ऐसी कोई महत्वपूर्ण बात नहीं आई है, जो कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 (4) के अधीन सांविधिक लेखापरीक्षक की रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी करने का कारण बनती है।

भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक
के लिए और उसकी ओर से

(एम.के. बिश्वास)
प्रधान वाणिज्यिक लेखापरीक्षा निदेशक
और पदेन सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड–III,
नई दिल्ली

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 16 जुलाई, 2010

वार्षिक लेखा

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां

1. **वित्तीय विवरण तैयार करने का आधार**

वित्तीय विवरण, ऐतिहासिक लागत और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार लेखाकरण की प्रोद्भवन विधि तथा कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं, जैसा कि कंपनी द्वारा निरंतर किया जा रहा है।

2. **स्थायी परिसंपत्तियां**

स्थायी परिसंपत्तियां (राज्य से निःशुल्क अधिग्रहित भूमि से भिन्न) अधिग्रहण या निर्माण अथवा संग्रहित मूल्यह्रास को घटाकर बही मूल्य पर प्राप्त की जाती हैं।

लागत के अंतर्गत वास्तविक/प्राक्कलित फैक्टरी लागत या बाजार कीमत, जो भी कम हो, में लिए गए पूंजीगत कार्य के लिए आंतरिक अंतरण मूल्य सम्मिलित होता है। स्थायी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए प्रयुक्त दीर्घावधि देयताओं/ऋणों के संबंध में अवमूल्यन/पुर्नमूल्यन जैसी असाधारण घटनाओं के प्रभाव को लागत में जोड़ा/घटाया जाता है।

राज्य सरकार से निःशुल्क अधिग्रहित भूमि का मूल्य 1 रुपये लगाया गया है, सिवाए इसके कि वह 16 जुलाई, 1969 के पश्चात् न अधिग्रहित की गई हो, क्योंकि उस मामले में यह भूमि संबद्ध राज्य सरकार से पूंजी प्रारक्षित निधि में समतुल्य जमा द्वारा अधिग्रहण मूल्य पर मूल्यांकित की जाती है।

3. **पट्टे**

वित्तीय पट्टा

क) (1) **1 अप्रैल, 2001 से पूर्व पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां**

विनिर्मित और वित्तीय पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां सामान्य विक्रय मूल्य/उचित मूल्य/संविदाकृत मूल्य पर पूंजीकृत की जाती हैं और उन्हें बिक्री के रूप में माना जाता है।

उक्त पर उस दर से मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है जो मूल्यह्रास पर लेखाकरण नीति के अनुसार समान किस्म की स्थायी परिसंपत्तियों के लिए लागू होती है। पट्टा किराए पर समतुल्य प्रभार पट्टा समकरण लेखा द्वारा तैयार किया जाता है।

वित्त आय को पट्टा अवधि के लिए माना जाता है।

(2) **1 अप्रैल, 2001 को या उसके बाद पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां**

विनिर्मित और वित्तीय पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों को सामान्य विक्रय मूल्य/उचित मूल्य/एनपीवी पर बिक्री के रूप में मान्यता दी जाती है।

वित्त आय को पट्टा अवधि के लिए माना जाता है।

प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागतें पट्टा शुरू होने पर खर्च कर दी जाती है।

ख) **1 अप्रैल, 2001 को या उसके बाद पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां**

पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों को उचित मूल्य/एनपीवी/संविदाकृत मूल्य पर पूंजीकृत किया जाता है।

उक्त पर उस दर से मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है जो मूल्यह्रास पर लेखाकरण नीति के अनुसार समान किस्म की स्थायी परिसंपत्तियों के लिए लागू होती है। यदि पट्टा परिसंपत्तियां, पट्टा अवधि समाप्त होने पर पट्टादाता को वापस करनी है तो उनकी उपयोगी अवधि या पट्टा अवधि, जो भी अल्प हो, के लिए मूल्यह्रासित किया जाता है।

किए गए पट्टा भुगतानों को पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों से संबद्ध वित्त प्रभारों एवं बकाया देयता की कमी, में विभाजित कर दिया जाता है।

प्रचालन पट्टा

पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां

विनिर्मित और प्रचालन पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां पूंजीकृत की जाती हैं। उनसे होने वाली पट्टा आय को पट्टा अवधि में हुई आय माना जाता है।

पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां

प्रचालन पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के लिए किए गए पट्टा भुगतानों को पट्टा अवधि में हुआ व्यय माना जाता है।

4. **अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियां**

क. अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियो को लागत पर पूंजीकृत किया जाता है, अगर

(क) यह संभाव्य हो कि भविष्य में परिसंपत्ति के कारण होने वाला आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होगा, और

(ख) कंपनी का परिसंपत्तियों पर नियंत्रण होगा, और

(ग) इन परिसंपत्तियों की लागत विश्वसनीय रूप से मापी जा सकती है और 10,000 रुपये से अधिक है।

अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियों को उनकी अनुमानित उपयोगी अवधि में सीधी रेखा यथानुपात मासिक आधार पर परिशोधित किया जाएगा, जो सॉफ्टवेयर के मामले में तीन वर्षों और अन्य के मामले में दस वर्षों से अधिक नहीं होगी।

ख. (क) अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के अनुसंधान चरण के दौरान व्यय सहित अनुसंधान पर व्यय को होने वाले वर्ष में लाभ और हानि में प्रभारित किया जाता है।

(ख) अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियों पर लेखाकरण मानक के अनुसार मानदंड पूरी करने वाली अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के विकास चरण के दौरान व्यय सहित विकास पर किए गए व्यय को अप्रत्यक्ष परिसंपत्ति के रूप में माना जाता है।

(ग) अनुसंधान और विकास के प्रयोजनार्थ अधिग्रहित स्थायी परिसंपत्तियों को पूंजीकृत किया जाता है।

5. उधार लागतें

उधार लागतें, जो अर्हक परिसंपत्तियों के विनिर्माण, अधिग्रहण या निर्माण पर व्यय की जाती हैं, ऐसी परिसंपत्तियों की लागत के भाग के रूप में शामिल की जाती हैं।

अर्हक परिसंपत्ति वह होती है जो अभिप्रेत उपयोग या बिक्री हेतु तैयार होने में आवश्यक रूप से बारह महीने से अधिक का समय लेती है।

अन्य उधार लागतों को उस अवधि का व्यय माना जाता है, जिसमें उन्हें खर्च किया जाता है।

6. मूल्यह्रास

(i) स्थायी परिसंपत्तियों (संविदा के अधीन विदेशों में प्रयुक्त को छोड़कर) पर मूल्यह्रास, उसे छोड़कर जहां मूल्यह्रास, तकनीकी रूप से आकलित अनुमानित उपयोगी अवधि के आधार पर निर्धारित दरों पर प्रभारित किया जाता है, कंपनी अधिनियम1956 की अनुसूची ग्प्ट में निर्धारित दरों के अनुसार सीधी–रेखा विधि पर परिसंपत्तियों की कुल लागत तक प्रभारित किया जाता है, जो नीचे दर्शाया गया है–

	एकल पाली	दोहरी पाली	तिहरी पाली
सामान्य संयंत्र एवं मशीनरी	8%	12%	16%
स्वचालित/अर्ध–स्वाचालित मशीनें	10%	15%	20%
स्थापना उपकरण, पूंजीगत औजार तथा साज–सामान	20%		
टाउनशिप बिल्डिंगें			
– द्वितीय श्रेणी	2.5%		
– तृतीय श्रेणी	3.5%		
रेलवे साइडिंगें	8%		
लोकोमोटिव तथा वैगने	8%		
विद्युतीय संस्थापनाएं	8%		
कार्यालय तथा अन्य उपकरण	8%		
ड्रेनेज, सीवरेज तथा अन्य जल आपूर्ति	3.34%		
इलेक्ट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	20%		

स्थायी परिसंपत्तियों में वृद्धि/से कटौती के मामले में मूल्यह्रास प्रभार, यथानुपात मासिक आधार पर होता है.

(ii) दीर्घावधिक संविदाओं के अनुसरण में भारत से बाहर प्रयुक्त स्थायी परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास प्रारंभिक संविदा की अवधि के दौरान होता है।

(iii) 10,000 रुपये या कम लागत की स्थायी परिसंपत्तियों अथवा उन परिसंपत्तियों, जिनका ह्रासित मूल्य वर्ष के प्रारंभ में 10,000 रुपये या कम है, का पूर्णतः मूल्यह्रास होता है। जहां तक, टाउनशिप भवनों का प्रश्न है, वहां प्रति मकान की लागत 10,000 रुपये की सीमा के लिए आधार है।

(iv) निर्माण/परियोजना स्थल पर सड़कों, पुलों और पुलियों की लागत संविदा अवधि में पूर्णतः परिशोधित की जाती है, जबकि शेड, रेलवे साइडिंगें, विद्युतीय संस्थापनाओं और इस प्रकार के अन्य समर्थकारी कार्यों (पूर्णतः अस्थायी निर्माण, लकड़ी के कार्य को छोड़कर) पर अवशिष्ट मूल्य के रूप में 10 प्रतिशत प्रतिधारित करते हुए उन्हें मूल्यह्रासित किया जाता है।

(v) लकड़ी के ढांचों जैसे पूर्णतः अस्थायी निर्माण कार्यों पर निर्माण के वर्ष में पूर्णतः मूल्यह्रासित किया जाता है।

(vi) पट्टाधारित भूमि और भवनों को पट्टे की अवधि में परिशोधित किया जाता है। पट्टे पर ली गई भूमि पर निर्मित भवनों का मूल्यह्रास उनकी उपयोगी अवधि अथवा पट्टे की अवधि जो भी कम हो, में होता है।

7. निवेश

(i) दीर्घावधि निवेश लागत पर किए जाते हैं। अस्थायी के अलावा, ऐसे निवेशों में गिरावट को मान्यता दी जाती है और इसके लिए व्यवस्था की जाती है।

(ii) चालू निवेश लागत या उद्धृत/उचित मूल्य, जो भी कम है, पर किए जाते हैं। अउद्धृत चालू निवेश लागत पर किए जाते हैं।

(ii) निवेश की लागत में अधिग्रहण प्रभार जैसे, दलाली, शुल्क तथा ड्यूटी शामिल है।

मौजूदा राशि में यदि कोई कमी होती है या किसी की पूर्ति होती है तो उसे लाभ और हानि में लेखा प्रभारित अथवा जमा किया जाता है।

8. मालसूची मूल्यांकन

(i) मालसूचियों का मूल्यन वास्तविक/अनुमानित लागत अथवा निवल वसूलीयोग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है।

(ii) गैस आधारित पावर संयंत्रों, बॉयलरों, बॉयलर ऑग्जिलियरी, कम्प्रेसरों और औद्योगिक टर्बो सैटों सहित हाइड्रो और थर्मल सेटों के संयंत्रों

में तैयार माल तथा जारी कार्यों का मूल्यन वास्तविक/अनुमानित फैक्टरी लागत या वसूली योग्य मूल्य के 97.5 प्रतिशत, जो भी कम हो, पर किया जाता है।

(iii) संयंत्र में तैयार माल एवं चालू कार्य के मूल्यांकन के संबंध में लागत का अर्थ कारखाना लागत है, वास्तविक/ अनुमानित कारखाना लागत में विनिर्मित माल पर देय उत्पाद शुल्क शामिल है।

(iv) कच्चे माल, संघटकों, फुटकर औजारों, भंडारों एवं अतिरिक्त पुर्जों की लागत का अर्थ भारांकित औसत लागत है।

(v) क) 1.04.2003 को या उसके बाद की गई निर्माण संविदाओं के लिए–

जहां संविदा की लागत के वर्तमान अनुमान और विक्रय मूल्य हानि दर्शाते हैं, वहां ऐसी संविदा के लिए प्रत्याशित हानि को तुरंत मान्यता प्रदान की जाती है, चाहे कार्य शुरू हो गया है या नहीं।

ख) अन्य सभी संविदाओं के लिए–

जहां किसी संविदा का भाग होने वाली पृथक रूप से अभिज्ञात परियोजना की लागत और विक्रय मूल्य संबंधी वर्तमान अनुमान हानि दर्शाता है, वहां ऐसी परियोजना के संबंध में, जिस पर कार्य आरंभ हो चुका है, प्रत्याशित हानि को मान्यता दी जाती है।

(ग) प्रत्याशित हानि निर्धारण में प्राप्त कुल आय पर विचार किया जाता है, जिसमें निर्यातों/माने गए निर्यातों पर प्रोत्साहन भी शामिल होते हैं।

(vi) उत्पादन आर्डरों के लिए खरीद/विनिर्मित संघटकों और अन्य सामग्रियों, जिन्हें अथिशेष घोषित किया गया हो, को तकनीकी अनुमानों के आधार पर अवशिष्ट मूल्य प्रतिधारित करते हुए राजस्व पर प्रभारित किया जाता है।

9. राजस्व मान्यता

ग्राहक के पक्ष में स्वामित्व को अंतरित करके महत्वपूर्ण जोखिमों और प्रतिफलों के आधार पर बिक्री को दर्ज किया जाता है। बिक्री के अंतर्गत आंशिक शिपमेंट द्वारा ग्राहक को प्रेषित किया गया माल आता है।

क. 1.04.2003 को या उसके बाद की गई निर्माण संविदाओं के लिए :

राजस्व को संविदा की कुल अनुमानित लागत पर सूचना तिथि तक व्यय की गई वास्तविक लागत की प्रतिशतता पर आधारित प्रतिशतता समापन विधि से मान्यता दी जाती है।

ख. अन्य सभी संविदाओं के लिए:

(1) लम्बे उत्पादन चक्र वाली मदों (गैस आधारित पावर संयंत्रों, बॉयलरों, बॉयलर ऑग्जिलियरी, कम्प्रेसरों और औद्योगिक टर्बो सेटों सहित हाइड्रो और थर्मल सेट) के संबंध में बिक्री राजस्व को मान्यता तकनीकी अनुमानों पर दी जाती है। जब शिपमेंट का कुल मूल्य प्राप्णीय मूल्य का 30 प्रतिशत या उससे अधिक हो तो उन पर प्राप्णीय मूल्य के 97.5 प्रतिशत या प्रापजीय मूल्य न होने पर, उद्धृत मूल्य पर विचार किया जाता है। अन्यथा, उन पर वास्तविक/अनुमानित फैक्टरी लागत या प्राप्णीय मूल्य के 97.5 प्रतिशत, जो भी कम हो, विचार किया जाता है। शेष 2.5 प्रतिशत को संविदा के अधीन आपूर्ति पूरी हो जाने पर राजस्व के रूप में मान्यता दी जाती है।

(2) निर्माण और परियोजना प्रबंध सेवाओं को निम्नलिखित आधार पर मान्यता दी जाती है–पूर्णता की प्रतिशतता, अथवा अंतर्भूत मूल्य की गणना संविदा मूल्य के 97.5 प्रतिशत पर की जाती है तथा शेष 2.5 प्रतिशत पर की जाती है तथा शेष 2.5 प्रतिशत को संविदा समाप्त होने पर आय के रूप में मान्यता दी जाती है।

(3) प्रदान की गई इंजीनियरिंग सेवाओं से प्राप्त आय को पूरे किए गए कार्य की प्रतिशतता के आधार पर प्राप्णीय मूल्य पर मान्यता दी जाती है।

(4) बीएचईएल में निर्माण न किए गए उपस्करों/प्रणालियों और सिविल कार्यों की आपूर्ति/निर्माण से प्राप्त आय की मान्यता ग्राहकों को किए गए प्रेषणों /परियोजना स्थल पर किए गए कार्यों पर आधारित होती है।

10. विदेशी मुद्रा लेन–देन के लिए लेखाकरण

विदेशी मुद्रा लेन–देनों को लेन–देनों की तारीख को विद्यमान विनिमय दरों पर दर्ज किया जाता है। विदेशी मुद्रा मौद्रिक परिसंपत्तियों और देयताओं को वर्ष के अंत में विनिमय दरों पर रूपांतरित किया जाता है। लेन–देनों के निपटान और मौद्रिक मदों के रूपांतरण पर उत्पन्न हुए विनिमय अंतर को उस वर्ष जिसमें वे उत्पन्न होते हैं, में आय अथवा व्यय के रूप में माना जाता है।

11. अभिन्न विदेशी प्रचालनों के वित्तीय विवरणों का रूपांतरणः

(i) आय और व्यय की मदें, मूल्यह्रास, जिसे समतुल्य अचल परिसंपत्तियों के लिए अपनाई गई दरों पर परिवर्तित किया जाता है, को छोड़कर औसत दर पर रूपांतरित की जाती हैं।

(ii) मौद्रिक मदें इतिशेष दर पर रूपांतरित की जाती हैं, ऐतिहासिक लागत पर लाई गई गैर–मौद्रिक मदें रूपांतरण की तारीख को लागू दरों पर रूपांतरित की जाती हैं, उचित मूल्य पर लाई गई गैर–मौद्रिक मदें, उन विनिमय दरों, जो मूल्य निर्धारित करने के समय मौजूद थी, पर रूपांतरित की जाती हैं।

(iii) रूपांतरणों की सभी भिन्नताओं को लाभ और हानि लेखे में लाया जाता है।

12. कर्मचारी लाभ

अर्जित अवकाश, अर्ध वेतन अवकाश, भविष्य निधि और कर्मचारी परिवार पेंशन योजना के अंशदान को प्रोद्भवन आधार पर लेखाबद्ध किया जाता है। उपदान, सेवानिवृत्ति पर यात्रा दावे और सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभों के लिए देयता बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार लेखाबद्ध की जाती है। बीमांकिक देयता कर्मचारियों के संदर्भ में प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के आरंभ में निर्धारित की जाती है। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के अधीन प्रतिपूर्ति होने वाले वर्ष में यथानुपात मासिक आधार पर प्रभारित की जाती है।

13. कंपनी द्वारा/के विरुद्ध दावे

(i) कंपनी के विरुद्ध निर्णीत हर्जाने के लिए दावे को समान लेन–देनों के अनुभवों द्वारा अनुपूरित उपलब्ध सूचना के संदर्भ में संभावित परिणामों के प्रबंधन के आकलन के आधार पर लेखे में माना जाता है।

(ii) निर्यात प्रोत्साहन, शुल्क वापसी, सीमा शुल्क की वापसी और बीमा के लिए दावे आदि प्राप्ति पर लेखे में लिए जाते हैं।

(iii) मूल्य वृद्धि दावे और/अथवा संविदा कार्य के परिवर्तनों के संबंध में देय राशियों को केवल तभी राजस्व के रूप में माना जाता है जब संविदाओं से ऐसे दावों अथवा भिन्नताओं की शर्तें हों और/अथवा ग्राहकों से उसकी स्वीकार्यता का साक्ष्य हो। तथापि वृद्धि आंतरिक मूल्य तक प्रतिबंधित होती है।

14. वारंटियों के प्रावधान

(i) 1.04.2003 को या उसके बाद किए गए निर्माण संविदाओं के लिए :

संविदात्मक दायित्वों का प्रावधान परीक्षण प्रचालन समाप्त होने पर संविदा मूल्य के 2.5 प्रतिशत पर अनुरक्षित किया जाता है।

(ii) अन्य सभी संविदाओं के लिएः वर्ष के अंत में वारंटी के अंतर्गत संविदाओं के लिए संविदात्मक दायित्वों का प्रावधान संविदा मूल्य के 2.5 प्रतिशत पर अनुरक्षित किया जाता है। एक उत्पाद से अधिक की आपूर्ति वाली संविदाओं के मामले में पूरे किए गए प्रत्येक उत्पाद के मूल्य के 2.5 प्रतिशत का प्रावधान किया जाता है।

(iii) सुधार कार्य पर वारंटी के दावे/व्यय को जब भी व्यय किया जाता है, प्राथमिक शीर्ष के अधीन लेखांकन किया जाता है और वर्ष के अंत में प्रावधानों पर प्रभारित किया जाता है।

15. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों को तब लेखाबद्ध किया जाता है जब उनकी वसूली की उचित निश्चितता हो।

अचल मूल्यह्रास योग्य परिसंपत्तियों से संबद्ध अनुदानों को संगत परिसंपत्तियों की सकल लागत के अधीन समायोजित किया जाता है, जबकि गैर–मूल्यह्रास योग्य परिसंपत्तियों से संबद्ध को पूंजी प्रारक्षित निधि में जमा किया जाता है। राजस्व सबद्ध अनुदान जब तक व्यय/हानियों के लिए प्रतिपूर्ति के रूप में प्राप्त नहीं किए जाते, तब तक उन्हें उस अवधि, जिससे वे राजस्व की समतुल्य लागत के सिद्धांत पर संबद्ध हैं, राजस्व के रूप में माना जाता है। गैर–मौद्रिक परिसंपत्तियों के रूप में अनुदानों को अधिग्रहण की लागत पर अथवा नॉमिनल मूल्य पर लेखाबद्ध किया जाता है, अगर वे निःशुल्क प्राप्त होते हैं।

तुलनपत्र
31 मार्च, 2010 की यथास्थिति

(रुपये करोड़ में)

	अनुसूची	31.03.2010 की यथास्थिति		31.03.2009 की यथास्थिति	
निधियों के स्त्रोत					
शेयरधारकों की निधियां					
शेयर पूंजी	1	489.52		489.52	
प्रारक्षित निधि और अधिशेष	2	15427.84	15917.36	12449.29	12938.81
ऋण निधियां					
रक्षित ऋण	3	0.00		0.00	
आरक्षित ऋण	4	127.75	127.75	149.37	149.37
			16045.11		13088.18
निधियों का उपयोग					
स्थायी परिसंपत्तियां					
सकल ब्लॉक	5	6580.14		5224.87	
घटाएंः अब तक का मूल्यह्रास/परिशोधन		4150.52		3713.25	
		2429.62		1511.62	
घटाएंः पट्टा समायोजन लेखा		14.22		41.22	
निवल ब्लॉक		2415.40		1470.40	
चालू पूंजीगत कार्य	6	1529.55	3944.95	1156.97	2627.37
निवेश	7		79.84		52.34
आस्थगित कर परिसंपत्तियां निवल (कृपया अनुसूची 19 की टिप्पणी सं.23 देखें)			1527.23		1840.30
चालू परिसंपत्तियां, ऋण तथा अग्रिम					
चालू परिसंपत्तियां	8				
मालसूचियां		9235.46		7837.02	
विविध देनदार		20688.75		15975.50	
नकदी तथा बैंक शेष		9790.08		10314.67	
अन्य चालू परिसंपत्तियां		406.85		350.21	
ऋण तथा अग्रिम	9	2813.67		2423.67	
		42934.81		36901.07	
घटाएं :					
चालू देयताएं और प्रावधान					
वर्तमान देयताएं	10	28023.74		23357.32	
प्रावधान	11	4417.98		4975.58	
		32441.72		28332.90	
निवल चालू परिसंपत्तियां			10493.09		8568.17
			16045.11		13088.18
लेखे की टिप्पणियां	19				

अनुसूची 1 से 11, 19 तथा महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां लेखे का अभिन्न भाग हैं।

निदेशक मंडल के लिए और उसकी ओर से

हस्ता./–	हस्ता./–	[signature]
(आई. पी. सिंह)	**(सी. एस. वर्मा)**	**(बी. प्रसाद. राव)**
सचिव	निदेशक (वित्त)	अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

सम तिथि की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एम एल पुरी एंड कंपनी	कृते गांधी मिनोचा एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स	चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन–002312एन	**एफआरएन–000458एन**
[signature]	हस्ता./–
(नवीन बंसल)	**(भूपिन्दर सिंह)**
साझेदार	साझेदार
सदस्यता सं. 91922	सदस्यता सं. 92867

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 26 मई, 2010

लाभ एवं हानि लेखा
31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए

(रुपये करोड़ में)

	अनुसूची	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए	
अर्जन					
कारोबार (सकल)	12	34153.76		28033.19	
घटाएं : उत्पाद शुल्क तथा सेवा कर		1292.32		1820.86	
कारोबार (निवल)			32861.44		26212.33
अन्य आय	12ए		1648.29		1497.36
चल रहे कार्य और तैयार माल में वृद्धि/कमी	13		786.65		1151.54
			35296.38		28861.23
व्यय					
सामग्री की खपत, उत्थापन और इंजीनियरी व्यय	14		20672.32		17620.05
कर्मचारियों का पारिश्रमिक तथा लाभ	15		6449.17		2983.68
उत्पादन, प्रशासन, बिक्री तथा वितरण प्राथधानों संबंधी अन्य व्यय	16		2155.02		1835.77
प्रावधान (निवल)	17		-934.15		1280.97
ब्याज तथा अन्य उधार लागतें	18		33.50		30.71
मूल्यह्रास तथा परिशोधन	5		458.01		334.27
घटाएं: आंतरिक उपयोग के लिए किए गए कार्यों की लागत			120.87		61.18
			28713.01		24024.27
पूर्वावधि मदों से पूर्व लाभ			6583.38		4836.96
जोड़ें/(घटाएं) : पूर्वावधि मदें (निवल)	18ए		7.27		11.89
कर पूर्व लाभ			6590.65		4848.85
घटाएं: कराधान का प्रावधान					
चालू वर्ष के लिए					
- वर्तमान कर (धन कर सहित 0.14 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 0.17 करोड़ रुपये))		2006.14		2250.17	
- सीमांत लाभ कर		-		40.00	
- आस्थगित कर		313.07		-502.37	
		2319.21		1787.80	
पिछले वर्ष के लिए					
- कर (विदेश में आयकर के 28.77 करोड़ रुपये सहित) (पिछले वर्ष 8.48 करोड़ रुपये)		-34.58		-77.72	
- सीमांत लाभ कर		-4.62		0.56	
			2280.01		1710.64
कर उपरांत लाभ			4310.64		3138.21
जोड़ेः पिछले वर्ष से लाया गया लाभ शेष			595.46		429.69
पुरांकित विदेशी परियोजना प्रारक्षित निधि			1.38		1.17
विनियोजन के लिए उपलब्ध लाभ			4907.48		3569.07
घटाएं: विनियोजन –					
- सामान्य प्रारक्षित निधि		3000.00		2000.00	
- लाभांश (अंतरिम लाभांश 538.47 करोड़ रुपये सहित, पिछले वर्ष 440.57 करोड़ रुपये)		1140.58		832.18	
- कार्पोरेट लाभांश कर (अंतरिम लाभांश पर 91.41 करोड़ रुपये सहित, पिछले वर्ष 74.87 करोड़ रुपये)		191.51	4332.09	141.43	2973.61
तुलनपत्र में लाई गई शेष राशि			575.39		595.46
प्रति शेयर मूल तथा विलयित अर्जन (रुपयों में) (अनुसूची 19 की टिप्पणी सं. 22 देखें)			88.06		64.11
लेखे की टिप्पणियां	19				

अनुसूची 5, 12 से 19 और महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां लेखों का अभिन्न भाग हैं।

निदेशक मंडल के लिए और उसकी ओर से

हस्ता./–
(आई. पी. सिंह)
सचिव

हस्ता./–
(सी. एस. वर्मा)
निदेशक (वित्त)

(बी. प्रसाद राव)
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

सम तिथि की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एम एल पुरी एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन–002312एन

(नवीन बंसल)
साझेदार
सदस्यता सं. 091922

कृते गांधी मिनोचा एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन–000458एन

हस्ता./–
(भूपिन्दर सिंह)
साझेदार
सदस्यता सं. 092867

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 26 मई, 2010

नकद प्रवाह विवरण
31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए

(रुपये करोड़ में)

	2009-10	2008-09
क. प्रचालन कार्यों से नकद प्रवाह		
लाभ एवं हानि लेखे के अनुसार कर पूर्व निवल लाभ	**6590.65**	**4848.85**
निम्नलिखित के लिए समायोजन		
मूल्यह्रास / परिशोधन	458.21	334.34
पट्टा समकरण	-27.00	-17.91
स्थायी परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ	-0.30	-8.36
अदा किया गया ब्याज	33.58	30.71
ब्याज / लाभांश आय	-823.86	-788.08
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ	**6231.29**	**4399.55**
निम्नलिखित के लिए समायोजन		
व्यापार तथा अन्य प्राप्तियां	-5208.88	-4911.04
मालसूचियां	-1398.44	-2100.62
व्यापार देय तथा अग्रिम	3864.54	8210.22
प्रचालनों से नकद राशि	**3488.51**	**5598.11**
अदा किए गए प्रत्यक्ष कर	-1903.45	-2306.89
प्रचालन गतिविधियों से निवल रोकड़ अंतर्वाह	**1585.06**	**3291.22**
ख. निवेश गतिविधियों से नकद राशि		
स्थायी परिसंपत्तियों की खरीद	-1722.25	-1355.57
स्थायी परिसंपत्तियों की बिक्री और निपटान	8.54	31.94
निवेश क्रय (सहायक कंपनी के 34 करोड़ रुपये सहित)	-27.50	-44.05
ब्याज तथा लाभांश प्राप्तियां	774.57	854.86
निवेश गतिविधियों में प्रयुक्त निवल नकद राशि	**966.64**	**512.82**
ग. वित्तीय गतिविधियों से नकद प्रवाह		
दीर्घावधि उधार	-21.47	52.57
अदा किया गया लाभांश (लाभांश पर कर सहित)	-1087.85	-872.99
अदा किया गया ब्याज	-33.69	-29.33
वित्तीय गतिविधियों में प्रयुक्त नकद राशि	**1143.01**	**849.75**
घ. नकद तथा नकद के समतुल्यों में निवल वृद्धि	**-524.59**	**1928.65**
नकद तथा नकद समतुल्यों का अथशेष	10314.67	8386.02
नकद तथा नकद समतुल्यों का इतिशेष	9790.08	10314.67

निदेशक मंडल के लिए और उसकी ओर से

हस्ता./–
(आई. पी. सिंह)
सचिव

हस्ता./–
(सी. एस. वर्मा)
निदेशक (वित्त)

(बी. प्रसाद राव)
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

सम तिथि की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एम एल पुरी एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन–002312एन

(नवीन बंसल)
साझेदार
सदस्यता सं. 91922

कृते गांधी मिनोचा एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन–000458एन

हस्ता./–
(भूपिन्दर सिंह)
साझेदार
सदस्यता सं. 92867

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 26 मई, 2010

अनुसूची 1
शेयर पूंजी

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति	31.03.2009 की यथास्थिति
प्राधिकृत		
प्रत्येक 10 रुपये के 200,00,00,000 (पिछले वर्ष 200,00,00,000) इक्विटी शेयर	**2000.00**	2000.00
जारी की गयी, अभिदत्त और प्रदत्तपूंजी		
प्रत्येक 10 रुपये के 48,95,20,000 (पिछले वर्ष 48,95,20,000) पूर्णतः चुकता इक्विटी शेयर, जिनमें से नकद के अलावा प्रतिफल के लिए आबंटित 7,41,11,112 (पिछले वर्ष 7,41,11,112) शेयर और बोनस शेयर के रूप में आबंटित 24,47,60,000 शेयर (पिछले वर्ष 24,47,60,000 शेयर)	**489.52**	489.52
	489.52	489.52

अनुसूची 2
प्रारक्षित निधि और अधिशेष

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति		31.03.2009 की यथास्थिति	
प्रारक्षित पूंजी				
अथशेष	**2.74**		2.74	
घटाएं: मूल्यह्रास/समायोजन	-	**2.74**	-	2.74
विदेशी परियोजना प्रारक्षित निधि				
अथशेष	**1.38**		2.55	
घटाएं: मूल्यह्रास/समायोजन	**1.38**		1.17	1.38
सामान्य प्रारक्षित निधि				
अथशेष	**11849.71**		9849.71	
जोड़ें: लाभ एवं हानि लेखे से अंतरित	**3000.00**	**14849.71**	2000.00	11849.71
लाभ एवं हानि लेखा		**575.39**		595.46
		15427.84		12449.29

अनुसूची 3
रक्षित ऋण

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति	31.03.2009 की यथास्थिति
डिबेंचर्स / बांड्स	**0.00**	0.00
वित्तीय संस्थानों से	**0.00**	0.00
पैकिंग ऋण और अन्य	**0.00**	0.00
	0.00	0.00

अनुसूची 4
अरक्षित ऋण

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति	31.03.2009 की यथास्थिति
– पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के लिए ऋण (एक वर्ष के भीतर देय 47.42 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 43.99 करोड़ रुपये))	**122.16**	143.63
प्रोद्भूत तथा देय ब्याज :		
– राज्य सरकार ऋण	**2.33**	2.33
– पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों पर ऋण	**3.26**	3.41
	127.75	149.37

अनुसूची 5
स्थायी परिसंपत्तियां

(रुपये करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास		निवल ब्लॉक		
	31.03.2009 को लागत	वर्ष के दौरान वृद्धि/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	31.03.2010 को लागत	पट्टा समायोजन लेखा	31.03.2010 तक मूल्यह्रास/ परिशोधन	31.03.2010 की यथास्थिति	31.03.2009 की यथास्थिति	वर्ष के लिए मूल्यह्रास/ परिशोधन
फैक्टरी/कार्यालय परिसर									
फ्रीहोल्ड भूमि (विकास व्यय सहित)	4.37			4.37			4.37	4.37	
पट्टाधारित भूमि (विकास व्यय सहित)	6.20		0.05	6.15		0.41	5.74	5.75	0.01
सड़कें, पुल तथा पुलिया	8.40	4.42		12.82		3.23	9.59	5.38	0.20
भवन	480.92	398.39	15.82	863.49		301.20	562.29	233.81	64.28
पट्टाधारित भवन	3.12			3.12		1.23	1.89	1.94	0.05
जल निकासी, जल–मल निकासी तथा जलापूर्ति	13.59	4.65	0.03	18.21		10.20	8.01	3.78	0.42
रेलवे साइडिंग	8.67			8.67		7.74	0.93	1.03	0.10
लोकोमोटिव तथा वैगन	27.45	0.15		27.60		16.83	10.77	11.84	1.22
संयंत्र तथा मशीनरी	2834.18	720.48	2.10	3552.56		2375.17	1177.39	659.91	202.94
इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	115.34	2.82	-2.47	120.63		111.63	9.00	12.26	4.81
विद्युत संस्थापन	116.12	27.35	0.30	143.17		77.33	65.84	43.76	5.35
निर्माण उपकरण	375.48	157.27	3.24	529.51		269.15	260.36	165.44	61.74
वाहन	18.55	0.42	0.32	18.65		15.88	2.77	2.82	0.47
फर्नीचर और जुड़नार	19.49	5.18	0.14	24.53		7.83	16.70	12.89	1.33
कार्यालय तथा अन्य उपकरण	80.70	8.11	0.67	88.14		60.08	28.06	24.43	4.04
10,000 रुपये तक की कीमत वाली स्थायी परिसंपत्तियां	63.66	7.86	0.48	71.04		71.04			7.94
पूंजीगत व्यय	0.44			0.44		0.44			
पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां	497.15			497.15	-14.22	478.40	4.53	9.68	32.21
पट्टे पर लिए गए संयंत्र और मशीनरी									
पट्टे पर लिए गए ईडीपी उपकरण	217.80	17.49	8.22	227.07		121.95	105.12	131.48	43.57
कार्यालय तथा पट्टे पर लिए गए अन्य उपकरण	1.49			1.49		0.66	0.83	1.05	0.21
अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियां									
- आंतरिक तौर पर विकसित									
सॉफ्टवेयर									
पेटेंट और ट्रेडमार्क									
तकनीकी जानकारी									
अन्य	4.98	5.54	0.02	10.50		3.33	7.17	3.32	1.68
- अन्य									
सॉफ्टवेयर	89.01	17.62	0.08	106.55		83.07	23.48	23.94	18.07
पेटेंट और ट्रेडमार्क									
तकनीकी जानकारी	22.86	0.14		23.00		10.76	12.24	14.20	2.10
अन्य	8.80			8.80		8.76	0.04	0.31	0.27
	5018.77	1377.89	29.00	6367.66	-14.22	4036.32	2317.12	1373.39	453.01
टाउनशिप/आवासीय									
फ्रीहोल्ड भूमि (विकास व्यय सहित)	2.09			2.09			2.09	2.09	
पट्टाधारित भूमि (विकास व्यय सहित)	1.99			1.99		0.54	1.45	1.57	0.02
सड़कें, पुल और पुलिया	5.10			5.10		2.88	2.22	2.30	0.09
भवन	129.98	0.65		130.63		59.03	71.60	73.22	2.28
पट्टाधारित भवन	0.33			0.33		0.24	0.09	0.26	0.01
जल निकासी, जल–मल निकासी तथा जलापूर्ति	16.79	0.34		17.13		13.37	3.76	3.83	0.41
संयंत्र तथा मशीनरी	11.48	4.72	0.06	16.14		9.16	6.98	2.86	0.60
इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण		0.01		0.01			0.01		
विद्युत संस्थापन	16.84	0.09		16.93		13.72	3.21	3.52	0.39
वाहन	1.07	0.03	0.02	1.08		0.99	0.09	0.08	0.02
फर्नीचर और जुड़नार	0.63	0.07	0.03	0.67		0.16	0.51	0.49	0.05
कार्यालय तथा अन्य उपकरण	17.66	0.53	0.06	18.13		11.86	6.27	6.79	1.00
10,000 रुपये तक की स्थायी परिसंपत्तियां	2.14	0.13	0.02	2.25		2.25			0.13
	206.10	**6.57**	**0.19**	**212.48**		**114.20**	**98.28**	**97.01**	**5.00**
फैक्टरी तथा टाउनशिप का योग	**5224.87**	**1384.46**	**29.19**	**6580.14**	**-14.22**	**4150.52**	**2415.40**	**1470.40**	**458.01**
पिछले वर्ष	4443.47	829.15	47.75	5224.87	-41.22	3713.25	1470.40	981.26	334.27
@वर्तमान वर्ष 2009–10 के लिए उपर शामिल अ. और वि. पूंजीगत मदों का ब्यौरा									
संयंत्र और मशीनरी तथा अन्य उपस्कर	228.29	23.34	0.44	251.19		180.81	70.38		17.18
भूमि और भवन	19.83	0.45		20.28		10.71	9.57		0.49

दिनांक 31.03.2010 को सकल ब्लॉक में बेकार और सक्रिय प्रयोग से हटाई गई परिसंपत्तियां शामिल है 38.75 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 30 करोड़ रुपये)
दिनांक 31.03.2010 को सकल ब्लॉक में बेकार और सक्रिय प्रयोग से हटाई गई परिसंपत्तियां शामिल है 0.13 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 0.16 करोड़ रुपये)
सकल ब्लॉक में निष्पादक एजेंसी के रूप में अनुसंधान के लिए भारत सरकार से प्राप्त अनुदान से खरीदी गई परिसंपत्तियों की लागत शामिल नहीं है क्योंकि संपत्ति कंपनी के पास नहीं थी।

2009-10	2008-09
30.81	30.81

यूनिट के स्वामित्व में न आने वाली परिसंपत्तियों के निर्माण, विकास के लिए यूनिट के अंशदान या व्यय को सामान्य शीर्ष पूंजीगत व्यय के अंतर्गत पूंजीकृत किया गया है तथा पांच वर्षों में राजस्व के बट्टे खाते डाला गया है।
अचल परिसंपत्तियों से वर्ष के दौरान किसी प्रकार की विशुद्ध हानि नहीं हुई है।

अनुसूची 6
चालू पूंजीगत कार्य (लागत पर)

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति	31.03.2009 की यथास्थिति
चालू निर्माण कार्य–सिविल	**237.18**	359.34
निर्माण भंडार (मार्गस्थ सहित)	**14.30**	11.88
संयंत्र और मशीनरी तथा अन्य उपस्कर		
- उत्थापन/परिनिर्माण के अधीन/परिनिर्माण की प्रतीक्षा में	**870.91**	507.52
- मार्गस्थ	**400.95**	276.70
विकास के अंतर्गत अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियां	**6.21**	1.53
	1529.55	1156.97

अनुसूची 7
निवेश

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति		31.03.2009 की यथास्थिति	
दीर्घावधि				
शेयरः				
अउद्धृत (पूर्णतः चुकता)				
व्यापारः				
इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लिमिटेड में प्रत्येक 38.95 रुपये के 360 (पिछले वर्ष 360) इक्विटी शेयर	*		*	
एपी गैस पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड में प्रत्येक 10 रुपये के 728960 (पिछले वर्ष 728960) इक्विटी शेयर	**0.91**		0.91	
नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड में प्रत्येक 10 रुपये के 5000000 (पिछले वर्ष 5000000) इक्विटी शेयर (अनुसूची 19 की टिप्पणी सं. 6 देखें)	**5.00**	**5.91**	5.00	5.91
सहायक कंपनियों में शेयर				
— भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड के प्रत्येक 1000 रुपये के 337976 (पिछले वर्ष शून्य) इक्विटी शेयर 1 रुपये की मामूली दर पर प्राप्त	*		-	
संयुक्त कंपनियों में शेयर				
— पॉवर प्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट लिमिटेड में प्रत्येक 10 रुपये के 1999999 (पिछले वर्ष 1999999) इक्विटी शेयर	**2.00**		2.00	
घटाएंः मूल्य में कमी हेतु प्रावधान	**2.00**		2.00	
	0.00		0.00	
— एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रत्येक 10 रुपये के 25000000 (पिछले वर्ष 50000) इक्विटी शेयर	**25.00**		0.05	
— बराक पावर प्राइवेट लिमिटेड के प्रत्येक 10 रुपये के 50000 (पिछले वर्ष शून्य) इक्विटी शेयर	**0.05**		0.05	
— उड़नगुडी पावर कार्पोरेशन लिमिटेड के प्रत्येक 10 रुपये के 5000000 (पिछले वर्ष 5000000) इक्विटी शेयर	**5.00**		5.00	
— रायचूड़ पावर कार्पोरेशन लिमिटेड के प्रत्येक 10 रुपये के 5000000 (पिछले वर्ष शून्य) इक्विटी शेयर	**5.00**		-	
— बीएचईएल जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के प्रत्येक 10 रुपये के 2379999 (पिछले वर्ष 2379999) इक्विटी शेयर	**2.38**	**37.43**	2.38	7.48
शेयर जारी करने के लिए अग्रिम जमा				
सहायक कंपनी (बीएचपीवी) को	**34.00**		34.00	
एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (संयुक्त उपक्रम) को	**0.00**		4.95	
दादा धुनवाले कांडवा पावर लिमिटेड (संयुक्त उपक्रम) को	**2.50**	**36.50**	0.00	38.95
व्यापार के अलावाः				
बीएचईएल हाउस बिल्डिंग कोआपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, हैदराबाद के प्रत्येक 100 रुपये के 3 (पिछले वर्ष 3) शेयर		*		*
		79.84		52.34
* 1 लाख रुपये से कम मूल्य				
अउद्धृत निवेशों का कुल मूल्य		**79.84**		52.34

अनुसूची 8
चालू परिसंपत्तियां

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति		31.03.2009 की यथास्थिति	
मालसूचियां @				
(प्रबन्धन द्वारा यथाप्रमाणित)				
भंडार तथा अतिरिक्त पुर्जे				
- उत्पादन	141.21		140.11	
- ईंधन भंडार	11.90		7.77	
- विविध	28.09	181.20	17.69	165.57
कच्चा माल और संघटक		2893.67		2608.71
मार्गस्थ माल		966.19		629.22
फैब्रिकेटरों/संविदाकारों के पास माल		144.11		168.84
खुले औजार		25.17		22.79
रद्दी माल (अनुमानित वसूलीयोग्य मूल्य पर)		40.20		37.55
तैयार माल	599.53		519.00	
अंतर प्रभागीय मार्गस्थ अंतरण	121.11		124.60	
शामिल हैं:				
- मार्गस्थ तैयार माल 3.74 करोड़ रुपये				
(पिछले वर्ष 30.56 करोड़ रुपये)		720.64		643.60
चालू कार्य (उप–ठेकेदारों के पास पड़ी मदों सहित)		4321.40		3612.59
		9292.58		7888.87
घटाएं : अचल भंडार के लिए प्रावधान		57.12		51.85
@ महत्वपूर्ण लेखाकरण नीति सं. 8 के अनुसार मूल्यांकित		9235.46		7837.02
विविध देनदार*				
- 6 माह से अधिक अवधि के बकाया ऋण		11340.46		8048.54
- अन्य ऋण		10850.46		9104.31
		22190.92		17152.85
घटाएं : संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान		1398.97		1099.03
घटाएं : स्वतः मूल्य कमी समायोजन लेखा		103.20		78.32
		20688.75		15975.50
*आस्थगित ऋण 7748.97 करोड़ रुपये				
- (पिछले वर्ष 5571.84 करोड़ रुपये) शामिल है।				
* भेजे गए सामान की लंबित बिलिंग– रु.1051.16 करोड़ शामिल				
- (पिछले वर्ष 1011.16 करोड़ रुपये)				
विविध देनदारों का ब्यौरा :				
(i) रक्षित ऋण				
असंदिग्ध समझें गए ऋण, जिनके बारे में कंपनी के पास देनदारों की निजी जमानत के अतिरिक्त अन्य कोई जमानत नहीं है।		20688.75		15975.50
संदिग्ध समझे गए ऋण, जिनके लिए प्रावधान किया गया		1502.17		1177.35
		22190.92		17152.85

अनुसूची 8 (जारी)
चालू परिसंपत्तियां

(रुपये करोड़ में)

	वर्ष के दौरान अधिकतम शेष (रुपये करोड़ में) 2009-10	2008-09	31.03.2010 की यथास्थिति	31.03.2009 की यथास्थिति
नकद तथा बैंक शेष				
उपलब्ध नकद तथा स्टाम्प			**1.30**	0.97
उपलब्ध चैक, डिमांड ड्राफ्ट			**226.88**	386.42
मार्गस्थ प्रेषित धन			**35.83**	0.02
अनुसूचित बैंकों में शेष				
चालू खाता			**595.31**	1534.08
जमा खाता			**8925.00**	8364.16
गैर अनुसूचित बैंको के पास शेष				
चालू खाता	**2009-10**	**2008-09**		
- स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, लीबिया	**0.23**	0.22	**0.02**	0.00
- बैंक मस्कट, ओमान	**50.27**	356.19	**-0.03**	14.91
- बार्कलेज बैंक लिमिटेड, जांबिया	**0.02**	0.01	**0.01**	0.01
- बैंक ऑफ कॉमर्स, मलेशिया	**0.05**	0.31	**0.05**	0.05
- सीआईएमबी बेहराद	**0.02**	0.32	**0.02**	0.32
- इंडो जांबिया बैंक, लुसाका	**0.16**	1.18	**0.00**	0.16
- कॉमर्शियल बैंक ऑफ इथोपिया	**3.81**	3.38	**3.42**	0.05
- बैंक ऑफ भूटान, भूटान	**0.01**	0.04	**0.00**	0.01
- जम्हूरिया बैंक, लीबिया	**3.94**	4.34	**0.53**	0.95
- नेशनल बैंक ऑफ इजिप्ट	**0.13**	0.13	**0.12**	0.13
- स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, बंग्लादेश	**1.40**	72.69	**0.29**	1.02
- बैंक ऑफ खारतूम, सूडान	**10.82**	15.47	**1.33**	11.36
- स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, दुबई	**0.05**	0.22	**0.00**	0.05
			9790.08	10314.67
अन्य चालू परिसंपत्तियां				
बैंक जमा तथा निवेश पर प्रोद्भूत ब्याज			**406.85**	350.21
			406.85	350.21
चालू परिसंपत्तियों का सार				
मालसूचियां			**9235.46**	7837.02
विविध देनदार			**20688.75**	15975.50
नकद तथा बैंक शेष			**9790.08**	10314.67
अन्य चालू परिसंपत्तियां			**406.85**	350.21
			40121.14	34477.40

अनुसूची 9
ऋण तथा अग्रिम

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति		31.03.2009 की यथास्थिति	
ऋण				
सहायक कंपनियों को ऋण	**217.54**		181.89	
कर्मचारियों को ऋण	**0.06**		0.13	
ऋण पर जारी सामग्री	**4.56**		7.75	
अन्यों को ऋण	**0.04**		0.07	
[ऋण पर प्रोद्भूत तथा देय ब्याज सहायक कम्पनी को शून्य रुपये सहित (पिछले वर्ष 5.58 करोड़ रुपए)]	**4.75**	**226.95**	12.10	201.94
अग्रिम (नकद अथवा वस्तु के रूप में या प्राप्त किए जाने वाले मूल्यों पर वसूली योग्य)				
कर्मचारियों को	**24.69**		27.24	
खरीद के लिए	**1148.02**		595.82	
अन्यों को	**896.42**		956.91	
पूंजीगत व्यय के लिए	**20.50**	**2089.63**	55.29	1635.26
जमा				
सीमा शुल्क, पत्तन न्यास और अन्य सरकारी प्राधिकरणों के पास शेष (जिसमें केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारियों के पास डाकघर पासबुक को गिरवी रखकर प्राप्त रुपये 0.03 करोड़ (पिछले वर्ष 0.03 करोड़ रुपये) शामिल हैं।	**228.73**		191.40	
अन्य	**73.23**	**301.96**	131.14	322.54
अग्रिम कर/टीडीएस (आय कर के लिए प्रावधान को घटाकर 4252.63 करोड़ रुपये) (पिछले वर्ष 5594.26 करोड़ रुपये)		**231.85**		295.34
		2850.39		2455.08
घटाएं: संदिग्ध ऋणों तथा अग्रिमों के लिए प्रावधान		**36.72**		31.41
		2813.67		2423.67
ऋणों तथा अग्रिमों का विवरण –				
असंदिग्ध समझे गए ऋण एवं अग्रिम, जिनके बारे में कंपनी पूर्णतः रक्षित है		**5.61**		80.27
असंदिग्ध समझे गए ऋण एवं अग्रिम, जिनके बारे में कंपनी के पास देनदारों की निजी जमानत के अतिरिक्त कोई जमानत नहीं है		**2808.06**		2343.40
संदिग्ध समढे गए ऋण एवं अग्रिम, जिनके लिए प्रावधान किया गया		**36.72**		31.41
		2850.39		2455.08

	वर्ष के दौरान अधिकतम ऋण (रुपये करोड़ में) 2009-10	2008-09	31.03.2010	31.03.2009
कंपनी के निदेशकों द्वारा देय राशि	*	*	*	*
कंपनी के अधिकारियों द्वारा देय राशि	0.37	0.40	**0.17**	0.26

* 1 लाख रुपये से कम राशि

अनुसूची 10
चालू देयताएं

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति		31.03.2009 की यथास्थिति	
स्वीकृतियां		42.30		67.14
विविध लेनदार				
- सूक्ष्म और लघु उद्योग उद्यमों की कुल बकाया राशि (ब्याज सहित)	222.80		96.50	
- अन्य विविध लेनदार	7357.00	7579.80	5756.35	5852.85
ग्राहकों तथा अन्यों से प्राप्त अग्रिम		19190.55		16435.42
ठेकेदारों तथा अन्यों से जमा		434.38		325.68
अदावाकृत लाभांश *		1.61		1.31
अन्य देयताएं		774.57		674.44
प्रोद्भूत लेकिन अदेय ब्याज		0.53		0.48
		28023.74		23357.32

*निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में अंतरित किए जाने हेतु तुलन–पत्र तिथि को कोई देय तथा राशि नहीं है।

अनुसूची 11
प्रावधान

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति	31.03.2009 की यथास्थिति
लाभांश	602.11	391.61
कॉर्पोरेट लाभांश कर	100.00	66.56
संविदात्मक दायित्व	895.36	887.09
सेवानिवृत्ति लाभ	2162.74	1715.79
अन्य	657.77	1914.53
	4417.98	4975.58

अनुसूची 12
कुल कारोबार (सकल)

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए
प्रतिफल रहित बिक्री	30269.25	24625.22
बाहरी उत्थापन और अन्य सेवाओं से लाभ और कार्य अनुबंध से प्राप्त राजस्व	3884.51	3407.97
	34153.76	28033.19

अनुसूची 12क

क. अन्य प्रचालन आय

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए	
निर्यात प्रोत्साहन		44.71		56.31
पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों पर किराया आय	6.16		25.52	
घटाएं: पट्टा समकरण लेखा	27.00	33.16	17.91	43.33
रद्दी माल		186.73		186.72
अधिशेष स्टॉक की बिक्री/अंतरण से प्राप्ति		0.59		0.18
अन्य		228.23		227.82
कुल (क)		493.42		514.46

ख. अन्य आय

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए
स्थायी परिसंपत्तियों की बिक्री से लाभ (निवल जमा)	0.30	8.36
निवेश पर लाभांश (दीर्घावधि व्यापार)	15.83	18.45
विनिमय अंतर प्राप्ति (निवल)	87.21	28.63
अन्य (अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के लिए सरकार) से प्राप्त शून्य रुपये सहित) (पिछले वर्ष 0.01 करोड़ रुपये)	243.50	157.93
कुल (ख)	346.84	213.37

ग. अन्य आय**

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए
ग्राहकों से	0.00*	0.60
कर्मचारियों से	0.02	0.04
बैंकों से	774.95	756.57
अन्य {सहायक कंपनी से (–) 5.58 करोड़ रुपए उत्क्रमण सहित (पिछले वर्ष 5.58 करोड़ रुपये)}	33.06	12.32
कुल (ग)	808.03	769.53
कुल अन्य आय **कुल (क+ख+ग)**	1648.29	1497.36

* 1 लाख रुपये से कम राशि

** स्रोत पर कर कटौती 98.55 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 175.11 करोड़ रुपये)

अनुसूची 13
चालू कार्य तथा तैयार माल में वृद्धि/(कमी)

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए	
चालू कार्य				
इतिशेष	**4321.40**		3612.59	
अथशेष	**3612.59**	**708.81**	2548.53	1064.06
तैयार माल				
इतिशेष	**599.53**		519.00	
अथशेष	**519.00**	**80.53**	472.98	46.02
मार्गस्थ अंतर प्रभागीय अंतरण		**-2.69**		41.46
		786.65		1151.54
नोटः				
तैयार माल में उत्पाद शुल्क का तत्व				
इतिशेष		**53.06**		35.24
अथशेष		**35.24**		53.21

अनुसूची 14
सामग्री की खपत, उत्थापन और इंजीनियरी व्यय

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए
कच्चे माल तथा संघटकों की खपत	**17295.34**	15148.94
भंडार तथा पूर्जों की खपत	**457.40**	438.49
उत्थापन और इंजीनियरी व्यय–उप ठेकेदारों को भुगतान	**2919.58**	2032.62
	20672.32	17620.05

अनुसूची 15
कर्मचारियों को पारिश्रमिक तथा लाभ

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए
वेतन, मजदूरी, बोनस, भत्ते तथा अन्य लाभ	**4703.35**	2450.24
उपदान निधि में अंशदान	**1019.83**	-7.59
भविष्य निधि तथा अन्य निधियों में अंशदान	**320.73**	161.01
सामूहिक बीमा	**10.23**	8.64
कर्मचारी कल्याण व्यय	**395.03**	371.38
	6449.17	2983.68
निदेशक (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सहित)*		
वेतन तथा भत्ते	**1.29**	0.48
भविष्य निधि में अंशदान	**0.12**	0.05
उपदान निधि में अंशदान	**0.04**	0.03
अन्य	**0.47**	0.22

टिप्पणियां– अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा कार्यकारी निदेशकों को ड्यूटी हेतु तथा ड्युटी से भिन्न यात्राओं से लिए स्टाफ कार इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई है। उनकी नियुक्ति के निबंधन एवं शर्तों के अनुसार निर्धारित दर से भुगतान करने पर प्रति माह 1000 कि.मी. की ड्यूटी से भिन्न यात्रा कर सकते हैं। यदि आयकर नियम, 1962 के प्रावधानों के अनुसार इस्तेमाल करने हेतु उपर्युक्त परिलब्धि का मौद्रिक मूल्य निकाला जाए तो यह 0.01 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 0.01 करोड़ रुपये) होगा।

अनुसूची 16
विनिर्माण, प्रशासन, बिक्री और वितरण संबंधी अन्य व्यय

(रुपये करोड़ में)

		31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए
रॉयलटी, तकनीकी प्रलेखीकरण आवासीय परामर्शदाता के प्रभार और अन्य परामर्श प्रभार		**40.92**		40.21
किराया (आवासीय किराए के लिए 60.79 करोड़ रुपये सहित) (पिछले वर्ष 44.46 करोड़ रुपये)		**72.41**		52.63
उत्पाद शुल्क		**94.86**		68.83
विद्युत तथा ईंधन		**337.99**		341.82
दरें और कर		**48.63**		47.06
सेवा कर		**7.14**		11.51
बीमा		**84.74**		77.84
मरम्मत :				
भवन		**50.73**		71.10
संयंत्र तथा मशीनरी		**19.75**		16.45
अन्य		**90.96**		85.99
निर्यात से संबंधित अन्य व्यय		**23.75**		26.54
अशोध्य ऋण एवं बट्टाकृत राशि		**37.02**		2.67
बाह्य ढुलाई प्रभार		**302.69**		247.30
यात्रा एवं वाहन		**225.81**		191.11
विविध व्यय		**610.42**		548.96
प्रभारित किए गए निर्णीत हर्जाने		**102.89**		2.62
दान		**0.30**		0.13
कॉर्पोरेट सामाजिक व्यय		**4.01**		3.00
		2155.02		1835.77
टिप्पणियां:				
मरम्मत में विभागीय अनुरक्षण पर हुआ निम्नलिखित व्यय सम्मिलित नहीं है:				
संयंत्र एवं मशीनरी	**190.74**		131.75	
भवन	**44.38**		40.06	
अन्य	**29.39**	**264.51**	26.44	198.25
निर्यात संबंधी व्ययों में निर्यात पर दिया गया एजेंसी कमीशन शामिल है।		**14.51**		15.30
अनुसंधान एवं विकास पर व्यय		**352.50**		295.56
लेखापरीक्षकों को भुगतान (दावा किया गया सेवा कर जमा घटाकर)				
– फीस (विदेशों में लेखापरीक्षकों को दिए गए 0.04 करोड़ रुपये सहित) (पिछले वर्ष 0.05 करोड़ रुपये)		**0.40**		0.36
– व्यय		**0.14**		0.08
– आयकर मामले (विदेशों में लेखापरीक्षकों को दिए गए 0.01 करोड़ रुपये सहित), पिछले वर्ष 0.02 करोड़ रुपये)		**0.09**		0.09

अनुसूची 16 (जारी)
विनिर्माण, प्रशासन, बिक्री और वितरण संबंधी अन्य व्यय

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए	
– प्रमाणन कार्य (विदेशों में लेखापरीक्षकों को दिए गए 0.01 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष शून्य रुपये) शामिल		0.16		0.17
– अन्य व्यावसायिक सेवाएं (विदेशों में लेखापरीक्षकों को दिए गए शून्य रुपये सहित पिछले वर्ष 0.04 करोड़ रुपये)		0.10		0.07
लागत लेखापरीक्षकों को भुगतान		0.01		0.01
मनोरंजन पर व्यय		7.35		7.64
विदेशी यात्राओं पर हुआ व्यय (830 यात्रा के लिए) (पिछले वर्ष 775 यात्राएं)		14.55		14.02
प्रचार तथा जनसंपर्क पर व्यय				
– वेतन भत्ते तथा अन्य लाभ	10.08		6.16	
– अन्य व्यय	16.27	26.35	11.76	17.92
निदेशकों की फीस		0.08		0.07

अनुसूची 17
प्रावधान

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए	
संदिग्ध ऋण, निर्णीत हर्जाने तथा ऋण एवं अग्रिम				
- वर्ष के दौरान सृजित	683.68		395.57	
- घटाएं वर्ष के दौरान पुरांकित	380.58	303.10	360.43	35.14
संविदात्मक दायित्व				
- वर्ष के दौरान सृजित	359.86		427.21	
- घटाएं वर्ष के दौरान पुरांकित	348.65	11.21	241.01	186.20
अन्य				
- वर्ष के दौरान सृजित	599.84		1205.60	
- घटाएं वर्ष के दौरान पुरांकित	1848.30	-1248.46	145.97	1059.63
		-934.15		1280.97

अनुसूची 18
ब्याज तथा अन्य उधार लागतें

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए
निम्नलिखित पर ब्याज :		
बैंक/वित्तीय संस्थानों से उधार	12.85	8.64
अन्य	20.65	22.07
घटाएं: पूंजीकृत उधार लागतें	0.00	0.00
	33.50	30.71

अनुसूची 18ए
पूर्वावधि मदें

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए	
आय				
प्रतिफल रहित बिक्री	**7.12**		11.21	
प्रचालन आय (अन्य)	**0.00**		1.37	
अन्य आय (अन्य)	**1.29**		0.00	
ब्याज आय (अन्य)	**0.00**	**8.41**	0.10	12.68
व्यय				
कच्चे माल तथा संघटकों की खपत	**0.34**		-0.54	
मूल्यह्रास	**0.20**		0.07	
उप–संविदाकारों को भुगतान	**0.00**		0.04	
ब्याज	**0.08**		0.00	
विविध व्यय	**0.52**	**1.14**	1.22	0.79
पूर्वावधि समायोजन (निवल)		**7.27**		11.89

अनुसूची 19
लेखे पर टिप्पणियां

1. अग्रिम को घटाकर उन संविदाओं, जिनका निष्पादन पूंजी खाते में शेष है, और उसकी व्यवस्था नहीं की गई है, की अनुमानित राशि 1623.14 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 1783.78 करोड़ रुपये) है, जिसमें अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए 3.98 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 24.78 करोड़ रुपये) शामिल हैं।

2. भूमि और भवन में निम्नलिखित शामिल हैं

(क) 8648.91 एकड़ (पिछले वर्ष 9713.445 एकड़), 36 फ्लैट (पिछले वर्ष 36 फ्लैट) तथा एक बिल्डिंग (पिछले वर्ष एक बिल्डिंग) जिनके लिए औपचारिक हस्तांतरण/पट्टा विलेख निष्पादित नहीं किए हैं और जिनमें 71.44 एकड़ भूमि (पिछले वर्ष 71.44 एकड़) भी शामिल है, जिसके लिए अदा की गई लागत अनंतिम देय किए जा चुके प्रावधान में से पंजीकरण प्रभार और स्टाम्प शुल्क को घटाकर भुगतान करने पर लेखे में लिया जाएगा।

(ख) 28.676 एकड़ भूमि (पिछले वर्ष 28.676 एकड़) भूमि रक्षा मंत्रालय, सरकारी विभागों और अन्यों को पट्टे पर दी गई है।

(ग) 180 एकड़ भूमि (पिछले वर्ष 180 एकड़) का प्रयोग रक्षा मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है और भूमि के लाइसेंसीकरण को जारी रखने के लिए सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन की प्रतीक्षा है।

(घ) 116.365 एकड़ (पिछले वर्ष 116.365 एकड़) भूमि प्रतिकूल कब्जे के अंतर्गत है।

3. 10,000 रुपये तक की प्रत्येक स्थायी परिसंपत्ति पर 100 प्रतिशत मूल्यह्रास के प्रावधान के लाभ पर प्रभाव, पिछले वर्षों के इस तरह के प्रभाव पर बिना विचार किए, निम्न प्रकार है:

(रुपये करोड़ में)

	2009-2010	2008-2009
लेखाकरण वर्ष में 10,000 रुपये मूल्य वाली परिसंपत्तियों पर चार्ज ऑफ 100 प्रतिशत मूल्यह्रास	10.55	15.26
उक्त पर सामान्य मूल्यह्रास	2.96	9.96
चार्ज ऑफ अतिरिक्त राशि	7.59	5.30

4. ग्राहकों को विक्रय एवं प्रेषण:

(क) अनंतिम मूल्यों पर आधारित 20.38 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 766.64 करोड़ रुपये) और वर्ष के दौरान रेलवे के साथ मूल्य निपटान के अनुसार पूर्व वर्षों में किए गए प्रेषणों के लिए 96.86 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 72.82 करोड़ रुपए) के अतिरिक्त दावे शामिल हैं।

(ख) अद्यतन मूल्य सूचकांकों की सीमा तक, विक्रय ठेके के अनुसार जिसमें प्रोद्भवन आधार पर वृद्धि दावे भी शामिल हैं, किए गए वृद्धि दावों के लिए 1108.07 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष के 923.93 करोड़ रुपये) शामिल हैं,

(ग) ग्राहकों के अनुरोध पर उनकी ओर से रोके गए 15.57 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 25.45 करोड़ रुपये) मूल्य के उपस्करों के प्रेषण, जिनके लिए कंपनी को भुगतान प्राप्त हो चुका है, शामिल हैं, और

(घ) संविदा की शर्तों के अनुसार सुपुर्दगी में देरी के लिए मूल्य कटौती के 23.01 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 15.65 करोड़ रुपये) शामिल नहीं हैं।

5. आकस्मिक देयताएं

(क) कंपनी के विरुद्ध दावों, जो ऋण के रूप में नहीं माने गए हैं, में निम्नलिखित शामिल हैं–

(i) आयकर की लंबित अपीलें (प्रावधानों को घटाकर) 28.77 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 28.57 करोड़ रुपये) जिनके लिए विरोध के अधीन 0.03 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 0.01 करोड़ रुपये) अदा किए गए हैं और जिन्हें शीर्ष जमा– अन्य के अधीन शामिल किया गया है।

(ii) बिक्री कर के 353.06 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 326.39 करोड़ रुपये) की मांग पर प्रतिवाद/न्यायालय आदेश के अधीन 76.91 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 71.56 करोड़ रुपये) का भुगतान किया गया तथा वसूलीयोग्य अग्रिम शीर्ष में शामिल किया गया है।

(iii) उत्पाद शुल्क के रूप में 195.47 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष के 169.16 करोड़ रुपये) की मांग पर प्रतिवाद/न्यायालय आदेश के अधीन 5.01 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 5.11 करोड़ रुपये) का भुगतान किया गया तथा वसूली योग्य अग्रिम शीर्ष में शामिल किया गया है।

(iv) सीमा शुल्क मांग 0.21 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 0.21 करोड़ रुपये) के तहत विरोध के अधीन 0.06 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 0.06 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

(v) न्यायालय/मध्यस्थ मामले 251.34 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 86.06 करोड़ रुपये)

(vi) निर्णीत हर्जाने 1287.94 करोड़ (पिछले वर्ष 1363.44 करोड़ रुपये)

(vii) संविदाकारों द्वारा किया गया प्रति दावा 0.61 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 40.99 करोड़ रुपये)

(viii) सेवा कर मांग 105.74 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 70.31 करोड़ रुपये) के तहत विरोध के अधीन 0.22 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 0.08 करोड़ रुपये) जमा कराए।

(ix) अन्य 62.02 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 58.77 करोड़ रुपये)

न्यायालय के विभिन्न मामलों/मुकदमों और कंपनी द्वारा विवादित दावों को ध्यान में रखते हुए संसाधनों के व्यय पर वित्तीय प्रभाव इस चरण पर सुनिश्चित करने योग्य नहीं हैं।

(ख) आईडीबीआई योजना के अंतर्गत वर्ष के अंत में बट्टाकृत हुंडियां शून्य रु. (पिछले वर्ष 0.06 करोड़ रु.) बकाया हैं।

6. कंपनी द्वारा पूर्व केएमसीएल तथा नीलांचल इस्तात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) को सप्लाई किए जा रहे उपकरण के आर्डर प्राप्त करने के लिए कंपनी ने पूर्व कोनार्क मेट कोक लिमिटेड (केएमसीएल) भुवनेश्वर में प्रत्येक 10 रुपये के इक्विटी शेयर के रूप में 5 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 5 करोड़ रुपये) निवेश किये। माननीय उड़ीसा उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालनार्थ केएमसीएल को माननीय उड़ीसा उच्च न्यायालय द्वारा स्वीकृत समामेलन की योजना के अनुसार कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 394 के साथ पठित धारा 391 के अधीन एनआईएनएल के साथ समामेलित किया गया था। एनआईएनएल ने कंपनी को कुल 5 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 5 करोड़ रुपये) के इक्विटी शेयर आबंटित किए। एनआईएनएल में इक्विटी भागीदारी प्राप्त आदेश के मूल्य अधिकतम 17.32 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 17.32 करोड़ रुपये) के 7.5 प्रतिशत तक प्रतिबंधित हैं।

7. बैंकों से कुल 100 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 100 करोड़ रुपये) की नकद ऋण सीमा (आईडीबीआई योजना के संबंध में हुंडी बट्टाकरण सीमा सहित) और परिसंघ बैंकों द्वारा स्वीकृत कुल 30,000 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 20000 करोड़ रुपये) की बैंक गारंटी/साख–पत्र सीमा के सम्बंध में कम्पनी के प्रति गारंटी/क्षतिपूर्ति दायित्व, कच्चे माल, संघटकों, चालू निर्माण कार्य, तैयार माल, भंडार, खाता ऋण और वर्तमान तथा भावी दोनों अन्य चालू परिसंपत्तियों के भाराक्रांति के माध्यम से प्रथम प्रभार द्वारा रक्षित है। दिनांक 31.3.2010 को बकाया बैंक गारंटी 31541 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 26752 करोड़ रुपये) और कॉर्पोरेट गारंटी 1685 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 1528 करोड़ रुपये) है।

8. अन्य देयताओं में वर्ष 1990–91 तक सरकार के कहने पर कंपनी द्वारा लिए गए विदेशी मुद्रा ऋणों के संबंध में भारत सरकार द्वारा मांगे गए गारंटी शुल्क के लिए 100.51 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 100.51 करोड़ रुपये) की राशि शामिल है। इसकी माफी के लिए मामला सरकार के साथ उठाया गया है चूंकि ऋण (सरकार द्वारा गारंटी शुदा) लेते समय ऐसे गारंटी शुल्क के भुगतान की कोई शर्त नहीं थी।

9. एमॉरफस सिलिकॉन सोलर सैल संयंत्र (एएसएससीपी), गुड़गांव को 30 वर्ष की अवधि के लिए अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय से दिनांक 1 अप्रैल, 1999 को पट्टे पर लिया गया था। सरकार के साथ पट्टा करार को अभी भी अंतिम रूप दिया जाना है।

10. देनदारों, लेनदारों, संविदाकार के अग्रिम, जमाराशि और उप संविदाकारों/फैब्रिकेटरों के पास पड़े भंडार/सामग्रियों के बकाया शेष पुष्टि, समंजन और परिणामी समायोजन, अगर कोई हों, के अधीन हैं। समंजन चालू आधार पर किया जाता है और जहां भी आवश्यक समझा जाता है, दिशा–निर्देशों के अनुरूप प्रावधान किए गए हैं।

11. सूक्ष्म और लघु उद्यमों से संबंधित प्रकटन

(रुपये करोड़ में)

क्रम सं.		2009–10	2008–09
1.	लेखाकरण वर्ष के अंत में आपूर्तिकर्ता को अदत्त शेष मूल राशि।	216.22	92.07
2.	लेखाकरण वर्ष के अंत में आपूर्तिकर्ता को अदत्त शेष पर देय ब्याज।	6.58	4.43
3.	वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि के साथ अदा किए गए ब्याज की राशि।	0.60	4.45
4.	वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि के साथ धारा 18 के अनुसार अदा किए गए ब्याज की राशि।	–	–

5.	भुगतान में विलंब की अवधि के लिए देय और भुगतान योग्य ब्याज की राशि (जिसे अदा किया गया परंतु वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद) परंतु इस अधिनियम के अधीन निर्दिष्ट ब्याज जोड़े बिना।	0.25	0.34
6.	वर्ष के दौरान प्रोद्भूत ब्याज और लेखाकरण वर्ष के अंत में अदत्त शेष ब्याज की राशि।	3.40	3.01
7.	यहां तक कि परवर्ती वर्षों में बकाया देय और देय भुगतान योग्य ब्याज की राशि, ऐसी तारीख तक, जब उपर्युक्त ब्याज देयताएं कटौती योग्य व्यय के रूप में अस्वीकृति के प्रयोजनार्थ लघु उद्यमों को वास्तव में अदा की जाती है।	0.01	0.04

12. (क) लेखाकरण मानक एएस–7 (संशोधित) की आवश्यकतानुसार दिनांक 01.04.2003 को अथवा उसके बाद की गई निर्माण संविदाओं से संबंधित ब्यौरे निम्नलिखित हैं –

(रुपये करोड़ में)

	2009–10	2008–09
वर्ष के दौरान माना गया संविदा राजस्व	28203.25	21815.06
दिनांक 31.3.2010 को चल रही संविदाओं के संबंध में		
– व्यय की गई लागत और माना गया लाभ (मानी गई हानियां घटाकर)	91106.88	62550.94
– प्राप्त अग्रिम की राशि	9830.20	8612.43
– प्रतिधारण की राशि (आस्थगित ऋण)	6768.15	4189.25
उपयुक्त राशि घटाने के बाद ग्राहकों से बकाये के संबंध में		
– परिसंपत्ति के रूप में संविदा कार्य के लिए ग्राहकों द्वारा देय सकल राशि	2423.42	2838.41
– देयता के रूप में संविदा कार्य के लिए ग्राहकों को देय सकल राशि	3170.18	2691.13
– आकस्मिक व्यय	–	–

(ख) लेखाकरण मानक (ए एस) –7 (संशोधित) निर्माण संविदाओं के अनुसार दिनांक 1 अप्रैल, 2003 को अथवा उसके बाद की गई निर्माण संविदाओं के संबंध में कुल लागतों और कुल राजस्व के अनुमानों की प्रबंधन द्वारा वर्ष के दौरान समीक्षा की जाती है और उन्हें आवधिक रूप से अद्यतन किया जाता है तथा चालू वर्ष के लेखे में आवश्यक समायोजन किए जाते हैं।

13. कंपनी ने वर्ष के दौरान संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान की लेखाकरण पद्धति परिवर्तित कर दी है। मामला–दर–मामला आधार पर प्रावधान सृजित करने की पूर्व पद्धति की तुलना में कंपनी ने इसे संशोधित किया है कि जहां भी परीक्षण प्रचालन किया गया है और देनदार परीक्षण प्रचालन की तारीख से तीन वर्षों से अधिक के लिए बकाया हैं, प्रावधान (संविदात्मक दायित्वों सहित) उस तारीख को यथा विद्यमान देनदारों के समतुल्य होंगे। इसके अनुरूप कुल बकाया के संबंध में प्रावधान में किसी कमी को प्रदान किया गया है और आधिक्य, अगर कोई हो, को वापस लिया गया है। इस लेखाकरण पद्धति में परिवर्तन के कारण वर्ष 2009–10 के लिए कर–पूर्व लाभ में 124.61 करोड़ की कमी का प्रभाव पड़ा है।

14. इसके अतिरिक्त, ग्राहक से बकाया भुगतान के निर्गमन की तुलना में दी गई परंतु 'परीक्षण प्रचालन की तारीख से 3 वर्षों के बाद बैंक गारंटी की समीक्षा प्रावधान, अगर अपेक्षित हो, सृजित करने के लिए मामला–दर–मामला आधार पर की गई है। वर्ष के लिए इसका प्रभाव कर–पश्चात लाभ में 57 करोड़ रुपए की कमी है।

15. वेतन संशोधन के भाग के रूप में परिलब्धियों और भत्तों के लिए "कैफेटेरिया दृष्टिकोण" के लागू होने से सभी कर्मचारियों द्वारा अ.या.रि/अ.या.भ. की पूर्व पद्धति को समाप्त कर दिया गया है और अब अ.या.रि. कैफेटेरिया के अधीन परिलब्धियों और भत्तों में से एक है और कर्मचारी को मूल वेतन के अधिकतम 46% के अधीन कैफेटेरिया दृष्टिकोण के अंतर्गत सूचीबद्ध किसी परिलब्धि और भत्ते का चयन करने का विकल्प है। इसलिए खण्ड वर्ष 2010–11 के लिए (पूर्व पद्धति के अनुसार) अ.या.रि. हेतु कोई पृथक प्रावधान प्रदान नहीं किया गया है। इस परिवर्तन का प्रभाव वर्ष 2009–10 के लिए कर–पूर्व लाभ में 16.71 करोड़ रुपये की वृद्धि है।

16. कंपनी 26 दिन के महीने को आधार मानकर छुट्टी नकदीकरण व्यय की गणना करती है। कंपनी ने भारत सरकार, लोक उद्यम विभाग के दिनांक 20.09.2005 के का.ज्ञा. द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप 30 दिन के महीने का आधार परिवर्तित करने का प्रस्ताव किया है। तथापि, कुछ कामगार यूनियनों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 9(क) के तहत 26 दिन की बजाए 30 दिन के महीने को आधारित मानने के खिलाफ विवाद उठाया। औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 33(3) के अनुसार कोई भी नियोक्ता इस प्रकार के मामले के समाधान अधिकारी

के पास लंबित होने के दौरान सेवा शर्तों में परिवर्तन नहीं कर सकता। समाधान अधिकारी द्वारा विवाद का अंतिम निपटान लंबित होने तक यथास्थिति बरकरार रखी जा रही है। तथापि, बीएचईएल में संकल्पित बड़ी संख्या में भर्ती को देखते हुए, प्रस्तावित परिवर्तन दिनांक 1 जनवरी, 2010 को अथवा उसके बाद कार्यग्रहण किए/कार्यग्रहण करने वाले कर्मचारियों पर लागू किया गया है।

17. वर्ष के दौरान किया गया अनुसंधान और विकास व्यय (भूमि और भवन की लागत छोड़कर), जो आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (2 क ख) के अधीन कटौतीयोग्य है का ब्यौरा। ऐसी कटौतियां प्राप्त करने के लिए डीएसआईआर के साथ पंजीकरण संबंधी औपचारिताएं मार्च, 2010 तक पूरी कर ली गई हैं, डीएसआईआर से औपचारिक पत्र की प्रतीक्षा है तथापि, वर्ष के दौरान किए गए अ. और वि. व्यय के कारण 150% की दर पर भारांशित कटौती पर वर्ष 2009–10 के लिए कर/आस्थगित कर के लिए प्रावधान करते समय विचार किया गया है।

(रुपये करोड़ में)

	2009-10	2008-09
क. अ. और वि. पर पूंजी व्यय		
भूमि	0.00	0.00
भवन	0.45	1.10
संयंत्र और मशीनरी तथा अन्य उपस्कर	23.34	6.50
कुल पूंजी व्यय	23.79	7.60
ख. अ. और वि. पर राजस्व व्यय		
वेतन और मजदूरी	127.79	105.79
उपभोग्य सामग्री/अतिरिक्त पुर्जे	50.93	32.79
विनिर्माण और अन्य व्यय	43.68	53.89
कुल राजस्व व्यय (आय को घटाकर)	222.40	192.47

18. व्युत्पन्न लिखतों से संबंधित ब्यौरे:

क) व्युत्पन्न लिखतों, जिन्हें रक्षित किया गया है और दिनांक 31.03.2010 को बकाया शून्य है (पिछले वर्ष शून्य)।

ख) विदेशी मुद्रा, जिन्हें व्युत्पन्न लिखतों अथवा अन्यथा रक्षित नहीं किया जाता, निम्नानुसार हैं–

(रुपये करोड़ में)

	2009-10		2008-09	
	विदेशी मुद्रा में	भारतीय मुद्रा में	विदेशी मुद्रा में	भारतीय मुद्रा में
क) परिसंपत्तियां/प्राप्तव्य (अर्थात देनदार)				
अमरीकी डॉलर में	21.50	960.64	24.69	1250.08
यूरो में	21.95	1317.78	10.60	705.63
एलवाईडी में	0.91	31.97	0.27	10.48
आरओ में	0.19	22.26	0.22	29.07
अन्य में		14.92		21.25
ख) देयताएं (अर्थात् ग्राहकों/लेनदारों से अग्रिम)				
अमरीकी डॉलर में	28.81	1313.74	17.80	917.89
यूरो में	34.63	2126.34	23.88	1637.21
एलवाईडी में	2.13	47.97	0.92	37.25
अन्य में		100.76		70.25

19. एस–15 (संशोधित) से संबंधित प्रकटन – कर्मचारी लाभ

क) दिनांक 1 अप्रैल, 2006 से कंपनी ने कर्मचारी लाभों पर पुनरीक्षित लेखाकरण मानक 15 (संशोधित) अपनाया है। एएस–15 (संशोधित) के अधीन यथा अपेक्षित निम्नलिखित प्रकटन स्थिति दर्शाता है:

ख) उपदान योजना

उपदान की देयता भावी भुगतानों के कारण उत्पन्न होती है, जिसे सेवानिवृत्ति, सेवा के दौरान मृत्यु अथवा सेवा से हटने की दशा में किया जाना अपेक्षित होता है। इस देयता का आकलन पुर्वानुमानित इकाई क्रेडिट बीकांकिक विधि के प्रयोग द्वारा किया गया है।

दिनांक 31.03.2010 को समाप्त वर्ष की यथास्थिति परिभाषित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य के अथशेष और इतिशेष का समाधान निम्नलिखित है:

(रु. करोड़ में)

		2009-10	2008-09
1.	दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन	**2009-10**	**2008-09**
	क) प्रारंभ में दायित्व का वर्तमान मूल्य	966.02	978.23
	ख) अधिग्रहण समायोजन	-	-
	ग) ब्याज लागत	72.45	68.48
	घ) पूर्व सेवा लागत	756.79	-
	ङ) चालू सेवा लागत	65.52	41.03
	च) कटौती लागत/(जमा)	-	-
	छ) निपटान लागत/(जमा)	-	-
	ज) अदा किए गए लाभ	(406.47)	(90.75)
	झ) बीमांकिक (लाभ)/हानि	203.14	(30.97)
	ञ) अवधि की समाप्ति पर दायित्व का वर्तमान मूल्य	1657.46	966.02
2.	योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन		
	क) प्रारंभ में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	966.02	978.25
	ख) अधिग्रहण समायोजन	-	-
	ग) योजना परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	82.11	83.15
	घ) अंशदान	-	-
	ङ) अदा किए गए लाभ	(406.47)	(90.75)
	च) योजना परिसंपत्तियों पर बीमांकिक लाभ/(हानि)	(4.04)	2.97
	छ) वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	637.62	973.62
3.	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य		
	क) प्रारंभ में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	966.02	978.25
	ख) अधिग्रहण समायोजन	-	-
	ग) योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्रतिफल	78.07	86.12
	घ) अंशदान	-	-
	ङ) अदा किए गए लाभ	(406.47)	(90.75)
	च) वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	637.62	970.62
	छ) वित्तपोषित स्थिति	(1019.83)	7.59
	ज) योजना परिसंपत्तियों के अनुमानित प्रतिफल पर वास्तविक राशि से अधिक राशि	(4.04)	2.97
4.	माना गया बीमांकिक लाभ/हानि		
	क) अवधि के लिए बीमांकिक लाभ/(हानि)–दायित्व	(203.14)	30.97
	ख) अवधि के लिए बीमांकिक लाभ/(हानि)–योजना परिसंपत्तियां	4.04	(2.97)
	ग) अवधि के लिए कुल (लाभ)/हानि	207.19	(33.94)
	घ) अवधि में माना गया बीमांकिक (लाभ)/हानि	207.19	(33.94)
	ङ) अवधि के अंत में नहीं माना गया बीमांकिक (लाभ)/हानि	-	-
5.	तुलन पत्र में मानी गई राशि तथा लाभ और हानि का विवरण		
	क) अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	1657.46	966.02
	ख) अवधि के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	637.62	973.62

	ग) वित्तपोषण की स्थिति	(1019.83)	7.59
	घ) अनुमानित की तुलना में अधिक वास्तविक राशि	(4.04)	2.97
	ङ) नहीं माना गया बीमांकिक (लाभ)/हानि	-	-
	च) तुलन पत्र में मानी गई निवल परिसंपत्ति/(देयता)	(1019.83)	7.59
6.	<u>लाभ और हानि लेखे के विवरण में माना गया व्यय</u>		
	क) चालू सेवा लागत	65.52	41.03
	ख) पूर्व सेवा लागत	756.79	-
	ग) ब्याज लागत	72.45	68.48
	घ) योजना परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	(82.11)	(83.15)
	ङ) कटौती लागत/(जमा)	-	-
	च) निपटान लागत/(जमा)	-	-
	छ) अवधि में माना गया निवल बीमांकिक (लाभ)/हानि	207.19	(33.94)
	ज) लाभ और हानि के विवरण में माना गया व्यय	1019.83	(7.59)

पूर्वानुमान–बट्टा दर – 7.00 प्रतिशत (पिछले वर्ष 7.50 प्रतिशत), भावी वेतन वृद्धि 4.50 प्रतिशत (पिछले वर्ष 4.50 प्रतिशत), योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल की प्रत्याशित दर– 8.50 प्रतिशत (पिछले वर्ष 8.50 प्रतिशत)

ग) सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ योजना

(रु. करोड़ में)

		2009-10	2008-09
1.	दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन	**2009-10**	**2008-09**
	क) प्रारंभ में दायित्व का वर्तमान मूल्य	758.80	666.08
	ख) अधिग्रहण समायोजन	-	-
	ग) ब्याज लागत	56.91	46.63
	घ) पूर्व सेवा लागत	-	-
	ङ) वर्तमान सेवा लागत	16.04	14.59
	च) कटौती लागत/(जमा)	-	-
	छ) निपटान लागत/(जमा)	-	-
	ज) अदा किया गया लाभ	(29.91)	(26.39)
	झ) बीमांकिक (लाभ)/हानि	58.59	57.89
	ञ) वर्ष के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	860.43	758.80
2.	योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन	-	-
3.	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
	वित्तपोषित स्थिति	(860.43)	(758.80)
4.	माना गया बीमांकिक लाभ/हानि		
	क) अवधि के लिए बीमांकिक लाभ/(हानि) दायित्व	(58.59)	(57.89)
	ख) अवधि के लिए बीमांकिक (लाभ/(हानि) – योजना परिसंपत्तियां	-	-
	ग) वर्ष के लिए (लाभ)/हानि	58.59	57.89
	घ) अवधि के लिए माना गया बीमांकिक (लाभ)/हानि	58.59	57.89
	ङ) अवधि के अंत में नहीं माना गया बीमांकिक (लाभ)/हानि	-	-
5.	तुलन पत्र और लाभ एवं हानि विवरण में मानी गई राशि		
	क) वर्ष के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	860.43	758.80
	ख) वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
	ग) वित्तपोषण की स्थिति	(860.43)	(758.80)
	घ) तुलन पत्र में मानी गई निवल परिसंपत्तियां/(देयता)	(860.43)	(758.80)
6.	लाभ और हानि विवरण में माना गया व्यय		
	क) वर्तमान सेवा लागत	16.04	14.59
	ख) ब्याज लागत	56.91	46.63
	ग) वर्ष में माना गया निवल बीमांकिक (लाभ)/हानि	58.59	57.89
	घ) लाभ और हानि विवरण में माना गया व्यय	131.54	119.11

(घ) भविष्य निधि

आईसीएआई द्वारा जारी एएस–15 (संशोधित) पर जारी दिशानिर्देश टिप्पणी के अनुरूप कंपनी ने कंपनी के भविष्य निधि न्यास के संबंध में भविष्य निधि का बीमांकिक मूल्यांकन प्राप्त किया है। बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार वर्ष 2009–10 के दौरान 6.49 करोड़ रुपए (पिछले वर्ष (–) 4.14 करोड़ रुपए उत्क्रमण) की देयता प्रदान की गई है, इससे भावी अवधि के लिए ब्याज में संभावित संचयी कमी 16.13 करोड़ रुपए (पिछले वर्ष 9.64 करोड़ रुपए) है, जिसकी कंपनी द्वारा भविष्य निधि न्यास को प्रतिपूर्ति की जानी है, को लेखा बहियों में रखा गया है।

20. संबद्ध पार्टियों के साथ लेन–देनः

i) संबद्ध पार्टियां, जहां नियंत्रण मौजूद है (संयुक्त उद्यम)
पावर प्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट लिमिटेड
बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
एनटीपीसी–बीएचईएल पॉवर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
उडनगुडी पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड
बराक पॉवर प्राइवेट लिमिटेड
रायचूड़ पावर कार्पोरेशन लिमिटेड
दादा धूनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड

ii) अन्य संबद्ध पार्टियां (मुख्य प्रबन्धन कार्मिक – कार्यकारी निदेशकः मौजूदा और सेवानिवृत्त):
सर्वश्री बी.पी. राव, सी.एस. वर्मा, अनिल सचदेव, अतुल सराया, ओ.पी. भूटानी और के. रवि कुमार

iii) लेन–देन का ब्यौराः

(रुपये करोड़ में)

विवरण	संयुक्त उपक्रम		प्रमुख प्रबंधन कार्मिक (केएमपी)		केएमपी कार्मिक के रिश्तेदार	
	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09
वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद	2.51	61.07				
वस्तुओं एवं सेवाओं की बिक्री	63.01	67.86				
सेवाएं प्रदान करना	5.59	4.85				
सेवाएं प्राप्त करना						
लाभांश आय	15.83	18.45				
रॉयल्टी आय	0.84	1.46				
वर्ष के अंत में बीएचईएल को देय राशियां	18.30	26.59			0.01	0.01
वर्ष के अंत में बीएचईएल राशियों द्वारा देय	1.06	0.70				
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	0.02	0.02				
पुरांकित राशि	-	-				
की ओर से दी गई गारंटियां	-	-				
वेतन का भुगतान			1.91	0.78	0.14	0.10

टिप्पणी : संयुक्त उपक्रमों के साथ लेन–देन बीडीजीटीएस के साथ है।

21. पट्टा

क. 1 अप्रैल, 2001 को अथवा उसके बाद वित्त पट्टा पर ली गई परिसंपत्तियों के ब्यौरे निम्नलिखित हैं–

(रुपये करोड़ में)

		31.3.2010 की यथास्थिति	31.3.2009 की यथास्थिति
क.	न्यूनतम पट्टा भुगतानों का बकाया शेष		
	– एक वर्ष तक	55.68	56.87
	– एक वर्ष से अधिक किंतु पांच वर्ष तक	89.30	117.31
	– पांच वर्ष से अधिक		
	तुलन पत्र तिथि को कुल न्यूनतम पट्टा भुगतान	144.98	174.18
ख.	उक्त (क) का वर्तमान मूल्य		
	– एक वर्ष तक	47.42	43.99
	– एक वर्ष से अधिक किंतु पांच वर्ष तक	74.74	99.64
	– पांच वर्ष से अधिक	-	-
	तुलन पत्र तिथि को कुल न्यूनतम पट्टा भुगतान	122.16	143.63
ग.	वित्त प्रभार	22.82	30.55
	अवशिष्ट मूल्य, अगर कोई है, तो उसका वर्तमान मूल्य	0.01	0.01

ख. कंपनी में कर्मचारियों के लिए मकानों, कार्यालय भवनों और ईडीपी उपस्करों को रद्द करने योग्य तथा रद्द न करने योग्य प्रचालन पट्टे पर लेने की परंपरा है।

ग. रद्द न करने योग्य प्रचालन पट्टे के अंतर्गत भावी न्यूनतम पट्टा भुगतान निम्नानुसार हैं:

(रुपये करोड़ में)

	31.3.2010 की यथास्थिति	31.3.2009 की यथास्थिति
– एक वर्ष तक	4.39	4.36
– एक वर्ष से अधिक किंतु पांच वर्ष तक	9.26	7.34
– पांच वर्ष से अधिक	0.91	0.03

घ. 1.4.2001 से पहले पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के किराये के विवरण नीचे दिए गए हैं:

(रुपये करोड़ में)

परिसंपत्तियां	परिसंपत्तियों की लागत		पट्टे की शेष अवधि हेतु देय किराया	
	2009-2010	2008-2009	2009-2010	2008-2009
कम्प्यूटर तथा बाह्य सामग्री	0.83	0.83	0.01	0.01
भूमि और भवन	0.07	0.06	0.02	0.03
कुल	0.90	0.89	0.03	0.04

22. प्रति शेयर अर्जन

			2009-10	2008-09
वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	(क)	संख्या करोड़ में	48.952	48.952
इक्विटी शेयरों का मामूली मूल्य		(रुपये)	10.00	10.00
वर्ष के लिए निवल लाभ	(ख)	(रुपये करोड़ में)	4310.64	3138.21
प्रति शेयर मूल एवं विलयित अर्जन	(ख)/(क)	(रुपये)	88.06	64.11

23. समय अंतराल के कारण निवल आस्थगित कर परिसंपत्तियों के विवरण निम्नानुसार हैं:

(रुपये करोड़ में)

	31.3.2010 की यथास्थिति	31.3.2009 की यथास्थिति
आस्थगित कर परिसंपत्तियां		
प्रावधान	992.81	1336.51
स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजनाओं का आस्थगित राजस्व व्यय	0.00	0.01
सांविधिक देयताएं	502.48	470.07
धारा 145क के अनुसार समायोजन	47.20	85.37
धारा 35 (2कख) के अनुसार अ. और वि. व्यय	42.24	-
अन्य	16.49	6.14
	1601.23	**1898.08**
आस्थगित कर देयताएं		
मूल्यह्रास	73.99	57.78
निवल आस्थगित कर परिसंपत्तियां	**1527.23**	**1840.30**

24. संयुक्त उद्यम/सहायक कंपनियां

(i) महाराष्ट्र के लातूर में सुपर क्रिटिकल पैरामीटर सहित 2x660 मेगावाट ताप विद्युत संयंत्र निर्मित करने, स्वामित्व लेने और प्रचालित करने के लिए संयुक्त उपक्रम कंपनी की स्थापना हेतु बीएचईएल और महाजेनको के बीच दिनांक 12 अगस्त, 2009 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है।

(ii) मढ़ौरा, बिहार में डीजल इंजन कारखाना की स्थापना के लिए भारतीय रेलवे की निविदा में भाग लेने हेतु जनरल इलेक्ट्रिक, सं.रा.अ. के साथ दिनांक 20 अगस्त, 2009 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया था।

(iii) डान्कुनी, पश्चिम बंगाल में चित्तरंजन इंजन कारखाना (सीएलडब्ल्यू) की इलेक्ट्रिक लोको एसेम्बली और एन्सिलियरी यूनिट की स्थापना से संबंधित भारतीय रेलवे की निविदा में भाग लेने के लिए एल्स्टॉम, ट्रांसपोर्ट एस.ए., फ्रांस के साथ दिनांक 27 जनवरी, 2010 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया था।

(iv) भारत तथा अन्य परस्पर सहमत्य देशों में पारेषण और वितरण व्यवसाय के लिए संयुक्त उपक्रम कंपनी गठित करने की संभावना खोजने के लिए तोशिबा कारपोरेशन, जापान के साथ कंपनी ने दिनांक 17 फरवरी, 2010 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

(v) मध्य प्रदेश के खंडवा में सुपरक्रिटिकल पैरामीटर सहित दादा धूनीवाले खंडवा पॉवर लिमिटेड नामक 2x800 मेगावाट ताप विद्युत संयंत्र निर्मित करने, स्वामित्व लेने और प्रचालित करने के लिए दिनांक 25 फरवरी, 2010 को बीएचईएल और एमपीपीजीसीएल के बीच एक संयुक्त उपक्रम कंपनी गठित की गई है।

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखाकरण मानक–27 के अनुपालन में संयुक्त उपक्रमों से संबंधित प्रकटन निम्नलिखित है।

क)

संयुक्त उपक्रमों का नाम	संस्थापन का देश	स्वामित्व का समानुपात
पॉवर प्लांट परफॉर्मेंस इन्प्रूवमेंट लिमिटेड	भारत	50 प्रतिशत से एक शेयर कम
बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	भारत	50 प्रतिशत से एक शेयर कम
एनटीपीसी–बीएचईएल पॉवर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	भारत	50 प्रतिशत
उडनगुडी पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड	भारत	50 प्रतिशत
बराक पॉवर प्राइवेट लिमिटेड	भारत	50 प्रतिशत
रायचूड़ पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेड	भारत	50 प्रतिशत
दादा धूनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड	भारत	50 प्रतिशत

ख) पीपीआईएल में निवेश के संबंध में प्रावधान किया गया है, क्योंकि पीपीआईएल परिसमापन के अधीन है।

ग) लेखों के अनुसार संयुक्त उपक्रमों में कंपनी की कुल ब्याज राशि निम्नलिखित है:

(रु. करोड़ में)

	बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	एनटीपीसी–बीएचईएल पॉवर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	उडनगुडी पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड *	बराक पॉवर प्राइवेट लिमिटेड *	रायचूड़ पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड *	दादा धूनीवाले खंडवा पॉवर लिमिटेड *
स्थायी परिसंपत्तियां	2.50 (3.24)	0.29 (0.07)	2.46 (0.20)	0.00 (0.00)	0.01 (Nil)	0.00 (Nil)
निवल चालू परिसंपत्तियां	31.97 (24.21)	22.88 (3.76)	2.70 (4.80)	-0.03 (-0.03)	3.64 (Nil)	2.50 (Nil)
ऋण निधियां	0.20 (0.28)	0.08 (0.00)	0.00 (0.00)	0.00 (0.00)	1.01 (Nil)	0.00 (Nil)
बट्टे खाते नहीं डाले गए विविध व्यय	-	-	-	0.08 (0.08)	2.36 (Nil)	-
आस्थगित कर परिसंपत्तियां (निवल)	1.02 (0.70)	0.36 (0.00)	0.00 (0.00)	(0.00) 0.00	0.00 (Nil)	0.00 (Nil)
शेयरधारकों की निधियां	35.29 (27.88)	23.44 (3.83)	5.16 (5.00)	0.05 (0.05)	5.00 (Nil)	2.50 (Nil)
आय	220.06 (216.19)	2.11 (0.02)	0.24 (0.05)	0.00 (0.00)	0.11 (Nil)	0.00 (Nil)
व्यय	181.69 (182.47)	2.85 (1.19)	0.01 (0.04)	0.00 (0.00)	2.44 (Nil)	0.00 (Nil)
आकस्मिक देयताएं	6.69 (6.63)	0.00 (0.00)	0.00 (0.00)	0.00 (0.00)	0.00 (Nil)	0.00 (Nil)
पूंजीगत प्रतिबद्धताएं	0.00 (0.00)	0.00 (0.00)	0.00 (0.00)	0.00 (0.00)	0.00 (Nil)	0.00 (Nil)

* अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों पर आधारित
कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े पिछले वर्ष के आंकड़े दर्शाते हैं

25. स्टॉक एक्सचेंजों के साथ किए गए सूचीकरण करार के अनुसार कंपनी द्वारा दिए गए ऋण के रूप में ऋण तथा अग्रिमों का उचित ब्यौरा नीचे दिया गया हैं–

i) सहायक कंपनी के संबंध में: (रु. करोड़ में)

सहायक कंपनी का नाम	31 मार्च, 2010 को ऋण के रूप में ऋण तथा अग्रिमों की बकाया राशि	वर्ष 2009–10 के दौरान ऋण के रूप में ऋण तथा अग्रिमों की अधिकतम बकाया राशि
भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड (निर्ब्याज)	217.54 (181.89)	217.54 (181.89)

ii) कोई भी ऋण (कर्मचारियों को दिए गए ऋणों को छोड़कर) नहीं दिया गया है जिनमें कोई वापसी भुगतान समय–अनुसूची अथवा सात वर्षों के बाद वापसी भुगतान नहीं हैं, और

iii) फर्मों/कंपनियों, जिनमें निदेशकों का हित है, को ऋणों की प्रकृति का कोई ऋण और अग्रिम नहीं है।

26 लेखाकरण मानक–29 से संबंधित प्रकटन

(अ) (रु. करोड़ में)

विवरण	अथशेष	वृद्धियां	उपयोग/बट्टे खाते/भुगतान	वापसी/समायोजन	इतिशेष
निर्णीत हर्जाने					
चालू वर्ष 2009–10	522.51	177.38	(102.89)	(113.75)	483.25
(पिछले वर्ष 2008–09)	(644.14)	(175.00)	(2.62)	(294.01)	(522.51)
संविदात्मक दायित्व					
चालू वर्ष 2009–10	887.09	359.86	(77.11)	(274.48)	895.36
(पिछले वर्ष 2008–09)	(696.57)	(427.21)	(74.95)	(161.74)	(887.09)

क) निर्णीत हर्जाना कंपनी की लेखाकरण नीति के अनुरूप प्रदान किया जाता है और भुगतान के समय अथवा अन्यथा उचित रूप से विचार किया जाता है। निर्णीत हर्जाने से संबंधित आकस्मिक देयता अनुसूची–19 की टिप्पणी सं. 5 में दर्शाई गई है।

ख) संविदात्मक दायित्व के लिए प्रावधान संविदा के निबंधन एवं शर्तों के अनुसार वारंटी के दायित्व की पूर्ति के लिए महत्वपूर्ण लेखाकरण नीति सं. 14 के अनुरूप संविदा मूल्य के 2.5 प्रतिशत की दर पर किया जाता है। उसे संविदा के वारंटी दायित्वों के पूरा होने तक प्रतिधारित किया जाता है। वास्तविक वारंटी दायित्व संबंधित संविदा की शर्तों पर निर्भर करते हुए संविदा दर संविदा और वर्ष दर वर्ष भिन्न हो सकता है।

(ब) वर्ष के दौरान कर्मचारियों के साथ वेतन संबंधी समझौते को अंतिम रूप दिया गया है। दिनांक 01.01.2007 से 31.03.2009 तक की 2087.50 करोड़ रुपए (दिनांक 31.03.2009 तक हिसाब में लिए गए 798.59 करोड़ रुपए की तदर्थ राशि और 50 प्रतिशत महंगाई भत्ते के विलय के प्रभाव को घटाकर) की बकाया राशि लाभ एवं हानि लेखे में प्रभारित की गई है और दिनांक 31.03.2009 तक उपलब्ध 1749.34 करोड़ रुपए का प्रावधान लाभ एवं हानि लेखे में वापस लिया और वर्ष के दौरान रिक्त प्रावधानों के अधीन दर्शाया गया है।

अधिवर्षिता लाभों के भाग के रूप में मजदूरी समझौते में यथा संकल्पित पेंशन स्कीम के लिए प्रावधान दिनांक 31.03.2010 की यथास्थिति अंतिम रूप दिए जाने और स्कीम का अनुमोदन होने तक अनुमान के आधार पर 453.10 करोड़ रुपए (दिनांक 01.01.2007 से 31.03.2010 तक देय) रखा गया है।

27. एक लाख रुपए से कम व्यय और आय की मद पर पूर्वावधि मदों के अधीन दर्ज करने के लिए विचार नहीं किया गया है।

28. खण्ड सूचना

(रुपये करोड़ में)

	31.3.2010 को समाप्त वर्ष के लिए			31.3.2009 को समाप्त वर्ष के लिए		
क. प्राथमिक खंड – व्यावसायिक खंड						
	विद्युत	**उद्योग**	**योग**	विद्युत	उद्योग	योग
I. खंड राजस्व						
क. खंड राजस्व	26860.70	7878.96	**34739.66**	21344.38	7249.52	28593.90
ख. अंतर खंड राजस्व	0.00	541.19	**541.19**	0.00	504.40	504.40
ग. प्रचालन राजस्व – बाह्य (क) – (ख)	26860.70	7337.77	**34198.47**	21344.38	6745.12	28089.50
II. खंड परिणाम						
क. खंड परिणाम	6317.03	1642.46	**7959.49**	3861.76	1214.63	5076.39
ख. अनाबंटित व्यय (आय को घटाकर)			**1335.34**			196.83
ग. ब्याज पूर्व लाभ, डीआरई एवं आय कर (क) – (ख)			**6624.15**			4879.56
घ. ब्याज			**33.50**			30.71
ङ. आय कर पूर्व निवल लाभ (ग) – (घ)			**6590.65**			4848.85
च. आय कर			**2280.01**			1710.64
छ. आय कर पश्चात निवल लाभ			**4310.64**			3138.21
III परिसंपत्तियां तथा देयताएं						
क. खंड परिसंपत्तियां	27679.83	8320.57	36000.40	21369.52	6743.21	28112.73
ख. अनाबंटित परिसंपत्तियां			12486.43			13308.35
ग. कुल परिसंपत्तियां			48486.83			41421.08
घ. खंड देयताएं	25174.14	6071.67	31245.81	21940.73	5356.23	27296.96
ङ. अनाबंटित देयताएं			1323.66			1185.31
च. कुल देयताएं			32569.47			28482.27
IV अन्य सूचना						
क. स्थायी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण की अवधि के दौरान व्यय की गई लागत (सीडब्ल्यूआईपी सहित)	1391.85	270.30		1049.17	144.90	
ख. मूल्यह्रास	301.06	82.01		194.96	57.89	
ग. गैर नकद व्यय (मूल्यह्रास के अतिरिक्त)	-452.84	-269.21		701.53	336.86	
ख. अनुपूरक खंड – भौगोलिक क्षेत्र						
	भारत में	**भारत के बाहर**	**कुल**	भारत में	भारत के बहार	कुल
1 निवल बिक्री/प्रचालनों से आय	32517.14	1681.33	34198.47	26272.19	1817.31	28089.50
2 कुल परिसंपत्तियां	48434.18	52.65	48486.83	41234.50	186.58	41421.08
3 स्थायी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण की अवधि के दौरान व्यय की गई लागत	1692.84	0.22	1693.06	1307.76	0.06	1307.82

टिप्पणियां :

1. कंपनी के उत्पाद एवं सेवाओं के क्षेत्र, जिससे वे बाजार में प्रमुखता से पहचाने जाते हैं, के आधार पर 'विद्युत' एवं 'उद्योग' खंडों के अंतर्गत समूह बना दिए गए हैं।
2. विद्युत क्षेत्र में विभिन्न विद्युत उत्पादन सेटों एवं उनके सहायक उपकरणों से संबद्ध उत्पाद और सेवाएं शामिल हैं।
3. उद्योग क्षेत्र में परिवहन और पारेषण, विद्युत मशीनें, औद्योगिक सेट एवं डीजी सेट, दूरसंचार तथा अन्य औद्योगिक उत्पाद एवं प्रणालियों से संबंधित उत्पाद एवं सेवाएं शामिल हैं।
4. अंतर खंड अंतरण आपसी सहमति के मूल्य पर किए गए हैं।

29. गत वर्ष के आंकड़ों को चालू वर्ष के प्रस्तुतिकरण के अनुरूप बनाने के लिए जहाँ भी व्यवहार्य हुआ उन्हें पुनः समूहबद्ध/पुनः वर्गीकृत किया गया है।

30. कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं

क. बिक्री, प्रारंभिक स्टॉक एवं अंतिम स्टॉक

(रु. करोड़ में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2009–10 के दौरान बिक्री		1.4.2009 को तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक		31.3.2010 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
एचईपी, भोपाल ***स्विचगीयर, कंट्रोल गीयर, रेक्टिफायर, कैपेसिटर्स***							
स्विचगीयर–11 केवी से 220 केवी उच्च गति वाले एयर ब्लास्ट सर्किट ब्रेकर्स	सं.	2690 (2533)	223.37 (101.19)	85 (55)	2.57 (0.79)	0 (85)	0.00 (2.57)
कंट्रोल पैनल	सं.	357 (314)	93.58 (72.13)	7 (0)	3.61 (0.00)	2 (7)	0.34 (3.61)
औद्योगिक कंट्रोलगीयर	सं.	0 (0)	21.22 (20.76)	0 (0)	0.00 (0.00)	0 (0)	0.00 (0.00)
ए.सी. डीसी तथा डीजल प्रणाली के लिए ट्रैक्शन कंट्रोलगीयर	सेट	143 (123)	103.82 (113.52)	13 (0)	3.61 (0.00)	1 (13)	0.11 (3.61)
इलेक्ट्रॉनिक्स सहित रेक्टीफायर	सं.	444 (525)	157.15 (135.65)	3 (0)	1.04 (0.00)	3 (3)	0.57 (1.04)
कैपेसिटर्स	एमवीएआर एमवीएआर	2169 (2358)	14.46 (18.16)	157 (14)	1.39 (1.24)	100 (157)	1.28 (1.39)
बुशिंग्स		0 (0)	26.47 (19.98)	0 (0)	0.20 (0.00)	0 (0)	0.00 (0.20)
ट्रांसफॉर्मर							
पॉवर ट्रांसफॉर्मर (400 केवी तक)	एमवीए एमवीए	13968 (14526)	566.05 (590.47)	617 (0)	14.17 (31.27)	0 (617)	0.12 (14.17)
इंस्ट्रुमेंट, वेल्डिंग, ट्रांसफॉर्मर्स तथा रिएक्टर्स	एमवीए सं. एमवीए सं.	0 457 (0) (391)	16.63 (15.17) 	0 103 (0) (0)	0.90 0.00 (0.00) (0.00)	0 0 (0) (103)	0.00 (0.90) (0.00)
औद्योगिक एवं ट्रैक्शन मशीनें							
एसी, डीसी तथा डीजल प्रणाली, मुख्य/सहायक जेनरेटरों के लिए ट्रैक्शन मोटरें	सं.	2130 (3151)	581.56 (725.08)	13 (107)	9.24 (8.63)	30 (13)	3.83 (9.24)
औद्योगिक मशीनें, 1000 एच पी तक की एसी मोटरें, सभी प्रकार की डीसी मोटरें तथा जेनरेटर	सं.	1212 (984)	272.77 (215.21)	90 (49)	12.42 (6.51)	37 (90)	5.15 (12.42)
हेवी रोटेटिंग प्लांट तथा टर्बाइन							
1000 एचपी से अधिक बड़ी इलेक्ट्रिकल मशीनें	सं.	335 (331)	290.55 (279.04)	6 (15)	2.51 (7.38)	7 (6)	3.03 (2.51)
वाटर व्हील आल्टरनेटर्स तथा वाटर टर्बाइन और मिनी माइक्रो टर्बाइन एवं जेनरेटर	सं./ एमडब्ल्यू सं./ एमडब्ल्यू सं./ एमडब्ल्यू सं./ एमडब्ल्यू	24/T 785 25/G 1399 (22/T) (835) (21/G) (658)	383.66 291.72 (265.83) (176.41)	0 0 0 0	14.91 13.09 (3.51) (0.89)	0 0 	4.08 11.93 (13.09) (14.91)
टर्बो आल्टरनेटर्स तथा स्टीम टर्बाइन	सेट	0 (0)	141.79 (153.25)	0 (0)	0.00 (0.00)	0 (0)	0.00 (0.00)
हीट एक्सचेंजर्स	सं. सं.	22 (24)	191.80 (112.58)	0 (3)	0.35 (5.48)	0 (0)	0.44 (0.35)
अन्य		 (0)	219.50 (183.85)		0.00 (0.00)		0.90 (0.00)
		कुल	**3596.10**		**80.01**		**31.78**

30. कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

क. बिक्री, प्रारंभिक स्टॉक एवं अंतिम स्टॉक

(रु. करोड़ में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2009–10 के दौरान बिक्री मात्रा	वर्ष 2009–10 के दौरान बिक्री मूल्य	1.4.2009 को तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक मात्रा	1.4.2009 को तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक मूल्य	31.3.2010 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक मात्रा	31.3.2010 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक मूल्य
टीपी, झांसी							
पावर ट्रांसफॉर्मर तथा स्पेशल ट्रांसफॉर्मर	सं.	145	324.61	6	18.60	2	1.53
		(99)	(316.41)	(4)	(11.54)	(6)	(18.60)
ईएसपी ट्रांसफॉर्मर	सं.	1098	93.85	0	0.00	8	0.51
		(798)	(75.74)	(0)	(0.00)	(0)	(0.00)
एसीईएमयू ट्रांसफॉर्मर	सं.	0	0.00	0	0.00		
		(0)	(0)	(0)	(0.00)	(0)	(0.00)
फ्रेट लोको ट्रांसफॉर्मर	सं.	59	35.49	0	0.00		
		(86)	(76.93)	(0)	(0.00)	(0)	(0.00)
इंस्ट्रुमेंट ट्रांसफॉर्मर	सं.	386	12.14	30	0.63	6	0.15
		(249)	(8.60)	(69)	(1.31)	(30)	(0.63)
बस डक्ट	सं./सेट		4.02	0	0.71		
		(0)	(53.45)	(0)	(0.01)	(0)	(0.71)
ड्राई टाइप ट्रांसफॉर्मर	सं.	149	46.83	0	0.00	2	0.07
		(125)	(31.92)	(7)	(0.52)	(0)	(0.00)
डीजल शंटर्स	सं.	8	25.17	1	2.38	1	0.00
		(11)	(29.66)	(1)	(2.66)	(1)	(2.38)
नया उत्पाद लोको	सं.	0	0.00	0	0.00		
		(0)	(0.01)	(0)	(0.00)	(0)	(0.00)
ए सी लोको	सं.	22	134.74				
		(1)	(5.67)				
अन्य/विविध	सं.	0	17.34	0	0.10		
		(0)	(15.56)	(0)	(0.10)	(0)	(0.10)
		कुल	**694.19**		**22.42**		**2.26**
एचईईपी, हरिद्वार							
इलेक्ट्रिकल मशीनें	एमडब्ल्यू/सं.	0	0.00	1/2	0.21	1/2	0.22
		(0)	(0.00)	(3/3)	(0.27)	(1/2)	(0.21)
औद्योगिक कंट्रोल पैनल	सं.	0	0.00	3	0.18	3	0.19
		(0)	(0.00)	(3)	(0.19)	(3)	(0.18)
टर्बो सेट	एमडब्ल्यू/सं.	2355/8	2410.30	0	4.01	0	31.48
		(4960/15)	(1923.81)	(0)	(10.08)	(0)	(4.01)
हाइड्रो सेट	एमडब्ल्यू/सं.	0	31.55	0	0.00	0	0.14
		(0)	(28.35)	(0)	(0.38)	(0)	(0)
सुपर रैपिड गन माउंट	सं.	3	90.33	1	17.23	0	0.00
		(1)	(34.81)	(0)	(0.00)	(1.00)	(17.23)
गैस टर्बाइन	एमडब्ल्यू/सं.	0	190.98	0	3.01	0	0.00
		(0)	(299.63)	(0)	(0.00)	(0)	(3.01)
अन्य		0	491.78	0	6.74	0	7.60
		(0)	(566.69)	(0)	(7.27)	(0)	(6.74)
		कुल	**3214.94**		**31.38**		**39.63**
सीएफएफपी, हरिद्वार							
स्टील कास्टिंग	एमटी	0	0.00	0	0.00	0	0.00
		(0)	(0.06)	(0)	(0)	(0)	(0.00)
स्टील फॉर्जिंग	एमटी	0.00	0.00	0	0.00	0	0.00
		(13.19)	(1.22)	(0)	(0)	(0)	(0.00)
		कुल	**0.00**		**0.00**		**0.00**

30. कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

क. बिक्री, प्रारंभिक स्टॉक एवं अंतिम स्टॉक

(रु. करोड़ में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2009–10 के दौरान बिक्री मात्रा	वर्ष 2009–10 के दौरान बिक्री मूल्य	1.4.2009 को तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक मात्रा	1.4.2009 को तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक मूल्य	31.3.2010 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक मात्रा	31.3.2010 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक मूल्य
एचपीबीपी, त्रिची							
बॉयलर	एमटी	+ 531549 (435567)	9469.90 (6959.89)	11063 (9655)	176.78 (148.16)	23123 (11063)	337.78 (176.78)
				@		@	
वाल्व	सं.*	135812 (115787)	418.13 (378.50)	7655 (5625)	11.24 (7.68)	5025 (7655)	15.43 (11.24)
परीक्षण तथा अन्य सेवाओं से आय	रुपए	0 (0)	7.77 (6.25)	0 (0)	0.00 (0.00)	0 (0)	0.00 (0.00)
सीमलेस स्टील ट्यूब	एमटी	66 (156)	1.25 (2.77)	**	**	**	**
					@@		
		कुल	**9897.05**		**188.02**		**353.21**

1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े पिछले वर्ष के आंकड़े दर्शाते हैं।
2. + इसमें बीएपी, रानीपेट में फॉसिल बॉयलर के लिए मिश्रित कारोबार का 2946 एमटी (पिछले वर्ष 1504 एमटी) शामिल है।
3. * टन भार के रूप में भार का सही विवरण सुनिश्चित नहीं किया जा सका।
4. ** इसमें 389 एमटी का प्रारंभिक स्टॉक (319.98 लाख रुपये) और 76 एमटी का अंतिम स्टॉक (51.10 लाख रुपये) शामिल नहीं है, जो डब्ल्यूपीआई के रूप में बॉयलर संयंत्र के लिए अभिप्रेता था।
5. @इसमें डब्ल्यूआईपी के रूप में माने गए बॉयलर के लिए अभिप्रेत अंतिम स्टॉक शामिल नहीं है अर्थात डब्ल्यूआईपी = सं./मूल्य लाख रु.
6. बॉयलर के लिए वाल्व मात्रा 53548 नग, मूल्य 20200 लाख (पिछले वर्ष 55950 नग तथा मूल्य 13542 लाख रुपये)
7. 32082 एमटी एसएस ट्यूब कैप्टिव खपत के लिए बॉयलर संयंत्र को अंतरित किया गया।
8. @@ इसमें अनुसची 14क के अनुसार कच्चा माल (491) और भंडार तथा अतिरिक्त पुर्जे (492) शामिल हैं।

उत्पाद	इकाई	बिक्री मात्रा	बिक्री मूल्य	प्रारंभिक स्टॉक मात्रा	प्रारंभिक स्टॉक मूल्य	अंतिम स्टॉक मात्रा	अंतिम स्टॉक मूल्य
बीएपी, रानीपेट							
बॉयलर ऑग्जिलरी	एमटी	235271 (188055)	2506.64 (1955.62)	6396 (12244)	44.52 (79.42)	12738 (6396)	95.56 (44.52)
विंड मिल	एमटी	 (0)	0.55 (0.52)	0 (0)	0.00 (0.00)	 (0)	 (0.00)
परीक्षण तथा अन्य सेवाओं से आय		 (0)	2.68 (1.24)	0 (0)	0.00 (0.00)	 (0)	 (0.00)
बाहरी उत्थापन निर्माण तथा अन्य सेवाओं से आय		 (0)	1.83 (5.01)	0 (0)	0.00 (0.00)	 (0)	 (0.00)
		कुल	**2511.70**		**44.52**		**95.56**

30. कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

क. बिक्री, प्रारंभिक स्टॉक एवं अंतिम स्टॉक

(रु. करोड़ में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2009–10 के दौरान बिक्री		1.4.2009 को तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक		31.3.2010 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
एचपीईपी, हैदराबाद							
60 एमडब्ल्यू सेट	एमडब्ल्यू	1+पी	280.82	1पी	12.68	1पी	12.04
यूटीलिटी सेट		(2+पी)	(45.44)	(0)	(0.00)	(0)	(0.00)
110/120 एमडब्ल्यू सेट्स	एमडब्ल्यू	(1+पी)	(299.86)	(पी)	(0.30)	(1पी)	(12.68)
लघु तथा मध्यम सेट्स	एमडब्ल्यू	6+पी	448.61	8पी	51.13	1पी	12.29
		(14+पी)	(455.07)	(2पी)	(75.63)	(8पी)	(51.13)
पम्प तथा हीटर	सं.	6+पी	795.03	0	0.00	3पी	5.18
		(10+पी)	(579.30)	(0)	(0)	(0)	(0.00)
कम्प्रेसर	सं.	1+पी	355.86	2	6.65	1	7.56
		(1+पी)	(105.94)	(0)	(0.00)	(2)	(6.65)
गैस टर्बाइन	सं.	8+पी	2155.96	2पी	63.91	2पी	2.70
		(2+पी)	(1432.57)	1P	(6.48)	(2पी)	(63.91)
ऑक्जिलरी प्रॉडक्शन ब्रेकर	सं.			0	0.00		
		(0)	0.00	(0)	(0.00)	(0)	(0.00)
बॉउल मिल्स		6+पी	765.22	0	0.00	3.00	1.20
		(13+पी)	(572.53)	(0)	(0.00)	(0)	(0.00)
हीट एक्सचेंजर्स			1.88	0	0.00		
			(0.00)	(पी)	(0.00)	(0.00)	(0.00)
संस्थापन आय			6.02		0.00		0.00
			(18.09)		(0.00)		(0.00)
कास्टिंग			1.73		2.82		
			(0.63)		(2.61)		(2.82)
ब्रेकर		41	19.55	0	0.00		0.0
		(61)	(25.76)	(8)	(2.79)	0	0.00
अन्य (सेवाएं)					0.00		0.00
			(137.86)		(0.00)		(0.00)
ब्रेकर्स अतिरिक्त पुर्जे					0.00		0.00
			(17.36)		(0.00)		(0.00)
ब्रेकरों के अलावा अतिरिक्त पुर्जे					0.00		0.00
			(449.97)		(0.00)		(0.00)
ऑयल रिंग्स			161.55				
		कुल	**4992.23**		**137.19**		**40.97**
आईएसजी, बंगलौर							
अन्य उपकरण		0	573.09	0	0.00	0	0.0
		(0)	(545.34)	(0)	(0.00)	(0)	(0.00)
		कुल	**573.09**		**0.00**		**0.00**
ईडीएन बंगलौर							
पावर डिवाइस*	सं.	7033	0.72	206	0.05	146	0.19
		(46.21)	(1.09)	(0)	(0)	(206)	(0.05)
फोटोवोल्टिक	के डब्ल्यू	1322	15.91	168	0.15	0	0.00
		(1041)	(31.34)	(13)	(1.82)	(168)	(0.15)
सिमुलेटर्स (डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स)	सेट	0	0.00	0	0.00	0	0.0
		(0)	(1.70)	(0)	(0.00)	(0)	(0.00)
कंट्रोल उपकरण	क्यूबिकल्स	5052	1394.75	9	8.45	20	3.58
		(3677)	(1192.35)	(0)	(0.0)	(9)	(8.45)
		कुल	**1411.38**		**8.65**		**3.77**

30. कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

क. बिक्री, प्रारंभिक स्टॉक एवं अंतिम स्टॉक

(रु. करोड़ में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2009–10 के दौरान बिक्री		1.4.2009 को तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक		31.3.2010 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
ईपीडी, बंगलौर							
इंसुलेटर्स तथा बुशिंग	एमटी	6393 (8767)	83.75 (92.74)	397 (543)	4.31 (6.52)	397 (397)	4.33 (4.31)
सेरालिन	एमटी	2469 (2356)	48.19 (34.71)	55 (165)	0.47 (1.25)	60 (55)	0.56 (0.47)
परीक्षण तथा अन्य सेवाओं से आय		(0)	0.08 (3.55)	0 (0)	0.00 (0.00)	(0)	(0.00)
		कुल	**132.02**		**4.78**		**4.89**
पॉवर ग्रुप							
उत्थापन तथा अन्य सेवाएं एवं अतिरिक्त पुर्जों से आय			6117.68 (5243.06)		1.60 (33.19)		3.98 (1.60)
		कुल	**6117.68**		**1.60**		**3.98**
आईपी, जगदीशपुर							
इंसुलेटर्स	सीएमटी	7286 (6585)	72.08 (75.61)	426.58 (434.91)	5.38 (5.27)	286.36 (426.58)	3.38 (5.38)
सेरालिन	एमटी	2965.00 (1525.90)	41.47 (21.53)	55.09 (105.50)	0.84 (2.90)	67.64 (55.09)	2.79 (0.84)
		कुल	**113.55**		**6.22**		**6.17**
आईवीपी, गोइंदवाल							
औद्योगिक वाल्व	सं.	0 (0)	0.00 (0.00)	276 (140)	1.05 (0.66)	125 (276)	0.53 (1.05)
		कुल	**0.00**		**1.05**		**0.53**
सीओटीटी, हैदराबाद							
शार श्रीहरिकोटा को डीसी फील्ड क्वायल्स	सं.	2	0.23		0.00		0.00
		कुल	**0.23**		**0.00**		**0.00**
सीएफपी, रूद्रपुर							
एसडब्ल्यूएचएस	सं.	1 (388)	0.02 (1.11)	0 (109)	0.00 (0.09)	0 (0)	0.00 (0)
सोलर लालटेन	सं.	0 (108)	0.00 (0.43)	0 (96)	0.00 (0.02)	0 (0)	0.00 (0.00)
एआरएस बिन्स	सं.			0 (150)	0.00 (0.06)	0 (0)	0.00 (0)
बस डक्ट प्रोजेक्ट	सेट	32 (9)	79.79 (32.82)	1 (0)	0.69 (0)	1 (1)	0.49 (0.69)
		कुल	**79.81**		**0.69**		**0.49**

30. कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

क. बिक्री, प्रारंभिक स्टॉक एवं अंतिम स्टॉक

(रु. करोड़ में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2009–10 के दौरान बिक्री		1.4.2009 को तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक		31.3.2010 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
एचईआरपी, वाराणसी							
बॉयलर/टर्बाइन तथा ऑग्जिलरी के लिए अतिरिक्त पुर्जे और मरम्मत		(92.91)	148.22	(0.28)	0.21	(0.21)	0.36
		कुल	**148.22**		**0.21**		**0.36**
ट्रांसमिशन व्यवसाय समूह							
अतिरिक्त पुर्जे (सेवाओं सहित)			620.61 (546.05)		0.00 (0.00)		14.41 (0.00)
		कुल	**620.61**		**0.00**		**14.41**
ईएमआरपी, मुम्बई							
मरम्मत तथा परियोजना कार्य			42.11 (24.60)		0.00 (0.00)		0.00 (0.00)
		कुल	**42.11**		**0.00**		**0.00**
अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन							
बिक्री से आय (राजस्व मान्यता समायोजन)		16.05	(-66.25)	0.00	(0.00)		(0.00)
		कुल	**16.05**		**0.00**		**0.00**
उद्योग क्षेत्र बिक्री से आय (राजस्व मान्यता समायोजन)		5.67	(-27.98)	0.00	(0.00)	0.00	(0.00)
		कुल	**5.67**		**0.00**		**0.00**
मालसूची पर लाभ घटक सहित समायोजन		**-12.87**	(-6.72)	**-7.74**	(-2.18)	**1.52**	(-7.74)
कुल जोड़			**34153.76**		**519.00**		**599.53**

कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

ख. अनुज्ञप्त क्षमता, स्थापित क्षमता तथा वास्तविक उत्पादन

क्रम सं.	उत्पाद	यूनिट	स्थापित क्षमता		वास्तविक उत्पादन			
			2009-10	2008-09	2009-10		2008-09	
					बिक्री के लिए	कैप्टिव खपत के लिए	बिक्री के लिए	कैप्टिव खपत के लिए
एचईपी, भोपाल								
1	टर्बो सेट्स							
	– स्टीम टर्बाइन/न्यूक्लियर टर्बाइन	सेट	1/1	1/1	0	0	0	0
		एमडब्ल्यू	210 or 250/236	210 or 250/236	0	0	0	0
2	हाइड्रो सेट्स							
	– हाइड्रो टर्बाइन	सं.	25	25	24	0	22	0
		एमडब्ल्यू	2500	2500	785	0	835	0
	– हाइड्रो जेनरेटर	सं.	25	25	25	0	21	0
		एमडब्ल्यू	2500	2500	1399	0	658	0
3	बड़ी इलेक्ट्रिकल मशीन	सं.	340	100	336	4	322	4
4	ट्रैक्शन मशीन (टीजी/एजी, ब्लाउजर मोटर, वीपीआरवी आदि) सहित	सं.	3200	3200	2379	0	3122	0
5	पॉवर ट्रांसफॉर्मर	सं.						
		एमवीए	30000	15000	13351	880	15143	340
6	इंस्ट्रुमेंट ट्रांसफॉर्मर	सं.	200	200	354	1	494	
7	इलेक्ट्रिकल मशीन	सं.	1000	550	1159	7	1034	
8	स्विचगीयर	सं.	3000	3000	2892	28	3240	30
9	कैपेसिटर	एमवीएआर	3200	3200	2112	136	2501	0
10	औद्योगिक कंट्रोलगीयर	सं.	250	250	0	0	0	0
11	ट्रैक्शन कंट्रोलगीयर	सेट	220	220	164	0	136	0
12	कंट्रोल उपकरण	सं.	600	600	1301	0	1123	0
13	हीट एक्सचेंजर्स	सं.	52	52	39	0	21	0
		एमटी	1100	1100	0	0	0	0
14	कंट्रोल पैनल	सं.	600	600	392	2	350	0
15	कैथोडिक प्रोटेक्शन प्रणाली	टन	2700	2700	0	0	0	0
टीपी, झांसी								
1	पॉवर ट्रांसफॉर्मर 33केवी/132केवी	सं./एमवीए	105/5500	105/5500	142/4483	2/88	102/6209	2/12
2	अन्य ट्रांसफॉर्मर							
	– विशेष प्रयोजन ट्रांसफॉर्मर (ड्राई टाइप ट्रांसफॉर्मर आदि)	सं.	140	140	159	12	141	24
	– ट्रेक्शन ट्रांसफॉर्मर (फ्रेट लोको तथा एसीईएमयू)	सं.	140	140	130	0	117	0
	– इंस्ट्रुमेंट ट्रांसफॉर्मर	सं.	1000	1000	363	0	217	7
	– ईएसपी ट्रांसफॉर्मर	सं.	500	500	1106	0	798	0
3	बस डक्ट	सेट	@	@	0			
4	डीजल शंटर्स	सं.	10	10	8	0	11	1
5	ए सी लोकोमोटिव (6500 एचपी तक)	सं.	30	30	22	0	1	0

संस्थापित क्षमता प्रबंधन द्वारा यथा मूल्यांकित और प्रमाणित है।

@ बस डक्ट का विनिर्माण ट्रांसफार्मरों की वर्तमान क्षमता के अंदर किया जा रहा है।

कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

ख. अनुज्ञप्त क्षमता, स्थापित क्षमता तथा वास्तविक उत्पादन

एचईईपी–हरिद्वार

क्रम सं.	उत्पाद	यूनिट	स्थापित क्षमता 2009-10	स्थापित क्षमता 2008-09	वास्तविक उत्पादन 2009-10 बिक्री के लिए	वास्तविक उत्पादन 2009-10 कैप्टिव खपत के लिए	वास्तविक उत्पादन 2008-09 बिक्री के लिए	वास्तविक उत्पादन 2008-09 कैप्टिव खपत के लिए
1	टर्बो सेट*	एमडब्ल्यू	5750	5750	2355	0	4960	0
2	हाइड्रो सेट	एमडब्ल्यू			0	0	0	0
3	इलेक्ट्रिकल मशीन	एमडब्ल्यू			0	0	0	0
4	गैस टर्बाइन @@	एमडब्ल्यू						
5	सुपर रैपिड गन माउंट्स	सं.	3	3	2	0	2	0

* टर्बो सेट की क्षमता में 500 एमडब्ल्यू के समतुल्य पुर्जों की उत्पादन क्षमता शामिल है।

@@ 600 मेगावाट गैस टर्बाइनों के समतुल्य रोटर जैसे टर्बाइनों के संघटकों के विनिर्माण के लिए संस्थापित क्षमता। मौजूदा थर्मल सेटों की सुविधाओं से गैस टर्बाइनों के लिए शेष संघटकों का विनिर्माण किया जाता है।

टिप्पणी: संस्थापित क्षमता प्रबन्धन द्वारा यथा प्रमाणित है।

वर्ष के दौरान वास्तविक उत्पादन के आंकड़े व्यवसाय क्षेत्र द्वारा दिए गए सुझाव के अनुसार परीक्षण प्रचालन पर आधारित संबंधित उत्पादों के लिए हैं। इसमें अन्य उत्पादों, पुर्जों और सेवाओं के उत्पादन तथा चालू कार्य के लिए प्रयुक्त क्षमता शामिल नहीं है।

सीएफएफपी–हरिद्वार

क्रम सं.	उत्पाद	यूनिट	स्थापित क्षमता 2009-10	स्थापित क्षमता 2008-09	वास्तविक उत्पादन 2009-10 बिक्री के लिए	वास्तविक उत्पादन 2009-10 कैप्टिव खपत के लिए	वास्तविक उत्पादन 2008-09 बिक्री के लिए	वास्तविक उत्पादन 2008-09 कैप्टिव खपत के लिए
1	स्टील कास्टिंग	एमटी	6000	6000	3736	6	4078	178
2	स्टील फोर्जिंग							
	(क) स्टील फोर्जिंग (भारी)	एमटी	2410	2410	811		768	
	(ख) मीडियम फोर्जिंग (हल्की)	एमटी	3000	3000	1590		2297	
3	बिलेट्स और ब्लूम्स	एमटी	4000	4000	17		169	
4	एनएफ कास्टिंग्स	एमटी	250	250	39		52	

टिप्पणी: 1. अनुज्ञप्त क्षमता नहीं दर्शाई गई है, क्योंकि नई औद्योगिक नीति के संदर्भ में उसकी आवश्यकता नहीं है।
2. संस्थापित क्षमता प्रबंधन द्वारा यथा प्रमाणित है।

एचपीईपी हैदराबाद

क्रम सं.	उत्पाद	यूनिट	स्थापित क्षमता 2009-10	स्थापित क्षमता 2008-09	वास्तविक उत्पादन 2009-10 बिक्री के लिए	वास्तविक उत्पादन 2009-10 कैप्टिव खपत के लिए	वास्तविक उत्पादन 2008-09 बिक्री के लिए	वास्तविक उत्पादन 2008-09 कैप्टिव खपत के लिए
1	स्टीम टर्बाइन	एमडब्ल्यू	1140	1140	797.4		1118.87	
2	जेनरेटर्स	एमडब्ल्यू	1947	1947	1626.95		1971.06	
3	गैस टर्बाइन	एमडब्ल्यू	992	992	1287.7		999.1	
4	कम्प्रेसर	सं.	9	9	12		5	
5	पल्वराइजर्स @@	सं.	101	63	145		124	
6	पम्प @	सं.	187	187	227		201	
7	ब्रेकर्स ###	सं.	1035	1035	186		305	
8	हीट एक्सचेंजर्स #	सं.	152	137	191		186	
9	ऑयल रिग्स ##	सं.	5	5	23		22	
10	ड्राइव टर्बाइन	सं.	10	10	29		16	

नोट: उपरोक्त आंकड़ों में पुनःमार्जन आदेश शामिल हैं।

@ बीएफपी, बीपी, सीईपी तथा सीडब्ल्यूपी

@@ बॉउल मिल्स तथा ट्यूब मिल्स

\# एचपी तथा एलपी हीटर्स, डीईरेटर्स, कंडेंसर्स, गैस कूलर्स, एलओ प्रणाली तथा स्पेशल एचई

\## मड पम्प, एच एण्ड आर उपकरण और ड्रा वर्क्स

\### क्षमता का पुनः मूल्यांकन किया जा रहा है और आंकड़े 132 केवी ब्रेकर के समकक्ष है।

ईडीएन बंगलौर

क्रम सं.	उत्पाद	यूनिट	स्थापित क्षमता 2009-10	स्थापित क्षमता 2008-09	वास्तविक उत्पादन 2009-10 बिक्री के लिए	वास्तविक उत्पादन 2009-10 कैप्टिव खपत के लिए	वास्तविक उत्पादन 2008-09 बिक्री के लिए	वास्तविक उत्पादन 2008-09 कैप्टिव खपत के लिए
1	कन्ट्रोल उपकरण	क्यूबिकल	4300	4300	5421	476	4073	149
2	पॉवर उपकरण	सं.	20000	12000	19420		18214	
3	फोटोवोल्टिक	केडब्ल्यूएस	8000	2000	1155		1203	
4	सिमुलेटर्स (डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स)	सेट	0	0	0		0	

कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

ख. अनुज्ञप्त क्षमता, स्थापित क्षमता तथा वास्तविक उत्पादन

क्रम सं.	उत्पाद	यूनिट	स्थापित क्षमता 2009-10	स्थापित क्षमता 2008-09	वास्तविक उत्पादन 2009-10 बिक्री के लिए	वास्तविक उत्पादन 2009-10 कैप्टिव खपत के लिए	वास्तविक उत्पादन 2008-09 बिक्री के लिए	वास्तविक उत्पादन 2008-09 कैप्टिव खपत के लिए
त्रिरुचिरापल्ली								
1	बॉयलर	एमटी	+* 481162	+* 411497	+* 545045		+* 439187	
2	वाल्व	एमटी सं.	*A 13800	*A 5728	0		126719	
3	न्यूक्लियर स्टीम जेनरेटिंग उपकरण	एमटी	** 382/500	** 382/500	XXX		XXX	
4	सीमलैस स्टील ट्यूब	एमटी	40000	40000	32787		32851	
5	आर्मर्ड रिकवरी व्हीकल	सं.	25	25	0		0	

\+ प्रसंस्करण उद्योगों के लिए उपस्करों के विनिर्माण हेतु 5000 मीट्रिक टन शामिल हैं।

* उपसंविदा और उप सुपर्दगी शामिल है।

क आई वी पी, गोइंदवाल के 788 एमटी शामिल नहीं है।

** 235 मेगावाट के लिए 6.5 स्टीम जेनरेटर और 6.5 रिएक्टर हैडर्स (अथवा) 500 मेगावाट के लिए 4 स्टीम जेनरेटर और 4 रिएक्टर हैडर्स के समतुल्य। 50 अदद की लाइसेंसशुदा क्षमता के समतुल्य।

XXX न्यूक्लियर परियोजनाओं तथा अन्य हीट एक्सचेंजरों, प्रेशर वेसेल्स तथा फॉसिल बॉयलरों के संघटकों के उत्पादन के लिए क्षमता का उपयोग किया गया।

क्रम सं.	उत्पाद	यूनिट	स्थापित क्षमता 2009-10	स्थापित क्षमता 2008-09	वास्तविक उत्पादन 2009-10 बिक्री के लिए	वास्तविक उत्पादन 2009-10 कैप्टिव खपत के लिए	वास्तविक उत्पादन 2008-09 बिक्री के लिए	वास्तविक उत्पादन 2008-09 कैप्टिव खपत के लिए
बीएपी – रानीपेट								
1	बॉयलर ऑग्जिलरी	एमटी	207305	118000	244933		184550	
आईवीपी – गोइंदवाल								
1	औद्योगिक वाल्व तथा	एमटी	788	788	1911		1288	
	वाल्व स्पेयर्स	सं.			11091		9723	
ईपीडी – बंगलौर								
1	इंसुलेटर्स तथा बुशिंग	सीएमटी	6250	6250	6633		6873	
2	असेम्बल किया उत्पादन	एमटी			8840		9512	
3	सेरालिन	सीएमटी	745	745	1400		1057	
4	सेरालिन (असेम्बल किया गया)	एमटी			3355		2778	
आईपी – जगदीशपुर								
1	इंसुलेटर्स	सीएमटी	6000	6000	7169.78		7021.67	
2	सेरालिन	एमटी	1574	330	1593.21		843.44	
3	सेरालिन (असेम्बल किया गया)	एमटी			3662.55		2093.59	
सीएफपी – रूद्रपुर								
1	एस डब्ल्यू एच एस			4000			279	
2	सोलर लालटेन	सं.		10000			12	
3	बस डक्ट	एमटी	150	150	1188		442	
सीएसयू								
1	स्टैम्पिंग	सं.	13000000	0	1436000		0	

कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

(रु. करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए
ग. आयात का मूल्य		
सीआईएफ आधार		
कच्चा माल	**3943.53**	3386.60
संघटक तथा अतिरिक्त पुर्जे	**2508.74**	1991.02
पूंजीगत माल	**783.66**	408.15
घ. विदेशी मुद्रा में व्यय		
रायल्टी	**34.79**	32.17
तकनीकी ज्ञान	**20.53**	0.97
व्यावसायिक एवं परामर्श शुल्क	**0.07**	0.03
ब्याज तथा अन्य (विदेशी परियोजना स्थलों सहित)	**296.07**	223.60
लाभांशः @		
क) अप्रवासी शेयरधारकों की संख्या	**5491**	5619
ख) धारित शेयरों की संख्या	**82055911**	84726491
ग) लाभांश की सकल राशि	**65.64**	52.95
घ) लाभांश का वर्ष	**2008-09**	2007-08
अंतरिम लाभांशः @	**(अंतिम लाभांश)**	(अंतिम लाभांश)
क) अप्रवासी शेयरधारकों की संख्या	**5441**	6228
ख) धारित शेयरों की संख्या	**75561348**	79692146
ग) लाभांश की सकल राशि	**83.12**	79.69
घ) लाभांश का वर्ष	**2009-10**	2008-09
	(अंतरिम लाभांश)	(अंतरिम लाभांश)

@ कंपनी ने लाभांश का भुगतान विदेशी मुद्रा में नहीं किया। बैंकरों/अप्रवासी शेयरधारकों के पॉवर आफ अटॉर्नी धारकों को भुगतान कर दिया गया है और उनके द्वारा विदेशी मुद्रा में किए गए लाभांश भुगतान की निश्चित राशि सुनिश्चित नहीं की जा सकती।

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए
ङ. कच्चे माल, संघटकों, भंडार और अतिरिक्त पुर्जों की खपत का मूल्य		
# आयातित (सीमा शुल्क सहित)	**6240.72**	4335.64
स्वदेशी	**11512.02**	11251.79
कुल खपत का प्रतिशत		
आयातित	**35**	28
स्वदेशी	**65**	72
च. विदेशी मुद्रा का व्यय		
माल का निर्यात (एफओबी आधार पर)	**1231.59**	1569.74
ब्याज	**0.01**	0.06
उत्थापन तथा अन्य सेवाएं	**335.11**	196.55
मानित निर्यात में विदेशी मुद्रा (घरेलू संविदाओं सहित)	**6696.71**	3240.78

सारणीबद्ध मदें, जहां कहीं भी अभिनिश्चित हैं, सम्मिलित की गई हैं।

कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची–VI में अपेक्षित अन्य सूचनाएं (जारी)

छ. कच्चे माल तथा संघटकों की खपत का विवरण

(रुपये करोड़ में)

		31.3.2010 को समाप्त वर्ष के लिए		31.3.2009 को समाप्त वर्ष के लिए	
सामग्री का वर्ग	यूनिट	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
लौह सामग्री					
	एमटी	582871		544168	
	मीटर	9088417		16006228	
	सं.	3831321		2955895	
	वर्ग मीटर	12		345	
	कि.ग्रा.	50954071		63345467	
	अन्य	126		1437	
			4589.09		4663.55
अलौह सामग्री					
	एमटी	20071		18966	
	मीटर	2144535		420174	
	सं.	187313		238239	
	वर्ग मीटर	194		0	
	कि.ग्रा.	6305433		6203344	
	आरएल	20902		22542	
	अन्य	115		6	
			306.19		339.20
इंसुलेटिंग सामग्री					
	मीटर	60428160		59890934	
	एमटी	17489		3512	
	सं.	427241		524867	
	वर्ग मीटर	2116260		1252309	
	कि.ग्रा.	985456		1161248	
	एलटी	4592485		5965489	
	आरएल	177783		151914	
	एम2	40454		48871	
	एसटी	397		529	
	अन्य	19760		661	
			184.26		187.64
इंसुलेटेड केबल तथा मैग्नेट वायर					
	मीटर	5449824		2729723	
	सं.	3220		92280	
	कि.ग्रा.	8838		8267	
			59.33		45.08
संघटक			9914.39		8385.99
अन्य			2242.08		1527.48
			17295.34		15148.94

तुलन पत्र का सार तथा कंपनी की सामान्य व्यावसायिक रूपरेखा

i) पंजीकरण विवरण:

पंजीकरण संख्या 0 0 4 2 8 1 राज्य कोड 5 5

तुलन पत्र 3 1 0 3 1 0

दिन महीना वर्ष

ii) वर्ष के दौरान जुटाई गई पूंजी (राशि करोड़ रुपये में)

पब्लिक इश्यु	राइट इश्यु
शून्य	शून्य
बोनस इश्यु	निजी स्थापन
शून्य	शून्य

iii) निधियों के संग्रहण व वितरण की स्थिति (राशि करोड़ रुपये में)

कुल देयताएं	कुल परिसंपत्तियां
48486.83	48486.83

निधियों के स्रोत

प्रदत्त पूंजी	आरक्षित तथा अधिशेष
489.52	15427.84
रक्षित ऋण	आरक्षित ऋण
शून्य	127.75

निधियों का प्रयोग

निवल स्थायी परिसंपत्तियां *	निवेश
3944.95	79.84

* इसमें डब्ल्यू आईपी पूंजी के 1529.55 करोड़ रुपये शामिल हैं

निवल चालू परिसंपत्तियां	विविध व्यय (आस्थगित राजस्व व्यय)
10493.09	शून्य
संचयी हानि	आस्थगित कर परिसंपत्तियां
शून्य	1527.23

iv) कंपनी का कार्यनिष्पादन (राशि करोड़ रुपये में)

कारोबार*	कुल व्यय
34153.76	28705.73

* उत्पाद शुल्क और सेवा कर के 1292.32 करोड़ रुपये शामिल हैं।
डब्ल्यू आईपी और एफजी में वृद्धि/कमी सहित कुल अर्जन, अन्य आय तथा वर्ष के लिए कुल कारोबार पर उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर का समायोजन 35296.38 करोड़ रुपये है। यह कुल व्यय के स्थान पर है।

कर पूर्व लाभ	कर पश्चात लाभ
6590.65	4310.64

प्रति शेयर अर्जन: 88.06

लाभांश दर

1) 489.52 करोड़ रुपये की प्रदत्त पूंजी पर 110 प्रतिशत (11 रुपये प्रति शेयर) की दर से अंतरिम लाभांश
2) 489.52 करोड़ रुपये की प्रदत्त पूंजी पर 123 प्रतिशत (12.30 रुपये प्रति शेयर) प्रस्तावित अंतिम लाभांश

v) कंपनी के तीन मुख्य उत्पादों/सेवाओं के सामान्य नाम (मौद्रिक रूप के अनुसार)

1. मद कोड संख्या (आईटीसी कोड) 8 4 0 2 1 0

उत्पाद विवरण : पूर्जों के अलावा बॉयलर

2. मद कोड संख्या (आईटीसी कोड) 8 5 0 2 3 9 0 2

उत्पाद विवरण : हाइड्रो टर्बाइन सहित संपूर्ण जेनरेटिंग सेट

3. मद कोड संख्या (आईटीसी कोड) 8 4 1 1 8 2 0 6

उत्पाद विवरण : 115000 कि.वा. से अधिक क्षमता की गैस टर्बाइन

निदेशक मंडल के लिए और उसकी ओर से

हस्ता./–	हस्ता./–	
(आई.पी. सिंह)	**(सी.एस. वर्मा)**	**(बी. प्रसाद राव)**
सचिव	निदेशक (वित्त)	अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

दिनांक : 26 मई, 2010
स्थान : नई दिल्ली

सहायक कंपनी

निदेशकों की रिपोर्ट

सेवा में,

शेयरधारक

भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड

विशाखापट्टनम

निदेशक 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के व्यवसाय तथा प्रचालन पर 44वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर रहे हैं।

बिक्री

कंपनी ने पिछले वर्ष 84.39 करोड़ रुपये की तुलना में 104.31 करोड़ रुपये का कुल कारोबार किया है। (अर्थात पिछले वर्ष की तुलना में 23.6% की वृद्धि)

वित्तीय कार्यनिष्पादन

वर्ष के दौरान कंपनी के वित्तीय कार्यनिष्पादन की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

(रुपये करोड़ में)

	2009-2010	2008-2009
1. बिक्री करोबार	104.31	84.39
2. सकल लाभ	(-) 8.93	(-) 113.63
3. ब्याज	(-) 2.68	11.04
4. मूल्यह्रास	1.26	8.48
5. कर पूर्व लाभ/हानि (बिना अधित्याग)	(-) 7.51	(-) 133.15
6. कर पूर्व लाभ/हानि (बिना अधित्याग)	(-) 7.51	96.93
7. कर उपरांत लाभ/हानि	(-) 8.60	96.36

वर्ष 2008–09 के लिए सकल लाभ (–) 8.93 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था जबकि गत वर्ष यह (–) 113.63 करोड़ रुपये था। वर्ष 2009–10 में कर पूर्व लाभ/हानि (–) 7.51 करोड़ रुपये है जबकि गत वर्ष यह (–) 96.93 करोड़ रुपये था। यह भारत सरकार /बैंकों/अन्यों द्वारा प्रदत्त 230.08 करोड़ रुपये की ब्याज माफी को विचार करने के पश्चात है। उपर्युक्त निष्पादन वित्तीय सहायता अधिकारियों की तैनाती, ब्याज मुक्त ऋण/अग्रिम आदि के माध्यम से धारक कंपनी द्वारा दी गई सहायता से प्राप्त की है।

राजकोष में अंशदान

आपकी कंपनी ने नीचे दिए गए ब्यौरे के अनुसार वर्ष 2008–09 के दौरान सार्वजनिक राजकोष में 18.72 करोड़ रुपये के राजस्व की तुलना में वर्ष 2009–10 के दौरान 21.76 करोड़ रुपये के राजस्व का अंशदान किया है जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

(रुपये करोड़ में)

	2009-10	2008-09
उत्पाद शुल्क	9.77	7.96
सीमा शुल्क	1.38	0.79
बिक्री कर	10.51	9.40
आय कर/ अनुषंगी लाभ कर	0.10	0.57
	21.76	18.72

आर्डर बुक

कंपनी ने पुराने और नए आदेशों के निष्पादन में बिलम्ब होने के कारण आर्डर अंतप्रवाह में कई समस्याओं का सामना किया। पुनरीक्षाधीन वर्ष के दौरान देश और विदेश में कड़ी प्रतियोगिता के कारण कंपनी की आर्डर बुक स्थिति बेहतर नहीं रही। एचपीसीएल मुंबई, एचपीसीएल, विजाग की वी के आर एल बीना आदि के संबंध में विभिन्न पुराने आर्डरों को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर जहां तक उत्थापन संविदा का संबंध है, ईआईएल ने बीएचपी के हाली डे स्टेटस को लोकप्रिय आपकी कंपनी टिस्को जमशेदपुर, इफको फूलपुर, भेल हैदराबाद अनर्क अल्यूमीनियम हैदराबाद से आर्डर प्राप्त कर सकी 31.03.2009 की स्थिति अनुसार कम्पनी की आर्डर बुकिंग 67.24 करोड़ रुपये (वर्ष 2008–09 में 126.16 करोड़ रुपये) दर्ज की गई जबकि कंपनी के पास उपलब्ध आर्डर 31.03.2010 की यथास्थिति 189.70 करोड़ रुपये (31.3. 2009 की यथास्थिति 235.73 करोड़ रुपये) के थे। आपकी कंपनी विभिन्न परियोजनाओं के लिए अपने प्रस्ताव प्रस्तुत कर रही है और ज्यादा से ज्यादा आर्डर प्राप्त करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

प्रबंधन विचार–विमर्श तथा विश्लेषण

प्रबंधन विचार–विमर्श और विश्लेषण संबंधी रिपोर्ट अनुबंध–1 में दी गई है।

निदेशक मंडल

नियुक्ति

- श्री शशांक गोयल, निदेशक, डीएचआई को 17.08.2009 से बीएचपीवी के बोर्ड में अंशकालिक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया।
- श्री बी. प्रसाद राव, सीएमडी, बीएचईएल को 24.10.2009 से बीएचपीवी के बोर्ड में अंशकालिक अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।

- श्री एस.एस गुप्ता, महाप्रबंधक, बीएचईएल को 31.10.2009 से बीएचपीवी के बोर्ड में बीएचपीवी के प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया।
- श्री पी.वी श्रीधरन, महाप्रबंधक, बीएचईएल को 09.11.2009 से बोर्ड के निदेशक (मा.सं.) के रूप में नियुक्त किया गया।
- श्री ए.एस. नागराजन, महाप्रबंधक, बीएचईएल को 20.11.2009 से बीएचपीवी के बोर्ड में बीएचपीवी के निदेशक (प्रचालन) के रूप में नियुक्त किया गया।

पदत्याग

- श्री आर.पी. गोयल, निदेशक, डीएचआई ने दिनांक 17.08.2009 से कंपनी के अंशकालिक निदेशक का पदभार त्याग दिया।
- श्री ओम प्रकाश, प्रबंध निदेशक ने अपना त्याग पत्र देने पर 31.10.2009 से निदेशक का पदभार त्याग दिया।
- श्री बी. भक्तवत्सलम ने 13.03.2010 से कंपनी के अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक का पदभार त्याग दिया।
- श्री प्रोबीर राय ने 18.03.2010 से कंपनी के अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक का पदभार त्याग दिया।

राजभाषा कार्यान्वयन

वर्ष 2009–10 के दौरान कंपनी ने राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा नियम 1976 के अनुसार भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन करते हुए राजभाषा कार्यान्वयन जारी रखने पर बल देना जारी रखा।

72 कर्मचारियों को हिन्दी प्रबोध, प्रवीण और प्राज्ञ कक्षाओं में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। हिन्दी प्राज्ञ परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले कर्मचारियों को एक वर्ष के लिए वेतनवृद्धि प्रदान की गई।

हिन्दी कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले 30 कर्मचारियों के लिए हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें हिन्दी नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग की जानकारी प्रदान की गई। प्रत्येक अधिकारी को इस अनुरोध के साथ 10 आशु शब्द वाक्यांश प्रेषित किये है कि वे प्रत्येक माह के प्रथम कार्यदिवस को हिंदी में हस्ताक्षर करें। 14 सितंबर, 09 को हिन्दी दिवस मनाया गया। इस दौरान कर्मचारियों के लिए विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। हिन्दी परीक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले कर्मचारियों को नकद पुरस्कार तथा मेरिट सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

चार हिन्दी पत्रिकाएं मंगाई जाती हैं और उन्हें नियमित रूप से वितरित किया जाता है। संस्थान के सभी कर्मचारियों को उनके जन्मदिवस पर द्विभाषी रूप में छपे बधाई पत्र के माध्यम से शुभकामनाएं प्रदान की गई। पहचान पत्र द्विभाषी रूप में तैयार किए गए और वर्ष के दौरान संगठन के सभी फार्मेट पर द्विभाषी रूप में बीएचपीवी लोगो मुहित करना सुनिश्चित किया गया है। बीएचपीवी तथा भेल के बीच वर्ष 2010–11 के समझौता ज्ञापन द्विभाषी रूप में तैयार किया गया था।

सतर्कता

आपकी कंपनी सरल, आसान, पारदर्शी एवं बेहतर प्रणालियों तथा प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए हरसंभव कदम उठा रही है ताकि पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार रहित वातावरण बनाया जा सके। भेल की नीति के अनुरूप नई खरीद नीति अप्रैल 2010 से क्रियान्वयन हेतु अनुमोदित की गई थी। कर्मचारियों में बेहतर जागरूकता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सतर्कता जागरूकता सप्ताह आयोजित किया गया। केन्द्रीय सतर्कता अयोग द्वारा समय–समय पर जारी सभी निर्देशों का पूर्ण रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया गया।

गुणवत्ता

बीएचपीवी के उत्पादों की गुणवत्ता का ग्राहकों ने शुरू से सराहना की है। बीएचपीवी ग्राहकों की संतुष्टि के अंतिम लक्ष्य के साथ नवीनतम मानकों और प्रणालियों को अपनाकर गुणवत्ता स्तर में सुधार लाने का प्रयास करता है। इस दृष्टिकोण के अनुरूप, बीएचपीवी ने नवीनतम आईएसओ 9001–2008 मानक के समनुरूप अपनी गुणवत्ता प्रणाली उन्नत बनाई। गुणवत्ता प्रणाली को अप्रैल, 2009 में ब्यूरो वेरीटस सर्टीफिकेशन इंडिया (प्रा.) लि. द्वारा आईएसओ 9001–2008 मानक का पुनः प्रमाणीकरण किया गया। यह प्रमाणन अप्रैल, 2012 तक वैद्य है। तत्पशचात फरवरी, 2010 में प्रथम निगरानी लेखा–परीक्षा भी सफलतापूर्वक पूरी की गई।

एनसिलरीज/सब वेन्डर्स

समीक्षाधीन वर्ष के लिए एनसिलरीज/सब–वेंडर्स द्वारा कुल आउटपुट गत वर्ष में 80 लाख रुपये की तुलना में 160 लाख रुपये हैं। वर्ष 2009–10 के लिए कुल 3000 एमटी के उप–संविदाकारी आर्डर दिए गए और जिनका मूल्य 650 लाख रुपये था। एनसिलरीज अन्य स्थानीय वेंडरों पर अधिकतम भार डालते हुए इसे 9000 एमटी तक पहुंचाने के लिए सब–वेंडर की संख्या बढ़ाने और आउटसोर्स करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

विदेशी दौरे

वर्ष के दौरान व्यावसायिक गतिविधियों के लिए विदेश दौरों पर कोई राशि खर्च नहीं की गई।

निदेशकों का उत्तरदायित्व विवरण

कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 217 (2कक) के प्रावधानों के अनुपालनार्थ आपने निदेशक एतद्द्वारा पुष्टि करते हैं कि:

- 31 मार्च, 2010 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखे तैयार करते समय सामग्री के प्रस्थान के संबंध में उचित स्पष्टीकरण के साथ–साथ लागू लेखांकन मानदंडों का अनुसरण किया गया,

- कंपनियों की परिसंपत्तियों की सुरक्षा तथा धोखाधड़ी एवं अनियमितताओं की रोकथाम हेतु इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसरण में पर्याप्त लेखांकन रिकार्डो के रखरखाव के लिए उचित एवं पर्याप्त ध्यान दिया गया,
- 31 मार्च, 2010 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखे गोइंग कंसर्न आधार पर तैयार किए गए हैं।

कॉर्पोरेट अभिशासन

लोक उद्यम विभाग ने केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम के लिए कॉर्पोरेट अभिशासन मार्गनिर्देश जारी किए हैं। कंपनी के हालांकि ये मार्गनिर्देश स्वैच्छिक हैं, लेकिन सभी सीपीएसई को इनका अनुसरण ईमानदारी से करना शुरू कर दिया है। इसके अनुपालन के रूप में कॉर्पोरेट अभिशासन पर रिपोर्ट तथा सांविधिक लेखापरीक्षकों के प्रमाणपत्र की रिपोर्ट अनुबंध के रूप में संलग्न है।

अन्य प्रकटन

कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 217(1)(ड), कंपनी नियम,1988 (निदेशक मंडल की रिपोर्ट में विवरणों का प्रकटन) के साथ पठित के प्रावधानों के अनुसरण में ऊर्जा संरक्षण, टेक्नोलॉजी अवशोषण तथा विदेशी मुद्रा अर्जन एवं व्यय का ब्यौरा नीचे दिया गया है–

ऊर्जा संरक्षण

आपकी कंपनी बिजली, एलपीजी, पेट्रोल तथा डीजल की बचत के लिए निरंतर विभिन्न उपाय कर रही है। वर्ष के दौरान ऊर्जा की बचत के लिए अपनाए गए विभिन्न उपायों का ब्यौरा निम्नलिखित है:

- सभी सब स्टेशनों के कार्य निष्पादन में सुधार तथा इलेक्ट्रिसिटी लॉस/ब्रेकडाउन की रोकथाम के लिए व्यापक रूप से सुधारात्मक प्रयास किए गए। उत्पादन के लिए मशीनरी को दुरुस्त रखने के लिए सभी महत्वपूर्ण वेल्डिंग/सीएनसी मशीनों की रीकंडीशनिंग/रेट्रोफिटिंग की गई।
- बड़े पैमाने पर विद्युत उपभोग की बचत करने तथा रखरखाव हेतु डीसी ड्राइव्स के साथ रोलर पोजीशनरों की 10 संख्या में आशोधन किए गए। इस प्रकार विद्युत बिल में बचत होगी और उत्पादन हेतु इन मशीनों की उपलब्धता में वृद्धि होगी।
- होरीजोन्टल बोरिंग मशीन डब्ल्यू डी–166 तथा डब्ल्यू डी–200 के प्रिन्टेड बोर्डो की संख्या इन पीसीबीज के बडे पैमाने पर रखरखाव और इलैक्ट्रिकल सर्किटों में ब्रेकडाउन के बिना निर्बाध कार्यचालन हेतु एकल डीसी के साथ प्रतिस्थापित किया जाता है।
- मर्करी लैम्पों के स्थान पर सोडियम वेपर लैम्पों के प्रतिस्थापन कार्यालयों में लाइटों और पंखों को कम करके, फर्नेस आपरेशन की बंचिंग आदि जैसे प्रतिस्थापन उपाए किए गए। किराया आधार पर पुराने कम्प्यूटरों के स्थान पर नए कम्प्यूटरों का प्रतिस्थापन और इन्हें सभी विभागों में संस्थापित किया गया सभी विभागों में उच्चगति वाले ब्रॉड बैंड के साथ सभी डायल–अप कनेक्शनों को कम करना। एलपीजी के संरक्षण हेतु फर्नेस की लदान का समय जॉब को पूल किया जाता है।

  वर्ष के लिए सकल कारोबार की प्रतिशत लागत, उत्पादन शुल्क के निवल के रूप में विद्युत और ईंधन लागत गतवर्ष 3.12% की तुलना में 3.11% है।

अनुसंधान और विकास

कंपनी के अनुसंधान एवं विकास विभाग ने नए उत्पादों के विकास और प्रोटोटाइप टेस्टिंग के बाद निरंतर नए उत्पादों के डिजाइन और व्यावसायिक उत्पादन हेतु प्रयास कर रहा है।

वर्ष के दौरान निम्नलिखित महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की गईं

- अनुसंधान एवं विकास में कार्यनिष्पादन अर्थात मैसर्स एचएएल बंगलौर से सीरीज प्रोड्क्शन (एसपी) आर्डर हेतु तेजस एयरक्राफ्ट के कम्पैक्ट हीट एक्सचेन्जर्स का विनिर्माण, परीक्षण और आपूर्ति कार्य जारी रखे गए। इस अवधि के दौरान मैसर्स एचएएल बंगलोर के लिए 313.54 लाख रुपये मूल्य के 26 कम्पैक्ट हीट एक्सचेन्जर बनाए गए, परीक्षण किए गए और सुपुर्द किए गए।
- अनुसंधान एवं विकास में तेजस एयरक्राफ्ट हेतु एडीए बंगलोर को 36.30 लाख रुपये मूल्य के तीन प्रीकूलर यूनिटों का सफलतापूर्वक निर्माण, परीक्षण और आपूर्ति किया गया।
- अनुसंधान एवं विकास में तेजस एयरक्राफ्ट हेतु एडीए बंगलोर को 52.00 लाख रुपये मूल्य के आठ एफएडीईसी कूलर यूनिटों का सफलतापूर्वक निर्माण, परीक्षण और आपूर्ति किया गया।
- बीएचपीवी को हल्के लड़ाकू भारतीय विमान तेजस के लिए आरएंडडी द्वारा 8 प्रकार के काम्पेक्ट, हीट एक्सचेंजर तैयार करने के लिए 30 मार्च, 2009 को टाइप अप्रूवल सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। इनकों को – फ्लाइट योग्यता परीक्षणों तथा गुणवत्ता के सभी अनिवार्य परीक्षणों में उपयुक्त एवं बेहतर पाया गया। अतः ये 9 प्रकार के एक्सचेंजर उचित रूप से सेना मानदंडों के अनुरूप सभी तकनीकी अपेक्षाओं को पूरा कर रहे हैं। इस प्रकार की अप्रूवल के साथ बीएचपीवी भारत में तेजस के लिए काम्पेक्ट हीट एक्चेंजर बनाने वाली प्रमुख कंपनी के रूप में जानी जाने लगी है।

2009–10 में अनुसंधान एवं विकास पर काम

(i)	आवर्ती	–	0.76 करोड़ रुपये
(ii)	पूंजी	–	0.28 करोड़ रुपये
	कुल	–	**1.04 करोड़ रुपये**

कारोबार के प्रतिशत के रूप में व्यय 1%

टेक्नोलॉजी उन्नयन

- एचआरएसजी बायलरों के फेब्रिकेशन का विकासः

  बीएचपी की शॉप फ्लोर पर प्रथम बार एचआरएसजी बॉयलरों के लिए सीएस मॉडयूल्स के फेब्रिकेशन नई सुविधाएं यथा "ए" फ्रेम ट्यूब्स लिफ्टिंग बीम्स मुहैया कराकर विकासित किए गए थे और एक नया कार्यकेन्द्र विकसित किया गया है, एचईएल I व II के लिए 63 मॉडयूल्स सफलता पूर्वक विकसित किए गए। बीएचईएल त्रिची में किए जा रहे "ए" फ्रेम पर ट्यूबों के हेडर की डाउन हैंड वेल्डिंग के अलावा होरीजॉन्टल कन्डीशन में माडयूल्स को रखकर ओवर हेड वेल्डिंग द्वारा नई टेक्नोलॉजी विकसित की गई।

- बीएचईएल, त्रिची द्वारा एचआरएसजी और बीएफबीसी बॉयलर डिजाइनः

  प्रथम बार बीएचईएल त्रिची में तीन सप्ताह का प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात डिजायनरों ने बीएचपीवी इंजीनियरिंग विभाग में बीएफबीसी, एचआरएसजी बॉयलरों की डिजाइन तैयार की। इससे हमें बीएचईएल त्रिची के दिशानिर्देश के तहत जेएसपीएल, एमएसआईएल तथा एमआरपीएल परियोजना के लिए अपेक्षित बीएफबीसी तथा एचआरएसजी बॉयलरों हेतु इंजीनियरिंग को लाने ले जाने में मदद मिली।

  आपकी कंपनी मामला–दर–मामला आधार पर विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों के साथ इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी बैक–अप प्राप्त करने के लिए समझौता ज्ञापन भी कर रही है। आपकी कंपनी का इनहाउस टेक्नोलॉजियों के विकास और व्यवसायीकरण में अपना सहयोग जारी रखे हुए हैं।

विदेशी मुद्रा अर्जन एवं व्यय

कच्चे माल एवं संघटकों की प्राप्ति, इंजीनियरिंग की प्राप्ति तथा ख्यातिप्राप्त विदेशी कंपनियों के तकनीकी बैकअप आर्डरों के निष्पादन हेतु अपेक्षित व्यय के लिए 11.29 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा खर्च की गई। वर्ष के दौरान विदेशी मुद्रा अर्जन शून्य रहा।

कर्मचारियों का विवरण

इस अवधि के दौरान किसी भी कर्मचारी ने कंपनी अधिनियम के अनुच्छेद217 (2क) कंपनी नियमावली (कर्मचारियों का विवरण), 1975 के साथ पठित के अनुसार निर्धारित सीमा से अधिक पारिश्रमिक प्राप्त नहीं किया है।

पर्यावरण प्रबंधन तथा प्रदूषण नियंत्रण

आपकी कंपनी प्रदूषण से होने वाले कुप्रभावों के प्रति अपने उत्तरदायित्व से सचेत है। इसने फैक्टरी परिसर और इसके आस–पास स्वच्छ तथा स्वास्थ्यवर्धक पर्यावरण बनाएं रखने हेतु विभिन्न उपाय किए हैं। फैक्टरी के भीतर तथा टाउनशिप में व्यापक रूप में हरित पट्टी विभाजित की गई है। एडीएम भवन के सामने एक नया बगीचा विकसित किया गया है।

जल (प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 25/26 तथा वायु (प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 21 के अंतर्गत आवश्यक सांविधिक सहमति तथा जोखिमकारी अपशिष्ट प्राधिकरण हेतु सहमति एपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राप्त की गई है जो 30.04.2010 तक वैध है। 30.04.2011 तक वैधता नवीनीकरण प्रक्रिया पहले ही शुरू की जा चुकी है।

लेखापरीक्षक

वर्ष 2009–10 के लिए मैसर्ज मूर्ति एसोसिएट्स, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, विशाखापट्टनम को कंपनी का सांविधिक लेखापरीक्षक नियुक्त किया गया। कंपनी के लेखापरीक्षित लेखे कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 619 के तहत नियंत्रक एवं महालेखाकार को प्रस्तुत किए गए।

लेखापरीक्षकों रिपोर्ट में संदभित बिंदुओं के अंदर अनुबंध 3 में दिए गए हैं।

नियंत्रक एवं महालेखाकार की टिप्पणियां

कंपनी के 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लेखों पर कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 619 (4) के अंतर्गत नियंत्रक एवं महालेखाकार की टिप्पणियां इस रिपोर्ट के अनुबंध में दी गई हैं।

आभार

निदेशक मंडल भारी उद्योग विभाग, भारत सरकार, आंध्रप्रदेश सरकार, होल्डिंग कंपनी (बीएचईएल), सप्लायरों, प्रतिष्ठित ग्राहकों और बैंकरों से मिले निरंतर सहयोग और उपयुक्त मार्गदर्शन के लिए सभी का आभार व्यक्त करता है। आपके निदेशक इस लेखापरीक्षा को समय पर पूरा करवाने के लिए व्यावसायिक लेखापरीक्षा के प्रधान निदेशक तथा लेखापरीक्षा बोर्ड के पदेन सदस्यों और सांविधिक लेखापरीक्षकों का भी धन्यवाद देते हैं। निदेशक मंडल इन प्रयासों में सभी स्तरों पर कर्मचारियों के अथक प्रयासों और कर्तव्यनिष्ठा की भी उन्मुक्त रूप से प्रशंसा करता है।

कृते निदेशक मंडल की ओर से

भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड

हस्ता./–	हस्ता./–
एस. एस. गुप्ता	**बी. प्रसाद राव**
प्रबंध निदेशक	अध्यक्ष

दिनांकः 15.07.2010

स्थानः विशाखापट्टनम

प्रबंधन चर्चा तथा विश्लेषण रिपोर्ट

उद्योग संरचना एवं विकासः

इंजीनियरिंग उद्योग के रूप में कंपनी की स्थापना मुख्य रूप से कोर सेक्टर उद्योगों, जैसे रिफाइनरियों, स्टील, फर्टिलाइजरों तथा न्यूक्लियर पावर आदि की जरूरतों को पूरा करने के लिए की गई थी। यह कोर उद्योग में आवश्यक पूंजीगत उपकरणों/मशीनरी के निर्माण, सप्लाई और संस्थापना आदि कार्यों के साथ–साथ अपने उत्पादों की गुणवत्ता के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ समूचे भारत में एकमुश्त लम्प सम टर्नकी (एसएसटीके) परियोजनाओं के निश्पादन में भी लगी हुई है। कंपनी को अभी हाल ही में हानि का सामना करना पड़ा है और इसलिए यह वित्तीय संकट के दौर से गुजर रही है। वर्ष 2008–09 के दौरान, कंपनी बीएचईएल की पूर्णस्वामित्वाधीन कंपनी बन गई। कंपनी ने अब प्लांट एवं उपकरणों तथा आधारभूत ढांचे के उन्नयन, पूंजीगत व्यय के लिए नियोजित निवेश प्रारंभ कर दिया है। इंडस्ट्रियल बॉयलर क्षमता को बढ़ाने, बीएचईएल के अन्य प्लांटों के लोड को भोयर करने तथा इंडस्ट्रियल बॉयलरों और एचआरएसजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए बीएचईएल के निरंतर सहयोग हेतु कार्यनीतिक गठबंधन किए जा रहे हैं।

अवसर तथा खतरेः

अवसर

बीएचईएल के लिए इंडस्ट्रियल बॉयलरों, पावर प्लांट संघटकों और बीएचपीवी के मौजूदा पोर्टफोलियो की मांग को पूरा करने के लिए कंपनी के समक्ष उच्च वृद्धि एवं अवसरों की अपार संभावना है।

खतरे

i) निजी कंपनियों से कड़ा प्रतिस्पर्धा,

ii) परंपरागत कार्यों के लिए कम दरें प्रस्तुत करने वाली राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू कंपनियां,

iii) ग्राहकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना,

iv) कड़ी डिलीवरी भार्ते

v) कम पारिश्रमिक मिलने के कारण श्रमिकों का पलायन

कार्यनिष्पादन

(रुपये करोड़ में)

	2009-10	2008-2009
1. कुल कारोबार	104.31	84.39
2. मूल्यवर्धन	37.40	11.24
3. नियोजित पूंजी	32.26	8.45
4. सकल ब्लॉक	80.64	79.99
5. निवल ब्लॉक	4.61	5.23
6. कार्यशील पूंजी	27.65	3.22
7. सकल मूल्य	(-) 238.54	(-) 229.94
8. ब्याज	(-) 2.68	11.04
अनुपातः		
कारोबार के प्रतिशत के रूप में पीबीडीआईटी (छूट के बिना)	(-) 8.56	(-) 133.88
कारोबार के प्रतिशत के रूप में कर पश्चात लाभ (बिना छूट) में	(-) 8.24	(-) 114.18
जीटीओ की प्रतिशत के रूप में मूल्यवर्धन (ईडी को घटाकर)	43.10	13.32

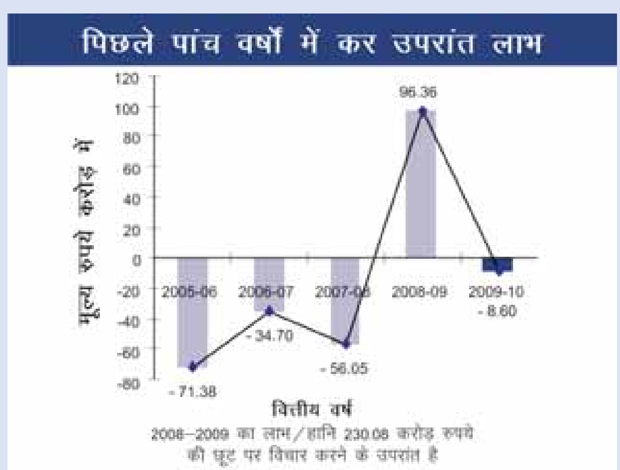

वर्ष की मुख्य उपलब्धियों में निम्नलिखित महत्वपूर्ण उपकरणों के निर्माण और सप्लाई को शामिल किया जा सकता है:

(i) मैसर्स सीपीसीएल–चैन्ने को सप्लाई किया गया रिफार्मिंग रिजनरेटर एसएस प्लेट (एसए240 टीवाई321) 1.7 मीटर लम्बे (60टी के अधिकतम से 20 टी के न्यूनतम) x15 मीटर लम्बे एसएस प्लेटों से बनाया जाता है। नाजिल की वेल्डिंग शेल प्रोफाइल तथा शेल थिकनेस हेतु प्लेटों को अंतस्थापित करके सुधारात्मक मशीनिंग सहित 60 एमएमआरएफ प्लेट के शेल के साथ किया जाता है। यह डिजाइन तथा विनिर्माण में एक अति महत्वपूर्ण उपकरण है।

(ii) रिफार्मिंग रिएक्टर रिडक्शन चैम्बर लेबर तथा अपर हापर्स, लिफ्ट पार्टों की सप्लाई सीपीसीएल, चैन्ने को की जाती है। इन अत्यन्त महत्वपूर्ण 18 एलएएस उपकरणों को सफलतापूर्वक बनाया और सप्लाई किया गया।

(iii) मैसर्स एनपीसीएल, मुम्बई को सप्लाई किया गया स्टैन्ड बाई कूलर इनकोनल वेल्ड डिपोजीशन की 206 टी के ट्यूब शीट वाला एक अत्यंत महत्वपूर्ण उच्च दवाब वाला (170 केजी/सीएम2) "यू" ट्यूब हीट एक्सचेंजर का है। टीपीटी जोड़ टिग वेल्ड होते हैं और 9 स्टेजों में विस्थापित हो सकते हैं। इस उपकरण को ट्यूब साइड तथा गास्केट ग्रोव के लिए भी 170 केजी/सीएम2 पर एनपीसीआईएल तथा हाइड्रो टोस्टेड मौजूदा एक्सचेंजर के मुताबिक बनाया जाता है। यह कार्य एनपीसीआईएल तथा हीलियम लीक परीक्षणों द्वारा चरण–दर निरीक्षण के साथ सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया था।

(iv) मैसर्स बीओआरएल बीना को सप्लाई किया गया। एक्सचेंजर 130 टीके ट्यूब शीट के साथ 14.2 एमटी वजन के साथ 8 मीटर लम्बे फ्लोटिंग हेड टाइप का है। इस एक्सचेंजर की विशेषता यह है कि शेल साइड कान्टैक्ट अर्थात शेल, शेलफमैंग बोनट के अन्दरूनी भाग एसएस 410एस क्लैड का है।

(v) मैसर्स बीओआरएल बीना को सप्लाई किया गया स्टेबिलाइजर नेट और 800 एमएम डीआईए x 6.3 एमटीएस लम्बे 6.3 एमटी वजन का है। इसके विनिर्माण की विशेषता यह है कि ट्यूब प्लेट से 50 एमएम प्रोजेक्शन के साथ सभी ट्यूबों की टीटीपी वेल्डिंग 9 एमएम के ट्यूब गैप में है।

(vi) मैसर्स एचपीसीएल–विजाग को सप्लाई किए गए आर आर पैकेज संघटक में टॉप सेक्शन, स्पेन्ट कैटालिस्ट स्क्रिपर, रिएक्टर हेतु राइजर पाइप तथा टॉप सेक्शन प्लीनम चैम्बर रिजनरेटर और ओरीफिल चैम्बर आदि शामिल हैं। ये सभी संघटक विनिर्मित किए गए और इनका हीट ट्रीटमेंट तथा हाइड्रो टेस्ट किया गया। स्टेनलेस स्टील एसएस 304/316/321 तथा एंकरों के हेक्स मेश रिफ्रेक्टरी लाइनिंग हेतु संघटकों को लगाए गए थे। रिफ्रेक्टरी लाइनिंग (बर्बोकास्ट, गमीन आदि तथा हॉट एयर ड्राईंग द्वारा) सफलतापूर्वक यूओपी निरीक्षण के अंतर्गत कराया गया था।

(vii) एचपीसीएल, मुम्बई को सप्लाई किया गया एसएस स्क्रबर टॉप सेक्शन आईडी 2000x6 टीके से 12 टीके, 19.4 मीटर लम्बाई और 9 टन वजन शेल्स सी/सीम ऐसली वेल्डिंग अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि शेल की थिकनेस बहुत पतली है। शेल के भीतर समुचित स्टिफमिंग रिंग द्वारा इसकी सरकुलरिती को बनाए रखा गया। बॉटम सेक्शन का डायमीटर 4800x16 से 20 एमएस तथा भार 51 टन है। इस भाग के विनिर्माण इन्टरनल कोन्स की वेल्डिंग, स्प्रे नॉजिल, नी एलॉप 20 नाजिल्स और तमाम आंतरिक कार्य अत्यंत जटिल हैं। दोनों सेक्शन ईआईएल निरीक्षण व बीईएलसीओ परामर्शदाता निरीक्षण के साथ पूर्ण किए गए। अंतरिम सेक्शन के 2010–11 की प्रथम तिमाही पूरा किए जाने की योजना है।

उपर्युक्त के अलावा, बाह्य सेवा फ्रंट पर कंपनी ने निम्नलिखित कार्यपूर्ण किए हैं:

(i) मैसर्स एचपीसीएल विशाखापत्तनम (एस ओ : 7273) पर बॉयलर प्रापर को हाइड्रोलिक परीक्षण, एक्सर्टनल पाईपिंग (आईबीआर तथा नान–आईबीआर), रिफ्रैक्टरी तथा इन्सूलेशन के अनुप्रयोग, 60 मीटर ऊँची स्टील चिमनी के उत्थापन सहित 2x75 टीपीएच बॉयलरों की मेकेनिकल रूप में पूरा करना।

(ii) मैसर्स एचपीसीएल–मुम्बई (एसओ सं. 7273) पर बॉयलर लाइटअप अलकली बॉयल आउट, सेफ्टी वाल्व फ्लोरिंग सहित 2x100 टीपीएच बॉयलरों को सफलतापूर्वक शुरू करना।

(iii) बीओआरएल–बीना (एसओ सं. 2346) पर स्ट्रेस रिलीविंग तथा हाइड्रोलिक परीक्षण सहित 7.4 एमडीआई एवं 25 एम लेंथ के वाटर सील ड्रम का स्थल पर विनिर्माण।

(iv) मैसर्स बीओआरएल, बीना (एसओ सं. 7275) पर रिफ्रेक्टरी तथा इंसूलेशन के अनुप्रयोग तथा ड्राई आउट को पूर्ण करने सहित रेडियेन्ट व कन्वेक्शन सेक्शनों, एपीएच मॉडयूल, डक्टस, स्टेक के साथ हाट आयल हीटर का स्थल कार्य।

(v) एचपीसीएल–विजाग (एसओ सं. 2369) पर ढांचागत प्लेटफार्म सहित प्रीफ्लेश ड्रम स्थल पर उत्थापन।

दृष्टिकोण

- बीएचपीवी के पुनर्गठित बोर्ड ने नए प्रबंध निदेशक और कार्यात्मक निदेशकों के साथ अक्तूबर/नवम्बर, 2009 में कार्य शुरू किया है। बीआईएफआर को प्रस्तुत मसौदा पुनर्वास योजना (डीआरएम) के अनुसार, बीएचपीवी का लक्ष्य 2015–16 तक 1000 करोड़ के करोबारी मार्क को पार करना तथा उस समय तक सकारात्मक निवल मूल्य भी प्राप्त करना और 2012–13 तक कम्पनी को लाभ कमाने वाली बनाना है।

- प्रोसेस प्लांट उपकरण हेतु क्वालिटी सप्लायर के रूप में बीएचपीवी की प्रतिष्ठा से तेल तथा उर्वरक क्षेत्रों से और आर्डर मिलने में मदद मिली है। इंडस्ट्रियल बॉयलरों और एचआरएसजीएम हेतु बीएचईएल से और आर्डरों के निष्पादन के साथ इसके मिलने से आने वाले वर्षों में कम्पनी के कारोबार में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी और बीएचपीवी अपने मार्ग पर चल पड़ेगा। मौजूदा तथा नए ग्राहकों से और आर्डर प्राप्त करने हेतु लगातार प्रयास भी किए जा रहे हैं।
- कम्पनी द्वारा अंगीकृत आधुनिकीकरण तथा पूंजी निवेश रणनीति के अनुरूप सुविधाओं के नवीकरण तथा आधुनिकीकरण की दिशा के आने वाले वर्षों में 235 करोड़ रुपये निवेश किए जाएंगे।
- बदल रहे बाजार परिदृश्य से तालमेल बिठाने और लागत प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए बीएचपीवी का खरीद तरीके पूर्ण रूप में संशोधित किया गया और बीएचईएल के अनुरूप एक नई खरीदनीति अपनाई गई है। बीएचईएल के अनुरूप पुनः एक नई कार्यनीति तैयार की गई है और इस अनुमोदनाधीन है।
- कर्मचारियों को अभिप्रेरित करने के उद्देश्य से अनेक मौद्रिक और गैर–मौद्रिक उपाय किए जा रहे हैं। तथापि एक रुग्ण कम्पनी होने और बीआईएफआर को संदार्भिता होने से, इसमें 2001–02 से कोई भर्ती नहीं की गई है। विभिन्न स्तरों पर चिन्हित कौशल अन्तरों के ब्रिजिंग हेतु, नए कार्यकारियों की भर्ती प्रक्रिया हाल में शुरू की गई है और 2010–11 के दौरान अन्य संवर्गों हेतु भी इसी तरह की कार्रवाई शुरू की जाएगी।
- विकास कार्यसूची के अनुरूप कम्पनी बीएचईएल, त्रिचिरापल्ली के सहयोग से बीएफवीसी, एचआरएसजी तथा फॉसिल बॉयलरों के लिए अपनी इंजीनियरिंग और तकनालॉजी क्षमता को सुदृढ़ बनाएगी। बीएचपीवी तथा बीएचईएल के बीच सहयोग के अन्य क्षेत्रों को भी बीएचईएल के व्यवसाय सैक्टरों और विनिर्माण इकाइयों के परामर्श से तलाश की जा रही है।

समझौता ज्ञापन 2010–11 के अनुसार लक्षित कार्य निष्पादन पैरामीटर

आर्डर बुकिंग	:	342.00 करोड़ रुपये
बिक्री/कारोबार	:	231.00 करोड़ रुपये
उत्पादन	:	231.00 करोड़ रुपये
कर पूर्व लाभ	:	(–)25.66 करोड़ रुपये

जोखिम और कठिनाइयां

- मौजूदा तथा विविधीकृत व्यवसाय के लिए विनिर्माण सुविधाओं का उन्नयन और इसके लिए अपेक्षित धनराशि।
- ग्राहकों का विश्वास प्राप्त करने के लिए मौजूदा परियोजनाओं को शीघ्रता से पूरा करना।
- कर्मचारियों के उत्साह को बढ़ाने हेतु विशाखापत्तनम और उसके आस–पास स्थित अन्य सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के बराबर सभी लाभ और बेहतर प्रतिपूर्ति पैकेज लागू करना कारण।

आंतरिक नियंत्रण प्रणालियां तथा इनकी पर्याप्तता

कंपनी के पास लेखापरीक्षा तथा पूर्ण परिभाषित लेखापरीक्षा कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग है। आंतरिक लेखा परीक्षा कार्य का प्रमुख वरिष्ठ प्रबंधक होता है जो प्रबंध निदेशक को रिपोर्ट करता है। कंपनी ने निदेशकों की लेखापरीक्षा समिति बनाई है जो आवधिक रूप से आंतरिक लेखापरीक्षा संबंधी कार्यों की पुनरीक्षा करती है और निरंतर सुधार के सुधारात्मक कार्रवाई करती है। कंपनी का सतर्कता विभाग सतर्कता तथा अनुशासनिक मामलों की देखरेख करता है। वार्षिक लेखों की लेखापरीक्षा के लिए सांविधिक लेखापरीक्षा आयोजित की जाती है। नियंत्रक एवं महालेखाकार वार्षिक लेखों की अनुपूरक जांच के अलावा प्रोपराइटरी लेखापरीक्षा भी करते हैं।

मानव संसाधनों/औद्योगिक संबंधों के क्रम में विभिन्न लोगों की नियुक्ति सहित सामग्री विकास

मार्च, 2010 की समाप्ति पर कर्मचारियों की कुल संख्या 1250 थी जबकि वर्ष के प्रारंभ में इनकी संख्या 1370 थी। कल्याण उपायों के भाग के रूप में मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा निम्नलिखित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गयाः

1) कम्पनी के भीतर प्रशिक्षण कार्यक्रमः

कम्पनी ने कम्पनी के भीतर 9 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें 272 कर्मचारियों को शामिल किया गया। इसमें 120 अधिकारी, 20 पर्यवेक्षक तथा 132 कर्मकार शामिल हुए। इन कार्यक्रमों में 14/09/2009 के हिंदी दिवस, 03/11/2009 से 07/11/2009 के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह और 04/03/2010 से सुरक्षा दिवस के अवसर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। इन कार्यक्रमों के दौरान स्थानीय निकायों/उद्योगों से प्रतिष्ठित कम्पनियों की वार्ता हेतु आंमत्रित किया गया। हमारे कर्मचारियों और उनके पतियों/पत्नियों के लिए केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा जीवन की गुणवत्ता, पर्यवेक्षकीय विकास व कार्यजीवन शेष जैसे मानव संसाधन से संबद्ध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

2) बाहरी प्रशिक्षण कार्यक्रमः

वर्ष के दौरान 21 आउट स्टेशन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 41 कर्मचारियों को प्रायोजित किया गया जिसमें 36 अधिकारी, 3 पर्यवेक्षक व 2 कामगार शामिल थे। ये कार्यक्रम आरक्षण नीति, सतर्कता, प्रशासन, कारपोरेट सामाजिक दायित्व, कल लागत प्रबंधन, कराधान उन्नत वेल्डिंग तकनीक अल्यूमीनियम वेल्डिंग प्रक्रियाओं, नान–डिस्ट्रक्टिव मूल्यांकन आदि के बारे में थे। वर्ष के दौरान संगठन में समरस और सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहा और हड़ताल अथवा तालाबंदी की वजह से किसी श्रमदिवस की हानि नहीं हुई। कार्यसंस्कृति औद्योगिक संबंधों उत्पादकता में सुधार तथा विवादों के समाधान के लिए विभिन्न भागीदारी निकायों और विचारविमर्शों के जरिए सहभागी संस्कृति को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कारपोरेट योजना

बीएचईएल सहझौता ज्ञापन 2010–11 के अनुसार कारपोरेट योजना प्रभाग बीआईएफआर द्वारा अनुमोदित डीआरएस के अनुसार पुर्नजीवन पैकेज के क्रियान्वयन हेतु मार्ग प्रशस्त करेगा।

रोजगार तथा शारीरिक विकलांग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/भूतपूर्व सैनिक/अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की स्थिति

- शारीरिक विकलांग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/भूतपूर्व सैनिक/अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण हेतु भारत सरकार द्वारा समय–समय पर जारी निर्देशों/मार्गनिर्देशों का कंपनी द्वारा नियमित रूप से पालन किया जाता है।
- अ.जा., अ.ज.जा. तथा ओबीसी के प्रतिनिधित्व को दर्शाने वाला एक वार्षिक विवरण 01.01.2010 की यथास्थिति निर्धारित प्रारूप में साथ ही सरकार को यथा प्रस्तुत पूर्ववर्ती कैलेन्डर वर्ष के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या अनुबंध 'क' के रूप में दिया गया है।

01.01.2010 की यथास्थिति शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों की संख्या

- इस समय 01.01.2010 की यथास्थिति हमारे यहां कुल 25 विकलांग कर्मचारी हैं। कम्पनी में 01.01.2010 की यथास्थिति समूह–वार श्रम बल के बारे में अनुबंध 'ख' में जानकारी प्रस्तुत है।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

समाज के प्रति सचेत कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में कंपनी सामुदायिक विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में योगदान देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया तथा प्राप्त रक्त मेडिकल रेड क्रास सोसायटी को दान किया गया। कंपनी विकास में योगदान देने के लिए प्लांट के भीतर और आसपास विशेष रूप से अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्रों में योगदान दे रही है। एचआईवी/एड्स/टीबी नियंत्रण के बारे में कर्मचारियों के बीच जागरूकता सृजित करने के लिए एक समिति बनाई गई थी।

संचेतक वितरक

इस प्रबंधन एवं विश्लेषण रिपोर्ट में कंपनी के उद्देश्यों, योजनाओं, अनुमानों को लागू कानून और विनियमों के दायरे में रहते हुए प्रदर्शित किया गया है। वास्तविक परिणाम व्यवहार्य रूप से इनसे भिन्न हो सकते हैं। घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में मांग, सप्लाई और कीमतों में बदलाव जैसी आर्थिक स्थितियां, सरकारी नीतियां और विनियम, अध्यादेश, श्रम संबंध तथा अन्य आकस्मिक कारण कंपनी के प्रचालनों को प्रभावित कर सकते हैं।

अनुबंध–ए

1.1.2010 को अ.जा., अ.ज.जा. तथा अ.पि.व. का प्रतिनिधित्व और कलैण्डर वर्ष 2009 के दौरान की गई नियुक्तियों को दर्शाता वार्षिक विवरण

ग्रुप	अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. का प्रतिनिधित्व (1.1.2010 को)				कलैण्डर वर्ष के दौरान की गई नियुक्तियां									
					सीधी नियुक्ति				पदोन्नत			अन्य पद्धति द्वारा		
	कर्मचारियों की कुल संख्या	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	कुल	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	कुल	अ.जा.	अ.ज.जा.	कुल	अ.जा.	अ.ज.जा.
ग्रुप - ए	273	44	6	28	—	—	—	—	20	4	1	—	—	—
ग्रुप - बी	347	67	52	48	—	—	—	—	36	9	1	—	—	—
ग्रुप - सी	568	90	45	162	—	—	—	—	2	—	—	—	—	—
ग्रुप - डी	93	13	—	27	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
ग्रुप - डी (एसडब्ल्यू के अलावा)	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
ग्रुप - डी (एसडब्ल्यू)	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
कुल	1281	214	103	265	—	—	—	—	58	13	2	—	—	

अनुबंध–बी

विकलांग व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व

ग्रुप	कर्मचारियों की संख्या (प्रतिनिधित्व)				कलैण्डर वर्ष 2009 के दौरान सीधी भर्ती							प्रोन्नत						
					आरक्षित रिक्तियों की संख्या			भरी गई रिक्तियों की संख्या (नियुक्त)				आरक्षित रिक्तियों की संख्या			भरी गई रिक्तियों की संख्या (नियुक्त)			
	कुल	वीएच	एचएच	ओएच	वीएच	एचएच	ओएच	कुल	वीएच	एचएच	ओएच	वीएच	एचएच	ओएच	कुल	वीएच	एचएच	ओएच
ग्रुप - ए	273	—	—	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
ग्रुप - बी	347	—	1	6	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	3	1	—	2
ग्रुप - सी	568	2	4	9	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1	—	—	1
ग्रुप - डी	93	—	—	2	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
कुल	1281	2	5	18	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	4	1	—	3

(i) वीएच का मतलब दृष्टि विकलांगता (अन्धापन या कम दिखाई देने से ग्रसित व्यक्ति)

(ii) एचएच – श्रवण विकलांगता (श्रवण विकलांगता से ग्रसित व्यक्ति)

(iii) ओएच – अस्थि विकलांगता (लोकोमोटर विकलांगता या तन्तु विकलांगता से ग्रसित व्यक्ति)

कॉर्पोरेट अभिशासन रिपोर्ट

उद्देश्यः

अच्छे कारपोरेट अभिशासन का मूल तत्व कार्य ढांचे के भीतर कम्पनी में सर्वोत्तम व्यवसाय प्रक्रियाओं को अपनाना है। कम्पनी के प्रबंधन में मूल्यों और नीतियों के प्रति प्रतिबद्धता और पारदर्शिता होती है। यह बेहतर कारपोरेट व्यवहार सुनिश्चित करने और स्टेक–होल्डरों यथा निवेशकों, ग्राहकों, कर्मचारियों, सरकार, वेन्डर तथा समाज के हितों की रक्षा के लिए जवावदेही एवंकर्तव्यनिष्ठा, मार्गनिर्देशों एवं प्रणाली के क्रियान्वयन पर बल देते हैं।

विचारधाराः

कम्पनी का दृढ़ विश्वास है कि कम्पनी के संबंद्ध सभी व्यक्तियों के हित में वृद्धि हेतु बेहतर कारपोरेट अभिशासन का होना बेहद जरूरी है। कम्पनी अपने कार्यकलापों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करती रही है। एक जवाबदेह नागरिक और एक सार्वजनिक प्राधिकरण के रूप में कम्पनी सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (आरटीआई एक्ट) के उपबंधों के तहत भारत के नागरिकों को उपयुक्त रूप में सूचना प्रदान करती है।

निदेशक मंडलः

31.3.2009 तक बोर्ड में चार निदेशक थे। तत्कालीन प्रबंध निदेशक श्री ओम प्रकाश ने त्यागपत्र दे दिया है और 31.10.2009 से पदमुक्त हो गए हैं। वर्ष के दौरान बोर्ड का 3 पूर्णकालिक/कार्यात्मक निदेशकों और एक अंशकालिक अध्यक्ष को शामिल करके पुनर्गठन किया गया, जिसके फलस्वरूप निदेशकों की कुलसंख्या बढ़कर 7 हो गई। दो स्वतन्त्र निदेशकों श्री बी. भक्त वत्सलम तथा श्री प्रॅबीर रॉय ने क्रमशः 13.03.2010 व 18.03.2010 को 3 वर्ष की नियुक्ति का अपना कार्यकाल पूरा कर लिया। 31.03.2010 की स्थिति के अनुसार बोर्ड में 5 निदेशक है। निदेशकों के लिए कोई अर्हक शेयर रखना अपेक्षित नहीं है। कम्पनी के निदेशकों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

सभी पूर्णकालिक/कार्यात्मक निदेशकों के पारिश्रमिक सहित नियुक्ति की निबंधन एवं शर्तें भारत सरकार द्वारा जारी की जाएंगी। निदेशक मंडल/ समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र निदेशकों को उनकी प्रति सिटिंग फीस का भुगतान भारी उद्योग विभाग द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाता है और बोर्ड/बोर्ड समिति की बैठकों में भाग लेने पर वास्तविक व्यय में प्रतिपूर्ति की जाती है। बोर्ड की बैठकें नियमित रूप से होती हैं और कम्पनी को उचित मार्गदर्शन तथा प्रबंधन के लिए उत्तरदायी होता है।

सामान्य निकाय बैठक

पिछले 3 वार्षिक सामान्य बैठकों का विवरण

वित्तीय वर्ष	एजीएम की तिथि तथा समय	स्थान
2006-07 (41वीं एजीएम)	26 सिंतबर, 2007 को अप. 4.00 बजे	बीएचपीवी बोर्ड रूम, विशाखापतनम
2007-08 (42वीं एजीएम)	24 दिसंबर, 2008 को प्रातः 10.00 बजे	-बीएचपीवी बोर्ड रूम, विशाखापतनम
2008-09 (43वीं एजीएम)	8 सिंतबर, 2009 को अप. 3.30 बजे	दी पार्क होटल, विशाखापतनम

वर्ष के दौरान 4 बोर्ड बैठकें हुई थी और वर्ष 2009–10 के दौरान निदेशकों की उपस्थिति का विवरण नीचे दिया गया है

क्रम सं.	निदेशकों के नाम	श्रेणी/ अवधि	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की कुल संख्या	बैठकों में भाग लिया	क्या आम वार्षिक बैठक में भाग लिया	अन्य अयोजित निदेशक स्तरीय बैठकें
1	श्री बी.पी. राव	अध्यक्ष/24-10-2009 से एफएन	2	2	-	3
2	श्री ओम प्रकाश	एमडी/ 22.12.2005 से 31-10-2009 तक	2	2	हां	शून्य
3	श्री एस.एस. गुप्ता	एमडी/31.10.2009 एफएन से	2	2	-	शून्य
4	श्री आर.पी.गोयल	अंशकालिक अधिकारी (सरकारी निदेशक) 23.02.2008 से 17-08-2009 तक	1	1	-	शून्य

5	श्री शशांक गोयल	अंशकालिक अधिकारी (सरकारी निदेशक) 17-08-2009 से	3	3	हां (बैठक के अध्यक्ष)	5
6	श्री पी.वी. श्रीधरन	(निदेशक एचआर) / 09-11-2009 से एफएन	2	2	-	शून्य
7	श्री एस. नागराजन	(निदेशक प्रचालन) / 20-11-2009 से एफएन	2	2	-	शून्य
8	डॉ बी. बख्तावत्सलम	अंशकालिक गैर अधिकारी (स्वतंत्र) 14-03-2007 से 13-03-2010 तक	4	2	हां	3
9	श्री प्रॉबीर राय	अंशकालिक गैर अधिकारी (स्वतंत्र) 19-03-2007 से 18-03-2010 तक	4	शून्य	-	5

लेखा परीक्षा समितिः

श्री आर.पी. गोयल ने श्री बी.बी. सिंह के स्थान पर बोर्ड में 23.02.2009 से भारत सरकार भारी उद्योग विभाग का प्रतिनिधित्व करने के लिए अंशकालिक सरकारी निदेशक के रूप में पुनर्नियुक्ति की वजह से लेखापरीक्षा समिति का पुनर्गठन किया गया। वर्ष के दौरान 15.05.2009 को लेखापरीक्षा समिति की बैठक के पश्चात श्री आर.पी.गोयल के स्थान पर श्री शशांक गोयल के 17.08.2009 से बोर्ड में भारत सरकार भारी उद्योग विभाग का प्रतिनिधित्व करने हेतु अंशकालिक सरकारी सदस्य के रूप में नियुक्ति की वजह से लेखा परीक्षा का पुनर्गठन करना पड़ा। बोर्ड के पुनर्गठन तथा 3 पूर्णकालिक/कार्यात्मक निदेशकों तथा बोर्ड में एक अंशकालिक अध्यक्ष को शामिल किए जाने की वजह से लेखा परीक्षा समिति का बोर्ड की 187वीं बैठक में एकबार पुनः पुनर्गठन किया गया। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान लेखापरीक्षा समिति की दो बैठकें आयोजित की गई थीं। 2009–10 के वार्षिक लेखे लेखा परीक्षा समिति के समक्ष 11.05.2010 को आयोजित इसकी बैठक में अनुमोदन हेतु तथा कम्पनी के निदेशक मंडल के अनुमोदन व संतुष्टि हेतु रखे गये थे।

लेखा परीक्षा समिति अपनी भूमिका और शक्तियों का प्रयोग करते हुए संक्षिप्त रूप से आंतरिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्टों, सरकार द्वारा जारी लंबित आईआर पैरा की पुनरीक्षा करती है, सांविधिक लेखापरीक्षकों की बैठकों के निष्कषो एवं सुझावों तथा अन्य संबंधित मामलों पर विचार–विमर्श करती है। इसके अलावा, यह समिति कंपनी द्वारा अपनाई जा रही मुख्य लेखांकन नीतियों तथा वार्षिक वित्तीय विवरणों को कंपनी के निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत करने से पूर्व इनकी पुनरीक्षा करती है तथा निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत किए जाने वाले किसी भी मामले की छानबीन करने का इसे पूरा अधिकार होता है।

सहायक कम्पनियांः

कम्पनी बीएचईएल की पूर्ण स्वामित्वाधीन सहायक कम्पनी है। बीएचपीवी के पास अब कोई भी सहायक कम्पनी नहीं है।

संयंत्र अवस्थितिः

मैसर्स भारत हेवी प्लेट एण्ड वेसेल्स लिमिटेड
नाथयापालेम,
विशाखापत्तनम–530 012, (आंध्रप्रदेश)

प्रकटन

कम्पनी अधिनियम की धारा 297 के प्रावधानों यथा उपबंधित निदेशक नियमित रूप से कम्पनी के हितों के अनुरूप यह प्रकटन करते हैं कि कम्पनी के साथ प्रबंधन अथवा उसके संबंधी का फर्म से किसी प्रकार का लेन–देन अथवा व्यवसाय नहीं है। कम्पनी नीतिगत मानकों को बनाए रखने के लिए विभिन्न कानूनों के अनुरूप समुचित प्रकटन सुनिश्चित कर रही है।

सांविधिक देयों की स्थिति के साथ सांविधिक अनुपालन रिपोर्ट बोर्ड के समक्ष नियमित रूप से रखी जा रहीं है। वर्ष के दौरान भारत सरकार द्वारा जारी राष्ट्रपति के निर्देशों का कम्पनी द्वारा अनुपालन किया गया है।

वर्ष के दौरान बहियों और लेखाओं में कोई व्यय नहीं डाला गया है जो व्यवसाय व्यय के प्रयोजनार्थ नहीं हैं और वैयक्तिक स्वरूप का कोई काम निदेशक मंडल तथा सर्वोच्च प्रबंधन द्वारा नहीं किया गया है।

चूंकि कम्पनी एक गैर सूचीबद्ध केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम है, सेबी तथा स्टॉक एक्सचेंज की अपेक्षा अथवा सूचीबद्धन के प्रावधान लागू नहीं हैं। तथापि समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, कम्पनी ने सहायक कम्पनी की सभी अपेक्षाओं को पूरा किया, क्योंकि यह कम्पनी बीएचईएल की 100% सहायक कम्पनी है।

कंपनी ने प्रेस, इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से कंपनी में महत्वपूर्ण उपलब्धियों तथा घटनाओं का व्यापक रूप से प्रसार किया है। कंपनी अपनी कार्यकरण की सूचना वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराती है। कंपनी व्हिसल ब्लोअर नीति मैकेनिज्म का पालन नहीं करती। तथापि, लेखापरीक्षा समिति ने किसी भी कर्मचारी और व्यक्ति की शिकायत को स्वीकार करने से इंकार नहीं किया। सरकारी कंपनी होने के नाते, कंपनी के रिकार्ड नियंत्रक एवं महालेखाकार की लेखापरीक्षा तथा सतर्कता/ सीबीआई आदि की जांच हेतु हमेशा खुले हैं।

MURTHY ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS
Ph : 0891-2535874, 3256696
5512576, Telefax : 2755366
102, Lakshmi Apartments, FACOR Layout, Waltair Uplands, Visakhapatnam - 530 003

कॉर्पोरेट अधिशासन पर लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में
सदस्य,
मैसर्स भारत हेवी प्लेट एण्ड वेसेल्स लिमिटेड विशाखापत्तनम

हमने असूचीबद्ध केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम के लिए पुरःस्थापित सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारी उद्योग तथा सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना संख्या 18(8)/2005 जीएम दिनांक 22.06.2007 तथा उसके अन्तर्गत उल्लिखित उपबंधों (इसमें इसके पश्चात दिशानिर्देश के रूप में संदर्भित द्वारा "केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों हेतु कार्पोरेट अभिशासन संबंधी दिशानिर्देश, 2007" में यथानिर्धारित 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए मैसर्स भारत हेवी प्लेट तथा वेसेल्स लिमिटेड (कम्पनी) द्वारा कॉर्पोरेट अभिशासन की शर्तों के अनुपालन की जांच की है।

कार्पोरेट अभिशासन की शर्तों के अनुपालन का दायित्व प्रबंधन का है। हमारी जांच ऊपर उल्लिखित दिशानिर्देशों में यथानिर्धारित कार्पोरेट अभिशासन की शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए कम्पनी द्वारा अंगीकृत प्रक्रिया और तत्संबंधी क्रियान्वयन तक समिति थी। यह कम्पनी के वित्तीय विवरणों पर न ही लेखापरीक्षा है और न ही विचारों की अभिव्यक्ति है।

हमारे विचार में और हमारी सर्वोत्तम सूचना तथा हमें दिए स्पष्टीकरणों के अनुसार, हम एतदद्वारा प्रमाणित करते हैं कि कम्पनी ने ऊपर उल्लिखित दिशानिर्देशों में यथा निर्धारित कार्पोरेट अभिशासन की शर्तों का अनुपालन किया है।

हम यह भी बताते हैं कि ऐसा अनुपालन कम्पनी न तो भावी अर्थक्षमता हेतु और न ही प्रभावपरकता की दक्षता हेतु एक अश्वासन है जिसके साथ प्रबंधन ने कम्पनी का कार्य कराया है।

हस्ताक्षर
कृते मूर्ति एसोसिएट्स
चार्टड एकाउन्टेट्स

हस्ता. /–

(सीए के.एल. नरसिम्हन)
एम. न. 023694
साझेदार

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 11.05.2010

PAN : AACFMOO15F, Service Tax No. : AACSM0015FST001
E-mail : klnfca@gmail.com, ksmk01@yahoo.com, subrahmanyam_fca2005@yahoo.com

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

ANNEXURE – 3

सेवा में, सदस्य,
भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड विशाखापट्टनम।

हमने 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार भारत हेवी प्लेट तथा वेसेल्स लिमिटेड के संलग्न तुलनपत्र, लाभ हानि खाते और नकद प्रवाह विवरण की लेखापरीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारा दायित्व केवल अपनी लेखापरीक्षा विवरणों के आधार पर अपनी राय व्यक्त करना है।

हमने भारत में आमतौर पर स्वीकार्य लेखापरीक्षा मानदंडों के अनुसार लेखापरीक्षा की है। इन मानदंडों के अनुसार अपेक्षा की जाती है कि वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा इस प्रकार से की जाए कि उनमें किसी भी प्रकार का अनुचित विवरण न हो। लेखापरीक्षा में उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों के परीक्षण आधार पर जांच का कार्य किया जाता है। इसके अलावा, लेखापरीक्षा में लेखांकन सिद्धांतों तथा प्रबंधन द्वारा लगाए गए अनुमानों का व्यापक रूप से उपयोग करके समग्र वित्तीय विवरण प्रस्तुत किया जाता है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा हमारी राय को तर्कसंगत आधार प्रदान करेगी।

कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 227 के प्रावधानों के अनुसार हम सूचित करते हैं कि:

(i) कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 227 के उप अनुच्छेद (4ए) के अनुसरण में भारत की केन्द्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लखापरीक्षकों की रिपोर्ट) आदेश, 2003 की अपेक्षानुसार तथा कम्पनी की बहियों और रिकार्डों की ऐसी जांच के अवसर पर जिसे हमने उचित समझा तथा हमें प्राप्त सूचना तथा स्पष्टीकरण के अनुसार हमने उक्त आदेश के पैरा 4 और 5 में निर्दिष्ट मामलों पर विवरण संलग्न अनुबंधों में दिया है।

(ii) ऊपर पैरा (i) में दिए गए अनुबंध में अपनी टिप्पणियों के अलावा हम यह भी सूचित करते हैं कि:

क) हमने लेखापरीक्षा के प्रयोजन से अपनी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सभी आवश्यक जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं,

ख) जहां तक कंपनी की बहियों की जांच का प्रश्न है, हमारी राय में कंपनी ने लागू कानून की अपेक्षानुसार अपनी बहियों का उचित रखरखाव किया है,

ग) इस रिपोर्ट से संबंधित तुलनपत्र, लाभ और हानि खाता तथा नकद प्रवाह विवरण लेखा बहियों के अनुबंध के अनुसार है,

घ) हमारी राय में इस रिपोर्ट से संबंधित तुलनपत्र, लाभ एवं हानि खाते, नकद प्रवाह विवरण कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 22 के उप अनुच्छेद 3ग) में उल्लिखित लेखांकन मानदंडों के अनुरूप हैं–

(i) छुट्टी नकदीकरण की देयता का प्रावधान बीमांकित मूल्यांकन की बजाए प्रोद्भवन आधार पर किया गया है, अनुसूची 19 के बिंदु संख्या 18 का संदर्भ ले।

ड) कंपनी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 21.10.2003 को जारी अधिसूचना सं. जीएसआर 829(ई) के अनुसरण में कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 274 (1)(छ) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते।

प्रबंधन का उत्तर

ए एस 15 (आर) की आवश्यकताओं के साथ संक्षिप्त अवधि लाभ के रूप में मानते हुए छुट्टी दायित्व को प्रोद्भवन आधार पर दिया गया है और यह सतत् रूप से किया जा रहा है।

हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम सूचना तथा हमें दिए गए सपष्टीकरणों के अनुसार अनुसूची 19 में लेखाकंन नीतियों और व्याखात्मक टिप्पणियों के साथ पठित उक्त लेखे कम्पनी अधिनियम 1956 की अपेक्षानुसार और जिस रूप में हम चाहते हैं उसके अनुसार तथा सामान्य रूप में स्वीकार्य सिद्धातों के अनुरूप सही और उचित विचार देते हैं।

(i) 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार कंपनी के क्रियाकलापों के तुलनपत्र के मामले में,

(ii) वर्ष की समाप्ति की तारीख को कंपनी के लाभ–हानि खाते के मामले में,

(ii) वर्ष की समाप्ति की तारीख को कंपनी के नकद प्रवाह विवरण के मामले में।

कृते **मूर्ति एसोसिएट्स**
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

हस्ता./–
के.एल. नरसिंहम
साझीदार
सदस्यता सं. 23694
पैनः एसीओपीके0690ए

दिनांक : 11 मई 2010
स्थान : नई दिल्ली

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट हेतु अनुबंध

(सम तारीख की हमारी रिपोर्ट के पैरा 1 में संदर्भित)

i) (क) कंपनी ने सामान्य तौर पर अपनी स्थायी परिसम्पत्तियों के मात्रात्मक ब्यौरों और स्थिति सहित पूर्ण विवरणों को दर्शाने वाले समुचित दस्तावेज बनाए रखे हैं।

(ख) हमें सूचित किया गया है कि प्रबंधन ने वास्तविक सत्यापन के अपने चरणबद्ध कार्यक्रम के अनुसार स्थायी सम्पत्तियों के एक भाग का सामान्य तौर पर वास्तविक सत्यापन कराया है, जिसे कम्पनी के अनुसार और व्यवसाय के स्वरूप को देखते हुए समुचित समझा जाता है और ऐसे सत्यापन पर कोई वास्तविक विरोधाभास नहीं देखा गया है।

(ग) कम्पनी ने अपनी स्थाई सम्पत्तियों के किसी भाग को बेचा नहीं है जिससे कि इसकी जारी स्थिति प्रभावित हो।

ii) (क) जैसाकि हमें स्पष्ट किया गया है, केवल ऐसे स्टॉक जिस पर कार्य प्रगति पर है तथा कुछ कार्यस्थल कार्यालयों पर परिष्कृत सामान के अलावा जहां इनका सत्यापन स्थापना विभाग की निरीक्षण रिपोर्टों और उत्पदान रिपोर्टों के संदर्भ में वर्ष के अंत में किया जाता है, वर्ष के दौरान नियमित अंतराल पर सतत् मालसूची के अन्तर्गत प्रबंधन द्वारा मालसूची का वास्तविक सत्यापन कराया गया है। संविदाकारों/फैब्रिकेटरों तथा अन्य पार्टियों के पास पडे स्टॉक के सम्बन्ध में केवल कुछ मामलों में ही पुष्टियां प्राप्त हुई थी। हमारी राय में सत्यापन की फ्रिक्वेंसी समुचित है।

(ख) हमारी राय में प्रबंधन द्वारा अपनायी जा रही मालसूची की वास्तविक सत्यापन की प्रक्रियाएं कम्पनी के आकार और इसके व्यवसाय स्वरूप के दृष्टिगत सामान्य तौर पर समुचित और पर्याप्त हैं।

(ग) कम्पनी ने मालसूची के समुचित रिकार्ड रखें हैं और कम्पनी के आकार तथा प्रचालन स्वरूप के दृष्टिगत मालसूची के वास्तविक सत्यापन के समय पाई गई विसंगतियां मूर्त रूप में नहीं थी और इन्हें कम्पनी के बहीखातों में समुचित रूप में ठीक कर लिया गया था।

iii) (क) हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार कम्पनी ने कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 के अन्तर्गत रखे जाने वाले रजिस्टर में कवर कम्पनियां, फर्मों और अन्य पार्टियों को कोई ऋण, सुरक्षित अथवा असुरक्षित नहीं प्राप्त किया है। तद्नुसार कम्पनी (लेखा परीक्षण की रिपोर्ट) आदेश, 2003 के पैरा 4 का खण्ड (iii) (ख) से (iii) (घ) चालू वर्ष के लिए कम्पनी पर लागू नहीं है।

(ख) हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार, कम्पनी ने कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 के अंतर्गत रखे जाने वाले रजिस्टर में कवर कम्पनियों, फर्मों और अन्य पार्टियों से कोई ऋण सुरक्षित अथवा असुरक्षित नहीं लिया है। तद्नुसार, कम्पनी (लेखा परीक्षक की रिर्पोट) आदेश, 2003 के पैरा 4 का खण्ड (iii) (च) से (iii) (छ) चालू वर्ष के लिए कम्पनी पर लागू नहीं है।

iv) हमारी राय में तथा हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार मालसूची स्थायी परिसम्पत्तियों की खरीद तथा माल एवं सेवाओं की बिक्री के संबंध में कम्पनी के आकार तथा इसके व्यवसाय स्वरूप के समनुरूप पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण प्रणालियां हैं। इसके अतिरिक्त कम्पनी की बहियों तथा रिकार्डों की हमारी जांच के आधार पर तथा हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार हमें आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों में बड़ी कमजोरियों को सुधार करने में लगातार असफल रहने के बारे में न तो पता चला है और न ही कोई सूचना मिली है।

v) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार हमारी राय है कि वर्ष के दौरान अधिनियम की धारा 301 में संदर्भित कोई संविदाएं अथवा व्यवस्थाएं नहीं हैं जिनकी उस धारा के अंतर्गत रखे जाने वाले रजिस्टर में प्रविष्टि किए जाने की जरूरत हो। तद्नुसार कम्पनी (लेखा परीक्षक की रिपोर्ट) आदेश 2003 के पैरा 4 का खण्ड (v) (ख) चालू वर्ष के लिए कम्पनी पर लागू नहीं है।

vi) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार कम्पनी ने अधिनियम की धारा 58ए तथा 58एए अथवा किसी अन्य संगत उपबंधो और उसके अन्तर्गत बनाई गई कम्पनी (जमाओं की स्वीकृति) नियमावली के तात्पर्य के भीतर वर्ष के दौरान जनता से कोई जमा स्वीकार किया गया है।

vii) हमारी राय में कम्पनी की आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली इसके व्यवसाय के आकार और स्वरूप के अनुसार सुदृढ़ किया जाना है।

viii) केन्द्र सरकार ने व्यवसाय स्वरूप के संबंध में कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 209 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अन्तर्गत लागत रिकार्ड का रखरखाव विहित नहीं है।

ix) (क) हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरण के अनुसार हमें प्रस्तुत तथा हमारे द्वारा जांच की गई बहियों और रिकार्डों के बारे में हमारी राय में कम्पनी सामान्य तौर पर समुचित प्राधिकरण के साथ साथ अनुप्रयोग भविष्य निधि निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्रीकर, सम्पत्ति कर, सेवाकर, उत्पाद शुल्क सीमा शुल्क, उपकर तथा अन्य कोई वास्तविक संविधिक देयों सहित अविवादित सांविधिक देयों को जमा कराने में नियमित रही है।

हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरण के अनुसार 31 मार्च, 2010 की यथास्थिति भुगतेय तारीख से छः माह से अधिक की अवधि के लिए आयकर, बिक्रीकर/वैट, सेवाकर उत्पाद शुल्क, शीमाशुल्क, उपकर तथा अन्य संविधिक देयों के संबंध में अविवादित राशि भुगतेय हो।

क्र. सं.	संविधि का नाम	देय राशि का स्वरूप	राशि (रुपये करोड़ में)
1.	31.03.2010 की यथास्थिति लम्बित डब्ल्यू सीटी भुगतान के 6 माह से अधिक अवधि के लिए बकाया है।	मासिक विवरणी देय	4.52
	कुल		**4.52**

प्रबंधन का उत्तरः
एक रुगज कम्पनी के रूप में बीआईएफआर संदर्भ 503/2004 के संदर्भ में कम्पनी निधि की कमी का सामना कर रही है जिसके कराण कुछ भुगतान नही किए गए। यद्यपि, कम्पनी ने देयों की स्वीकृति हेतु महाराष्ट्र बिक्री कर विभाग से अनुरोध किया है जिसे उनके द्वारा मान लिया गया है।

(ख) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार, बिक्रीकर आयकर, उत्पाद शुल्क तथा उपकर का विवरण जो विवाद के कारण जमा नहीं कराए गए हैं निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	संविधि का नाम	देयों का स्वरूप	राशि (रुपए करोड़ मे)	मंच जहां विवाद लम्बित है
1.	केन्द्रीय बिक्रीकर अधिनियम तथा कार्य संविदा कर अधिनियम	बिक्री कर तथा कार्य संविदा कर	4.14	प्रथम अपीलीय प्रधिकारी/ उपायुक्त
			1.10	न्यायाधिकरण
			0.26	उच्च न्यायालय/ उच्चतम न्यायालय
2.	आकर अधिनियम, 1961	आयकर	6.45	आईटीएटी विशाखापत्तनम
3.	केन्द्रीय उत्पाद अधिनियम 1944	उत्पाद शुल्क	3.15	आयुक्त अपील
			101.55	सीईएसटीएटी, बेंगलोर
4.	वित्त अधिनियम, 1994 के अंतर्गत सेवाकर	सेवा कर	18.97	आयुक्त (अपील)
	कुल		**135.62**	

x) कम्पनी को 31 मार्च, 2010 की यथास्थिति 27235.29 लाख रुपये की संचित हानि हुई है और इसे उस तारीख को समाप्त वित्तीय वर्ष में 733.89 लाख रुपये की नकद हानि हुई है और तत्काल पूर्व वित्तीय वर्ष में कोई नकद हानि हुई है।

xi) हमारे द्वारा जांच किए गए कम्पनी के रिकार्डों और हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार कम्पनी ने वित्तीय संस्थानों, बैंकों अथवा डिबेन्चर धारकों को देय राशियों की अदायगी में कोई चूक नहीं की है। तथापि, कम्पनी ने अभी तक वर्ष 1998–99 के दौरान जारी बाण्डों को चुकता नहीं किया है।

प्रबंधन का उत्तरः
एक सगल कम्पनी के रूम में बीआईएफआर संदर्भ 503/2004 के अनुसार कम्पनी निधि की कमी का सामना कर रही है जिसके कारण कुछ भुगतान नही किए गए है।

xii) कम्पनी ने शेयरों डिबेंचरों अथवा अन्य प्रतिभूतियों को गिरवी रखकर प्रतिभूति आधार पर कोई ऋण और अग्रिम नहीं प्रदान किया है।

xiii) चिट फंड/निधि/म्युचुअल बेनिफट फन्ड/सोसाइटियों के लिए लागू किसी विशेष संविधा के उपबंध कम्पनी पर लागू नहीं होते हैं।

xiv) हमारी राय में कम्पनी शेयरों, प्रतिभूतियों, डिबेंचरों और अन्य निवेशों के कार्य अथवा व्यापार से नहीं लगी है। तद्नुसार, कम्पनी (लेखापरीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2003 के खण्ड के उपबंध कम्पनी के लिए लागू नहीं है।

xv) हमारी राय में तथा हमें प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार कम्पनी के वर्ष के दौरान बैंकों अथवा वित्तीय संस्थानों से अन्यों द्वारा लिए गए ऋण के लिए कोई गारंटी नहीं दी है।

xvi) हमारी राय में तथा हमें प्रस्तुत की गई सूचना तथा स्पष्टीकारक. कार्य के अनुसार कम्पनी ने वर्ष के दौरान कोई आवधिक ऋण नहीं लिया है।

xvii) हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कम्पनी के तुलनपत्र की समग्र जांच किए जाने पर, हम सूचित करते हैं कि अल्पावधि आधार पर जुटाई गई निधियों का दीर्घावधि निवेश के लिए उपयोग नहीं किया गया है।

xvii) कम्पनी ने वर्ष के दौरान कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 के अन्तर्गत रखे जाने वाले रजिस्टर में कवर पार्टियों और कम्पनियों को शेयरों का कोई अधिमानी आवंटन नहीं किया है।

xix) हमारी राय में कम्पनी ने वर्ष के दौरान कोई डिबेंचर जारी नहीं किया है।

xx) कम्पनी ने वर्ष के दौरान सार्वजनिक इशू द्वारा कोई धन नहीं जुटाया है।

xxi) कम्पनी की बहियों और रिकार्डों की हमारी जांच के दौरान, यह भारत में सामान्य रूप में स्वीकार्य लेखा परीक्षा प्रणालियों तथा हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार की गई है, हमें वर्ष के दौरान कम्पनी पर अथवा कम्पनी द्वारा किसी प्रकार की धोखाधड़ी का मामला सामने नहीं आया और न सूचना दी गई।

कृते **मूर्ति एसोशियट्स**
चार्टर्ड एकांउटेंट्स

हस्ता./–
के.एल. नरसिंहम
साझीदार
सदस्यता सं. 023694
पैन : एसीओपीके0690ए
दिनांक : 11 मई, 2010
नई दिल्ली

दिनांक 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड, विशाखापट्टनम के लेखे पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 (4) के अधीन भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां

कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे के अनुसार दिनांक 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड, विशाखापट्टनम का वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(2) के अधीन भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त सांविधिक लेखापरीक्षक लेखापरीक्षा और उनके व्यावसायिक निकाय इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स आफ इंडिया द्वारा निर्धारित आश्वासन मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखापरीक्षा के आधार पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 227 के अधीन इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के उत्तरदायी हैं। इसे उनकी दिनांक 11 मई, 2010 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट द्वारा किया गया बताया जाता है।

मैंने, भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की ओर से कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(3)(ख) के अधीन दिनांक 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड, विशाखापट्टनम के वित्तीय विवरण की पूरक लेखापरीक्षा की है। यह पूरक लेखापरीक्षा सांविधिक लेखापरीक्षकों के कार्यकरण कागजातों तक पहुंच के बिना स्वतंत्र रूप से की गई है और यह प्राथमिक रूप से सांविधिक लेखापरीक्षकों और कंपनी के कार्मिकों की पूछताछ तथा कुछ लेखाकरण रिकार्ड की चयनात्मक जांच तक सीमित होती है। मेरी लेखापरीक्षा के आधार पर मेरी जानकारी में ऐसी कोई महत्वपूर्ण बात नहीं आई है, जो कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 (4) के अधीन सांविधिक लेखापरीक्षक की रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी करने का कारण बनती है।

भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक
के लिए और उसकी ओर से

स्थान : हैदराबाद
दिनांक : 28 जून, 2010

हस्ता./–
(डॉली चक्रवर्ती)
प्रधान वाणिज्यिक लेखापरीक्षा निदेशक और
लेखापरीक्षा बोर्ड, हैदराबाद

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां

1. वित्तीय विवरण तैयार करने का आधार

वित्तीय विवरण, ऐतिहासिक लागत और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार लेखाकरण की प्रोद्भूत प्रद्धति तथा कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं, जैसा कि कंपनी द्वारा निरंतर रूप में अपनाया जा रहा है।

2. स्थायी परिसंपत्तियां

क) स्थायी परिसंपत्तियां (राज्य से निःशुल्क अधिग्रहित भूमि से भिन्न) अधिग्रहण या निर्माण अथवा संग्रहित मूल्यहास को घटाकर बही मूल्य पर प्राप्त की जाती हैं।

ख) लागत के अंतर्गत वास्तविक/प्राक्कलित फैक्टरी लागत या बाजार कीमत, जो भी कम हो, में लिए गए पूंजी कार्य के लिए आंतरिक अंतरण मूल्य सम्मिलित होता है। स्थायी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए प्रयुक्त दीर्घावधि देयताओं/ऋणों के संबंध में अवमूल्यन/पुनःमूल्यन जैसी असाधारण घटनाओं के प्रभाव को लागत में जोड़ा/घटाया जाता है।

ग) राज्य सरकार से निःशुल्क अधिग्रहित भूमि का मूल्य 1 रुपये लगाया गया है, सिवाए इसके कि वह 16 जुलाई, 1969 के पश्चात न अधिग्रहित की गई हो, क्योंकि उस मामले में यह भूमि संबद्ध राज्य सरकार से पूंजी प्रारक्षित निधि में समतुल्य जमा द्वारा अधिग्रहण मूल्य पर मूल्यांकित की जाती है।

3. वित्तीय पट्टा

क) पट्टे पर दी गई परिसंम्पत्तियां

i) विनिर्मित और पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों सामान्य विक्रय मूल्य/उचित मूल्य/संविदाकृत मूल्य पर मान्यता दी जाती है।

ii) वित्त आय को पट्टा अवधि के लिए माना जाता है।

iii) प्रारभिंक प्रत्यक्ष लागत पट्टा शुरू होने पर खर्च कर दी जाती है।

ख) पट्टे पर ली गई परिसंम्पत्तियां

i) पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों को उचित मूल्य/एनपीवी /संविदाकृत मूल्य पर पूंजीकृत किया जाता है।

ii) उक्त पर उस दर से मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है जो मूल्यहास पर लेखाकरण नीति के अनुसार समान किस्म की स्थायी परिसंपत्तियों के लिए लागू होती है। यदि पट्टा परिसंपत्तियां, पट्टा अवधि समाप्त होने पर पट्टादाता को वापस करनी है तो उनकी उपयोगी अवधि या पट्टा अवधि, जो भी अल्प हो, के लिए मूल्यह्रासित किया जाता है।

iii) किए गए पट्टा भुगतानों को पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों से संबद्ध वित्त प्रभारों एवं बकाया देयता की कमी, में विभाजित कर दिया जाता है।

प्रचालन पट्टा

i) पट्टे पर दी गई परिसंम्पत्तियां

विनिर्मित और प्रचालन पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां पंजीकृत की जाती हैं। उनसे होने वाली पट्टा आय को पट्टा अवधि में हुई आय माना जाता है।

ii) पट्टे पर ली गई परिसंम्पत्तियां

किए गए पट्टा भुगतानों को पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के लिए किए गए पट्टा भुगतानों को पट्टा अवधि में हुआ व्यय माना जाता है।

4. अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियां

अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियों को लागत पर पूंजीकृत किया जाता है, अगर

क. यह संभाव्य है कि भविष्य में परिसंपत्ति के कारण होने वाला आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होगा, और

ख. कंपनी का परिसंपत्तियों पर नियंत्रण होगा, और

ग. इन परिसंपत्तियों की लागत विश्वसनीय रूप से मापी जा सकती है और 10,000 रुपये से अधिक है

अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियों को उनकी अनुमानित उपयोगी अवधि में सीधी रेखा यथानुपात मासिक आधार पर परिशोधित किया जाएगा, जो सॉफ्टवेयर के मामले में तीन वर्षों और अन्य के मामले में दस वर्षों से अधिक नहीं होगी।

i) अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के अनुसंधान चरण के दौरान व्यय सहित अनुसंधान पर व्यय को होने वाले वर्ष में लाभ और हानि में प्रभारित किया जाता है।

ii) अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियों पर लेखाकरण मानक के अनुसार मानदंड पूरी करने वाली अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के विकास चरण के दौरान व्यय सहित विकास पर किए गए व्यय को अप्रत्यक्ष परिसंपत्ति के रूप में माना जाता है।

iii) अनुसंधान और विकास के प्रयोजनार्थ अधिग्रहित स्थायी परिसंपत्तियों को पूंजीकृत किया जाता है।

5. उधार लागतें

क) उधार लागतें, जो अर्हक परिसंपत्तियों के विनिर्माण, अधिग्रहण या निर्माण पर व्यय की जाती हैं, ऐसी परिसंपत्तियों की लागत के भाग के रूप में शामिल की जाती है।

ख) अर्हक परिसंपत्ति वह होती है जो अभिप्रेत उपयोग या बिक्री हेतु तैयार होने में आवश्यक रूप से बारह महीने से अधिक का समय लेती है।

ग) अन्य उधार लागतों को उस अवधि का व्यय माना जाता है, जिसमें उन्हें खर्च किया जाता है।

6. मूल्यहास

(i) स्थायी परिसंपत्तियों (संविदा के अधीन विदेशों में प्रयुक्त को छोड़कर) पर मूल्यहास, उसे छोड़कर जहां मूल्यहास, तकनीकी रूप से आकलित अनुमानित उपयोगी अवधि के आधार पर निर्धारित दरों पर प्रभारित किया जाता है, कंपनी अधिनियम 1956 की अनुसूची XIV में निर्धारित दरों के अनुसार सीधी–रेखा विधि पर परिसंपत्तियों की कुल लागत तक प्रभारित किया जाता है, जो नीचे दर्शाया गया है।

	एकल पाली	दोहरी पाली	तिहरी पाली
सामान्य संयत्र एवं मशीनरी	8 %	12%	16%
स्वाचालित / अर्ध–स्वचालित मशीनें			
स्वाचालित मशीनें	10 %	15%	20%
स्थापना उपकरण, पूजीगत औजार तथा साज–सामान	20 %		
टाउनशिप बिल्डिंग			
– द्वितीय श्रेणी	2.5 %		
– तृतीय श्रेणी	3.5 %		
रेलवे साइडिंग	8%		
लोकोमोटिव तथा वैगन	8%		
विद्युतीय संस्थापना	8%		
कार्यालय तथा अन्य उपकरण	8%		
ड्रेनेज, सीवरेज तथा अन्य जल आपूर्ति	3.34 %		
इलेक्ट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	20%		

स्थायी परिसंपत्तियों में वृद्धि / से कटौती के मामले में मूल्यहास प्रभार, यथानुपात मासिक आधार पर होता है.

(ii) दीर्घावधिक संविदाओं के अनुसरण में भारत से बाहर प्रयुक्त स्थायी परिसंपत्तियों का मूल्यहास प्रारंभिक संविदा की अवधि के दौरान होता है।

(iii) 10,000 रुपये या कम लागत की स्थायी परिसंपत्तियों अथवा उन परिसंपत्तियों, जिनका हासित मूल्य वर्ष के प्रारंभ में 10,000 रुपये या कम है, का पूर्णतः मूल्यहास होता है। जहां तक, टाउनशिप भवनों का प्रश्न है, वहां प्रति मकान की लागत 10,000 रुपये की सीमा के लिए आधार है।

(iv) निर्माण / परियोजना स्थल पर सड़कों, पुलों और पुलियों की लागत संविदा अवधि में पूर्णतः परिशोधित की जाती है, जबकि शेड, रेलवे साइडिंग, विद्युतीय संस्थापनाओं और इस प्रकार क अन्य समर्थकारी कार्यों (पूर्णतः अस्थायी निर्माण, लकड़ी के कार्य को छोड़कर) पर अवशिष्ट मूल्य के रूप में 10 प्रतिशत प्रतिधारित करते हुए उन्हें मूल्यह्रासित किया जाता है।

(v) लकड़ी के ढांचों जैसे पूर्णतः अस्थायी निर्माण कार्यों पर निर्माण के वर्ष में पूर्णतः मूल्यह्रासित किया जाता है।

(vi) पट्टाधारित भूमि और भवनों को पट्टे की अवधि में परिशोधित किया जाता है। पट्टे पर ली गई भूमि पर निर्मित भवनों का मूल्यह्रास उनकी उपयोगी अवधि अथवा पट्टे की अवधि जो भी पहले हो, में होता है।

7. निवेश

(i) दीर्घावधिक निवेश लागत पर किए जाते हैं। अस्थायी के अलावा, ऐसे निवेशों में गिरावट को मान्यता दी जाती है और इसके लिए व्यवस्था की जाती है।

(ii) चालू निवेश लागत या उद्धृत / उचित मूल्य, जो भी कम है, पर किए जाते हैं। अउद्धृत चालू निवेश लागत पर किए जाते हैं।

(iii) निवेश की लागत में अधिग्रहण प्रभार जैसे, दलाली शुल्क तथा ड्यूटी शामिल है।

मौजूदा राशि में यदि कोई कमी होती है या किसी की पूर्ति होती है तो उसे लाभ और हानि में लेखा प्रभारित अथवा जमा किया जाता है।

8. मालसूची मूल्यांकन

(i) मालसूचियों का मूल्यन वास्तविक / अनुमानित लागत अथवा निवल वसूलीयोग्य मूल्य जो भी कम हो, पर जाता है।

(ii) संयंत्रों में तैयार माल तथा जारी कार्यों का मूल्यन वास्तविक / अनुमानित फैक्टरी लागत या वसूली योग्य मूल्य के 97.5 प्रतिशत, जो भी कम हो, पर किया जाता है।

(iii) संयंत्र में तैयार माल एवं चालू कार्य के मूल्यांकन के संबंध में लागत का अर्थ कारखाना लागत है, वास्तविक/अनुमानित कारखाना लागत में विनिर्मित माल पर देय उत्पाद शुल्क शामिल है।

(iv) कच्चे माल, संघटकों, फुटकर औजारों, भंडारों एवं अतिरिक्त पुर्जों की लागत का अर्थ भारांकित औसत लागत है।

(v) क) 01.04.2003 को या उसके बाद की गई निर्माण संविदाओं के लिए–

जहां संविदा की लागत के वर्तमान अनुमान और विक्रय मूल्य हानि दर्शाते हैं, वहां ऐसी संविदा के लिए प्रत्याशित हानि को तुरंत मान्यता प्रदान की जाती है, चाहे कार्य शुरू हो गया है या नहीं।

ख) अन्य सभी संविदाओं के लिए–

जहां किसी संविदा का भाग होने वाली पृथक रूप से अभिज्ञात परियोजना की लागत और विक्रय मूल्य संबंधी वर्तमान अनुमान हानि दर्शाता है, वहां ऐसी परियोजना के संबंध में, जिस पर कार्य आरंभ हो चुका है, प्रत्याशित हानि को मान्यता दी जाती है।

(ग) प्रत्याशित हानि निर्धारण में प्राप्त कुल आय पर विचार किया जाता है, जिसमें निर्यातों/माने गए निर्यातों पर प्रोत्साहन भी शामिल होते हैं।

(vi) उत्पादन आर्डरों के लिए खरीदे/विनिर्मित संघटकों और अन्य सामग्रियों, जिन्हें अधिशेष घोषित किया गया हो, को तकनीकी अनुमानों के आधार पर अवशिष्ट मूल्य प्रतिधारित करने हुए राजस्व पर प्रभारित किया जाता है।

9. राजस्व मान्यता

ग्राहक के पक्ष में स्वामित्व को अंतरित करके महत्वपूर्ण जोखिमों और प्रतिफलों के आधार पर बिक्री को दर्ज किया जाता है। बिक्री के अंतर्गत आंशिक शिपमेंट द्वारा ग्राहक को प्रेषित किया गया माल आता है।

क. 1.04.2003 को या उसके बाद की गई निर्माण संविदाओं के लिए:

राजस्व को संविदा की कुल अनुमानित लागत पर सूचना तिथि तक व्यय की गई वास्तविक लागत की प्रतिशतता पर आधारित प्रतिशतता समापन विधि से मान्यता दी जाती है।

ख. अन्य सभी संविदाओं के लिए:

(i) लम्बे उत्पादन चक्र वाले मदों (गैस आधारित पावर संयंत्रों, बॉयलरों, बॉयलर ऑग्जिलियरी, कम्प्रेसरों और औद्योगिक टर्बो सेटों सहित हाइड्रो और थर्मल सेट) के संबंध में बिक्री राजस्व को मान्यता तकनीकी अनुमानों पर दी जाती है। जब शिपमेंट का कुल मूल्य प्राप्णीय मूल्य का 30 प्रतिशत या उससे अधिक हो तो उन पर प्राप्णीय मूल्य के 97.5 प्रतिशत पर विचार किया जाता है। अन्यथा, उन पर वास्तविक/अनुमानित फैक्टरी लागत या प्राप्णीय मूल्य के 97.5 प्रतिशत, जो भी कम हो, विचार किया जाता है। शेष 2.5 प्रतिशत को संविदा के अधीन आपूर्ति पूरी हो जाने पर राजस्व के रूप में मान्यता दी जाती है।

(ii) संस्थापना तथा परियोजना प्रबंधन से आय पूर्णता की प्रतिशतता, अथवा अंतर्भूत मूल्य की गणना संविदा मूल्य के 97.5 प्रतिशत पर की जाती है तथा शेष 2.5 प्रतिशत को संविदा समाप्त होने पर आय के रूप में मान्यता दी जाती है।

(iii) प्रदान की गई इंजीनियरिंग सेवाओं से प्राप्त आय को पूरे किए गए कार्य की प्रतिशतता के आधार पर प्राप्णीय मूल्य पर मान्यता दी जाती है।

(iv) बीएचईएल में निर्माण न किए गए उपस्कर/प्रणालियों और सिविल कार्य की आपूर्ति/निर्माण से प्राप्त आय की मान्यता ग्राहकों को किए गए प्रेषणों /परियोजना स्थल पर किए गए कार्यों पर आधारित होती है।

10. विदेशी मुद्रा लेन–देन के लिए लेखाकरण

विदेशी मुद्रा लेन–देनों को लेन–देनों की तारीख को विद्यमान विनिमय दरों पर दर्ज किया जाता है। विदेशी मुद्रा मौद्रिक परिसंपत्तियों और देयताओं को वर्ष के अंत में विनिमय दरों पर रूपांतरित किया जाता है। लेन–देनों के निपटान और मौद्रिक मदों के रूपांतरण पर उत्पन्न हुए विनिमय अंतर को उस वर्ष जिसमें वे उत्पन्न होते हैं, में आय अथवा व्यय के रूप में माना जाता है।

11. कर्मचारी लाभ

अर्जित अवकाश, अर्ध वेतन अवकाश, भविष्य निधि और कर्मचारी परिवार पेंशन योजना के अंशदान को प्रोद्भूत आधार पर लेखाबद्ध किया जाता है। उपदान, सेवानिवृत्ति पर यात्रा दावे और सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभों के लिए देयता बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार लेखाबद्ध की जाती है। बीमांकिक देयता कर्मचारियों के संदर्भ में प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के आरंभ में निर्धारित की जाती है। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के अधीन प्रतिपूर्ति होने वाले वर्ष में यथानुपात मासिक आधार पर प्रभारित की जाती है।

12. कंपनी द्वारा/के विरुद्ध दावे

(i) कंपनी के विरुद्ध निर्णीत हर्जाने के लिए दावे को समान लेन–देनों के अनुभवों द्वारा अनुपूरित उपलब्ध सूचना के

संदर्भ में संभावित परिणामों के प्रबंधन के आकलन के आधार पर लेखे में माना जाता है

(ii) निर्यात प्रोत्साहन, शुल्क वापसी, सीमा शुल्क की वापसी और बीमा के लिए दावे आदि प्राप्ति पर लेखे में लिए जाते हैं।

(iii) मूल्य वृद्धि दावे और/अथवा संविदा कार्य के परिवर्तनों के संबंध में देय राशियों को केवल तबी राजस्व के रूप में माना जाता है जब संविदाओं से ऐसे दावों अथवा भिन्नताओं की शर्तें हों और/अथवा ग्राहकों से उसकी स्वीकार्यता का साक्ष्य हो। तथापि वृद्धि अतिरिक्त मूल्य तक प्रतिबंधित होती है।

13. वारंटियों के प्रावधान

(i) 1.04.2003 को या उसके बाद किए गए निर्माण संविदाओं के लिए:

संविदात्मक दायित्वों का प्रावधान परीक्षण प्रचालन समाप्त होने पर संविदा मूल्य के 2.5 प्रतिशत पर अनुरक्षित किया जाता है।

(ii) अन्य सभी संविदाओं के लिए:

वर्ष के अंत में वारंटी के अंतर्गत संविदाओं के लिए संविदात्मक दायित्वों का प्रावधान संविदा मूल्य के 2.5 प्रतिशत पर अनुरक्षित किया जाता है। एक उत्पाद से अधिक की आपूर्ति वाली संविदाओं के मामले में पूरे किए गए प्रत्येक उत्पाद के मूल्य के 2.5 प्रतिशत का प्रावधान किया जाता है।

(iii) सुधार कार्य पर वारंटी के दावे/व्यय को जब भी व्यय किया जाता है, प्राथमिक शीर्ष के अधीन लेखांकन किया जाता है और वर्ष के अंत में प्रावधानों पर प्रभारित किया जाता है।

14. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों को तब लेखाबद्ध किया जाता है जब उनकी वसूली की उचित निश्चितता हो।

अचल मूल्यह्रास योग्य परिसंपत्तियों से संबद्ध अनुदानों को संगत परिसंपत्तियों की सकल लागत के अधीन समायोजित किया जाता है, जबकि गैर–मूल्यह्रास योग्य परिसंपत्तियों से संबद्ध को पूंजी प्रारक्षित निधि में जमा किया जाता है। राजस्व सबद्ध अनुदान जब तक व्यय/हानियों के लिए प्रतिपूर्ति के रूप में प्राप्त नहीं किए जाते, तब तक उन्हें उस अवधि, जिससे वे राजस्व की समतुल्य लागत के सिद्धांत पर संबद्ध हैं, राजस्व के रूप में माना जाता है।

गैर–मौद्रिक परिसंपत्तियों के रूप में अनुदानों को अधिग्रहण की लागत पर अथवा नाममात्र मूल्य पर लेखाबद्ध किया जाता है,अगर वे निःशुल्क प्राप्त होते हैं।

तुलन पत्र
31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार

(रुपये लाख में)

	अनुसूची सं.	31.03.2010 को		31.03.2009 को	
निधियों के स्रोत					
शेयरधारक निधि:					
शेयर पूंजी	1	3379.78		3379.78	
मुख्य कार्यालय से निधियां	1A	0.00		0.00	
अन्तर प्रभाग लेखे (जमा शेष)	1B	0.00		0.00	
निगमित कार्या. की ओर से निधियां – सीसीसी लेखा (जमा शेष)	1D	0.00		0.00	
प्रारक्षित तथा अथशेष	2	2.01	3381.79	2.01	3381.79
ऋण निधियां					
रक्षित ऋण	3		183.11		160.78
अरक्षित ऋण	4		26897.64		23678.90
अस्थगित कर देयता	19B		0.00		0.00
कुल			30462.54		27221.47
निधियों का उपयोग					
स्थायी परिसंपत्तियां					
सकल ब्लॉक	5	8063.56		7999.43	
घटाएं मूल्यहास/अदिनांक परिशोधन		7602.65		7476.85	
		460.91		522.58	
जोड़ें/घटाएं पट्टाः समायोजन लेखा		0.00		0.00	
घटाएंः विशेष क्षति		0.00		0.00	
निवल ब्लॉक		460.91		522.58	
चल रहा पूंजीगत कार्य	6	0.00	460.91	0.00	522.58
निवेश	7		1.31		1.31
अन्तर प्रभाग लेखे (प्रत्यक्षशेष)	1C	0.00		0.00	
निम्नलिखित कार्यालय की ओर से निधियां (प्रत्यक्षशेष)	1E	0.00	0.00	0.00	0.00
आस्थगित कर परिसंपत्तियां	19B		0.00		0.00
चालू परिसंपत्तियां, ऋण तथा अग्रिम					
चालू परिसंपत्तियां	8				
मालसूची		4569.06		5347.82	
विविध देनदार		9320.91		6536.86	
नकद तथा बैंक शेष		1564.04		440.69	
अन्य चालू परिसंपत्तियां		0.00		0.00	
ऋण तथा अग्रिम	9	7213.09		7932.70	
		22667.10		20258.07	
घटाएः चालू देयताएं तथा प्रावधान					
चालू देयताएं	10	17792.52		18286.70	
प्रावधान	11	2109.55		1649.39	
		19902.07		19936.09	
निवल चालू परिसंपत्तियां			2765.03		321.98
विविध व्यय (बट्टे खाते न डाली गई मात्रा)			0.00		0.00
लाभ व हानि लेखा शेष			27235.29		26375.60
कुल			30462.54		27221.47
लेखा टिप्पणियांः	19, 20				

अनुसूची 1 से 11,19, 20 तथा महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां तुलनपत्र का एकीकृत भाग हैं।

कृते निदेशक मंडल की ओर से

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
ए.एस.एस. शर्मा	**ए.वी. मनिक्या राव**	**पी.वी. श्रीधरन**	**एस.एस. गुप्ता**
कंपनी सचिव	महाप्रबंधक (वित्त)	निदेशक (मा.सं.)	प्रबंध निदेशक

हमारी समसंख्यक तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते मूर्ति एसोशिएटस
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

हस्ता./–

के.एल. नरसिम्हन
साझेदार
सदस्यता सं. 023694

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 11.05.10

लाभ एवं हानि खाता
31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए

(रुपये लाख में)

	अनुसूची सं	31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष		31 मार्च, 2009 को समाप्त वर्ष	
अर्जन					
कारोबार (सकल)	12	10431.32		8439.45	
घटाएं : उत्पाद शुल्क तथा सेवाएं		700.28		795.41	
कारोबार (निवल)			9731.04		7644.04
अन्य आय	12A		529.32		647.08
डब्ल्यूआईपी तथा एफजी में चल रहे कार्य (+)/(–) तैयार माल में वृद्धि/कमी	13		-1052.14		597.78
अन्य प्रभागों को अन्तरित	14A		0.00		0.00
अन्य प्रभागों को व्यय आवंटन (क्रेडिट शेष)			0.00		0.00
			9208.22		8888.90
व्यय					
सामग्री की खपत, संस्थापना तथा इंजीनियरिंग व्यय	14		4853.58		6262.71
कर्मचारियों का पारिश्रमिक तथा लाभ	15		4394.84		8784.50
उत्पादन, प्रशासन, बिक्री तथा विवरण संबंधी अन्य व्यय	16		838.63		818.90
प्रावधान	17		14.45		4320.53
ब्याज तथा अन्य उधार लागतें	18		-268.09		1103.64
मूल्यहास तथा परिशोधन	5		125.80		848.29
घटाएं – आंतरिक उपयोग के लिए किए गए कार्यों की लागत			0.00		0.00
			9959.21		22138.57
पूर्वावधि मदों तथा असाधारण मदों से पूर्व लाभ (हानि)			-750.99		-13249.67
असाधारण मदों से आय/व्यय	18A		0.00		23008.28
पूर्वावधि समायोजनों से लाभ (हानि)			0.00		-65.36
जोड़ें/(घटाएं) पूर्वावधि मदें (निवल)	18B		0.00		0.00
कर पूर्व लाभ/हानि			-750.99		9693.25
घटाएं कराधान का प्रावधान	18C				
चालू वर्ष के लिए			0.34		0.32
(संपदा कर के रूप में 0.34 लाख (गत वर्ष 0.32 लाख रुपये))					
– सीमांत लाभ कर			0.00		23.11
– आस्थगित कर			0.00		0.00
– पिछले वर्षों के लिए					
– कर			108.36		34.30
कर उपरांत लाभ/हानि			-859.69		9635.52
जोड़ें: पिछले वर्ष से लाया गया लाभ/हानि का शेष			-26375.60		-58491.45
घटाएं: बट्टाकृत की गई विदेशी प्रारक्षित निधि			0.00		0.00
समायोजन के लिए उपलब्ध लाभ/हानि			0.00		22480.33
पीछे लाया गया विदेशी परियोजना आरक्षित			-26375.60		-36011.12
समायोजन के लिए उपलब्ध लाभ/हानि			-27235.29		-26375.60
घटाएं:– समायोजन					
–विदेशी परियोजना आरक्षित			0.00		0.00
–बॉंड विमोचन आरक्षित			0.00		0.00
–सामान्य आरक्षित			0.00		0.00
–लाभांश (रु. शून्य अंतरिम लाभांश पिछले वर्ष रु. शून्य सहित)			0.00		0.00
–कॉर्पोरेट लाभांश कर (रु. शून्य पिछले वर्ष रु. शून्य सहित)			0.00		0.00
तुलनपत्र में लाया गया शेष			-27235.29		-26375.60

लेखा टिप्पणियां 19, 20

अनुसूची 5, 12 से 20 तथा महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां लाभ एवं हानि खाते का एकीकृत भाग हैं।

कृते निदेशक मंडल की ओर से

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
ए.एस.एस. शर्मा	**ए.वी. मनिक्या राव**	**पी.वी. श्रीधरन**	**एस.एस. गुप्ता**
कंपनी सचिव	महाप्रबंधक (वित्त)	निदेशक (मा.सं.)	प्रबंध निदेशक

हमारी समसंख्यक तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते मूर्ति एसोशिएटस

चार्टेड एकाउंटेंट्स

हस्ता./–

के.एल. नरसिम्हन

साझेदार

सदस्यता सं. 023694

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 11.05.10

नकद प्रवाह विवरण

31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए

(रुपये लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2009 को समाप्त वर्ष के लिए
प्रचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह		
कर पूर्व निवल लाभ	-859.69	9635.52
निम्नलिखित के लिए समायोजित		
वर्ष के लिए मूल्यहास	125.80	848.30
माल सूची में वृद्धि/कमी	778.76	-499.92
ऋण तथा अग्रिम में कमी	719.61	3106.44
देनदारों में वृद्धि/कमी	-2784.05	3004.60
अस्थगित राजस्व व्यय में वृद्धि/कमी	0.00	2563.87
देयताओं में वृद्धि/कमी	-494.18	-95.46
प्रावधानों में वृद्धि/कमी	460.16	-157.51
योग	**-1193.90**	**8770.32**
क. प्रचालन गतिविधियों से निवल नकद प्रवाह	**-2053.59**	**18405.84**
निवेश गतिविधियों से नकद प्रवाह		
स्थायी परिसंपत्तियों की खरीद	-64.13	-22.31
निवेशों में वृद्धि/कमी	0.00	0.00
ख. निवेश गतिविधियों में इस्तेमाल निवल नकद	**-64.13**	**-22.31**
वित्तीय गतिविधियों से नकद प्रवाह		
सुरक्षित ऋणो में वृद्धि/कमी	22.33	-21654.46
असुरक्षित ऋणो में वृद्धि/कमी	3218.74	-19354.28
भारत सरकार के ऋण की माफी	0.00	22480.33
ग. वित्तीय गतिविधियों से सृजित निवल नकद	**3241.07**	**-18528.41**
नकद तथा नकद समकरण में निवल वृद्धि	**1123.35**	**-144.88**
01 अप्रैल, 2009 की यथास्थिति नकद तथा नकद समकरण	440.69	585.57
31 मार्च, 2010 की यथास्थिति नकद तथा नकद समकरण	1564.04	440.69

कृते निदेशक मंडल की ओर से

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
ए.एस.एस. शर्मा	**ए.वी. मनिक्या राव**	**पी.वी. श्रीधरन**	**एस.एस. गुप्ता**
कंपनी सचिव	महाप्रबंधक (वित्त)	निदेशक (मा.सं.)	प्रबंध निदेशक

हमारी समसंख्यक तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते मूर्ति एसोशिएटस
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

हस्ता./–

के.एल. नरसिम्हन
साझेदार
सदस्यता सं. 023694

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 11.05.10

अनुसूची 1
शेयर पूंजी

(रुपये लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2010 की यथास्थिति	31 मार्च, 2009 की यथास्थिति
अधिकृत		
1000 रुपये प्रत्येक के 3,50,000 इक्विटी शेयर	**3500.00**	3500.00
जारी, अंशदायी तथा प्रदत्त पूंजी		
1000 रुपये प्रत्येक के 3,37,978 पूर्ण प्रदत्त (गत वर्ष 3,37,978) इक्विटी शेयर पूर्ण प्रदत तथा (1000 रुपये प्रत्येक के सभी 3,37,978 इक्विटी शेयर	**3379.78**	3379.78
मैसर्स भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड नई दिल्ली तथा इसके नामित द्वारा धारित है)		
योग	**3379.78**	3379.78

अनुसूची–1ए–1ई

(रुपये लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2010 की यथास्थिति	31 मार्च, 2009 की यथास्थिति
1ए. मुख्य कार्यालय से निधियां		
1बी. अंतर प्रभाग लेखा (क्रेडिट शेष)		
1सी. अंतर प्रभाग लेखा (ऋण शेष)		
1डी. सेन्ट्रल कैश क्रेडिट एकाउन्ट के अन्तर्गत निगमित कार्यालय की ओर से निधियां (क्रेडिट शेष)		
1ई. सेन्ट्रल कैश क्रैडिट एकाउन्ट के अन्तर्गत निगमित कार्यालय की ओर से निधियां (ऋण शेष)		
योग	**0.00**	0.00

अनुसूची 2
प्रारक्षित एवं अधिशेष

(रुपये लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2010 की यथास्थिति		31 मार्च, 2009 की यथास्थिति	
पूंजी प्रारक्षित				
प्रारंभिक शेष	**2.01**		2.01	
जोडें: परिवर्धन/समायोजन	**0.00**		0.00	
घटाएं: कटौतियां/समायोजन	**0.00**	**2.01**	0.00	2.01
शेयर प्रीमियम खाता				
विदेशी परियोजना प्रारक्षित				
प्रारंभिक शेष				
जोडें: परिवर्धन/समायोजन				
घटाएं: कटौतियां/समायोजन				
बाण्ड विमोचन आरक्षित				
प्रारंभिक शेष				
जोडें: परिवर्धन/समायोजन				
घटाएं: कटौतियां/समायोजन				
सामान्य प्रारक्षित				
प्रारंभिक शेष				
जोडें: परिवर्धन/समायोजन				
घटाएं: कटौतियां/समायोजन				
लाभ व हानि खाता				
योग		**2.01**		2.01

अनुसूची 3
रक्षित ऋण

(रुपये लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2010 की यथास्थिति	31 मार्च, 2009 की यथास्थिति
बैंकों से ऋण तथा अग्रिम		
नकद क्रेडिट (क्रेडिट शेष)	**0.00**	0.00
(कच्चे माल, संघटकों, स्टोर्स तथा स्पेयर्स, डब्ल्यूआईपी, एफजी, बुक डेबटस तथा अन्य चालू परिसम्पतियों को गिरवीं रखकर प्राप्त)		
पैकिंग क्रेडिट	**0.00**	0.00
(कच्चे माल, संघटकों, डब्ल्यूआईपी, एफजी तथा स्टोर्स को गिरवीं रखकर प्राप्त)		
नई बिल बाजार योजना	**0.00**	0.00
(कच्चे माल, संघटकों, डब्ल्यूआईपी, एफजी तथा स्टोर्स व मांग बिलों को गिरवीं रखकर प्राप्त)		
अन्य ऋण तथा अग्रिम		
डिबेन्चर्स/बॉन्डस (सहारा)	**0.00**	0.00
राज्य सरकारों से ऋण		
वित्तीय संस्थानों से ऋण		
प्राप्त तथा देय ब्याज		
राज्य सरकारों से		
वित्तीय संस्थानों/बाण्डों/अन्यों से	**183.11**	160.78
डिबेन्चर्स/बॉण्ड (सहारा)		
पैकिंग क्रेडिट		
योग	**183.11**	160.78

अनुसूची 4
अरक्षित ऋण

(रुपये लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2010 की यथास्थिति	31 मार्च, 2009 की यथास्थिति
अल्पावधि ऋण तथा अग्रिम		
बैंकों से		
- वाणिज्य कागजात		
अन्यों से		
- कम्पनियां (बीएचईएल)	**25154.23**	21589.23
- वित्तीय संस्थान		
अन्य ऋण तथा अग्रिम		
बैंकों से		
- शिपमेंट पश्चात ऋण		
अन्यों से		
- भारत सरकार से	**0.00**	0.00
(एक वर्ष के भीतर देय........लाख रुपये गत वर्ष........ लाख रुपये)		
- राज्य सरकार से		
- वित्तीय संस्थानों से		
(एक वर्ष के भीतर देय........लाख रुपये गत वर्ष........ लाख रुपये)		
- विदेशी वित्तीय संस्थानों से		
(भारत सरकार द्वारा गारंटीशुदा)		
(एक वर्ष के भीतर देय........लाख रुपये गत वर्ष........ लाख रुपये)		
- शिपमेंट पश्चात ऋण–एग्जिम बैंक		
- पट्टे पर ली गई परिसम्पत्तियों के लिए ऋण		
- अन्य (पुराने प्रकीर्ण बॉण्ड)	**455.50**	481.50
प्रोद्भूत तथा देय ऋण		
- शिपमेंट पश्चात ऋण		
- सरकारी ऋण	**0.00**	0.00
- राज्य सरकार का ऋण		
- पट्टे पर ली गई परिसम्पत्तियों के लिए ऋण		
- वित्तीय संस्थान/अन्य		
- विदेशी वित्तीय संस्थान		
- सार्वजनिक जमा		
- कम्पनियां (बीएचईएल)	**0.00**	558.12
- अन्य (विविध प्रकीर्ण बॉण्ड)	**1287.91**	1050.05
योग	**26897.64**	23678.90

अनुसूची–5
स्थायी परिसंपत्तियां

(रुपये लाख में)

विवरण	सकल ब्लॉक 31.03.2009 को लागत	सकल ब्लॉक वर्ष के दौरान वृद्धि/समायोजन	सकल ब्लॉक वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन	सकल ब्लॉक 31.03.2010 को लागत	मूल्यह्रास 01.04.2009 को आरंभ अधशेष	मूल्यह्रास वर्ष के लिए ह्रास	मूल्यह्रास घटाएं:– समायोजन लेखा	मूल्यह्रास 31.03.2010 को समायोजित मूल्यह्रास	निवल ब्लॉक 31.03.2010 को	निवल ब्लॉक 31.03.2009 को
फैक्टरी/कार्यालय काम्पलेक्स										
फ्री होल्ड भूमि (विकास व्यय सहित)	16.41	0.00	0.00	16.41	0.00	0.00		0.00	16.41	16.41
पट्टाधारित भूमि (विकास व्यय सहित)										
सड़के, पुल और पुलियां निर्माण	0.00	24.82	0.00	24.82		16.32		16.32	8.50	0.00
भवन	1004.56	-25.13	0.00	979.43	857.37	0.51		857.88	121.55	147.19
पट्टाधारित भवन										
जल निकासी, जल–मल निकासी तथा जलापूर्ति	44.23	0.00	0.00	44.23	34.25	0.95		35.20	9.03	9.98
रेलवे साइडिंग	18.38	0.00	0.00	18.38	18.38	0.00		18.38	0.00	0.00
लोकोमोटिव तथा वैगन	16.61	0.00	0.00	16.61	15.10	1.06		16.16	0.45	1.51
प्लांट तथा मशीनरी	5081.09	53.62	0.00	5134.71	4846.13	93.54		4939.67	195.04	234.96
इलेक्ट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	478.88	-29.06	0.00	449.82	430.89	-2.45		428.44	21.38	47.99
विद्युत संस्थापना	151.97	0.00	0.00	151.97	151.62	0.35		151.97	0.00	0.35
निर्माण उपकरण	442.68	0.00	0.00	442.68	442.68	0.00		442.68	0.00	0.00
वाहन	50.82	5.04	0.00	55.86	46.28	2.38		48.66	7.20	4.54
फर्नीचर और फिक्चर्स	213.04	-0.02	0.00	213.02	199.34	2.96		202.30	10.72	13.70
पूंजीगत व्यय										
10,000 रुपये तक की स्थायी परिसंपत्तियां										
पूंजीगत व्यय										
पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां										
पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां										
– प्लांट एवं मशीनरी										
– ईडीपी उपकरण	0.00	34.24	0.00	34.24		7.98		7.98	26.26	0.00
– कार्यालय तथा अन्य उपकरण										
– अन्य										
अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियां										
– आंतरिक तौर पर विकसित										
– साफ्टवेयर										
– अन्य										
अन्य										
– साफ्टवेयर										
– तकनीकी जानकारी										
– अन्य										
कुल (क)	**7518.67**	**63.52**	**0.00**	**7582.19**	**7042.04**	**123.60**		**7165.64**	**416.55**	**476.63**
टाउनशिप										
फ्री होल्ड भूमि (विकास व्यय सहित)	7.68	0.00	0.00	7.68	0.00	0.00		0.00	7.68	7.68
पट्टाधारित भूमि (विकास व्यय सहित)										
सड़के, पुल, पुलिया, निर्माण	0.00	20.05	0.00	20.05		9.60		9.60	10.45	0.00
भवन	407.25	-19.75	0.00	387.50	372.95	-8.10		364.85	22.65	34.30
पट्टाधारित भवन										
जल निकास, जल–मल निकासी, तथा जलापूर्ति	21.57	0.00	0.00	21.57	17.60	0.40		18.00	3.57	3.97
प्लांट एवं मशीनरी										
इलेक्ट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण										
विद्युत संस्थापन	35.37	0.00	0.00	35.37	35.37	0.00		35.37	0.00	0.00
वाहन										
फर्नीचर और जुड़नार	8.89	0.30	0.00	9.19	8.89	0.30		9.19	0.00	0.00
पट्टे पर लिया गया कार्यालय तथा अन्य उपकरण 10,000 रुपये तक की स्थायी परिसंपत्तियां										
पूंजीगत व्यय										
पट्टे पर दी गई परिसंपत्यिां										
पट्टे पर ली गई परिसंपत्यिां										
– प्लांट तथा मशीनरी										
– ईडीपी उपकरण										
– कार्यालय तथा अन्य उपकरण										
– अन्य										
अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियां										
– आंतरिक तौर पर विकसित										
– साफ्टवेयर										
अन्य										
अन्य										
– साफ्टवेयर										
– तकनीकी जानकारी										
– अन्य										
कुल (क)	**480.76**	**0.61**	**0.00**	**481.37**	**434.81**	**2.20**	**0.00**	**437.00**	**44.36**	**45.95**
कुल (क)+(ख)	**7999.43**	**64.13**	**0.00**	**8063.56**	**7476.85**	**125.80**		**7602.65**	**460.91**	**522.58**
पिछले वर्ष	**7976.08**	**23.35**	**0.00**	**7999.43**	**6628.55**	**848.29**		**7476.85**	**522.58**	**1347.53**

अनुसूची–6
चल रहे पूंजीगत कार्य

(रुपये लाख में)

विवरण	31 मार्च 2010 की यथास्थिति	31 मार्च 2009 की यथास्थिति
चल रहे पूंजीगत कार्य–सिविल		
निर्माण स्टोर्स (मार्गस्थल सहित)		
प्लांट एवं मशीनरी तथा अन्य उपकरण		
- संस्थापना / फैब्रिकेशन / प्रतीक्षारत संस्थापना	**0.00**	0.00
- मार्गस्थ		
विकासाधीन अप्रत्यक्ष संपत्तियां		
योग	**0.00**	0.00

अनुसूची–7
निवेश (लागत पर अनुद्धृत)

(रुपये लाख में)

विवरण	31 मार्च 2010 की यथास्थिति		31 मार्च 2009 की यथास्थिति	
दीर्घावधि				
शेयरः				
अनुद्धृत (पूर्ण प्रदत्त)				
व्यापार				
मैसर्स इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लिमिटेड				
के 1000 रुपये के 126 इक्विटी शेयर		**1.26**		1.26
व्यापार के अलावा				
बीएचपीवी एम्पालाइज कम्ज्यूमर्स कोआपरेटिव लिमिटेड स्टोर्स				
के 10 रुपये प्रत्येक के 250 शेयर	**0.02**		0.02	
कफ परेड पर्सेपोलिस प्रोमिसेसे कोआपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, मुंबई				
के 50 रुपये प्रत्येक के 10 शेयर	**0.01**		0.01	
हिल व्यू को–आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि., मुम्बई मे पर्सपोलिस प्रिमिसेस				
को–आप. सोसाइटी लि. मुंबई के 50/– प्रत्येक (पूर्ण प्रदत्त) के 20 शेयर	**0.01**		0.01	
10 रुपये प्रत्येक के 50 शेयरों के आबंटन के लिए				
मैसर्स रीता एंटरप्राइसेस, मुंबई	**0.01**		0.01	
10 रुपये प्रत्येक के 50 शेयरों के आबंटन के लिए				
मैसर्स आशीष एंटरप्राइसेस, मुंबई	**0.00**	**0.05**	0.00	0.05
योग		**1.31**		1.31

अनुसूची–8
चालू परिसंपत्तियां

(रुपये लाख में)

विवरण	31 मार्च 2010 की यथास्थिति		31 मार्च 2009 की यथास्थिति	
मालसूचियां @				
(प्रबंधन द्वारा प्रमाणित)				
भंडार तथा स्पेयर पार्टस				
- उत्पादन	**260.06**		257.97	
- ईंधन भंडार	**9.44**		7.24	
- विविध	**195.98**	**465.48**	184.05	449.26
कच्चा माल तथा संघटक		**2836.06**		2424.98
मार्गस्थ सामग्री		**111.58**		534.00
फैब्रिकेटरों/ठेकेदारों के पास सामग्री		**0.00**		0.00
खुले औजार		**21.28**		21.34
स्क्रैप (अनुमानित वसूलीयोग्य मूल्य पर)		**365.44**		220.95
तैयार माल		**49.38**		175.89
मार्गस्थ इंटर डिवीजन ट्रांसफर इसमें शामिल है– सीईए द्वारा अनुवीक्षण किए जा रहे विभिन्न एसईबीज/एनटीपीसी (पूल सदस्य) की ओर से गैर– बीएचईएल स्पेयर्स के लिए लाख रुपये (गत वर्ष........ लाख रुपये)		**1638.20**		2563.83
		5487.42		6390.25
घटाएं: अचल स्टॉक के लिए प्रावधान		**918.36**		1042.43
		4569.06		5347.82
@ महत्वपूर्ण लेखाकरण पालिसी सं. 8 के अनुसार मूल्यांकित				
विविध देनदार				
- छह महीने से अधिक के लिए बकाया ऋण राशि	**7871.33**		7002.12	
- अन्य ऋण (आस्थगित ऋण सहित)	**7798.10**		6205.45	
	15669.43		13207.57	
घटाएं: संदिग्ध ऋणों का प्रावधान	**6348.52**		6670.71	
घटाएं: आटोमैटिक मूल्य कटौती समायोजन लेखा	**0.00**		0.00	
विविध देनदारों में आस्थगित ऋण शामिल हैं 3304.89 लाख रुपये (गत वर्ष 3424.47 लाख रुपये)				
विविध देनदारों में प्रेषित माल बिलिंग शामिल हैं 60.20 लाख रुपये (गत वर्ष शून्य लाख रुपये)				
कुल		**9320.91**		6536.86
नकद तथा बैंक शेष				
उपलब्ध नकद तथा स्टाम्प		**16.60**		17.15
उपलब्ध चैक, डिमांड ड्राफ्ट				
मार्गस्थ प्रेषण				
अनुसूची बैंको में शेष				
- चालू खाता		**1547.44**		423.54
- जमा खाता				
गैर–अनुसूचित बैंकों में शेष		**0.00**		0.00
कुल		**1564.04**		440.69
अन्य चालू परिसंपत्तियां		**0.00**		0.00
चालू परिसंपत्तियों का सार				
मालसूचियां		**4569.06**		5347.82
विविध देनदार		**9320.91**		6536.86
नकद तथा बैंक शेष		**1564.04**		440.69
अन्य चालू परिसंपत्तियां		**0.00**		0.00
		15454.01		12325.37

अनुसूची–9
ऋण तथा अग्रिम

(रुपये लाख में)

विवरण	31 मार्च 2010 की यथास्थिति		31 मार्च 2009 की यथास्थिति	
ऋण				
सहायक कम्पनियों को ऋण				
कर्मचारियों को ऋण				
ऋण पर जारी साम्रगी				
अन्यों का ऋण				
सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को ऋण				
ऋण पर प्रोद्भूत ब्याज तथा अन्य देय				
अग्रिम (नकद वसूलीयोग्य अथवा अन्य प्रकार से अथवा प्राप्त की वैल्यू के रूप में)				
सहायक कम्पनियों को				
कर्मचारियों को	206.10		230.15	
खरीद के लिए	1823.57		2099.33	
अन्यों से	0.00		0.00	
पूंजीगत व्यय के लिए	0.00	2029.67	0.00	2329.48
जमा				
राजस्व, बंदरगाह तथा अन्य सरकारी प्राधिकारियों	2597.70		2551.11	
के पास शेष	255.22	2852.92	331.23	2882.34
		4882.59		5211.82
घटाएंः– अंसदिग्ध ऋणों तथा अग्रिमों के लिए प्रावधान		552.93		609.90
		4329.66		4601.92
अन्य				
प्रीपेड व्यय		11.34		11.08
दावे तथा अन्य वसूलनीय :				
ग्राहकों के साथ	2111.24		2039.51	
अन्यों के साथ	891.45		931.92	
	3002.69		2971.43	
घटाएंः संदिंग्ध ऋण दावों के लिए प्रावधान	2404.34	598.35	2467.59	503.84
आयकर वापसी देय		669.36		1092.34
स्रोत पर काटा गया आयकर	34.61		164.54	
घटाएंः कराधान हेतु प्रावधान	0.00	34.61	0.35	164.19
स्रोत पर काटा गया संविदा कर		1539.24		1530.00
प्रोदभूत आय		14.29		5.67
जमा तथा अन्यों पर प्रोदभूत ब्याज		16.24		23.66
योग		7213.09		7932.70

अनुसूची–10
चालू देयताएं

(रुपये लाख में)

विवरण	31 मार्च 2010 की यथास्थिति	31 मार्च 2009 की यथास्थिति
स्वीकृत	**0.00**	0.00
विविध देनदार		
- सूक्ष्म तथा लघु से कुल बकाया देय (ब्याज सहित)		
- अन्य विविध देनदार	**3183.80**	1811.90
ठेकेदारों तथा अन्यों से प्राप्त जमा राशि	**805.39**	842.13
दावा न किया गया लाभांश		
ग्राहकों तथा अन्यों से अग्रिम	**4164.61**	4523.32
अन्य देयताएं	**9638.32**	11109.35
प्रोद्भूत ब्याज तथा देय		
योग	**17792.52**	18286.70

अनुसूची–11
प्रावधान

(रुपये लाख में)

विवरण	31 मार्च 2010 की यथास्थिति	31 मार्च 2009 की यथास्थिति
लाभांश	**0.00**	0.00
कॉर्पोरेट लाभाशं	**0.00**	0.00
अनुबंध दायित्व	**518.91**	48.21
सेवानिवृति लाभ	**0.00**	0.00
अन्य	**1590.64**	1601.18
योग	**2109.55**	1649.39

अनुसूची–12
कुल कारोबार (सकल)

(रुपये लाख में)

विवरण	31 मार्च 2010 को समाप्त	31 मार्च 2009 को समाप्त
बिक्री रहित प्रतिफल (ग्राहकों को प्रेषण 4621.76 लाख रुपये सहित) गत वर्ष 5567.54 लाख रुपये)	**9720.52**	7019.11
बाहय संस्थापना तथा अन्य सेवाओं से आय	**710.80**	1420.34
कार्य अनुबंध से राजस्व	**0.00**	0.00
योग	**10431.32**	8439.45

अनुसूची–12ए

क. अन्य प्रचालन आय

(रुपये लाख में)

		31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष		31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष
निर्यात प्रोत्साहन		0.00		0.00
पट्टेधारित परिसंपत्तियों पर किराया आय	0.00		0.00	
घटाएः पट्टा समकरण लेखा	0.00	0.00	0.00	0.00
रद्दी माल		230.63		291.67
बिक्री से प्राति/अतिरिक्त स्टॉक का स्थानांतरण		0.00		0.00
अन्य		242.48		341.87
योग		473.11		633.54

ख. अन्य आय

(रुपये लाख में)

	31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष
यूनिटों और बाण्डो की बिक्री से लाभ		
स्थायी परिसंपत्तियों की बिक्री से लाभ	0.00	0.00
निवेश पर लाभांश (दीर्घावधि व्यापार)	0.00	0.00
विनियम अंतराल लाभ (क्रेडिट)	0.00	0.00
अन्य (अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के लिए भारत सरकार से अनुदानों सहित)	0.00	0.00
योग	0.00	0.00

ग. ब्याज आय

(रुपये लाख में)

	31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष
ग्राहकों से	0.00	0.00
कर्मचारियों से	0.00	0.00
बैंकों से	56.21	7.12
निवेश से (चालू व्यापार से इतर)	0.00	0.00
अन्तर प्रभाग सौदे (क्रेडिट शेष)	0.00	0.00
अन्य	0.00	6.42
स्रोत पर कर कटौती लाख रुपये (गत वर्ष .... रुपये)		
योग	56.21	13.54
योग अन्य आय (क+ख+ग)	529.32	647.08

अनुसूची–13
चल रहे कार्य तथा तैयार माल के स्टॉक में वृद्धि/कमी

(रुपये लाख में)

	31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष के लिए	
ए. चल रहा कार्य				
अंतिम शेष	**1638.20**		2563.83	
प्रारंभिक शेष	**2563.83**	**-925.63**	1677.81	886.02
ए. तैयार माल का स्टॉक :				
अंतिम शेष	**49.38**		175.89	
प्रारंभिक शेष	**175.89**	**-126.51**	464.13	-288.24
मार्गस्थ इंटर डिवीजन अंतरण				
योग (ए+बी)		**-1052.14**		597.78
नोटः				
तैयार माल में उत्पादन शुल्क तत्व				
अंतिम शेष		**0.00**		14.12
प्रारंभिक शेष		**14.12**		55.20

अनुसूची–14
सामग्री की खपत, संस्थापना तथा इंजीनियरिंग व्यय

(रुपये लाख में)

	31 मार्च 2010 को समाप्त वष के लिए	31 मार्च 2009 को समाप्त वष के लिए
कच्चे माल तथा संघटकों की खपत	**3918.16**	4639.97
घटाएंः अन्य प्रभागों को अंतरित		
भंडार तथा पुर्जों की खपत	**184.80**	256.35
घटाएंः अन्य प्रभागों को अंतरित		
सामग्री में अंतरण		
अन्य सेवाओं में अंतरण		
स्थापना तथा इंजीनियरिंग व्यय	**750.62**	1366.39
योग	**4853.58**	6262.71

अनुसूची–15
कर्मचारी पारिश्रमिक तथा लाभ

(रुपये लाख में)

	31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष के लिए
वेतन, मजदूरी, बोनस, भत्ते तथा अन्य लाभ	**3381.88**	3510.76
उपदान निधि में अंशदान	**125.93**	1875.12
भविष्य निधि तथा अन्य निधियों में अंशदान	**268.76**	267.19
सामूहिक बीमा	**0.00**	0.00
कर्मचारी कल्याण व्यय	**618.27**	3131.43
योग	**4394.84**	8784.50

(रुपये लाख में)

	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
निदेशक (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सहित)		
वेतन तथा भत्ते	4.00	3.23
भविष्य निधि में अंशदान	0.23	0.36
चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति	0.10	0.11

उपर्युक्त के अलावा, प्रबंध निदेशक को कम्पनी के नियमों के अनुसार निजी उपयोग हेतु प्रभार आधार पर कम्पनी के परिवहन सुविधा का लाभ उठाने की अनुमति है।

अनुसूची–16
विनिर्माण, प्रशासन, बिक्री तथा वितरण संबंधी अन्य व्यय

(रुपये लाख में)

	31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष के लिए	
आवास परामर्श प्रभार		**0.00**		0.00
रायल्टी तकनीकी प्रलेखन तथा अन्य परामर्श प्रभार		**0.00**		0.00
किराया		**0.23**		0.85
उत्पाद शुल्क		**9.98**		14.12
विद्युत और ईंधन		**269.90**		257.06
दरें और कर		**23.00**		27.66
सेवा कर		**0.00**		0.00
विनिमय अंतर		**-3.60**		0.47
बीमा		**15.29**		20.03
मरम्मत - भवन	**69.67**		73.20	
मरम्मत - प्लांट तथा मशीनरी	**63.41**		26.40	
मरम्मत - अन्य	**30.66**	**163.74**	14.52	114.12
निर्यात आदेशों से संबंधित अन्य व्यय				
बट्टे खाते डाली गई निवेश हानि				
अशोध्य ऋण तथा बट्टे खाते डाली गई राशि		**0.00**		0.00
बाहर ले जाया गया		**64.40**		88.75
यात्रा तथा वाहन		**81.69**		66.87
विविध व्यय		**214.00**		228.97
नकद छूट		**0.00**		0.00
परिसमापन नुकसान चार्ज आफ किया गया		**0.00**		0.00
गारण्टी शुल्क				
अंतरण के अंतर्गत प्रभागों को स्टोर के अंतरण कीमत अंतर				
दान		**0.00**		0.00
कारपोरेट सामाजिक व्यय		**0.00**		0.00
बाण्डों के उन्मोचन पर हानि/प्रीमियम		**0.00**		0.00
पूंजीगत परिसंपत्तियों/नियत परिसंपत्तियों की बिक्री पर हानि		**0.00**		0.00
योग		**838.63**		818.90
मरम्मत में विभागीय रखरखाव पर किया गया व्यय शामिल नहीं है, जो कि निम्न प्रकार हैं	**0.00**		0.00	
भवन	**0.00**		0.00	
अन्य	**0.00**	**0.00**	0.00	0.00
निर्यात पर एजेंसी कमीशन निर्यात संबंधी व्ययों में शामिल है		**0.00**		0.00
अनुसंधान एवं विकास पर व्यय		**104.06**		54.91
लेखापरीक्षकों को भुगतान (दावा किया गया निवल) सेवा कर ऋण				
- फीस		**1.23**		1.35
- व्यय		**0.56**		0.46
- आयकर मामलों में विदेश में लेखापरीक्षकों पर किए गए खर्च के (शून्य रुपये गत वर्ष शून्य रुपये)		**0.00**		0.00
- प्रमाणीकरण कार्य (रु. शून्य पिछले वर्ष रु. शून्य) विदेशी लेखापरीक्षकों को		**0.00**		0.00
- अन्य व्यावसायिक सेवायें (रु. शून्य पिछले वर्ष रु. शून्य) विदेशी लेखापरीक्षकों को		**0.00**		0.00
लागत लेखापरीक्षकों को भुगतान		**0.00**		0.00
मनोरंजन पर व्यय		**0.00**		0.00
विदेश यात्रा पर व्यय		**0.00**		0.00
शून्य टूर (पिछले वर्ष शून्य टुर)		**0.00**		0.00
प्रचार एवं जनसंपर्क पर व्यय				
वेतन भत्ते तथा अन्य लाभ	**22.50**		15.01	
अन्य व्यय	**7.23**	**29.74**	6.92	21.93
निदेशकों की फीस		**0.98**		1.48

अनुसूची–17
प्रावधान

(रुपये लाख में)

	31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष के लिए	
संदिग्ध ऋण, अशोध्य नुकसान तथा ऋण एवं अग्रिम				
वर्ष के दौरान सृजित	**407.51**		3392.60	
घटाएं: वर्ष के दौरान बट्टाकृत किए गए	**729.70**	**-322.19**	197.93	3194.67
संविदात्मक दायित्व				
वर्ष के दौरान सृजित	**505.61**		48.21	
घटाएं: वर्ष के दौरान सृजित किए गए	**34.91**	**470.70**	234.90	-186.69
अन्य				
वर्ष के दौरान सृजित किए गए	**0.55**		1312.55	
घटाएं: वर्ष के दौरान पुरांकित किए गए	**134.61**	**-134.06**	0.00	1312.55
योग		**14.45**		4320.53

अनुसूची–18
ब्याज तथा अन्य उधार लागत

(रुपये लाख में)

	31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष के लिए
निम्नलिखित पर ब्याजः		
बांड्स/डिबेंचर/केंद्रीय राज्य सरकार के साथ	**260.19**	220.93
बैंक/अन्य वित्तीय संस्थाओं से उधार	**0.00**	9.73
आस्थगित क्रेडिट	**0.00**	0.00
अंतर प्रभाग सौदे (प्रत्यक्ष शेष)	**0.00**	0.00
विदेशी वित्तीय संस्थान	**0.00**	0.00
अन्य	**-528.28**	872.98
अन्य उधार लागत		
योग	**-268.09**	1103.64

अनुसूची–18
असाधारण मदें

(रुपये लाख में)

	31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष के लिए
आय	**0.00**	23008.28
व्यय	**0.00**	0.00
पूर्वावधि समायोजन निवल	**0.00**	23008.28

अनुसूची–18बी
पूर्वावधि समायोजन

(रुपये लाख में)

	31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष के लिए	
आय				
रिर्टन से कम बिक्री	**0.00**		0.00	
ब्याज आय/अन्य	**0.00**	**0.00**	0.00	0.00
व्यय				
कच्चेमाल तथा कम्पानेंट की खपत	**0.00**		6.54	
ब्याज	**0.00**		54.42	
मिश्रित व्यय	**0.00**	**0.00**	4.40	65.36
पूर्वावधि समायोग (शुद्व)		**0.00**		-65.36

अनुसूची–18सी
कराधान के लिए प्रावधान

(रुपये लाख में)

	31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष के लिए
चालू वर्ष के लिए		
– चालू वर्ष	**0.34**	0.32
(रु. 0.34 लाख वेल्थ कर (पिछले वर्ष 0.32 लाख सहित)		
– सीमांत कर	**0.00**	23.11
– आस्थगित कर	**0.00**	0.00
पूर्व वर्षो में		
– कर	**108.36**	34.30
– आस्थगित कर	**0.00**	0.00
	108.70	57.73

अनुसूची–19बी
आस्थगित कर देयता/आस्थगित कर परिसम्पत्ति

(रुपये लाख में)

	31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष के लिए
आस्थगित कर परिसम्पत्ति	**0.00**	0.00
आस्थगित कर दायित्व	**0.00**	0.00
	0.00	0.00

अनुसूची – 19

तुलन पत्र तथा लाभ–हानि लेखे के भाग के रूप में टिप्पणियां

1. अनुबंधो की अनुमानित राशि, निवल अग्रिम राशि, पूंजीगत लेखे पर निष्पादन शेष राशि तथा प्रदान न की गई राशि 1358.00 लाख रुपये है (गत वर्ष शून्य)। उक्त में अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियों का अधिग्रहण शामिल है।

2. भूमि तथा भवन में 380.48 एकड़ भूमि शामिल है जिसके लिए औपचारिक हस्तांतरण विलेख आंध्र प्रदेश सरकार के जी ओ संख्या एमएस 96 दिनांक 30.04.2007 तथा 696 तारीख 03.10.2008 के अनुरूप वर्ष 2008–09 के दौरान की स्थिति तक निष्पादित/पंजीकृत।

3. 10,000 रुपये तक की प्रत्येक स्थायी परिसंपत्ति पर 100 प्रतिशत मूल्यहास के प्रावधान के लाभ–हानि खाते पर प्रभाव 8.84 लाख रुपये है। इसमें 10,000 रुपये तक की वृद्धियों पर प्रदान किया गया 1.02 लाख रुपये का मूल्यहास भी शामिल है।

4. ग्राहकों को विक्रय एवं प्रेषण में शामिल है:

   (क) अनंतिम मूल्यों पर आधारित बिक्री शून्य (गत वर्ष शून्य रुपये)

   (ख) अद्यतन दावे शून्य (गत वर्ष शून्य)

   (ग) प्रोद्भूत आधार पर अद्यतन दावे शून्य (गत वर्ष शून्य)

   (घ) ग्राहकों के अनुरोध पर उनकी ओर से भेजें गए उपस्करों के प्रेषण जिनके लिए कंपनी को भुगतान प्राप्त हो चुका है– रु. 1492.54 (गत वर्ष शून्य)

5. आकस्मिक देयताएं

   कंपनी के विरुद्ध दावों, जो ऋण के रूप में नहीं मान गए हैं, उनमें निम्नलिखित शामिल हैं–

   (क) आय कर अपील – 644.77 लाख रुपये (गत वर्ष 1163.68 रुपये) जिसमें से विरोध/समायोजन के तहत रिफंड में से 231.04 लाख रुपये का भुगतान किया गया (गत वर्ष 877.00 लाख रुपये)

   (ख) बिक्री कर मांग – 1665.95 लाख रुपये (गत वर्ष 1583.89 लाख रुपये) जिसमें पोटेस्ट/कोर्ट आदेश के अंतर्गत भुगतान रु. 1116.36 लाख (पिछले वर्ष 938.32 लाख

   (ग) उत्पाद शुल्क मांग – 12366.08 लाख रुपये (गत वर्ष 10546.02 लाख रुपये) जिसमें से 59.85 लाख रुपये का भुगतान विरोध/कोर्ट आर्डर के कारण किया गया है। (गत वर्ष 59.85 लाख रुपये)

   (घ) सीमा शुल्क मांग – शून्य (पिछले वर्ष शून्य)

   (ड) न्यायालय/मध्यस्थता मामले – 2926.08 लाख रुपये (गत वर्ष 3980.18 लाख रुपये)

   (च) निर्णीत हर्जाना – शून्य (गत वर्ष शून्य)

   (छ) ठेकेदारों द्वारा कांउटर दावे – शून्य (गत वर्ष शून्य)

   (ज) अन्य (कर्मचारी विवाद, कर्मचारियों तथा अंग्रेजी माध्यम से स्कूल स्टाफ को बढ़ाया वेतन सहित) – 8929.05 लाख रुपये (गत वर्ष 764.28 लाख रुपये)

   (झ) एएस–29 मार्गनिर्देशों के अनुसार 31.03.2010 को बकाया बैंक गारंटी : 380.33 लाख रुपये (गत वर्ष 20.00 लाख रुपये)

   (त) 31.03.2010 को बकाया कॉर्पोरेट गारंटी – 789.41 लाख रुपये (गत वर्ष 789.41 लाख रुपये)

6. 1.4.2001 से पूर्व पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के मामले में किराया संबंधी ब्यौराः शून्य (गत वर्ष शून्य रुपये)

7. 1 अप्रैल, 2001 को अथवा इसके बाद पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों का ब्यौराः शून्य (गत वर्ष शून्य रुपये)

क.सं.	विवरण	वर्ष	पूंजीगत मूल्य
1	कम्प्यूटर पेरीफरल्हस	2009–10	34.24 लाख रुपये

8. वर्ष के दौरान पूंजीकृत उधार लागत राशि शून्य (गत वर्ष शून्य रुपये)

9. निर्मित हानि के लिए प्रावधान/आकस्मिक देयता तथा संविदात्मक दायित्वों के लिए प्रावधान की व्यवस्था कमर्शियल विभाग की सलाह के अनुसार प्रदान की गई/वापस ले ली गई।

10. एएस–18 के अनुसार संबंधित पार्टी लेन–देन–

    क) नियंत्रणाधीन संबद्ध पार्टियां (धारित कंपनी)

    पार्टी का नामः भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

    संबंध की प्रकृतिः धारित कंपनी

    ख) अन्य संबद्ध पार्टियां (प्रमुख प्रबंधन कार्मिक)

श्री ओम प्रकाश, प्रबंध निदेशक, बीएचपीवी लिमिटेड (31.10.2009 तक), श्री एस.एस. गुप्ता, प्रबंध निदेशक, बीएचपीवी लिमिटेड (31.10.2009 से)

श्री ए.एस. नागराजन, निदेशक (प्रचालन), बीएचपीवी लिमिटेड (20.11.2009 से)

श्री पी.वी. श्रीधरन, निदेशक (मा.सं.), बीएचपीवी लिमिटेड (09.11.2009 से)

(रुपये लाख में)

क्रम सं.	लेन–देन की प्रकति	धारित कंपनी अर्थात बीएचईएल	प्रमुख प्रबंधन कार्मिक
1	माल की खरीद	740.51	-
2	माल की बिक्री	1469.00	-
3	बीएचईएल को देय राशि	1366.97	-
4	बीएचईएल से देय राशि	1120.36	-
5	बीएचईएल यात्रा व्यय	0.19	-
6	लिया गया ऋण/अग्रिम	26206.56	-
7	वेतन तथा भत्ते	-	4.33

11. वर्ष के अंत में चल रहे अनुबंध के संबंध में संशोधित एएस–7 के अनुसार वर्ष के लिए माने गए अनुबंध राजस्व के मामले में प्राप्त निर्माण अनुबंध से संबंधित प्रकटनः
    (क) वर्ष के लिए माना गया अनुबंध राजस्व 5230.30 लाख (गत वर्ष 6913.46 लाख रुपये)
    (ख) लागत व्यय तथा माना गया लाभ (घटाएं– मानी गई हानि) 24157.69 लाख रुपये (गत वर्ष 34074.10 लाख रुपये)
    (ग) प्राप्त अग्रिम राशिः 1109.01 लाख रुपये (गत वर्ष 1972.04 लाख रुपये)
    (घ) प्रतिधारण राशि (आस्थगित ऋण) 2672.27 लाख रुपये) (गत वर्ष 3109.47 लाख रुपये)
    (ड) उपयुक्त नेटिंग आफ के बाद ग्राहकों से देय राशि के संबंध में
    परिसंपत्ति के रूप में अनुबंध कार्य के लिए ग्राहकों से देय सकल राशि 6531.16 लाख रुपये (गत वर्ष 4334.87 लाख रुपये)
    देयता के रूप में अनुबंध कार्य के लिए ग्राहकों से देय सकल राशि 1103.77 लाख रुपये (गत वर्ष 1229.79 लाख रुपये)
    (च) आकस्मिकताएं– शून्य (गत वर्ष शून्य)
    (एएस)–7 के अनुसार 1 अप्रैल, 2003 को अथवा इसके बाद किए गए निर्माण अनुबंधों के मामले में कुल लागतों तथा कुल राजस्व का अनुमान। निर्माण अनुबंध वर्ष के दौरान कमेटी द्वारा पुनरीक्षित एवं अद्यतन किए जाते हैं तथा चालू वर्ष के खाते में आवश्यक समायोजन किए जाते हैं।

12. व्युत्पन्न लिखतों से संबंधित प्रकटन – शून्य (गत वर्ष शून्य)
13. सूक्ष्म तथा लघु उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सप्लायरों से संबंधित प्रकटन–कंपनी ने सूक्ष्म, लघु अथवा मध्यम उद्यम के रूप में 31 मार्च, 2009 तक की स्थिति के अनुसार अपने दर्जे का दावा करने वाले (सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सप्लायरों द्वारा अधिसूचित प्राधिकार के तहत भरा जाना अपेक्षित) से ज्ञापन प्राप्त नहीं हुआ। तत्पश्चात, वर्ष के दौरान इस पार्टियों को भुगतान की गई/भुगतान की जाने वाली राशि शून्य रही।
14. महत्वपूर्ण लेखाकरण नीति सं. 9ए के अनुसार पहचाने गए राजस्व को सभी संबंधित आदेशों में अग्रेणीत किया गया।
15. शेष राशि की पुष्टि का अनुरोध भेज दिया गया था और पार्टियों के साथ समाधान जारी प्रक्रिया के अनुसार किया जा रहा है।
16. लेखाकरण मानदंड 17, 20, 22, 27 तथा 28 और कंपनी अधिनियम की अनुसूची VI के भाग IV की प्रकटन अपेक्षाएं।
    (क) लेखाकरण मानदंड–17 कंपनी टर्नकी अथवा अन्यथा आधार पर सिंगल प्राइमरी व्यवसाय अर्थात फैब्रिकेशन/संस्थापना में परिचालित होती है। कंपनी द्वारा निर्मित संघटक केवल इस प्रकार की परियोजनाओं में इस्तेमाल के लिए होते हैं। अतः, कंपनी किसी प्रकार के अलग प्रकटन की आवश्यकता महसूस नहीं करती।
    (ख) लेखाकरण मानदंड 20– प्रति शेयर अर्जन की गणना (ईपीएस) नीचे दी गई हैः

(रुपये लाख में)

क्रम सं.	विवरण	2009-10	2008-09
1	शेयरों की सं.	337978 Nos	337978 Nos
2	असाधारण मदों पर विचार करने से पूर्व लाभ/हानि	(-) 859.69	(-)13315.35
3	असाधारण मदों पर विचार करने से पूर्व	(-) 0.002	(-) 0.039
4	असाधारण मदों पर विचार करने के बाद	(-) 859.69	9635.52
5	असाधारण मदों पर विचार करने के बाद ईपीएस	(-) 0.002	0.03

    (ग) लेखाकरण मानदंड 22– भावी करयोग्य आय की निश्चित उपलब्धता के न होने के कारण आस्थगित कर परिसंपत्ति/देयता की पहचान नहीं की जा सकी।
    (घ) लेखाकरण मानदंड–27– कंपनी का कोई संयुक्त उपक्रम नहीं है।
    (ड) लेखाकरण मानदंड – 28 – एएस – 28 के अनुसार परिसंपत्तियों के नुकसान की गणना नहीं की जा सकी क्योंकि परिसंपत्तियों के नुकसान पर संभावित हानि का कोई संकेत नहीं था।

17. कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुसूची VI के भाग IV से संबंधित सूचना संलग्न है।
18. कंपनी ने एएस 15 के प्रावधान लागू किया है और इसके अनुसार नकद एवं प्रोदभवन आधार पर उपदान तथा अवकाश वेतन बनाने की प्रणाली में परिवर्तन किया है। वास्तविक गणना के आधार पर उपदान के लिए 1374.32 लाख रुपये (गत वर्ष 1667.11 लाख रुपये) और अवकाश वेतन के लिए 1098.38 लाख रुपये गत वर्ष 944.51 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई है। छुटटी वेतन दायित्व को अल्पावधि दायित्व के रूप में समझा जाता है, और इसलिए गणन्य बीमांकन आधार पर की जाती है। वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर उपदान की गणना निम्नलिखित है–

(रुपये लाख में)

क्रम सं.	उपदान राशि का ब्यौरा	राशि 2009-10
1	प्रारंभिक परिभाषित लाभ दायित्व	1667.11
2	ब्याज लागत	133.34
3	चालू सेवा लागत	67.08
4	भुगतान किया गया लाभ	(-) 402.12
5	दायित्व पर वास्तविक (प्राप्तियां)/हानि	(-) 91.12
6	अंतिम परिभाषित लाभ दायित्व	1374.32

19. विदेशी मुद्रा प्राप्ति एवं व्ययः विदेशी मुद्रा की प्राप्ति शून्य रही (गत वर्ष शून्य), कच्चे माल के आयात के लिए विदेशी मुद्रा व्यय 1129.22 लाख रुपये रहा (गत वर्ष 395.05 लाख रुपये)।
20. कंपनी निरंतर डब्ल्यूआईपी मूल्यांकन विधि का अनुसरण कर रही है। कंपनी भविष्य में लागत को नियंत्रित करने और लगाए गए अनुमान के भीतर कार्य करने के प्रति आश्वस्त है।
21. कंपनी अधिनियम, 1956 (कारोबार पर उपकर) के अनुच्छेद 441ए के अंतर्गत कंपनी द्वारा किसी प्रकार की राशि भुगतान/प्राप्तियोग्य नहीं है क्योंकि सेस के भुगतान से संबंधित नियमों को केन्द्र सरकार द्वारा अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है।
22. वर्ष 2002–03 के वित्तीय परिणामों के आधार पर कंपनी को दिनांक 23 अगस्त, 2004 को बीआईएफआर को रेफर कर दिया गया था और बीआईएफआर द्वारा संदर्भ सं. 503/2004 द्वारा बीमार कंपनी घोषित कर दिया गया था। वर्ष 2009–10 के अनुसार, बीआईएफआर बेंच के समक्ष 11.1.2010 तथा 03.03.2010 को सुनवाई हुई थी। कंपनी ने बीआईएफआर के निर्देशों के अनुसार आपरेटिंग एजेंसी (ओए) को फुल्ली टाइड अप ड्राफ्ट रिहैबिलिटेशन स्कीम (डीआरएस)' प्रस्तुत की थी। बीआईएफआर से इसके अनुमोदित होने की प्रतीक्षा है।
23. वर्ष 2008–09 के दौरान बीएचईएल (धारक कम्पनी) के लिए गए ऋणो पर 31.03.2009 यथा स्थिति प्रदान किया 558.12 रुपये के ब्याज को प्रत्यावर्तित कर दिया गया था और बीएचईएल से उसको माफ कर दिया जाने पर चालू वर्ष के दौरान ब्याज व्यय में डाल दिया गया था 31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए कम्पनी को दी गई अग्रिम राशि के लिए बीएचईएल द्वारा कोई ब्याज नहीं लिया गया था।
24. मैसर्स सहारा इंडिया वित्तीय निगम को भुगतेय ब्याज पर प्रोद्भूत ब्याज को 31.03.2009 की यथास्थिति असुरक्षित ऋणो के अन्तर्गत दर्शया गया था। उसे पुनः समूहित किया गया है और 31.3.2010 की यथास्थिति सुरक्षित ऋणो के अन्तर्गत लाया गया है, इस पर अभी प्रभार को सपष्ट किया गया है।
25. गत वर्ष के आंकड़ों को यथाव्यवहार्थ पुनः व्यवथित पुनः समूहित किया गया है ताकि उन्हें चालू वर्ष की प्रस्तुतिकरण से तुलनीय बनाया जा सके और नजदीकी लाखों तक पूर्णांक में परिवर्तित किया जा सके।

2009–2010 के लिए प्रबंधन द्वारा वर्गीकृत एवं प्रमाणित मात्रात्मक एवं अन्य डाटा

1 कारोबार, अंतिम एवं प्रारंभिक स्टॉक

	कारोबार		अंतिम स्टॉक		प्रारंभिक स्टॉक	
	टन(ईक्यू)	रु. लाख में	टन(ईक्यू)	रु. लाख में	टन(ईक्यू)	रु. लाख में
i) उर्वरक, रसायन तथा अन्य उपकरण	965 (2054)	4081 (3032)	2 (46)	12 (109)	46 (107)	109 (276)
ii) क्रायोजेनिक प्लांट तथा वेसेल्स	785 (5)	1980 (6)	0 (34)	0 (57)	34 (0)	57 (0)
iii) इंडस्ट्रियल बॉयलर्स	3351 (4070)	3670 (5402)	85 (8)	37 (10)	8 (233)	10 (188)
कुल	5101 (6129)	9731 (8440)	87 (88)	49 (176)	88 (340)	176 (464)

टिप्पणी : कोष्ठक में दिए आंकड़े पिछले वर्ष से संबंधित हैं।

2 खपत हुआ कच्चा माल, संघटक तथा भंडार एवं औजार

	2009-10		2008-09	
	मात्रा	मूल्य (रु. लाख में)	मात्रा	मूल्य (रु. लाख में)
क कच्चा माल तथा संघटक				
1. सीएस प्लेट (टन में)	1875	813	1477	836
2. एसएस प्लेट (टन में)	47	164	65	199
3. सीएस ट्यूब्स (टन में)	249	21	14253	146
4. एसएस ट्यूब्स (मीटर में)	3508	58	791	41
5. एचई ट्यूब्स (संख्या में)	6006	414	1400	35
6. अन्य आयरन और स्टील सामग्री संघटकों सहित		2448		3383
कुल क:		**3918**		4640
ख. भंडार तथा खुले औजार		**185**		256
कुल (क)+(ख)		**4103**		4896

(रु. लाख में)

	2009-10	2008-09
3 (क) आयात मूल्य (सीआईएफ)		
1. क. कच्चा माल तथा संघटक	1162	450
ख. मार्गस्थ सामग्री	0	499
2. स्पयेर्स	0	1
3. पूंजीगत समान	28	0
(ख) विदेशी मुद्रा व्यय (प्रावधान सहित)		
1 रायल्टी	0	0
2 इंजीनियरिंग शुल्क	0	0
3 तकनीकी जानकारी	0	0
4 अन्य मामलें	0	0

	(रु लाख में) 2009-10	2008-09
(ग) आयतित तथा स्वदेशी कच्चे माल, संघटकों तथा खपत हुए पुर्जो का ब्यौरा:		
1. वर्ष के दौरान इस्तेमाल हुए संघटकों तथा पुर्जो सहित आयातित कच्चे माल का मूल्य	995	471
2. वर्ष के दौरान इस्तेमाल हुए संघटकों तथा पुर्जो सहित स्वदेशी सामग्री का मूल्य	2923	4169
कुल	**3918**	**4640**
3. मद (1) की प्रतिशत के कुल खपत	25.40	10.16
4. मद (2) की प्रतिशत के कुल खपत	74.60	89.84
(घ) लाभांश के मामलें में विदेशी मुद्रा में प्रेषित राशि	शून्य	शून्य
(ड़) विदेशी मुदा में अर्जन		
1. सप्लाई (एफओबी)	0	0
2. सेवाएं	0	0

	अनुज्ञप्त क्षमता	संस्थापित क्षमता	प्रबंधन द्वारा प्रामाणित उत्पादन
4 अनुज्ञप्त एवं संस्थापित क्षमता तथा उत्पादन (प्रबंधन द्वारा यथा प्रमाणित) क) उर्वरक तथा रसायन उपकरण (नीचे ख में दिए गए विविध उत्पादों सहित) ख संस्थापित क्षमता के प्रभावी उपयोग हेतु लिए गए विविधीकृत उत्पाद	23,210 MT	23,210 MT	5100 MT

	अनुज्ञप्त क्षमता	संस्थागित क्षमता	वास्तविक मात्रा (सं.)	उत्पादन एमटी (समकक्ष)
i) एयर तथा गैस पृथककरण प्लांट :				
क) 1000 एनएम³/ घंटा तक लघु प्लांट	24 सं. }			
ख) 1000 एनएम³/ घंटा तथा 17000 एनएम³/ घंटा तक	4 सं. }			
ii) मल्टीलेयर वेसेल्स	96 लाख रु. }			
iii) क्लोरीन तथा सल्फर डॉयऑक्साइड के लिए सिलिंडर	3000 सं. }			
iv) कंटीनुअस कुकिंग प्लांट आवश्यक एक्सेसरीज सहित	2 सं. }	उक्त (क) में शामिल		
v) पेपर उद्योग के इवापोरेशन यूनिट	2 सं. }			
vi) क्रायोबायोलॉजिकल कंटेनर्स	4000 सं. }			
vii) इंडस्ट्रियल बॉयलर्स 50 से 200 टीपीएच	6000 एमटी }		3697 लाख रु.	3428 एमटी
viii) फिन्ड टयूब एयर कूलर्स	150 लाख रु. }			

विविध उत्पाद मिक्स के कारण हीट एक्सचेंजरों, क्रायोजेनिक उपकरण तथा वाल्व ट्रे के मामले में इटेंसिटी फैक्टर 2 का उपयोग करके वास्तविक उत्पादन को समकक्ष टन में परिवर्तित किया गया। इसी प्रकार, खरीदे गए संघटकों तथा संस्थापना के मामले में कन्वर्जन फैक्टर 0.6 एमटी/1 लाख रुपये को लागू किया गया। अन्य उत्पादों के मामले में वास्तविक टन को माना गया। इस परिवर्तन विधि के लिए भारत सरकार की मंजूरी प्राप्त की जा रही है।

भौतिक कार्यनिष्पादन को दर्शाने के लिए अधिक वास्तविक मानदंडों को अपनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऊपर (ख) में उल्लिखित विविध उत्पादों के मामले में 5100 एमटी (समकक्ष) उत्पादन में 3228 एमटी (समकक्ष) उत्पादन शामिल है आंतरिक उपयोग के लिए किए गए कार्यों के मामले में शून्य है।

टिप्पणी:

1. मद (ख) में उल्लिखित अनुज्ञप्त क्षमता, संस्थापित क्षमता तथा उत्पादन को मद (क) में शामिल किया गया है।

तुलन–पत्र का सार कंपनी की सामान्य व्यावसायिक रूपरेखा

i) पंजीकरण विवरण :

पंजीकरण संख्या | | 1 | 2 | 0 | 2 | राज्य कोड | 0 | 1 |

तुलन पत्र | 3 | 1 | 0 | 3 | 1 | 0 |

दिन महीना वर्ष

ii) वर्ष के दौरान जुटाई गई पूंजी (राशि करोड़ रुपये में)

पब्लिक इश्यु	राइट इश्यु
शून्य	शून्य
बोनस इश्यु	प्राइवेट प्रतिस्थापना
शून्य	शून्य

iii) निधियों के संग्रहण व वितरण की स्थिति (राशि करोड़ रुपये में)

कुल देयताएं	कुल परिसंपत्तियां
30463	30463

निधियों के स्त्रोत

प्रदत्त पूंजी	प्रारक्षित तथा अधिशेष
3380	2
रक्षित ऋण	आरक्षित ऋण
183	26898

निधियों का प्रयोग

निवल स्थायी परिसंपत्तियां*	निवेश
461	1
निवल चालू परिसंपत्तिया	विविध व्यय (आस्थगित राजस्व व्यय)
2765	NIL
संचयी हानि	
27235	

iv) कंपनी का कार्यनिष्पादन (राशि हजार रु. में)

कारोबार	कुल व्यय
9731	9959
कर पूर्व लाभ	कर पश्चात लाभ
-751	-860
प्रति शेयर अर्जन	लाभांश दर -%
NIL	NIL

v) कंपनी के तीन मुख्य उत्पादों/सेवाओं के सामान्य नाम (मौद्रिक रूप के अनुसार)

1. मद कोड संख्या : (आईटीसी) कोड | 8 | 4 | 1 | 9 | 0 | 0 |

उत्पाद विवरण — हीट एक्सचेंजर्स

2. मद कोड संख्या : (आईटीसी) कोड | 8 | 4 | 7 | 9 | 1 | 0 |

उत्पाद विवरण: — प्रेसर वेसेल्स

3. मद कोड संख्या : (आईटीसी) कोड | 8 | 4 | 0 | 4 | 1 | 0 |

उत्पाद विवरण: — एयर प्रीहीटर्स बायलर्स

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
ए.एस.एस सर्मा	**ए.वी.मणियक्का राव**	**पी. वी श्रीधरन**	**एस.एस. गुप्ता**
सचिव	महाप्रबंधक (वित्त)	निदेशक (मा.सं.)	प्रबंध निदेशक

सम तिथि की हमारी रिपोर्ट

कृते मूर्ति ऐसोसिएटस

चार्टर्ड एकाउंटेंट

हस्ता./–

के.एल.नरसिम्हन

साझेदार

सदस्यता सं. : 023694

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 11.05.10

समेकित वित्तिय विवरण

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, इसकी सहायक कम्पनियों और संयुक्त उद्यमों के लिए समेकित वित्तीय विवरणों पर निदेशक मंडल के लिए लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

हमने भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, इसकी सहायक कम्पनियों और संयुक्त उद्यमों (बीएचईएल) समूह के संलग्न समेकित तुलनपत्र की 31 मार्च 2010 की और इनसे संबंधित उस वर्ष में समाप्त सम तारीख हेतु समेकित लाभ हानि लेखे और समेकित नकद प्रवाह विवरण की भी यथास्थिति जांच की है। इन वित्तीय विवरणों को तैयार करना कम्पनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है और इन्हे अलग वित्तीय विवरणों तथा संघटक से संबंधित अन्य वित्तीय सूचना के आधार पर तैयार किया गया है। हमारा उत्तरदायित्व हमारे लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करना है।

हमने अपनी लेखापरीक्षा भारत में स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार की है। वे मानक यह अपेक्षा करते हैं कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाते और निष्पादन करते हैं कि क्या वित्तीय विवरण वास्तविक गलत विवरण से मुक्त है। लेखापरीक्षा में परीक्षण के आधार पर विवरणों में राशियों और प्रकटनों का समर्थन करने वाले साक्ष्य की जांच शामिल होती है। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखाकरण सिंद्धातों तथा प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन तथा साथ ही वित्तीय प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल होता है। हम विश्वास करते हैं कि हमारी लेखापरीक्षा हमारे मत के लिए उचित आधार प्रदान करती है।

हम सूचित करते हैं कि:

1. बीएचईएल में निम्नलिखित ईकाईयों की लेखापरीक्षा अन्य लेखापरीक्षकों द्वारा करायी गई है जिनकी रिपोर्ट हमें प्रस्तुत की गई है और हमारी राय में जहां तक परिसम्पत्तियों, राजस्व तथा ईकाईयों के लिए निवल नकद प्रवाह का संबंध है, यह पूर्ण रूप में अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों पर आधारित है।

(रुपये करोड़ में)

	संयुक्त रूप में नियंत्रित इनटीटीज में शेयर		
कम्पनी का नाम	परिसंपत्तियां	राजस्व	निवल नकद प्रवाह
क. सहायक कम्पनी			
भारत हेवी प्लेटस एण्ड वेसेल्स लिमिटेड	231.29	102.60	11.23
ख. संयुक्त उद्यम			
एनटीपीसी – बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट लिमिटेड	41.27	1.15	31.38
बीएचईएल – जीई गैस टरबाइन सर्विसेस प्रा.लि.	69.83	220.06	4.49

2. निम्नलिखित उद्यमों के संबंध में हमने लेखापरीक्षा नहीं की है। जहां तक हम संयुक्त उद्यमों के संबंध में शामिल परिसंपत्तियों और राजस्वों का संबंध है, पर प्रबंधन द्वारा हमें यथा प्रस्तुत पूर्णरूप में अंतिम विवरणों पर आधारित है। चूंकि 31 मार्च, 2010 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए इन संयुक्त उद्यमों के विवरणों की लेखापरीक्षा नहीं की गई थी अतः शेषों के लिए कोई परिवर्ती समायोजन संबद्ध समेकित वित्तीय विवरणों पर परिणामी प्रभाव हो सकते हैं। तथापि समेकित वित्तीय स्थिति में संयुक्त उद्यम का आयकर संगत रूपों में महत्वपूर्ण नहीं हो।

(रुपये करोड़ में)

	संयुक्त रूप में नियंत्रित इनटीटीज में		
कम्पनी का नाम	परिसंपत्तियां	राजस्व	निवल नकद प्रवाह
उडनगुडी पावर कारपोरेशन लिमिटेड	5.78	0.24	(1.69)
दादा धूनीवाले खांडवा प्रा.लि.	5.00	-	5.00
बराक पावर प्राइवेट लिमिटेड	0.04	-	-
रायचुर पावर कारपोरेशन लिमिटेड	3.69	-	3.65

3. पावर प्लांट परफारमेंस इम्पूवमेंटस लि. बीएचईएल के एक संयुक्त उद्यम के लेखों को समेकित नहीं किया गया है। क्योंकि उक्त कम्पनी परिसमापनाधीन है।

4. कम्पनी द्वारा वित्तीय विवरण दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेंट आफ इंडिया द्वारा जारी लेखाकरण मानक (एएस)–21 "समेकित वित्तीय विवरण" तथा एएस–27 "फाइनेन्सियल रिर्पोटिंग ऑफ इन्ट्रेस्ट्स इन ज्वायन्ट वेंचर्स" की अपेक्षाओं के अनुसार और समेकित वित्तीय विवरण में शामिल भारत हेवी इलेक्ट्रिक्ल्स लिमिटेड तथा इसकी सहायक कम्पनी और संयुक्त उद्यम के अगल वित्तीय विवरणों के आधार पर तैयार की गई है।

5. उक्त पैरा 3 के अध्याधीन, हम सूचित करते हैं कि हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरणों के आधार पर तथा उक्त पैरा 1 में यथा वर्णित अलग–अलग लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों तथा पैरा–2 में यथा वर्णित अनन्तिम वित्तीय विवरणों पर विचार करने पर बीएचईएल ग्रुप के बारे में हमारी राय है कि उक्त समेकित वित्तीय विवरण भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धान्तों के अनुसार सत्य और वास्तविक दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

   (i) 31 मार्च 2010 की यथास्थिति बीएचईएल समूह के कार्य स्थिति की समेकित तुलन पत्र के मामले में।

   (ii) सम तारीख को समाप्त वर्ष के लिए बीएचईएल समूह समेकित लाभ/हानि लेखे तथा लाभ के मामलों में और

   (iii) सम तारीख को समाप्त वर्ष के लिए बीएचईएल ग्रुप के समेकित नकद प्रवाह विवरण, नकद प्रवाह के मामले में।

कृते गांधी मिनोचा एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस
एफआरएन 000458एन

हस्ता./–
(भूपेन्द्र सिंह)
एम.सं. 092867

कृते एमएल पुरी एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस
एफआरएन 002312एन

नवीन बंसल
(नवीन बंसल)
एम.सं. 091922

दिनांक : 26 मई, 2010
स्थान : नई दिल्ली

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां

1 **वित्तीय विवरण तैयार करने का आधार :**

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार लेखाकरण की प्राद्भवन विधि तथा कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए है, जैसा कि कंपनी द्वारा निरंतर रूप में अपनाया जा रहा है।

2 **स्थायी परिसंपतियां**

स्थायी परिसंपतियां (राज्य से निःशुल्क अधिग्रहित भूमि से भिन्न) अधिग्रहण या निर्माण अथवा संग्रहित मूल्यह्रास को घटाकर बही मूल्य पर प्राप्त की जाती है।

लागत के अंतर्गत वास्तविक/प्राक्कलित फैक्टरी लागत या बाजार कीमत, जो भी कम हों, में लिए गए पूंजी कार्य के लिए आंतरिक अंतरण मूल्य सम्मिलित होता है। स्थायी परिसंपतियों के अधिग्रहण के लिए प्रयुक्त दीर्घावधि देयताओं/ऋणों के संबध में अवमूल्यन/पुनःमूल्यन जैसी आसाधारण घटनाओं के प्रभाव को लागत में जोड़ा/घटाया जाता है।

राज्य सरकार से निःशुल्क अधिग्रहित भूमि का मूल्य 1 रुपये लगाया गया है, सिवाए इसके कि वह 16 जुलाई 1969 के पश्चात न अधिग्रहित की गई हो, क्यो कि उस मामलें में यह भूमि संबद्ध राज्य सरकार से पूंजी प्रारक्षित निधि में समतुंल्य जमा द्वारा अधिग्रहण मूल्य पर मूल्यांकित की जाती है।

3 **पट्टे**

वित्तीय पट्टा

क) (i) **01 अप्रैल 2001 से पूर्व पट्टे पर दी गई परिसंपत्तिया**

विनिर्मित और वित्तीय पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां सामान्य विक्रय–मूल्य/उचित मूल्य/संविदाकृत मूल्य पर पूंजीकृत की जाती है और उन्हे बिक्री के रूम में माना जाता है।

उक्त पर उस दर से मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है जो मूल्यह्रास पर लेखाकरण नीति के अनुसार समान किस्म की स्थायी परिसंपत्तियों के लिए लागू होती है। पट्टा किरायों के लिए समान प्रकार पट्टा समानीकरण लेखा के माध्यम से लिया जाता है।

वित आय को पट्टा अवधि के लिए माना जाता है।

(ii) **01 अप्रैल 2001 को अथवा उनके पश्चात पट्टे पर दी गई परिसंम्पत्तियां**

विनिर्मित और वित्तीय पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों को समान्य बिक्री कीमत/उचित मूल्य/एनपीवी पर बिक्री के रूप में मान्यता दी जाती है।

वित्त आय को पट्टा अवधि के लिए माना जाता है।

ख) **01 अप्रैल 2001 अथवा उसके पश्चात पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां**

पट्टे पर ली गई परिसम्पत्तियों को उचित मूल्य/एनपीवी/संविदाकृत कीमत पर पूंजीकृत किया जाता है।

उक्त पर मूल्यह्रास उस दर से प्रभारित किया जाता है जो मूल्यह्रस पर लेखाकरण की नीति के अनुसार सम्पन किस्म की स्थायी परिसम्पत्तियों के लिए लागू होता है।

मूल्यह्रास पर नीति यदि पट्टा परिसंपत्तियां पट्टेदार को पट्टा अवधि समाप्त होने पर लौटायी जानी है, तो इसे प्रयुक्त अवधि अथवा पट्टा अवधि जो भी कम हो, के लिए मूल्यह्रासित किया जाता है। पट्टा भुगतानों को पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के संबध में वित्त प्रभारों एवं बकाया देयता की कमी में विभाजित कर दिया जाता है।

प्रचालन पटटा

पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां

विनिर्मित और प्रचालन पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां पूंजीकृत की जाती हैं। उनसे होने वाली पट्टा आय को पट्टा अवधि में हुई आय माना जाता है।

पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां

प्रचालन पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के लिए किए गए पट्टा भुगतानों को पट्टा अवधि में हुआ व्यय माना जाता है।

4 **अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियां**

क) अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियो को लागत पर पूंजीकृत किया जाता है, यदि

(क) यह संभाव्य हो कि भविष्य में परिसंपत्ति के कारण होने वाला आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होगा, और

(ख) कंपनी का परिसंपत्तियों पर नियंत्रण होगा, और

(ग) इन परिसंपत्तियों की लागत विश्वसनीय रूप से मापी जा सकती है और 10,000 रुपये से अधिक है।

ख) अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियों को उनकी अनुमानित उपयोगी अवधि में सीधी रेखा यथानुपात मासिक आधार पर परिशोधित किया जाएगा, जो सॉफ्टवेयर के मामले में तीन वर्षों और अन्य के मामले में दस वर्षों से अधिक नहीं होगी।

क) अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के अनुसंधान चरण के दौरान व्यय सहित अनुसंधान चरण के दौरान व्यय सहित अनुसंधान पर व्यय को होने वाले वर्ष में लाभ और हानि में प्रभारित किया जाता है।

ख) अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियों पर लेखाकरण मानक के अनुसार मानदंड पूरी करने वाली अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के विकास चरण के दौरान व्यय सहित विकास पर किए गए व्यय को अप्रत्यक्ष परिसंपत्ति के रूप में माना जाता है।

ग) अनुसंधान और विकास के प्रयोजनार्थ अधिग्रहित स्थायी परिसंपत्तियों को पूंजीकृत किया जाता है।

5 उधार लागते

उधार लागतें, जो अर्हक परिसंपत्तियों के विनिर्माण, अधिग्रहण या निर्माण पर व्यय की जाती हैं, ऐसी परिसंपत्तियों की लागत के भाग के रूप मेंशामिल की जाती है।

अर्हक परिसंपत्ति वह होती है जो अभिप्रेत उपयोग या बिक्री हेतु तैयार होने में आवश्यक रूप से बारह महीने से अधिक का समय लेती है।

अन्य उधार लागतों को उस अवधि का व्यय माना जाता है, जिसमें उन्हें खर्च किया जाता है

6. मूल्यह्रास

1) स्थायी परिसंपत्तियों (संविदा के अधीन विदेशों में प्रयुक्त को छोड़कर) पर मूल्यहास, उसे छोड़कर जहां मूल्यहास, तकनीकी रूप से आकलित अनुमानित उपयोगी अवधि के आधार पर निर्धारित दरों पर प्रभारित किया जाता है, कंपनी अधिनियम 1956 की अनुसूची XIV में निर्धारित दरों के अनुसार सीधी–रेखा विधि पर परिसंपत्तियों की कुल लागत तक प्रभारित किया जाता है, जो नीचे दर्शाया गया है –

	एकल पाली	दोहरी पाली	तिहरी पाली
सामान्य संयंत्र एवं मशीनरी	8%	12%	16%
स्वाचालित / अर्ध–स्वचालित मशीनें	10%	15%	20%
स्थापना उपकरण, पूंजीगत औजार तथा साज–समान	20 %		
टाउनशिप बिल्डिंग			
– द्वितीय श्रेणी	2.5%		
– तृतीय श्रेणी	3.5%		
रेलवे साइडिंग	8 %		
लोकोमोटिव तथा वैगन	8 %		
विद्युतीय संस्थापना	8 %		
कार्यालय तथा अन्य उपकरण	8 %		
ड्रेनेज, सीवरेज तथा जल आपूर्ति	3.34%		
इलेट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	20 %		

स्थायी परिसंपत्तियों में वृद्धि / से कटौती के मामले में मूल्यह्रास प्रभार, यथानुपात मासिक आधार पर होता है,

(ii) दीर्घावधिक संविदाओं के अनुसरण में भारत से बाहर प्रयुक्त स्थायी परिसंपत्तियों का मूल्यहास प्रारंभिक संविदा की अवधि के दौरान होता है।

(iii) 10,000 रुपये या कम लागत की स्थायी परिसंपत्तियों अथवा उन परिसंपत्तियों, जिनका हासित मूल्य वर्ष के प्रारंभ में 10,000 रुपये या कम है, का पूर्णतः मूल्यहास होता है। जहां तक, टाउनशिप भवनों का प्रश्न है, वहां प्रति मकान की लागत 10,000 रुपये की सीमा के लिए आधार है।

iv) निर्माण / परियोजना स्थल पर सड़कों, पुलों और पुलियों की लागत संविदा अवधि में पूर्णतः परिशोधित की जाती है, जबकि शेड, रेलवे साइडिंग, विद्युतीय संस्थापनाओं और इस प्रकार क अन्य समर्थकारी कार्यों (पूर्णतः अस्थायी निर्माण, लकड़ी के कार्य को छोड़कर) पर अवशिष्ट मूल्य के रूप में 10 प्रतिशत प्रतिधारित करते हुए उन्हें मूल्यहासित किया जाता है।

(v) लकड़ी के ढांचों जैसे पूर्णतः अस्थायी निर्माण कार्यों पर निर्माण के वर्ष में पूर्णतः मूल्यहासित किया जाता है।

(vi) पट्टाधारित भूमि और भवनों को पट्टे की अवधि में परिशोधित किया जाता है। पट्टे पर ली गई भूमि पर निर्मित भवनों का मूल्यहास उनकी उपयोगी अवधि अथवा पट्टे की अवधि जो भी कम हो, में होता है।

बीजीजीटीएस के मामले में (50% जेवी)

स्थाई सम्पत्तियों पर मूल्यह्रास प्रबंधन द्वारा यथा आकालित परिसम्पत्तियों के अर्थपूर्ण जीवन के लिए प्रत्यक्ष तरीका अपनाकर प्रदान किया जाता है। कम्पनी अधिनियम 1956 की अनुसूची XIV में निर्धारित मूल्यह्रास दरों को न्यूनतम दरें समझा जाता हैं। यदि परिसम्पत्ति के अधिग्रहण के समय अथवा उक्त अनुसूची में परिकल्पित की तुलना में शेष उपयोगी जीवन कम है, तो उपयोगी जीवन / शेष उपयोग जीवन के प्रबंधन के आकलन के आधार पर मूल्यह्रास उच्च दर पर दिया जाता है। इस नीति के अनुसरण में, परिसम्पत्तियां पर मूल्यह्रास प्रबंधन द्वारा यथा आंकलित स्थाई परिसंम्पत्तियों के निम्नलिखित अर्थपूर्ण जीवन पर आधारित दरों के अनुसार मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

परिसम्पत्ति की श्रेणी	आकलित अर्थपूर्ण जीवन (वर्ष)
प्लांट तथा मशीनरी	2–15
विद्युत संस्थापनाएं	3–10
सिविल स्ट्रक्चर	5–10
फर्नीचर तथा फिक्चर	1–8
कम्प्युटर	3
कार्यालय उपकरण	3–5

मूल्यह्रास का परिकलन परिसम्पत्तियें की खरीद / बिक्री माह से / तक के यथानुपात आधार पर किया जाता है। 5000 / – रुपये से कम की अलग–अलग परिसम्पत्तियों खरीद वर्ष में पूर्ण रूप से मूल्यह्रासित की जाती है।

रायचुर पावर कारपोरेशन लिमिटेड के मामले में (50% जेवी)

विद्युत आपूर्ति अधिनियम, 1948 में निर्धारित दरों पर मूल्यह्रास प्रत्यक्ष तरीका अपनाकर दिया जाता है। उन परिसम्पत्तियों के संबंध में जिसके लिए विद्युत आपूर्ति अधिनियम, 1956 में दरों का निर्धारण नही है, मूल्यह्रास कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची XIV के अंतर्गत निर्दिष्ट दरों पर प्रदान किया जाता है। परिसम्पत्तियों का मूल्सह्रस लागत की 90% तक किया जाता है और 10% अपशिष्ट मूल्य के रूप में रोक लिया जाता है। परिसम्पत्तियों के परिवर्धन पर मूल्यह्रास परिवर्धन की तारीख को देखे बिना पूरे वर्ष के लिए दिया जाता है।

एनटीपीसी – बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट प्रा. लि. के मामले में

स्थाई परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास, कार्यालय उपकरण के अलावा जहां यह 13% की दर पर प्रभारित किया जाता है, कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची XIV में निर्धारित दरों के अनुसार प्रत्यक्ष तरीके से परिसम्पत्तियों की कुल लागत पर प्रभारित किया जाता है।

7 निवेश

(I) दीर्घावधिक निवेश लागत पर किए जाते हैं। अस्थायी के अलावा, ऐसे निवेशों में गिरावट को मान्यता दी जाती है और इसके लिए व्यवस्था की जाती है।

(ii) चालू निवेश लागत या उद्धृत/उचित मूल्य, जो भी कम है, पर किए जाते हैं। अउद्धृत चालू निवेश लागत पर किए जाते हैं।

(iii) निवेश की लागत में अधिग्रहण प्रभार जैसे, दलालों, शुल्क तथा ड्यूटी शामिल है।

मौजूदा राशि में यदि कोई कमी होती है या किसी की पूर्ति होती है तो उसे लाभ और हानि में लेखा प्रभारित अथवा जमा किया जाता है।

8 मालसूची मूल्यांकन

(i) मालसूचियों का मूल्यन वास्तविक/अनुमानित लागत अथवा निवल वसूलीयोग्य मूल्य जो भी कम हो, पर लिया जाता है।

(ii) संयंत्रों में तैयार माल तथा जारी कार्यों का मूल्यन वास्तविक/अनुमानित फैक्टरी लागत या वसूली

योग्य मूल्य के 97.5 प्रतिशत, जो भी कम हो, पर किया जाता है।

(iii) संयंत्र में तैयार माल एवं चालू कार्य के मूल्यांकन के संबंध में लागत का अर्थ कारखाना लागत है, वास्तविक /अनुमानित कारखाना लागत में विनिर्मित माल पर देय उत्पाद शुल्क शामिल है।

(iv) कच्चे माल, संघटकों, फुटकर औजारों, भंडारों एवं अतिरिक्त पुर्जों की लागत का अर्थ भारांकित औसत लागत है।

(v) क. 1.04.2003 को या उसके बाद की गई निर्माण संविदाओं के लिए–

जहां संविदा की लागत के वर्तमान अनुमान और विक्रय मूल्य हानि दर्शाते हैं, वहां ऐसी संविदा के लिए प्रत्याशित हानि को तुरंत मान्यता प्रदान की जाती है, चाहे कार्य शुरू हो गया है या नहीं।

ख. अन्य सभी संविदाओं के लिए–

जहां किसी संविदा का भाग होने वाली पृथक रूप से अभिज्ञात परियोजना की लागत और विक्रय मूल्य संबंधी वर्तमान अनुमान हानि दर्शाता है, वहां ऐसी परियोजना के संबंध में, जिस पर कार्य आरंभ हो चुका है, प्रत्याशित हानि को मान्यता दी जाती है।

ग. प्रत्याशित हानि निर्धारण में प्राप्त कुल आय पर विचार किया जाता है, जिसमें निर्यातों/माने गए निर्यातों पर प्रोत्साहन भी शामिल होते हैं।

(vi) उत्पादन आर्डरों के लिए खरीदे/विनिर्मित संघटकों और अन्य सामग्रियों, जिन्हें अधिशेष घोषित किया गया हो, को तकनीकी अनुमानों के आधार पर अवशिष्ट मूल्य प्रतिधारित करने हुए राजस्व पर प्रभारित किया जाता है।

9 राजस्व मान्यता

ग्राहक के पक्ष में स्वामित्व को अंतरित करके महत्वपूर्ण जोखिमों और प्रतिफलों के आधार पर बिक्री को दर्ज किया जाता है। बिक्री के अंतर्गत आंशिक पोतलदान द्वारा ग्राहक को प्रेषित किया गया माल आता है।

क. 1.04.2003 को या उसके बाद की गई निर्माण संविदाओं के लिए:

राजस्व को संविदा की कुल अनुमानित लागत पर सूचना तिथि तक व्यय की गई वास्तविक लागत की प्रतिशतता पर आधारित प्रतिशतता समापन विधि से मान्यता दी जाती है।

ख. अन्य सभी संविदाओं के लिए:

(i) लम्बे उत्पादन चक्र वाले मदों (गैस आधारित पावर संयंत्रों, बॉयलरों, बॉयलर ऑग्जिलियरी, कम्प्रेसरों और औद्योगिक टर्बो सेटों सहित हाइड्रो और थर्मल सेट) के संबंध में बिक्री राजस्व को मान्यता तकनीकी अनुमानों पर दी जाती है। जब शिपमेंट का कुल मूल्य प्राप्णीय मूल्य का 30 प्रतिशत या उससे अधिक हो तो उन पर प्राप्णीय मूल्य के 97.5 प्रतिशत पर विचार किया जाता है। अन्यथा, उन पर वास्तविक/अनुमानित फैक्टरी लागत या प्राप्णीय मूल्य के 97.5 प्रतिशत, जो भी कम हो, विचार किया जाता है। शेष 2.5 प्रतिशत को संविदा के अधीन आपूर्ति पूरी हो जाने पर राजस्व के रूप में मान्यता दी जाती है।

(ii) निर्माण और परियोजना प्रबंध सेवाओं को निम्नलिखित आधार पर मान्यता दी जाती है–

पूर्णता की प्रतिशतता, अथवा अंतर्भूत मूल्य की गणना संविदा मूल्य के 97.5 प्रतिशत पर की जाती है तथा शेष 2.5 प्रतिशत को संविदा समाप्त होने पर आय के रूप में मान्यता दी जाती है।

(iii) प्रदान की गई इंजीनियरिंग सेवाओं से प्राप्त आय को पूरे किए गए कार्य की प्रतिशतता के आधार पर प्राप्णीय मूल्य पर मान्यता दी जाती है।

(iv) बीएचपीवी में निर्माण न किए गए उपस्कर/प्रणालियों और सिविल कार्य की आपूर्ति/निर्माण से प्राप्त आय की मान्यता ग्राहकों को किए गए प्रेषणों/परियोजना स्थल पर किए गए कार्यों पर आधारित होती है।

10 विदेशी मुद्रा लेन–देनों के लिए लेखाकरण

विदेशी मुद्रा लेन–देनों को लेन–देनों की तारीख को विद्यमान विनिमय दरों पर दर्ज किया जाता है। विदेशी मुद्रा मौद्रिक परिसंपत्तियों और देयताओं को वर्ष के अंत में विनिमय दरों पर रूपांतरित किया जाता है। लेन–देनों के निपटान और मौद्रिक मदों के रूपांतरण पर उत्पन्न हुए विनिमय अंतर को उस वर्ष जिसमें वे उत्पन्न होते हैं, में आय अथवा व्यय के रूप में माना जाता है।

11 अभिन्न वित्तीय प्रचालनों के वित्तीय विवरणों को मूल रूप देना

(i) आय तथा व्यय की मदों को मूल्यह्रास के अलावा औसत दर पर मूल रूप दिया जाता है, जिसे तत्संबंध स्थायी परिसंपत्तियों के लिए अंगीकृत दरों पर परिवर्तित किया जाता है।

(ii) मौद्रिक मदों को अन्य दरों पर मूल रूप दिया जाता है, ऐतिहासिक लागत पर चलाई जाने वाली गैर–मौद्रिक मदों को सौदे की तारीख को लागू दरों पर मूर्त रूप दिया जाता है, उचित मूल्य पर चलाई जाने वाली गैर–मौद्रिक मदों की उस विदेशी मुद्रा पर विनिमय दर पर मूर्त रूप दिया जाता है जो मूल्य निर्धारित किए जाते समय विद्यमान होती है।

(iii) सभी उदग्रहण भिन्नताओं को लाभ व हानि लेखा के लिए लिया जाता है।

बीजीजीटीएस (50% जेवी) मामलें में

वर्ष के अंत में पड़े बकाया के विदेशी मुद्रा जोखिम का बचाव करने के लिए आगे के लिए संविदाए दी जाती है। प्रत्येक संविदा के प्रारम्भ में ऐसी सभी संविदाओं हेतु प्रीमियम अथवा डिस्काउंट का संविदा की समय सीमा पर व्यय अथवा आय के रूप में परिशोधन किया जाता है। ऐसी अग्रिम संविदा पर निम्नलिखित के बीच विनिमय अंतर होता है (i) सूचित तारीख को अथवा समझौता की तारीख में जहां सौदे का इस अवधि के दौरान समझौता किया जाता है, विनिमिय दरों पर मूर्त रूप दिए गए संविदा की विदेशी मुद्रा राशि अंतर और (ii) अग्रिम विनिमय संविदा के शुरू होने की तारीख अथवा अंतिम सूचित तारीख के पश्चात मुर्त रूप दी गई समान विदेशी मुद्रा। ऐसी अग्रिम संविदा को रद्द करने अथवा नवीकरण करने से होने वाले लाभ अथवा हानि को उस वर्ष के लिए आय अथवा व्यय के रूप में माना जाता है।

12 कर्मचारी लाभ

अर्जित अवकाश, अर्ध वेतन अवकाश, भविष्य निधि और कर्मचारी परिवार पेंशन योजना के अंशदान को प्रोद्भूत आध ाार पर लेखाबद्ध किया जाता है। उपदान, सेवानिवृत्ति पर यात्रा दावे और सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभों के लिए देयता बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार लेखाबद्ध की जाती है। बीमांकिक देयता कर्मचारियों के संदर्भ में प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के आरंभ में निर्धारित की जाती है। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के अधीन प्रतिपूर्ति होने वाले वर्ष में यथानुपात मासिक आधार पर प्रभारित की जाती है।

बीजीजीटीएस (50% जेवी) के मामले में

छुटटी नकदीकरण लागत का प्रावधान एक स्वतंत्र बीमांकन द्वारा किए तुलन पत्र तारीख के बीमांकन अंतर के आधार पर दिया जाता है।

13 कंपनी द्वारा/के विरूद दावें

(i) कंपनी के विरुद्ध निर्णीत हर्जाने के लिए दावे को समान लेन–देनों के अनुभवों द्वारा अनुपूरित उपलब्ध सूचना के संदर्भ में संभावित परिणामों के प्रबंधन के आकलन के आधार पर लेखे में माना जाता है।

(ii) निर्यात प्रोत्साहन, शुल्क वापसी, सीमा शुल्क की वापसी और बीमा के लिए दावे आदि प्राप्ति पर लेखे में लिए जाते हैं।

(iii) मूल्य वृद्धि दावे और/अथवा संविदा कार्य के परिवर्तनों के संबंध में देय राशियों को केवल तभी राजस्व के रूप में माना जाता है जब संविदाओं से ऐसे दावों अथवा भिन्नताओं की शर्तें हों और/अथवा ग्राहकों से उसकी स्वीकार्यता का साघक्ष्य हो। तथापि वृद्धि अतिरिक्त मूल्य तक प्रतिबंधित होती है।

14 वारंटियों के प्रावधान

(i) **1.04.2003 को या उसके बाद किए गए निर्माण संविदाओं के लिए:**

संविदात्मक दायित्वों का प्रावधान परीक्षण प्रचालन समाप्त होने पर संविदा मूल्य के 2.5 प्रतिशत पर अनुरक्षित किया जाता है।

(ii) **अन्य सभी संविदाओं के लिए:**

वर्ष के अंत में वारंटी के अंतर्गत संविदाओं के लिए संविदात्मक दायित्वों का प्रावदान संविदा मूल्य के 2.5 प्रतिशत पर अनुरक्षित किया जाता है। एक उत्पाद से अधिक की आपूर्ति वाली संविदाओं के मामले में पूरे किए गए प्रत्येक उत्पाद के मूल्य के 2.5 प्रतिशत का प्रावधान किया जाता है।

(iii) सुधार कार्य पर वारंटी के दावे/व्यय को जब भी व्यय किया जाता है, प्राथमिक शीर्ष के अधीन लेखांकन किया जाता है और वर्ष के अंत में प्रावधानों पर प्रभारित किया जाता है।

15 सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों को तब लेखाबद्ध किया जाता है जब उनकी वसूली की उचित निश्चितता हो।

अचल मूल्यहास योग्य परिसंपत्तियों से संबद्ध अनुदानों को संगत परिसंपत्तियों की सकल लागत के अधीन समायोजित किया जाता है, जबकि गैर–मूल्यहास योग्य परिसंपत्तियों स संबद्ध को पूंजी प्रारक्षित निधि में जमा किया जाता है। राजस्व सबद्ध अनुदान जब तक व्यय/हानियों के लिए प्रतिपूर्ति के रूप में प्राप्त नहीं किए जाते, तब तक उन्हें उस अवधि, जिससे वे राजस्व की समतुल्य लागत के सिद्धांत पर संबद्ध हैं, राजस्व के रूप में माना जाता है।

गैर–मौद्रिक परिसंपत्तियों के रूप में अनुदानों को अधिग्रहण की लागत पर अथवा नॉमिनल मूल्य पर लेखाबद्ध किया जाता है, अगर वे निःशुल्क प्राप्त होते हैं।

समेकित तुलन पत्र
31 मार्च, 2010 की यथास्थिति

(रुपये करोड़ में)

	अनुसूची	31 मार्च, 2010 की यथास्थिति		31 मार्च, 2009 की यथास्थिति	
निधियों के स्त्रोत :					
शेयरधारकों की निधियां					
शेयर पूंजी	1	489.52		489.52	
आरक्षित एवं अथशेष	2	15406.46	15895.98	12429.06	12918.58
ऋण निधियां					
रक्षित ऋण	3	1.83		1.61	
अरक्षित ऋण	4	146.47	148.30	164.95	166.56
			16044.28		13085.14
निधियों का उपयोग					
स्थायी परिसंपत्तियां					
सकल ब्लॉक	5	6857.57		5501.28	
घटाएं मूल्यह्रास /परिशोधन तिथि तक		4234.54		3795.25	
		2623.03		1706.03	
घटाएं : पट्टा समायोजन लेखा		14.22		41.22	
निवल ब्लॉक		2608.81		1664.81	
कार्यशील पूंजी	6	1531.88	4140.69	1156.97	2821.78
पूर्व प्रचालन व्यय			2.36		0.00
निवेश	7		5.94		5.94
आस्थगित कर परिसंपत्तियां शुद्ध (अनुसूची 19 का नोट सं. 24 देखें)			1528.62		1841.00
चालू परिसंपत्तियां, ऋण तथा अग्रिम					
चालू परिसपत्तियां	8				
मालसूचियां		9283.78		7891.99	
विविध लेनदार		20792.61		16071.53	
नकद तथा बैंक शेष		9856.42		10329.46	
अन्य चालू परिसंपत्तियां		407.27		350.27	
ऋण तथा अग्रिम	9	2682.68		2341.91	
		43022.76		36985.16	
घटाएं :					
चालू देयताएं और प्रावधान					
चालू देयताए	10	28211.21		23570.40	
प्रावधान	11	4444.88		4998.34	
		32656.09		28568.74	
निवल चालू परिसंपत्तियां			10366.67		8416.42
			16044.28		13085.14
लेखे की टिप्पणियां	19				

अनुसूची 1 से 11, 19 और महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां लेखे का अभिन्न अंग है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./–
(आई.पी.सिंह)
सचिव

हस्ता./–
(सी.एस. वर्मा)
निदेशक (वित्त)

शावबीप
(बी. प्रसाद राव)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सम तिथि की हमारी सलंग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एम.एल पुरी एण्ड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंटस
एफआरएन-002312एन

नवीन बंसल
(नवीन बंसल)
साझेदार
सदस्यता सं. 091922

कृते गांधी मिनोचा एण्ड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंटस
एफआरएन-000458एन

हस्ता./–
(भूपिंदर सिंह)
साझेदार
सदस्यता सं. 092867

दिनांक : 26 मई, 2010
स्थान : नई दिल्ली

समेकित लाभ–हानि लेखा
31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए

(रुपये करोड़ में)

	अनुसूची	31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2009 को समाप्त वर्ष के लिए	
अर्जन					
कारोबार (सकल)	12	34453.80		28318.91	
घटाएं : उत्पाद शुल्क तथा सेवा कर		1299.32		1827.51	
कारोबार (निवल)			33154.48		26491.40
अन्य आय	12A		1662.99		1498.34
चल रहे कार्य तथा तैयार माल में वृद्धि / कमी	13		775.80		1163.99
			35593.27		29153.73
व्यय					
खपत हुई सामग्री, संस्थापना तथा इंजीनियरिंग व्यय	14		20863.03		17839.99
कर्मचारी पारिश्रमिक तथा लाभ	15		6499.83		3019.54
उत्पादन, प्रशासन, बिक्री तथा वितरण के अन्य व्यय	16		2174.38		1850.46
प्रावधान (शुद्ध)	17		-933.79		1299.96
ब्याज तथा अन्य उधार लागतें	18		36.69		35.18
मूल्यह्रास तथा परिशोधन	5		460.26		343.07
घटाएं : आंतरिक उपयोग के लिए किए गए कार्य			120.87		61.18
			28979.53		24327.02
पूर्वावधि मद पूर्व लाभ			6613.74		4826.71
जोड़े /(घटाएं) : पूर्वावधि मदें (निवल)	18A		7.15		11.24
कर पूर्व लाभ			6620.89		4837.95
घटाएं : कराधान का प्रावधान					
चालू वर्ष के लिए					
- चालू कर (संपदा कर 0.14 करोड़ रुपये सहित (गतवर्ष 0.17 करोड़ रुपये))		2020.78		2261.77	
– अनुषंगी कर				40.35	
– आस्थगित कर		312.39		-502.50	
		2333.17		1799.62	
पिछले वर्षों के लिए					
– कर (विदेश में भुगतान किए गए 26.77 करोड़ रुपये आयकर सहित (पिछले वर्ष 8.48 करोड़ रुपये)		-34.58		-77.40	
- अनुषंगी लाभ कर		-4.62		0.56	
			2293.97		1722.78
कर उपरांत लाभ			4326.92		3115.17
जोड़ें: पिछले वर्ष से लाया गया लाभ/हानि शेष			562.07		438.97
समायोजन के लिए उपलब्ध लाभ			4890.38		3555.31
घटाएं : विनियोजन					
– सामन्य प्रारक्षित निधि		3002.52		2002.22	
– लाभांश (अंतरिम लाभांश 550.13 करोड़ रुपये सहित (गत वर्ष 451.28 करोड़ रुपये))		1155.81		847.06	
–कारपोरेट लाभांश कर (गत वर्ष अंतरिम लाभांश पर 93.49 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 76.69 करोड़ रुपये)		194.09	4352.42	143.96	2993.25
तुलन पत्र में अग्रेणीत शेष			537.96		562.07
प्रति शेयर मूल तथा विलयित (डाइल्युटिड) अर्जन (रुपये में) (देखें अनुसूची 19)			88.39		63.64
लेखाओं पर टिप्पणी	19				

विवरण 5,12 से 19 तथा समेकित लाभ व हानि लेखा के एक अंतरण भाग के रूप में महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां
कुल आय में संयुक्त रूप में नियंत्रित ईकाईयों का हिस्सा **221.87 करोड़ रुपये** (पिछले वर्ष 214.67 करोड़ रुपये) शामिल है।
कुल व्यय में संयुक्त रूप में नियंत्रित ईकाईयों का हिस्सा **182.97 करोड़ रुपये** (पिछले वर्ष 180.99 करोड़ रुपये) शामिल है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./–
(आई.पी.सिंह)
सचिव

हस्ता./–
(सी.एस. वर्मा)
निदेशक (वित्त)

(बी. प्रसाद राव)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सम तिथि की हमारी सलंग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एम.एल पुरी एण्ड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंटस
एफआरएन-002312एन

(नवीन बंसल)
साझेदार
सदस्यता सं. 091922

कृते गांधी मिनोचा एण्ड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंटस
एफआरएन-000458एन

हस्ता./–
(भूपिंदर सिंह)
साझेदार
सदस्यता सं. 092867

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 26 मई, 2010

समेकित रोकड़ प्रवाह विवरण
31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए

(रुपये करोड़ में)

	2009-10	2008-09
क. प्रचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह		
लाभऔर हानि लेखा के अनुसार कर पूर्व निवल लाभ	**6620.89**	**4837.95**
समायोजन :		
मूल्य ह्रास/परिशोधन	460.46	343.14
पट्टा समानीकरण	-27.00	-17.91
स्थाई सम्पत्तियों की बिक्री से लाभ	-0.30	-8.37
भुगतान किया गया ब्याज	36.77	35.72
ब्याज/लाभांश आय	-832.62	-784.80
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन पूर्व प्रचालन लाभ	**6258.21**	**4405.73**
समायोजन		
व्यापार तथा अन्य प्राप्तियां	-5167.10	-4680.95
माल सूची	-1391.79	-2108.09
व्यापार देय तथा अग्रिम	3843.76	8165.55
प्रचालन से प्राप्त नकदी	**3543.08**	**5782.24**
भुगतान किया गया प्रत्यक्ष कर	-1912.98	-2319.06
निवेश गतिविधियों में इस्तेमाल की गई निवल नकद राशि	**1630.10**	**3463.18**
ख. वित्तीय गतिविधियों से नकद प्रवाह		
स्थाई परिसम्पत्तियों की खरीद	-1727.93	-1356.17
स्थाई परिसम्पत्तियों की बिक्री तथा निपटान	8.65	31.80
ब्याज और लाभांश प्राप्तियां	777.49	856.89
निवेश गतिविधियों में प्रयुक्त शुद्ध नगदी	**941.78**	**467.48**
ग. वित्त गतिविधियों से नकद प्रवाह		
दीर्घावधि ऋण	-20.71	-133.15
भुगतान किया गया लाभांश (लाभांश पर कर सहित)	-1106.36	-894.57
भुगतान किया गया ब्याज	-34.28	-34.35
वित्तीय क्रियाकलापों में प्रयुक्त निवल नकद	**1161.35**	**1062.07**
घ. नकद तथा नकद समतुल्यों में निवल वृद्धि	**-473.04**	**1933.63**
नकद तथा नकद समतुल्य का अनुशेष	10329.46	8395.85
नकद तथा नकद समतुल्य का इतिशेष	9856.42	10329.46

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./–
(आई.पी.सिंह)
सचिव

हस्ता./–
(सी.एस. वर्मा)
निदेशक (वित्त)

(बी. प्रसाद राव)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सम तिथि की हमारी सलंग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एम.एल पुरी एण्ड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंटस
एफआरएन-002312एन

कृते गांधी मिनोचा एण्ड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंटस
एफआरएन-000458एन

हस्ता./–
(नवीन बंसल)
साझेदार
सदस्यता सं. 091922

हस्ता./–
(भूपिंदर सिंह)
साझेदार
सदस्यता सं. 092867

दिनांक : 26 मई, 2010
स्थान : नई दिल्ली

अनुसूची 1
शेयर पूंजी

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति	31.03.2009 की यथास्थिति
अधिकृत		
10 रुपये प्रत्येक के 200,00,00,000 इक्विटी शेयर (पिछले वर्ष 200,00,00,000)	**2000.00**	2000.00
जारी, अंशदान तथा प्रदत्त	**489.52**	489.52
10 रुपये प्रत्येक के 48,95,20,000 (गत वर्ष 48,95,20,000)		
जिसमे से नकद के अलावा विचारार्थ 7,41,11,200 शेयर (गत वर्ष 7,41,11,200)		
आवंटित और बोनस शेयर के रूप में 24,47,60,000 शेयर		
(गत वर्ष 24,47,60,000 शेयर) आवंटित	**489.52**	489.52

अनुसूची 2
प्रारक्षित निधि तथा अधिशेष

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति		31.03.2009 की यथास्थिति	
प्रारक्षित पूंजी				
प्रारंभिक अथशेष	**2.74**		2.74	
घटाएं मूल्यह्रास/समायोजन	**0.00**	**2.74**	0.00	2.74
विदेशी परियोजना प्रारक्षित निधि				
प्रारंभिक अथशेष	**1.38**		2.55	
घटाएं : मूल्यह्रास/समायोजन	**1.38**	**0.00**	1.17	1.38
समान्य प्रारक्षित निधि				
प्रारंभिक अथशेष	**11863.39**		9861.17	
जोड़े : लाभ तथा हानि लेखा से अंतरित	**3002.52**	**14865.91**	2002.22	11863.39
लाभ तथा हानि लेखा	**537.96**		562.07	
घटाएं : समायोजन	**0.15**	**537.81**	0.54	561.54
		15406.46		12429.06

शामिल करें : **31.28 करोड़ रुपये** (गत वर्ष 27.98 करोड़ रुपये) संयुक्त रूप में नियंत्रित ईकाईयों का शेयर

अनुसूची 3
रक्षित ऋण

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति	31.03.2009 की यथास्थिति
प्राप्त ब्याज तथा ऋण पर देय		
राज्य सरकार से	**0.00**	0.0
वित्तीय संस्थानों से	**1.83**	1.61
पैकिंग ऋण/अन्य	**0.00**	0.0
	1.83	1.61

अनुसूची 4
अरक्षित ऋण

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति	31.03.2009 की यथास्थिति
अल्पावधि बैंक से लिया गया		
ऋण तथा अग्रिम	**4.56**	4.82
अन्यों से	**1.01**	0.00
अन्य ऋण तथा अग्रिम		
– पट्टे पर ली गई परिसम्पत्तियों के लिए ऋण	**122.44**	143.90
(एक वर्ष के भीतर देय 47.56 करोड़ रुपये (गत वर्ष 44.15 करोड़ रुपये)		
प्रोदभूत एवं देय ब्याज		
– राज्य सरकार का ऋण	**2.33**	2.33
– पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के लिए ऋण	**3.26**	3.40
– वित्तीय संस्थान व अन्य	**12.87**	10.50
	146.47	164.95

1.29 करोड़ रुपये (गत वर्ष 0.28 करोड़ रुपये) सयुक्त रूप से नियंत्रित ईकाइयों के शामिल है।

अनुसूची 5

स्थायी परिसंपत्तियां

(रुपये करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लाक				मूल्यह्रास		निवल ब्लाक		
	31.03.2009 को लागत	वर्ष के दौरान वृद्धि/समायोजन	वर्ष के दौरान मूल्यह्रास समायोजन	31.03.2010 को लागत	पट्टा समायोजन लेखा	31.03.2010 तक मूल्यह्रास/परिशोधन	31.03.2010 को	31.03.2009 को	वर्ष के दौरान मूल्यह्रास/परिशोधन
गुडविल	185.87			185.87			185.87	185.87	
फैक्टरी/कार्यालय काम्पलेक्स									
फ्री होल्ड भूमि (विकास व्यय सहित)	4.53			4.53			4.53	4.53	
पट्टाधारित भूमि (विकास व्यय सहित)	6.20		0.05	6.15		0.41	5.74	5.75	0.01
सड़के, पुल और पुलिया निर्माण	8.40	4.67		13.07		3.39	9.68	5.38	0.36
भवन	490.95	398.14	15.82	873.27		309.78	563.49	235.28	64.29
पट्टाधारित भवन	3.31			3.31		1.41	1.90	1.97	0.05
जल निकासी, जल–मल निकासी	14.03	4.65	0.03	18.65		10.55	8.10	3.88	0.43
रेलवे साइडिंग	8.85			8.85		7.92	0.93	1.02	0.10
लोकोमोटिव तथा वैगन	27.62	0.15		27.77		16.99	10.78	11.86	1.23
प्लांट तथा मशीनरी	2892.50	721.06	2.20	3611.36		2430.10	1181.26	664.91	204.52
इलेक्ट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	121.03	2.71	-2.38	126.12		116.65	9.47	12.92	4.88
विद्युत संस्थापना	117.83	27.42	0.30	144.95		79.28	65.67	43.80	5.38
निर्माण उपकरण	379.91	157.27	3.24	533.94		273.58	260.36	165.45	61.74
वाहन	19.60	0.47	0.32	19.75		16.36	3.39	3.11	0.49
फर्नीचर और फिक्चर्स	21.88	5.24	0.17	26.95		10.07	16.88	13.07	1.38
पूंजीगत व्यय	81.24	8.22	0.67	88.79		60.59	28.20	24.50	4.08
रुपये 10000/–तक लागत की नियत परिसम्पत्तियां	63.66	7.87	0.49	71.04		71.04		-0.01	7.95
पूंजी व्यय	0.44			0.44		0.44			
पट्टे में परिसम्पत्तियां	497.15			497.15	-14.22	478.40	4.53	9.68	32.21
पट्टेपर ली गई ईडीपी उपकरण	217.80	17.83	8.22	227.41		122.03	105.38	131.48	43.65
पट्टे पर लिए गये अन्य उपकरण और कार्यालय	1.85	0.08	0.06	1.87		1.05	0.82	1.05	0.36
अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियां									
–आंतरिक तौर पर विकसित									
साफ्टवेयर									
पेटेन्ट्स तथा टेड्रमार्क									
तकनीकी जानकारी									
अन्य	4.98	5.54	0.02	10.50		3.33	7.17	3.32	1.68
- अन्य									
साफ्टवेयर	89.02	17.65	0.08	106.59		83.08	23.51	23.96	18.08
पेटेन्ट्स तथा टेड्रमार्क									
तकनीकी जानकारी	22.86	0.14		23.00		10.76	12.24	14.20	2.10
अन्य	8.80			8.80		8.76	0.04	0.31	0.27
	5290.31	1379.11	29.29	6640.13	-14.22	4115.97	2509.94	1567.29	455.24
टाउनशिप/रेजीडेंशियल									
फ्री होल्ड भूमि (विकास व्यय सहित	2.17			2.17			2.17	2.17	
पट्टाधारित भूमि (विकास व्यय सहित)	1.99			1.99		0.54	1.45	1.57	0.02
सड़के, पुल, पुलिया निर्माण	5.10	0.20		5.30		2.98	2.32	2.30	0.19
भवन	134.20	0.45		134.65		62.68	71.97	73.61	2.20
पट्टाधारित भवन	0.33			0.33		0.24	0.09	0.26	0.01
जल निकासी, जल–मल निकासी, जलापूर्ती	17.01	0.34		17.35		13.55	3.80	3.87	0.41
प्लांट एवं मशीनरी	11.48	4.72	0.06	16.14		9.16	6.98	2.86	0.60
इलेक्ट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग		0.01		0.01			0.01		
विद्युत संस्थापना	17.19	0.09		17.28		14.07	3.21	3.52	0.39
वाहन	1.07	0.03	0.02	1.08		0.99	0.09	0.08	0.02
फर्नीचर और जुड़नार	0.72	0.07	0.03	0.76		0.25	0.51	0.49	0.05
पट्टे पर लिया गया कार्यालय तथा अन्य उपकरण	17.66	0.53	0.06	18.13		11.86	6.27	6.79	1.00
10,000 रुपये तक की स्थायी परिसंपत्तिया	2.14	0.13	0.02	2.25		2.25			0.13
	211.06	**6.57**	**0.19**	**217.44**		**118.57**	**98.87**	**97.52**	**5.02**
फैक्टरी तथा टाउनशिप का योग	**5501.37**	**1385.68**	**29.48**	**6857.57**	**-14.22**	**4234.54**	**2608.81**	**1664.81**	**460.26**
पिछले वर्ष	4533.56	1015.62	47.90	5501.28	-41.22	3795.25	1664.81	998.39	343.07
@The details of R&D capital items included in above for current year 2009-10									
Plant & Machinery & other Equipments	228.29	23.34	0.44	251.19		180.81	70.38		17.18
Land & Building	19.83	0.45		20.28		10.71	9.57		0.49

31.03.2010 की स्थिति के अनुसार सकल ब्लाक में 38.75 करोड़ रुपये (गत वर्ष 30.00 करोड़ रुपये की एवं अप्रयुक्त परिसंपत्तियां शामिल है।
31.03.2010 की स्थिति के अनुसार निवल ब्लॉक में 0.13 करोड़ रुपये (गत वर्ष 0.16 करोड़ रुपये) की बेकार एवं अप्रयुक्त परिसंपत्तियां शामिल हैं।

सकल ब्लॉक में अनुसंधान तथा परिसंपत्तियों के लिए कार्यकारी एजेंसी के रूप में परिसंपत्तियों की खरीद लागत के लिए भारत सरकार से प्राप्त अनुदान शामिल नहीं है।

2009-10	2008-09
30.81	30.81

कंपनी के स्वामित्व से बाहर परिसंपत्तियों के निर्माण, विकास के लिए कंपनी का योगदान अथवा व्यय को सामान्य शीर्ष पूंजी व्यय के अंतर्गत पूंजीकृत किया गया है।
वर्ष के दौरान स्थायी परिसंपत्तियों में कोई हानि नही हुई।

सकल ब्लॉक में संयुक्त नियंत्रित ईकाईयों का **10.92 करोड़ रुपये** (गत वर्ष 10.54 करोड़ रुपये) का शेयर शामिल है।
वर्ष के मूल्रहास में संयुक्त नियंत्रित ईकाईयों का **0.99 करोड़ रुपये** (गत वर्ष 1.07 करोड़ रुपये) का शेयर शामिल है।
निवल ब्लॉक में संयुक्त नियंत्रित ईकाईयों को **2.92 करोड़ रुपये** (3.31 करोड़ रुपये) का शेयर शामिल है।

अनुसूची 6

चालू पूंजीगत कार्य (लागत पर)

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति	31.03.2009 की यथास्थिति
निर्माण कार्य प्रगति पर (सिविल)	**239.45**	359.34
निर्माण स्टोर (ट्रांजिट सहित)	**14.30**	11.88
संयंत्र तथा मशीनें एवं अन्य उपकरण		
- उत्थापन/फैब्रीकेशन/ उत्थापन की प्रतीक्षा के अंतर्गत	**870.96**	507.51
- ट्रांजिट में	**400.96**	276.71
विकास के तहत अप्रत्यक्ष परिसम्पत्तियां	**6.21**	1.53
	1531.88	1156.97

संयुक्त रूप से नियंत्रित परिसंपत्तियों का **2.32 करोड़ रुपये** शेयर (गत वर्ष 0.01 करोड़ रुपये) शामिल है।

अनुसूची 7

निवेश

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति		31.03.2009 की यथास्थिति	
दीर्घावधि				
शेयर :				
अनुद्धत (पूर्ण प्रदत्त)				
व्यापार:				
इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लिमिटेड में 38.95 रुपये प्रत्येक के 360 इक्विटी शेयर	*		*	
इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स (आई) लिमिटेड में 1000 रुपये प्रत्येक के 126 शेयर	**0.01**		0.01	
एपी गैस पावर कारपोरेशन लिमिटेड के 10 रुपये के 728960 इक्विटी शेयर	**0.91**		0.91	
नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड के प्रत्येक के 5000000 इक्विटी शेयर (अनुसूची 19 की टिप्पणी संख्या 8 देखें)	**5.00**	**5.93**	5.00	5.93
गैर–व्यापार:				
बीएचईएल हाउस बिल्डिंग कॉआपरेटिव सोसाइटी लि. हैदराबाद में 100 रुपये प्रत्येक के 3 शेयर	*		*	
बीएचपीवी एम्प्लाइज कम्प्यूमर कोआपरेटिव स्टोर्स लिमिटेड में 10 रुपये प्रत्येक के 250 शेयर	*		*	
केफीपरेड पर्सोलिस प्रेमिसेस कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, मुंबई में 50 रुपये प्रत्येक के 10 शेयर	*		*	
हिल व्यू कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, मुंबई में 50 रुपये प्रत्येक के 20 शेयर	*	**0.01**	*	0.01
अग्रिम में प्रदत्त शेयर राशि				
10 रुपये प्रत्येक के 50 शेयरों के आवंटन के लिए मैसर्ज रीता एंटरप्राईसेस को शेयर राशि का अग्रिम भुगतान		*		*
10 रुपये प्रत्येक के 50 शेयरों के आवंटन के लिए मैसर्ज आशीश एंटरप्राईसेस, मुंबई को शेयर राशि का अग्रिम भुगतान		*		*
		5.94		5.94
* 1 लाख रुपये से कम मूल्य के				
अनुद्धत निवेश का कुल मूल्य		**5.94**		5.94

संयुक्त रूप में नियंत्रित प्रविष्टियों में शून्य रुपये (गत वर्ष शून्य करोड़ रुपये) शामिल है।

अनुसूची 8
चालू परिसंपत्तियां

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति		31.03.2009 की यथास्थिति	
मालसूचियां @				
(प्रबंधन द्वारा यथा प्रमाणित)				
भंडार तथा अतिरिक्त पुर्जे				
- उत्पादन	**144.61**		143.17	
- ईंधन भंडार	**11.99**		7.85	
- विविध	**30.05**	**186.65**	19.52	170.54
कच्चा माल तथा संघटक		**2922.02**		2632.90
मार्गस्थ सामग्री		**968.35**		634.48
फैब्रिकेटर्स / ठेकेदारों के पास सामग्री		**144.11**		168.84
खुले औजार		**25.38**		23.01
रद्दी माल (अनुमानित वसूलीयोग्य मूल्य पर)		**43.84**		39.76
तैयार माल	**600.32**		521.09	
मार्गस्थ अन्तर प्रभाग अन्तरण में	**121.11**		124.59	
शामिल :				
- 4.92 करोड़ रुपये (गतवर्ष 30.95 करोड़ रुपये) मार्गस्थ तैयार माल		**721.43**		645.68
चल रहा कार्य		**4338.30**		3639.05
(उपठेकेदारों के साथ वस्तुओं सहित)		**9350.08**		7954.26
घटाएं–गैर चालित स्टॉक के लिए प्रावधान		**66.30**		62.27
		9283.78		7891.99
@ संयुक्त रूप में नियन्त्रित ईकाईयों के लिए 2.64 करोड रुपये का शेयर (गत वर्ष 0.96 करोड़ रुपये) शामिल है।				
विविध देनदार *				
- 6 महीने से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण		**11344.16**		8119.99
- अन्य ऋण		**11014.96**		9196.41
		22359.12		17316.40
घटाएं : सदिंग्ध ऋणों के लिए प्रावधान		**1463.31**		1166.56
घटाएं : स्वतः कीमत कटौती समायोजन लेखा		**103.20**		78.32
		20792.61		16071.53
* अन्य ऋणों में आस्थगित ऋण के 7749.41 करोड़ (गतवर्ष 5606.08 करोड़ रुपये)				
* प्रेषित माल की बिलिंग के लिए 1051.17 करोड़ रुपये (गतवर्ष 1011.16 करोड़ रूपये)				
विविध देनदारों के ब्यौरे				
असंदिग्ध समझे गये ऋण जहां कम्पनी की कोई सिक्योरिटी नही है				
केवल ऋणी की व्यक्तिगत सिक्योरिटी के अलावा		**20792.61**		16071.53
संदिग्ध समझे गए ऋण और उनके लिए प्रावधान		**1566.51**		1244.88
		22359.12		17316.40

संयुक्त रूप से नियन्त्रित **36.20 करोड़ रुपये** (गतवर्ष 33.47 करोड़ रुपये) शेयर शामिल है।

अनुसूची 8 (जारी)
चालू परिसंपत्तियां

(रुपये करोड़ में)

			31.03.2010 की यथास्थिति	31.03.2009 की यथास्थिति
नकद तथा बैंक शेष				
हस्तगत नकद तथा स्टाम्प			**1.47**	1.15
हस्तगत चेक तथा डिमांड ड्राफ्ट			**230.77**	386.53
कार्यरथ प्रेषण			**35.83**	0.02
अनुसूचित बैंको में शेष				
चालू खाता			**614.73**	1539.15
जमा खाता			**8967.86**	8373.59
गैर अनुसूचित बैंकों का शेष				
चालू खाता	**वर्ष के दौरान अधिकतम शेष (करोड़ रुपये में)**			
	2009-10	**2008-09**		
- स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, लीबिया	**0.23**	0.22	**0.02**	
- बैंक मुस्कट, ओमान	**50.27**	356.19	**-0.03**	14.91
- बार्कले बैंक लि. जाम्बिया	**0.02**	0.01	**0.01**	0.01
- बैंक आफ कॉमर्स, मलेशिया	**0.05**	0.31	**0.05**	0.05
- सीआईएमबी बेरहर्ड	**0.02**	0.32	**0.02**	0.32
- इंडो जामबिया बैंक, लुसाका	**0.16**	1.18	**0.00**	0.16
- कर्मशियल बैंक आफ ईथोपिया	**3.81**	3.38	**3.42**	0.05
- बैंक आफ भुटान, भुटान	**0.01**	0.04	**0.00**	0.01
- जमहैरिया बैंक लिबिया	**3.94**	4.34	**0.53**	0.95
- नेशनल बैंक आफ इजिप्ट	**0.13**	0.13	**0.12**	0.13
- स्टैण्डर्ड चार्टर्ड बैंक, बंग्लादेश	**1.40**	72.69	**0.29**	1.02
- बैंक आफ खार्तुन, सुडान	**10.82**	15.47	**1.33**	11.36
- स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, दुबई	**0.05**	0.22	**0.00**	0.05
			9856.42	10329.46
संयुक्त रूप में नियत्रित ईकाईयों में शेयर के **50.70 करोड़ रुपये** (गतवर्ष 10.39 करोड़ शामिल है)				
अन्य चालू परिसंपत्तियां				
बैंक जमा राशियों और निवेशों से प्रोदभूत ब्याज			**407.27**	350.27
पट्टे पर दी गई परिसम्पत्तियों से प्राप्त किराया			**0.00**	0.00
घटाए: गैर–अर्जित वित्त आय			**0.00**	0.00
			407.27	350.27
संयुक्त रूप में नियंत्रित ईकाईयों के **0.42 करोड़ रुपये** के शेयर (गतवर्ष 0.06 करोड़ रुपये) शामिल है				
चालू परिसंपत्तियों का सारांश				
मालसूची			**9283.78**	7891.99
विविध देनदार			**20792.61**	16071.53
नकद तथा बैंक शेष			**9856.42**	10329.46
अन्य चालू परिसंपत्तियां			**407.27**	350.27
			40340.08	34643.24

संयुक्त रूप में नियत्रित ईकाईयों के **89.98 करोड़ रुपये** के शेयर (गतवर्ष 43.92 करोड़ रुपये) है।

अनुसूची 9
ऋण तथा अग्रिम

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति		31.03.2009 की यथास्थिति	
ऋण				
कर्मचारियों को ऋण	0.07		0.13	
ऋण पर जारी सामग्री	4.56		7.75	
अन्यों को ऋण	16.86		0.07	
सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों को ऋण	0.00		21.10	
ऋण पर प्रोदभूत ब्याज अथवा देय	4.96	26.45	6.83	35.88
अग्रिम				
(नकद अथवा वस्तु के रूप में अथवा प्राप्त किए जाने वाले मूल्यों पर वसूली योग्य नगदी)				
कर्मचारियों को	26.99		29.74	
खरीद के लिए	1155.73		616.82	
अन्यों को	931.67		997.71	
पूंजीगत व्यय के लिए	20.50	2134.89	55.29	1699.56
जमा राशि				
सीमाशुल्क, बंदरगाह, अन्य सरकारी प्राधिकारियों के लिए शेष पोस्ट ऑफिस बुक में 0.03 करोड़ रुपये (गतवर्ष 0.03 करोड़ रुपये) केन्द्रीय उत्पाद अधिकारियों के साथ में शामिल है।	254.79		216.91	
अन्य	76.49	331.28	134.90	351.81
अग्रिम कर/टी डी एस (आयकर के लिए निवल प्रावधान 4259.54 करोड़ रुपये (गतवर्ष 5654.01 करोड़ रुपये)		256.35		324.95
		2748.97		2412.20
घटाएं: संदिग्ध ऋण और शेष के लिए प्रावधान		66.29		70.29
		2682.68		2341.91
ऋण तथा अग्रिम राशि का विवरण:–				
कम्पनी जिनके बारे में पूर्ण आश्वस्त है उचित समझा गया ऋण तथा अग्रिम		5.61		80.27
देनदारों की व्यक्तिगत प्रत्याभूति के अलावा कम्पनी के पास जिनका कोई प्रत्याभूत नही है, उचित समझा गया ऋण और अग्रिम		2677.07		2261.64
संदिग्ध समझे गए ऋण और अग्रिम तथा उपलब्ध कराए गए		66.29		70.29
		2748.97		2412.20
संयुक्त रूप में नियंत्रित ईकाईयों के **24.93 करोड़ रुपये** के शेयर (गतवर्ष 25.96 करोड़ रुपये) शामिल है।				

	अधिकतम शेष वर्ष के दौरान (रुपये करोड़ में) 2009-10	2008-09	31.03.2010	31.03.2009
कम्पनी के निदेशकों से देय	*	*	*	*
कम्पनी के अधिकारियों से देय	0.37	0.40	0.17	0.26

*** 1 लाख रुपये से कम राशि**

अनुसूची 10
चालू देयताएं

(रुपये करोड़ में)

विवरण	31.03.2010 की यथास्थिति		31.03.2009 की यथास्थिति	
स्वीकृतियां		**42.30**		67.14
विविध देनदार				
सूक्ष्म और लघु उद्यमों की बकाया देय राशियां	**222.86**		96.52	
- स्वीकृतियां	**7387.00**	**7609.86**	5801.59	5898.11
ग्राहकों तथा अन्यों से अग्रिम राशि		**19239.16**		16480.96
ठेकेदारी और अन्यों से जमा राशियां		**442.62**		334.09
- अदावाकृत लाभांश*		**1.61**		1.31
अन्य देयताएं		**875.13**		788.31
प्रोदभूत ब्याज लेकिन देय नही		**0.53**		0.48
		28211.21		23570.40

* निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि को अंतरित की जाने वाले तुलन पत्र की तारीख पर कोई राशि देय अथवा बकाया नही है।
संयुक्त रूप में नियंत्रित ईकाईयों के **45.61 करोड़ रुपये** के शेयर गत वर्ष 32.61 करोड़ रुपये) शामिल है।

अनुसूची 11
प्रावधान

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 की यथास्थिति	31.03.2009 की यथास्थिति
लाभांश	**605.68**	395.78
कारपोरेट लाभांश कर	**100.59**	67.26
संविदात्मक दायित्व	**901.36**	888.21
सेवानिवृति लाभ	**2163.55**	1716.54
अन्य	**673.70**	1930.55
कुल	**4444.88**	4998.34

संयुक्त रूप में नियंत्रित ईकाईयों के **5.79 करोड़ रुपये** के शेयर (गतवर्ष 2.09 करोड़ रुपये) शामिल है।

अनुसूची 12
कुल कारोबार (सकल)

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए
प्रतिफल से कम बिक्री	**30514.90**	24807.76
वाहय संस्थापना तथा अन्य सेवाओं से आय तथा कार्य अनुबंध से राजस्व	**3938.90**	3511.15
कुल	**34453.80**	28318.91

संयुक्त रूप में नियंत्रित ईकाईयों के **218.42 करोड़ रुपये** के शेयर (गतवर्ष **213.65 करोड़ रुपये**) शामिल है।

अनुसूची 12 ए

क. अन्य प्रचालन आय

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए	
निर्यात प्रोत्साहन		44.71		56.31
पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों पर किराया आय	6.16		25.52	
जोड़े : पट्टा समकरण आय	27.00	33.16	17.91	43.43
पट्टे पर प्रदत्त परिसम्पतियों पर		0.00		0.00
वित्त आय		189.04		189.59
अधिशेष स्टॉक की बिक्री/अंतरण से प्राप्तियां		0.59		0.18
अन्य		230.65		231.08
कुल (क)		498.15		520.59

ख. अन्य आय

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए
स्थायी परिसंपतियों की बिक्री पर लाभ	0.30	8.37
निवेश पर लाभांश (दीर्घावधिक व्यापार)	15.83	18.45
विनिमय विभिन्नता देय (शुद्ध)	88.35	26.54
अन्य अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं पर भारत सरकार से प्राप्त शून्य करोड़ रुपये (गतवर्ष 0.01 करोड़ रुपये अनुदान सहित)	243.57	158.14
कुल (ख)	348.05	211.49

ग. ब्याज आय**

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए
ग्राहको से	0.00*	0.60
कर्मचारियों से	0.02	0.04
बैंको से	777.50	758.81
अन्य	39.27	6.81
कुल (ग)	816.79	766.26
कुल अन्य आय **कुल (क+ख+ग)**	1662.99	1498.34

संयुक्त रूप मे नियंत्रित ईकाईयों के **3.79 करोड़ रुपये** के शेयर (गत वर्ष 0.31 करोड़ रुपये) शामिल है

* 1 लाख रुपये से कम राशि

** स्त्रोत पर कर कटौती **98.87 करोड़ रुपये** (गत वर्ष 175.59 करोड़ रुपये)

अनुसूची 13
तैयार माल के स्टॉक में वृद्धि/कमी तथा चल रहा कार्य

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए	
क. चल रहा कार्य				
इतिशेष	**4338.11**		3639.05	
अथशेष	**3639.05**	**699.06**	2560.72	1078.33
तैयार माल का स्टॉक :				
इतिशेष	**600.52**		521.09	
अथशेष	**521.09**	**79.43**	476.88	44.21
मार्गस्थ अन्तर – विभाग अंतरण		**-2.69**		41.45
		775.80		1163.99
नोट : तैयार माल में उत्पाद शुल्क का तत्व				
इतिशेष		**53.06**		35.24
अथशेष		**35.24**		53.21

संयुक्त रूप में नियत्रित **(–) 0.34 करोड़ रुपये** (गतवर्ष 0.71 करोड़ रुपये) के शेयर शामिल है

अनुसूची 14
सामग्री की खपत, संस्थापना और इंजीनियरिंग व्यय

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए
कच्चे माल, और संघटकों की खपत	**17454.37**	15304.56
भंडार और पुर्जो की खपत	**461.33**	442.09
संस्थापना व्यय तथा इंजीनियरिंग व्यय – अंशदाताओं को भुगतान	**2947.33**	2093.34
	20863.03	17839.99

संयुक्त रूप में नियत्रित ईकाईयों के **164.87 करोड़ रुपये** (गतवर्ष 168.49 करोड़ रुपये) के शेयर शामिल है

अनुसूची 15
कर्मचारियों का पारिश्रमिक और लाभ

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए
वेतन, मजदूरी, बोनस, भत्ते तथा अन्य लाभ	**4743.04**	2477.82
उपदान निधि में अंशदान	**1020.85**	-7.58
भविष्य निधि तथा अन्य निधियों में अंशदान	**323.91**	163.53
सामूहिक बीमा	**10.23**	8.64
कर्मचारी कल्याण व्यय	**401.80**	377.13
	6499.83	3019.54
निदेशक (अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक सहित) *		
वेतन ओर भत्ते	**1.83**	0.81
भविष्य निधि में अंशदान	**0.19**	0.10
ग्रेच्युटी निधि में अंशदान	**0.04**	0.03
अन्य	**0.62**	0.30

संयुक्त रूप में नियत्रित ईकाईयों के **6.69 करोड़ रुपये** के शेयर (गतवर्ष 4.94 करोड़ रुपये) शामिल है

टिप्पणी : अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा कार्यात्मक निदेशकों को ड्यूटी तथा गैर ड्यूटी यात्राओं हेतु स्टॉफ कार का इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई है। गैर–ड्यूटी यात्रा की सीमा 100 कि.मी. है जिसमे शर्तो के अनुसार निर्धारित गाड़ी की वसूली होती है।

अनुसूची 16
उत्पादन, प्रशासन, बिक्री तथा वितरण पर अन्य व्यय

(रुपये करोड़ में)

		31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए
आवास परामर्श प्रभार				
रायल्टी, तकनीकी प्रलेखीकरण और अन्य परामर्श प्रभार		**42.75**		42.48
किराया (किराया आवास हेतु, 62.03 करोड़ रुपये (गतवर्ष 44.97 करोड़ रुपये) शामिल है)		**73.66**		53.14
उत्पाद शुल्क		**94.96**		68.52
बिजली और ईंधन		**341.29**		344.56
दरें और कर		**49.16**		48.31
सेवा कर		**7.14**		11.51
बीमा		**84.93**		78.03
मरम्मत :				
भवन		**51.43**		71.78
प्लांट तथा मशीनरी		**20.59**		16.93
अन्य		**91.73**		86.49
निर्यात आर्डरों के संबंध में अन्य व्यय		**23.75**		26.55
अशोध्य ऋण तथा बट्टाकृत राशि		**37.13**		2.81
वाह्य ढुलाई प्रभार		**303.33**		247.34
यात्रा और वाहन		**227.93**		192.69
विविध व्यय		**614.52**		553.34
प्रभारित किए गए परिसमापन हर्जाने		**105.77**		2.85
दान		**0.30**		0.13
कारपोरेट सामाजिक व्यय		**4.01**		3.00
		2174.38		1850.46
संयुक्त रूप में नियन्त्रित ईकाईयों के **10.92 करोड़ रुपये** के (गतवर्ष 7.60 करोड़ रुपये) शेयर शामिल है				
नोटः–				
विभागीय रखरखाव में व्यय को मरम्मत में शामिल नही किया गया जो कि निम्न हैः–				
प्लांट तथा मशीनरी	**190.74**		131.75	
भवन	**44.38**		40.06	
अन्य	**29.39**	**264.51**	26.44	198.25
एजेंसी कमीशन निर्यात से संबंधित व्यय शामिल है		**15.02**		15.34
अनुसंधान एवं विकास पर व्यय		**352.51**		296.10
लेखापरीक्षकों को भुगतान (दावा किया गया निवल सेवाकर)				
- शुल्क (विदेश स्थित लेखा परीक्षकों के लिए 0.04 करोड़ रुपये) (गत वर्ष 0.05 करोड़ रुपये) शामिल है		**0.42**		0.40
- व्यय		**0.15**		0.09
- आय कर मामले 0.01 करोड़ रुपये ((गतवर्ष 0.02 करोड़ रुपये) विदेशों में लेखापरीक्षकों को दिए गए)		**0.10**		0.10
- विदेशों में लेखापरीक्षकों द्वारा किया गया प्रमाणन कार्य (शून्य रुपये (गत वर्ष 0.01 करोड़ रुपयें) सहित		**0.18**		0.18
- विदेशों में लेखापरीक्षकों द्वारा किया गया व्यावसायिक सेवाएं (शून्य रुपये (गतवर्ष 0.04 करोड़ रुपये) सहित)		**0.10**		0.07
लागत लेखा परीक्षकों को भुगतान		**0.01**		0.01
मनोरंजन पर व्यय		**7.35**		7.64
विदेश भ्रमण पर व्यय		**14.55**		14.10
प्रचार तथा जन संपर्क पर व्यय				
- वेतन, भत्ते, लाभ	**10.08**		6.31	
- अन्य व्यय	**16.27**	**26.35**	11.83	18.14
निदेशक शुल्क		**0.08**		0.08

अनुसूची 17
प्रावधान

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए	
संदिग्ध ऋण, पारिसमापन हर्जाने तथा ऋण और अग्रिम				
- वर्ष के दौरान सृजित	**687.79**		408.77	
- घटाएं वर्ष के दौरान पुरांकित	**387.88**	**299.91**	362.46	46.31
संविदात्मक दायित्व				
- वर्ष के दौरान सृजित	**365.11**		426.52	
- घटाएं वर्ष के दौरान पुरांकित	**349.01**	**16.10**	241.69	184.83
अन्य				
- वर्ष के दौरान सृजित	**599.85**		1214.91	
- घटाएं वर्ष के दौरान पुरांकित	**1849.65**	**-1249.80**	146.09	1068.82
		-933.79		1299.96

संयुक्त रूप से नियंत्रित ईकाईयों के **0.21 करोड़ रुपये** के शेयर (गत वर्ष (–) 0.21 करोड़ रुपये) शामिल है

अनुसूची 18
ब्याज तथा अन्य उधार लागतें

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए
निम्नलिखित पर ब्याजः		
बांड	**6.85**	1.78
बैंक/वित्तीय संस्थान	**8.86**	8.19
अन्य	**20.98**	25.21
	36.69	35.18
घटाएं : पूंजीकृत लागत	**0.00**	0.00
	36.69	35.18

संयुक्त रूप से नियंत्रित ईकाईयों के **0.28 करोड़ रुपये** के शेयर (गत वर्ष 0.71 करोड़ रुपये) के शेयर शामिल है

अनुसूची 18 ए
पूर्वावधि मदें

(रुपये करोड़ में)

	31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2009 को समाप्त वर्ष के लिए	
आय				
प्रतिफल रहित बिक्री	**7.12**		11.21	
प्रचालन आय (अन्य)	**0.00**		1.37	
अन्य आय (अन्य)	**1.29**		0.00	
ब्याज आय (अन्य)	**0.00**	**8.41**	0.10	12.68
व्यय				
कच्चा माल तथा संघटकों की खपत	**0.34**		-0.47	
मूल्यह्रास	**0.20**		0.07	
उप ठेकदारों को भुगतान	**0.00**		0.04	
ब्याज	**0.08**		0.54	
विविध व्यय	**0.64**	**1.26**	1.26	1.44
पूर्वावधि समायोजन (निवल)		**7.15**		11.24

अनुसूची–19
लेखों पर समेकित टिप्पणियां

1. समेकित वित्तीय विवरण (सीएफएस) भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, इसके 100 प्रतिशत स्वामित्वाधीन सहायक कंपनी (भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड) तथा इसके संयुक्त उपक्रमों से संबंधित हैं। समेकित वित्तीय विवरण निम्नलिखित आधार पर तैयार किए गए हैं:

लेखाकरण का आधार:

i) सहायक कंपनी के वित्तीय विवरण तथा संयुक्त उपक्रमों में इनके ब्याज को कंपनी की समान रिपोर्टिंग तारीख को बनाया जाता है।

ii) समेकित वित्तीय विवरण लेखांकन मानदंड (एएस) 21 – 'समेकित वित्तीय विवरण' तथा लेखांकन मानदंड (एएस 27) – 'संयुक्त उपक्रमों में ब्याज की वित्तीय रिपोर्टिंग' के अनुसार तैयार किए गए हैं।

समेकन के सिद्धांतः

i) कंपनी के वित्तीय विवरण तथा इसकी सहायक कंपनी लाइन दर लाइन आधार पर संयुक्त होती है जिसमें परिसपत्तियों, देयताओं, आय और व्यय जैसी मदों की बुक वैल्यू को जोड़ा जाता है। जोड़ने से पूर्व इन मदों में से इंट्रा ग्रुप बैलेंस तथा इंट्रा ग्रुप लेन–देन और वसूले न गए लाभ अथवा हानियों को लेखांकन मानदंड (एएस21) – 'समेकित वित्तीय विवरणों' के अनुसार पूरी तरह समाप्त किया जाता है।

ii) संयुक्त उपक्रमों के वित्तीय विवरण लाइन दर लाइन विधि के अनुसार यथानुपात होते हैं जिसमें परिसंपत्तियों, देयताओं, आय और व्यय जैसी मदों को समेकन विधि से इसमें जोड़ा जाता है। जोड़ने से पूर्व इन मदों में से वसूले ने गए लाभ–हानि को लेखांकन मानदंड (एएस 27)– 'संयुक्त उपक्रमों में ब्याज की वित्तीय रिपोर्टिंग' के अनुसार यथानुपात रूप से समाप्त किया जाता है।

iii) समेकित वित्तीय विवरण लेन–देन तथा इसी प्रकार की अन्य स्थितियों जैसी समान लेखांकन नीतियों का उपयोग करके तैयार किये जाते हैं। इन्हें महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियों में किए विशेष उल्लेख आदि को छोड़कर कंपनी के अलग वित्तीय विवरणों की तरह प्रस्तुत किया जाता है।

iv) कंपनी में शेयरों के अधिग्रहण के समय निवल परिसंपत्तियों में से सहायक कंपनी के निवेश में लागत का अंतर वित्तीय विवरणों में ख्याति अथवा पूंजीगत प्रारक्षित राशि, जैसा भी मामला हो, से देखा जा सकता है।

2. भारत में स्थापित सभी सहायक कंपनियों तथा संयुक्त उपक्रम कंपनयों के वित्तीय विवरण निम्न प्रकार से होते हैं

कम्पनी का नाम	31.03.2010 की यथास्थिति शेयर–धारिता अनुपात (%)	31.03.2009 की यथास्थिति शेयर–धारिता अनुपात (%)
सहायक कंपनी		
भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड (बीएचपीवी)	100	100
संयुक्त उपक्रम कंपनियां		
बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज लिमिटेड	50 प्रतिशत से कम एक शेयर	50 प्रतिशत से कम एक शेयर
एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट प्रा.लि.	50	50
बराक पावर प्राइवेट लिमिटेड	50	50
उडनगुडी पावर कार्पोरेशन लिमिटेड	50	50
दादा धूनीवाले खांडवा प्रोजेक्ट	50	–
रायचुर पावर कार्पोरेशन लिमिटेड	50	–

क) बीएचपीवी के वित्तीय विवरण 31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए लेखापरीक्षित विवरण के आधार पर समेकित किए गए हैं।

ख) बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेस लिमिटेड, एक संयुक्त कम्पनी, संयुक्त उद्यम कम्पनी में ब्याज की गणना 31.03.2010 की यथास्थिति वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण के आधार पर की जाती है।

ग) एनटीपीसी बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड दिनांक 29 अप्रैल, 2008 को बीएचईएल तथा एनटीपीसी के बीच एक संयुक्त उपक्रम कंपनी के रूप में स्थापित है। संयुक्त उपक्रम में ब्याज की गणना 31.03.2010 को समाप्त वर्ष के वित्तीय विवरणों पर आधारित है।

घ) पावर प्लांट परफार्मेंस इन्प्रूवमेंट लिमिटेड (पीपीआईएल) एक परिसमापनाधीन संयुक्त उपक्रम कंपनी है तथा पीपीआईएल में निवेश के प्रावधान पहले से ही किए जा चुके हैं। तथापि, पीपीईएल में ब्याज की गणना उक्त को देखते हुए समेकित वित्तीय विवरण में नहीं की गई है।

ङ) बराक पावर प्राइवेट लिमिटेड, दिनांक 1 सितंबर, 2008 को बीएचईएल तथा पीटीसी इंडिया लिमिटेड के बीच संयुक्त उपक्रम के रूप मे स्थापित एक कंपनी है। संयुक्त उपक्रम मे ब्याज की गणना 31.03.2010 को समाप्त वर्ष के अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों पर आधारित समेकित वित्तीय निवेश पर की गई है।

च) उडनगुडी पावर कार्पोरेशन लिमिटेड 27 दिसंबर, 2008 को बीएचईएल तथा टीएनईबी के बीच एक संयुक्त उपक्रम के रूप में स्थापित है। संयुक्त उपक्रम में ब्याज की गणना 31.03.2010 को समाप्त वर्ष के अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों पर आधारित समेकित वित्तीय निवेश पर की गई है।

छ) दादा धूनीवाले खाण्डवा पावर लिमिटेड, बीएचईएल तथा एमपीपीजीसीएल की एक संयुक्त कंपनी को 17 फरवरी, 2010 को निगमित किया गया। संयुक्त उपक्रम में ब्याज की गणना 17 फरवरी, 2010 से 31 मार्च, 2010 की अवधि के लिए अलेखापरीक्षित विवरणों पर आधारित समेकित वित्तीय निवेश पर ली गई हैं। प्रारंभिक व्ययों तथा निगमन पूर्व व्ययों की अभी गणना की जानी है।

ज) रायचुर पावर कार्पोरेशन लिमिटेड, बीएचईएल तथा केपीसीएल के एक संयुक्त उपक्रम ने 15 अप्रैल 2009 को अपना कार्य प्रचालन शुरू किया। संयुक्त उद्यम में ब्याज में ब्याज की गणना 15 अप्रैल, 2009 से 31 मार्च, 2010 की अवधि के लिए अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों पर आधारित समेकित वित्तीय निवेश पर की गई है।

3. अनुबंधों की अनुमानित राशि, निवल अग्रिमों तथा शेष राशि पूंजीखात लेखा में निष्पादित की जानी है और अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए 3.98 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 24.78 करोड़ रुपये) सहित 1626.33 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 1783.78 करोड़ रुपये) प्रदान नहीं किए गए हैं।

4. भूमि तथा भवन में निम्नलिखित शामिल हैं।

क) 9029.39 एकड़ भूमि (पिछले वर्ष 9868.255 एकड़ भूमि) 36 फ्लैट (पिछले वर्ष 36 फ्लैट) तथा एक भवन (पिछले वर्ष एक भवन) जिसके लिए औपचारिक अंतरण/पट्टा विलेख निष्पादित नहीं किए गए हैं तथा 71.44 एकड़ भूमि (पिछले वर्ष 71.44 एकड़ भूमि) जिसके लिए लागत का भुगतान अनंतिम है, पंजीकरण तथा प्रावधान की निवल स्टाम्प शुल्क पहले से लगा दिए गए हैं। इन्हें भुगतान के रूप में माना जाएगा।

ख) 28.676 एकड़ भूमि (पिछले वर्ष 28.676 एकड़) रक्षा मंत्रालय, सरकारी विभागों तथा अन्यों को पट्टेपर दी गई है।

ग) 180 एकड़ भूमि (पिछले वर्ष 180 एकड़) रक्षा मंत्रालय द्वारा इस्तेमाल की जा रही है। भूमि की लाइसेंसिंग जारी रखने के लिए सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन की प्रतीक्षा है।

घ) 116.365 एकड़ भूमि (पिछले वर्ष 116.365 एकड़) विपरीत अधिग्रहण स्थिति में है।

5. 10,000 रुपये प्रत्येक तक की स्थायी परिसंपत्तियों पर 100 प्रतिशत मूल्यह्रास के लाभ के प्रभाव के मामले में पिछले वर्षों इस प्रकार के प्रभाव पर विचार नहीं किया गया, निम्नानुसार हैः

(रुपये करोड़ में)

	2009–10	**2008–2009**
10,000 रुपये तक की परिसंपत्तियों पर 100 प्रतिशत मूल्यह्रास लेखांकन वर्ष में गया है।	10.65	15.40
उक्त पर सामान्य मूल्यह्रास	2.96	9.08
वसूली गई अतिरिक्त राशि	7.69	6.32

6. ग्राहकों को बिक्री तथा प्रेषणः

(क) अनंतिम मूल्यों पर आधारित 20.38 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 766.64 करोड़) तथा वर्ष के दौरान रेलवे के साथ कीमत समझौते के अनुसार पूर्ववर्ती वर्ष में किए गए प्रेषण के लिए अतिरिक्त दावा 96.86 करोड़ रुपए (पिछले वर्ष 72.82 करोड़ रुपये) शामिल हैं।

(ख) इसमें प्रोद्भूत आधार पर नवीनतम आंकड़ों में वृद्धि दावों सहित बिक्री अनुबंधों में वृद्धि दावों के 1108.07 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 923.93 करोड़ रुपये) शामिल हैं।

(ग) इसमें ग्राहकों के अनुरोध पर उनके लिए 15.71 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 25.45 करोड़ रुपये) की कीमत के उपकरण का प्रेषण शामिल है जिसके लिए कंपनी द्वारा भुगतान प्राप्त किया गया है, तथा

(घ) अनुबंध की शर्तों के अनुसार डिलीवरी में देरी के लिए मूल्य कटौती के रूप में 23.01 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 15.65 करोड़ रुपये) की राशि शामिल नहीं है।

7. आकस्मिक देयताएं

क) कंपनी के प्रति दावों को ऋण के रूप में नहीं माना गयाः

(i) आयकर से संबंधित 32.46 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 43.83 करोड़ रुपये) की लंबित अपीलों (निवल प्रावधान) के मामले में 2.36 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 10.45 करोड़ रुपये) का भुगतान विरोध के कारण किया गया तथा इसे शीर्ष जमा–अन्य में शामिल किया गया।

(ii) बिक्री कर 343.46 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 342. 46 करोड़ रुपये) था जिसमें से 77.03 करोड़ रुपये (गत वर्ष 81.03 करोड़ रूपये) का भुगतान विरोध/कोर्ट ऑर्डर के तहत कर दिया

गया था और इसे वसूलीयोग्य शीर्ष अग्रिम में शामिल किया गया है।

(iii) उत्पाद शुल्क 196.71 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 274.62 करोड़ रुपये) था जिसमें से 5.01 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 5.71 करोड़ रुपये) का भुगतान विरोध/कोर्ट ऑर्डर के तहत कर दिया गया था और वसूली योग्य शीर्ष अग्रिम में शामिल किया गया है।

(iv) सीमा शुल्क 0.21 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 0.21 करोड़ रुपये) था जिसमें से 0.06 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 0.06 करोड़ रुपये) का भुगतान विरोध के कारण कर दिया गया।

(v) कोर्ट/मध्यस्थता मामलों के 251.63 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 125.86 करोड़ रुपये) है।

(vi) परिसमापन नुकसान 1287.94 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 1363.44 करोड़ रुपये) है।

(vii) ठेकेदारों द्वारा काउंटर दावा 0.61 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 40.99 करोड़ रुपये) है।

(viii) सेवा कर 108.58 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 73.08 करोड़ रुपये) था जिसमें से 0.22 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 0.17 करोड़ रुपये) विरोध के कारण जमा करा दिए गए।

(ix) अन्य 62.91 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 66.41 करोड़ रुपये) है

कंपनी द्वारा दायर विभिन्न कोर्ट मामलों/मुक़दमेंबाजी तथा दावों को ध्यान में रखते हुए इस अवस्था में संसाधनों के बाह्य निर्गम का वित्तीय प्रभाव पता नहीं चल सका।

(ख) वर्ष की समाप्ति पर आईडीबीआई स्कीम के अंतर्गत बकाया बट्टाकृत बिल शून्य करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 0.06 करोड़ रुपये) थे।

8. कंपनी ने पूर्व केएमसीएल तथा नीलांचल इस्तपात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) को सप्लाई किए जा रहे उपकरण का आर्डर प्राप्त करने के लिए पूर्व कोनार्क मेट कोक लिमिटेड (केएमसीएल) भुवनेश्वर में 10 रुपये प्रत्येक (सम मूल्य पर) के इक्विटी शेयरों पर 5 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 5 करोड़ रुपये) की राशि खर्च निवेश की है। माननीय उड़ीसा उच्च न्यायालय द्वारा अनुमोदित विलयन स्कीम के तहत माननीय उड़ीसा उच्च न्यायालय द्वारा पारित आर्डर के अनुसरण में केएमसीएल को कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 394 के साथ पठित अनुच्छेद 391 के तहत एनआईएनएल में विलयित किया गया था। एनआईएनएल को कंपनी के 5 करोड़ रुपये (गत वर्ष 5 करोड़ रुपये) के इक्विटी शेयर आबंटित किए गए थे। एनआईएनएल में इक्विटी भागीदारी प्राप्त आर्डरों के अधिकतम राशि 17.32 करोड़ रुपये (गत वर्ष 17.32 करोड़ रुपये) के 7.5 प्रतिशत तक सीमित है।

9. बैंकों से नकद ऋण सीमा (आईडीबीआई स्कीम के मामले में बिल बट्टाकृत सीमा सहित) कुल 100 करोड़ रुपये (गत वर्ष 100 करोड़ रुपये) है तथा बैंक गारंटी/ऋण सीमा के मामले में कंपनी काउंटर गारंटी/क्षतिपूर्ति दायित्व 40000 करोड़ रुपये (गत वर्ष 30000 करोड़ रुपये) है। इसे कच्चे माल, संघटकों, चल रहे कार्य, तैयार माल, भंडार, बुक ऋण तथा अन्य चालू परिसंपत्तियों, वर्तमान तथा भावी, को गिरवी रखने के माध्यम से बैंकों के संघ द्वारा मंजूर किया गया है। 31.03.2010 को बकाया बैंक गारंटी 31541 करोड़ रुपये (गत वर्ष 26752 करोड़ रुपये) तथा 31.03.2010 को कारपोरेट गारण्टी 1685 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 1528 करोड़ रुपये) है।

10. कंपनी द्वारा सरकार के अनुरोध पर 1990–91 तक प्राप्त किए गए विदेशी मुद्रा ऋण के संबंध में भारत सरकार द्वारा अपेक्षित बैंक गारंटी के रूप में अन्य देयताओं के रूप में 100.51 करोड़ रुपये (गत वर्ष 100.51 करोड़ रुपये) की राशि शामिल है। इससे माफी का मामला सरकार के समक्ष उठाया गया था क्योंकि ऋण प्राप्त करते समय गारंटी (सरकार द्वारा गारंटी) फीस के भुगतान का कोई प्रावधान नहीं था। डीएचआई–ने अपने पत्र दिनांक 17.03.10 द्वारा सूचित किया है कि इस मुद्दे की और जांच की जा रही है।

11. एमोरफस सिलिकन सोलर सैल प्लांट (एएसएससीपी), गुड़गांव को 30 वर्ष की पट्टा अवधि के लिए अपरंपरागत ऊर्जा स्रोत मंत्रालय से दिनांक 1 अप्रैल, 1999 को लिया गया था। सरकार के साथ पट्टा अनुबंध को अभी अंतिम रूप दिया जाना है।

12. विविध देनदारों, लेनदारों, ठेकेदार के अनुबंधों, जमा राशि तथा उप ठेकेदारों/फैब्रिकेटरों के पास पड़े स्टॉक/सामग्री बकाया शेष की पुष्टि, समाधान और परिवर्ती समायोजन यदि कोई हो, किया जाना है। समाधान एक सतत प्रक्रिया के रूप में किया गया है और जहाँ आवश्यक समझा गया है दिशानिर्देशों के अनुरूप आवश्यक प्रावधान किए गए हैं।

13. (क) लेखाकरण मानदंड एएस–7 (संशोधित) की अपेक्षानुसार 01.04.2003 को अथवा इसके बाद किए गए निर्माण अनुबंधों से संबंधित प्रकटन निम्नलिखित हैं–

(रुपये करोड़ में)

	2009–10	2008–09
वर्ष के दौरान मान्य किया गया अनुबंध राजस्व	28203.77	21884.20
31.03.2010 की स्थिति के अनुसार चल रहे अनुबंधों के मामले में		
– खर्च की गई लागत तथा मान्य लाभ (घटाएं मान्य हानियां)	91109.49	62891.68
– अग्रिम प्राप्त राशि	9832.28	8632.15
– प्रतिधारण राशि (आस्थगित ऋण)	6771.59	4220.94
उपयुक्त नेटिंग ऑफ करने के बाद ग्राहकों से देय के संबंध में		
– परिसंपत्ति के रूप में कार्य अनुबंध के लिए ग्राहकों से देय सकल राशि	2424.08	2881.76
– देयता के रूप में अनुबंध कार्य के लिए ग्राहकों को देय सकल राशि	3170.29	2703.43
– आकस्मिकताएं	–	–

(ख) लेखांकन मानदंड (एएस)–7 (आर) के अनुसार निर्माण अनुबंधों के मामलों में कुल लागतों तथा कुल राजस्व के अनुमान 1 अप्रैल, 2003 को अथवा इसके बाद लगाए गए हैं। वर्ष के दौरान प्रबंधन द्वारा आवधिक रूप से निर्माण अनुबंधों को पुनरीक्षित एवं अद्यतन किया गया हैं।

14. कम्पनी ने वर्ष के दौरान संदिग्ध ऋण के लिए लेखा प्रणाली प्रावधान में परिवर्तन किया है। पूर्व में मामला–दर–मामला आधार पर प्रावधान करने की प्रथा के विपरीत, कम्पनी ने इसे संशोधित किया है कि जहां कहीं परीक्षण कार्य करवाया गया है, और देनदारों के पास परीक्षण कार्य की तारीख से तीन वर्षों से अधिक के लिए बनाया है वहाँ प्रावधान (संविदागत दायित्वों सहित) उस तारीख को यथा प्रचलित देनदारों के लिए समतुल्य होगा। इसके अनुरूप कुल बकाया के संबंध में कोई गिरावट है, उसके लिए प्रावधान किया गया है और आधिक्य यदि कोई है, वापस ले ली गई है। लेखा प्रणाली में परिवर्तन की वजह से वर्ष 2009–10 के लिए कर–पूर्व लाभ में 124.61 करोड़ रुपये की कमी आयी है।

15. इसके अतिरिक्त, ग्राहक से बकाया भुगतान निर्गत किये जाने पर दी गई बैंक गारण्टी, लेकिन परीक्षण कार्य की तारीख से 3 वर्ष के पश्चात अनिष्पादित मामलों की मामला–दर–मामला आधार पर प्रावधान करने हेतु समीक्षा की गई है।

16. वेतन संशोधन के भाग के रूप में वेतन और भत्तों के लिए ''कैफेटेरिया एप्रोच'' शुरू करने से सभी कर्मचारियों द्वारा एलटीसी/एलटीए दावा की पूर्व प्रणाली समाप्त कर दी गई है और अब एलटीसी उस कैफेटेरिया के अंतर्गत वेतन और भत्ते का एक भाग है और कर्मचारी को कैफेटेरिया एप्रोच के अंतर्गत सूचीबद्ध किसी वेतन एवं भत्ते के चयन का विकल्प है बशर्ते कि यह मूल वेतन का अधिकतम 46% हो। इसलिए ब्लॉक वर्ष 2010–11 के लिए (पूर्व प्रचलित प्रणाली के अनुसार) एलटीसी हेतु अलग से कोई प्रावधान नहीं किया गया है। वर्ष 2009–10 के लिए कर–पूर्व लाभ पर इस परिवर्तन का प्रभाव इसका बढ़कर 16.71 करोड़ रुपये होता रहा।

17. कंपनी के खातों में अवकाश नकदीकरण व्यय को महीने में 26 दिन के आधार पर माना गया है। कंपनी का लोक उद्यम विभाग के दिनांक 20.09.2005 के कार्यालय ज्ञापन के अनुसरण में महीने में 30 दिन के आधार की प्रस्ताव है। तथापि, श्रमिकों की कुछ यूनियनों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के अनुच्छेद 9(क) के अंतर्गत अवकाश नकदी करण के लिए महीने में 26 दिन के आधार की बजाए 30 दिन का आधार मानने का विरोध किया है। औद्योगिक विवाद अधिनियम के अनुच्छेद 33 (3) के अनुसार कोई भी नियोक्ता इस मामले के समाधान अधिकारी के पास लंबित होने के कारण सेवा शर्तों में परिवर्तन नहीं कर सकता। समाधान अधिकारी द्वारा विवाद का निपटान किए जाने तक यथास्थिति जारी रखी जाएगी। तथापि बीएचईएल में परिवर्तन बड़ी संख्या में भर्ती के लिए दृष्टिगत प्रस्तावित परिवर्तन उन कर्मचारियों के लिए प्रभावी बनाया गया है जिन्होंने बीएइचईएल में 01 जनवरी, 2010 को अथवा उसके पश्चात कार्यग्रहण किया है।

18. वर्ष के दौरान अनुसंधान एवं विकास व्यय का विवरण (भवन एवं भूमि की लागत के अलावा) को आयकर अधिनियम, 1961 के खण्ड 35 (2एबी) के अंतर्गत कम किया गया है। डीएसआईआर के साथ इस प्रकार की छूट का लाभ उठाने के लिए पंजीकरण प्रक्रिया मार्च, 2010 में पूरी हो गई है तथा डीएसआइआर से स्वीकृत पत्र मिलने की प्रतीक्षा है। यद्यपि, वर्ष के दौरान व्यय किये गये आर एण्ड डी व्यय के मामले में 150% की एकमुक्त छूट का वर्ष 2009–2010 के दौरान कर का प्रावधान आस्थगित कर के अंतर्गत विचार किया गया है।

(करोड़ रुपये में)

क. आर एण्ड डी पर पूंजीकृत व्यय	2009-10	2008-09
भूमि	0.00	0.00
भवन	0.45	1.10
प्लांट तथा मशीनरी तथा अन्य उपकरण	23.34	6.50
कुल पूंजी लागत	23.79	7.60
ख. आर एण्ड डी राजस्व व्यय		
वेतन तथा भत्ते	127.79	105.79
सामग्री, कंज्यूमेबल्स/स्पेयर्स	50.93	32.79
विनिर्माण तथा अन्य व्यय	43.68	53.89
कुल राजस्व व्यय (आय का शुद्ध)	222.40	192.47

19. व्युत्पन्न लिखतों से संबंधित ब्यौरेः

क) व्युत्पन्न लिखतों, जिन्हें रक्षित किया गया है और दिनांक 31.3.2010 के बकाया शून्य है (पिछले वर्ष 0.23 करोड़ अमरीकी डॉलर) है।

ख) विदेशी मुद्रा, जिन्हें व्यूत्पन्न लिखतों तथा अन्यथा रक्षित नहीं किया जाता, निम्नानुसार हैं:–

(रुपये करोड़ में)

	2009-10		2008-09	
	विदेशी मुद्रा में	भारतीय मुद्रा में	विदेशी मुद्रा में	भारतीय मुद्रा में
क) परिसंपत्तियां/प्राप्तव्य (अर्थात देनदार)				
अमरीकी डॉलर में	21.60	964.96	24.69	1250.08
यूरो में	21.95	1317.78	10.60	705.63
एलवाईडी में	0.91	31.97	0.27	10.48
आरओ में	0.19	22.26	0.22	29.07
अन्य में		14.92		21.25
ख) देयताएं (अर्थात ग्राहकों/लेनदारों में अग्रिम)				
अमरीकी डॉलर में	29.09	1326.22	17.80	917.89
यूरो में	34.63	2126.34	23.88	1637.21
एलवाईडी में	2.13	47.97	0.92	37.25
अन्य में		100.76		70.25

20. एएस–15 (आर) से संबंधित प्रकटन – कर्मचारी लाभ

क) दिनांक 1 अप्रैल, 2006 से कंपनी ने कर्मचारी लाभों पर पुनरीक्षित लेखाकरण मानक 15 (आर) अपनाया है। एएस–15 (आर) के अधीन यथा अपेक्षित निम्नलिखित प्रकटन स्थिति दर्शाता है।

ख) उपदान योजना

उपदान की देयता भावी भुगतान के कारण उत्पन्न होती है, जिसे सेवानिवृत्ति, सेवा के दौरान मृत्यु अथवा सेवा से हटने की दशा में किया जाना अपेक्षित होता है। इस देयता का आकलन पूर्वानुमानित इकाई क्रेडिट बीमांकिक विधि के प्रयोग द्वारा किया गया है।

दिनांक 31.03.2010 को समाप्त वर्ष की यथास्थिति परिभाषित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य के अथशेष और इतिशेष का समाधान निम्नलिखित हैः

(रुपये करोड़ में)

1. दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन	2009-10	2008-09
क) प्रारंभ में दायित्व का वर्तमान मूल्य	1008.43	997.03
ख) अधिग्रहण समायोजन	-	-
ग) ब्याज लागत	75.60	69.99
घ) पूर्व सेवा लागत	756.79	-
ङ) चालू सेवा लागत	70.70	41.64
च) कटौती लागत/(जमा)	-	-
छ) निपटान लागत/(जमा)	-	-
ज) अदा किए गए लाभ	(413.01)	(92.91)
झ) बीमांकिक (लाभ)/हानि	195.29	(32.80)
ण) अवधि की समाप्ति पर दायित्व का वर्तमान मूल्य	1693.79	982.95

2.	योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन		
	क) प्रारंभ में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	981.27	978.42
	ख) अधिग्रहण समायोजन	-	-
	ग) योजना परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	83.45	83.16
	घ) अंशदान	-	0.01
	ङ) अदा किए गए लाभ	(408.99)	(90.79)
	च) योजना परिसंपत्तियों पर बीमांकिक लाभ/(हानि)	(4.08)	2.97
	छ) वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	653.03	973.77
3.	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य		
	क) प्रारंभ में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	981.27	978.25
	ख) अधिग्रहण समायोजन	-	-
	ग) योजना परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	78.07	86.12
	घ) अंशदान	-	-
	ङ) अदा किए गए लाभ	(408.99)	(90.75)
	च) वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	653.03	970.62
	छ) वित्तपोषण की स्थिति	(1040.76)	7.58
	ज) योजना परिसंपत्तियों के अनुमानित प्रतिफल पर वास्तविक राशि से अधिक राशि	(5.38)	2.97
4.	माना गया बीमांकिक लाभ/हानि		
	क) अवधि के लिए बीमांकिक लाभ/(हानि)–दायित्व	(209.14)	32.80
	ख) अवधि के लिए बीमांकिक लाभ/(हानि)–योजना परिसंपत्तियां	4.04	(2.97)
	ग) अवधि के लिए कुल (लाभ)/हानि	213.18	(35.77)
	घ) अवधि में माना गया बीमांकिक (लाभ)/हानि	213.18	(35.77)
	ङ) अवधि के अंत में नहीं माना गया बीमांकिक (लाभ)/हानि	-	-
5.	तुलन पत्र में मानी गई राशि तथा लाभ और हानि का विवरण		
	क) अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	1693.79	982.95
	ख) अवधि के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	653.03	973.78
	ग) वित्तपोषण की स्थिति	(1040.76)	7.58
	घ) अनुमानित की तुलना में अधिक वास्तविक राशि	(5.38)	2.97
	ङ) नहीं माना गया बीमांकिक (लाभ)/हानि	-	-
	च) तुलन पत्र में मानी गई निवल परिसंपत्ति/(देयता)	(1040.76)	6.11
6.	लाभ और हानि लेखे के विवरण में माना गया व्यय		
	क) चालू सेवा लागत	70.70	41.64
	ख) पूर्व सेवा लागत	758.12	-
	ग) ब्याज लागत	74.27	69.99
	घ) योजना परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	(83.45)	(83.16)
	ङ) कटौती लागत/(जमा)	-	-
	च) निपटान लागत/(जमा)	-	-
	छ) अवधि में माना गया निवल बीमांकिक (लाभ)/हानि	213.19	(35.78)
	ज) लाभ और हानि के विवरण में माना गया व्यय	1020.85	(7.58)

पूर्वानुमान–बट्टा दर – 7.00 प्रतिशत (पिछले वर्ष 7.00 प्रतिशत), भावी वेतन वृद्धि 4.50 प्रतिशत (पिछले वर्ष 5.00 प्रतिशत), योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल की प्रत्याशित दर – 8.50 प्रतिशत (पिछले वर्ष 8.50 प्रतिशत)

ग) सेवानिवृत्ति पश्चात् चिकित्सा लाभ योजना

(रुपये करोड़ में)

	2009-10	2008-09
1. दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन		
क) प्रारंभ में दायित्व का वर्तमान मूल्य	758.80	666.08
ख) अधिग्रहण समायोजन	-	-
ग) ब्याज लागत	56.91	46.63
घ) पूर्व सेवा लागत	-	-
ङ) वर्तमान सेवा लागत	16.04	14.59
च) कटौती लागत/(जमा)	-	-
छ) निपटान लागत/(जमा)	-	-
ज) अदा किया गया लाभ	(29.91)	(26.39)
झ) बीमांकिक (लाभ)/हानि	58.59	57.89
ण) वर्ष के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	860.43	758.80
2. योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन	-	-
3. योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	
वित्तपोषण की स्थिति	(860.43)	(758.80)
4. माना गया बीमांकिक लाभ/हानि		
क) अवधि के लिए बीमांकिक लाभ/(हानि) – दायित्व	(58.59)	(57.89)
ख) अवधि के लिए बीमांकिक (लाभ/(हानि) – योजना परिसंपत्तियां	-	-
ग) वर्ष के लिए कुल (लाभ)/हानि	58.59	57.89
घ) अवधि के लिए माना गया बीमांकिक (लाभ)/हानि	58.59	57.89
ङ) अवधि के अंत में नहीं माना गया बीमांकिक (लाभ)/हानि	-	-
5. तुलन पत्र और लाभ एवं हानि विवरण में मानी गई राशि		
क) वर्ष के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	860.43	758.80
ख) वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
ग) वित्तपोषण की स्थिति	(860.43)	(758.80)
घ) तुलन पत्र में मानी गई निवल परिसंपत्तियां/(देयता)	(860.43)	(758.80)
6. लाभ और हानि विवरण में माना गया व्यय		
क) वर्तमान सेवा लागत	16.04	14.59
ख) ब्याज लागत	56.91	46.63
ग) वर्ष में माना गया निवल बीमांकिक (लाभ)/हानि	58.59	57.89
घ) लाभ और हानि विवरण में माना गया व्यय	131.54	119.11

घ) भविष्य निधि

आईसीएआई द्वारा जारी एएस–15 (आर) पर दिशानिर्देश टिप्पणी के अनुरूप कंपनी ने कंपनी के भविष्य निधि न्यास के संबंध में भविष्य निधि का बीमांकिक मूल्यांकन प्राप्त किया है। कंपनी के बीमांकिक द्वारा किए गए बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार भविष्य निधि न्यास को कंपनी द्वारा प्रतिपूर्ति की जाने वाली भावी अवधि के लिए संभावित ब्याज दर में 6.94 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष (–) 4.14 करोड़ रुपये) की कमी के संबंध में वर्ष 2009–10 में 6.49 करोड़ रुपये की देयता की लेखे में व्यवस्था की गई है। इससे भविष्य में संचयी ब्याज में कमी 16.13 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 9.64 करोड़ रुपये) कम्पनी द्वारा भविष्य निधि न्यास में की जाने वाली प्रतिशत लेखा बहियों में रखी गई हैं।

21. संबद्ध पार्टियों के साथ लेन–देन

i) संबद्ध पार्टियां, जहां नियंत्रण मौजूद है (संयुक्त उद्यम)
पावर प्लांट परफॉर्मेंस इन्प्रवमेंट लिमिटेड
बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेट
एनटीपीसी–बीएचईएल पॉवर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
उडनगुडी पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड
बराक पॉवर प्राइवेट लिमिटेड
रायचुर पावर कारपोरेशन लिमिटेड
दादा धुनीवाले खाण्डवा पावर लिमिटेड

ii) अन्य संबद्ध पार्टियां (मुख्य प्रबन्धन कार्मिक – कार्यकारी निदेशकः मौजूदा और सेवानिवृत्त)
सर्वश्री बी.पी. राव, सी.एस. वर्मा, अनिल सचदेव, अतुल सराया, ओ.पी. भूटानी तथा के. रविकुमार, सी.पी. सिंह, अनिल गुप्ता, आर.एम. वर्मा, ए.के. गोस्वामी, बी. साईनाथ, आनन्द के. बंसल, आर. नागराजा, एस.एम. जामदार, पी.एन. वेंकटेश, एस.एस. गुप्ता, सी.पी. सिंह, सी. राजगोपाल, के. बालासुब्रमणियन, ए.एस. नागराजा, पी.वी. श्रीधरन, ओमप्रकाश, आर.वी. अग्रवाल, आर.एस. रस्तोगी और मोहम्मद सुलेमान

iii) लेन–देन का ब्यौरा (करोड़ रुपये में)

विवरण	संयुक्त उपक्रम		प्रमुख प्रबंधन कार्मिक (केएमपी)		केएमपी कार्मिक के रिश्तेदार	
	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09
वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद	2.51	61.07				
वस्तुओं तथा सेवाओं की बिक्री	63.01	67.86				
सेवाएं प्रदान करना	5.59	4.85				
सेवाएं प्राप्त करना						
लाभांश आय	15.83	18.45				
रॉयल्टी आय	0.84	1.46				
वर्ष के अंत में बीएचईएल को देय राशियां	18.30	26.59			0.01	0.01
वर्ष के अंत में बीएचईएल राशियों द्वारा देय	1.06	0.70				
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	0.02	0.02				
पुरांकित राशि	-	-				
की ओर से दी गई गारंटियां	-	-				
वेतन का भुगतान			1.91	0.78	0.14	0.10

22. पट्टा

क. 1 अप्रैल, 2001 को अथवा उसके बाद वित्त पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के ब्यौरे निम्नलिखित हैं:

(रुपये करोंड़ में)

		31.3.10 को यथास्थिति	31.3.09 को यथास्थिति
क.	न्यूनतम पट्टा भुगतानों का बकाया शेष		
	– एक वर्ष तक	55.84	57.03
	– एक वर्ष से अधिक किंतु पांच वर्ष तक	89.48	117.46
	– पांच वर्ष से अधिक	-	-
	तुलन पत्र तिथि को कुल न्यूनतम पट्टा भुगतान	145.32	174.49
ख.	उक्त (क) का वर्तमान मूल्य		
	– एक वर्ष तक	47.56	44.15
	– एक वर्ष से अधिक किंतु पांच वर्ष तक	74.88	99.75
	– पांच वर्ष से अधिक	-	-
	तुलन पत्र तिथि को कुल न्यूनतम पट्टा भुगतान	122.44	143.90
ग.	वित्त प्रभार	22.88	30.59
	अवशिष्ट मूल्य, अगर कोई है, तो उसका वर्तमान मूल्य	0.01	0.01

ख. कंपनी में कर्मचारियों के लिए मकानों, कार्यालय भवनों और ईडीपी उपस्करों को रद्द करने योग्य तथा रद्द न करने योग्य प्रचालन पट्टे पर लेने की परंपरा है।

ग. रद्द न करने योग्य प्रचालन पट्टे के अंतर्गत भावी न्यूनतम पट्टा भुगतान निम्नानुसार हैं:

(रुपये करोड़ में)

	31.3.10 को यथास्थिति	31.3.09 को यथास्थिति
– एक वर्ष तक	4.39	4.36
– एक वर्ष से अधिक किंतु पांच वर्ष तक	9.26	7.34
– पांच वर्ष से अधिक	0.91	0.03

घ. 1.4.2001 से पहले पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के किराये के विवरण नीचे दिए गए हैं:

(रुपये करोड़ में)

परिसंपत्तियां	परिसंपत्तियों की लागत		पट्टे की शेष अवधि हेतु देय किराया	
	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09
कम्प्यूटर तथा बाह्य सामग्री	0.83	0.83	0.01	0.01
भूमि और भवन	0.07	0.06	0.02	0.03
कुल	0.90	0.89	0.03	0.04

23. प्रति शेयर अर्जन

			2009-10	2008-09
वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	(क)	संख्या करोड़ में	48.952	48.952
इक्विटी शेयरों का मामूली मूल्य		(रुपये)	10.00	10.00
वर्ष के लिए निवल लाभ	(ख)	संख्या करोड़ में	4326.92	3115.17
प्रतिशेयर मूल एवं विलयित अर्जन (ख)/(क)	(ख)/(क)	(रुपये)	88.39	63.64

24. समय अंतराल के कारण निवल आस्थगित कर परिसंपत्तियों के विवरण निम्नानुसार हैं–

(रुपये करोड़ में)

	31.03.10 को यथास्थिति	31.03.09 को यथास्थिति
आस्थगित कर परिसंपत्तियां		
प्रावधान	993.50	1337.02
स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजनाओं का आस्थगित राजस्व व्यय	0.00	0.01
सांविधिक व्यय	502.48	470.07
धारा 145क के अनुसार समायोजन	47.20	85.37
(धारा 35 (2क ख) के अंतर्गत अनुसंधान और विकास)	42.24	-
अन्य	17.13	6.41
	1602.55	**1898.88**
आस्थगित कर देयताएं		
मूल्यह्रास	73.93	57.88
निवल आस्थगित कर परिसंपत्तियां	**1528.62**	**1841.00**

25. कर्मचारियों के साथ वेतन संशोधन समझौते को वर्ष के दौरान अंतिम रूप दिया गया है। 01.01.2007 से 31.03.2009 तक 2087.50 करोड़ रुपये (31.03.2009 तक 798.59 करोड़ रुपये तदर्थ तथा 50 प्रतिशत महंगाई भत्ता आमेलन की निवल गणना) पी एण्ड एल खाता में प्रभारित किए गए हैं और 31.03.09 तक उपलब्ध 1749.34 करोड़ रुपये पीएण्डएल खातों में वापस किया गया है तथा वर्ष के दौरान रिक्त हुए प्रावधानों के अंतर्गत दर्शाया गया है।

वेतन समझौता में अधिवार्षिता लाभों के भाग के रूप में यथा परिकल्पित पेंशन योजना हेतु प्राक्कलन अंतिम रूप दिए जाने के लम्बन और योजना के अनुमोदन आधार पर 31.03.2010 की यथास्थिति (01.01.2007 से 31.03.2010 तक देय) 453.10 करोड़ रुपये रखे हुए हैं।

26. एक लाख रुपये से कम व्यय और आय की मद को पूर्वावधि मदों के अंतर्गत बुकिंग हेतु विचार नहीं किया गया है।

27. कतिपय मदों के लिए, कम्पनी और इसके संयुक्त उपक्रमों ने महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियों में यथाप्रदर्शित भिन्न–भिन्न लेखाकरण नीतियों का अनुसरण किया है। तथापि, प्रभाव वास्तविक नहीं है। संयुक्त रूप से निगमित ईकाईयों के शेयर एक टिप्पणी द्वारा वार्षिक लेखा की प्रत्येक अनुसूची में दर्शाए गए हैं।

28. खंड सूचना– समेकित

(रुपये करोड़ में)

	31.3.2010 को समाप्त वर्ष के लिए			31.3.2009 को समाप्त वर्ष के लिए		
क. प्रारंभिक खंड – व्यवसाय खंड						
	पावर	उद्योग	कुल	पावर	उद्योग	कुल
I. खंड राजस्व						
क. खंड राजस्व	27079.12	7960.58	**35039.70**	21558.03	7321.59	28879.62
ख. अंतर–खंड राजस्व	0.00	541.19	**541.19**	0.00	504.40	504.40
ग. प्रचालन राजस्व–बाह्य (क) – (ख)	27079.12	7419.39	**34498.51**	21558.03	7825.99	28375.22
II. खंड परिणाम						
क. खंड परिणाम	6355.06	1632.27	**7987.33**	3896.77	1175.45	5072.22
ख. अनाबंटित व्यय (निवल आय)			**1329.75**			199.09
ग. ब्याज पूर्व लाभ, डीआरई तथा आयकर (क)–(ख)			**6657.58**			4873.13
घ. ब्याज			**36.69**			35.18
ङ. आयकर पूर्व निवल लाभ (ग)–(घ)			**6620.89**			4837.95
च. आयकर			**2293.97**			1722.78
छ. आयकर उपरांत निवल लाभ			**4326.92**			3115.17
III परिसंपत्तियां तथा देयताएं						
क. खंड परिसंपत्तियां	27763.81	8450.11	**36213.92**	21432.51	6913.01	28345.52
ख. अनाबंटित परिसंपत्तियां			**12486.43**			13308.35
ग. कुल परिसंपत्तियां			**48700.35**			41653.87
घ. खंड देयताएं	25226.85	6253.88	**31480.73**	21975.72	5570.10	27545.82
ङ. अनाबंटित देयताएं			**1323.66**			1185.31
च. कुल देयताएं			**32804.39**			28731.13
IV अन्य सूचना						
क. अवधि के दौरान परिसंपत्तियों (सीडब्ल्यूआईपी सहित) के अधिग्रहण के दौरान किया गया खर्च	1394.83	270.95			1049.45	145.12
ख. मूल्यह्रास	302.06	83.27			196.04	65.62
ग. नकद रहित व्यय (मूल्यह्रास के अलावा)	-452.84	-269.07			701.53	356.07
ख. अनुपूरक खंड – भौगोलिक खंड						
	भारत में	भारत से बाहर	कुल	भारत में	भारत से बाहर	कुल
1. प्रचालनों से निवल बिक्री/आय	32793.25	1705.26	**34498.51**	26550.83	1824.39	28375.22
2. कुल परिसंपत्तियां	48644.37	55.99	**48700.35**	41464.42	189.45	41653.87
3. स्थायी परिसंपत्तियां प्राप्त करने के लिए अवधि के दौरान किया गया खर्च	1696.20	0.22	**1696.42**	1308.26	0.06	1308.32

टिप्पणियां–

1. कंपनी के उत्पाद एवं सेवाओं के क्षेत्र, जिससे वे बाजार में प्रमुखता से पहचाने जाते हैं, उनके आधार पर 'पावर' एवं 'उद्योग' खंडों के अंतर्गत समूह बना दिए हैं।
2. पावर सेक्टर में विभिन्न विद्युत उत्पादन सेटों एवं उनके सहायक उपकरणों से संबद्ध उत्पाद और सेवाएं शामिल हैं।
3. उद्योग क्षेत्र में परिवहन और ट्रांसमिशन, विद्युत मशीनें, औद्योगिक सेट एवं डीजी सेट, दूरसंचार तथा अन्य औद्योगिक उत्पाद एवं प्रणालियों से संबंधित उत्पाद और सेवाएं शामिल हैं।
4. अंतर खंड अंतरण आपसी सहमति के मूल्य पर किए गए हैं।
5. बीजीजीटीएस (संयुक्त उपक्रम) गैस टर्बाइनों, इंजीनियरिंग सेवाओं, रिपेयर सेवाओं के लिए पुर्जों तथा संघटकों की बिक्री से संबंधित व्यवसाय में कार्यरत है। मरम्मत आदि को 'विद्युत खंड' में माना गया है।
6. बीएचपीवी (सहायक कंपनी) इंडस्ट्रियल बॉयलर, उर्वरक, केमिकल्स तथा अन्य उपकरण के निर्माण एवं संस्थापना कार्य में लगी हुई है। इसके व्यवसाय को 'उद्योग खंड' में माना गया है।

शेयरधारकों के लिए अतिरिक्त सूचना

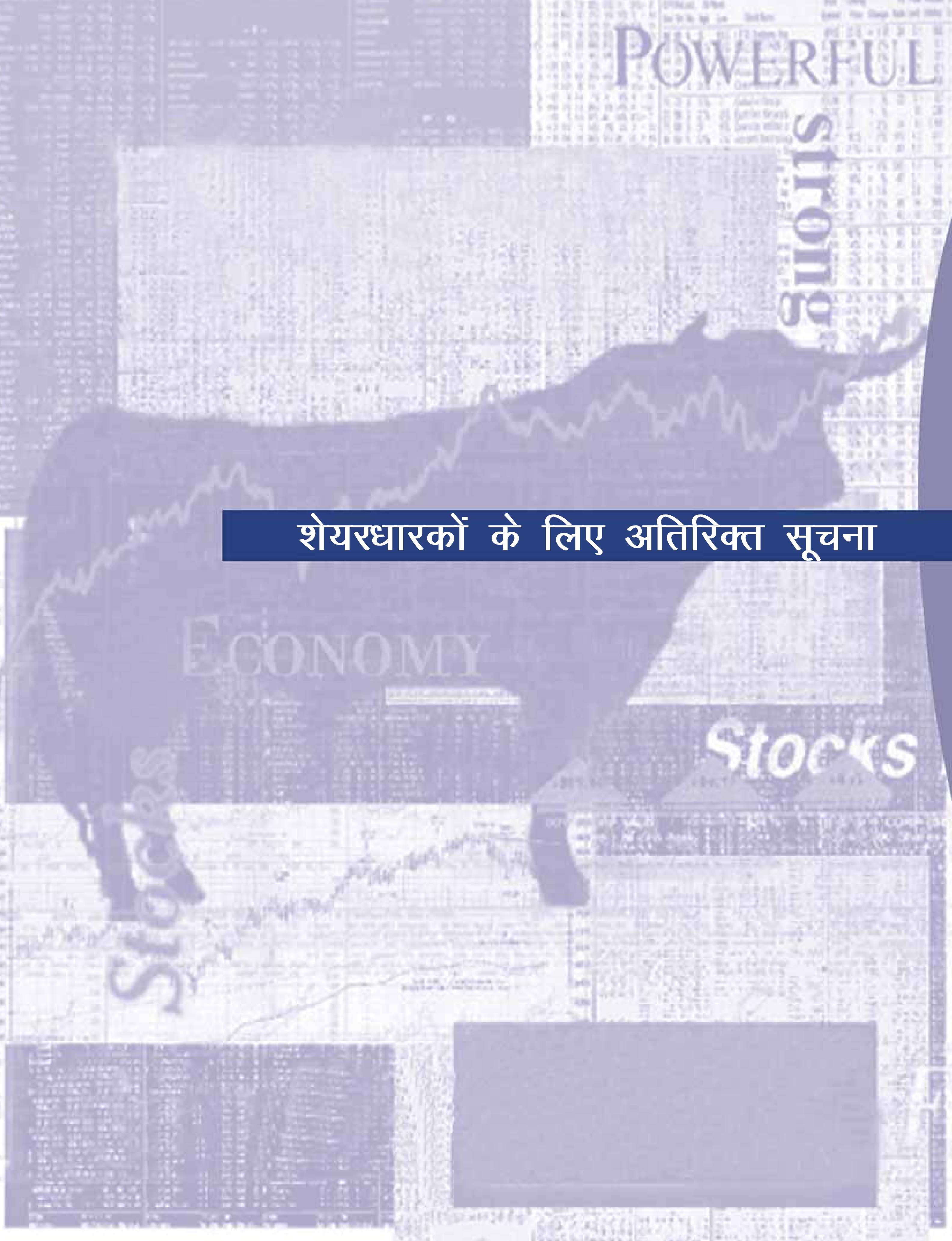

दस वर्षों का सार

(रुपये करोड़ में)

	2009-10	2008-09	2007-08	2006-07	2005-06	2004-05	2003-04	2002-03	2001-02	2000-01
I अर्जन										
कारोबार (सकल)	34154	28033	21401	18739	14525	10336	8662	7482	7287	6348
अन्य आय	1648	1497	1445	824	547	656	513	838	770	1295
स्टॉक में परिवर्तन	787	1152	827	181	386	540	-31	-45	-37	251
कुल अर्जन	36589	30682	23673	19744	15458	11532	9144	8275	8020	7894
सामग्री, संस्थापना तथा इंजीनियरिंग व्यय	20672	17620	11821	10018	8147	5871	4229	3607	3724	3486
व्यक्तिगत भुगतान	6449	2984	2608	2369	1879	1650	1640	1505	1445	2170
अन्य विनिर्माण, प्रशासनिक तथा बिक्री व्यय	2385	4864	4482	3305	2564	2128	2003	2121	1921	1741
ब्याज तथा मूल्यह्रास पूर्व व्यय	29506	25468	18911	15692	12589	9650	7872	7233	7090	7397
मूल्यह्रास, ब्याज तथा कर पूर्व लाभ	7083	5214	4762	4052	2869	1882	1272	1042	930	497
मूल्यह्रास	458	334	297	273	246	219	198	185	169	158
सकल लाभ	6625	4880	4465	3779	2623	1663	1074	857	761	339
ब्याज	34	31	35	43	59	81	60	55	97	44
कर पूर्व लाभ	6591	4849	4430	3736	2564	1582	1014	802	664	295
कराधान का प्रावधान	2280	1711	1571	1321	885	628	357	358	195	-19
कर उपरांत लाभ	4311	3138	2859	2415	1679	953	657	444	469	314
लाभांश	1141	832	746	600	355	196	147	98	98	73
कारपॅरेट लाभांश कर	191	142	127	93	50	27	19	13	0	7
प्रतिधारित लाभ	2979	2164	1986	1722	1275	731	491	333	371	234
II कंपनी की संपत्तियां										
सकल लाभ	6580	5225	4443	4135	3822	3629	3460	3349	3182	3004
घटाएंः संचयी मूल्यह्रास तथा पट्टा समायोजन	4165	3754	3462	3146	2840	2585	2365	2179	2005	1861
निवल ब्लॉक	2415	1471	981	989	982	1044	1095	1170	1177	1143
पूंजीगत चालू कार्य	1530	1157	658	303	185	95	109	59	57	61
निवेश	80	52	8	8	8	9	29	10	10	10
चालू परिसंपत्तियां, ऋण तथा अग्रिम	42935	36901	27906	20980	16331	13343	10425	8348	8054	7576
कुल परिसंपत्तियां	46960	39581	29554	22280	17506	14491	11658	9587	9298	8790
III कंपनी की देनदारियां										
उधार (पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के लिए ऋण सहित)	128	149	95	89	558	537	540	531	666	1026
चालू देयताएं तथा प्रावधान	32442	28333	20022	14337	10320	8446	6337	4756	4714	4163
कुल देयताएं	32570	28482	20117	14426	10878	8983	6877	5287	5380	5189
IV कंपनी की निवल मूल्य										
शेयर पूंजी	490	490	490	245	245	245	245	245	245	245
प्रारक्षित निधि तथा अधिशेष	15427	12449	10285	8544	7057	5782	5051	4559	4225	3586
घटाएं आस्थगित राजस्व व्यय	-	-	-	-	-	-	18	96	249	229
निवल मूल्य	15917	12939	10775	8788	7301	6027	5278	4708	4221	3602

दस वर्षों का सार (जारी)

(रुपये करोड़ में)

V **नियोजित पूंजी**	12988	10091	8873	7640	7001	5950	5212	4772	4527	4566
VI **वर्धित पूंजी**	13171	9894	8323	7182	5683	4254	3680	3248	3074	2660
VII **अनुपात**										
कुल परिसंपत्तियों पर पीबीडीआईटी (%) #	16.37%	15.08%	18.4%	20.4%	17.9%	14.4%	12.0%	11.0%	10.3%	5.9%
नियोजित पूंजी पर सकल लाभ (%) #	57.41%	51.47%	54.1%	51.6%	40.5%	29.8%	21.5%	18.4%	16.7%	8.4%
कारोबार/सकल ब्लॉक	5.2	5.4	4.8	4.5	3.8	2.8	2.5	2.2	2.3	2.1
अर्जन प्रति शेयर (रुपये)	88.06	64.11	58.4	98.7	68.6	39.0	26.9	18.2	19.1	12.8
प्रति शेयर निवल मूल्य (रुपये)	325.16	264.32	220.1	359.0	298.31	246.24	215.64	192.36	172.43	147.16
चालू अनुपात	1.32	1.30	1.4	1.5	1.6	1.6	1.7	1.8	1.7	1.8
कुल ऋण/इक्विटी	0.01	0.01	0.01	0.01	0.08	0.09	0.10	0.11	0.16	0.28
निवल मूल्य पर अभिलाभ	27.1%	24.3%	26.5%	27.5%	23.0%	15.8%	12.5%	9.4%	11.1%	8.7%
सकल लाभ मार्जिन	19.4%	17.4%	20.9%	20.2%	18.1%	16.1%	12.4%	11.5%	10.4%	5.3%
निवल लाभ मार्जिन	12.6%	11.2%	13.4%	12.9%	11.6%	9.2%	7.6%	5.9%	6.4%	4.9%

औसत निवल परिसंपत्तियों एवं नियोजित पूंजी के आधार पर

* 2006–2007 तक के आंकड़े बोनस पूर्व जारी शेंयरों की संख्या पर आधारित हैं।

2009–2010 के लिए अमरीकी जीएएपी के अनुसार निवल आय के साथ भारतीय जीएएपी के अधीन निर्धारित लाभ (एकांकी) का समाधान

	टिप्पणियां	रुपये करोड़ में	अमरीकी डालर (मिलियन)
भारतीय जीएएपी के अधीन निर्धारित कर पश्चात लाभ (एकांकी)		**4,310.64**	**954.95**
अमरीकी जीएएपी के अनुरूप होने के लिए समायोजन			
किराया आय (पट्टा)	1	(32.21)	(7.14)
संयुक्त उपक्रमों और सहायक कंपनियों में निवेश से आय	2	0.49	0.11
अनुसंधान एवं विकास व्यय	3	(16.39)	(3.63)
मूल्यह्रास	4	48.60	10.77
पूर्वावधि मदें (कराधान के लिए प्रावधान सहित, पूर्व वर्ष (-) 34.58 करोड़ रुपये)	5	(44.00)	(9.75)
अमरीकी जीएएपी के अनुसार निवल आय		**4,267.13**	**945.31**

1 अमरीकी डालर = 45.14 रुपये (दिनांक 31.03.2010 को रुपये की विनिमय दर पर)

अमरीकी जीएएपी के अनुसार निवल आय. के साथ भारतीय जीएएपी के अधीन निर्धारित निवल लाभ के समाधान पर टिप्पणियां

निम्नलिखित टिप्पणियां भारतीय जीएएपी और अमरीकी जीएएपी के बीच अंतर और अमरीकी जीएएपी के अधीन निवल आय निकालने के लिए आवश्यक समायोजन दर्शाती हैं।

1. किराया आय (पट्टा)

   भारतीय जीएएपी के अनुसार दिनांक 1.4.2001 के पूर्व वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों को सामान्य बिक्री मूल्य/उचित मूल्य/संविदाकृत मूल्य पर पूंजीकृत किया जाता है और उस पर मूल्यह्रास परिभारित किया जाता है। पट्टा किराया आय पट्टा समकरण समायोजित करने के बाद मानी जाती है। वित्त पट्टे पर दी गई अमरीकी जीएएपी परिसंपत्तियों के अधीन वित्त आय केवल पट्टा अवधि में मानी जाती है।

2. संयुक्त उद्यमों और सहायक कम्पनियों में निवेश से आय

   भारतीय जीएएपी के अनुसार संयुक्त उद्यमों से लाभांश आय को मान्यता दी जाती है तथा संयुक्त उद्यमों में निवेश हेतु मूल्य में कमी के लिए, यदि कोई है, प्रावधान किया जाता है। अमरीकी जीएएपी के अधीन संयुक्त उद्यमों द्वारा आय/हानि के हिस्से को धारिता के समानुपात में आय विवरण में मान्यता दी जाती है।

3. अनुसंधान और विकास व्यय

   भारतीय जीएएपी के अनुसार विकास के लिए अनुसंधान और विकास व्यय अनुमानित उपयोगी अवधि हेतु पूंजीकृत एवं परिशोधित हैं, और मूल्यहास /परिशोधन के रूप में दर्शाया जाता है। अमरीकी जीएएपी के अधीन अनुसंधान और विकास परिसंपत्तियों का परिशोधन, अनुसंधान और विकास व्यय के रूप में प्रभारित किया जाता है।

4. मूल्यह्रास

   भारतीय जीएएपी के अनुसार दिनांक 1.4.2001 के पूर्व वित्त पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास आय विवरण पर प्रभारित किया जाता है। अमरीकी जीएएपी के अधीन वित्त पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां, वित्त आय को मान्यता दी जाती है। भारतीय जीएएपी के अनुसार अनुसंधान और विकास परिसंपत्तियों का परिशोधन मूल्यह्रास/परिशोधन के अधीन दर्शाया जाता है। अमरीकी जीएएपी के अधीन अनुसंधान और विकास परिसंपत्ति का परिशोधन, आय विवरण में अनुसंधान एवं विकास के रूप में प्रभारित किया जाता है।

5. पूर्वावधि मदें

भारतीय जीएएपी के अनुसार पूर्वावधि मदें वर्ष के लिए आय विवरण में अलग से सूचित की जाती हैं। अमरीकी जीएएपी के अधीन पूर्वावधि मदों को प्रतिधारित लाभों के अंतर्गत पूर्व वर्षों के समायोजन द्वारा लेखाकृत किया जाता है।

हमारी समतारीख रिपोर्ट के अनुसार
कृते एम.एल.पुरी एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन 021312 एन

(नवीन बंसल)
साझेदार

(बी. प्रसाद राव)
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 23.07.2010

अमरीकी जीएएपी समाधान पर लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

हमने अमरीकी जीएएपी (समाधान) के अनुसार निम्नलिखित के अधीन निवल आय के लिए भारतीय जीएएपी के अंतर्गत दिनांक 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के निवल लाभ के समाधान की लेखापरीक्षा की है।

समाधान कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर मत व्यक्त करना है। हमारे मत में पूर्ण रूप से लिए गए बुनियादी वित्तीय विवरणों के संबंध में विचार करने पर ऐसा समाधान, इसमें निर्धारित सूचनाओं को सभी तरह से सही रूप से प्रस्तुत करता है।.

कृते एमएल पुरी एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंटस
एफआरसं.02312 एन

(नवीन बंसल)
सदस्यता सं. 091922

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 23.07.2010

आर्थिक मूल्यवर्धन (ईवीए)

आर्थिक मूल्यवर्धन "आर्थिक लाभों" को मापने के लिए संगत मानदंड हैं। आर्थिक मूल्यवर्धन (ईवीए) पूंजी की लागत कटौती करने के बाद कंपनी को कर पश्चात निवल प्रचालन लाभ है। कंपनियां, जो पूंजी लागत से अधिक अभिलाभ अर्जित करती हैं, शेयरधारकों के लिए धन सृजित करती है तथा दूसरी ओर पूंजी की लागत से कम प्रतिलाभ अर्जित करने वाली कंपनियां, शेयरधारकों का धन नष्ट करती हैं।

अन्यथा वर्णित को छोड़कर करोड़ रुपये

		2009-10	2008-09	2007-08	2006-07	2005-06
पूंजी की लागत						
इक्विटी की लागत	(%)	13.3	13.4	14.4	14.6	11.9
पूंजी की भारांकित औसत लागत (डब्ल्यूएसीसी)	(%)	13.3	13.4	14.4	14.4	11.5
नियोजित औसत पूंजी		11540	7751	6467	5544	5037
अर्थिक मूल्य वर्धन						
एनओपीएटी		4206	3047	2739	2454	1660
घटाएंः पूंजी की लागत		1536	1039	929	797	581
आर्थिक मूल्य वर्धन		2670	2008	1810	1657	1079
उद्यम मूल्य						
इक्विटी का बाजार मूल्य		117027	73944	100907	55349	54874
जोड़ेः ऋण		128	149	95	89	558
घटाएंः नकद तथा नकद समतुल्य		9790	10315	8386	5809	4134
उद्यम मूल्य		107365	63778	92616	49629	51298

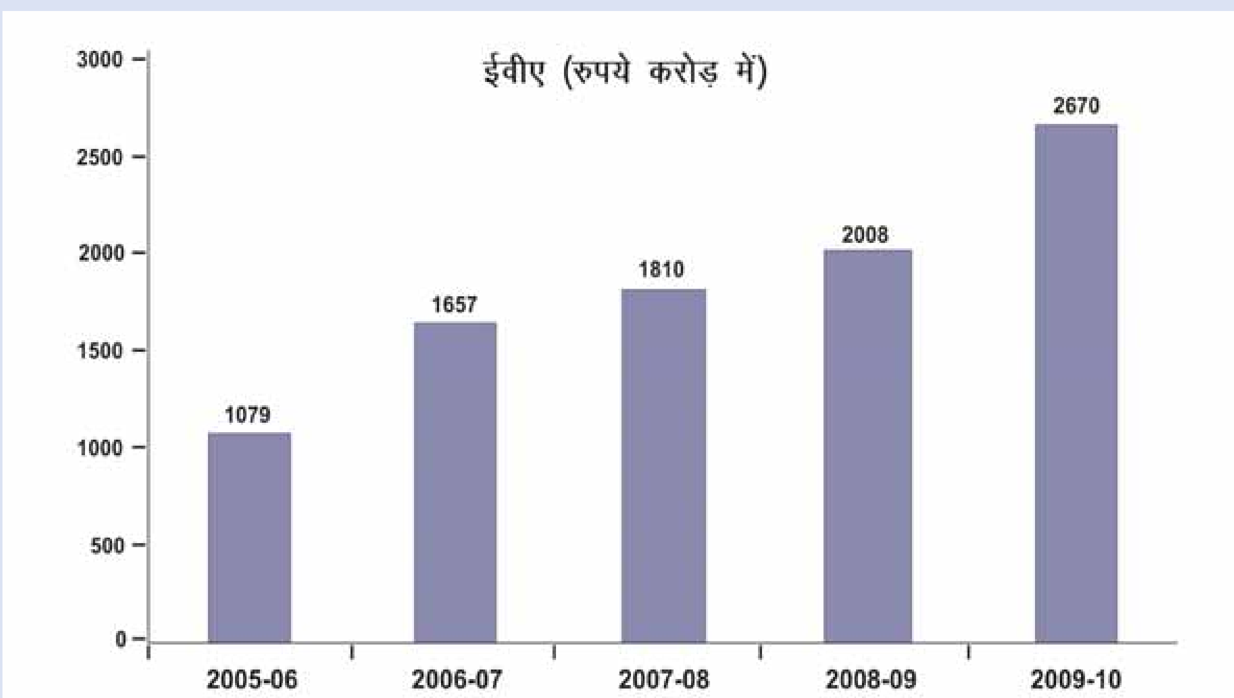

मूल्य वर्धन विवरण

(रुपये करोड़ में)

विवरण	2009-10	2008-09	2007-08	2006-07	2005-06
क. मूल्य वर्धन का सृजन					
उत्पादन का मूल्य (घटाएं उत्पाद शुल्क)	33598	27351	20090	17324	13675
घटाएं – प्रत्यक्ष सामग्री, विद्युत एवं ईधन तथा ठेकेदारों को भुगतान	20427	17458	11767	10142	7992
मूल्य वर्धन	13171	9894	8323	7182	5683
घटाएं – अन्य परिचालन व्यय (आय का निवल)	936	567	415	679	935
निवल मूल्य वर्धन	12235	9327	7908	6503	4748
उत्पादन मूल्य का प्रतिशत	36.42%	34.10%	39.36%	37.54%	34.72%
ख. मूल्य वर्धन का प्रयोग					
कर्मचारियों को भुगतान *	5153	4113	3146	2451	1879
निवल मूल्यवर्धन का प्रतिशत	42.12%	44.10%	39.78%	37.69%	39.57%
मूल्यह्रास	458	334	297	273	246
निवल मूल्यवर्धन का प्रतिशत	3.74%	3.58%	3.76%	4.20%	5.18%
वित्तीय प्रभार :					
- उधार पर ब्याज	34	31	35	43	59
निवल मूल्यवर्धन का प्रतिशत	0.27%	0.33%	0.44%	0.67%	1.24%
कर प्रावधान					
(आयकर, आस्थगित कर, सीमांत लाभ कर तथा पूर्वावधि)	2280	1711	1571	1321	885
निवल मूल्यवर्धन का प्रतिशत	18.64%	18.34%	19.87%	20.32%	18.64%
लाभांश (लाभांश कर सहित)	1332	974	873	692	405
निवल मूल्यवर्धन का प्रतिशत	10.89%	10.43%	11.04%	10.65%	8.52%
प्रतिधारित लाभ	2979	2164	1986	1722	1274
निवल मूल्यवर्धन का प्रतिशत	24.34%	23.21%	25.11%	26.48%	26.84%

* मजदूरी संशोधन हेतु प्रावधान के समायोजन के पश्चात

वार्षिक योजना 2009–2010 की तुलना में कार्यनिष्पादन

(रुपये करोड़ में)

निवेश की श्रेणी	2009-10	2008-09
योजनाएं	1283	817
आधुनिकीकरण और युक्तिकरण तथा अन्य	65	78
विज्ञान और प्रौद्योगिकी	37	12
औजार और संयंत्र तथा विद्युत कार्यस्थलों के लिए समर्थकारी सेवाएं	328	175
कुल	**1713**	**1082**

राजकोष में अंशदान

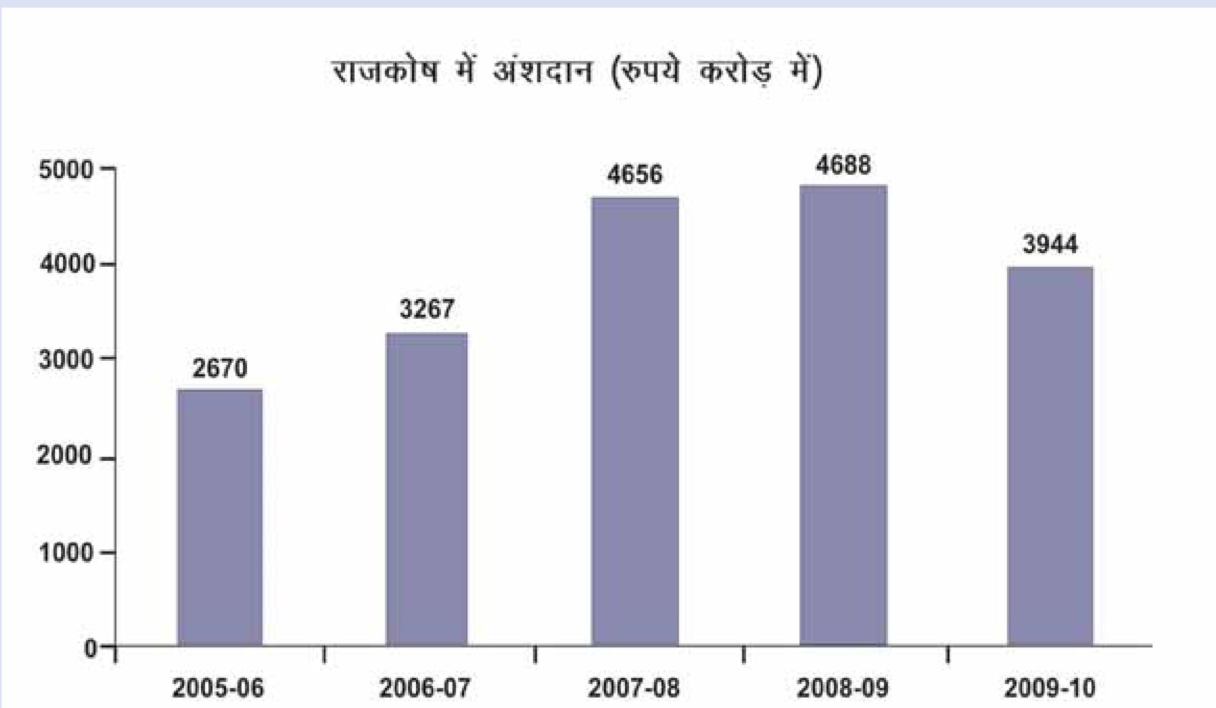

करों और शुल्कों में कमी आयातों, मिश्रित उत्पादों के स्वरूप में परिवर्तन आदि की वजह से मुख्य रूप से चालू वर्ष में राजकोष में अंशदान में गिरावट का रुख रहा है।

उत्पाद रूपरेखा

थर्मल विद्युत संयंत्र

- जीवाश्म ईंधन तथा संयुक्त चक्र उपयोगों के लिए स्टीम टर्बाइन, बॉयलर एवं 800 मेगावाट तक के टर्बो जेनरेटर, सुपरक्रिटिकल स्टीम साइकल मानदंडों वाले बॉयलरों एवं स्टीम टर्बाइनों तथा 1000 मेगावाट यूनिट आकार तक के समतुल्य जेनरेटरों का निर्माण करने की क्षमता।
- सीपीपी उपयोगों के लिए स्टीम टर्बाइनें, बॉयलर एवं जेनरेटर, संघनन, निष्कर्षण, अन्तःक्षेपण अथवा इन श्रेणियों की स्टीम टर्बाइनों के किसी भी संयोजन के विनिर्माण की क्षमता।
- 1000 मेगावाट तक के टीजी सेटों की उपर्युक्त आवश्यकता पूरी करते हुए कंडेन्सर और हीट एक्सचेंजर।

न्यूक्लियर विद्युत संयंत्र

- 700 मेगावाट तक की क्षमता वाले स्टीम जेनरेटर और टर्बाइन तथा समतुल्य टर्बो–जेनरेटर, कंडेन्सर
- हीट एक्सचेंजर
- प्रेशर वेसल
- रिएक्टर वेसल्स

गैस आधारित विद्युत संयंत्र

- 280 मेगावाट (आईएसओ) उच्च श्रेणी की रेटिंग तक की गैस टर्बाइनें।
- उद्योग एवं यूटिलिटी उपयोगों के लिए गैस टर्बाइन आधारित सह–उत्पादन एवं संयुक्त चक्र प्रणालियां।

हाइड्रो विद्युत संयंत्र

- समरूप जेनरेटर सहित केपलान, फ्रेंसिस एवं पेल्टॉन प्रकार के कस्टम निर्मित परंपरागत हाइड्रो टर्बाइनें, समरूप मोटर जेनरेटर सहित पम्प टर्बाइनें 300 मेगावाट (200–300 आरपीएम की गति सीमा में) तक के समतुल्य मोटर जेनरेटर, 10 मेगावाट तक के समतुल्य जेनरेटरों सहित बल्ब टर्बाइन।
- लिफ्ट सिंचाई योजनाओं के लिए समतुल्य मोटरों के साथ उच्च क्षमता के पम्प (150 मेगावाट तक)
- परंपरागत टर्बाइनों के लिए इलेक्ट्रो–हाइड्रॉलिक माइक्रोप्रोसेसर आधारित डिजीटल नियंत्रक
- लिफ्ट सिंचाई पम्पों के लिए माइक्रोप्रोसेसर आधारित डिजिटल कंट्रोलर
- 15 मेगावाट तक के पीएलसी आधारित कंपैक्ट डिजिटल नियंत्रक सहित अतिलघु/लघु हाइड्रो सेट
- हाइड्रो जेनरेटर और मोटरों के लिए स्टेटिक एक्साइटेशन सिस्टम
- हाइड्रो जेनरेटर और मोटरों के लिए ब्रुशलेश एक्साइटर
- विशेष प्रयोजन और मोटर जेनरेटर सेट
- हाइड्रो स्टेशनों के लिए गोलाकार बटरफ्लाई और रोटरी बाल्ब और सहायक उपकरण

डी जी विद्युत संयंत्र

- एचएसडी, एलडीओ, एफओ, एलएसएचएस, प्राकृतिक गैस/बायोगैस आधारित डीजल जेनरेटर विद्युत संयंत्र, टर्नकी आधार पर आपातकाल, पीकिंग तथा बेस लोड प्रचालनों के लिए 20 मेगावाट तथा 11 किलोवाट तक की वोल्टेज क्षमता वाले यूनिट।

औद्योगिक सेट

- 1.5 से 120 मेगावाट की क्षमता वाले औद्योगिक टर्बो सैट।
- 25 से 280 मेगावाट (आईएसओ) क्षमता के गैस टर्बाइन एवं मैचिंग जेनरेटर।
- ड्राइव उपयोगों तथा सह उत्पादन उपयोगों के लिए औद्योगिक स्टीम टर्बाइनें तथा गैस टर्बाइनें।
- 120 से 150 मेगावाट तक रिहीट स्टीम टर्बाइन और समतुल्य जेनरेटर

बॉयलर

- कोयला, लिग्नाइट, तेल, प्राकृतिक गैस अथवा इन ईंधनों के सम्मिश्रण का उपयोग करके 30 से 800 मेगावाट तक की क्षमता वाली यूटिलिटियों के लिए स्टीम जेनरेटर, 1000 मेगावाट यूनिट आकार तक के सुपरक्रिटिकल मानदंडों वाले बॉयलरों का निर्माण करने की क्षमता।
- कोयला, प्राकृतिक गैस, औद्योगिक गैस, बायोमास, लिग्नाइट, तेल, बेगास अथवा इन ईंधनों के सम्मिश्रण का उपयोग कर 40 से 450 टन प्रति घंटे की क्षमता वाले औद्योगिक उपयोगों के लिए स्टीम जेनरेटर्स।
  - पल्वराइज्ड ईंधन फायर्ड बॉयलर
  - स्टोकर बॉयलर
  - बबलिंग फ्लूडाइज्ड बेड कम्बशन (बीएमबीसी) बॉयलर
  - सर्कुलेटिंग फ्ल्युडाइज्ड बेड कम्बशन बॉयलर
- हीट रिकवरी स्टीम जेनरेटर (एचआरएसजी)
- सूखे ठोसों के 100 से 1000 टन प्रति दिन की क्षमता वाले कागज उद्योग के लिए रासायनिक रिकवरी बॉयलर।
- प्रेशर वेसल्स

बॉयलर ऑग्जीलियरीज

- पंखे
  - ❖ 40 से 1200 घनमीटर/सेकेंड तक की क्षमता और 400 से 1500 मिमी. डब्ल्यूसी तक दाब सहित 200 यूसी तक

धूल भरी उष्म गैस प्रयोग और स्वच्छ वायु प्रयोग के लिए एक एवं दो चरण के एक्सियल रिएक्शन पंखे

- ❖ 25 से 600 घन मीटर/सेकेंड तक की क्षमता और 300 से 700 तक मिमी डब्ल्यूसी तक दाब सहित 200 यूसी तक के स्वच्छ वायु और दग्ध गैस दोनों प्रयोगों के लिए एक्सियल इंपल्स पंखे
- ❖ गैस कॉलम की 4 से 660 घन मीटर प्रति सेकेंड तक की क्षमता तथा 200 से 3000 तक की दाब वाली स्वच्छ हवा और धूल भरी गर्म गैसों के उपयोगों के लिए एकल एवं दोहरे सक्शन रेडियल पंखे।

- एयर प्रीहीटर
  - ❖ औद्योगिक और यूटीलिटी बॉयलरों के लिए ट्यूबुलर एयर प्रिहीटर
  - ❖ बॉयलरों और प्रोसेस फर्नेस के लिए रोटरी रिजेनरेटिव एयर प्रिहीटर
  - ❖ 800 मेगावाट तक की यूटीलिटी के लिए बडे रोटरी रिजेनेरेटिव एयर प्रिहीटर
- गेवीमीट्रिक फीडर्स
- पल्वेराइजर
  - ❖ 100 टन प्रति घंटा की क्षमता के मंद एवं मध्यम गति के बॉउल मील।
  - ❖ उच्च राख संघटक वाले निम्न श्रेणी कोयला पल्वेराइजिंग के लिए ट्यूब मील।
  - ❖ सुपरक्रिटिकल बॉयलरों के लिए बाउल मिल
- यूटीलिटी और औद्योगिक प्रयोगों के लिए बैग फिल्टर
- इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रोसिपिटेटर (ईएसपी)
  - ❖ बायोमास प्रज्जवलित बॉयलरों, सीमेंट संयंत्रों, इस्पात संयंत्रों, सोडा प्राप्ति बॉयरों आदि सहित यूटीलिटी और औद्योगिक प्रयोगों के लिए 17 मिग्रा/ना.घ.मी. (99.97 प्रतिशत तक की क्षमता) तक निकासी उत्सर्जन सहित किसी भी क्षमता का इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिरेटर
- समुद्री जल/चूनापत्थर गाद स्क्रबर सहित दग्ध गैस विंगधकीकरण (एफजीडी) प्रणालियां
- ऑक्सीलियरी बॉयलरों और अन्य दग्ध गैस निकासी प्रयोग के लिए इस्पात की चिमनियां
- विलवणीकरण और जल शोधन संयंत्र
  - ❖ घरेलू और औद्योगिक प्रयोगों के लिए समुद्रीजल, उच्च खारे और अपशिष्ट जल के शोधन के लिए रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) आधारित विलवणीकरण संयंत्र
  - ❖ सेवा/वहनीय/बॉयलर भरण मेक–अप आवश्यकताओं के लिए जल उत्पादन हेतु संयंत्र के लिए रिवर्स ऑस्मोसिस विखनिजीकरण (आरओ–डीएम) संयंत्र
  - ❖ आरओ प्रयोग के लिए उपयुक्त खारेजल के शोधन हेतु शोधन–पूर्व (मेम्ब्रेन आधारित/पारंपरिक) प्रणालियों की विभिन्न किस्में
  - ❖ विलवणीकरण संयंत्रों का प्रचालन और अनुरक्षण
- गुलीटाइन गेट्स और डैम्पर्स
  - ❖ इलेक्ट्रिक/न्यूमेटिव एक्युएटर के साथ गुलीटाइन गेट्स 6 मीटर ऊँचे और 7 मीटर चौड़े (स्प्लिट सहित) आकार वाले / सील एयर सहित 100% रिसाव रोधी
  - ❖ इलेक्ट्रिक/एक्युएटर के साथ बाई–प्लेन डैम्पर्स 7 मीटर ऊँचे और 5 मीटर चौड़े आकार वाले 1 सील एयर सहित 100% रिसाव रोधी
  - ❖ इलेक्ट्रिक/न्यूमेटिक एक्युएटर सहित लाउवर डैम्पर्स (सुलाबंद/नियमनकारी) / 7 मीटर ऊँचे और 5 मीटर चौड़े आकार वाले

सूट ब्लोअर्स

- ❖ लम्बे रिट्रैक्टेबल सूट ब्लोअर (12.2 मीटर तक चलने वाले जिस्लैगर, रोटरी ब्लोअर एवं न्यूमैटिक, इलेक्ट्रिक अथवा मैनुअल मोड में कार्य करने वाले ताप प्रोब्स एवं संबंधित नियंत्रण पैनल।
- ❖ रीजेनरेटिव एयर प्रीहीटर्स के लिए स्विवेल आर्म टाइप सूट ब्लोअर।

वाल्व

- ❖ जनोपयोगी सेवाओं के लिए उच्च दाब तथा निम्न दाब बायपास वाल्व।
- ❖ 900 मिमी व्यास, 4500 (791 किग्रा/वर्ग सेंटीमीटर) के अधिकतम दाव श्रेणी और 650° सेंटीग्रेड तापक्रम तक स्टीम, तेल और गैस कार्यों के लिए उच्च और मध्यम प्रैशर वाल्व, गेट, ग्लोब के ढलंग और फोर्ज इस्पात, वन रिर्टन वाल्व (स्विंग चेक और पिस्टन लिफ्ट चैक) किस्म
- ❖ 217 किग्रा/वर्ग सेंटीमीटर के निर्धारित दाब और 571° सेंटीग्रेड तक तापक्रम के लिए उच्च क्षमता के सुरक्षा वाल्व और स्वचालित विद्युत प्रचालित प्रैशर रिलीफ वाल्व
- ❖ 421 किग्रा/वर्ग सेंटीमीटर के निर्धारित दाब और 537° सेंटीग्रेड तक तापक्रम के लिए विद्युत प्रक्रिया और अन्य उद्योगों में प्रयोग हेतु सुरक्षा रिलीफ वाल्व
- ❖ 2500 मिमी आकार में अधिकतम ब्यास वाले रिएक्टिव–कम–एब्जॉर्बप्टिव टाइप साइलेंसर
- ❖ 800 मिमी ब्यास 105 किग्रा/वर्ग सेंटीमीटर दाब का 540° सेंटीग्रेड तापक्रम तक के निष्कर्षण लाइनों के लिए शीघ्र बंद होने वाले नन–रिर्टन वाल्व और कोल्ड रिहीड नन–रिटर्न वाल्व

पाइपिंग प्रणालियां

- ❖ 1000 मेगावाट क्षमता तक के विद्युत स्टेशनों के लिए

परिचालन जल पाइपिंग सहित विद्युत चक्र पाइपिंग, स्पिर भार हैंगर्स, परिवर्ती स्प्रिंग हैंगर्स, हैंगर संघटक, निम्न दाब पाइपिंग

- ❖ न्यूक्लियर विद्युत स्टेशनों, संयुक्त चक्र विद्युत संयंत्रों, औद्योगिक बॉयलरों तथा प्रक्रिया उद्योगों में विद्युत संयंत्रों के लिए पाइपिंग प्रणालियां

हीट एक्सचेंजर तथा प्रेशर वेसेल्स

- ❖ सीएस/एएस/एसएस/नॉन फेरसशेल एवं ट्यूब हीट एक्सचेंजर तथा प्रेषर वेसेल्स.
- ❖ एयर कूल्ड हीट एक्सचेंजर
- ❖ स्टीम जेट एयर एजेक्टर
- ❖ डिएरेटर्स
- ❖ ग्लैंड स्टीम कंडेन्सर्स
- ❖ ड्रेन कूलर्स
- ❖ एलपी और एचपी भरण जल हीटर्स
- ❖ गैस कूलर्स, ऑयल कूलर्स, एयर कूलर्स

कंडेन्सर और हीट एक्सचेंजर

- ❖ सर्फेस कंडेन्सर :
  - 12.5 मेगावाट समुद्री
  - 20 से 500 मेगावाट थर्मल
  - 236 मेगावाट न्यूक्लियर
  - औद्योगिक कंडेन्सर
- ❖ फीड वाटर हीटर :
  - 20 से 500 मेगावाट थर्मल
  - 236 और 500 मेगावाट न्यूक्लियर
- ❖ आर्द्रता सेपरेटर और रि–हीटर्स :
  - 236 और 500 मेगावाट न्यूक्लियर
- ❖ टर्बो और हाइड्रोजेनरेटरों के लिए ऑक्जिलियरी हीट एक्सचेंजर्स :
  - एयर कूलर्स (फ्रेम और ट्यूब किस्म)
  - ऑयल कूलर्स (शेल और ट्यूब किस्म तथा प्लग–इन किस्म)
  - हाइड्रोजन कूलर्स (फ्रेम और ट्यूब किस्म)
- ❖ ट्रांसफॉर्मरों के लिए ऑक्जिलियरी हीट एक्सचेंजर्स :
  - ऑयल कूलर्स (शेल और ट्यूब किस्म एकल ट्यूब अथवा संकेंद्रिक दोहरा ट्यूब किस्म किस्म) (फ्रेम और ट्यूब किस्म)
- ❖ सामान्य प्रयोग के लिए ऑक्जिलियरी हीट एक्सचेंजर्स :
  - वाटर – वाटर कूलर्स (शेल और ट्यूब किस्म)
- ❖ निम्नलिखित के लिए औद्योगिक हीट एक्सचेंजर्स :
  - रिफाइनरी
  - पेट्रो–केमिकल्स
  - फर्टिलाइजर्स

पम्प

- 1000 मेगावाट तक की क्षमता वाली यूटीलिटियों के उपयुक्त विभिन्न प्रयोगों के लिए पम्प
- बॉयलर फीड पम्प (मोटर अथवा स्टीम टर्बाइन चालित)
- बॉयलर फीड बूस्टर पम्प
- कंडेन्सेट पम्प
- सर्कुलेटिंग वाटर पम्प

स्वाचालन और विद्युत इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियां

- सब–क्रिटिकल थर्मल यूटीलिटी और औद्योगिक यूटीलिटी तथा ओद्योगिक सीपीपी [स्टीम टर्बाइनों, स्टीम जेनरेटरों, बीएफपी चालित टर्बाइनों, गैस बूस्टर कंप्रेसरों तथा शेष संयंत्र प्रणालियों के लिए नियंत्रण (डीसीएस)] सहित विद्युत संयंत्रों के लिए एकीकृत स्वाचालन
- गैस टर्बाइन नियंत्रण प्रणालियां
- हाइड्रो विद्युत संयंत्र नियंत्रण प्रणालियां
- एक्साइटेशन प्रणालियां
- औद्योगिक स्वचालन
- सब–स्टेशन स्वाचालन प्रणाली (एसएएस) और पर्यवेक्षीय नियंत्रण तथा आंकडा अधिग्रहण प्रणालियां (स्काडा)
- डीसी ड्राइव प्रणालियां
- एसी ड्राइव प्रणालियां
- स्टेटिक स्टार्टर
- लोकोमोटिव और ईएमयू के लिए ट्रैक्शन ड्राइव प्रणालियां
- एचवीडीसी प्रणालियां/फैक्ट्स/कस्टम पावर कंट्रोलर्स
- स्टेटिक वीएआर कम्पेनशेसन (एसवीसी) प्रणालियां
- इंडक्शन हीटिंग उपस्कर

स्विचगियर

36 केवी तप वोल्टता रेटिंग और गैस विसंवाहित स्विचगियरों (36 केवी–145 केवी) के लिए भीतरी और बाहरी प्रयोगों हेतु विभिन्न किस्मों के माध्यम वैक्यूम स्विचगियर

- 12 केवी, 50 केए, 3150 एम्पियर तक के भीतरी स्विचगियर
- 36 केवी, 31.5 केए, 2500 एम्पियर तक के भीतरी स्विचगियर
- 12 केवी, 25 केए, 1250 एम्पियर के बाहरी वैक्यूम सर्किट ब्रेकर्स
- 36 केवी, 25 केए, 1600 एम्पियर के बाहरी वैक्यूम सर्किट ब्रेकर्स

- 25 केवी, 20 केए, 1600 एम्पियर के बाहरी वैक्यूम सर्किट ब्रेकर्स
- 12 केवी के लिए आउटडोर पोल माउन्टेंड ऑटोरिक्लोजर/सैक्शनेलाइनर कैपेसिटर स्विच
- गैस विसंवाहित स्विचगियर (36 केवी – 145 केवी)
- एसएफ6 सर्किट ब्रेकर्स (145 केवी – 800 केवी)

बस डक्ट

- 800 मेगावाट तक की क्षमता यूटीलिटियों के जेनरेटर विद्युत उत्पादन के लिए उपयुक्त संबंद्ध उपस्कर सहित बस डक्ट

ट्रांसफॉर्मर

- 765 केवी तक की वोल्टता के लिए विद्युत ट्रांसफॉर्मर
- जेनरेटर ट्रांसफॉर्मर (500एमवीए, 400 केवी, 3फेज/400एमवीए, 400 केवी, 1फेज तक)
- ऑटो ट्रांसफॉर्मर (1000एमवीए, 400केवी, 3फेज/600एमवीए, 400केवी, 1फेज/1000 एमवीए, 765केवी, 1फेज/1000 एमवीए, 1200 केवी, 1फेज तक)
- कन्वर्टर ट्रांस्फॉर्मर/स्मूदिंग रिएक्शन (600एमवीए, ±500केवी/254एमवीए, ±500केवी तक)
- शंट रिएक्टर (150 एमवीए, 420 केवी, 3 फेज/110 एमवीए, 765 केवी, 1 फेज तक)
- कंट्रोल्ड शंट रिएक्टर (200 एमवीए, 420 केवी, 3 फेज/150 एमवीए, 420 केवी, 1 फेज/110 एमवीए, 765 केवी, 1 फेज तक)
- फेज शिफ्टिंग ट्रांसफॉर्मर (315 एमवीए, 400 केवी, 3 फेज तक)
- इंस्ट्रुमेंट ट्रांसफार्मर
  - ❖ 400 केवी तक के करंट ट्रांसफार्मर
  - ❖ 220 केवी तक के इलेक्ट्रो मेग्नेटिक वोल्टेज ट्रांसफार्मर
  - ❖ 400 केवी तक के कैपीसिटर वोल्टेज ट्रांसफार्मर
- विशेष ट्रांसफॉर्मर
  - ❖ 132 केवी, 66 केए तक रेक्टिफायर ट्रांसफॉर्मर
  - ❖ 33 केवी, 100 एमवीए तक फर्नेस ट्रांसफॉर्मर
- ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर
  - ❖ 25 केवी, 7475 केवीए तक फ्रेट लोको ट्रांसफॉर्मर
  - ❖ 25 केवी, 1385 केवीए तक एसीइएमयू ट्रांसफॉर्मर
- ईएसपी (एचवीआर) ट्रांसफॉर्मर 100 केवी 1400 एमए
- 5210 केवीए तक शुष्क किस्म टांसफॉर्मर
  - ❖ 3.3 एमएच, 2700 एम्पियर तक स्मूदिंग रिएक्टर
  - ❖ 300 एमएच, 120 एम्पियर तक शुष्क किस्म रिएक्टर
  - ❖ 0.5 एमएच, 4600 एम्पियर तक डीसी चोक
- 10 एमवीए, 33 केवी तक के कास्ट रंजिन शुष्क किस्म ट्रांसफॉर्मर अर्थिंग, फर्नेस, रेक्टिफायर, इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेयर, फ्रेट लोको, एसी इएमयू और ट्रैक्शन के लिए विशेष ट्रांसफॉर्मर

इंसुलेटर्स

- हाई टेंशन सेरामिक इंसुलेटर्स
  - ❖ स्वच्छ एवं प्रदूषित वातावरणों के लिए 45 से 420 केएन तक इलेक्ट्रोमैकेनिकल शक्ति के एसी/डीसी उपयोगों के लिए डिस्क/सस्पेंशन इंसुलेटर। 800 केवी एसी और डीसी प्रयोगों के लिए उपयुक्त
  - ❖ रेडियो फ्री डिजाइन सहित 33 केवी तक के पिन इंसुलेटर्स
  - ❖ ट्रांसफार्मरों, एसएफ 6 सर्किट ब्रेकरों के लिए 800 केवी तक के हॉलो पोर्सिलेन
  - ❖ 25 केवी रेलवे ट्रेक्शन के लिए सॉलिड कोर पोर्सिलेन इंसुलेटर
  - ❖ सब स्टेशन में प्रयोग के लिए बस पोस्ट और आइसोलेटरों के लिए 400 केवी तक के सॉलिड कोर इंसुलेटर
  - ❖ 25 केवी रेलवे ट्रैक्शन और 400 केवी तक एचवीडीसी ट्रांसमिशन लाइनों के लिए इंसुलेटर
- वीयर प्रतिरोधी सामग्री (सिरालीन)
  - ❖ ताप विद्युत स्टेशनों में वीयर प्रतिरोधी प्रयोग तथा विभिन्न अन्य प्रयोगों के लिए सिरामिक लाइनर्स

औद्योगिक तथा विशेष सिरामिक

- बॉयलर ड्रम जल स्तर अनुवीक्षण (भेल विज़न प्रणाली) में प्रयुक्त ईडब्ल्यूएलआई इलेक्ट्रॉनिक जल स्तर संकेतक, क्रिसमस ट्री वाल्व के लिए सिरामिक और टंगस्टन कार्बाइड फलो बीन्स

कैपेसिटर्स

- पावर फैक्टर सुधार (मोटर कैपेसिटर्स) के लिए एच.टी. कैपेसिटर्स, 3.3 से 11 केवी डेल्टा कनेक्टेड कैपेसिटर बैंक
- शंट, सीरीज और एसवीसी (स्टेटिक वीएआर कम्पनशेसन) हार्मोनिक फिल्टर और एचवीडीसी प्रयोगों के लिए एच.टी. कैपेसिटर्स
- सीवीटी के लिए कैपेसिटर डिवाइडर
- पीएलसीसी के लिए कपलिंग कैपेसिटर
- जेनरेटर और ट्रांसफॉर्मर के संरक्षण के लिए सर्ज कैपेसिटर
- ट्रैक्शन लोकोमोटिव के लिए रूफ कैपेसिटर

बुशिंग्स

- ट्रांसफॉर्मर प्रयोगों के लिए 52 से 400 केवी ओआईपी कंडेन्सर बुशिंग्स
- 25 केवी लोकोमोटिव बुशिंग्स

- केबल बॉक्स और वॉल बुशिंग्स जैसी विशेष प्रयोग बुशिंग्स

ऑन लोड टैप चेंजर्स (ओएलटीसी)

विद्युत ट्रांसफॉर्मर, फर्नेस ट्रांसफॉर्मर, स्टेशन ट्रांसफॉर्मर, रेक्टिफायर ट्रांसफॉर्मर आदि जैसे विभिन्न प्रयोगों के लिए ऑन लोड टैप चेंजर

- 400 केवी श्रेणी ट्रांसफॉर्मर तक के लिए ऑन लोड टैप चेंजर
- 400 केवी श्रेणी ट्रांसफॉर्मर तक के लिए ऑफ सर्किट टैप स्विच

विद्युत मशीनें

एसी स्क्विरल केज, स्लिपरिंग, सिंक्रोनस मोटरों, औद्योगिक अल्टरनेटरों तथा डीसी मशीनों का उत्पादन नीचे वर्णित रेंज के अनुसार किया जाता है। विशेष प्रयोजनार्थ मशीनों का निर्माण अनुरोध पर किया जाता है।

- सुरक्षित क्षेत्र प्रयोग के लिए एसी मशीनें
  - ❖ इंडक्शन मोटरें
    - सिक्वरेल केज मोटर–150 केडब्ल्यू से 2100 केडब्ल्यू
    - स्लिपरिंग मोटर–150 केडब्ल्यू से 10000 केडब्ल्यू
  - ❖ सिंक्रोनस मोटरें
    - 1000 केडब्ल्यू से 20000 केडब्ल्यू
  - ❖ बैरिएबल स्पीड मोटर
    - 150 केडब्ल्यू से 21000 केडब्ल्यू (स्क्वायरल केज मोटर)
    - 1000 केडब्ल्यू से 20000 केडब्ल्यू (सिंक्रोनस मोटर)
- जोखिमपूर्ण क्षेत्र में प्रयोगों के लिए एसी मशीनें (नियत गति अथवा वीएफडी के साथ)
  - ❖ फ्लेम प्रूफ स्क्वायरल केज इंडक्शन मोटरें (ईएक्स 'डी')
    - 150 किवा से 1500 किवा
  - ❖ नॉन स्पार्किंग स्किविरेल केज इंडक्शन मोटर (ईएक्स 'एन')
    - 150 केडब्ल्यू से 4000 केडब्ल्यू (अनुरोध पर उच्चतर रेटिंग)
  - ❖ इन्क्रीज्ड सेफ्टी स्क्वायरल केज इंडक्शन मोटर (ईएक्स 'ई')
    - 150 केडब्ल्यू से 4000 केडब्ल्यू (अनुरोध पर उच्चतर रेटिंग)
  - ❖ प्रेशराइज्ड मोटर (ईएक्स 'पी')
    - 150 केडब्ल्यू से 21000 केडब्ल्यू (स्क्वायरल केज मोटर)
    - 1000 केडब्ल्यू से 20000 केडब्ल्यू (सिंक्रोनस मोटर)
- मिल ड्यूटी मोटर
  - ❖ स्पीड बेस स्पीड >150 आरपीएम के साथ 150 केडब्ल्यू से 5000 केडब्ल्यू
- इंडस्ट्रियल आल्टनेटर्स (स्टीम टर्बाइन, गैस टर्बाइन तथा डीजल इंजन चालित)
  - ❖ 3000 केवीए से 25,000 केवीए
- इंडक्शन जेनेरेटर्स
  - ❖ 300 केवीए से 6000 केवीए
- विंड जेनेरेटर्स
  - ❖ 300 केवीए से 3000 केवीए
- वोल्टेज फ्रिक्वेंसी और एनक्लोजर्स
  - ❖ वोल्टेज एसी–415 वो. से 13800 वो.
  - ❖ फ्रिक्वेंसी – 50 हार्टज और 60 हार्टज
  - ❖ एनक्लोजर – एसपीडीपी, टीईटीवी, सीएसीडब्ल्यू, सीएसीए और डक्ट वेंटिलेटेड
- 160 मेगावाट तक और समतुल्य एक्साइटर्स के साथ 2–पोल गैस टर्बाइन चालित जेनेरेटर्स
- 33 मेगावाट तक और समतुल्य एक्साइटर्स के साथ 4–पोल गैस टर्बाइन चालित जेनेरेटर्स
- 160 मेगावाट तक और समतुल्य एक्साइटर्स के साथ 2–पोल स्टीम टर्बाइन चालित जेनेरेटर्स
- 33 मेगावाट तक और समतुल्य एक्साइटर्स के साथ 4–पोल स्टीम टर्बाइन चालित जेनेरेटर्स

कंप्रेसर्स

- उर्वरक, पेट्रो–रसायन, पाइपलाइन और इस्पात उद्योग के लिए अपेक्षित लगभग सभी किस्मों के गैस प्रहस्तन के विभिन्न औद्योगिक प्रयोगों के लिए स्टीम टबाईन/गैस टबाईन/मोटर द्वारा चालित भिन्न–भिन्न आकार के अपकेंद्रिक कंप्रेसर्स; सीमा अधिकतम 350 किग्रा/वर्ग सेंटीमीटर तक का विकास दाब और 900,000 घनमीटर/घंटा की क्षमता शामिल करती है।

कंट्रोल गियर

- **औद्योगिक कंट्रोल गियर**
  - ❖ ईएसपी के लिए इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोलर्स
  - ❖ एल्टरनेटर्स के लिए एक्साइटेशन कंट्रोल सिस्टम
  - ❖ वृहद धारा रेक्टिफायर्स
  - ❖ डिजीटल एवीआर और नियंत्रक
  - ❖ इस्पात, अल्युमीनियम, सीमेंट, कागज़, रबड़, खनन, चीनी और पेट्रो–रसायन उद्योगों में प्रयोग के लिए पैनल और क्यूबिकल्स
- **ऑयल रिग कंट्रोल्स**
  - ❖ एसी विद्युत नियंत्रण कक्ष
  - ❖ डीसी विद्युत नियंत्रण कक्ष

- डीजी सेट
- ड्रिलर्स कन्सोल

- **कंटेक्टर्स**
  - 660 वोल्ट तक वोल्टेज के लिए एलटी एयर ब्रेक टाइप एसी
  - 600 वोल्ट तक वोल्टेज के लिए एलटी एयर ब्रेक टाइप डीसी कंटेक्टर्स
  - 11केवी तक वोल्टेज के लिए एचटी वैक्यूम टाइप एसी

- **ट्रैक्शन कंट्रोल गियर**
  - लोकोमोटिव, ईएमयू, मेट्रो रेलवे और अन्य ट्रैक्शन प्रयोगों के लिए कंट्रोल गियर उपस्कर
  - ईपी कंटैक्टर्स, ईएम कंटैक्टर्स, ईएम रिले और ईपी ऑफलोड स्विचेज
  - मास्टर्स कंट्रोलर्स
  - डायनेमिक ब्रेकिंग रजिस्टर्स
  - कंट्रोल क्यूबिकल्स
  - रेक्टिफायर्स
  - ऑक्जिलियरी कन्वर्टर्स

- **कंट्रोल और रिले पैनल**
  - 400केवी तक की वोल्टता के लिए ईएचवी पारेषण परियोजनाओं हेतु कंट्रोल और प्रोटेक्शन पैनल
  - सिक्रोनाईजिंग ट्रॉली/स्विंग पैनल
  - तापीय, न्यूक्लियर, हाइड्रो और संयुक्त चक्र विद्युत संयंत्र परियोजनाओं के लिए 600 मेगावाट तक बड़े जेनेरेटरों के लिए प्रोटेक्शन पैनल
  - एमवी स्विचगियर के लिए रिमोट कंट्रोल और रिले बोर्ड
  - हाइड्रो सेट के लिए टर्बाइन गेज पैनल
  - आउटडोर–किस्म कंट्रोल पैनल और मार्शलिंग कियोस्क
  - रिमोट ट्रांसफॉर्मर टैप–चेंजर कंट्रोल पैनल

परिवहन उपस्कर

- **टैक्शन मशीनें**
  - सभी रेंज के लोको और ईएमयू के लिए एसी ट्रैक्शन मोटर
  - सभी रेंज के लोको और ईएमयू के लिए डीसी ट्रैक्शन मोटर
  - सभी रेंज के डीई लोको और ईएमयू के लिए एसी ट्रैक्शन एल्टरनेटर
  - 2000 केडब्ल्यू तक डीसी ट्रैक्शन जेनेरेटर
  - सभी किस्म की आवश्यकताओं के लिए मोटर जेनरेटर सेट
  - सभी किस्म की आवश्यकताओं के लिए ऑक्जिलियरी जेनरेटर और एक्सयूटर्स
  - रेडिएटर फैन के लिए एडी करेंट क्लच
  - डायनेमिक ब्रेकिंग प्रणाली के लिए डीसी ब्लोअर मोटर
  - ट्रैक्शन ग्रेडगियर और पिनियन

- **परिवहन प्रणाली**
  - ट्रैक्शन प्रणालियां
  - शहरी परिवहन प्रणालियां
  - एसी इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव
  - एसी–डीसी दोहरा वोल्टता इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव
  - डीजल–इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव
  - डीजल हाइड्रॉलिक लोकोमोटिव
  - बैटरी चालित लोकोमोटिव
  - ओएचई रिकार्डिंग–सह–टेस्ट कार
  - बॉगीज
  - डायनेमिक ट्रैक स्टेबिलाइजर्स
  - वेल वैगन
  - रेल–सह–सड़क वाहन
  - यूटीलिटी वाहन
  - बैलास्ट क्लिनिंग मशीन

ऑयल फील्ड उपस्कर

ऑयल रिग –

- 9000 मी. तक की गहराई के लिए मैचिंग ड्रा वर्क्स एवं होईस्टिंग उपकरण के साथ तटीय रिग, वर्क ओवर रिग, मोबाईल रिग, हेली रिग, डेजर्ट रिग सहित :
  - मास्ट तथा उपसंरचना
  - घूर्णन उपकरण
  - पम्प सहित मड प्रणाली
  - पावर पैक और रिग इलेक्ट्रिक्स
  - रिग इंस्ट्रुमेंटेशन
  - रिग यूटिलिटी तथा सहायक उपकरण
  - बीएचईएल और गैर–बीएचईएल निर्मित ऑयल रिगों का पुनःमार्जन और उन्नयन

- **ऑयल फील्ड उपस्कर**
  - 15000 पीएसआई तक वेल हेड्स और क्रिसमस ट्रीज, मड लाइन सस्पेंशन, चोक और किल मेनीफोल्ड, सीबीएम वेलहेड्स

कास्टिंग और फोर्जिंग

- कड़ी अंतर्राष्ट्रीय विशिष्टियों को पूरा करने वाली रवा – रोधी मिश्र धातु स्टील, स्टेनलेस स्टील तथा मिश्र धातु स्टील के अन्य ग्रेडों की परिष्कृत भारी कास्टिंग एवं फोर्जिंग।

सीमलेस स्टील टयूबें

- एएसटीएम/एपीआई और अन्य अंतर्राष्ट्रीय विशिष्टियों के लिए उपयुक्त कार्बन स्टील और निम्न मिश्रधातु स्टील में 19 से 133 मिमी तक के बाहरी ब्यास और 2 से 12.5 मिमी तक की मोटाई की सीमा सहित उष्म निर्मित और कोल्ड ड्रॅान सीमलेस स्टील टयूबें।
- स्टडेड टयूबें
  - ❖ उच्च निष्पादन उष्मा अंतरण उपयोगों के लिए विस्तारित सतह टयूबें
- रिफ्लेड टयूबें
- स्पाइरल फिन्ड टयूबें
- हीट रिकवरी स्टीम जेनरेटरों, इकॉनोमाइजरों और हीट भट्टियों के लिए उच्च आवृत्ति प्रतिरोध वेल्डेड फिन्ड टयूबें

वितरित विद्युत उत्पादन और लघु हाइड्रो संयंत्र

- 250 किवा रेटिंग तक विंड इलेक्ट्रिक जेनरेटर
- 25 मेगावाट तक की स्टेशन क्षमता के लघु हाइड्रो विद्युत संयंत्र

सेमिकंडक्टर और फोटोवोल्टिक प्रणालियां

- पावर सेमिकंडक्टर उपकरण
- सौर फोटोवोल्टिक सेल (मोनो/मल्टी)
- फोटोवोल्टिक माड्यूल
- पीवी प्रणलियां, ग्रिड इंटरएक्टिव, हाइब्रिड और स्टैंड अलोन पीवी विद्युत संयंत्र
- स्पेस ग्रेड सौर पीवी पैनल
- अंतरिक्ष अनुप्रयोग के लिए बैटरियां

प्रणालियां और सेवाएं

- **विद्युत उत्पादन प्रणालियां**
  - ❖ टर्नकी विद्युत स्टेशन/ईपीसी संविदाएं
  - ❖ संयुक्त चक्र विद्युत संयंत्र
  - ❖ सह उत्पादन प्रणालियां
  - ❖ कैप्टिव विद्युत संयंत्र
  - ❖ विद्युत स्टेशनों का आधुनिकीकरण और नवीकरण और आरएलए अध्ययन
  - ❖ यूटीलिटियों के लिए सिमुलेटर्स सहित सॉफटवेयर पैकेज
  - ❖ ताप और जल विद्युत संयंत्रों के लिए कार्य निष्पादन विश्लेषण, नैदानिक और इष्टतमीकरण (पीएडीओ)
  - ❖ उद्यम परिसंपति प्रबंध प्रणाली (ईएएमएस)

उपर्युक्त सभी प्रणालियों के लिए उत्पादन, कमीशनिंग, समर्थन सेवाएं, अतिरिक्त पुर्जा प्रबंधन और परामर्शी सेवाएं

- **ट्रांसमिशन प्रणलियां**
  - ❖ सबस्टेशन/स्विचगार्ड
  - ❖ शंट और सीरीज कंपनसेशन प्रणलियां
  - ❖ विद्युत प्रणाली विश्लेषण और नियंत्रण
  - ❖ एचवीडीसी पारेषण प्रणलियां

रक्षा इलेक्ट्रानिक्स

- एमबीटी (मुख्य युद्धक टैंक) के लिए गन–कंट्रोल सिस्टम
- सिमफायर टैंकटिकल गनरी सिमुलेटर
- टैकटिकल गनरी प्रशिक्षण के लिए इन्फैंट्री विपन एफेक्ट्स सिमुलेटर
- मार्कसमैनशिप प्रशिक्षण के लिए लघु शस्त्र प्रशिक्षण सिमुलेटर
- इन्टेगरेटेड प्लेटफार्म मैनजमेंट सिस्टम (आईपीएमएस)
- मशीन नियंत्रण कक्ष सिमुलेटर
- सभी रक्षा और अर्ध–सैन्य बलों के लिए वाहन, प्लेटफार्म, राडार, हथियार, मिसाइल और सीबीटी के लिए प्रशिक्षण सिमुलेटर
- हथियार चालन नियंत्रण प्रणाली, एवियोनिक्स, रेडियों संचार उत्पाद, इलेक्ट्रॅानिक युद्ध प्रणालियां और पूर्व चेतावनी प्रणालियां
- राडार और संबद्ध प्रणालियां

औद्योगिक प्रणालियां

- सिविल और संरचनात्मक, यांत्रिक, विद्युतीय कार्य तथा स्वचालन प्रणालियों सहित संपूर्ण कोयला प्रहस्तन संयंत्र और राख प्रहस्तन संयंत्र
- संपूर्ण माइन विंडर सिस्टम्स
- कच्ची सामग्रियों के प्रसंस्करण और सुगठित बनाने, लौह निर्माण, प्राथमिक और गौण इस्पात निर्माण लंबे उत्पादों तथा चिपटे उत्पादों दोनो के लिए मिल तथा प्रोसेस लाइनों जैसे कास्टर्स और स्टील निर्माण के लिए संपूर्ण इलेक्ट्रिक्स, ड्राइव्स, कंट्रोल और स्वचालन प्रणालियां
- इस्पात तथा अन्य उद्योगों के लिए सिविल और संरचात्मक, यांत्रिक, विद्युतीय और स्वचालन प्रणालियों सहित संपूर्ण कच्ची सामग्री प्रहस्तन प्रणाली
- आल्युमीनियम संयंत्रों के लिए अल्युमीनियम स्मेल्टर तथा प्रसंस्करण मिलो के लिए उच्च धारा रेक्टिफायर हेतु संपूर्ण इलेक्ट्रिक्स और स्वचालन
- स्वचालित भंडारण और पुनः प्राप्ति प्रणालियां (एएसआरएस)

भारत में बीएचईएल

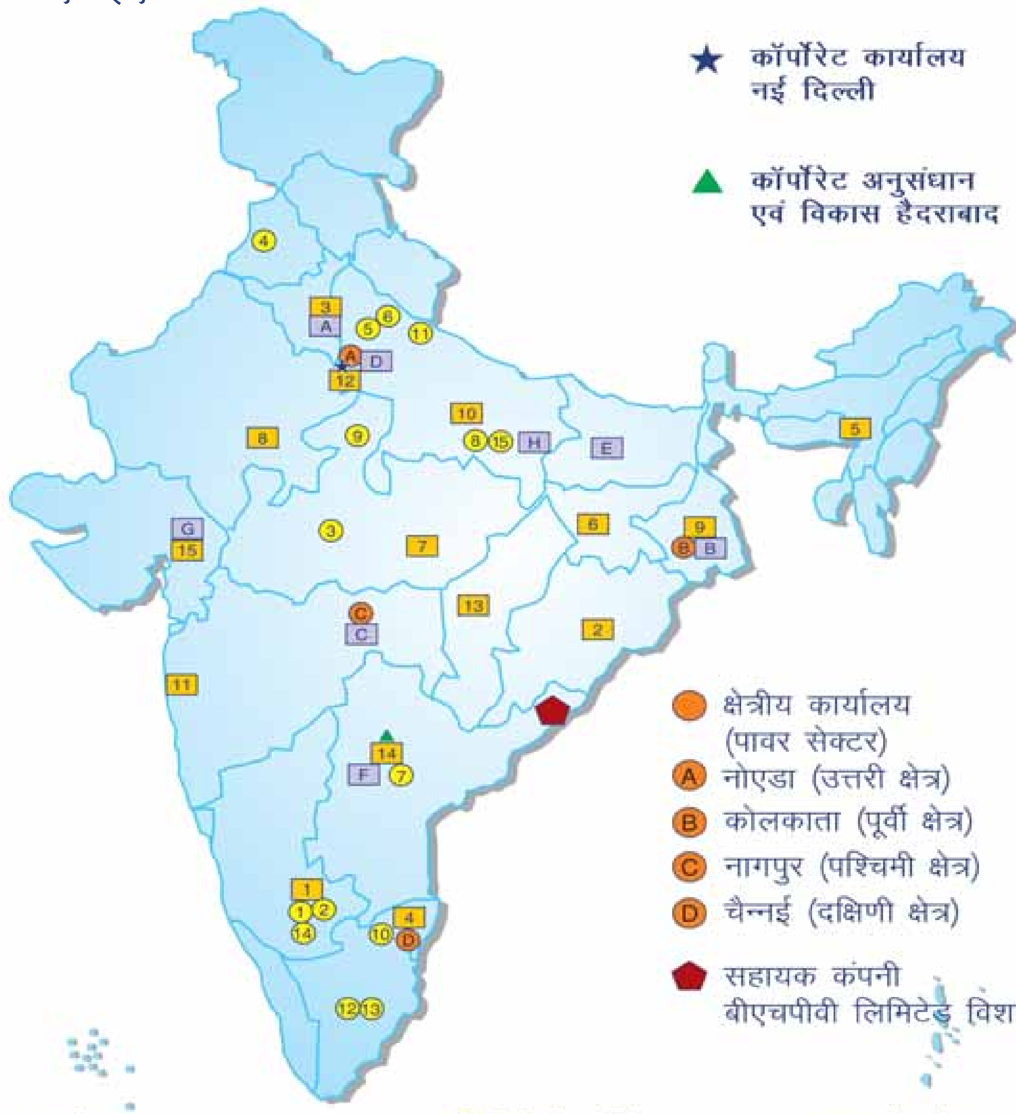

★ कॉर्पोरेट कार्यालय नई दिल्ली

▲ कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास हैदराबाद

● क्षेत्रीय कार्यालय (पावर सेक्टर)
- (A) नोएडा (उत्तरी क्षेत्र)
- (B) कोलकाता (पूर्वी क्षेत्र)
- (C) नागपुर (पश्चिमी क्षेत्र)
- (D) चैन्नई (दक्षिणी क्षेत्र)

⬟ सहायक कंपनी बीएचपीवी लिमिटेड विशाखापट्टनम

व्यवसाय कार्यालय
- 1 बेंगलूरू
- 2 भुवनेश्वर
- 3 चंडीगढ़
- 4 चैन्नई
- 5 गुवाहाटी
- 6 राँची
- 7 जबलपुर
- 8 जयपुर
- 9 कोलकाता
- 10 लखनऊ
- 11 मुम्बई
- 12 नई दिल्ली
- 13 रायपुर
- 14 सिकंदराबाद
- 15 वड़ोदरा

विनिर्माण यूनिटें
- 14 1 2 बेंगलूरू
- 3 भोपाल
- 4 गोइंदवाल
- 5 6 हरिद्वार
- 7 हैदराबाद
- 15 8 जगदीशपुर
- 9 झांसी
- 10 रानीपेट
- 11 रुद्रपुर
- 12 13 तिरुचिरापल्ली

सेवा केन्द्र
- A चंडीगढ़
- B कोलकाता
- C नागपुर
- D नोएडा
- E पटना
- F सिकंदराबाद
- G वड़ोदरा
- H वाराणसी

वैश्विक उपस्थिति

कनाडा
संयुक्त राज्य अमरीका
यूनाइटेड किंगडम
आयरलैंड
इटली
फ्रांस
माल्टा
अल्जीरिया
साइप्रस
लीबिया
त्रिनिदाद एंड टोबेगो
सूरीनाम
सेनेगल
घाना
यूगांडा
रवांडा
जाम्बिया

स्वीडन
फिनलैंड
जर्मनी
पोलैंड
चेक गणराज्य
स्विजरलैंड
रोमानिया
बुल्गारिया
ग्रीस
तुर्की
जार्जिया
कजाकिस्तान
तजाकिस्तान
अफगानिस्तान
रूस
चीन
जापान
जोर्डन
सीरिया
इराक
कुवैत
अजरबेजान
इरान
मिस्र
सउदी अरब
यूएई
ओमान
यमन
सूडान
ईथोपिया
नाइजीरिया
कीनिया
मलावी
तंजानिया
मारीशस
स्वाजीलैंड
जिम्बाब्वे
दक्षिण अफ्रीका
नेपाल
भूटान
बांग्लादेश
म्याँमार
हांगकांग
ताइवान
वियतनाम
फिलीपींस
थाइलैंड
लाओस
कम्बोडिया
मलेशिया
श्रीलंका
सिंगापुर
इंडोनेशिया
समोआ
न्यू केलिडोनिया
आस्ट्रेलिया
न्यूजीलैंड

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालयः बीएचईएल हाउस, सीरीफोर्ट, नई दिल्ली–110049

सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के सदस्यों की 46वीं वार्षिक आम बैठक बृहस्पतिवार, 17 सितंबर, 2010 को प्रातः 10.00 बजे फिक्की ऑडिटोरियम, बाराखंबा रोड (तानसेन मार्ग), नई दिल्ली–110001 में निम्नलिखित कार्य करने के लिए आयोजित की जाएगीः–

सामान्य कार्य

1. दिनांक 31 मार्च, 2010 की यथास्थिति कंपनी के लेखापरीक्षित तुलन पत्र और उस तारीख को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए लाभ और हानि तथा उसके साथ उस पर निदशकों और लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट प्राप्त करना, विचार करना और स्वीकार करना।

2. वर्ष 2009–10 के लिए लाभांश घोषित करना।

3. श्री आर. रवि, जो चक्रानुक्रम द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे हैं और पात्र होने पर स्वयं की पुनः नियुक्ति के लिए प्रस्ताव दे रहे हैं, उनके स्थान पर निदेशक नियुक्त करना।

4. श्री अशोक कुमार वसु जो चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त हो रहे हैं और पात्र होने पर स्वयं की पुनः नियुक्ति के लिए प्रस्ताव दे रहे हैं, उनके स्थान पर निदेशक नियुक्त करना।

5. श्री एम.ए. पठान जो चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त हो रहे हैं और पात्र होने पर स्वयं को पुनः नियुक्त करने के लिए प्रस्ताव दे रहे हैं, उनके स्थान पर निदेशक नियुक्त करना।

6. लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक नियत करना।

विशेष कार्य

7. **सामान्य संकल्प** के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और अगर सही माना जाए तो आशोधन सहित अथवा रहित उसे पारित करना।

   'संकल्प किया जाता है कि श्री अतुल सराया, जिन्हें कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 260 के साथ पठित कंपनी की अंतर्नियमावली के अनुच्छेद 67 (iv) के अनुसरण में दिनांक 01 अक्तूबर, 2009 से अतिरिक्त निदेशक के रूप में इस वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पद धारित करने हेतु नियुक्त किया गया था और जिनके संबंध में, कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के उपबंधों के अनुसरण में स्वयं निदेशक से लिखित सूचना प्राप्त की है कि उन्हें कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाए और एतद्द्वारा नियुक्त किया जाता है जिन्हें चक्रानुक्रम आधार पर सेवा निवृत किया जाना है।"

8. **सामान्य संकल्प** के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और अगर सही माना जाए तो आशोधन सहित अथवा रहित उसे पारित करनाः

   "संकल्प किया जाता है कि श्री वी.के. जयरथ, जिन्हें कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 260 के साथ पठित कंपनी की अंतर्नियमावली के अनुच्छेद 67 (iv) के अनुसरण में दिनांक 12 नवम्बर, 2009 से अतिरिक्त निदेशक के रूप में इस वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पद धारित करने हेतु नियुक्त किया गया था और जिनके संबंध में, कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के उपबंधों के अनुसरण में स्वयं निदेशक से लिखित सूचना प्राप्त की है कि उन्हें कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाए और एतद्द्वारा नियुक्त किया जाता है।"

9. **सामान्य संकल्प** के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और अगर सही माना जाए तो आशोधन सहित अथवा रहित उसे पारित करनाः

   "संकल्प किया जाता है कि श्री ओ.पी. भूटानी, जिन्हें कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 260 के साथ पठित कंपनी की अंतर्नियमावली के अनुच्छेद 67 (iv) के अनुसरण में दिनांक 24 दिसंबर, 2009 से अतिरिक्त निदेशक के रूप में इस वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पद धारित करने हेतु नियुक्त किया गया था और जिनके संबंध में, कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के उपबंधों के अनुसरण में स्वयं निदेशक से लिखित सूचना प्राप्त की है कि उन्हें कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाए और एतद्द्वारा नियुक्त किया जाता है।"

निदेशक मंडल की ओर से

(आई.पी. सिंह)
कंपनी सचिव

नई दिल्ली

दिनाकः 12.08.2010

पंजीकृत कार्यालयः

"बीएचईएल हाउस", सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110049

टिप्पणियां

1. बैठक में भाग लेने और मतदान के लिए हकदार सदस्य स्वयं अपने बदले बैठक में भाग लेने और मतदान करने के लिए प्रतिनिधि नियुक्त करने का हकदार है और प्रतिनिधि को कंपनी का सदस्य होना आवश्यक नहीं है। विधिवत पूरा किया गया प्रतिनिधि फार्म वार्षिक आम बैठक में निर्धारित समय के अड़तालीस घंटों (48 घंटों) पूर्व कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में जमा किया जाना चाहिए। खाली प्रतिनिधि फार्म संलग्न है।

2. ऊपर यथानिर्धारित विषेष कार्य के संबंध में कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 173(3) के अनुसरण में संगत व्याख्यात्मक विवरण यहां इसके साथ संलग्न है।

3. नियुक्ति और पुनः नियुक्ति के प्रस्तावित प्रत्येक निदेशकों का संक्षिप्त परिचय निदेशकों की रिपोर्ट के अनुबंध–2 के रूप में दिया गया है।

4. श्री एस. रवि, श्री अशोक कुमार बसु तथा श्री एम.ए. पठान, निदेशक चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त होंगे और पात्र होने पर स्वयं पुनःनियुक्ति के लिए प्रस्ताव करेंगे। तथापि, उनकी नियुक्ति की शर्त के अनुसार श्री एस. रवि, श्री अशोक कुमार बसु तथा श्री एम.ए. पठान का कंपनी के निदेशकों के रूप में कार्यकाल क्रमशः 28.11.2010, 21.06.2012 तथा 21.06.2012 को समाप्त होगा।

5. सदस्यो का रजिस्टर और कंपनी की शेयर अंतरण बहियां सदस्यों द्वारा अनुमोदित लाभांश के भुगतान, यदि कोई हो, के प्रयोजनार्थ दिनांक 03 सितंबर, 2010 से 17 सितंबर, 2010 (दोनों दिन शामिल) तक बंद रहेंगे।

6. सदस्यों को कंपनी को ईसीएस के माध्यम से प्रेषण करने में समर्थ बनाने के लिए विधिवत भरा हुआ और हस्ताक्षरित फार्म (वार्षिक रिपोर्ट में अन्यत्र दिया गया) में अपने इलेक्ट्रानिक क्लीयरिंग सर्विस (ईसीएस) का अधिदेश प्रस्तुत करने का सुझाव दिया जाता है।

7. निदेशक मंडल ने वर्ष 2009–10 के दौरान अदा किए जा चुके 110 प्रतिशत के अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त, चुकता शेयर पूंजी पर 123 प्रतिशत के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है।

8. दिनांक 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए निदेशक मंडल द्वारा यथा अनुशंसित इक्विटी शेयरों पर अंतिम लाभांश, जब कंपनी की वार्षिक आम बैठक में स्वीकृत किया जाता है, सदस्यों द्वारा लाभांश की घोषणा की तारीख से 30 दिनों के भीतर अर्थात दिनांक 16 अक्तूबर, 2010 को अथवा उसके पूर्व उन शेयरधारकों, जिनका नाम :

क शेयरों के संबंध में एन एस डी एल/सी डी एस एल द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली सूची के अनुसार 02 सितम्बर, 2010 को कारोबारी घंटो के बंद होने के समय शेयरों के लाभभोगी मालिक के नामों में इलैक्ट्रानिक मोड में रखा गया और

ख वास्तविक रूप में उन सभी वैद्य शेयरों के अन्तरण अनुरोधों को प्रभावी बनाने के पश्चात कम्पनी के सदस्यों के रजिस्टर में सदस्य के रूप में है जो 02 सितम्बर, 2010 को कारोबारी घंटों के बंद होने पर अथवा उससे पूर्व कम्पनी /आर टी ए के साथ दर्ज कराया गया।

9. यथासंशोधित कंपनी अधिनियम की धारा 205 ग के साथ पठित धारा 205क(5) के अनुसरण में लाभांष की राशि जो 7 वर्षों की अवधि के लिए अदत्त/अदावाकृत रहती है, को केन्द्र सरकार की निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि में अंतरित करना अपेक्षित है। इसके बाद सदस्यों का उक्त राशि पर चाहे किसी भी प्रकार का दावा नहीं रहता। तदनुसार, वित्तीय वर्ष 2002–03 के लिए अंतिम लाभांश जो अदावाकृत रहता है, को उक्त खाते में दिनांक 28 अक्तूबर, 2010 को अंतरित किया जाना है और वर्ष 2003–04 से प्रारंभ होने वाले आगे के वर्षों के लिए उनको संबंधित तारीखों को अंतरित किया जाना है।

सदस्यों, जिन्होंने दिनांक 31 मार्च, 2003 को समाप्त अथवा उसके बाद किसी वित्तीय वर्ष (वर्षों) के लिए अभी तक अपने अंतिम लाभांश का दावा/नकदीकरण नहीं किया है, निर्दिष्ट 7 वर्ष की अवधि की समाप्ति के पूर्व भुगतान प्राप्त करने के लिए कंपनी से संपर्क कर सकते हैं।

10. सदस्य फार्म–2 ख (वार्षिक रिपोर्ट में अन्यत्र दिया गया) में ऐसे किसी व्यक्ति को, जिनमें उनकी मृत्यु की दशा से कंपनी में उनके शेयर विहित होंगे, नामित करके कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 109क के अनुसार नामांकन की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं।

11. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 224 (8) (कक) के साथ पठित धारा 619 (2) के अनुसरण में किसी सरकारी कंपनी के

लेखापरीक्षक भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त अथवा पुनः नियुक्त किए जाते हैं और उनका पारिश्रमिक वार्षिक आम बैठक में कंपनी दवारा नियत किया जाता है। कार्य की मात्रा में वृद्दि और विद्यमान मुद्रास्फीति पर विचार करने के बाद आम बैठक वर्ष 2010–11 के लिए लेखापरीक्षकों का उपयुक्त पारिश्रमिक नियत करने के लिए निदेशक मंडल को प्राधिकृत कर सकती है।

12. किसी भी कॉर्पोरेट सदस्य को व्यक्तिगत रूप से केवल तभी उपस्थित समझा जाएगा अगर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 187 के अनुसार उसका प्रतिनिधित्व किया जाता है अर्थात केवल तभी अगर कॉर्पोरेट सदस्य वार्षिक आम बैठक में भाग लेने और मतदान करने के लिए प्रतिनिधि को प्राधिकृत करते हुए मुख्तारनामा निदेशक मंडल के संकल्प की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपि भेजता है।

13. सदस्यों के पते में किसी परिवर्तन को तत्काल अधिसूचित करने का अनुरोध किया जाता है,

    i. अपने इलेक्ट्रानिक शेयर खाते के संबंध में अपने निक्षेपागार भागीदार (डीपी) को, और

    ii. लाभांश वारंट की तत्काल और सुरक्षित प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए अपनी फोलियो संख्या, बैंक का नाम और खाता संख्या बताते हुए अपने वास्तविक शेयरों, अगर कोई हो, के संबंध में कंपनी के पंजीकृत कार्यालय को भेजें।

14. सदस्य, जो अमूर्त रूप में शेयर धारित करते हैं, वे अपनी ग्राहक और डीपी आईडी संख्या लिखने का और जो वास्तविक रूप में शेयर धारित करते हैं, उनसे बैठक में भाग लेने के लिए उपस्थिति पर्ची में अपनी फोलियो संख्या लिखने का अनुरोध किया जाता है। तथापि, ऑडिटोरियम में प्रवेश स्थल पर काउंटर में उपलब्ध और उपस्थिति पर्ची से बदली जाने वाली प्रवेश पर्ची के आधार पर सख्ती से होगा।

15. सदस्यों से निम्नलिखित अनुरोध किया जाता है:

    i. बैठक के समय अपनी वार्षिक रिपोर्ट की प्रति, सूचना और उपस्थिति पर्ची लाएं।

    ii. सभी पत्राचार में अपनी फोलियो संख्या/आईडी संख्या बताएं।

    iii. यह नोट कर लें कि सुरक्षा कारणों से ऑडिटोरियम के भीतर कोई ब्रीफकेस अथवा बैग ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

    iv. यह नोट कर लें कि वार्षिक आम बैठक में कोई उपहार वितरित नहीं होगा।

निदेशक मंडल के आदेश से

(आईपी सिंह)
कंपनी सचिव

नई दिल्ली,

दिनांक: अगस्त 12, 2010

पंजीकृत कार्यालय:

"बीएचईएल हाउस", सीरीफोर्ट, नई दिल्ली–110049

सूचना का अनुबंध

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 173(2) के अनुसरण में व्याख्यात्मक विवरण

निम्नलिखित व्याख्यात्मक विवरण इसके साथ दिनांक 12 अगस्त, 2010 की सूचना के मद सं. 7 से 9 में उल्लिखित कार्य से संबद्ध वास्तविक तथ्यों का वर्णन करता है।

मद संख्या 7

56 वर्षीय श्री अतुल सराया, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक हैं और बिजनेस मैनेजमेंट में पी.जी. डिप्लोमा धारक हैं। भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार श्री अतुल सराया को पांच वर्ष की अवधि अर्थात 30.09.2014 तक अथवा अगले आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, कार्यालय का कामकाज देखने के लिए दिनांक 01.10.2009 से कंपनी के अपर निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। इस प्रकार नियुक्त किए जाने पर श्री अशोक कुमार बसु कंपनी की अंतर्नियमावली के अनुच्छेद 67(iv) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 260 द्वारा आगामी वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पद धारित करेंगे और पुनःनियुक्त किए जाने के पात्र हैं। उनके पास बीएचईएल के 200 शेयर हैं।

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के अनुसार कंपनी ने कंपनी के निदेशक पद पर श्री अतुल सराया की उम्मीदवारी के रूप में स्वयं निदेशक से 500 रुपये की जमा राशि के साथ प्रस्ताव करते हुए लिखित सूचना प्राप्त की है।

श्री अतुल सराया को छोड़कर कंपनी के किसी भी निदेशक का संकल्प से संबंध अथवा हित नहीं है।

निदेशक मंडल संकल्प की शेयरधारकों के अनुमोदन के लिए सिफारिश करता है।

मद संख्या 8

51 वर्षीय श्री वी.के. जयरथ एक सेवानिवृत आई.ए.एस. अधिकारी हैं। भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार श्री वी.के. जयरथ को तीन वर्ष की अवधि अर्थात 11.11.2012 तक अथवा अगले आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, कार्यालय का कामकाज देखने के लिए दिनांक 12.11.2009 से कंपनी के अपर निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। इस प्रकार नियुक्त किए जाने पर श्री वी.के. जयरथ कंपनी की अंतर्नियमावली के अनुच्छेद 67(iv) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 260 द्वारा आगामी वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पद धारित करेंगे और पुनःनियुक्त किए जाने के पात्र हैं।

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के अनुसार कंपनी ने कंपनी के निदेशक पद पर श्री वी.के. जयरथ उम्मीदवारी के रूप में स्वयं निदेशक से 500 रुपये की जमा राशि के साथ प्रस्ताव करते हुए लिखित सूचना प्राप्त की है।

श्री वी.के. जयरथ को छोड़कर कंपनी के किसी भी निदेशक का संकल्प से संबंध अथवा हित नहीं है।

निदेशक मंडल संकल्प की शेयरधारकों के अनुमोदन के लिए सिफारिश करता है।

मद संख्या 9

57 वर्षीय श्री ओ.पी. भूटानी मेकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक हैं तथा दिल्ली विश्वविद्यालय से एमबीए हैं। भारत सरकार के निर्देशो के अनुसार श्री ओ.पी. भूटानी को पांच वर्ष की अवधि अर्थात 23.12.2014 तक अथवा अगले आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, कार्यालय का कामकाज देखने के लिए दिनांक 24.12.2009 से कंपनी के अपर निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। इस प्रकार नियुक्त किए जाने पर श्री ओ.पी. भूटानी कंपनी की अंतर्नियमावली के अनुच्छेद 67(iv) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 260 द्वारा आगामी वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पदधारित करेंगे और पुनःनियुक्त किए जाने की पात्र हैं।

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के अनुसार कंपनी ने कंपनी के निदेशक पद पर उनकी उम्मीदवारी के रूप में स्वयं निदेशक से

500 रुपये की जमा राशि के साथ प्रस्ताव करते हुए लिखित सूचना प्राप्त की है।

श्री ओ.पी. भूटानी को छोड़कर कंपनी के किसी भी निदेशक का संकल्प से संबंध अथवा हित नहीं है।

निदेशक मंडल संकल्प की शेयरधारकों के अनुमोदन के लिए सिफारिश करता है।

निदेशक मंडल के आदेश से

(आईपी सिंह)
कंपनी सचिव

नई दिल्ली,
दिनांकः 12 अगस्त, 2010

रजिस्टर्ड कार्यालयः
"बीएचईएल हाउस", सीरीफोर्ट, नई दिल्ली–110049

यहां से काटिए

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय, बीएचईएल हाउस, सीरीफोर्ट, नई दिल्ली–110049

प्रतिनिधि फार्म

फोलियों / आईडी सं.

शेयरों की संख्या

मैं / हम..
जिला...
....का / के
....
....उपयुक्त कंपनी का / के
सदस्य हूं / है और एतद्द्वारा...जिला..को अथवा.............................
उनकी अनुपस्थिति में...जिला...को मेरे / हमारे
प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करता हूं / करते है, जो 17 सितम्बर, 2010 को आयोजित होने वाली 46वीं वार्षिक समान्य बैठक में मेरी / हमारी ओर से मतदान करेंगे।

30 पैसे
का रसीदी
टिकट
चिपकाएं

टिप्पणियां : क) फार्म पर कंपनी में दर्ज हस्ताक्षर के अनुसार टिकट के ऊपर हस्ताक्षर किया जाना चाहिए।
ख) यह फार्म बैठक के आयोजन से अड़तालीस घंटे पूर्व कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में जमा कराया जाना चाहिए

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय, बीएचईएल हाउस, सीरीफोर्ट, नई दिल्ली–110049

उपस्थिति पर्ची

दिनांक 17 सिंतंम्बर, 2010 को पूर्वाहन 10.00 बजे फिक्की सभागार,
बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली–110001 में आयोजित होने वाली
46 वीं वार्षिक आम बैठक

उपस्थित सदस्य का नाम
(साफ अक्षरों में भरें)

फोलियो / आईडी सं.

धारित शेयरों की सं.

प्रतिनिधि का नाम

(साफ अक्षरों में भरें यदि सदस्य के स्थान पर प्रतिनिधि भाग ले रहा हो)

मैं एततद्वारा 17 सितम्बर 2010 को आयोजित 46 वीं वार्षिक आम बैठक में अपनी उपस्थति दर्ज करता / करती हूं।

सदस्य / प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

(विधिवत भरी गई इस पर्ची को बैठक कक्ष में प्रवेश द्वार पर सौपां जाए।)

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय, बीएचईएल हाउस, सीरीफोर्ट, नई दिल्ली–110049

प्रिय शेयरधारक/शेयरधारकों

संदर्भ : इलेक्ट्रानिक समाशोधन देयताएं (ईसीएस) राष्ट्रीय इलेक्ट्रानिक समाशोधन द्वारा लाभांश का भुगतान

यदि आपने पहले से हमारे रजिस्ट्रारों यानि मैसर्ज कार्वी कम्प्युटरशेयर प्राइवेट लिमिटेड या निक्षेपागार सहभागी (डीमैट होल्डिंग के मामले में), को ईसीएस/बैंक लेखा विवरण प्रेषित नहीं किए है, तो आपसे हमारा अनुरोध है कि नीचे दिए गए फॉर्मेट में उक्त विवरण उपलब्ध कराएं, ताकि 17 सितंबर, 2010 को आयोजित होने वाली कंपनी की 46वीं वार्षिक आम बैठक में घोषित होने वाले लाभांश का शीघ्र सुरक्षित एवं सही भुगतान किया जा सके।

कृप्या सुनिश्चित करें कि रजिस्ट्रारों/निक्षेपागार सहभागी को आपके द्वारा प्रस्तुत किए गए विवरण सही हैं, क्यो कि उनमें कोई त्रुटि होने पर लाभांश की राशि गलत खाते में जमा हो जाएगी।

ईसीएस द्वारा और/अथवा नामोदिष्ट बैंक खातें में लाभांश का भुगतान, जो कि लाभांश वारंट पर लिखा होगा, लाभांश वारंट के कपटपूर्ण नकदीकरण को रोकने में सहायक होगा।

भवदीय

(आई. पी. सिंह)
कंपनी सचिव

पीएसः यदि आपके पास डीमैट रूप में शेयर हैं तो अपने निक्षेपागार सहभागी को आपके बैंक खाता विवरणों/ईसीएस अधिदेश पर ध्यान देने का परामर्श दें।

एनईसीएस/ईसीएस अधिदेश/बैंक खाता विवरणों के लिए फार्म

मैं/हम...एतदद्वारा बीएचईएल/अपने निक्षेपागार सहभागी को

❐ मेरे/हमारे लाभांश वारंट पर निम्न विवरण छापनें

❐ ईसीएस द्वारा बैंक खातें में मेरी लाभांश राशि जमा करने हेतु प्रधिकृत करता हूँ/करते हैं

(जो लागू न हो, कृपया उसे काट दें)

मेरा/हमारा फोलियों सं...डीपी आईडी सं...................................... ग्राहक खाता सं................................

बैंक खाते का विवरण :

क. बैंक का नाम : ....

ख. शाखा का नाम : ....
(केवल अधिदेश के लिए पता) ....

ग. एमआईसीआर चैक में दिए गए बैंक और शाखा के 9 अंकों की कोड संख्या : ....

घ. खाते का प्रकार (बचत/चालू) : ....

ड. चैक बुक में दिए गए अनुसार खाता सं. : ....

च. शेयरधारक का एसटीडी कोड एवं दूरभाष सं. : ....

यदि ईसीएस कार्यान्वित न हो सकी अथवा बैंक ईसीएस को किसी कारण से समाप्त कर देता है, तो मैं/कंपनी को जिम्मेदार नहीं ठहराऊंगा/ठहराएंगें।

को प्रेषण :

मैसर्ज कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्राइवेट लिमिटेड
यूनिट : बीएचईएल
17–24, विट्ठल राव नगर,
माधापुर, हैदराबाद–500081

....
शेयरधारक के हस्ताक्षर

9. अंकों की कोड सं. की यथार्थता के सत्यापन हेतु कृपया आपके उक्त लेखा से संबंधित आपके बैंक द्वारा जारी चैक या खाली रद् किए गए चैक की प्रति संलग्न करे।

यहां से काटिए

फार्म 2 बी

(कृप्या कंपनी (केन्द्रीय सरकार) सामान्य नियम और प्रपत्र 1956 का नियम 4गगग और 5घ देखें

नामांकन फार्म

(व्यक्तिगत या संयुक्त रूप में आवेदन करने वाले व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा भरा जाएं)

मैं/हम..एवं..और..भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के क्रमांक...का/के शेयरधारक, नामांकन करना चाहता हूं/करते हैं तथा निम्न व्यक्ति (व्यक्तियों), जिसमें मेरी या जिनमें मेरी जिनमें हमारी मृत्यु होने पर अंतरण और/अथवा शेयरों से संबद्ध) देय राशि के सभी अधिकार निहित है, को नामित करता हूं/करते है।

नामिति/नामितियों के नाम एवं पता

नाम ....

पता ....

....

जन्म तिथि* : ....

(*नामिति के नाबालिग होने के मामले में भरा जाएं)

** नामिति नाबालिग है, जिसका अभिभावक..है

नाम व पता..

....

....

(** यदि लागू न हों, तो हटा दिए जाएं)

हस्ताक्षर :..

नाम :..

पता :..

दिनांक :..

हस्ताक्षर :..

नाम :..

पता :..

दिनांक :..

हस्ताक्षर :..

नाम :..

हस्ताक्षर :..

दिनांक : ....

दो गवाहों के पते, नाम एवं हस्ताक्षर

	नाम एवं पता	तिथि सहित हस्ताक्षर
1.		
2.		

निर्देश:

1. केवल उन व्यक्तियों द्वारा ही नामांकन किया जा सकता है, जिन्होंने अपनी ओर से एकल या संयुक्त रूप से शेयरों के लिए आवेदन किया हो या धारक हो। सोसायटी, न्यास, कॉर्पोरेट निकाय, साझेदारी फर्म, हिन्दू अविभाजित परिवार का कर्ता, मुख्तारनामा धारक सहित गैर–व्यक्ति नामांकन नहीं कर सकते। यदि शेयर संयुक्त रूप से धारित किया जाता है तो सभी संयुक्त शेयरधारक नामांकन फार्म पर हस्ताक्षर करेंगे। नमूने के तौर पर स्थान उपलब्ध कराया गया है। यदि संयुक्त धारक अधिक हैं, तो शेयरों के धारकों तथा गवाह के हस्ताक्षर के लिए अधिक शीटें प्रयोग में लाई जा सकती हैं।
2. शेयरों के धारक द्वारा नाबालिग को नामित किया जा सकता है तथा उस स्थिति में धारक द्वारा अभिभावक का नाम और पता दिया जाएगा।
3. न्यास, सोसायटी, कॉर्पोरेट निकाय साझेदारी फर्म, हिन्दू अविभाजित परिवार का कर्ता या मुख्तारनामा धारक नामिती नहीं होगा। अनिवासी भारतीय प्रत्यावर्तन के आधार पर नामिती हो सकता है।
4. शेयर के अंतरण पर नामांकन विखंडित हो जाता है।
5. वैध उत्तराधिकारी के विरुद्ध नामिती के पक्ष में शेयर का अंतरण कंपनी द्वारा वैध रूप से डिस्चार्ज किया जाएगा।
6. कंपनी/कंपनी के रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ता को नामांकन/नामांकन फार्म के संबंध में सूचना दो प्रतियों में देनी होगी, जो उसकी एक प्रति शेयरधारक को वापस करेगी/करेगा।

कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

नि.सा.उ. कार्यकलाप के भाग के रूप में अपनाए गए गांवों में और "कुंभ मेला" के दौरान बीएचईएल द्वारा प्रदान की जा रही चिकित्सा सुविधाएं

कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

बीएचईएल के राष्ट्र–निर्माण प्रयासों में व्यावसायिक भागीदार बनने के लिए गृहिणीयों को समर्थ बनाते हुए–बीएचईएल, तिरूचिरापल्ली ने महिला उद्यमियों के लिए ''उद्यमी उन्मुखीकरण कार्यक्रम'' संचालित किया

रोजगार सृजित करने का एक प्रयास– बीएचईएल, तिरूचिरापल्ली पड़ोसी गांवों की निर्धन महिलाओं को सिलाई मशीन वितरित करते हुए

हरिद्वार में बीएचईएल के टाउनशिप में औषधीय पौधों का रोपण किया जा रहा है

बीएचईएल, भोपाल द्वारा अपनाए गए एक गांव में विकलांग व्यक्तियों को तिपहिया साइकिल का वितरण

बैंकर्स

स्टेट बैंक आफ इंडिया
इलाहाबाद बैंक
आंध्रा बैंक
एक्सिस बैंक
बैंक ऑफ बड़ौदा
बैंक ऑफ इंडिया
केनरा बैंक
सेंट्रल बैंक
आंध्रा सी आई टी आई बैंक एन. ए
कॉरपोरेशन बैंक
डच बैंक ए जी
दी फेडरल बैंक लि.
एचडीएफसी बैंक
आईसीआईसीआई बैंक
आईडीबीआई बैंक
इडियन बैंक
इंडसिंड बैंक
कोटेक महिन्द्रा बैंक लि.
ओरिएण्टल बैंक ऑफ कॉमर्स
पंजाब नेशनल बैंक
पंजाब एण्ड सिंध बैंक
स्टैण्डर्ड चाटर्ड बैंक
स्टैट बैंक ऑफ हैदराबाद
स्टैट बैंक ऑफ ट्रावनकौर
सिंडिकेट बैंक
दि हांगकांग एण्ड शिघाई बैंकिग कॉरपोरेशन लि.
दि रायल बैंक ऑफ स्कॉटलैण्ड एन. वी.
यूसीओ बैंक
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
युनाईटेड बैंक ऑफ इंडिया
विजया बैंक

लेखा परीक्षक

एम.एल.पुरी एंड कं., नई दिल्ली

गांधी निमोचा एण्ड कं., नई दिल्ली

चन्द्रन एण्ड रमन, चैन्नई

जवाहर एण्ड एसोसिएटस, हैदराबाद

मेहरोत्रा एण्ड मेहरो़त्रा, कानपुर

फिलिप्स एण्ड कं. बंगलौर

एस. एल. छाजेड एण्ड कं., भोपाल

शेयर अंतरण एजेंट

मैसर्स कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्राइवेट लिमिटेड
यूनिट : **बीएचईएल**

दिल्ली का पता	: 105–108, अरूणाचल बिल्डिंग,
	: 19, बाराखम्बा रोड,
	: नई दिल्ली – 110 001
	: दूरभाष : 011–23324401, 43681700 / 01 / 02 / 21
	: फैक्स : 011–23730743
	: ई–मेल : ksbldelhi@karvy.com

हैदराबाद का पता
यूनिट : **बीएचईएल**

	: 17–24, विट्ठल राव नगर, माधापुर,
	: हैदराबाद–500 081
दूरभाष	: 040–44655000
फैक्स	: 040–44655024
ई–मेल	: madhusudhan@karvy.com mailmanager@karvy.com
वैबसाइट	: www.karvycomputershare.com

पंजीकृत कार्यालय

बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट,
नई दिल्ली–110049 (भारत)
फोन : 66337000 (15 लाइन्स)
फैक्स : 011–66337533
http://www.bhel.com

प्रगति को गति . . . जीवन को ज्योति

भारत के हर घर से जुड़ा

बी एच ई एल

BHEL

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110 049, भारत

वेबसाइट : http://www.bhel.com

Newfields / Magna